आज़ादी का अमृत महोत्सव

वार्षिक रिपोर्ट 2020-21

बी एच ई एल
BHEL

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान

बीएचईएल

परिचय

- भारत का अपनी तरह का सबसे बड़ा इंजीनियरिंग और विनिर्माण उद्यम
- भारतीय कैपिटल गुड्स उद्योग में दूसरा सबसे बड़ा नियोक्ता
- देश की कुल स्थापित पारंपरिक विद्युत उत्पादन क्षमता में 53% हिस्सेदारी के साथ शीर्ष योगदानकर्ता
- अखिल भारतीय उपस्थितिः 16 विनिर्माण इकाइयां; 8 सेवा केंद्र

प्रस्ताव

- पावर– थर्मल, हाइड्रो, गैस, परमाणु और सौर पीवी
- परिवहन
- पारेषण (ट्रांसमिशन)
- रक्षा और एयरोस्पेस
- तेल एवं गैस
- ऊर्जा भंडारण
- जल

पावर एवं उद्योग क्षेत्र में राष्ट्र को आत्मनिर्भर बना रहा है

उपस्थिति

देश के सभी राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों में 457 कोयला, 422 हाइड्रो, 103 गैस, 12 परमाणु और 45 मेगावाट स्केल ग्रिड कनेक्टिड सोलर पीवी प्लांट का निष्पादन

सभी 6 बसे हुए महाद्वीपों के 86 देशों से व्यावसायिक संबंध

भारत की अग्रणी इंजीनियरिंग एवं विनिर्माणी कंपनी

पावर, उद्योग और अधोसंरचना क्षेत्रों के सपोषणीय समाधानों का एकल स्रोत

प्रतिभाशाली और कुशल कार्यबल द्वारा समर्थित भारतीय विद्युत संयंत्र उपकरण निर्माताओं में निर्विवाद रूप से शीर्षस्थ कंपनी

देश के रणनीतिक क्षेत्रों में कार्यरत

विश्वस्तरीय प्रौद्योगिकी और परिसंपत्तियाँ

भारतीय इंजीनियरिंग क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास और नवाचार पर लगातार निवेश

राष्ट्र की ऑक्सीजन के लिए आत्मनिर्भरता में सहयोग!

कोविड–19 की दूसरी लहर के समय, जब राष्ट्र में अप्रत्याशित संकट खड़ा हो गया, तो बीएचईएल इस अवसर पर उभर कर सामने आया और मेडिकल ऑक्सीज़न की आपूर्ति हेतु युद्ध स्तर पर काम कर देश को गंभीर स्थिति से निपटने में सक्षम बनाने में सहयोग किया।

बीएचईएल के भोपाल एवं हरिद्वार विनिर्माण संयंत्र ने अपने आसपास के राज्यों के अस्पतालों में 5,75,000 घन मीटर (8,000 से अधिक सिलेंडर) की आपूर्ति की। बीएचईएल हरिद्वार ने केवल एक सप्ताह के रिकॉर्ड समय में अपनी सिलेंडर भरने की क्षमता 300 से बढ़ाकर 3,000 से अधिक सिलेंडर प्रतिदिन की है। एचपीईपी हैदराबाद में 10 से अधिक वर्षों से बंद पड़े 40 वर्ष पुराने ऑक्सीजन संयंत्र को भी तेलंगाना में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए पुनर्जीवित किया गया था। बीएचईएल ने उपनगरों एवं नगरों के व्यापक स्तर पर सेनेटाईजेशन के लिए अनेक नये समाधान भी तैयार किए।

भविष्य में इस तरह के किसी भी संकट से बचने के लिए देश के प्रयासों को पूरा करते हुए, बीएचईएल अब 1000 एलपीएम तक के मेडिकल ऑक्सीजन संयंत्रों का निर्माण और आपूर्ति कर रहा है। इसके अलावा, जिन इकाइयों में इस प्रकार की सुविधाएं नहीं हैं उनमें आक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित किए जा रहें हैं।

अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की देखभाल करते हुए, बीएचईएल ने अपने चिकित्सा अधोसंरचना को उन्नत करने और सभी विनिर्माण स्थानों में अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों को सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए ठोस प्रयास किया। महामारी के दौरान हमारे जो कर्मचारी दुर्भाग्यवश दिव्यंगत हो गए हैं उनके लिए एक सहायता योजना शुरू की गई है।

बीएचईएल अपने विभिन्न स्थानों पर स्थित परिसरों में कार्यरत कर्मचारियों, उनके परिवारों और कार्यरत सभी व्यक्तियों के 100% टीकाकरण पर तेजी से काम कर रहा हैं।

विषय सूची

वार्षिक समीक्षा 4

शेयरधारकों को पत्र 4

बीएचईएल का नेतृत्व 8

वर्ष के दौरान बीएचईएल एक नजर में 14

कॉर्पोरेट प्रोफाइल 16

बीएचईएल का परिचय 16

अखिल भारतीय उपस्थिति 20

बीएचईएल की दुनिया 22

उत्कृष्टता का सम्मान 24

निदेशक मंडल रिपोर्ट 28

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण 36

- व्यवसाय क्षेत्रों की रूपरेखा और कार्य निष्पादन 41
- वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण 64

कॉर्पोरेट अभिशासन 81

सतत विकास 107

व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट 134

अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकीय प्रगति 142

वित्तीय विवरण 165

एकल वित्तीय विवरण 166

समेकित वित्तीय विवरण 236

अतिरिक्त जानकारी 319

वित्तीय निष्पादन प्रवृति 320

वर्षवार पूंजी व्यय 323

मूल्यवर्धित विवरण 323

उत्पादों की सूची 324

शब्दावली 331

सूचना 335

शेयरधारकों को पत्र

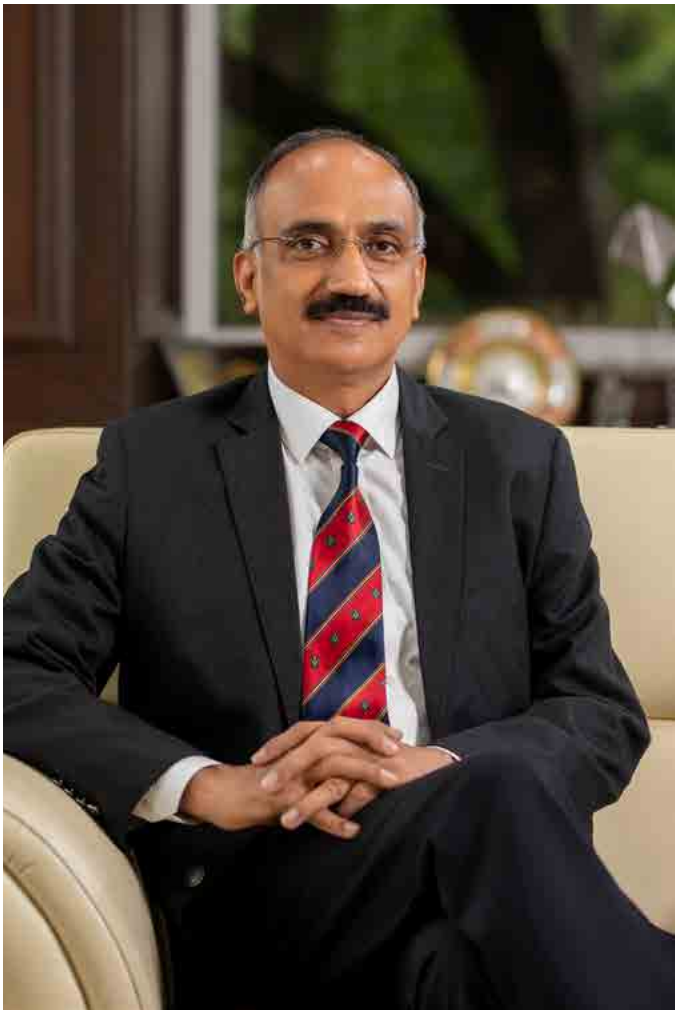

डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

"बीएचईएल स्वयं को जीवंत एवं प्रगतिशील वैश्विक इंजीनियरिंग संगठन में बदलने की राह पर है"

प्रिय शेयरधारक,

पिछला वर्ष कोविड–19 महामारी के कारण बड़ी चुनौती का वर्ष रहा, जिसने भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ–साथ दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को बुरी तरह प्रभावित किया है। इस महामारी ने आपकी कंपनी के कार्य निष्पादन को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया। तथापि, आपकी कंपनी इस स्थिति से निपटने के लिए बढ़–चढ़कर आगे आई और इस दिशा में राष्ट्र स्तर पर किए जा रहे प्रयासों में सहयोग किया। साथ ही, दीर्घकालिक विकास के लिए अपनी नींव को मजबूत बनाने की दिशा में भी कार्य किया।

महामारी के शुरुआती दिनों से ही, आपकी कंपनी अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा बड़े पैमाने पर समाज की मदद करने में सबसे आगे रही है। यह प्रयास दूसरी लहर के दौरान भी जारी रहा और कंपनी ने **5,75,000** घन मीटर अर्थात **80,000** से अधिक मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडरों की आपूर्ति की। वस्तुतः, बीएचईएल उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, भोपाल आदि में आपातकालीन चिकित्सा ऑक्सीजन का प्रमुख स्रोत था, जिसके परिणामस्वरूप बहुत–सी जानें बचाई जा सकीं। हमने अस्पतालों के लिए सीएसआईआर–आईआईपी के सहयोग से रिकॉर्ड समय में चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्रों का विकास और आपूर्ति की है। आपकी कंपनी ने कस्बों और शहरों के बड़े पैमाने पर सैनिटाइजेशन के लिए कीटाणुशोधन मशीनें भी विकसित और निर्मित कीं, तथा कंपनी के अस्पतालों और औषधालयों को अपग्रेड किया। एक देखभाल करने वाली कंपनी के रूप में अपनी छवि को कायम रखते हुए, बीएचईएल ने उन कर्मचारियों के परिवारों की देखभाल के लिए एक सहायता योजना शुरू की, जो दुर्भाग्य से महामारी का शिकार हो गए थे।

यद्यपि कोविड की दूसरी लहर ने देश और आपकी कंपनी को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया है, फिर भी बीएचईएल ने अपने परिचालनों को तेजी से वापस लाने हेतु अनेक कदम उठाए हैं और कार्यस्थलों को कोविड मानदंडों के अनुरूप बनाकर तथा अपनी इकाइयों एवं परियोजना स्थलों पर व्यापक टीकाकरण अभियान चलाकर भविष्य में आने वाली किसी लहर के प्रभाव को कम करने के प्रयास किए हैं। कंपनी न केवल कर्मचारियों और उनके परिवारों का, बल्कि अपने परिसरों में काम करने वाले सभी व्यक्तियों का भी टीकाकरण सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। इसके अलावा, हम उन इकाइयों में ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित कर रहे हैं, जहाँ फिलहाल ऑक्सीजन उत्पादन की सुविधा नहीं है, ताकि भविष्य में किसी आपातकाल की स्थिति में, ऑक्सीजन की अनुपलब्धता (जैसा कि दूसरी लहर में हुआ) के कारण काम में रुकावट न आए और साथ ही बड़े पैमाने पर समाज की सहायता की जा सके।

प्रमुख निष्पादन उपलब्धियां

कोविड की पहली लहर के कारण हुए व्यवधान का, विनिर्माण इकाइयों के साथ–साथ परियोजना स्थलों पर भी कंपनी के परिचालन पर गंभीर प्रभाव पड़ा। हालांकि बाद में गतिविधियों को फिर से सामान्य स्तर पर शुरू करने

के लिए सभी प्रयास किए गए थे, लेकिन प्रतिकूल प्रभाव वार्षिक परिणामों में दिखाई दे रहा है।

- कोविड से संबंधित अनिश्चितताओं के कारण ग्राहकों द्वारा ऑर्डर करने में सुस्ती के बावजूद आपकी कंपनी ने 13,472 करोड़ रु. के ऑर्डर प्राप्त किए। आपकी कंपनी ने जल विद्युत क्षेत्र में अब तक के सबसे अधिक ऑर्डर बुक किए और परमाणु ऊर्जा तथा उत्सर्जन नियंत्रण व्यवसाय के लिए इंजीनियरिंग और उपकरणों के निर्माण में अपना नेतृत्व बनाए रखने में भी सफल रही।
- आपकी कंपनी ने आईओसीएल पारादीप से सल्फर रिकवरी यूनिट (525 टीपीडी) के लिए अपना पहला ऑर्डर प्राप्त किया है, और इसके सफलतापूर्वक पूरा होने पर बीएचईएल डाउनस्ट्रीम ऑयल एंड गैस सेक्टर में आगामी अवसरों में प्रोसेस पैकेज के लिए एक एलएसटीके प्लेयर के रूप में स्थापित हो जाएगा।
- कंपनी ने 2020–21 में 2,717 करोड़ रु. की निवल हानि के साथ 16,296 करोड़ रु. का कारोबार दर्ज किया। हानि में लगभग 1,800 करोड़ रु. का अतिरिक्त मेरिट आधारित प्रावधान भी शामिल है, जो प्राप्य राशियों की विस्तृत समीक्षा के बाद विशेष रूप से किया गया था, जिसे कंपनी द्वारा अत्यधिक वित्तीय विवेक के उपाय के रूप में लिया गया था, ताकि प्राप्य प्रबंधन प्रक्रिया को मजबूत किया जा सके और बैलेंस शीट में संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। इसके अलावा, कोविड अवधि के दौरान गैर–उत्पादक व्ययों के कारण भी हानि में वृद्धि हुई (वेतन/ व्यय जिससे कोई उत्पादन नहीं हुआ)।
- आपकी कंपनी ने अपने परिचालन को राजस्व केंद्रित से बदलकर परियोजना केंद्रित करने की रणनीति अपनाने की एक बड़ी पहल की है, जिसने अल्पावधि में राजस्व को प्रभावित किया है, लेकिन इससे परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और ग्राहक संतुष्टि में सुधार करने में मदद मिलेगी तथा दीर्घकालिक व्यवसाय की संभावनाओं में पर्याप्त मात्रा में वृद्धि होगी।
- नकदी संग्रहण के लिए सम्मिलित प्रयासों के परिणामस्वरूप चालू वर्ष की बिलिंग के 82% का लिक्विडेशन हुआ, जो पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है और कंपनी ने पिछले वर्ष के 3,587 करोड़ रु. के घाटे के मुकाबले वित्त वर्ष 2020–21 में 383 करोड़ रु. का नकद अधिशेष हासिल किया।

> नकदी संग्रहण के लिए ठोस प्रयासों और बेहतर निष्पादन के परिणामस्वरूप कंपनी को वित्त वर्ष 2020–21 में पिछले वर्ष 3,587 करोड़ रु. की कमी के मुकाबले नकद अधिशेष मिला।

आर्थिक और व्यावसायिक वातावरण

महामारी के कारण संकुचन के बाद, वायरस की दूसरी लहर के समाप्त होने और अर्थव्यवस्था में फिर से चरणबद्ध रूप से सुधार होने के साथ घरेलू आर्थिक गतिविधि सामान्य हो रही है। कई उच्च आवृत्ति संकेतक, जैसे, ऑटोमोबाइल का पंजीकरण, बिजली की खपत, गैर–तेल गैर–सोने का आयात, उपभोक्ता टिकाऊ बिक्री और शहरी श्रमिकों को काम पर रखने से पता चलता है कि खपत, निवेश और बाहरी मांग फिर से बढ़ रही है।

निवेश की मांग अभी भी कमजोर बनी हुई है। हालांकि, क्षमता उपयोग में सुधार, इस्पात की बढ़ती खपत, अनुकूल मौद्रिक और राजकोषीय नीतियां और सरकार द्वारा घोषित आर्थिक पैकेज और अन्य उपायों से लंबे समय से प्रतीक्षित पुनरुद्धार शुरू होने की उम्मीद है।

हालांकि नए कोयला आधारित बिजली उत्पादन उपकरणों का ऑर्डर कमजोर बना हुआ है, उत्सर्जन नियंत्रण व्यवसाय की मांग मजबूत और बढ़ रही है। रेल परिवहन क्षेत्र में शहरी गतिशीलता में वृद्धि, रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्रों में स्वदेशीकरण पर जोर, और तेल और गैस क्षेत्र में अपेक्षित विस्तार नए अवसर प्रदान करना जारी रखेगा। सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल भी कंपनी के लिए अनेक अवसर पैदा कर रही है।

भविष्य का दृष्टिकोण

यद्यपि चुनौतियां बनी हुई हैं, किंतु इस विषम परिस्थिति में अनेक अवसर भी मिल रहे हैं। कंपनी का मानना है कि उत्पादों और परियोजनाओं की समय पर और उच्च गुणवत्ता वाली डिलीवरी, उभरती प्रौद्योगिकियों में आक्रामक प्रयास, सरकार, सार्वजनिक उपक्रमों, निजी उद्योग, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और शिक्षाविदों के साथ मिलकर काम करना एक मजबूत भविष्य के निर्माण की नींव होगा। इस स्थिति में, कंपनी दो आयामी रणनीति का पालन करके खुद को फिर से मजबूत करने के लिए दृढ़संकल्पित है:

क. अल्पावधि में, परियोजनाओं को तेजी से पूरा करके बंद किया जाए; जिसके परिणामस्वरूप इसके परिचालनों को पूरा करने के लिए नकदी की प्राप्ति भी होगी; प्रदूषण नियंत्रण प्रणालियों, पुर्जों और सेवाओं में बढ़े हुए प्रयासों के माध्यम से मौजूदा पारंपरिक व्यवसाय का विस्तार करना; आईटी और प्रौद्योगिकी आधार को मजबूत करना; संगठन भर में गुणवत्ता प्रथम संस्कृति का पुनर्निर्माण; और प्रतिस्पर्धी वातावरण में व्यावसायिक वृद्धि हासिल करने के लिए लागत में कटौती करना और

ख. दीर्घावधि में, प्रौद्योगिकी नेतृत्व हासिल करने और विविधीकरण पहल को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

पिछला वर्ष कंपनी के लिए समेकन का वर्ष रहा है, जिसमें पिछले वर्ष की गई कई पहलें फलीभूत हुई हैं और भविष्य के बीएचईएल के निर्माण के प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कंपनी ने आईपीएमएस (एकीकृत परियोजना प्रबंधन प्रणाली) के सफल कार्यान्वयन के माध्यम से परियोजना निष्पादन में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया है, जिसके साथ वर्तमान साइट डेटा डिजिटलीकरण परियोजना पूरक के रूप में काम कर रही है। इस परियोजना से अनुक्रमिक प्रेषण, पंच प्वॉइंट्स का क्लोजर और राजस्व केंद्रित रणनीति को छोड़कर परियोजना केंद्रित रणनीति अपनाना सुनिश्चित करता है।

कंपनी ने राज्य और केंद्र सरकारों के साथ कई स्तरों पर मुद्दों को उठाकर और उन परियोजनाओं में जोखिम को सीमित करने के लिए आवश्यक उपाय करके जहां भुगतान प्राप्त नहीं हो रहा है, अपने लंबित बकाया की वसूली के लिए आक्रामक तरीके से काम किया है। इसके परिणामस्वरूप नकदी की स्थिति स्थिर हो गई है, कंपनी 2020–21 में 2,717 करोड़ रु. के शुद्ध नुकसान के बावजूद नकद अधिशेष वाली कम्पनी बन गई है।

सूचना
अतिरिक्त जानकारी
वित्तीय विवरण
निदेशक मंडल रिपोर्ट
कॉर्पोरेट प्रोफाइल
वार्षिक समीक्षा

आपकी कंपनी ने बीएचईएल को डिजिटल रूप से सक्षम संगठन बनाने के लिए एक यात्रा शुरू की है ताकि संगठन की समग्र दक्षता में सुधार के साथ–साथ राजस्व वृद्धि के लिए आईटी का उपयोग किया जा सके। हमने ई–ऑफिस पर पूरी तरह स्विच ओवर हासिल कर लिया है, जो पेपरलेस ऑफिस की दिशा में एक बड़ा कदम है, और लॉकडाउन के दौरान निर्बाध काम सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित वर्क फ्रॉम होम सुविधा की शुरुआत की है। परियोजना निष्पादन, गुणवत्ता जाँच आदि के लिए शॉप फ्लोर और कार्य स्थलों पर आईटी समाधान प्रस्तुत करने हेतु अनेक प्रयास विभिन्न स्तरों पर निष्पादन के अधीन हैं।

उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करना आज के व्यावसायिक वातावरण में सफलता का महत्वपूर्ण कारक है। इस दिशा में, कंपनी की गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में एक गुणवत्ता मानसिकता पैदा करने पर ध्यान देने के साथ पिछले वर्ष कंपनीव्यापी "क्वालिटी फर्स्ट" पहल शुरू की गई थी। हालांकि किसी भी प्रमुख गुणवत्ता पहल का वास्तविक प्रभाव आमतौर पर केवल लंबी अवधि में ही दिखाई देता है, प्रारंभिक सफलताओं में बीएचईएल की हरिद्वार इकाई के लिए 14 साल के बाद प्राप्त सीआईआई एक्जिम बैंक अवाड्‌र्स फॉर बिजनेस एक्सीलेंस 2020 में प्लेटिनम पुरस्कार और वर्ष 2020 के लिए "गोल्डन पीकॉक नेशनल" गुणवत्ता पुरस्कार" शामिल है।

लाभदायक वृद्धि प्राप्त करने के अपने प्रयासों के अनुरूप, कंपनी ने अपने संचालन के हर क्षेत्र में लागत में कटौती की गुंजाइश की पहचान करने के लिए एक लागत अनुकूलन समूह भी बनाया है। कंपनी द्वारा लागत में कमी के प्रयासों में डिजाइन, खरीद, ओवरहेड्स, इन्वेंट्री कंट्रोल, लॉजिस्टिक्स, और बजटीय नियंत्रण शामिल हैं।

आपकी कंपनी अपने वर्तमान परिचालन क्षेत्रों में चल रहे ऊर्जा ट्रांजिशन और कमजोर आर्थिक विकास से परिचित है। तदनुसार, मौजूदा पोर्टफोलियो में वृद्धि बनाए रखने के साथ–साथ नए, गैर–कोयला आधारित व्यवसायों में प्राप्त अवसरों का लाभ उठाने के लिए निश्चित कदम उठा रही है। नतीजतन, कंपनी ने परमाणु, हाइड्रो और थर्मल उत्सर्जन नियंत्रण व्यवसायों में अपनी प्रमुख स्थिति बरकरार रखी, 3,000 करोड़ रु. से अधिक के उच्चतम ऑर्डर की बुकिंग की। हाइड्रो क्षेत्र में, परमाणु क्षेत्र में परमाणु भाप टर्बाइनों के एकमात्र भारतीय आपूर्तिकर्ता के रूप में बाजार नेतृत्व को बनाए रखने के साथ–साथ एफजीडी और एससीआर खंड में उच्चतम बाजार हिस्सेदारी बनाए रखना। गैर–कोयला कारोबार में योगदान बढ़ाने की दिशा में कंपनी के प्रयास भी डाउनस्ट्रीम तेल और गैस खंड में पहला ऑर्डर प्राप्त करने के साथ फल दे रहे हैं। इसके अलावा, रेलवे, शहरी गतिशीलता, रक्षा, एयरोस्पेस आदि के लिए नए उत्पादों, प्रणालियों और समाधानों की एक श्रृंखला विकसित करने के लिए भी ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

दीर्घावधि में, कंपनी हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था (उत्पादन, भंडारण, उपयोग) के विभिन्न तत्वों सहित भविष्य की प्रौद्योगिकियों में निवेश करके अपनी प्रौद्योगिकी बढ़त हासिल करने का लक्ष्य बना रही है, जिसके लिए एक अलग व्यवसाय वर्टिकल बनाया गया है। इस व्यवसाय समूह को हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में बीएचईएल के लिए अवसरों की पहचान करने और प्रौद्योगिकी, विनिर्माण के साथ–साथ व्यावसायिक विकास के प्रयासों को फास्ट–ट्रैक आधार पर करने के उद्देश्य से काम सौंपा गया है। हमारा मानना है कि आगे चलकर एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के सभी क्षेत्रों को बाधित करने वाला है, जिसके लिए इस क्षेत्र में शुरुआती अवसरों की पहचान करने के लिए एक और टीम का गठन किया गया है। अन्य क्षेत्र जहां समर्पित टीमों को तैनात किया गया है, वे हैं– प्रक्रिया उद्योगों के लिए उद्योग 4.0 समाधान (रिमोट मॉनिटरिंग और डायग्नोस्टिक्स, स्पेयर और सर्विसेज बिजनेस, आंतरिक संचालन के लिए IIoT), कोल टू मेथनॉल, अपस्ट्रीम सोलर वैल्यू चेन और बैटरी एनर्जी सिस्टम।

दीर्घकालिक संगठनात्मक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण से, बीएचईएल हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था, एडिटिव विनिर्माण, उद्योग 4.0 समाधान, कोल टू मेथनॉल, अपस्ट्रीम सोलर वैल्यू चेन और बैटरी एनर्जी सिस्टम जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर काम कर रहा है।

तथापि, देश में कोयले के विशाल भंडार की मौजूदगी और आयात को नियंत्रण में रखने की अनिवार्यता, कम दक्षता, उच्च प्रदूषण और जीवन के अंतिम चरण में काम कर रहे पुराने उत्पादन सेटों को हटाने की आवश्यकता के साथ, मध्यम से दीर्घावधि में अवसरों के बढ़ने की उम्मीद है, जिनका आपकी कंपनी तापीय क्षेत्र, गैसीकरण/कोयला से मेथनॉल, कार्बन कैप्चर आदि सहित पर्यावरण के अनुकूल स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए लाभ उठाने के लिए तैयार है। अधिक कुशल और हरित ऐडवांस्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) प्रौद्योगिकी का सफलतापूर्वक पूरा होना इस दिशा में एक कदम है और थर्मल व्यवसाय में हमारे प्रौद्योगिकी कौशल को और मजबूत करेगा।

अपने इस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए कि हमारे कर्मचारी हमारी कंपनी की सबसे बड़ी संपत्ति हैं, कार्यबल के कौशल में वृद्धि, नेतृत्व विकास, आंतरिक संचार को मजबूत करने और ज्ञान साझा करने, नीतियों को सरल बनाने तथा विभिन्न डिजिटल–सक्षम कार्यस्थल समाधानों के लिए अनेक योजनाएं लागू की जा रही हैं, ताकि उत्पादकता और कर्मचारियों की व्यस्तता बढ़े।

ये प्रयास आपकी कंपनी को स्वयं को एक जीवंत वैश्विक इंजीनियरिंग संगठन में रूपांतरित करने की यात्रा में सहायक सिद्ध होंगे।

आत्मनिर्भर भारत पहल के अवसरों का लाभ उठाना

वर्तमान भू–राजनीतिक स्थिति और आत्मनिर्भर भारत पहल हमारे लिए देश के अंदर विनिर्माण में फिर से अग्रणी होने का एक अवसर है – विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों में – जो भविष्य के भारत के लिए अधिक प्रासंगिक होगा।

मेक इन इंडिया बिजनेस डेवलपमेंट ग्रुप के गठन के माध्यम से इस दिशा में अनेक कदम उठाए गए हैं और निकट भविष्य में, आयात किए जाने वाले उत्पादों का निर्माण करके (प्रौद्योगिकी सहयोग समझौतों के अधीन आयातों को छोड़कर) 50% आयात को स्वदेशी बनाने का लक्ष्य है, जिसे अन्य सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा आयात किए जाने वाले उत्पादों के स्वदेशी विकास के लिए उनके साथ मिलकर काम करके और देश में आयात किए जा रहे प्रमुख इंजीनियरिंग उत्पादों का घरेलू विकास एवं निर्माण करके

प्राप्त किया जाएगा। इन प्रयासों के माध्यम से बीएचईएल को पहले से ही विभिन्न ग्राहकों से विकास ऑर्डर मिल रहे हैं, जिससे कंपनी की क्षमता का उपयोग बढ़ रहा है और इसके साथ ही देश में आयात को कम करने में मदद मिल रही है। इसके अलावा, आपकी कंपनी स्थानीय उद्योगों/आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर भी काम कर रही है, ताकि उनकी क्षमताओं को विकसित किया जा सके और आयात को कम किया जा सके।

बीएचईएल आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत अवसरों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे क्षमता का उपयोग बढ़ने के साथ–साथ देश में आयात को कम करने में मदद मिलती है।

आभार

कंपनी अनेक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद अपने विभिन्न प्रयासों में लगातार आगे बढ़ रही है, जो विभिन्न हितधारकों के समर्थन के बिना संभव नहीं था। मैं अपने बहुमूल्य ग्राहकों के साथ–साथ अन्य व्यावसायिक भागीदारों को उनके निरंतर विश्वास के लिए, हमारे कर्मचारियों को उनके जुड़ाव, जुनून और दृढ़ता के लिए, बोर्ड के सदस्यों को उनके मार्गदर्शन के लिए और आप, हमारे सम्मानित शेयरधारकों, को सहयोग एवं कम्पनी पर भरोसे के लिए तहे दिल से धन्यवाद देता हूं और आभार व्यक्त करता हूं। मैं भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेष रूप से भारी उद्योग मंत्रालय को हमारे सभी प्रयासों में उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं।

मुझे विश्वास है कि वर्तमान में किए जा रहे कई प्रयास हमें तात्कालिक चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने में मदद करेंगे और आपकी कंपनी के दीर्घकालिक और लाभप्रद विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली
27 अगस्त, 2021

बीएचईएल का नेतृत्व

निदेशक मंडल (25.08.2021 की स्थिति)

डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कार्यकारी निदेशक

श्री सुबोध गुप्ता
निदेशक (वित्त)

श्री अनिल कपूर
निदेशक
(मानव संसाधन)
निदेशक (पावर) का अतिरिक्त प्रभार 01.02.2021 से

सुश्री रेणुका गेरा
निदेशक
(औद्योगिक प्रणाली और उत्पाद)
निदेशक (इंजीनियरिंग, आर एंड डी) का अतिरिक्त प्रभार 01.08.2021 से

सरकारी निदेशक/अंशकालिक आधिकारिक निदेशक

श्री शशांक प्रिय
अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

श्री जीतेन्द्र सिंह
संयुक्त सचिव
भारी उद्योग मंत्रालय

स्वतंत्र निदेशक

श्री राजेश शर्मा
स्वतंत्र निदेशक

श्री राज कमल बिंदल
स्वतंत्र निदेशक

श्री मनीष कपूर
स्वतंत्र निदेशक

बीएचईएल का नेतृत्व

प्रबंधन समिति

25.08.2021 की स्थिति

डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सुबोध गुप्ता
निदेशक (वित्त)

अनिल कपूर
निदेशक (मानव संसाधन)
निदेशक (पावर) का
अतिरिक्त प्रभार 01.02.2021

रेणुका गेरा
निदेशक
(औद्योगिक प्रणाली और उत्पाद)
निदेशक (इंजीनियरिंग, आर एंड डी)
का अतिरिक्त प्रभार 01.08.2021

संजय गुलाटी
कार्यपालक निदेशक
(हीप एवं सीएफ़एफ़पी) हरिद्वार

सी आनंदा
कार्यपालक निदेशक
(एचईपी) भोपाल

पी जगदीश्वर रेड्डी
कार्यपालक निदेशक
(एचपीईपी) हैदराबाद

जय प्रकाश सिंह
कार्यपालक निदेशक
(एमआईआई–बीडीजी), नोएडा
सीएफपी तथा पीपीपीयू एवं पीसी का अतिरिक्त प्रभार

ए के जैन
कार्यपालक निदेशक
(ईडीएन), बेंगलुरु

शकील कुमार मनोचा
कार्यपालक निदेशक
(पीएस–मार्केटिंग, टीएंडजी),
नई दिल्ली

अनिल जोशी
कार्यपालक निदेशक
(सीओसी) नई दिल्ली

राजीव शर्मा
कार्यपालक निदेशक
(आरओडी) नई दिल्ली

रत्नानव आचार्य
कार्यपालक निदेशक
(कॉर्पोरेट आरएंडडी) हैदराबाद

कौशिक आचार्य
कार्यपालक निदेशक
(पीएस–एनआर) नोएडा

पुलक मुखोपाध्याय
कार्यपालक निदेशक
(पीएस–टीएस) नोएडा

डॉ. बलवीर तलवार
कार्यपालक निदेशक
(मा.सं. एवं सीसी) नई दिल्ली

अलका टुटेजा
कार्यपालक निदेशक
(पीएस–पीईएम) नोएडा

राजीव भटनागर
कार्यपालक निदेशक
(सीएसएम) सचिव–एमसी
आईओ, नई दिल्ली का अतिरिक्त प्रभार

एस के ग्रोवर
कार्यपालक निदेशक
(ईएसएसजी एवं न्यू बिजनेस
एरिया) नई दिल्ली

जी मुरली
कार्यपालक निदेशक
(पीएस–एसआर) चेन्नई

उपिंदर सिंह मथारू
कार्यपालक निदेशक
(पीएस–ईआर) कोलकाता

पंकज गुप्ता
कार्यपालक निदेशक
(एसबीडी) बेंगलुरु

प्रवीण चन्द्र झा
कार्यपालक निदेशक
(एसएसबीजी) नोएडा

एस बी नैथानी
कार्यपालक निदेशक
(सीडीटी एवं सीटीएम), नई दिल्ली

जय प्रकाश श्रीवास्तव
कार्यपालक निदेशक
(डीएबीजी), नई दिल्ली
सीपीपीपी एवं पीएमजी का अतिरिक्त प्रभार

संतोष नायर
महाप्रबंधक प्रभारी
(पीएस–डब्ल्यूआर) नागपुर

मनोज कुमार सिन्हा
महाप्रबंधक प्रभारी
(एचबीजी), नोएडा

मिलिंद गिरीश कोप्पिकर
महाप्रबंधक प्रभारी
(आईएसजी), बेंगलुरु

एस वी श्रीनिवासन
महाप्रबंधक प्रभारी
(एचपीबीपी), तिरुचि

पी सुधीर बाबू
महाप्रबंधक प्रभारी
(पीई एवं एसडी) हैदराबाद

टी एस मुरली
महाप्रबंधक प्रभारी
(सीक्यू एंड बीई), नई दिल्ली

राजीव सिंह
महाप्रबंधक प्रभारी
(बीएपी), रानीपेटी

पंकज जैन
महाप्रबंधक प्रभारी
(कॉर्पोरेट वित्त) नई दिल्ली

मीना केसरी
महाप्रबंधक प्रभारी
(टीबीजी), नोएडा

पुष्पेंद्र कुमार सक्सेना
महाप्रबंधक प्रभारी
(पीएस–मुख्या. एवं
पीएस–पीएमजी), नई दिल्ली

ए बी गुप्ता
महाप्रबंधक एवं प्रमुख
(टी.पी.), झांसी

अमित केरकेट्टा
महाप्रबंधक एवं प्रमुख
(केपेक्स एवं एसएस एंड पी), नई दिल्ली
एफएसआईपी, जगदीशपुर का अतिरिक्त प्रभार

संजीव कुमार काक
महाप्रबंधक एवं प्रमुख
(पीसीएसजी), नोएडा

बी बालसुब्रमण्यन
महाप्रबंधक एवं प्रमुख
(एनबीजी), नोएडा

के एस मूर्ति
महाप्रबंधक एवं प्रमुख
(सीओएम), नई दिल्ली

सुशील कुमार बावेजा
महाप्रबंधक
(सीएलडी एवं पीएसजी), नोएडा

राजीव कुमार गुप्ता
महाप्रबंधक
(टीबीएसजी), नई दिल्ली

टी अनंत सयनम
महाप्रबंधक
(कॉर्पो. आंतरिक लेखा परीक्षा) नई दिल्ली

राजीव कालड़ा
कंपनी सचिव

बीएचईएल में नेतृत्व

कॉर्पोरेट संगठनात्मक ढांचा
(25.08.2021 की स्थिति)

निदेशक मण्डल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कार्यकारी निदेशकों की समिति

- **निदेशक इंजीनियरिंग, आर एंड डी**
  - कॉर्पोरेट अनुसंधान एवं विकास
    - कोर्पोरेट अनु. एवं वि., हैदराबाद
    - सिरेमिक तकनीकी संस्थान, बंगलूरु
    - एएसएससीपी, गुरुग्राम
  - कॉर्पोरेट प्रौद्योगिकी प्रबंधन
    - नवाचार रणनीति और निष्पादन
    - एडवांस अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) प्रोजेक्ट
    - प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग
    - ज्ञान प्रबंधन
    - उन्नत विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी
    - संयुक्त उद्यम, विलय और अधिग्रहण
  - कैपेक्स एवं एसएस एंड पी
    - कैपेक्स
    - सोर्सिंग स्ट्रेटजी एवं पॉलिसी
  - कॉर्पोरेट डिजिटल ट्रान्सफोर्मेशन
    - डिजिटल रणनीति और अभिशासन
    - उत्पादों एवं सेवाओं का डिजिटलीकरण
    - आईटी सिस्टम और एप्लिकेशन का विकास
    - आईटी सेवा, सुरक्षा ओर सहायता
    - आईटी संबंधी आधारभूत सुविधाओं का प्रबंधन
  - कॉर्पोरेट गुणवत्ता एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता
    - नई गुणवत्ता पहल
    - समग्र गुणवत्ता प्रबंधन
    - गुणवत्ता प्रमाणन
    - क्षेत्र गुणवत्ता आश्वासन
- **निदेशक वित्त**
  - कॉर्पोरेट वित्त
    - बजट और बजटीय नियंत्रण
    - परियोजना और सामान्य बीमा
    - कॉर्पोरेट बहियां एवं खाते
    - वित्तीय आयोजना एवं रणनीति
    - विदेशी व्यापार नीति
  - निधि प्रबंधन और बैंकिंग
    - प्राप्य प्रबंधन
    - कोषागार एवं नकद प्रबंधन
    - बैंकिंग संचालन
    - विदेशी मुद्रा प्रबंधन
    - परियोजना वित्त
  - कराधान
    - प्रत्यक्ष कर प्रबंधन
    - अप्रत्यक्ष कर प्रबंधन
  - लेखा परीक्षा एवं अनुपालन
    - सांविधिक और लागत लेखा परीक्षा
    - आंतरिक लेखा परीक्षा
    - सीएजी ऑडिट
    - (बीएचईएल और उसकी इकाइयां, क्षेत्र और व्यावसायिक क्षेत्र)
  - लागत इष्टतमीकरण सेल
    - लागत में कमी की पहल
    - परिचालन सुधार पुरस्कार कार्यक्रम
- **निदेशक मानव संसाधन**
  - कॉर्पोरेट मानव संसाधन एवं कॉर्पोरेट संचार
    - मा. सं. – निति
    - मा. सं. एनालिटिक्स
    - चिकित्सा सेवाएं
    - वैकल्पिक विवाद समाधान और कॉर्पोरेट विधि
    - औद्योगिक संबंध
    - जनशक्ति योजना एवं नियुक्ति
    - जनशक्ति लेखापरीक्षा
    - प्रतिभा प्रबंधन
    - कॉर्पोरेट संचार
    - कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
    - स्वास्थ्य सुरक्षा पर्यावरण
    - प्रशासन एवं सुरक्षा
    - केंद्रीय लोक सूचना कार्यालय
  - पीपुल स्ट्रेटेजी ग्रुप
    - सक्सेशन प्लानिंग
    - कार्मचारी भागीदारी
    - निष्पादन प्रबंधन
  - कॉर्पोरेट ज्ञानार्जन और विकास
    - ज्ञा. एवं वि. रणनीतिः सूत्रीकरण, संरेखण एवं रिपोर्टिंग
    - तकनिकी, व्यवहारिक, प्रबंधकीय, कौशल प्रशिक्षण
  - मेक इन इंडिया – बिजनेस डेवलपमेंट ग्रुप
- **मुख्य सतर्कता अधिकारी**
  - सतर्कता
- **कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजिक प्रबंधन**
  - रणनीतिक योजना एवं क्रियान्वयन
  - जोखिम पहचान एवं प्रबंधन
  - बाहरी भागीदारी
  - परिवर्तन
  - नए विकास क्षेत्र एवं उभरती तकनीकी रणनीति
  - हाइड्रोजन बिजनेस ग्रुप
  - मुख्य निवेशक संबंध कार्यालय
  - उद्यम जोखिम कार्यालय
- **कॉर्पोरेट परिचालन प्रबंधन**
  - कॉर्पोरेट परिचालन प्रबंधन
- **कंपनी सचिव**
  - सचिवीय अनुपालन एवं निवेशक सेवाएं
  - कंपनी अधिनियम एवं लिस्टिंग समझौता
  - एजीएम, बोर्ड एवं बोर्ड स्तर की समितियों की बैठकें
- **निदेशक पावर**
- **निदेशक आईएस एंड पी**

प्रबंधन समिति

- पा. से.– विपणन (थर्मल एवं गैस)
- एनटीपीसी बिजनेस ग्रुप
- परमाणु व्यापार समूह
- हाइड्रो बिजनेस ग्रुप
- परियोजना प्रबंधन समूह
- तकनीकी सेवाएं
- प्रोजेक्ट क्लोजर सिनर्जी ग्रुप
- परियोजना इंजीनियरिंग प्रबंधन
- स्पेयर और सर्विसेज बिजनेस ग्रुप
- हेवी ईक्विपमेंट रिपेयर प्लांट, वाराणसी
- इंडस्ट्रियल सिस्टम्स ग्रुप, बेंगलुरु
- पा. से.– उत्तरी क्षेत्र, नोएडा
- पा. से.– दक्षिणी क्षेत्र, चेन्नई
- पा. से.– पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता
- पा. से.– पश्चिमी क्षेत्र, नागपुर
- पा. से.– मुख्यालय, एमएसएक्स, मा. सं.

- कैप्टिव पावर एंड प्रोसेस प्लांट्स
- उद्योग क्षेत्र – परियोजना प्रबंधन समूह
- क्षेत्रीय परिचालन प्रभाग (ट्रांसमिशन, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल उत्पाद)
- परिवहन व्यवसाय एवं सिस्टम समूह
- रक्षा और एयरोस्पेस व्यापार समूह

- ट्रांसमिशन बिजनेस ग्रुप
- प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग एंड सिस्टम्स डिवीजन
- ऊर्जा भंडारण समाधान समूह
- जल व्यवसाय

- अंतरराष्ट्रीय परिचालन

भोपाल
- हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट

हरिद्वार
- हेवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट प्लांट
- सेंट्रल फाउंड्री फोर्ज प्लांट

हैदराबाद
- हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट

तिरुचि
- हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट, तिरुचि
- सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट, तिरुचि
- इंडस्ट्रीयल वाल्व प्लांट, गोइंदवाल
- पावर प्लांट पाइपिंग यूनिट, थिरुमयम और पाइपिंग सेंटर, चेन्नई[1]

रानीपेट
- बॉयलर ऑक्जीलरी प्लांट

बेंगलुरु
- इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन, बेंगलुरु
- इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिवीजन, बेंगलुरु
- इलेक्ट्रिकल मशीन रिपेयर प्लांट, मुंबई
- सोलर बिजनेस डिवीजन, बेंगलुरु[2]

झांसी
- ट्रांसफार्मर प्लांट

जगदीशपुर
- फैब्रिकेशन, स्टैम्पिंग और इंसुलेटर प्लांट[3]

रुद्रपुर
- कंपोनेंट फैब्रिकेशन प्लांट[1]

विशाखापत्तनम
- हेवी प्लेट्स एवं वेसल्स प्लांट

1: निदेशक (मानव संसाधन) को रिपोर्ट करते हैं
2: निदेशक (औद्योगिक प्रणाली और उत्पाद) को रिपोर्ट करते हैं
3: निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास) को रिपोर्ट करते हैं

वर्ष 2020–21 की एक झलक

(आंकड़े ₹ करोड़ में हैं जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो)

निवल मूल्य पर बाजार पूंजीकरण

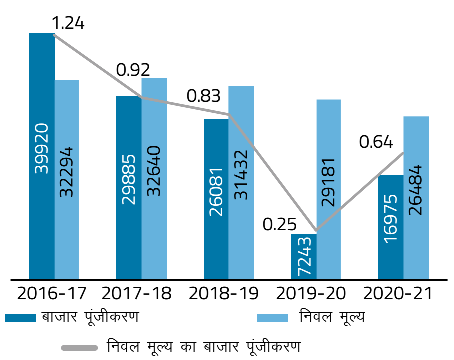

चालू अनुपात

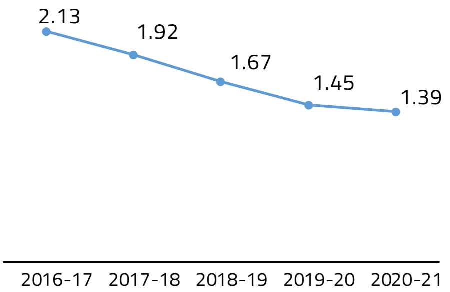

चालू वर्ष की शुद्ध बिलिंग का लिक्विडेशन%

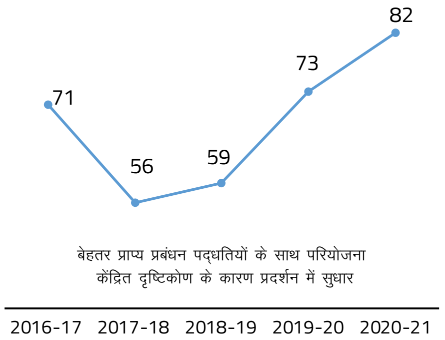

परिचालन गतिविधियों से नगदी प्रवाह

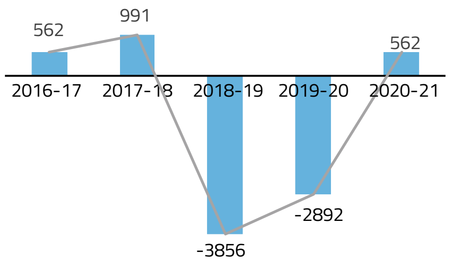

दिनों की संख्या एवं व्यापार प्राप्य

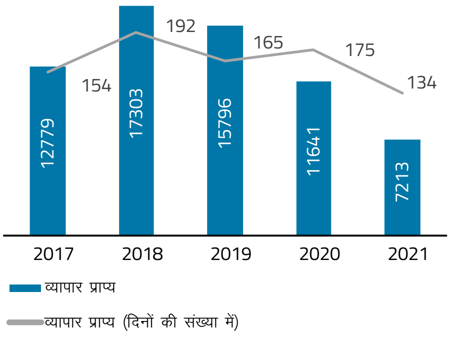

माल सूची की स्थिति

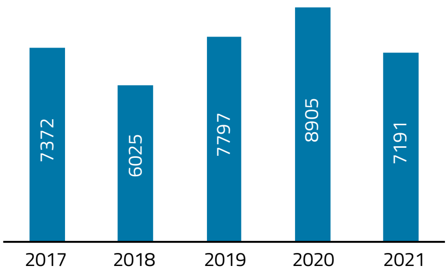

बकाया एवं प्राप्त आदेश

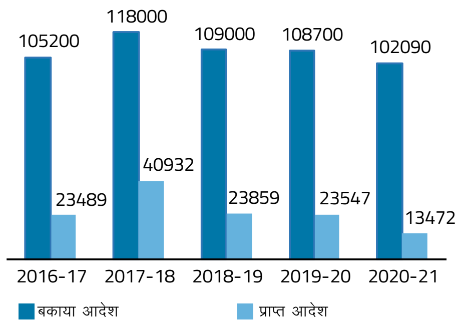

परिचालनों से राजस्व

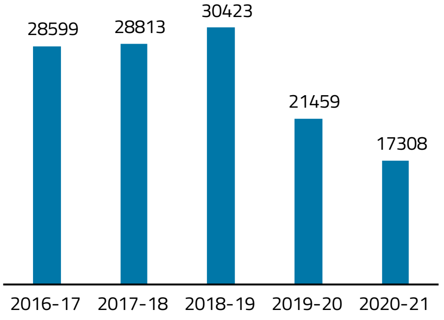

जनशक्ति (संख्या में)
प्रति कर्मचारी राजस्व (₹ लाख में)

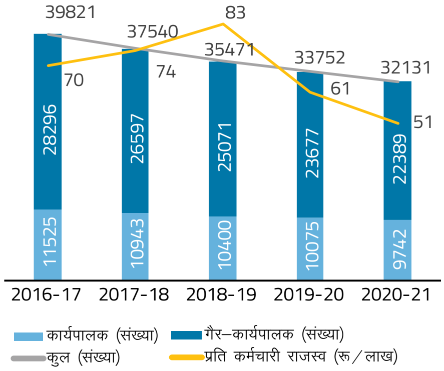

वर्ष एक दृष्टि में 2020-21

01
₹ 1,02,000 करोड़ रुपए के कुल आदेश

02
गैर–कोयला व्यवसाय विकसित करने पर विशेष ध्यान; हाइड्रो में अब तक के उच्चतम ऑर्डर; परमाणु में नेतृत्व बनाए रखा

03
वर्तमान समय तक भारत तथा विदेशों में 193 GW से अधिक विद्युत उत्पादक उपस्कर स्थापित किए

04
देश में उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों के व्यवसाय में बीएचईएल की बाजार में सबसे बड़ी हिस्सेदारी है

05
एयूएससी विकास सही दिशा की ओर है; आर एंड डी चरण पूरा हुआ; एचपी व आईपी टर्बाइन का डिजाइन पूरा हुआ; कमीशन किये गए टर्बाइन रोटर के लिए क्रीप–फटिग क्षति आकलन परीक्षण रिग

06
डाउनस्ट्रीम ऑयल एंड गैस बिजनेस के लिए प्रोसेस यूनिट के लिए अब तक का पहला एलएसटीके ऑर्डर हासिल किया

07
इसरो के यू आर राव सैटेलाइट सेंटर को 100वीं स्पेसग्रेड बैटरी की आपूर्ति की गई।

08
सागरदिघी में 1.2 गीगावॉट+ सोलर पीवी पोर्टफोलियो; 5 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट कमीशन किया गया

09
28MWp घरेलू अक्षय ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से 27.2 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादित की गई

10
क्षमता निर्माण, उत्पादकता बढ़ाने और स्वदेशीकरण के लिए कंपनी की परिसंपत्ति में रु 180 करोड़ से अधिक की राशि का निवेश किया गया

11
अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार में 700 करोड़ का निवेश; 526 पेटेंट और कॉपीराइट दायर; 5052 कुल बौद्धिक पूंजी

12
मानव संसाधन पूंजी: 32,131

9000+ इंजीनियर

बीएचईएल का परिचय

बीएचईएल ऊर्जा तथा बुनियादी सुविधा (अधोसंरचना) के क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण उद्यम है। 1964 में स्थापित बीएचईएल दुनिया का अग्रणी विद्युत उपस्कर विनिर्माता है और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सबसे पुराने और अग्रणी योगदानकर्ताओं में से एक है। हम पावर (थर्मल, हाइड्रो, गैस, नाभिकिय और सोलार फोटो–वोल्टाइक), ट्रांसमिशन, परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा व एयरोस्पेस, तेल एवं गैस तथा जल आदि क्षेत्रों में ग्राहकों को उत्पादों, प्रणालियों और सेवाओं का एक व्यापक पोर्टफोलियो प्रदान करते है।

ईडीएन बेंगलूरू में सोलर मॉड्युल विनिर्माण केन्द्र

देश के प्रमुख औद्योगिक और रणनीतिक क्षेत्रों में कई क्षमताओं के निर्माण हेतु देश की विद्युत उत्पादन क्षमता को विकसित करने से लेकर अब तक, बीएचईएल आत्मनिर्भर भारत अभियान के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। आर एंड डी तथा नवाचार पर अपने राजस्व के 2.5% से अधिक का लगातार व्यय; विश्व स्तरीय संपत्तियों की स्थापना, नई प्रौद्योगिकियों का विकास और आमेलन; और युवाओं को कौशल प्रदान करने, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, शिक्षा, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण में पहल के माध्यम से स्थायी व्यावसायिक समाधान और बड़े पैमाने पर समाज में योगदान देना, हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

32,000 से अधिक सशक्त जनशक्ति वर्षों से हमारी यात्रा के पीछे प्रेरक शक्ति है।

हीप, हरिद्वार का एरियल व्यू

पावर सेक्टर

बीएचईएल थर्मल, गैस, हाइड्रो और नाभिकीय विद्युत परियोजनाओं के निष्पादन में सिद्धहस्त होने के साथ विद्युत परियोजनाओं की समूची श्रृंखला के विनिर्माण की क्षमता रखने वाली दुनिया की चुनिंदा कंपनियों में से एक है। इसके उत्पादों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- जीवाश्म–ईंधन अनुप्रयोगों के लिए अनुषांगिक उपकरणों सहित 1000 मेगावाट इकाई आकार तक के स्टीम टर्बाइन, जनरेटर और बॉयलर तथा मैचिंग सहायक उपकरण
- SOx उत्सर्जन नियंत्रण के लिए फ्युल गैस डिसल्फेराइजेशन (एफजीडी) सहित उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण प्रणाली, कण उत्सर्जन नियंत्रण के लिये उच्च दक्षता इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपेटर, NOx उत्सर्जन नियंत्रण के लिए बॉयलर मॉडिफिकेशन और सिलेक्टिव केटलिस्टिक रिडक्शन सिस्टम
- 299 मेगावाट इकाई आकार तक गैस टर्बाइन और जनरेटर
- 400 मेगावाट इकाई आकार तक के हाइड्रो टर्बाइन और जनरेटर
- 220 / 235 / 540 / 700MWe नाभिकीय टर्बाइन जनरेटर सेट
- संयंत्रों के जीवन चक्र विस्तार और नवीकरण, आधुनिकीकरण, उन्नयन, अवशेष जीवन चक्र आकलन, समस्या निदान के माध्यम से संयंत्र के निष्पादन में संवर्धन

संपूर्ण भारत में बीएचईएल के 16 विनिर्माण केंद्र, 2 मरम्मत इकाइयां, 4 क्षेत्रीय कार्यालय, 8 सेवा केंद्र, 1 सहायक कंपनी, 3 सक्रिय संयुक्त उद्यम, 15 क्षेत्रीय विपणन केंद्र, 3 विदेशी कार्यालयों का व्यापक नेटवर्क है। भारत एवं विदेशों में वर्तमान में 150 से अधिक परियोजना साइटों पर काम चल रहा है। बीएचईएल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विस्तृत श्रृंखला के उच्च गुणवत्ता से युक्त और टिकाऊ उत्पादों का विनिर्माण करती है।

बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए विद्युत उत्पादन उपकरणों का विश्व भर में स्थापित आधार 193 गी.वा. से अधिक है जिससे बीएचईएल भारतीय विद्युत संयंत्र उपस्कर बनाने वाली कम्पनियों में निर्विवाद रूप से अग्रणी है। देश में थर्मल, हाइड्रो, परमाणु, गैस और सौर पीवी आधारित 1000 से अधिक विद्युत उत्पादन सेट स्थापित करने के बाद, कंपनी अब एयूएससी और कोयले से मेथनॉल जैसी महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास के साथ भविष्य में अधिक स्वच्छ और हरित ऊर्जा उपयोग के लिए मजबूत नींव बना रही है।

बीएचईएल उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में एक जाना पहचाना नाम है। भारतीय रेल के लोकोमोटिव एवं ईएमयू में आधे से अधिक ट्रैक्शन उपस्करों की आपूर्ति; 200+ इलेक्ट्रिक सबस्टेशनों की स्थापना और देश में 5 प्रमुख एचवीडीसी परियोजनाओं की स्थापना, पावर ट्रांसफार्मर और इलेक्ट्रिक एसी मशीन का सबसे बड़ा विनिर्माता एवं आपूर्तिकर्ता होना तथा ग्राउंड माउंटेड, रूफ टॉप, काइनाल टॉप एवं फ्लोटिंग पीवी प्लांट्स सहित देशभर में 1.2+ गीगावाट सोलर पोर्टफोलियो का विस्तार इसका प्रमाण है।

बीएचईएल अनेक प्रौद्योगिकियों से युक्त उत्पादों एवं प्रणालियों का एकमात्र भारतीय आपूर्तिकर्ता होने के नाते राष्ट्र के रणनीतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बीएचईएल देश में न्यूक्लियर स्टीम टरबाइन का एकमात्र विनिर्माता है; भारत के न्यूक्लियर पावर कार्यक्रम के तीनों स्तरों से जुड़ी हुई एकमात्र कंपनी है; तीन दशकों से अधिक समय से रक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्कर एवं सेवाओं का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है; भारतीय नौसेना को उसके युद्धपोतों के लिए नवल गन का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता है।

बीएचईएल के विश्व के सभी बसे हुए महाद्वीपों से व्यवसायिक संबंध और 86 देशों में संयंत्र स्थापित हैं जिसमें पड़ोसी देश जैसे बांग्लादेश, अफगानिस्तान, भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया, ओमान, इराक, सूडान, संयुक्त राष्ट्र और न्यूजीलेंड सम्मिलित हैं। आज तक, विदेशी बाजारों में लगभग 11 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता स्थापित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त बांग्लादेश में 2X660 डॅ मैत्री सुपर थर्मल पावर परियोजना और नेपाल में 4X225 मेगावाट अरुण–3 जलविद्युत परियोजना सहित 6 गी.वा. निष्पादन के अधीन है।

बीएचईएल द्वारा झारखंड में कमीशन किया जा रहा है 6X660 मे.वा. नार्थ करनपुरा थर्मल पावर स्टेशन

उद्योग क्षेत्र

ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी सुविधाओं (अधोसंरचना) के क्षेत्रों में बीएचईएल के प्रमुख उत्पाद निम्नानुसार हैं:

- **परिवहनः** आईजीबीटी आधारित प्रोपल्शन उपकरण (ट्रैक्शन कन्वर्टर / सहायक कनवर्टर / वाहन नियंत्रण इकाई), इलेक्ट्रिक लोको और एसीईएमयू/ एमईएमयू, ईएमयू कोच, 9000एचपी तक के इलेक्ट्रिक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव और 3000एचपी तक के डीजल इलेक्ट्रिक लोको के लिये ट्रैक्शन ट्रांसफार्मर
- **अक्षय ऊर्जाः** ग्रिड कनेक्टिड एवं एकल (स्टैंड अलोन) सोलार पीवी अनुप्रयोगों के लिए संकल्पना से कमीशनिंग तक ईपीसी समाधान
- **रक्षा और एयरोस्पेसः** नेवल शिप के सुपर रैपिड गन माउंट (एसआरजीएम) एवं इंटिग्रेटिड प्लेटफ़ोर्म मैनेजमेंट सिस्टम (आईपीएमएस), कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स, स्पेस ग्रेड लिथियम आयन सेल्स, स्पेस ग्रिड सोलर पैनल, स्पेस ग्रिड बैटरी, अंतरिक्ष यान प्रोपेलेंट (प्रणोदक) टैंक की हॉट फार्मिंग, टाइटेनियम शेल/डोम्स का निर्माण, टाइटेनियम शीट और ट्यूबों की वेल्डिंग और मशीनिंग सहित भारतीय रक्षा बलों के लिए रानीतिक उपस्कर
- **ऊर्जा भंडारण समाधान और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रः** सौर आधारित ईवी चार्जिंग स्टेशनों सहित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन के लिए ईपीसी समाधान, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (बीईएसएस) के लिए ईपीसी समाधान, रेलवे ट्रैक विद्युतीकरण के लिए ईपीसी समाधान, विद्युत संयंत्रों, उद्योगों और नगरपालिका अनुप्रयोगों के लिए पूर्ण जल प्रबंधन समाधान, चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्र
- **कैप्टिव पावर व प्रोसेस प्लांटः** एकल (स्टैंडअलोन) एसटीजी (स्टीम टर्बाइन जेनरेटर), बीटीजी (बॉयलर टर्बाइन जेनरेटर) पैकेज, जीटीजी ईपीसी आधार पर रिफाइनरी सीपीपी (कैप्टिव पावर प्लांट), यूबी (यूटिलिटी बॉयलर) पैकेज, डाउनस्ट्रीम ऑयल और गैस पैकेज
- **ट्रांसमिशनः** 132 केवी से लेकर 765 केवी रेंज के ईएचवी और यूएचवी सबस्टेशन और ± 800KV तक के एचवीडीसी कनवर्टर स्टेशन, पावर ट्रांसफॉर्मर, शंट रिएक्टर, वैक्यूम और SF6 स्विचगियर, गैस इंसुलेटेड स्विचगियर, सिरेमिक इंसुलेटर,फ्लेजिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम डिवाइस आदि
- **औद्योगिक उत्पादः** ऑयल रिग्स, वेलहेड्स और एक्समैस ट्री वाल्व, मैकेनिकल पैकेज, फैब्रिकेटेड उपकरण और बॉयलर फीड पंप, कम्प्रेसर और एसी मशीन

बीएचईएल स्वयं को परिवर्तित करने हेतु अपनी प्रौद्योगिकी क्षमताओं एवं प्रतिबद्ध श्रमशक्ति का लाभ उठा रहा है। मुख्य व्यवसाय के नेतृत्व पर ध्यान देना, व्यवसायों में विविधता लाना, लागत अनुकूलन, दक्षता अनुकूलन और अभिनव तकनीकी समाधान कुछ प्रमुख कारक हैं जो व्यवसाय हेतु कंपनी की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाते हैं। बीएचईएल वर्तमान चुनौतियों को दूर करने और निकट भविष्य में सतत विकास के लिए एक मजबूत आधार बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने भविष्य का पुनः निर्माण कर रहा है।

बीएचईएल द्वारा आईओसीएल, पारादीप ओडिशा में कमीशन किया गया यूटिलिटी बॉयलर एवं एसटीजी

आधुनिक परिवहन में तीव्र प्रगति!

बीएचईएल भारतीय रेलवे का एक दीर्घकालिक एवं विश्वसनीय भागीदार रहा है। यह भारतीय रेलवे को सभी प्रकार के रोलिंग स्टॉक हेतु उत्पादों और प्रपल्शन प्रणालियों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराता रहा है।

बीएचईएल द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित और आपूर्ति की गई प्रपल्शन प्रणाली से युक्त भारतीय रेलवे का पहला 9000 एचपी फ्रेट लोकोमोटिव वर्ष के दौरान चालू किया गया है। इसमें ट्रैक्शन कन्वर्टर, व्हीकल कंट्रोल यूनिट (वीसीयू) और हाई पावर ट्रैक्शन मोटर्स भी शामिल थे इस लोको का उपयोग पश्चिमी और पूर्वी डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में किया जाएगा, जिससे भारतीय रेलवे के माल ढुलाई परिचालन की दक्षता में काफी सुधार होगा।

बीएचईएल ने वर्ष के दौरान भारतीय रेलवे को निर्धारित समय से पहले 6000एचपी डब्ल्यूएजी9एच लोकोमोटिव की आपूर्ति की और इसे कमीशन किया।

अपनी इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास क्षमताओं के साथ, बीएचईएल रेल परिवहन की आगामी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नवीन समाधान प्रदान करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

अखिल भारतीय उपस्थिति

16 विनिर्माण इकाइयां

08 सेवा केंद्र

15 व्यावसायिक कार्यालय

150+ भारत और विदेश में परियोजना स्थल

04 क्षेत्रीय कार्यालय

02 मरम्मत इकाइयां

विनिर्माण संयंत्र/इकाइयां

बीएचईएल विनिर्माण संयंत्र	बंगलूरू	1. इलेक्ट्रॉनिक्स डिवीजन (ईडीएन)
		2. इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम्स डिवीजन (ईएसडी)
		3. सोलार बिजनिस डिवीजन (एसबीडी)
	भोपाल	4. हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट (एचईपी)
	गोइंदवाल	5. इंडस्ट्रियल वॉल्व प्लांट (आईवीपी)
	हरिद्वार	6. हेवी इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट प्लांट (एचईईपी)
		7. सेंट्रल फ़ाउन्ड्री फ़ोर्ज प्लांट (सीएफ़एफ़पी)
	हैदराबाद	8. हेवी पावर इक्विपमेंट प्लांट (एचपीईपी)
	जगदीशपुर	9. फ़ैब्रिकेशन स्टाम्पिंग एवं इंसुलेटर प्लांट (एफ़एसआईपी)
	झांसी	10. ट्रान्सफ़ॉर्मर प्लांट (टीपी)
	रुद्रपुर	11. कम्पोनेंट फ़ैब्रिकेशन प्लांट (सीएफ़पी)
	रानीपेट	12. बॉयलर ऑग्जीलरी प्लांट (बीएपी)
	तिरुचिरापल्ली	13. हाई प्रेशर बॉयलर प्लांट (एचपीबीपी)
		14. सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट (एसएसटीपी)
	तिरुमयम	15. पावर प्लांट पाइपिंग यूनिट (पीपीपीयू)
	विशाखापत्तनम	16. हेवी प्लेट्स एंड वेसल्स प्लांट (एचपीवीपी)
बीएचईएल की मरम्मत इकाइयां	मुंबई	1. इलेक्ट्रिकल मशीन्स रिपेयर प्लान्ट (ईएमआरपी)
	वाराणसी	2. हेवी इक्विपमेंट रिपेयर प्लांट (एचईआरपी)
बीएचईएल सहायक कंपनी	कासरगोड	1. बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लि. (बीएचईएल– ईएमएल)

कॉर्पोरेट कार्यालय
कॉर्पोरेट अनु. एवं विकास
विनिर्माण इकाइयां
सेवा केंद्र
क्षेत्रीय विपणन कार्यालय
क्षेत्रीय कार्यालय (पॉवर सेक्टर)
गोइंदवाल
चंडीगढ़
हरिद्वार
रुद्रपुर
नई दिल्ली
नोएडा
जयपुर
लखनऊ
वाराणसी
जगदीशपुर
पटना
गुवाहाटी
झांसी
भोपाल
वडोदरा
रांची
जबलपुर
कोलकाता
नागपुर
रायपुर
भुवनेश्वर
मुंबई
विशाखापट्नम
सिकंदराबाद
हैदराबाद
बेंगलुरु
रानीपेट
चेन्नै
तिरुचिरापल्ली
तिरुमयम

बीएचईएल की दुनिया

राष्ट्रीय संस्थान

- अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों को सेवा प्रदान करने वाली भारत की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनियों में से एक
- विश्व स्तर पर 150+ परियोजना स्थलों एवं 16 विनिर्माण इकाइयों के साथ अखिल भारतीय उपस्थिति

विजन

बेहतर कल के लिए समाधान प्रदान करने वाला वैश्विक अभियांत्रिकी उद्यम

मिशन

ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी सुविधा के क्षेत्र में संधारणीय व्यावसायिक समाधान प्रदान करना

भारत को ऊर्जावान बनाना

- 193+ गीगावाट के विद्युत उत्पादन उपकरणों को भारत और विदेशों में स्थापित किया
- 18,250+ मेगावाट के कैप्टिव पावर प्लांट कमीशन किए गए
- 1.2GW से अधिक कुल सौर पोर्टफोलियो
- बीएचईएल द्वारा निर्मित उपस्कर देश में 55% ताप विद्युत उत्पादन, 47% परमाणु ऊर्जा उत्पादन सेकेण्डरी साईट और 45% जल विद्युत उत्पादन करते हैं।

कोर सेक्टर्स में अप्रतिम योगदान

- 6,90,000+ एमवीए ट्रांसमिशन उपकरण की आपूर्ति
- 32,550+ एसी मशीनों की आपूर्ति
- 760+ लोको की भारतीय रेलवे एवं उद्योगों को आपूर्ति
- 410+ कंप्रेशर्स की आपूर्ति और 90 ऑयल ड्रिलिंग रिग्स की आपूर्ति
- 13000 वेल हेड्स और क्रिसमस ट्री वाल्व की आपूर्ति
- भारतीय नौसेना के जहाजों के लिए 40 सुपर रैपिड गन माउंट की आपूर्ति

विश्व स्तर पर उपस्थिति

- 86 देशों से व्यावसायिक संबंध
- देश से बाहर 11GW बिजली उत्पादन क्षमता; 6GW पर काम चल रहा है।
- दो विदेशी सोलर पीवी परियोजना के लिए संविदा की गई।

कर्मचारियों का महत्व

- 32000 से अधिक समर्पित सशक्त जन शक्ति,
- लगभग 1900 महिला कर्मचारी
- लगभग 9000 + इंजीनियर
- 1973 से सहभागितापूर्ण प्रबंधन संस्कृति

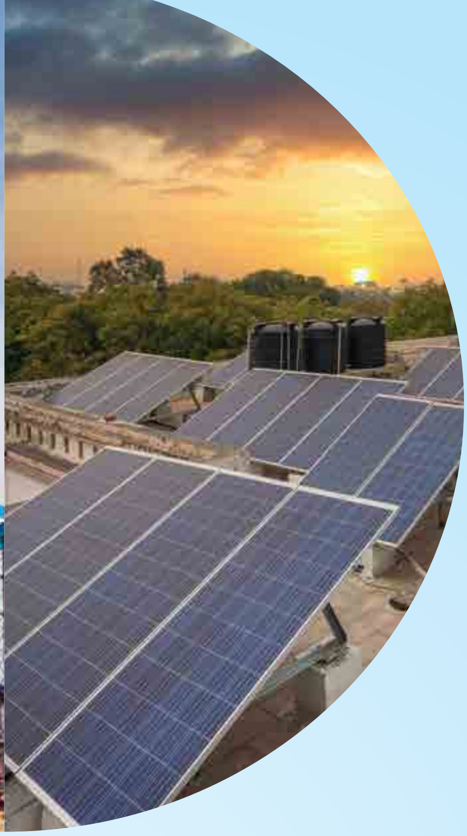

राष्ट्रीय संस्थान

- बीएचईएल ने देश में पहली बार एयूएससी अनुप्रयोग के लिए दो असमान धातुओं के सम्मिश्रित वेल्डेड इनर केसिंग के साथ एचपी टर्बाइन विकसित किया है।
- बीएचईएल ने उच्च दक्षता वाली क्रिस्टलाइन सिलिकॉन सौर कोशिकाओं के लिए विकसित पैसिव एमिटर और रियर सेल (पीईआरसी) तकनीक घरेलू रूप से विकसित की है।
- बीएचईएल ने भारतीय रेलवे के लिए मध्य प्रदेश के बीना में ट्रैक्शन प्रणाली को सीधे विद्युत आपूर्ति कराने वाला, अपनी तरह का पहला 1.7 मेगावॉट का सोलर पीवी प्लांट सफलतापूर्वक स्थापित किया है।
- बीएचईएल ने भारतीय रक्षा बलों के रणनीतिक अनुप्रयोग के लिए पहले स्वदेशी रूप से विकसित 500 kW मुख्य मोटर जेनरेटर की आपूर्ति की बीएचईएल ने मोजाम्बिक रेलवे हेतु 3000 एचपी केप गेज लोकोमोटिव अनुप्रयोगों के लिए 3–फेस एसी इंडक्शन मोटर्स और ट्रैक्शन अल्टरनेटर को सफलतापूर्वक विकसित और आपूर्ति की है।

सतत भविष्य के लिए प्रौद्योगिकियां

- घरेलू स्तर पर एड्वांस्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (AUSC) और कोल से मेथनॉल प्रौद्योगिकियों का विकास
- भारत में कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों के लिए उत्सर्जन नियंत्रण उपस्कर के विकास, स्थापना और स्वदेशीकरण में नेतृत्व
- घरेलू स्तर पर 28MWp सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों की स्थापना से लगभग CO_2 के 26,118 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन में कमी
- उच्च दक्ष ईएचवी ट्रांसमिशन प्रणालियों एवं उत्पादों का विकास (800KV HVDC सहित)
- बीएचईएल इकाइयों की 12 उपनगरियों (टाउनशिप) को ''एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त'' घोषित किया गया है

समाज के साथ विकासशील

- कोविड की दूसरी लहर के दौरान देश को 5,75,000 क्यूबिक मीटर से अधिक मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई
- संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध
- ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की सत्यनिष्ठा संधि पर हस्ताक्षर
- हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए 2020–21 के दौरान बीएचईएल में 35,500+ पौधे लगाए गए
- बीएचईएल त्रिची देशी पेड़ों को संरक्षित करने और 2022 तक आधा मिलियन पेड़ लगाने के लिए अपनी तरह का अनूठा बीएचईएल वन बना रहा है

नवाचार

- अनुसंधान एवं विकास व्यय लगातार राजस्व का >2.5%
- प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास
- पांच शोध संस्थान; 14 उत्कृष्टता केंद्र
- डीएसआईआर से मान्यता प्राप्त विनिर्माण इकाइयों एवं प्रभागों के 12 घरेलू अनुसंधान एवं विकास केंद्र

उत्कृष्टता का सम्मान

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने की परंपरा को यथावत रखते हुए, बीएचईएल और उसके कर्मचारियों ने वर्ष के दौरान कई पुरस्कार जीते हैं। इनमें से उल्लेखनीय इस प्रकार हैं:

निम्नलिखित क्षेत्रो में **महारत्न श्रेणी मे 8वां गवर्नेंस नाउ पीएसयू पुरस्कार**:–

- समग्र मानव संसाधन प्रक्रियाओं में उत्कृष्टता के लिए **मानव संसाधन उत्कृष्टता पुरस्कार**।
- अपनी सूचना और डिजिटल बुनियादी ढांचे को सुरक्षित करने में उत्कृष्टता और नवाचार के लिए **डिजिटल परिवर्तन पुरस्कार**।
- **अनुसंधान तथा नवाचार**

पावर उपकरण क्षेत्र में **गोल्डन पीकॉक नेशनल क्वालिटी पुरस्कार 2020**

पावर उपकरण क्षेत्र में **गोल्डन पीकॉक एनवायरमेंट मेनेजमेंट पुरस्कार 2020**

बीएचईएल को पेटेंट की मात्रा, अनुदान की सफलता दर, वैश्वीकरण के विस्तार, नवाचार के प्रभाव के आधार पर दक्षिण पूर्व एशिया के शीर्ष 28 नवप्रवर्तकों में शामिल होने पर **क्लेरिवेट साउथ एंड साउथ ईस्ट एशिया इनोवेशन अवार्ड 2020**

एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन 2020 में **लार्जेस्ट पार्टिसिपेटिंग कॉर्पोरेट ट्रॉफी**।

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया से "इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड कंस्ट्रक्शन सेक्टर" श्रेणी में वित्त वर्ष 2019–20 के लिए **वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता** हेतु पुरस्कार प्राप्त। गुणात्मक वित्तीय विवरण की तैयारी एवं प्रस्तुतीकरण में उत्कृष्टता के सम्मानस्वरूप यह पुरस्कार श्री अर्जुन राम मेघवाल, तत्कालीन माननीय संसदीय कार्य एवं भारी उद्योग व लोक उद्यम राज्य मंत्री द्वारा डॉ. अनिल अग्रवाल, माननीय सांसद, सीए अतुल कुमार गुप्ता, अध्यक्ष आईसीएआई, तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में प्रदान किया।

बीडब्ल्यू बिजनेसवर्ल्ड के सहयोग से बीडब्ल्यू सीएफओ वर्ल्ड द्वारा आयोजित **सीएफओ और फिन्नेशियल स्ट्रेटजी समिट एंड आवार्ड 2021** के एक आभासी समारोह में निदेशक (वित्त) को **"बेस्ट सीएफओ पीएसयू"** के सम्मान से सम्मानित किया गया।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड, वित्त मंत्रालय (कई राज्यों के संबंध में) से सशक्त एवं स्थिति–स्थापक राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण कारकों; सरकार को माल और सेवा कर के समय पर रिटर्न प्रस्तुत करने, समय पर भुगतान एवं पर्याप्त योगदान हेतु **"प्रशंसा प्रमाण पत्र"** प्रदान किया गया।

इंजीनियरिंग क्षेत्र में व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा (ओएच एंड एस) प्रबंधन में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए **"अपेक्स इंडिया ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी अवार्ड–2020"** के अंतर्गत **गोल्ड अवार्ड**

प्रशिक्षण और विकास हेतु भारतीय सोसायटी द्वारा **"नवप्रवर्तन प्रशिक्षण प्रथाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार"** के लिए विशेष प्रशस्ति पत्र

वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस द्वारा **"टाइम्स एसेंट ड्रीम कंपनीज टू वर्क फॉर"** की **शीर्ष 10** में स्थान प्राप्त हुआ। अभिनव मानव संसाधन प्रथाओं वाले संगठन की श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त किया

वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस द्वारा **श्री अनिल कपूर,** निदेशक (मा.स.) को **टाइम्स एसेंट एचआर सुपर अचीवर्स अवार्ड**

इंजीनियरिंग क्षेत्र में मानव संसाधन प्रथाओं में उत्कृष्टता के लिए **"एपेक्स इंडिया एचआर एक्सीलेंस अवार्ड– 2020"** के अंतर्गत **प्लेटिनम अवार्ड**

कोविड –19 महामारी के दौरान साइबर सुरक्षा रेसिलेंस के लिए **स्कोच गोल्ड अवार्ड**

प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार के लिए आर एंड डी **स्कोप मेरोटोरियस पुरस्कार 2016–17**

कोविड के दौरान विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्रेरणादायक या परिवर्तनकारी प्रदर्शन के लिए **स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवार्ड**

एचआरएम प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण के लिए **स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवार्ड**

अपने प्रतिष्ठानों में शिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के प्रति संगठन की मेंटरशिप भावना को मान्यता देते हुए **कौशलाचार्य पुरस्कार 2019–20 का प्रथम पुरस्कार**

हीप हरिद्वार को ईएफक्यूएम 2020 मॉडल के अनुसार **"सीआईआई एक्जिम बैंक अवार्ड फॉर बिजनेस एक्सीलेंस 2020"** के अंतर्गत **प्लेटिनम पुरस्कार**

नाभकीय शक्ति का उन्मुक्तिकरण

बीएचईएल देश के परमाणु ऊर्जा खंड के विकास में चार दशकों से अधिक समय से अग्रणी रहा है, यह एकमात्र भारतीय कंपनी है जो परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के सभी तीन चरणों से जुड़ी हुई है।

बीएचईएल देश की एकमात्र कंपनी है जिसके पास परमाणु अनुप्रयोगों के लिए टीजी सेटों की डिजाइन और इंजीनियरिंग क्षमताएं हैं। राष्ट्र में संचालित कुल 18 पीएचडब्ल्यूआर में से 12 प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर), जो परमाणु ऊर्जा क्षमता का 74% हैं, बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए स्टीम टर्बाइन जेनरेटर सेट (प्रत्येक 220 मेगावाट की 10 इकाइयां और 540 की दो इकाइयां) से लैस हैं)। यह देश के स्वदेशी परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के पहले चरण के लिए परिपक्वता प्राप्त करने में सहायक के रूप में बीएचईएल के योगदान को प्रदर्शित करता है।

परमाणु खंड में, बीएचईएल आगामी पीएचडब्ल्यूआरएस, जो एनपीसीआईएल द्वारा फ्लीट मोड के तहत खरीदे जा रहे हैं, के लिए ईपीसी आधार पर 700 मेगावाट टीजी आईसलैंड व्यवसाय के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके लिए सबसे कम बोली लगाने वाले के रूप में उभर कर, बीएचईएल ने न्यूक्लियर स्टीम टर्बाइन के इंजीनियरिंग और निर्माण में अपने नेतृत्व की पुष्टि की है।

निदेशक मंडल
की रिपोर्ट

निदेशक मंडल की रिपोर्ट 29

अनुलग्नक–I 36
प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

अनुलग्नक–II 81
कॉर्पोरेट अभिशासन

अनुलग्नक–III 105
सीईओ और सीएफओ प्रमाण पत्र

अनुलग्नक–IV 107
सतत विकास

अनुलग्नक–V 134
व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट

अनुलग्नक–VI 142
अनुसंधान एवं विकास
तथा तकनीकी उपलब्धियां

अनुलग्नक–VII 146
ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी समामेलन
और विदेशी मुद्रा अर्जन एवं व्यय

अनुलग्नक–VII A 147

अनुलग्नक–VIII 150
फार्म एओसी–1 और एओसी–2

अनुलग्नक–IX 153
स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट
और सीएजी की टिप्पणियाँ

निदेशक मंडल की रिपोर्ट

प्रिय सदस्यो,

निदेशक मंडल को आपकी कंपनी के व्यवसाय और परिचालन पर 57वीं वार्षिक रिपोर्ट और 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए अंकेक्षित वित्तीय विवरण प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

वित्तीय परिणाम

(₹ करोड़ में)

	को समाप्त वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
राजस्व	**16296**	20491
परिचालन से राजस्व	**17308**	21459
कर के बाद लाभ/(हानि)	**(2717)**	(1473)
कुल व्यापक आय /(हानि)	**(2697)**	(1747)
ईपीएस (₹ में)	**(7.80)**	(4.23)

नोटः ( ) में दिए गए आंकड़े नकारात्मक मूल्य हैं।

कंपनी की स्थिति

वैश्विक स्तर पर कोविड 19 महामारी के कारण राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान और मंदी का कारण बना। इसने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान कंपनी के परिचालन को प्रभावित किया, जो बाद में धीरे–धीरे ठीक हो गया। इसके अतिरिक्त, दुनिया भर में भू–राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न मुद्दों ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को गंभीर रूप से बाधित कर दिया, जिससे परिचालन प्रभावित हुआ। इकाइयों से उत्पादन और आपूर्ति को भी साइट प्रगति की स्थिति के अनुरूप विनियमित किया गया, ताकि आवश्यकता के क्रम में आपूर्ति की जा सके और कार्यशील पूंजी को ऑप्टिमाइज किया जा सके।

वित्त वर्ष 2020–21 में, कंपनी को वित्त वर्ष 2019–20 में ₹1473 करोड़ के नुकसान के मुकाबले ₹2717 करोड़ का नुकसान हुआ है, जो मुख्यतः कम राजस्व, उच्च सामग्री लागत और लगभग ₹1800 करोड़ के अतिरिक्त मेरिट आधारित प्रावधान के कारण हुआ है। व्यापक समीक्षा के आधार पर, यह प्रावधान अत्यंत वित्तीय बुद्धिमत्ता के रूप में किया गया, ताकि प्राप्ति प्रबंधन की प्रक्रिया को मजबूत बनाया जा सके और बैलेंस शीट में संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार किया जा सके। हालांकि कड़े बजटीय नियंत्रण उपायों और परिचालन व्यय में कमी के परिणामस्वरूप हानि सीमित हुई।

कंपनी को वित्त वर्ष 2020–21 में ₹13472 करोड़ के ऑर्डर मिले। इसमें पावर क्षेत्र में ₹8984 करोड़ , उद्योग क्षेत्र में ₹4283 करोड़ और अंतर्राष्ट्रीय परिचालन में ₹205 करोड़ के ऑर्डर शामिल हैं। 31 मार्च, 2021 के अंत में बकाया ऑर्डर बुक 31 मार्च, 2020 को ₹108443 करोड़ के मुकाबले लगभग ₹102090 करोड़ थी। ऑर्डर बुक के आंकड़ों में लागू कर शामिल हैं।

(₹ करोड़ में)

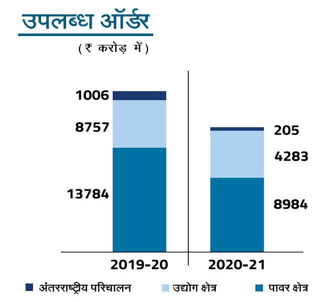

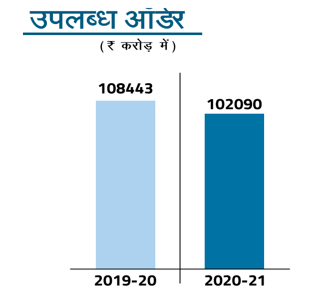

कोविड 19 ने न केवल कंपनी की टॉपलाइन को प्रभावित किया, बल्कि ग्राहकों द्वारा ऑर्डर देने / अंतिम रूप देने में भी देरी हुई है। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान नए प्रोजेक्ट प्रस्तावों में काफी गिरावट आई है, जिसका असर कंपनी की ऑर्डर बुक पर भी पड़ा है। यह उल्लेखनीय है कि नए परियोजना प्रस्तावों (सीएमआईई के अनुसार) और कंपनी के ऑर्डर बुकिंग के बीच महत्वपूर्ण संबंध है।

रिजर्व में अंतरण

चालू वित्त वर्ष में घाटे के चलते कंपनी ने रिजर्व में कोई राशि ट्रांसफर नहीं की है।

लाभांश

कंपनी की लाभांश वितरण नीति और चालू वित्त वर्ष में घाटे को देखते हुए, निदेशक मंडल ने 11 जून 2021 को हुई अपनी बैठक में वर्ष 2020–21 के लिए किसी लाभांश की अनुशंसा नहीं की है।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 43A की अपेक्षाओं के अनुसरण में कंपनी में लाभांश वितरण नीति लागू है। लाभांश वितरण नीति कंपनी की वेबसाइट https://www.bhel.com/dividend-distribution-policy-bhel-0 पर उपलब्ध है।

जमा

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 73 के दायरे में आने वाली जनता से जमा स्वीकार नहीं किया है।

पूंजी और वित्त

वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान, कंपनी ने आंतरिक संचय के माध्यम से अपनी केपेक्स और ऑपरेटिंग फंड आवश्यकताओं को पूरा किया है। एक ट्रेजरी कार्य के रूप में, कंपनी कंपनी को ब्याज आय को अधिकतम करने के लिए उपलब्ध निवेश के अवसरों में अधिशेष धन का निवेश करती है। किसी भी आकस्मिक परिचालन निधि आवश्यकता को पूरा करने के लिए, कंपनी द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न अल्पकालिक उधार विकल्पों में वाणिज्यिक पत्र, पीसीएफसी, खरीदार क्रेडिट आदि शामिल हैं। पीसीएफसी उधार भी कंपनी को एक प्राकृतिक विदेशी मुद्रा बचाव प्रदान करते हैं। प्रभावी ट्रेजरी प्रबंधन के कारण चालू वित्त वर्ष में पिछली अवधि की तुलना में बंद नकदी और बैंक शेष में 26ः की वृद्धि हुई।

कंपनी के वाणिज्यिक पत्र एनएसई और बीएसई पर सूचीबद्ध हैं। वाणिज्यिक पत्रों का विवरण एकल वित्तीय विवरणों के नोट [24] पर उपलब्ध है।

ऋण और निवेश

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के प्रावधानों के अंतर्गत कवर किए गए ऋण और निवेश का विवरण वित्तीय विवरण का हिस्सा है। कार्यशील पूंजी के लिए ₹3 करोड़ का ऋण 2015–16 के दौरान बीएचईएल की सहायक कंपनी मेसर्स बीएचईएल ईएमएल को दिया गया था, और पहले से ही हानि के लिए प्रदान किया जा चुका है। सहायक कंपनियों को दिए गए ऋणों और अग्रिमों का खुलासा वित्तीय विवरणों के नोट संख्या [54] का हिस्सा है। कंपनी या उसकी सहायक कंपनी में ऋणी द्वारा निवेश के कोई उदाहरण नहीं हैं।

क्रेडिट रेटिंग

आपकी कंपनी की क्रेडिट रेटिंग इस प्रकार है:

रेटिंग एजेंसी	रेटिंग की तिथि	दीर्घावधि रेटिंग	आउटलुक	अल्पावधि रेटिंग
क्रिसिल	24-07-2020	क्रिसिल एए+	नकारात्मक	क्रिसिल ए1+
	18-06-2021	क्रिसिल एए-	नकारात्मक	क्रिसिल ए1+
इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च	06-07-2020	इंड. एए+	नकारात्मक	इंड. ए1+
	01-07-2021	इंड. एए-	नकारात्मक	इंड. ए1+
केयर	27-06-2020	केयर एए+	स्टेबल	केयर ए1+
	24-06-2021	केयर एए-	स्टेबल	केयर ए1+

वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी की दीर्घकालिक क्रेडिट रेटिंग को ''एए'' से ''एए–'' में बदल दिया गया था। रेटिंग में संशोधन मुख्य रूप से कम निष्पादन और नुकसान के कारण होता है, जो मुख्य रूप से कोविड –19 महामारी के कारण होता है। कंपनी ने अपनी नियंत्रणीय लागत को यथासंभव कम करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। नकदी के मोर्चे पर प्रयास भी चालू वित्त वर्ष में नकद और बैंक शेष (अल्पकालिक उधारों का शुद्ध) के साथ लगभग 26% की वृद्धि और व्यापार प्राप्तियों में लगभग 38% की कमी के साथ फलित हुए हैं। वित्त वर्ष 20–21 में कार्यशील पूंजी राशि से ₹2620 करोड़ की धनराशि जारी की गई, जबकि पहले के वर्षों में धन की रुकावट थी। कंपनी अपने निष्पादन स्तरों में सुधार करने के लिए दृढ़ता से काम कर रही है और इसके परिणामस्वरूप सकारात्मक एबिटा प्राप्त कर रही है और तदनुसार लाभप्रदता में सुधार कर रही है।

कंपनी की शॉर्ट टर्म रेटिंग की पुष्टि A1+ (उच्चतम सुरक्षा) पर की गई है।

वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले प्रत्यक्ष परिवर्तन और प्रतिबद्धताएं

वित्तीय वर्ष के अंत और वित्त वर्ष 2020–21 की इस रिपोर्ट की तिथि के बीच कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई भी प्रत्यक्ष परिवर्तन और प्रतिबद्धता नहीं हैं। नियामकों या अदालतों या न्यायाधिकरणों द्वारा पारित कोई महत्वपूर्ण आदेश भविष्य में कंपनी के परिचालन की स्थिति को प्रभावित करने वाले नहीं हैं।

ट्रेडिंग का स्थगन

कंपनी के इक्विटी शेयर एनएसई और बीएसई में सूचीबद्ध हैं। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान कंपनी की किसी भी प्रतिभूति को ट्रेडिंग से स्थगित नहीं किया गया है।

निदेशकों की जिम्मेदारी वक्तव्य

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) के अनुसार, निदेशक मंडल पुष्टि करता है कि:

क) वार्षिक खातों को तैयार करने में, सामग्री प्रस्थान से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ लागू लेखा मानकों (इंड एएस) का पालन किया गया है;

ख) निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियों का चयन किया है और उन्हें लगातार लागू किया है और ऐसे निर्णय और अनुमान लगाए हैं जो उचित और विवेकपूर्ण हैं ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में कंपनी के मामलों की स्थिति और लाभ के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण दिया जा सके।

ग) निदेशकों ने कंपनी की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और पता लगाने के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त देखभाल की है;

घ) निदेशकों ने वार्षिक लेखाओं को चालू प्रतिष्ठान के आधार पर तैयार किया है;

ङ) निदेशकों ने कंपनी द्वारा पालन किए जाने वाले आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए हैं और यह कि ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं और प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं;

च) निदेशकों ने सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली तैयार की है और यह प्रणालियां पर्याप्त हैं और प्रभावी ढंग से काम कर रही हैं।

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

यह रिपोर्ट बाहरी वातावरण पर प्रबंधन के दृष्टिकोण के साथ–साथ भविष्य के लिए कंपनी की रणनीति, परिचालन और वित्तीय प्रदर्शन, जोखिम और चिंताओं, और विभिन्न क्षेत्रों में की गई पहल जैसे परियोजना निष्पादन, लागत अनुकूलन, डिजिटलीकरण, गुणवत्ता, विकास के बारे में बताती है। वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी आदि।

बीता वर्ष दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। आपकी कंपनी ने इन चुनौतियों को आंतरिक प्रणालियों और प्रक्रियाओं में सुधार पर ध्यान केंद्रित करते हुए कोर को मजबूत करने के अवसर के रूप में लिया है। यह समेकन का भी वर्ष रहा है जिसमें पिछले वर्ष में शुरू की गई कई पहल परिपक्व होने लगी हैं। अधिक जानकारी के लिए, कृपया **निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक–।** देखें।

आत्मनिर्भर भारत

हमारे माननीय प्रधान मंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विजन से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने के लिए, बीएचईएल ने "मेक इन इंडिया" का नेतृत्व किया है और निम्न उद्देश्य के साथ "मेक इन इंडिया बिजनेस डेवलपमेंट ग्रुप" नाम का एक नया समर्पित व्यवसाय समूह बनाया है:

- कंपनी द्वारा वर्तमान में आयात की जा रही वस्तुओं का आंतरिक विकास और निर्माण
- देश की इंजीनियरिंग आयात टोकरी में प्रमुख वस्तुओं का आंतरिक विकास और निर्माण
- भारत के साथ–साथ निर्यात के लिए वस्तुओं के निर्माण के लिए वैश्विक ओईएम के साथ काम करना, यानी 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड'
- अपने आयात की अंतरिक रूप से आपूर्ति के लिए अन्य पीएसयू के साथ सहयोगात्मक कार्य

कंपनी भागीदारों/ विक्रेताओं, विशेष रूप से एमएसएमई के सफल विकास में विश्वास करती है, जो लागत कम करने के साथ–साथ विकास की प्रक्रिया को तेज करने का दोहरा लाभ देते हुए इसकी विकास रणनीति का एक अभिन्न अंग है। तदनुसार, आपकी कंपनी आपूर्तिकर्ता/ साझेदार विकास (विशेष रूप से एमएसएमई) की दिशा में काम कर रही है, और पीएसयू, निजी उद्योग के साथ–साथ अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और शिक्षाविदों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारी उद्योग विभाग के तत्वावधान में एक कार्यशाला– संवाद का आयोजन किया है। बीएचईएल ने स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं के विकास के माध्यम से आयात प्रतिस्थापन के लिए ₹3,000 करोड़ से अधिक मूल्य की वस्तुओं की पहचान की और उसके लिए अपनी वेबसाइट पर एक ईओआई आमंत्रित की। भारी उद्योग मंत्रालय (एम/ओ एचआई), उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से बीएचईएल ने दस से अधिक ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की हैं– दिसंबर 2020 से फरवरी 2021 तक।

कोविड से संबंधित प्रयास

बीएचईएल ने कई मोर्चों पर कोविड संकट के लिए एक त्वरित और व्यापक प्रतिक्रिया शुरू की, जिसमें सरकारी दिशानिर्देशों का सख्त कार्यान्वयन, कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ–साथ बड़े पैमाने पर समाज को समर्थन और विभिन्न विनिर्माण इकाइयों एवं परियोजना स्थलों में काम की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ काम करना शामिल है। आपकी कंपनी ने इस संकट से उबरने के लिए राष्ट्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों में आर्थिक योगदान के साथ–साथ विभिन्न सरकारी विभागों/नगर पालिकाओं द्वारा उपयोग के लिए अनेक उत्पादों का विकास भी किया।

कंपनी ने कोविड–19 की पहली लहर के दौरानः

- सामाजिक दूरी, सार्वजनिक स्थानों पर अनिवार्य रूप से फेस कवर पहनना, स्वच्छता, सफाई आदि पर सरकारी निर्देशों को शामिल करते हुए मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से कार्यान्वयन सुनिश्चित किया।
- भोजन, दवा, दूध आदि आवश्यक आपूर्ति का वितरण सुनिश्चित करने सहित कारखानों, कार्यालयों, टाउनशिप और आसपास के क्षेत्रों में नियमित रूप से धूमन, स्वच्छता आदि का आयोजन किया।
- कार्यालय की गतिविधियों को निर्बाध रूप से चलाने और वीसी के माध्यम से बैठकें आयोजित करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेप के साथ–साथ आईटी नेटवर्क के माध्यम से रिमोट एक्सेस के माध्यम से घर से काम की सुविधा
- कार्य की निरंतरता सुनिश्चित करने के साथ–साथ निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए ई–ऑफिस का त्वरित कार्यान्वयन
- कर्मचारियों की निरंतर सीख सुनिश्चित करने के लिए ई–मॉड्यूल की शुरूआत सहित प्रशिक्षण प्रक्रिया को तेजी से बदल दिया और ऑनलाइन प्रशिक्षण विधियों को अपनाया गया।
- एटमाइज्ड लिक्विड सैनिटाइजिंग उपकरण विकसित किया गया, जिसे बीएचईएल मिस्टर कहा जाता है । देश के विभिन्न भागों में 150 से अधिक बीएचईएल मिस्टर सुपुर्द किए जा चुके हैं।
- कार्यालय की जगहों और अस्पतालों को साफ करने के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक डिसइंफेक्शन मशीन (ईडीएम) विकसित की गई, जिसे सीएसआईआर तकनीक पर आधारित कोविड–स्प्रे भी कहा जाता है। विभिन्न अन्य स्थानों के अतिरिक्त, ईडीएम मशीनों को भारी उद्योग मंत्रालय और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी तैनात किया गया है।

कोविड–19 की दूसरी लहर के दौरान, पहली लहर के बाद से चल रही अनेक गतिविधियों के अतिरिक्त, कंपनी ने राष्ट्रीय प्रयासों में निम्नलिखित योगदान कियाः

- प्रतिदिन 200/300 सिलेंडर में ऑक्सीजन भरने और अधिकतम 3,860 सिलेंडर प्रतिदिन तक पहुंचने के लिए अपनी क्षमता और व्यवस्था को बढ़ाकर अपने भोपाल और हरिद्वार विनिर्माण संयंत्रों से 5,75,000 क्यूबिक मीटर (85,000 सिलेंडर) से अधिक मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति की।
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर हस्ताक्षर करने के 40 दिनों के रिकॉर्ड समय में 500 एलपीएम (सीएसआईआर–आईआईपी, देहरादून द्वारा डिजाइन के आधार पर) के ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र के लिए प्रोटोटाइप विकसित किया और ऑर्डर प्राप्त होने से 35 दिनों के भीतर पहला ऑर्डर सुपुर्द किया।
- कोविड 19 महामारी से मरने वाले कर्मचारियों के परिवारों को सहायता (वित्तीय, चिकित्सा, आवास) प्रदान करने के लिए सहायता योजना शुरू की गई है।

कॉर्पोरेट अभिशासन

सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के नियम 34 के अनुसरण में, कॉर्पोरेट अभिशासन (निदेशक मंडल / समिति की बैठक के विवरण सहित) पर एक रिपोर्ट, निम्नलिखित के साथ निदेशक मंडल रिपोर्ट के अनुलग्नक– II में दी गई है।

(i) लिस्टिंग विनियमों की अनुसूची V के अंतर्गत निदेशकों की गैर–अयोग्यता का प्रमाण पत्र।

(ii) कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर लिस्टिंग विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के अंतर्गत कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर ऑडिटर्स सर्टिफिकेट।

(iii) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) के अंतर्गत सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट और उस पर प्रबंधन का जवाब।

लोक उद्यम विभाग ने वर्ष 2019–20 के लिए सीपीएसई के कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देशों के अनुपालन के आधार पर बीएचईएल को 'उत्कृष्ट' ग्रेड दिया है।

स्वतंत्रता के बारे में घोषणा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(6) के अंतर्गत स्वतंत्रता के मानदंड से संबंधित घोषणा स्वतंत्र निदेशकों द्वारा निदेशक मंडल को दी गई है। सभी स्वतंत्र निदेशकों, जो योग्य चार्टर्ड एकाउंटेंट हैं, ने इंडियन इन्स्टिट्यूट ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) के ऑनलाइन डेटाबेस में अपना पंजीकरण कराया है। श्री मनीष कपूर ने आईआईसीए (धारा 150 के अंतर्गत अधिसूचित) द्वारा आयोजित ऑनलाइन दक्षता स्व–मूल्यांकन परीक्षा उत्तीर्ण की है। निदेशक मंडल की राय में, स्वतंत्र निदेशकों के पास सत्यनिष्ठा और आवश्यक विशेषज्ञता एवं अनुभव है।

अनुपालन

कई अन्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के अतिरिक्त, कंपनी ने प्रणालियों और प्रक्रियाओं के अनुपालन पर भी फिर से गौर किया है और जहां कहीं भी, सुधार के अवसर थे, कंपनी ने हितधारकों की बेहतर संतुष्टि के लिए अपनी वित्त और गैर–वित्त अनुपालन प्रक्रिया और प्रणालियों को और मजबूत किया। वित्तीय विवरण तैयार करने के संबंध में, कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि तैयारी और प्रस्तुति भारतीय लेखा मानकों (इंड एएस), मार्गदर्शन नोट्स और आईसीएआई, कंपनी अधिनियम 2013, सीएसआर नियमों और अन्य लागू विधियों द्वारा जारी अन्य आधिकारिक साहित्य के अनुरूप है। कंपनी पूरी जानकारी का खुलासा करती है और लागू कराधान कानूनों के अंतर्गत अपने अनुपालन दायित्वों को पूरा करती है। एक सूचीबद्ध कंपनी होने के नाते, सेबी लिस्टिंग दायित्वों और प्रकटीकरण आवश्यकता विनियमों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जा रहा है। अनुपालन संबंधी किसी भी मामले पर वित्त वर्ष 2020–21 के लिए सेबी की ओर से कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई है। कंपनी कॉर्पोरेट गवर्नेंस की नियामक आवश्यकताओं से परे जाने का प्रयास करती है और प्रभावशाली कॉर्पोरेट गवर्नेंस को अपने मूल मूल्यों में से एक मानती है और प्रकटीकरण में उच्च स्तर की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

कंपनी ने अपने प्रकटीकरण और पारदर्शिता मानकों में लगातार सुधार करने का प्रयास किया है और वैधानिक लेखा परीक्षकों ने भी वित्तीय विवरणों में अनुपालन और प्रकटीकरण की गुणवत्ता की सराहना की है।

राजकोष में योगदान

कंपनी वर्षों से राजकोष में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। चालू वर्ष के दौरान, कंपनी ने लगभग ₹2948 करोड़ का योगदान दिया। कंपनी ने कर अनुपालन और रिपोर्टिंग के संबंध में सत्यनिष्ठा के उच्च मानकों को बनाए रखने के लिए मार्गदर्शक कर सिद्धांत को अपनाया है।

कंपनी अपने सभी जीएसटी और अन्य बकाया समय पर और नियत तिथि से पहले भी निर्वहन कर रही है [मार्च 2021 के महीने के लिए जीएसटी देयता में से, ₹119 करोड़ 31 मार्च, 2021 को ही जमा कर दिया गया है]। कंपनी ने भारत सरकार द्वारा प्रख्यापित प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास योजना

(VsVs), 2020 में भाग लिया और टेट के अंतर्गत आठ आयकर अपीलों का निपटारा करके विकल्प का प्रयोग किया, जिससे विवादों के संभावित परिणाम के बारे में अस्पष्टता समाप्त हो गई, जिससे लंबी मुकदमेबाजी का शीघ्र अंत हो गया और विरासत के मुद्दों को हल करने में मदद की।

लेखा परीक्षा समिति

कंपनी के पास कंपनी अधिनियम, 2013 की अपेक्षाओं के साथ–साथ उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों और सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम 2015 के विनियम 18 की आवश्यकताओं के अनुसार एक निदेशक मंडल स्तरीय लेखा परीक्षा समिति है, जिसके संबंध में विवरण दिया गया है। कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट में पहली बार तीनों स्वतंत्र निदेशक, बीएलएसी के अध्यक्ष/सदस्य होने के नाते, विविध अनुभव रखने वाले भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान के सदस्य भी हैं। नियमित अंतराल पर होने वाली बैठकों में सभी मुद्दों पर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से विचार–विमर्श किया जाता है। निदेशक मंडल स्तरीय लेखा परीक्षा समिति सदस्यों के विचारों और सुझावों को सकारात्मक रूप से ध्यान में रखा जाता है और कंपनी की प्रक्रियाओं में आत्मसात किया जाता है। इसके अतिरिक्त, ऐसा कोई उदाहरण नहीं है जहां निदेशक मंडल ने लेखापरीक्षा समिति की अनुशंसा को स्वीकार नहीं किया है।

सचिवीय मानकों का अनुपालन

कंपनी ने लागू सचिवीय मानकों का अनुपालन किया है।

निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों में परिवर्तन का विवरण

नियुक्ति

श्री अमित मेहता, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय को 2 सितंबर, 2020 से अंशकालिक शासकीय निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 और कंपनी के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसार, श्री अमित मेहता को आगामी वार्षिक आम बैठक तक निदेशक का पद संभालने के लिए अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। बाद में उन्हें कंपनी की 56वीं वार्षिक आम बैठक में निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।

सुश्री रेणुका गेरा को 1 दिसंबर, 2020 से पूर्णकालिक (कार्यकारी) निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है, जो निदेशक (औद्योगिक प्रणाली एवं उत्पाद) का पदभार संभाल रही हैं।

श्री जीतेंद्र सिंह, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय को 18 जून, 2021 से अंशकालिक शासकीय निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 और कंपनी के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 67 (iv) के अनुसार, सुश्री रेणुका गेरा और श्री जीतेंद्र सिंह को अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। वे 57 वीं वार्षिक आम बैठक तक कंपनी के निदेशक पद पर रहेंगे और बैठक में निदेशक के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र हैं।

सेवा समापन

श्री अमित वरदान, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय, जिन्हें 27 मार्च, 2019 को अंशकालिक शासकीय निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, का 2 सितंबर, 2020 को अंशकालिक शासकीय निदेशक का पद समाप्त हो गया।

श्री देश दीपक गोयल और श्री रंजीत रे, जिन्हें 23 सितंबर, 2017 को अंशकालिक गैर– शासकीय (स्वतंत्र) निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, का कार्यकाल 11 सितंबर, 2020 को पूरा होने पर उनका कंपनी का निदेशक पद समाप्त हो गया।

श्री एस. बालकृष्णन, जिन्हें 1 जून, 2018 को निदेशक (औद्योगिक प्रणाली एवं उत्पाद) के रूप में नियुक्त किया गया था, का 30 नवंबर, 2020 को सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर कंपनी का निदेशक पद समाप्त हो गया।

श्री मनोज कुमार वर्मा, जिन्हें 19 दिसंबर, 2018 को निदेशक (पावर) के रूप में नियुक्त किया गया था, का 31 जनवरी, 2021 को सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर कंपनी का निदेशक पद समाप्त हो गया।

श्री अमित मेहता, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय, जिन्हें 2 सितंबर, 2020 को अंशकालिक शासकीय निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, का 18 जून, 2021 को अंशकालिक शासकीय निदेशक का पद समाप्त हो गया।

निदेशक मंडल श्री अमित वरदान, देश दीपक गोयल, रंजीत रे, एस बालकृष्णन, मनोज कुमार वर्मा और अमित मेहता द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान प्रदान की गई बहुमूल्य सेवाओं, सलाह और मार्गदर्शन के लिए उनकी तहे दिल से सराहना करता है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152 और कंपनी के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 67 (i) के अनुसार, श्री सुबोध गुप्ता और श्री शशांक प्रिय वार्षिक आम बैठक में रोटेशन में सेवानिवृत्त होंगे और पात्र होने के नाते स्वयं को पुनः नियुक्त करने का प्रस्ताव रखेंगे।

सेबी (सूचीकरण दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 36(3) के अनुपालन में, विशिष्ट कार्य क्षेत्रों में उनकी विशेषज्ञता की प्रकृति के साथ नियुक्ति और पुनर्नियुक्ति के लिए प्रस्तावित निदेशकों का संक्षिप्त विवरण और कंपनियों के नाम जो व्यक्ति निदेशक मंडल की समितियों की सदस्यता के साथ–साथ निदेशक का पद भी धारण करता है, सूचना के व्याख्यात्मक विवरण/अनुलग्नक में दिया गया है।

सीईओ/सीएफओ प्रमाणपत्र

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 के विनियम 17(8) के अनुसार सीईओ/सीएफओ प्रमाणपत्र **निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक–III** में दिया गया है ।

समेकित वित्तीय विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (3) और सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम 2015 की धारा 129 (3) के अनुसार तैयार समेकित वित्तीय विवरणों का संक्षिप्त विवरण प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण के अंतर्गत पैरा 1.5.4 में दिया गया है।

सतत विकास

सतत विकास के सिद्धांत बीएचईएल की व्यावसायिक प्रक्रियाओं में निहित हैं और हमारा मिशन कथन – 'ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सतत व्यावसायिक समाधान प्रदान करना' इसका प्रमाण है।

सस्टेनेबिलिटी एक सतत यात्रा है, जो हमें ठोस कॉर्पोरेट प्रशासन ढांचे को लागू करके, हितधारक मूल्य बढ़ाकर, अपने उत्पादों और सेवाओं तथा आंतरिक प्रक्रियाओं के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करके, समाज में समावेशी विकास को बढ़ावा देकर और ब्रांड इक्विटी बढ़ाकर कॉर्पोरेट उत्कृष्टता के नए आयाम तक पहुंचने में मदद करती है।

इन 2020–21 के दौरान संपन्न इन गतिविधियों (सीएसआर नीति सहित – https// www.bhel.com/csr) पर भी उपलब्ध) संक्षिप्त विवरण **निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक IV** में दिया गया है।

व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट

लिस्टिंग विनियमों की आवश्यकता के अनुरूप, सुझाए गए प्रारूप के अनुसार कंपनी द्वारा पर्यावरण, सामाजिक और शासन के दृष्टिकोण से की गई पहलों का वर्णन करने वाली व्यावसायिक जिम्मेदारी रिपोर्ट **निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक V** में संलग्न है।

अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी विकास की उपलब्धियां

व्यावसायिक अपेक्षाओं से उत्पन्न होने वाली प्रौद्योगिकी की चुनौतियों का समाधान करने के लिए बीएचईएल के पास एक मजबूत नवाचार और

अनुसंधान एवं विकास ढांचा है। 2020–21 के लिए कंपनी का अनु.एव वि. व्यय ₹726 करोड़ था, जो राजस्व का लगभग 4.45% है। कंपनी ने वर्ष के दौरान 526 पेटेंट और कॉपीराइट आवेदन दायर किए, जिससे कंपनी की बौद्धिक पूंजी 5000 से अधिक हो गई। कंपनी का 24% से अधिक राजस्व अपने आंतरिक रूप से विकसित उत्पादों से प्राप्त किया गया है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी ने छात्रों, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों आदि की भागीदारी से नवीन समाधान खोजने के लिए एक प्रौद्योगिकी नवाचार मंच (संरचना) भी बनाया है, जो प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम है। अधिक विवरण **निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक–VI** में उपलब्ध हैं ।

राजभाषा कार्यान्वयन

बीएचईएल की सभी इकाइयों /प्रभागों में राजभाषा कार्यान्वयन समितियों का गठन किया गया है और कॉर्पोरेट कार्यालय सहित सभी इकाइयों / प्रभागों में नियमित रूप से तिमाही बैठकें आयोजित की जाती हैं। कंपनी में राजभाषा कार्यान्वयन की गति में तेजी लाने के लिए कंपनी भर में 30 से अधिक राजभाषा चक्रों का गठन किया गया। वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन पर विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में उत्कृष्ट प्रयासों के लिए कंपनी को कई राजभाषा पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। विस्तृत विवरण **निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक–VIIA** में दिए गए हैं।

सतर्कता तंत्र

पारदर्शिता, निष्पक्षता और न्याय कंपनी के लिए निर्णय लेने की सभी प्रक्रियाओं का आधार है।

कंपनी के पास सुगठित सतर्कता तंत्र है जिसमें सतर्कता विभाग, आंतरिक लेखापरीक्षा, व्हिसल–ब्लोअर नीति तंत्र, स्वतंत्र बाहरी मॉनिटर (ओं) के साथ–साथ निदेशक मंडल स्तर की लेखा परीक्षा समिति शामिल है।

बीएचईएल के सतर्कता कार्य का नेतृत्व मुख्य सतर्कता अधिकारी करते हैं जो कंपनी में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की विस्तारित शाखा के रूप में कार्य करता है। बीएचईएल की सभी इकाइयों और प्रभागों में सीवीओ को रिपोर्ट करने वाले एक वरिष्ठ अधिकारी की अध्यक्षता में एक सतर्कता प्रणाली है।

निवारक सतर्कता बीएचईएल का फोकस क्षेत्र रहा है क्योंकि सक्रिय सतर्कता प्रतिक्रियात्मक सतर्कता से बेहतर है और इससे भ्रष्टाचार की संभावना कम हो जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रणाली की खामियों को दूर करके प्रक्रिया में अस्पष्टता और विवेकाधिकार के प्रयोग को उत्तरोत्तर कम करना है, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक से अधिक स्पष्ट और पारदर्शी बनाया जा सके और कदाचार में लिप्त होने की गुंजाइश को भी कम किया जा सके। बीएचईएल से संबंधित लेखापरीक्षा रिपोर्ट (आंतरिक, सांविधिक और सीएजी रिपोर्ट) की नियमित रूप से जांच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन रिपोर्टों में बताई गई अनियमितताओं के संबंध में कोई सतर्कता संबंधी मामला शामिल है या नहीं।

सत्यनिष्ठा के कार्यान्वयन की निगरानी और इससे संबंधित किसी भी मुद्दे पर कार्य करने के लिए दो स्वतंत्र बाहरी मॉनिटर्स (आईईएम) का एक पैनल नियुक्त किया गया है।

कंपनी अनुचित और अनैतिक पद्धतियों की रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करती है और इसकी व्हिसल ब्लोअर नीति प्रणाली शिकायतकर्ता को उत्पीड़न के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करती है।

निदेशक मंडल स्तरीय लेखापरीक्षा समिति व्हिसल ब्लोअर/सतर्कता तंत्र के कामकाज की समीक्षा करती है।

अतिरिक्त विवरण **निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक–VIIA** में दिए गए हैं।

स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई)

बीएचईएल सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण उपलब्ध कराने और क्षति रहित एवं बीमारी मुक्त कार्य स्थल प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीएचईएल अपनी सभी गतिविधियों में पर्यावरण के लिए सुरक्षात्मक तरीके से कार्य करना और अपने कर्मचारियों, ठेकेदारों, आगंतुकों और अपने आसपास के समुदाय को स्वस्थ एवं सुरक्षित सुनिश्चित करता है।

इसकी मान्यता स्वरूप, बीएचईएल को आईएसओ 14001 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन और ओएचएसएएस 18001/आईएसओ 45001 व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन से सम्मानित किया गया है।

हमारा दृढ़ विश्वास है कि सुरक्षित और स्वस्थ कार्य स्थल न केवल लोगों के मनोबल को बढ़ाता है बल्कि कार्यस्थल पर अधिक उत्पादकता के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। बीएचईएल ने इस महामारी की स्थिति में अपने कर्मचारियों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव निवारक उपाय किए हैं, अर्थात दिशानिर्देश जारी किए गए हैं, एसओपी तैयार किए गए हैं, क्या करें और क्या न करें परिचालित किए गए हैं, नियमित स्वच्छता ऑडिट की जा रही है, आदि। इसके अतिरिक्त, बीएचईएल ने कुछ ऐसे प्रयास भी किए हैं, जो न केवल इसके कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए सहायक सिद्ध हुए हैं, बल्कि समाज के लिए वरदान साबित हुए हैं। विस्तृत विवरण **निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक–VIIA** में दिए गए हैं।

डेटा और साइबर सुरक्षा

बीएचईएल के पास अपनी आईटी संपत्तियों और डेटा के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था है, जिसमें अत्याधुनिक सुरक्षा उपाय जैसे इंटरनेट गेटवे पर फायरवॉल, ऑन–प्रिमाइसेस सैंडबॉक्सिंग समाधान और एंड–पॉइंट सुरक्षा के साथ एकीकृत सुरक्षित ईमेल गेटवे शामिल हैं। बीएचईएल में आने और जाने वाले सभी इंटरनेट ट्रैफिक की निगरानी एक साइबर सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (सी–एसओसी) के माध्यम से की जाती है, जो ग्लोबल थ्रेट इंटेलिजेंस के साथ एकीकृत है। कंपनी भर में फ़िशिंग सिमुलेशन अभ्यास, प्रशिक्षण कार्यक्रम, संचार आदि जैसे हस्तक्षेपों के माध्यम से उपयोगकर्ता जागरूकता और संवेदीकरण लगातार सुनिश्चित किया जाता है। इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (सीईआरटी–इन) और नेशनल क्रिटिकल इंफॉर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर (एनसीआईआईपीसी) जैसी एजेंसियों से सुरक्षा सलाह का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है।

बीएचईएल में सूचना सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक पहल इसकी सूचना प्रणाली की गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए 2005 से सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) का कार्यान्वयन हो रहा है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एक संगठन, मानकीकरण, परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणन (एसटीक्यूसी) निदेशालय से एक लेखा परीक्षक, संगठन के सूचना सुरक्षा बुनियादी ढांचे का ऑडिट करता है और इसे आंतरिक के अतिरिक्त समय–समय पर ISO27001:2013 के लिए प्रमाणित करता है। फरवरी, 2021 में प्राप्त किए गए अखिल भारतीय बीएचईएल आईएसएमएस का एकीकरण इस पहल की परिपक्वता की अभिव्यक्ति है। बीएचईएल की सभी इकाइयों को अब एक सामान्य नीति ढांचे के लिए प्रमाणित किया गया है जिसके परिणामस्वरूप बेहतर अनुपालन और साइबर सुरक्षा, सामान्य नीतियों, प्रक्रियाओं और प्रारूपों का प्रवर्तन होगा।

कोविड–19 महामारी और परिणामी लॉकडाउन जिसके लिए कर्मचारियों को घर से काम करने की आवश्यकता थी, ने साइबर खतरे के परिदृश्य में एक नया आयाम जोड़ा। वर्क फ्रॉम होम कल्चर का कोई पूर्व अनुभव न होने और भौगोलिक रूप से बड़े पैमाने पर फैले आईटी ऑपरेशन का प्रबंधन करने के बावजूद, बीएचईएल ने शीघ्रता से स्वयं को बदले हुए परिदृश्य के अनुरूप ढाल लिया और समग्र आईटी ऑपरेशन की सुरक्षा सुनिश्चित की।

अन्य सूचनाएं

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (एम) के प्रावधानों के अनुसार कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के साथ पठित विद्युत ऊर्जा के संरक्षण,

प्रौद्योगिकी आमेलन और विदेशी मुद्रा अर्जन एवं व्यय के संबंध में जानकारी **निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक** –VII में दी गई है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के प्रावधानों के साथ पठित कंपनी (प्रबंधकीय कर्मियों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 5 के अनुसार, प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी को निदेशक मण्डल रिपोर्ट में निदेशकों के पारिश्रमिक आदि के विवरण का उल्लेख करना आवश्यक है। हालांकि कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा जारी 5 जून 2015 की अधिसूचना संख्या जीएसआर 463 (ई) के अनुसार, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के प्रावधानों के अनुपालन से छूट दी गई है। बीएचईएल एक सरकारी कंपनी है, इसलिए ये विवरण निदेशक मण्डल रिपोर्ट में शामिल नहीं हैं।

नियम 8(2) के साथ पठित कंपनी अधिनियम की धारा 134(3)(एच) के अनुसार सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 (फॉर्म एओसी–1) की धारा 129 के अनुसार विवरण और फॉर्म एओसी–2 कंपनी (लेखा) नियम, 2014 का विवरण **निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक**–VIII में दिया गया है।

लेखा परीक्षक

आपकी कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक द्वारा की जाती है। सांविधिक लेखापरीक्षकों की तीन फर्मों को संयुक्त सांविधिक लेखा परीक्षकों के रूप में और चार फर्मों को शाखा लेखा परीक्षकों के रूप में नियुक्त किया गया था। वित्त वर्ष 2020–21 के लिए नियुक्त ऑडिट फर्मों के नाम वार्षिक रिपोर्ट में अलग से दिए गए हैं।

लेखा पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

कंपनी के वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए एकल और समेकित वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक–IX में दी गई है। कंपनी के वित्तीय विवरणों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में कोई क्वॉलिफिकेशन नहीं है। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान, कंपनी के लेखा परीक्षकों द्वारा किसी भी धोखाधड़ी की सूचना नहीं दी गई है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा जारी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(4) के साथ पठित धारा 143(6) के अंतर्गत पूरक लेखापरीक्षा रिपोर्ट भी **अनुलग्नक** IX का हिस्सा है।

सचिवीय लेखा परीक्षा

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) के अनुसार, कंपनी ने वित्त वर्ष 2020–21 के लिए सचिवीय लेखा परीक्षा आयोजित करने और उनकी रिपोर्ट के लिए सचिवीय लेखा परीक्षकों के रूप में मैसर्स पीपी अग्रवाल एंड कंपनी, पूर्णकालिक अभ्यास कर रहे कंपनी सचिवों को नियुक्त किया गया और उनकी रिपोर्ट कॉर्पोरेट गवर्नेंस अनुभाग का हिस्सा है।

सचिवीय लेखा परीक्षक ने अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि निदेशक मंडल की संरचना भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 और पैरा 3.1.4 के विनियम 17(1) के अनुसार नहीं है। कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार कंपनी के पास अपने निदेशक मंडल में कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या नहीं थी।

प्रबंधन ने इस मुद्दे को नोट किया और बताया कि बीएचईएल एक सरकारी कंपनी है और इसलिए स्वतंत्र निदेशकों का चयन भारत सरकार द्वारा किया जाता है तथा कंपनी अपने निदेशक मंडल में कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए निरंतर बातचीत कर रही है।

लागत लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के प्रावधानों और कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखा परीक्षा) नियम, 2014 और उसके संशोधनों के अनुसार, निदेशक मंडल ने लेखा परीक्षा समिति की अनुशंसा पर, वित्त वर्ष 2020–21 के लिए आपकी कंपनी के लागत लेखों के ऑडिट के लिए लागत लेखा परीक्षकों के रूप में लेखाकार लागत की सात फर्मों की नियुक्ति को मंजूरी दी। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 की उप–धारा (1) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट लागत लेखों और अभिलेखों को उचित रूप से बनाए रखा गया है और उनका अनुपालन किया गया है।

फेम–I योजना के अंतर्गत बीएचईएल द्वारा स्थापित कर्ण लेक रिज़ॉर्ट, करनाल में माननीय केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री, डॉ महेंद्र नाथ पाण्डेय जी द्वारा सोलर ईवी चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन

वित्त वर्ष 2020–21 के लिए नियुक्त लागत लेखा परीक्षकों का विवरण वार्षिक रिपोर्ट में अलग से दिया गया है। वित्त वर्ष 2019–20 के लिए कॉस्ट ऑडिट रिपोर्ट 24 सितंबर, 2020 को एक्सबीआरएल मोड के अंतर्गत फाइल करने की नियत तिथि के भीतर दायर की गई है और कॉस्ट ऑडिट रिपोर्ट में कोई क्वॉलिफिकेशन नहीं थी।

प्रशंसा और आभार

आपके निदेशक कंपनी के परिचालन और विकास योजनाओं में भारी उद्योग मंत्रालय और भारत सरकार के अन्य सभी विभागों तथा एजेंसियों द्वारा दिए गए समर्थन और मार्गदर्शन के लिए आभारी हैं। निदेशक भारत के नियंत्रक–महालेखापरीक्षक, लेखा परीक्षा निदेशक मंडल के अध्यक्ष और सदस्यों, व्यावसायिक निकायों, सांविधिक लेखा परीक्षकों, शाखा लेखा परीक्षकों, सचिवीय लेखा परीक्षकों और लागत लेखा परीक्षकों के रचनात्मक सुझावों और निरंतर सहयोग के लिए भी अपना आभार व्यक्त करते हैं।

निदेशक भारत और विदेशों में कंपनी के बहुमूल्य ग्राहकों और कंपनी के प्रबंधन में उनके द्वारा दिए गए समर्थन और दर्शाए गए विश्वास के लिए सम्मानित शेयरधारकों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हैं और भविष्य में इस पारस्परिक सहयोग को जारी रखने की आशा करते हैं।

निदेशक सभी प्रौद्योगिकी सहयोगियों, आपूर्तिकर्ताओं, ठेकेदारों से प्राप्त निरंतर सहयोग और वित्तीय संस्थानों, बैंकरों और स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा प्रदान किए गए समर्थन के लिए प्रशंसा करते हैं।

आपके निदेशक बीएचईएल के सभी कर्मचारियों द्वारा किए गए कठिन प्रयासों, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के लिए तहे दिल से प्रशंसा करते हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

डॉ. नलिन सिंघल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थानः नई दिल्ली

दिनांकः 27.08. 2021

सूचना
अतिरिक्त जानकारी
वित्तीय विवरण
निदेशक मंडल रिपोर्ट
कॉर्पोरेट प्रोफाइल
वार्षिक समीक्षा

निदेशक मण्डल रिपोर्ट का अनुलग्नक–I प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

1.1 आर्थिक और व्यावसायिक अवलोकन

वर्ष 2020 में वैश्विक अर्थव्यवस्था के 3.3% तक संकुचित होने का अनुमान किया गया था क्योंकि वर्ष के दौरान कोविड–19 के कारण आपूर्ति श्रृंखला, उत्पादन, व्यापार और खपत प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए हैं। भविष्य में कोविड–19 की अगली लहरों की सीमा और तीव्रता, टीकों के लिए नए कोविड–19 स्ट्रेन की संवेदनशीलता और लगातार हो रही आर्थिक क्षति को सीमित करने के लिए नीतिगत कार्रवाइयों की प्रभावशीलता पर विकास काफी हद तक निर्भर करेगा।

लॉकडाउन और पाबंदियों के कारण 2020–21 की पहली छमाही में घरेलू आर्थिक गतिविधियां बाध्य रहीं। औद्योगिक उत्पादन गतिविधि में भी 2020–21 में 8.7% की कमी आई और कुल मिलाकर, देश ने वर्ष के दौरान सकल घरेलू उत्पाद में 7.3% की कमी दर्ज की। लॉकडाउन और प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के बाद वर्ष की दूसरी छमाही में लॉकडाउन के दौरान लंबित हुई मांग के कारण अर्थव्यवस्था में वृद्धि में सहायता की। इसके बाद, कोविड–19 की अगली लहरों के अनिश्चित प्रभाव को देखते हुए विकास की गति असमान हो सकती है।

घरेलू विद्युत क्षेत्र बाजार में कारोबारी गतिविधियां मिलीजुली रहीं। न्यूक्लियर, हाइड्रो और सोलर पीवी नए ऑर्डर के साथ सक्रिय थे जबकि कोयला आधारित संयंत्रों की मांग कमजोर रही। उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों की मांग भी सीमित रहने की आशा है क्योंकि विद्युत प्रतिष्ठानों के क्रियान्वयन की समय सीमा बढ़ा दी गई है। विद्युत मूल्य श्रृंखला के वितरण और खुदरा पक्ष में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इनमें विद्युत अधिनियम में संशोधन और वितरण पक्ष आधुनिकीकरण कार्यक्रम प्रमुख हैं।

भारतीय रेलवे अपने परिचालन को डीकार्बोनाइज करने, अधोसंरचना के उन्नयन एवं आधुनिकीकरण तथा सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने जैसे पहलों के साथ आगे बढ़ रहा है। मुंबई–अहमदाबाद हाई–स्पीड रेल कॉरिडोर – देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना में सिविल कार्यों के लिए दो बड़े अनुबंधों पर हस्ताक्षर के साथ कई महत्वपूर्ण विकास हुए।

रक्षा क्षेत्र में में, नई खरीद नीति – 'डिफेंस एक्विजिशन प्रोसीजर 2020' में घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है, जिसमें राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाएं जैसे एयरो इंजन आदि शामिल हैं।

औद्योगिक व्यापार खंड में, ग्राहक अपनी क्षमता विस्तार योजनाओं के साथ सावधानीपूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। तेल एवं गैस क्षेत्र में कई सरकारी और निजी रिफाइनर विस्तार मोड में हैं। साथ ही नई रिफाइनिंग और पेट्रो–रसायन क्षमताओं का निर्माण हो चुका है या प्रगतिशील है।

अर्थव्यवस्था के लिए महामारी की आपदा को अवसर में बदलने के लिए, भारत सरकार ने आर्थिक विकास को गति देने के लिए "आत्मनिर्भर भारत अभियान" की घोषणा की है और ₹20 लाख करोड़ के विशेष व्यापक आर्थिक पैकेज की घोषणा की गई है। इसके अतिरिक्त, पूंजीगत व्यय पर विशेष जोर देने के लिए, बजट 2021–22 में पूंजीगत व्यय के लिए ₹5.54 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया, जो कि 2020–21 के संशोधित बजट से 26% अधिक है। अधिकांश परिव्यय रक्षा, रेलवे, सड़कों और राजमार्गों, शहरी परिवहन, परमाणु विद्युत ऊर्जा के लिए स्वीकृत है।

इसके अतीतिक्त, देश की घरेलू विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने के लिए, उन्नत रसायन सेल बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक / प्रौद्योगिकी उत्पाद, ऑटोमोबाइल एवं ऑटो कल पूर्जे, फार्मास्युटिकल दवाएं, दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पाद, कपड़ा उत्पाद, खाद्य उत्पाद, उच्च दक्षता वाले सोलर पीवी मॉड्यूल, व्हाइट गुड्स (एसी और एलईडी) तथा स्पेशलिटी स्टील सहित 13 प्रमुख क्षेत्रों के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की घोषणा की गई। इन पीएलआई योजनाओं में निवेश से विशेष रूप से अधोसंरचना क्षेत्र में पूंजीगत व्यय के लिए भारत सरकार के प्रयास को और बल मिलेगा।

1.2 अवसर और खतरे

बीएचईएल एक प्रमुख पूंजीगत माल विनिर्माता पीएसयू है। बीएचईएल का पाँच दशकों से अधिक समयावधि सिद्ध कार्यानुभव है। बीएचईएल में 16 गहन प्रौद्योगिकी विनिर्माण प्रतिष्ठान, 32,000 कर्मचारी, जिसमें 9,000 से अधिक इंजीनियर शामिल हैं,का कुशल व प्रतिबद्ध जनशक्ति के सशक्त समूह के रूप में एक विशाल परिसंपत्ति आधार है।

कंपनी का विद्युत उपकरण खंड में अद्वितीय अनुभव है। इसका दुनिया भर में 193,000 मेगावाट से अधिक एवं भारत में 163,000 मेगावाट (देश की स्थापित क्षमता का 53%) से अधिक का स्थापित आधार है। अपनी मजबूत तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए, बीएचईएल परमाणु, रक्षा, अंतरिक्ष और परिवहन के रणनीतिक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण उपकरणों की इंजीनियरिंग एवं आपूर्ति में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। कंपनी ने अपने ग्राहकों को सेवाएं देने के लिए अखिल भारतीय विक्रय एवं सेवा तंत्र स्थापित किया है।

इंजीनियरिंग उत्कृष्टता पर कृतसंकल्पित प्रयासों के साथ, बीएचईएल ने उन्नत प्रौद्योगिकियों के एकीकरण एवं विकास, सिस्टम डिजाइन क्षमताओं के निर्माण तथा भारत में इंजीनियरिंग क्षेत्र में आर एंड डी पर लगातार सर्वाधिक व्यय कर अपने नेतृत्व का निष्पादन किया है। जब भी आवश्यक हुआ, कंपनी ने वैश्विक प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के साथ भागीदारी की है। इसका सफल भागीदारी तथा उन्नत प्रौद्योगिकियों के आत्मसात एवं स्वदेशीकरण का एक लंबा इतिहास रहा है।

देश के साथ–साथ दुनिया भर में स्थापित लगभग 100 परियोजना साइटों के साथ, बीएचईएल को ईपीसी परियोजनाओं सहित परियोजना निष्पादन का भी समृद्ध अनुभव है।

ये क्षमताएं बीएचईएल को अधोसंरचना के क्षेत्र में तथा नए उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अवसरों को भुनाने के लिए एक अद्वितीय स्थिति में रखती हैं।

यद्यपि कोविड 19 महामारी एवं इसके परिणामी व्यवधानों ने वित्त वर्ष 2020 में भारतीय अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया, टीकाकरण अभियान के साथ–साथ विकास उत्प्रेरक राजकोषीय एवं मौद्रिक नीति से अर्थव्यवस्था के पटरी पर आने की आशा है। जहां राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग के पुनर्जीवित होने की आशा है, वहीं मौद्रिक नीति से आपूर्ति पक्ष पर तरलता की समस्या कम होने की भी आशा है।

वित्त वर्ष 21 की चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था की "आशा से अधिक" वृद्धि ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को दर्शाया है तथा निवेशकों को इसकी सुदृढ़ता के बारे में आश्वस्त एवं उत्साहित किया है।

विद्युत क्षेत्र में (2022–2025) 14 लाख करोड़ ₹ से अधिक के नियोजित परिव्यय, वितरण क्षेत्र में संरचनात्मक सुधार तथा विद्युत मांग में वृद्धि –आधारित संभावित बढ़ोत्तरी के साथ भारत सरकार के राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) के माध्यम से अधोसंरचना के विकास पर ध्यान केंद्रण से वर्तमान में संकटग्रस्त विद्युत क्षेत्र में सकारात्मक विकास के संकेत दिख रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, महामारी से उत्पन्न संकट ने आत्मनिर्भरता के महत्व को आशा की किरण के रूप में प्रकट किया है। फलस्वरूप, भारत सरकार ने देश को मुख्य क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत पीएलआई योजना आदि पर ज़ोर देना आरंभ किया है। भारतीय रेलवे की आधुनिकीकरण योजना तथा भारतीय रक्षा खरीद के स्वदेशीकरण के कारण महत्वपूर्ण अवसर सामने आएंगे।

मध्यम से दीर्घावधि योजना में, विद्युत उत्पादन का जीवाश्म ईंधन आधारित प्रणालियों से नवीकरणीय एवं हरित प्रारूपों जैसे सौर, पवन और हाइड्रोजन आधारित प्रणालियों में मौलिक परिवर्तन, कंपनी के कोयला एवं गैस आधारित थर्मल पावर प्लांटों के उपकरण विनिर्माण के मुख्य व्यवसाय के लिए एक चुनौती प्रस्तुत करता है। इसके अतिरिक्त, समय पर परियोजना निष्पादन, अपर्याप्त विविधीकरण, लागत में वृद्धि, घटते मार्जिन और तरलता संगठन के लिए चिंतन के प्रमुख क्षेत्र हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए, आपकी कंपनी ने इनमें से प्रत्येक मुद्दे को हल करने के लिए कई पहल शुरू की हैं, जिनका विवरण बाद के अनुभागों में दिया गया है।

महामारी की एक और लहर आना, और वायरस के अधिक घातक उत्परिवर्तन का उद्भव अर्थव्यवस्था वृद्धि के लिए कुछ प्रमुख खतरे हैं। इसके अतिरिक्त, आर्थिक प्रोत्साहन पैकेजों को शुरू करने के लिए सरकार के पास राजकोषीय निधि तथा अर्थव्यवस्था में ऋण देने वाले वित्तीय संस्थानों की मजबूती भी आर्थिक सुधार की सीमा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण कारक होंगे। आर्थिक सुधार की गति और सीमा का हमारे निष्पादन पर सीधा प्रभाव पड़ने की आशा है।

भविष्य में कोविड–19 की लहरों के खतरे को दूर करने के लिए, बीएचईएल ने अपनी निर्माण इकाइयों और परियोजना स्थलों पर अपने नियमित कर्मचारियों एवं उनके परिवारों तथा संविदा कर्मचारियों के लिए बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान चलाया है।

1.3 भविष्य का दृष्टिकोण

कंपनी ने व्यापार और आर्थिक वातावरण में तेजी से हो रहे बदलावों के प्रति समंजस्य स्थापित करने के लिए स्वयं को परिवर्तित करने की चुनौती को स्वीकारा है। इस परिवर्तन का प्रयास कई आयामों में किया जा रहा है, जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ, व्यवसाय विविधीकरण, प्रौद्योगिकी उन्नयन, जनशक्ति उन्नयन, आईटी सक्षमता, परियोजना निष्पादन में सुधार, गुणवत्ता प्रथम पहल, लागत अनुकूलन के साथ–साथ प्राप्य प्रबंधन शामिल हैं।

1.3.1 व्यावसायिक पहल

मुख्य व्यवसाय का संरक्षण

कंपनी अपने मुख्य व्यवसाय में अपने नेतृत्व की रक्षा करने और उसे बनाए रखने के लिए वचनबद्ध है। बीएचईएल समय पर परियोजना सुपुर्दगी करते हुए निष्पादन में सुधार, पुर्जों और सेवाओं के क्षेत्र में नए सिरे से जोर देने, उत्सर्जन नियंत्रण व्यवसाय को मजबूत करने और एयूएससी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके विद्युत ऊर्जा और पर्यावरण अनुकूल विद्युत संयंत्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

घरेलू विद्युत उत्पादन क्षमता में सबसे बड़े योगदानकर्ता के रूप में अपनी विशिष्टता का निर्माण करते हुए, कंपनी ने एक बड़ी संख्या में ऑर्डर प्राप्त कर घरेलू उत्सर्जन नियंत्रण व्यवसाय में अपना नेतृत्व बनाए रखा है। कंपनी ने अब तक 66 फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन सेट, 11 सलेक्टिव उत्प्रेरक रिडक्शन सेट स्थापित किए हैं।

बीएचईएल उन चुनिंदा संगठनों में से एक है जो देश के स्वदेशी परमाणु विद्युत ऊर्जा कार्यक्रम (प्राथमिक और माध्यमिक पक्ष) के सभी तीन चरणों में जुड़े होने का गौरव प्राप्त करता है। परमाणु भाप टर्बाइनों के एकमात्र भारतीय आपूर्तिकर्ता बीएचईएल ने एनपीसीआईएल द्वारा आगामी 700 मेगावाट के "टीजी आइसलेंड" "ईपीसी आधार" फ्लीट मोड ऑर्डर पर कार्य करने के लिए कमर कस ली है। यह स्टीम जेनरेटर, रिएक्टर हैडर, टर्बाइन जेनरेटर सेट, एमएसआर, हीट एक्सचेंजर्स, सेंट्रल कंट्रोल एंड इंस्ट्रुमेंटेशन पैकेज इत्यादि वर्तमान प्रस्तावों के अतिरिक्त है। इस क्षेत्र में बीएचईएल के कौशल के एक प्रमाण के रूप में, कंपनी ने पहले ही एनपीसीआईएल से देश में चार स्थानों पर स्थापित किए जाने वाले 700 मेगावाट दबाव वाले भारी पानी रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) के लिए रिएक्टर हैडर असेंबलियों की फ्लीट मोड खरीद के अंतर्गत आपूर्ति के लिए प्रथम ऑर्डर प्राप्त कर लिया है।

कंपनी पन (हाइड्रो) सेगमेंट में ~ 21,000 मेगावाट पोर्टफोलियो होने के साथ इस व्यवसाय में प्रमुख स्थान बनाए हुये हैं। वर्ष के दौरान ₹3000 करोड़ के आदेश बुक किए गए जो अब तक की उच्चतम बुकिंग है।

इसके आगे, स्पेयर्स और सर्विसेज बिजनेस मॉडल के सुधार के साथ एक प्रमुख फोकस क्षेत्र होंगे जो ग्राहकों की आवश्यकताओं के साथ–साथ बीएचईएल एवं गैर–बीएचईएल सेटों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अधिक उत्तरदायी होंगे। आने वाले समय में इस सेगमेंट में कंपनी द्वारा दी जाने वाली आईटी सक्षम/आईओटी आधारित सेवाओं की रेंज का विस्तार करने के प्रयास चल रहे हैं। आने वाले वर्षों में विद्युत ऊर्जा मिश्रण में एकीकरण/नवीकरणीय विद्युत ऊर्जा के बढ़ते हिस्से को ध्यान में रखते हुए विद्युत संयंत्रों का लचीला परिचालन एक और प्रमुख फोकस क्षेत्र है।

विविधिकरण

कंपनी स्वयं को पारंपरिक थर्मल पावर उपकरण / परियोजना कंपनी से अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के लिए उत्पादों और सेवाओं के व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर करने वाली एक 'इंजीनियरिंग कंपनी' में परिवर्तित कर रही है। कंपनी तेल एवं गैस क्षेत्र के साथ–साथ रेलवे, रक्षा तथा अंतरिक्ष क्षेत्रों में अपनी भूमिका और उपस्थिति के विस्तार के लिए कई अवसरों की खोज कर रही है। कंपनी भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत एवं मेक इन इंडिया अभियानों से उत्पन्न अवसरों पर रणनीतिक रूप से काम कर रही है।

शहरी गतिशीलता, तेल एवं गैस व्यवसाय में एलएसटीके अवसर, रक्षा कार्यक्रम, इसरो से संबंधित अवसर, विद्युत ऊर्जा भंडारण समाधान सहित अन्य उत्पादों, प्रणालियों एवं समाधानों की एक श्रृंखला विकसित की जा रही है ताकि विकास के नए वाहक तैयार किए जा सकें।

आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत कंपनी विभिन्न अवसरों पर काम कर रहा है जैसे शहरी रेल परिवहन में अवसरों का लाभ के लिए वैश्विक ओईएम के साथ आपसे सहयोग; भारत में समुद्री गैस टरबाइन समुच्चय के विनिर्माण के स्थानीकरण के लिए भारतीय नौसेना एवं ज़ोर्या यूक्रेन के साथ कार्य प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर करना; गी.वा. स्केल अपस्ट्रीम सोलर विनिर्माण की स्थापना तथा प्रोडक्शन–लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाओं का लाभ उठाना।

कुछ क्षेत्रों में प्रथम सफलता पहले ही प्राप्त की जा चुकी है। आईओसीएल पारादीप में सल्फर रिकवरी यूनिट (525 टीपीडी) के आदेश के निष्पादन के साथ, बीएचईएल खुद को डाउनस्ट्रीम तेल एवं गैस क्षेत्र में प्रोसेस पैकेज के लिए एक एलएसटीके सेवा प्रदाता के रूप में स्थापित करेगा। कंपनी भारतीय रेलवे के 9000एचपी डब्ल्यूएजी–9एचएच लोकोमोटिव के लिए 1200 कि.वा. 3–फेज ट्रेक्शन मोटर्स सहित प्रोपल्शन इलेक्ट्रिक्स भी विकसित कर रही है।

1.3.2 परियोजना निष्पादन में सुधार

परियोजनाओं को समय पर पूरा करने तथा ग्राहकों की संतुष्टि में सुधार सुनिश्चित करने के लिए बीएचईएल ने अपनी रणनीति को राजस्व केंद्रित से परियोजना निष्पादन केंद्रित में बदलने के लिए एक बड़ी पहल की है। रणनीति में इस बदलाव के अनुरूप, कंपनी ने विनिर्माण इकाइयों के साथ–साथ बीओआई से इरेक्शन योग्य सामग्री के क्रमिक प्रेषण पर ध्यान केंद्रित किया है। वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान इस प्रतिमान बदलाव ने परियोजना अनुसूची के अनुरूप वितरण में तेजी लाने की सुविधा प्रदान की, इसके अतिरिक्त अन्य सहवर्ती लाभ जैसे कि ग्राहकों से वसूली में वृद्धि जो पिछले 10 वर्षों में चालू वर्ष बिलिंग (82%) के उच्चतम लिक्विडेशन से स्पष्ट है। इसके परिणामस्वरूप लंबी अवधि के लिए साइटों पर पड़ी सामग्री/उपकरणों के नुकसान और पुनर्विक्रय में कमी और इरेक्शन और कमीशनिंग के लिए उपलब्ध सामग्री/उपकरण की गुणवत्ता में सुधार के कारण भी बचत हुई है।

यह पहल परियोजनाओं की वास्तविक समय निगरानी हेतु एकीकृत परियोजना प्रबंधन प्रणाली (आईपीएमएस) के सफल आरंभ एवं साइटों से सीधे डेटा प्राप्त करने हेतु साइट डेटा डिजिटलीकरण फलों द्वारा समर्थित है। इसके अतिरिक्त, परियोजनाओं के शीघ्र निष्पादन को सुलभ बनाने हेतु एकीकृत परियोजना इंजीनियरिंग, अनुबंध की सामान्य शर्तों में संशोधन, बोली–पूर्व टाई अप के लिए ईपीसी सिविल एजेंसियों को सूचीबद्ध करना आदि प्रमुख पहल चल रही हैं। साइटों पर चलनिधि की कमी को दूर करने के लिए और निर्बाध परियोजना निष्पादन को सक्षम करने के लिए, विक्रेताओं/उप–ठेकेदारों को पर्याप्त तरलता प्रदान की गई, जिसके परिणामस्वरूप निष्पादन में भी सुधार हुआ।

1.3.3 गुणवत्ता प्रथम पहल

पिछले वर्ष शुरू की गई गुणवत्ता प्रथम पहल ने परिणाम देना शुरू कर दिया है। इसके साथ कंपनी की गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मानसिकता को विकसित करने पर ध्यान देना आरंभ हो गया हैं। 'गुणवत्ता 360' मॉडल के अनुसार गुणवत्ता प्रणाली की परिपक्वता बढ़ाना; ईएफक्यूएम 2020 के अनुसार व्यावसायिक उत्कृष्टता यात्रा को पुनर्जीवित करना, 'क्यूएचआई (गुणवत्ता स्वास्थ्य सूचकांक)' के माध्यम से गुणवत्ता स्वास्थ्य को पुनर्जीवित करना, गुणवत्ता प्रणालियों का डिजिटलीकरण, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना तथा कठोर पूर्व–स्थापना निरीक्षण पहल भी की गई है। परिणामस्वरूप, कंपनी ने वर्ष 2020 के लिए "गोल्डन पीकॉक नेशनल क्वालिटी अवार्ड" जीता है और हीप हरिद्वार इकाई को 14 वर्षों के अंतराल के बाद बिजनेस एक्सीलेंस 2020 के लिए सीआईआई ईएक्सआईएन बैंक अवार्ड की प्लेटिनम श्रेणी में मान्यता मिली है। अधिक विवरण खंड 1.7 में दिया गया है।

1.3.4 लागत अनुकूलन

बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ साथ तेजी से बढ़ती लागत को नियंत्रित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, इस क्षेत्र में पायलट पहल के लिए एक नवीन "कॉस्ट ऑप्टिमाईजेशन सेल" ('लागत अनुकूलन सेल') गठित किया गया है, जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ विभिन्न उत्पादों के लिए डिजाइन की समीक्षा एवं इष्टमीकरण; खरीद क्षमता में सुधार, साइटों पर अधिशेष सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करना; अनुपयोगी/ पुरानी माल सूची का निपटान स्क्रैप का समय पर निपटान, आदि शामिल है।

एक ओर लागत में कमी पर अधिक जोर देने से परिचालन के विभिन्न क्षेत्रों में स्थायी बचत प्राप्त हुई है, वहीं कठोर बजटीय नियंत्रण प्रवर्तन से परिचालन लागत के विभिन्न तत्वों की लागत में कमी आई है। परिचालन के विभिन्न लागत पहलुओं की निरंतर मॉनिटरिंग, कार्यप्रणाली में सुधार तथा प्रबंधन परामर्श का सहारा लिया गया है ताकि लागत में स्थायी कमी एवं परिचालन की लागत–प्रभावशीलता में सुधार हो सके।

रणनीतिक लागत में कमी के तरीकों को अपनाने से वर्ष के दौरान अन्य विविध खर्चों में ₹694 करोड़ की कुल कमी दर्ज की गई है, जिसने वित्तीय निष्पादन में सकारात्मक योगदान दिया है, अन्यथा यह कोविड–19 के कारण और भी प्रभावित एवं और निचले स्तर का होता। ट्रेजरी और कार्यशील पूंजी प्रबंधन में दक्षता के कारण वित्त लागत में ₹134 करोड़ की बचत भी हुई है। लागत बचत ने कंपनी के घाटे को कम करने और तरलता संरक्षण में योगदान दिया है।

1.3.5 डिजिटल परिवर्तन

बीएचईएल ने ग्राहक संतुष्टि बढ़ाने हेतु अत्याधुनिक ग्राहक केंद्रित समाधान प्रदान करने एवं परिचालन क्षमता में सुधार करने के लिए आईटी सक्षम संगठन बनने की यात्रा आरंभ की है।

परियोजना निष्पादन में सुधार के लिए प्रमुख डिजिटल पहलों में परियोजनाओं की वास्तविक समय निगरानी हेतु एकीकृत परियोजना प्रबंधन प्रणाली (आईपीएमएस) का कार्यान्वयन, साइटों से डेटा के सीधे कैप्चर के लिए साइट डेटा डिजिटाइजेशन (एसडीडी), साइट अनुबंध प्रबंधन प्रणाली, साइट पर सामग्री ट्रैकिंग के लिए आरएफआईडी प्रणाली आदि शामिल है।

विनिर्माण इकाइयों में विद्यमान ईआरपी सिस्टम का ऑडिट किया गया है, तथा केंद्रीकृत डेटा केंद्रों के साथ–साथ डेटा वेयरहाउसिंग समाधान पूरे कंपनी में लागू किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी शॉप फ्लोर दक्षता बढ़ाने के लिए गुणवत्ता प्रक्रियाओं तथा सामग्री उपयोग के लिए औद्योगिक आईटी समाधान, शॉप फ्लोर पर ड्राइंग एवं प्रोसेस शीट उपलब्ध कराने के लिए डिजिटल कियोस्क आदि को लागू करने की प्रक्रिया में है।

कर्मचारी अनुभव को सुखद बनाने के लिए, विभिन्न कार्यस्थल समाधान भी तैयार किए जा रहे हैं।

कंपनी ने कोविड के दौरान लगाए गए प्रतिबंधों का लाभ उठाया और पूरे संगठन में ई–ऑफिस के पूर्ण कार्यान्वयन को सुनिश्चित किया है। इस पहल ने दोहरा लाभ दिया है एक तो पर्यावरण अनुकूल होने का जो कागज रहित कार्यालय की दिशा में एक कदम है और दूसरा फ़ाइल निपटान समय में अत्यधिक कमी है, इससे निर्णय लेने में तेजी आई है।

1.3.6 प्राप्य प्रबंधन

नकदी की प्रति जागरूकता की संस्कृति को विकसित करके परिचालन तरलता बनाए रखना तथा चालू एवं स्थापित परियोजनाओं के देनदारों से नकद वसूली में तेजी लाना कंपनी की एक उच्च प्राथमिकता एवं प्रमुख परिणाम क्षेत्र बना हुआ है।

प्राप्य निगरानी के लिए संरचनात्मक तंत्र का निर्माण करके निरंतर समीक्षा के परिणामस्वरूप नकद संग्रह राजस्व का 123 प्रतिशत हुआ। प्रतिमान परियोजना केंद्रित दृष्टिकोण की ओर रूख, क्रमिक आपूर्ति एवं अनुशासित बिलिंग द्वारा परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी लाने से वित्त वर्ष 2020 में 73% के मुकाबले चालू वर्ष की बिलिंग की तरलता 82% रही जो पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है।

कुशल प्राप्य प्रबंधन के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2020–21 में परिचालन नकदी अधिशेष हुआ तथा पिछले वर्ष की तुलना में व्यापार प्राप्य में 38% की कमी आई।

मार्च 21 में कुल प्राप्य राशि मार्च 2020 के ₹35435 करोड़ के मुक़ाबले ₹31292 करोड़ होने से इसमें भी 12% (₹4143 करोड़) कमी हुई। प्राप्य का उपर्युक्त स्तर पिछले 10 वर्षों में सबसे कम है। कंपनी ने निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित व्यापार प्राप्य नीति के अनुरूप चूककर्ता ग्राहकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की है एवं प्राप्य राशियों की वसूली में तेजी लाने के लिए मध्यस्थता/एनसीएलटी/एएमआरसीडी कार्यवाही शुरू की है।

कमीशन की गई परियोजनाओं के सभी तकनीकी/वाणिज्यिक मुद्दों के पंच पॉइंट्स को पूर्ण करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करने से इन परियोजनाओं में कई वर्षों से अटकी हुई नकदी की वसूली करने में मदद मिलेगी। उच्च स्तरीय अधिकार प्राप्त क्रॉस फंक्शनल टीमें इस पर समर्पित रूप से काम कर रही हैं।

1.3.7 कर्मचारी विकास एवं सहभागिता

नीतिगत एवं संरचनात्मक परिवर्तन कर्मचारी विकास के प्रमुख केंद्रीय बिन्दु क्षेत्र हैं। कंपनी/इकाई के निष्पादन के साथ व्यक्तिगत निष्पादन को संरेखित करने के लिए निष्पादन प्रबंधन प्रणाली की व्यापक समीक्षा एवं सुधार किया गया है। अन्य पहलों में गतिशील कारोबारी माहौल में कार्यबल के पुनः कौशल हेतु जनशक्ति विकास पर ध्यान केंद्रित करना, नेतृत्व विकास, आंतरिक संचार को मजबूत करना, निरंतर ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए ई–मॉड्यूल का विकास, ज्ञानर्जन की प्रक्रियाओं को बल देना, नीतियों को कर्मचारी केंद्रित बनाने के लिए उन्हें सरल बनाना इत्यादि हैं।

1.3.8 प्रौद्योगिकी विकास

प्रमुख क्षेत्रों एवं नए व्यवसायों में प्रौद्योगिकी विकास कंपनी की प्रमुख

प्राथमिकता बनी हुई है। बीएचईएल ने उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) प्रौद्योगिकी का विकास कार्य पूरा कर लिया है, तथा कोयला से मेथनॉल, इंजनों के लिए प्रणोदन, हाइड्रोजन उत्पादन के लिए इलेक्ट्रोलाइजर प्रौद्योगिकी एवं पीईआरसी सेल्स क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के विकास की दिशा में काम कर रहा है। प्रणोदन उपकरण, फ़्लू गैस डिसल्फराइज़ेशन प्लांट घटकों जैसे ऑक्सीडेशन ब्लोअर के साथ–साथ इसकी सहायक प्रणाली, वेट बॉल मिल्स आदि और अन्य उच्च मूल्य वाली खरीदी गई वस्तुओं के लिए भी स्वदेशीकरण की पहल की जा रही है।

बीएचईएल आडीटिव मैनुफक्चरिंग, हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था, उद्योग 4.0, अपस्ट्रीम सोलर पीवी वैल्यू चेन (एमजी–सी–पॉलीसिलिकॉन–इनगॉट/वेफर), कार्बन कैप्चर तथा कोल टू मेथनॉल जैसे उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में व्यापार संभावनाओं का उपयोग करने अपनी क्षमताओं का निर्माण कर रहा है और इस दिशा में प्रयास कर रहा है। इन नए क्षेत्रों का पता लगाने, उपयुक्त व्यवसाय मॉडल डिजाइन करने, प्रौद्योगिकी विकसित करने, साझेदारी बनाने और इन अपेक्षाकृत नवीन क्षेत्रों में प्रभावी नीति निर्माण के लिए सरकार को अनुसंधान सहायता प्रदान करने के लिए डेडिकेटिड इमार्जिग टेक्नोलोजी स्ट्रेटजी डेस्क तथा इंक्यूवेशन टीमों का गठन किया गया है ।

वर्तमान में उपर्युक्त के अतिरिक्त कई पहलें चल रही हैं, वे आने वाले वर्षों में कंपनी के विकास के लिए एक मजबूत आधार बनाएंगी।

व्यावसायिक खंडों की रूपरेखा और प्रदर्शन

पावर सेक्टर

1.4 व्यावसायिक खंडों की रूपरेखा और निष्पादन

कंपनी के दो व्यावसायिक खंड हैं; पावर (विद्युत) और उद्योग। ये खंड तीन व्यावसायिक क्षेत्रों अर्थात पावर (विद्युत) क्षेत्र, उद्योग क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय परिचालन द्वारा संचालित होते हैं।

विद्युत (पावर) क्षेत्र में गैर–बीएचईएल सेटों के लिए उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण और पुर्जों के नए व्यवसायों के अतिरिक्त थर्मल, गैस, जलविद्युत और परमाणु विद्युत ऊर्जा संयंत्र व्यवसाय शामिल हैं। 1969 में अपना पहला कोयला आधारित सेट चालू करने के बाद, बीएचईएल पांच दशकों से अधिक समय से इस व्यवसाय में है।

उद्योग क्षेत्र परिवहन, पारेषण, रक्षा और एयरोस्पेस, नवीकरणीय, डाउनस्ट्रीम तेल एवं गैस, विद्युत ऊर्जा भंडारण, और विद्युत गतिशीलता, पेट्रोकेमिकल्स सहित कई उद्योगों के लिए प्रमुख उपकरण आपूर्ति को पूरा करता है।

कंपनी गैर–कोयला हरित व्यवसायों की ओर बढ़ रही है जो इसके बदलते व्यापार मिश्रण में भी परिलक्षित होता है। **(पिछले कुछ वर्षों में, उद्योग खंड के कारोबार में कंपनी की हिस्सेदारी लगभग 20% से बढ़कर लगभग 30% हो गई है)।**

इन व्यावसायिक खंडों की विस्तृत रूपरेखा आगे दी गई है।

1.4.1 पावर क्षेत्र

अवलोकन

देश की अर्थव्यवस्था के उच्च विकास पथ के लिए बड़े पैमाने पर अधोसंरचना के विकास की आवश्यकता है। देश की आर्थिक वृद्धि की विद्युत क्षेत्र के विकास के साथ दृढ़ सहसंबद्धता बनी हुई है। तदनुसार, सभी के लिए किफायती दरों पर विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत ऊर्जा की उपलब्धता, सतत आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत में वर्तमान में ~382 गीगावॉट की स्थापित क्षमता का आधार है और इसकी वार्षिक विद्युत उत्पादन ~1382 बिलियन यूनिट (31 मार्च, 2021 तक) है। राष्ट्र ने वर्ष में पारंपरिक स्रोतों से लगभग ~ 5.4 गी.वा. की क्षमता वृद्धि देखी, जिसमें से अधिकांश ताप विद्युत संयंत्रों (टीपीपी) से थी। दूसरी ओर, अक्षय विद्युत ऊर्जा स्रोतों (आरईएस) से वर्ष में क्षमता वृद्धि ~7.4 गीगावॉट थी, जिसमें सौर विद्युत ऊर्जा क्षमता वृद्धि का योगदान ~ 5.5 गीगावॉट था।

वर्तमान व्यापार परिदृश्य

देश की आर्थिक वृद्धि, और इसके परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2011 के दौरान विद्युत की मांग बुरी तरह प्रभावित हुई है। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के कारण, वित्त वर्ष 2011 की पहली छमाही में विद्युत उत्पादन में काफी गिरावट आई है।

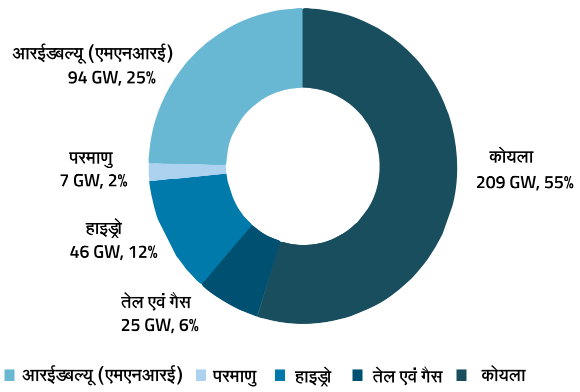

31 मार्च, 2021 को, स्त्रोत– केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), ऊर्जा मंत्रालय

फिर अनलॉकिंग प्रक्रिया की शुरुआत के साथ, विद्युत उत्पादन ने अगस्त, 2020 के बाद एक तेज रिकवरी की और परिणामस्वरूप, पूरे वित्तीय वर्ष के लिए, विद्युत उत्पादन की वृद्धि दर पिछले वर्ष के बराबर थी। विशेष रूप से, जहां पारंपरिक स्रोतों से उत्पादन में वर्ष में ~1.4% की गिरावट आई, वहीं अक्षय विद्युत ऊर्जा स्रोतों से वर्ष में ~6.4% की वृद्धि हुई।

सरकार ने सामान्य रूप से अधोसंरचना क्षेत्र और विशेष रूप से विद्युत क्षेत्र के विकास चक्र को शुरू करने के लिए कई पहल की हैं। 2024–25 तक + 5 ट्रिलियन के सकल घरेलू उत्पाद के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, सरकार ने वित्त वर्ष 2020– 2025 के लिए राष्ट्रीय अधोसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी) की घोषणा की है जिसमें योजना के कुल निवेश का 24% विद्युत ऊर्जा क्षेत्र (यानी विद्युत, आरईएस, परमाणु विद्युत ऊर्जा और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस) में है।

पिछले कुछ वर्षों में, विद्युत क्षेत्र विभिन्न मुद्दों से जूझ रहा है, जैसे ईंधन की आपूर्ति, मंजूरी में देरी और भूमि अधिग्रहण से संबंधित मुद्दों, निधियों की व्यवस्था तथा वितरण कंपनियों (डिस्काम) के साथ विद्युत खरीद समझौते (पीपीए) प्राप्त करना।

विद्युत क्षेत्र की मूल्य श्रृंखला में वितरण खंड विशेष रूप से एक बड़ी चुनौती रहा है और हाल के वर्षों में इस क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए एक बाधा के

बीएचईएल द्वारा सूरतगढ़, राजस्थान में कमीशन किया जा रहा 2x660 मेगावाट सुपर क्रिटिकल पावर प्लांट

बीएचईएल द्वारा तेलंगाना में कमीशन किया गया 4x270 मेगावाट भद्राद्री थर्मल पावर स्टेशन यूनिट –1

रूप में देखा गया है। सरकार ने विद्युत और अधोसंरचना क्षेत्र के पुनरुद्धार के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं।

2015 में, डिस्काम की वित्तीय स्थिति और परिचालन क्षमता में सुधार के लिए उदय योजना शुरू की गई थी। केंद्रीय बजट 2021–22 कहा गया है कि सरकार विद्युत वितरण के लिए ₹3.05 लाख करोड़ का का आवंटन करेगी जिसे पांच वर्षों में क्रमबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाएगा। डिस्काम द्वारा वित्तीय निष्पादन और व्यवहार्यता प्रदर्शन के आधार पर धनराशि जारी की जाएगी।

अधोसंरचना के विकास पर केंद्रित एक स्थिर नीतिगत वातावरण एवं विनिर्माण उद्योग दृष्टिकोण में सुधार के साथ, विद्युत की मांग में मध्यम गति सुधार की आशा है, जो विद्युत प्रणालियों में क्षमता वृद्धि को अनिवार्य बनाता है।

सीईए की ऑप्टिमल जेनरेशन मिक्स रिपोर्ट 2030 में ~2,500 बीयू के संभावित सकल उत्पादन का अनुमान लगाती है। इसके अतिरिक्त, यह रिपोर्ट 2030 तक कोयला आधारित परियोजनाओं से ~ 267 गीगावॉट की स्थापित क्षमता (वर्तमान ~ 209 गीगावॉट स्तर के मुक़ाबले) तथा थर्मल परियोजनाओं से ~ 1,393 बीयू (वर्तमान~1,032 बीयू के मुक़ाबले) की स्थापना की परिकल्पना करता है। यह विद्युत उत्पादन, पारेषण और वितरण क्षमताओं में वर्तमान स्तरों से पर्याप्त वृद्धि की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ व सीसी) ने 2015 में विद्यमान तथा आगामी ताप विद्युत संयंत्रों के लिए संशोधित उत्सर्जन मानदंडों को अधिसूचित किया, जिसका उद्देश्य थर्मल उत्पादन को अधिक पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। इसने ताप विद्युत संयंत्रों में उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण स्थापित करना आवश्यक कर दिया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ व सीसी) ने 31 मार्च, 2021 को ताप विद्युत संयंत्रों में फ्लू गैस डिसल्फेरजेशन (एफजीडी) की स्थापना के लिए संशोधित समयसीमा अधिसूचित की, जिसमें अलग–अलग स्तनों पर स्थित संयंत्रों के लिए समयसीमा समय अलग–अलग थी।

विद्युत संयंत्रों से उत्सर्जन कम करने पर सरकार के ध्यानकर्षण के परिणामस्वरूप, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (आर एंड एम) व्यवसाय में महत्वपूर्ण व्यवसाय अवसर उत्पन्न होने की आशा है, क्योंकि देश में प्रतिष्ठानों के लिए सस्पेंडेड पार्टिकुलेट मैटर (एसपीएम), नाइट्रिक ऑक्साइड तथा सल्फर ऑक्साइड के नए पर्यावरण मानदंड लागू किए गए हैं। वर्ष 2020–21 में विभिन्न प्रतिष्ठानों द्वारा उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों के लिए आदेशों में और तेजी आई है। विद्यमान विद्युत संयंत्रों में उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों की रेट्रोफिटिंग के लिए, केंद्रीय और राज्य दोनों सरकारों की परियोजनाओं के लिए कई निविदाएं प्रक्रिया में हैं। हाल ही में थर्मल पावर प्लांट की निविदाओं में मुख्य संयंत्र उपकरण के साथ उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण शामिल किया गया है। यह एक प्रवृत्ति है जिसके आगामी परियोजनाओं में जारी रहने की आशा है।

हाल की सरकारी नीतियों ने अक्षय विद्युत ऊर्जा स्रोतों (आरईएस) आधारित विद्युत ऊर्जा की ओर एक उल्लेखनीय बदलाव प्रदर्शित किया है। पिछले कुछ वर्षों में, आरईएस आधारित क्षमता वृद्धि विद्युत के पारंपरिक स्रोतों से क्षमता वृद्धि से कहीं आगे निकल गई है। सरकार ने 2022 तक 175 गी.वा. आरईएस आधारित स्थापित क्षमता का महत्वाकांक्षी लक्ष्य दिया है। हालाँकि, आरईएस विद्युत खंड में हाल ही में सौर मॉड्यूल की मूल्य वृद्धि, कोविड–19 के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, भूमि अधिग्रहण मुद्दे, आरईएस डेवलपर्स और डिस्कॉम के बीच पुनः मोलभाव बातचीत एवं विद्युत खरीद समझौते (पीपीए) निरस्तीकरण, पिछले कुछ वर्षों में विद्युत की मांग में धीमी वृद्धि आदि मुद्दों जैसे विभिन्न कारकों के कारण विकास दर में मंदी देखी गई है। दूसरी ओर, भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता का मुख्य आधार होने, निरंतर, साल–दर–साल परिचालन तथा हमारे देश में कोयले के बड़े घरेलू भंडार के लिए उपयुक्तता को देखते हुए आने वाले वर्षों में कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों के प्रचलन में बने रहने की आशा है। इसके अतिरिक्त, प्रौद्योगिकी संवर्धन के माध्यम से दक्षता एवं उत्सर्जन स्तर में महत्वपूर्ण सुधार कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों को स्वच्छ एवं हरित विद्युत ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम बना रहे हैं। आरईएस आधारित विद्युत उत्पादन प्रणालियों की क्षमता में वृद्धि के लिए आरईएस आधारित विद्युत प्रणालियों की अंतर्निहित परिवर्तनशीलता द्वारा आवश्यक ग्रिड संतुलन और स्थिरीकरण आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु पारंपरिक (बड़े हाइड्रो प्लांट और छोटे हाइड्रो प्लांट दोनों) के साथ–साथ पंप स्टोरेज जनरेटिंग स्टेशनों तथा गैस आधारित विद्युत संयंत्रों से बैटरी स्टोरेज सॉल्यूशंस, हाइड्रो–इलेक्ट्रिक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि की आवश्यकता है।

भारत की 145 गीगावाट की विशाल जलविद्युत क्षमता का लगभग 36 प्रतिशत अब तक उपयोग किया जा चुका है। भविष्य की क्षमता लगभग 93 गीगावाट का अभी उपयोग किया जाना है। मार्च 2019 में कैबिनेट द्वारा अनुमोदित हाइड्रो पॉलिसी से भारत में जलविद्युत विकास को मध्यम अवधि में प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, भारत के 30% से अधिक जलविद्युत संयंत्रों ने 30–35 वर्ष पूरे कर लिए हैं, और इस कारण जीवन विस्तार तथा निष्पादन एवं दक्षता उन्नयन के लिए नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (आर एंड एम) की संभावनाएं प्रदान करते हैं।

परमाणु विद्युत ऊर्जा दीर्घकालिक स्थिरता के लिए भारत के आत्मनिर्भरता अभियान का एक अभिन्न अंग बना हुआ है। स्वच्छ आधार लोड पावर के लिए एक व्यवहार्य स्रोत होने के नाते, परमाणु विद्युत ऊर्जा देश के समग्र

विद्युत मिश्रण का एक अनिवार्य और अभिन्न अंग भी बना हुआ है और भविष्य में पर्याप्त रूप से बढ़ने की ओर अग्रसर है। गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी 1 और 2) में 2x700 मेगावाट की परियोजना के अतिरिक्त, भारत सरकार ने 2017 में, 'फ्लीट मोड' कार्यान्वयन के अंतर्गत स्थापित होने वाली 10x700 मेगावाट की परमाणु विद्युत ऊर्जा परियोजनाओं को मंजूरी दी। इस आदेशों को अंतिम रूप देने का कार्य चल रहा है। इसके एक महत्वपूर्ण व्यवसाय अवसर के रूप में फलित होने की आशा है।

प्रस्ताव

थर्मल, गैस, जल–विद्युत और परमाणु विद्युत परियोजनाओं के निष्पादन की सिद्ध क्षमताओं के साथ, बीएचईएल विश्व की उन कुछ कंपनियों में से एक है जिसके पास पावर प्लांट उपकरणों की पूरी श्रृंखला विनिर्माण की क्षमता है।

बीएचईएल के पास 1000 मेगावाट रेटिंग तक के स्टीम टरबाइन, जनरेटर, बॉयलर और सहायक उपकरण सहित थर्मल विद्युत संयंत्रों के लिए अवधारणा से कमीशनिंग तक की निष्पादन क्षमता है। बीएचईएल को ईपीसी आधार पर 600 / 700 / 800 मेगावाट रेटिंग के सुपरक्रिटिकल थर्मल सेट के साथ कई प्रतिष्ठित परियोजनाओं के निष्पादन का अनुभव है।

बीएचईएल, थर्मल संयंत्रों के लिए सर्कुलेटिंग फ्लुडाइज्ड बेड कम्बशन (सीएफबीसी) बॉयलर जो पेट–कोक, लिग्नाइट इत्यादि जैसे कम–कैलोरीफिक ईंधन की विस्तृत श्रृंखला के लिए उपयुक्त है, का भी निष्पादन और आपूर्ति करता है। बीएचईएल खुले और कम्बाइंड साइकिल दोनों की विशिष्ट आवश्यकता की पूर्ति के लिए 299 मेगावाट (आईएसओ) तक श्रेणी के लिए गैस टर्बाइन और मैचिंग जेनरेटर ऑफर करता है।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में, बीएचईएल उन कुछ संगठनों में से है, जो देश के स्वदेशी परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के सभी तीन चरणों मै प्राथमिक और गौण रूप से जुडा है। बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए 220 / 235 / 500 / 540 मेगावाट परमाणु टरबाइन जेनरेटर सेट पहले से ही परिचालन में हैं। वर्तमान में, बीएचईएल 700 मेगावाट सेटों का निष्पादन कर रहा है।स्वदेशी भारतीय परमाणु विद्युत ऊर्जा कार्यक्रम का आधार बनाने वाले 18 दबावयुक्त भारी जल रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) में से 12 पीएचडब्ल्यूआर बीएचईएल आपूर्ति किए गए स्टीम टर्बाइन जेनरेटर सेत (10x220 MWe और 2x540 MWe) से लैस हैं।

प्राइमरी पक्ष

निम्न उत्पादों का प्रतिष्ठित अपूर्तिकर्ता
- स्टीम जेनरेटर
  (40 पहले से ही काम कर रहे हैं)
- रिएक्टर हेडर्स
- एंड शील्ड
- कंट्रोल सेंटर इंस्ट्रुमेंटेशन पैकेज
- मोटर्स

प्राइमरी पक्ष

देश में परिचालित 18 पीएचडब्ल्यूआर में से 12 बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए हैं, जो कि स्ट्रीम टर्बाइन जेनरेटर सेट से युक्त हैं।

ये **74%** जो परमाणु ऊर्जा क्षमता में योगदान करते हैं। (4.46 गीगावाट में से 3.28 गीगावाट)

10x220 मेगावाट
(आरएपीपी 3 एवं 4, एमएपीपी 1 और 2, एनएपीपी 1 एवं 2, केएपीपी 1 एवं 2 तथा **कैगा 1 एवं 2)**
2X540 मेगावाट
(तारापुर 3 एवं 4)

गुजरात में एनपीसीआईएल द्वारा स्थापित की जा रही देश की पहली एवं उच्चतम रेटिंग 700 मेगावाट दबाव भारी जल रिएक्टर आधारित काकरापार परमाणु विद्युत ऊर्जा परियोजना में बीएचईएल के प्रस्तावों में परमाणु विद्युत संयंत्र के प्राथमिक व द्वितीयक साइड के उपस्कर शामिल हैं जैसे स्टीम जेनरेटर, रिएक्टर हैडर, टर्बाइन जेनरेटर सेट, मोटर्स, एमएसआर, हीट एक्सचेंजर्स, सेंट्रल कंट्रोल एंड इंस्ट्रुमेंटेशन पैकेज इत्यादि।

बीएचईएल के पास 100 मेगावाट तक के कपलान प्रकार के कस्टम–मेड पारंपरिक हाइड्रो टर्बाइन, 400 मेगावाट तक फ्रांसिस एवं पेल्टन, 10 मेगावाट

बीएचईएल द्वारा अपनी सभी चालू इकाइयों में विद्युत संयंत्र संचालन के लिए स्थापित अत्याधुनिक नियंत्रण केंद्र

बीएचईएल ने रावतभाटा परमाणु ऊर्जा परियोजना में स्थापना के लिए अपना 40वां न्युक्लियर स्टीम जनरेटर एनपीसीआईएल को भेजा

तक बल्ब टर्बाइन, 250 मेगावाट तक पंप टर्बाइन, लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के लिए उच्च क्षमता वाले 150 मेगावाट तक के पंप तथा लघु जल विद्युत संयंत्रों के लिए टर्बाइन की इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण की क्षमता है।

बीएचईएल के पास 400 मेगावाट तक के कस्टम–मेड साइलेंट पोल वर्टीकल सिंकरोनास हाइड्रो जनरेटर, लिफ्ट सिंचाई योजनाओं के लिए 150 मेगावाट तक की मोटर, 10 मेगावाट तक बल्ब जनरेटर तथा मैचिंग स्टैटिक / ब्रशलेस उत्तेजना प्रणाली के साथ–साथ 20 मेगावाट तक के क्षैतिज जनरेटर की इंजीनियरिंग, विनिर्माण, स्थापना एवं कमीशनिंग क्षमता है।

उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण व्यवसाय में, बीएचईएल ताप विद्युत संयंत्रों से उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए उपकरण प्रदान करता है। बीएचईएल के पास ईएसपी, एफजीडी, एनओएक्स नियंत्रण उपकरण और फर्नेस संशोधन समाधान के रेट्रोफिट समाधान प्रदान करने की क्षमता है। बीएचईएल ने न केवल स्वयं के निर्मित बॉयलरों बल्कि गैर–बीएचईएल अन्य विनिर्माताओं के बॉयलरों के लिए भी कणों (पार्टिकुलेट) के नियंत्रण के लिए ईएसपी की आपूर्ति की है।

कंपनी ने विभिन्न प्रकार के विद्युत संयंत्र उपकरणों के नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और उन्नयन के माध्यम से संयंत्र निष्पादन सुधार में विशेषज्ञता साबित की है, इसके अतिरिक्त अवशिष्ट जीवन मूल्यांकन, स्वास्थ्य निदान और पौधों के जीवन विस्तार के विशेष ज्ञान के अतिरिक्त। ईएसपी और सीएंडआई के लिए अत्याधुनिक तकनीकों के साथ रेट्रोफिट पैकेज भी बीएचईएल द्वारा पेश किए जा रहे हैं।

कम्पनी ने नवीकरण, आधुनिकीकरण और विभिन्न प्रकार के विद्युत संयंत्र उपकरणों के उत्थान के माध्यम से संयंत्र के निष्पादन सुधार में सिद्द विशेषज्ञता प्राप्त की है। इसके अलावा, अवशिष्ट जीवन मूल्यांकन, स्वास्थ्य निदान और संयंत्रों के जीवन विस्तार के बारे में भी विशेष ज्ञान प्राप्त है। बीएचईएल द्वारा अत्याधुनिक तकनीक के साथ ईएसपी, एफजीडी और सी एंड आई के लिए रेट्रोफिट पैकेज भी पेश किए जा रहे हैं।

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

ऑर्डर बुकिंग

वित्तीय वर्ष 2020–21 में बीएचईएल को एक सीमित बाजार में तीव्र प्रतिस्पर्धा तथा बीएचईएल को दिये जाने वाले आदेशों को अंतिम रूप देने में देरी होने के रूप में विभिन्न कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

संगठन ने पावर सेक्टर में ₹9,000 करोड़ के ऑर्डर प्राप्त किए हैं।

वर्ष में प्राप्त महत्वपूर्ण आदेश हैं:

थर्मल

- **एफजीडी पैकेजिस:** एनटीपीएल / तूतीकोरिन एवं टेनजेनको / उत्तर चेन्नई स्टेज III
- **बॉयलर मोडिफिकेशन पीकेजी:** टेनजेनको / उडानगुड़ी

हाइड्रो

- **ई एंड एम वर्क्स:** पोलावरम एचईपी की 12 इकाइयां
- **पंप–मोटर कार्य:** पलामुरु रंगारेड्डी एलआईएस स्टेज–1 (पैकेज 1) की 8 इकाइयां, पलामुरु रंगारेड्डी एलआईएस स्टेज–4 (पैकेज 16) की 5 इकाइयां, कालेश्वरम एलआईएस लिंक II (पैकेज 1) की 5 इकाइयां, कालेश्वरम एलआईएस लिंक II (पैकेज 2) की 4 इकाइयां, कालेश्वरम एलआईएस लिंक IV (पैकेज 2) की 6 इकाइयां और कालेश्वरम एलआईएस लिंक IV (पैकेज 4) की 4 इकाइयां

परमाणु

- रिएक्टर हैडर की आपूर्ति: 32 यूनिट एनपीसीआईएल से (फ्लीट मोड प्रोक्योरमेंट)

पुर्जे एवं सेवाएं

- यूपीआरवीयूएनएल अनपरा–डी (जेनरेटर स्टेटर, जेनरेटर रोटर और एक्साइटर, एलपी रोटर, एचपीटी मॉड्यूल और विभिन्न टरबाइन पुर्जों का पूरा सेट)
- जिंदल पावर लिमिटेड (ईएसपी रेस्टोरेशन)
- डीवीसी मेजिया (दहन संशोधन पैकेज)

थर्मल क्षेत्र में, पिछले वर्ष उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण व्यवसाय में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के आधार पर, बीएचईएल ने 2020–21 के दौरान एफजीडी के 3 सेटों के लिए ऑर्डर प्राप्त किए हैं, जो कुल मिलाकर ~1.8

गीगावॉट है। इसके साथ, बीएचईएल ने एफजीडी के 64 सेटों के लिए और एससीआर के 11 सेटों के लिए के घरेलू ऑर्डर प्राप्त किए हैं और इस डोमेन में सबसे बड़ी एकल बाजार हिस्सेदारी वाले विनिर्माता के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी है।

अब तक, थर्मल परियोजनाओं के मुख्य संयंत्र पैकेजों के लिए, बीएचईएल ने देश में सुपरक्रिटिकल स्टीम जेनरेटर (एसजी) के 56 सेट और सुपरक्रिटिकल टर्बाइन जेनरेटर (टीजी) के 51 सेटों के लिए ऑर्डर प्राप्त किए हैं, जो देश में किसी एक पावर प्लांट उपकरण आपूर्तिकर्ता द्वारा सबसे अधिक है। इनमें से 25 सुपरक्रिटिकल एसजी और 20 सुपरक्रिटिकल टीजी 31 मार्च, 2021 तक कमीशन किए जा चुके हैं।

बीएचईएल ने देश में चार स्थानों पर स्थापित किए जाने वाले 700 मेगावाट दबाव वाले भारीजल रिएक्टरों (पीएचडब्ल्यूआर) के लिए रिएक्टर हैडर असेंबलियों की आपूर्ति के लिए फ्लीट मोड खरीद के अंतर्गत एनपीसीआईएल से ऑर्डर प्राप्त किया है। उल्लेखनीय है कि फ्लीट मोड प्रोक्योरमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत एनपीसीआईएल द्वारा दिया गया यह पहला उपकरण ऑर्डर है।

पुर्जों और सेवाओं के कारोबार में, बीएचईएल ने एक प्रमुख निजी क्षेत्र के ग्राहक के साथ एक दीर्घकालिक स्पेयर सप्लाई एग्रीमेंट (एलटीएसएसए) में हस्ताक्षर किया तथा एक प्रमुख केंद्रीय प्रतिष्ठान के साथ 5 एलटीएसएसए की समय सीमा का विस्तार किया है। हाइड्रो व्यवसाय में, पलामुरु रंगारेड्डी एलआईएस स्टेज 2 और 3 के लिए प्रत्येक 5 मशीनों की परियोजना निष्पादन पर 'होल्ड' हटा दिया गया था।

परियोजनाओं का निष्पादन

बीएचईएल ने 1964 में अपनी स्थापना के बाद से, 2020–21 तक भारत में 457 कोयला आधारित सेट, 422 हाइड्रो यूटिलिटी सेट, 103 गैस आधारित यूटिलिटी सेट और 12 परमाणु आधारित यूटिलिटी सेट स्थापित किए हैं। भारत में बीएचईएल आपूर्ति किए गए यूटिलिटी सेटों की स्थापित क्षमता ~163 गी.वा. है, जिसमें ~ 130 गी.वा. कोयला आधारित और ~ 21 गी.वा. हाइड्रो आधारित उपकरण शामिल हैं।

परियोजना निष्पादन पर जोर देने के लिए, बीएचईएल के दृष्टिकोण में 'परियोजना केंद्रित दृष्टिकोण' की ओर एक परिवर्तन देखा गया है, जिसमें साइट की आवश्यकताओं से मेल खाने वाले उपकरणों की साइटों को क्रमिक आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित किया गया है इससे बाद की स्थिति में किसी समय पर आवश्यक सामग्री के प्रेषण से बचने/आस्थगित करने में सहायता मिली है। कार्य आदेश मिलने से पूर्व चरण में ही विस्तृत इंजीनियरिंग एवं प्रारंभिक खरीद गतिविधियों को पूरा करने पर ध्यान दिया जा रहा है। इस तरह के प्रयासों के परिणामस्वरूप, बीएचईएल सागरदिघी परियोजना में परियोजन आरंभ तिथि से ही परियोजना गतिविधियों को शुरू करने में सक्षम हो सका। साइट डेटा डिजिटाइजेशन सहित एकीकृत परियोजना प्रबंधन प्रणाली (आईपीएमएस) को मुख्य परियोजनाओं में लागू किया गया है, ताकि परियोजना की प्रगति की बेहतर निगरानी एवं परियोजना अनुसूची को प्रभावित करने वाली बाधाओं के बारे में समय पर जानकारी मिल सके। यद्यपि दृष्टिकोण में बदलाव ने चालू वर्ष की टॉपलाइन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, तथापि बीएचईएल को आने वाले वर्षों में इस दृष्टिकोण से दीर्घकालिक लाभ प्राप्त करने की आशा है।

मजदूरों के बड़े पैमाने पर पलायन तथा क्रियान्वयन के पुनः आरंभ में हिचकिचाहट होने के कारण विद्यमान महामारी परियोजना निष्पादन के लिए एक प्रमुख बाधा रही है। बीएचईएल ने ठेकेदारों और मजदूरों को साइट पर बने रहने के लिए प्रेरित किया, ताकि परियोजना निष्पादन पर महामारी के प्रभाव को कम किया जा सके। अपने ठोस प्रयासों के माध्यम से, बीएचईएल ने 2020–21 में विद्युत क्षेत्र में ~ 2,400 मेगावाट की क्षमता वृद्धि प्राप्त की। इसके अतिरिक्त, वर्ष के दौरान ~ 1,400 मेगावाट का सिंक्रोनाइजेशन प्राप्त किया गया। इस कोविड समय के दौरान भी ग्राहकों, सलाहकारों और विक्रेताओं के साथ परियोजनाओं के बारे में विचार–विमर्श और चर्चा जारी रही, जिसमें भौतिक रूप से और वर्चुअल प्लेटफार्मों के माध्यम से चर्चा, उपकरणों का निरीक्षण और अनुमोदन शामिल है।

विशेष रूप से, प्रारंभिक राष्ट्रीय लॉकडाउन अवधि के दौरान भी, स्थानीय अधिकारियों के समर्थन से महत्वपूर्ण साइटों पर काम जारी रहा, जिसके परिणामस्वरूप 1x800 मेगावाट काठगोदाम थर्मल परियोजना की पुनः कमीशनिंग, भद्राद्री यूनिट–1 की कमीशनिंग, तेलंगाना में कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना की 106 मेगावाट की एक इकाई और 134.41 की 3 इकाइयों की कमीशनिंग की गई।

आपकी कंपनी ने कमीशनिंग समयावधि को कम करने के प्रयास से 13.5 दिनों के रिकॉर्ड समय में उत्तरी करनपुरा एसटीपीपी–1 का स्टीम ब्लोइंग पूरा किया है, जिसे ग्राहकों ने भी खूब सराहा है।

बीएचईएल ने पहले कमीशन की गई परियोजनाओं के लिए लंबित पंच पॉइंट को पूर्ण करने पर भी ध्यान केंद्रित किया, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान कुल 54 पैकेजों के निष्पादन गारंटी (पीजी) परीक्षण पूरे हुए, जिससे लंबित बैंक गारंटियों की मुक्ति एवं बकाया राशि की वसूली में मदद मिली।

इसके साथ, बीएचईएल ने देश की यूटिलिटी' विद्युत परियोजनाओं की कुल स्थापित क्षमता में 53% की हिस्सेदारी को बनाए रखाः

संस्थापित क्षमता यूटिलिटी*

3,07,109 मेगावाट (31 मार्च, 2021)

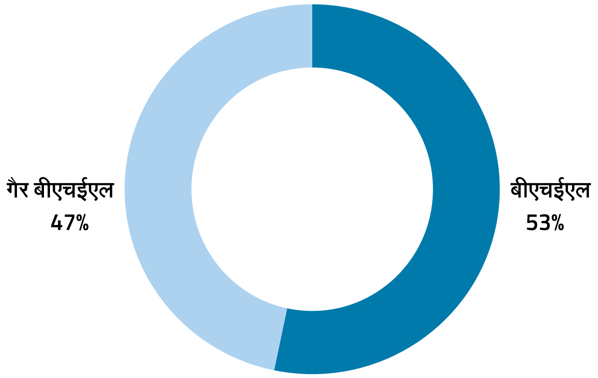

* इसमें कोयला, गैस एवं सीसीपीपी, डीजल, न्यूक्लियर एवं हाइड्रो शामिल हैं अक्षय ऊर्जा शामिल नहीं है स्थापना के समय क्षमता पर आधारित

उपरोक्त के अतिरिक्त, बीएचईएल ने निम्नलिखित परियोजनाओं की क्षमता वृद्धि/सिंक्रोनाइजेशन प्राप्त किया है जिनमें बीएचईएल का सीमित कार्यक्षेत्र (एसजी/ईएसपी/पीसीपी कुल मिलाकर 4,240 मेगावाट और लिफ्ट सिंचाई योजना कुल मिलाकर 644 मेगावाट) थाः

- एनपीजीसीएल / नबीनगर (एसजी एवं ईएसपी पैकेज), एनटीपीसी / टांडा (ईएसपी पैकेज) तथा एनटीपीसी / लारा (ईएसपी पैकेज) की एक–एक यूनिट के लिए यूटिलिटी पावर प्रोजेक्ट्स कैपेसिटी एडिशन (जहां बीएचईएल का कार्यक्षेत्र एसजी/ईएसपी है) प्राप्त कर लिया गया है।
- एनटीपीसी/दारलीपाली (एसजी एवं ईएसपी पैकेज), एनपीजीसीएल/ नबीनगर (एसजी एवं ईएसपी पैकेज) तथा एनटीपीसी/बार (पीसीपी पैकेज) की एक–एक यूनिट के लिए यूटिलिटी पावर प्रोजेक्ट्स कैपेसिटी एडिशन (जहां बीएचईएल का कार्यक्षेत्र एसजी/ईएसपी/ पीसीपी है) प्राप्त कर लिया गया है।
- आई एंड सीएडी, तेलंगाना / कालेश्वरम (प्राणहिता चेवेल्ला) एलआईएस पैकेज –10 तथा आई एंड सीएडी, तेलंगाना / कालेश्वरम (प्राणहिता

1X800 मेगावाट कोथागुडम थर्मल पावर प्लांट

चेवेल्ला) एलआईएस पैकेज –11 की 4 इकाइयों की लिफ्ट सिंचाई योजनाओं (एलआईएस) की कमीशनिंग प्राप्त कर ली गई है।

वर्ष के लिए प्रमुख परियोजना निष्पादन माइलस्टोन हैं:

- काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना यूनिट–3 को जनवरी 21 में सिंक्रोनाइज किया गया था। काकरापार प्रेशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) भारत का अपनी तरह का पहला, उच्चतम रेटेड, 700 मेगावाट का परमाणु विद्युत ऊर्जा संयंत्र है।
- 2020–21 के दौरान कामेंग एचईपी की 3 व 4 इकाइयों की क्षमता वृद्धि के साथ, परियोजना की सभी 4 इकाइयों को कमीशन कर दिया गया है। 4x150 मेगावाट परियोजना की अरुणाचल प्रदेश राज्य में किसी भी जल विद्युत परियोजना की सबसे बड़ी इकाई रेटिंग (150 मेगावाट) है। परियोजना में कमीशन की गई फ्रांसिस टर्बाइन को 501 मीटर के रेटेड हेड पर संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो कि देश में सबसे ऊंचा हेड फ्रांसिस टाइप हाइड्रो टर्बाइन है।

उपकरण का प्रदर्शन

देश के थर्मल यूटिलिटी सेट (कोयला और लिग्नाइट आधारित) से कुल 981.443 बीयू उत्पादन का 55.4% योगदान बीएचईएल आपूर्ति सेटों द्वारा किया गया, जो बीएचईएल सेटों के बेहतर निष्पादन का प्रमाण है।

बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए सुपरक्रिटिकल सेटों में, कोठागुडेम–12 (800 मेगावाट) ने 87.2% का उच्चतम पीएलएफ और 93.6% का ओए प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, बीएचईएल की पहली सुपरक्रिटिकल इकाई बाढ़–4 (660 मेगावाट) ने अपने पहले सिंक्रोनाइज़ेशन के बाद से लगभग 50,158 घंटे का परिचालन किया है, 2020–21 में 154 दिनों के लिए निर्बाध परिचालन के साथ 98.2% की परिचालन उपलब्धता (ओए) के साथ। यह बीएचईएल आपूर्ति किए गए सुपरक्रिटिकल सेटों के उल्लेखनीय निष्पादन को प्रदर्शित करता है।

बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए सेटों के निष्पादन और लम्बी आयु के प्रमाण के रूप में, बीएचईएल द्वारा आपूर्ति की गई सबक्रिटिकल इकाई सिंगरौली–1 (200 मेगावाट) ने 39 वर्ष पूरे कर लगभग 3,05,539 घंटे का परिचालन कर, 100.41% पीएलएफ और 99.8% ओए प्राप्त किया है। यह देश में दस वर्ष से ज्यादा पुरानी किसी भी कोयला आधारित इकाई द्वारा वर्ष के दौरान प्राप्त किया गया उच्चतम पीएलएफ है।

उत्पादन – यूटिलिटी (कोयला एवं लिग्नाइट)

981.443 BU (2020-21)

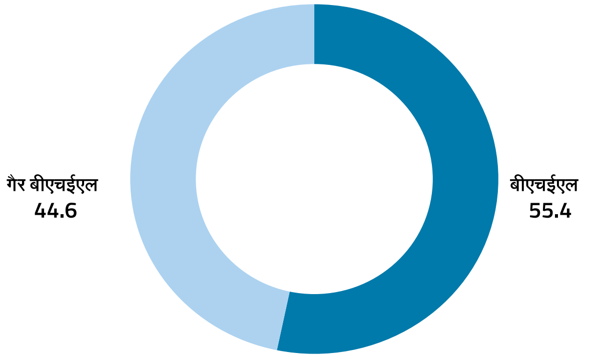

इसके अतिरिक्त, बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए 3 सेट(सिंगरौली–1:100.5%, कोरबा एसटीपीएस–2:100.1% और सिंगरौली–4:98.9%) जो 37 वर्ष से अधिक पुराने हैं, ने 98% से अधिक का पीएलएफ प्राप्त किया।

न्यूक्लियर क्षेत्र में, बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए न्यूक्लियर पावर उपस्कर निरंतर उत्कृष्ट निष्पादन कर रहे हैं। न्यूक्लियर सेटों ने 82.4% का ओए प्राप्त किया है, जिनमें से 7 सेटों ने 90% या इससे अधिक का ओए प्राप्त किया है।

उल्लेखनीय है कि एनपीसीआईएल की नरोरा यूनिट 2 में बीएचईएल ने 220 मेगावाट (यूनिट 1 और 2) की दोनों इकाइयों में टर्बाइनों की आपूर्ति की है। जिसने 852 दिनों से अधिक का निर्बाध परिचालन किया । न्यूक्लियर सेटों के निर्बाध परिचालन के विश्व रिकॉर्ड कैगा –1 (962 दिन) के बाद यह भारत में दूसरी सबसे बड़ी न्यूक्लियर इकाई है। कैगा –1 की आपूर्ति भी बीएचईएल ने की है।

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान कुल 54 पैकेजों (पावर सेक्टर – 45, उद्योग क्षेत्र–09) के निष्पादन गारंटी (पीजी) परीक्षणों को पूरा करने में केंद्रित दृष्टिकोण और समन्वय से बीएचईएल को बड़े लाभांश का भुगतान हुआ है। इसके अतिरिक्त, आर एंड एम परियोजनाओं की 07 इकाइयों के लिए

पीजी टेस्ट पूरे किए गए।

वर्ष 2020–21 के दौरान पीजी टेस्ट निष्पादन करने में प्रमुख उपलब्धियां:

- 21 इकाइयों के सभी प्रमुख प्लांट पैकेजों के (टर्बाइन, बॉयलर, ईएसपी और मिलो के रूप में लागू) पीजी परीक्षण पूरे कर लिए गए हैं।
- 800 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल सेट का पहला टीजी–पीजी परीक्षण वानकबोरी–8 में और उसके बाद कोठागुडेम–12 में पूरा हुआ।
- रोपड़–6, आरएंडएम के एयर प्री–हीटर (एपीएच) का रिमोटली पीजी परीक्षण किया जाना एक अद्वितीय उपलब्धि रहा।

बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए उपस्करों से सुसज्जित विद्युत संयंत्र परिचालन उपलब्धता (ओए), और प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) के संबंध में मानक से अधिक निष्पादन कर रहे हैं। बीएचईएल आपूर्ति सेटों की प्रमुख निष्पादन उपलब्धियों में शामिल हैं:

- 250 मेगावाट से ऊपर के थर्मल सेट निरंतर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक पीएलएफ प्राप्त कर रहे हैं।
- सुपर क्रिटिकल सेट (660/700/800 मेगावाट) ने 86.1% का ओए पंजीकृत किया।
- सब क्रिटिकल सेट (195 – 600 मेगावाट) ने 88.2% का ओए पंजीकृत किया।
- 92 थर्मल सेटों ने 70% से ऊपर पीएलएफ प्राप्त किया, जिसमें से 18 थर्मल सेटों ने 90% से ऊपर पीएलएफ प्राप्त किया और 35 थर्मल सेटों ने 80% से 90% के बीच पीएलएफ प्राप्त किया।
- 3 थर्मल सेटों ने 300 से 365 दिनों तक निर्बाध परिचालन किया तथा 18 थर्मल सेटों ने 200 से 300 दिनों तक निर्बाध परिचालन किया।
- 4 न्यूक्लियर सेटों ने 300 से 365 दिनों तक निर्बाध परिचालन किया तथा 3 परमाणु सेटों ने 200 से 300 दिनों तक निर्बाध परिचालन किया।

नवीनीकरण और आधुनिकीकरण (आर एंड एम)

वर्ष के दौरान, बीएचईएल ने बॉयलर टर्बाइन–जनरेटर (बीटीजी), ईएसपी, हाइड्रो सेट, डी–एनओएक्स सिस्टम (दहन संशोधन), एयर प्रीहीटर और सी एंड आई पैकेज के लिए विभिन्न परियोजनाओं के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण के माइल स्टोन को पूरा किया है।

उत्कृष्टता का सम्मान एवं आभार

बीएचईएल द्वारा परियोजना के समय पर पूरा करने, उपकरण निष्पादन में सुधार और बिक्री के बाद सेवा (एसएएस) देने, ग्राहकों को उच्च प्रथमिकता देने के प्रयासों की बीएचईएल के विभिन्न ग्राहकों द्वारा सराहना की गई है:

- एनटीपीसी ने रिकॉर्ड 13.5 दिनों में उत्तरी करनपुरा एसटीपीपी–1 के स्टीम ब्लोइंग को पूरा करने के लिए बीएचईएल की सराहना की।
- जिंदल पावर ने 67 दिनों के रिकॉर्ड समय में जनरेटर रि–स्टोरेशन के लिए बीएचईएल की सराहना की।
- टैनजेडको ने तूतीकोरिन परियोजना में "पहली बार" 210 मेगावाट एलएमडब्ल्यू सर्फेश कंडेनसर की रेट्रोफिटिंग के सफल समापन के लिए बीएचईएल की सराहना की ।
- एनपीसीआईएल ने कुडनकुलम न्यूक्लियर विद्युत ऊर्जा संयंत्र में "पहली बार" टीजी स्टेटर के सफल प्रतिस्थापन/रिप्लेसमेंट के लिए बीएचईएल की सराहना की।
- एपीजेनको ने विजयवाड़ा यूनिट –7 में प्राथमिक जल प्रणाली में उच्च चालकता और उच्च घुलित (हाई डिसोल्व्ड) ऑक्सीजन (डीओ) के लंबे समय से लंबित मुद्दे का समाधान करने पर बीएचईएल की सराहना की।
- एनटीपीसी ने सिंगरौली साइट पर आरएंडएम के दौरान शून्य दुर्घटना के लिए सुरक्षा संबंधी सर्वश्रेष्ठ कार्य निष्पादन हेतु बीएचईएल की सराहना की।
- सीएसपीजीसीएल, एनटीपीसी, डीपीएल और आईओसीएल ने विभिन्न सुधारों/रेक्टिफिकेशन के लिए बीएचईएल की सराहना की।
- एनटीपीसी, केबीयूएनएल, एनपीजीसीएल और बीआरबीसीएल ने विभिन्न ओवरहालिंग कार्यों के लिए बीएचईएल की सराहना की। कुछ ओवरहालिंग कार्य कोविड के दौरान किए गए हैं।

भविष्य का दृष्टिकोण

अपने व्यापक और विविध अनुभवों का प्रयोग करते हुए, बीएचईएल देश के विद्युत क्षेत्र के उपस्कर विनिर्माण उद्योग के विकास में सबसे आगे रहा है। बीएचईएल न केवल विश्व के विभिन्न क्षेत्रों के लीडरों से प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण कर रहा है, बल्कि अत्याधुनिक घरेलू विनिर्माण अधोसंरचना और क्षमताओं का निर्माण भी कर रहा है। बीएचईएल के पास अपने तकनीकी–वाणिज्यिक नेतृत्व को बनाए रखने तथा विद्युत क्षेत्र की उभरती गतिशीलता से उत्पन्न अवसरों तथा चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान करने की क्षमता है।

उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण व्यवसाय में पर्याप्त गतिविधियां शुरू की गई हैं, डेवलपर्स का लक्ष्य उत्सर्जन मानदंडों को पूरा करने के लिए एमओईएफएंडसीसी (MoEF&CC) द्वारा जारी संशोधित समय–सीमा को पूरा करना है। बीएचईएल के पास नई परियोजनाओं के साथ–साथ उन सेटों के लिए अनुकूलित उत्सर्जन नियंत्रण समाधान प्रदान करने की क्षमता है जो पहले से ही परिचालन में हैं। अपनी प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों में निरंतर सुधार के माध्यम से, बीएचईएल उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण व्यवसाय के पूरे स्पेक्ट्रम में एफजीडी डोमेन में अपने बाजार नेतृत्व का विस्तार करने के लिए तैयार है।

सीईए की 2018 में जारी राष्ट्रीय विद्युत योजना (सीईए) में 2017–2027 तक ~48 गीगावाट के पुराने ताप विद्युत संयंत्रों की निवृत्ति की परिकल्पना की गई थी। एक ओर हरित एवं स्वच्छ ऊर्जा की उपलब्धता पर सरकार के ध्यान के परिणामस्वरूप इन पुराने एवं अक्षम विद्युत संयंत्रों में से कुछ की निवृत्ति हो गई है, वहीं ~40 गी.वा. की निवृत्ति की संभावना अभी भी है, जिससे उच्च क्षमता एवं कम उत्सर्जन वाली नई सुपरक्रिटिकल क्षमता वाले उनके प्रतिस्थापन की आवश्यकता होगी। बीएचईएल ऐसे विद्युत संयंत्रों को सुपरक्रिटिकल तकनीक से बदलने के लिए अवधारणा से लेकर कमीशनिंग तक की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डेवलपर्स को इष्टतम तकनीकी–आर्थिक समाधान प्रदान कर रहा है, जिसमें पुराने विद्युत संयंत्रों को नष्ट करना भी शामिल है।

इसके अलावा, आगामी विस्तार परियोजनाओं में स्थान की कमी, पुराने एवं अक्षम कम–क्रिटिकल सेटों के प्रतिस्थापन की आवश्यकता एवं परियोजनाओं के लचीले परिचालन की आवश्यकता को देखते हुए, भविष्य की परियोजनाओं में कम रेटिंग वाली सुपरक्रिटिकल परियोजनाओं की आवश्यकता भी आ सकती है। इसके अलावा, ग्रिड में आरईएस आधारित विद्युत प्रणालियों के बड़े पैमाने पर प्रवाह के साथ, पारंपरिक विद्युत प्रणालियों के लिए ग्रिड संतुलन समाधान की आवश्यकता आने की उम्मीद है। इसलिए, थर्मल पावर प्लांटों के लिए लचीलेपन के समाधान की आवश्यकता हो सकती है, जिन्हें गैस और हाइड्रो आधारित परियोजनाओं के अनुरूप काम करना पड़ सकता है। बीएचईएल ने इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समाधान विकसित किए हैं और ग्राहकों को अधिक मूल्य प्रदान करने के लिए ऐसे समाधानों के और अनुकूलन की दिशा में काम कर रहे हैं।

बीएचईएल पहले से ही देश के पहले उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी आधारित संयंत्र के स्वदेशी विकास में सबसे आगे है, जो एनटीपीसी और इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र (आईजीसीएआर) के साथ संयुक्त रूप से शुरू की गई एक अग्रणी अनुसंधान एवं विकास परियोजना है। परियोजना का डिजाइन चरण पूरा हो चुका है और बीएचईएल ने इसके लिए प्रौद्योगिकी प्रदर्शन संयंत्र की स्थापना के लिए एनटीपीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस तकनीक के विकास से न केवल दक्षता में भारी उछाल हासिल करने में मदद मिलेगी, बल्कि कोयले की खपत और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के स्तर में भी कमी आएगी।

विश्व स्तर पर 1,93,000 मेगावाट से अधिक के अपने विशाल स्थापित आधार का लाभ उठाते हुए, बीएचईएल अपने व्यापार मॉडल के व्यापक सुधार के माध्यम से अपने पुर्जों एवं सेवाओं के कारोबार को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस रणनीति में आईटी सक्षम/आईओटी आधारित सेवाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से बीएचईएल के साथ–साथ गैर–बीएचईएल उत्पादन सेट, प्रदर्शन सुधार सेवाओं एवं अनुकूलित समाधानों के लिए अपनी पेशकशों का विस्तार शामिल है। क्षमता निर्माण के उपायों में उपयुक्त घटकों के लिए योगात्मक विनिर्माण, शीघ्र वितरण के लिए उन्नत विनिर्माण क्रियाएं, संसाधन वृद्धि, और अधिक ग्राहक पहुंच शामिल हैं।

पांच दशकों से अधिक के अपने समृद्ध अनुभव के आधार पर, बीएचईएल डेवलपर्स को उनके प्रदर्शन में सुधार के लिए परिचालन के अंतर्गत मौजूदा संयंत्रों के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण और जीवन विस्तार के लिए अनुकूलित समाधान भी प्रदान कर रहा है।

भविष्य में ग्रिड की स्थिरता बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अन्य ईंधन स्रोत, जैसे हाइड्रो और गैस के स्टार्ट–अप को तेज किया गया तथा क्षमताओं का विस्तार किया गया। जलविद्युत खंड में, संगठन ने जलविद्युत सेटों के निर्माण की अपनी क्षमताओं को 400 मेगावाट तक बढ़ाया है। कुशल रनर प्रोफाइल का विकास और हाइड्रो टर्बाइन भार में कमी ने बीएचईएल की इस खंड में हाल की सफलताओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लिफ्ट सिंचाई योजना परियोजनाओं में आवश्यक बड़े आकार के पंप–मोटर्स में भी बीएचईएल एक अग्रणी सेवा प्रदाता के रूप में उभरा है। इसके अलावा, बीएचईएल पंप्ड स्टोरेज परियोजनाओं की आगामी मांग को पूरा करने के लिए अपेक्षित क्षमताओं का विकास कर रहा है, जिसके ऊर्जा मिश्र में परिवर्तनीय आरईएस के बड़े हिस्से के साथ बढ़ने की उम्मीद है।

परमाणु खंड में, बीएचईएल आगामी पीएचडब्ल्यूआर के लिए "ईपीसी आधार" पर 700 मेगावाट "टीजी आइसलेंड" व्यवसाय करने के लिए पूरी तरह से तैयार है, जिसे एनपीसीआईएल द्वारा फ्लीट मोड के अंतर्गत खरीदा जा रहा है। बीएचईएल आइसलेंड पैकेज परियोजना के 6x700 मेगावाट टर्बाइन के लिए सबसे कम बोली लगाने वाले के रूप में उभरा है। प्राइमरी साइड इक्विपमेंट के लिए, बीएचईएल ने अपनी बेजोड़ इंजीनियरिंग और तकनीकी ताकत के साथ एनपीसीआईएल को पूरी तरह से सहयोग दिया है और 700 मेगावाट संयंत्रों के फ्लीट मोड इंस्टॉलेशन के समय पर कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए त्रिची में अपने प्रमुख विनिर्माण संयंत्र में अपनी विनिर्माण क्षमताओं को और मजबूत करना शुरू कर दिया है। बीएचईएल एनपीसीआईएल द्वारा फ्लीट प्रोक्योरमेंट मोड के अंतर्गत ऑर्डर किए गए 12 स्टीम जेनरेटर (वित्त वर्ष 21–22 की पहली तिमाही) की आपूर्ति करने के लिए भी तैयार है। बीएचईएल कुडनकुलम 2x1000 मेगावाट यूनिट 3 और 4 में रूसी सहयोग के अंतर्गत स्थापित की जा रही परमाणु परियोजनाओं में भी अपने प्रस्तावों का विस्तार कर रहा है।

बीएचईएल ने दुनिया की सबसे बड़ी लिफ्ट इरिगेशन परियोजना कलेश्वरम लिफ्ट इरिगेशन परियोजना, तेलंगाना के लिए पम्पिंग यूनिट कमीशन

बीएचईएल

निर्मित विद्युत प्रतिष्ठान (यूटिलिटी) संस्थापना

31.03.2021 तक स्थापित

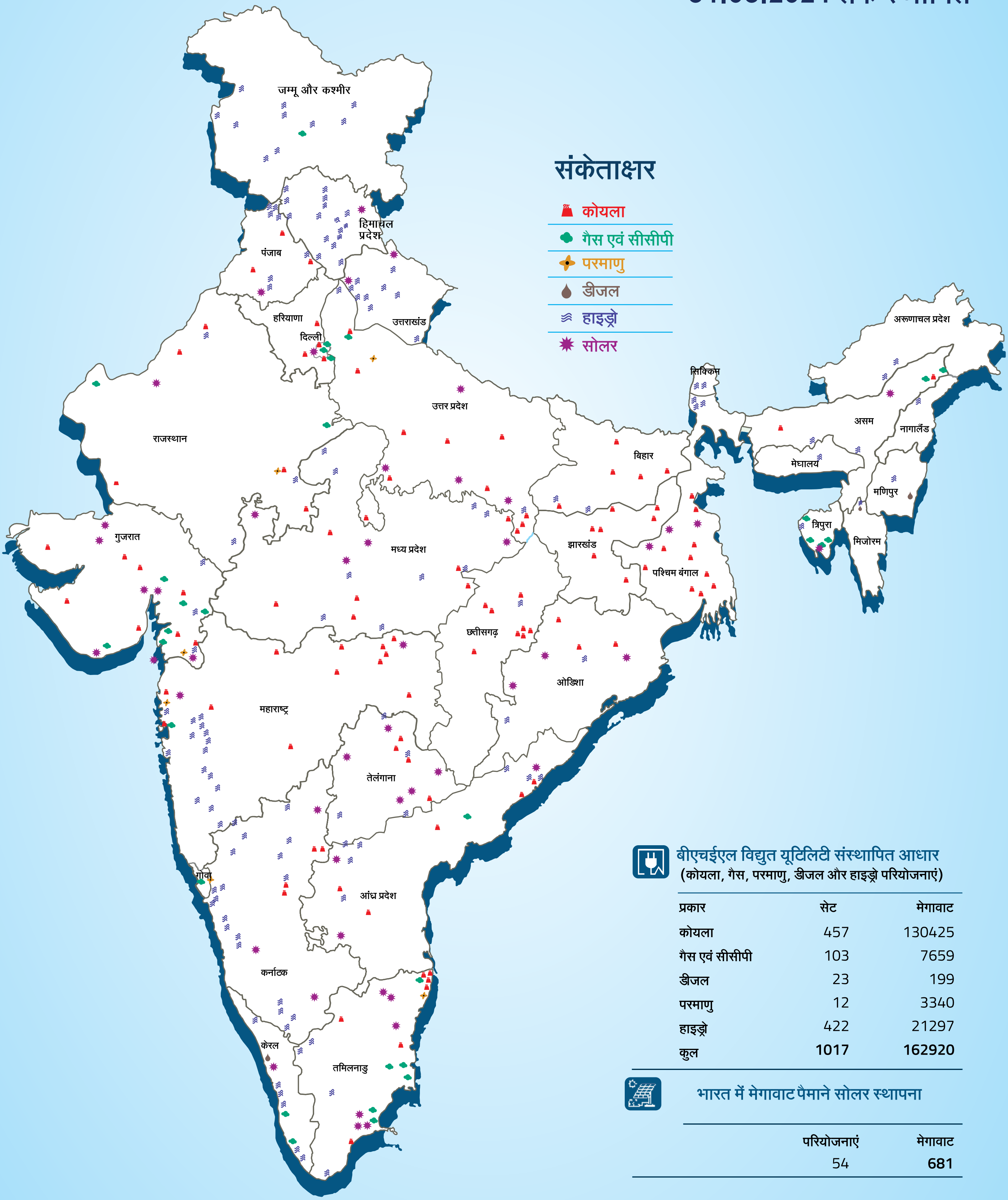

बीएचईएल विद्युत यूटिलिटी संस्थापित आधार
(कोयला, गैस, परमाणु, डीजल और हाइड्रो परियोजनाएं)

प्रकार	सेट	मेगावाट
कोयला	457	130425
गैस एवं सीसीपी	103	7659
डीजल	23	199
परमाणु	12	3340
हाइड्रो	422	21297
कुल	**1017**	**162920**

भारत में मेगावाट पैमाने सोलर स्थापना

परियोजनाएं	मेगावाट
54	**681**

व्यावसायिक खंडों की रूपरेखा और प्रदर्शन

उद्योग क्षेत्र

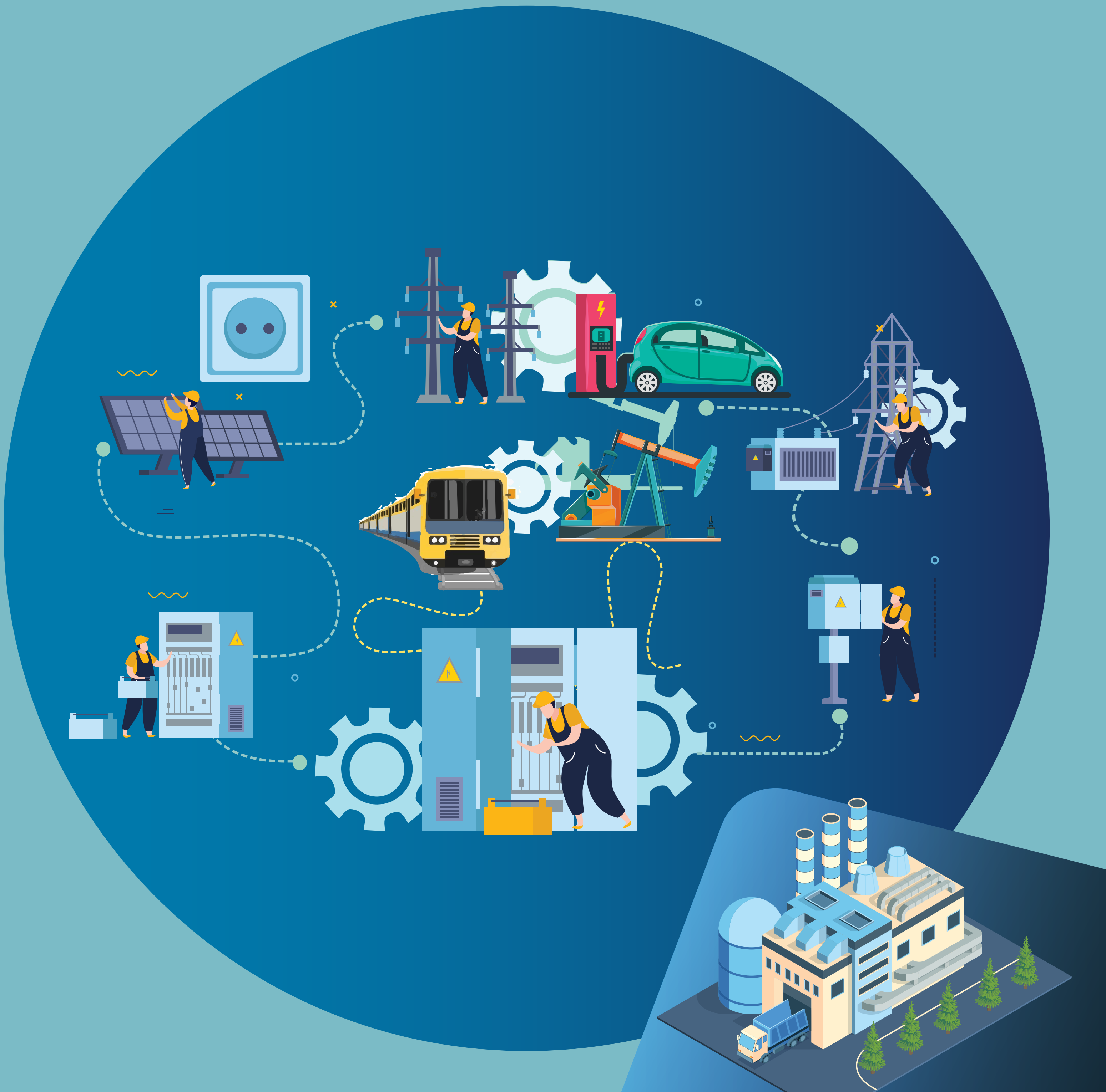

1.4.2 उद्योग क्षेत्र

उद्योग क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों के लिए औद्योगिक प्रणालियों और उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। उद्योग क्षेत्र कंपनी गैर–कोयला आधारित व्यापार के विकास पर ध्यान केंद्रित किए हुये है। इसके अंतर्गत कंपनी बाजार केंद्रित समूह जैसे परिवहन, पारेषण, अक्षय ऊर्जा, रक्षा एवं एयरोस्पेस, प्रोसेस उद्योग, तेल एवं गैस, ऊर्जा भंडारण, ई– मोबिलिटी तथा जल प्रबंधन एवं मेडिकल ऑक्सीज़न के लिए व्यापक समाधान प्रदान करती है। 2020–21 के दौरान उद्योग क्षेत्र ने चुनौतीपूर्ण व्यावसायिक वातावरण में 4,283 करोड़ रुपए के आर्डर प्राप्त किए हैं।

टीपी, झांसी में भारतीय रेलवे के लिए निर्माणाधीन डबल्यूएजी 9एच लोकोमोटिव

1.4.2.1 परिवहन

बीएचईएल भारतीय रेल की जरूरतों को पूरा करने के लिए पिछले 6 दशकों से उनके साथ कार्य कर रहा है और रोलिंग स्टॉक तथा मेन लाइन इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन उपस्कर के क्षेत्र में विश्व स्तर के समाधान प्रदान कर रहा है।

भारत सरकार, भारतीय रेल और परिवहन क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए प्रयास कर रही है, जो इस क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के लिए नया अवसर है। घरेलू परिवहन क्षेत्र तीव्र सुरक्षित और अधिक विश्वसनीय प्रौद्योगिकियों को अपना रहा है। भारतीय रेलवे द्वारा अपने सिस्टम को अपडेट किए जाने के फलस्वरूप भारतीय रेलवे के पूंजीगत निवेश परिव्यय में वृद्धि विद्युतीकरण, पटरियों के उन्नयन, सिगलिंग सिग्नलिंग, स्टेशन विकास आदि पर जोर दिया जा रहा है। ट्रेन परिचालनों के निजीकरण, स्टेशन के विकास और समर्पित फ्रेट कॉरिडोर में भी वृद्धि का रुख साफ दिखाई दे रहा है।

2 मिलियन से अधिक की आबादी वाले शहरों में मास रैपिड ट्रांसिट परियोजना और छोटे शहरों में मास रैपिड ट्रांजिट परियोजनाओं और लाइट रेल/मोनोरेल कार्य के लिए राज्य प्राधिकरणों के साथ विचार– विमर्श किया जा रहा है। शहरी परिवहन क्षेत्र भी बढ़ रहा है। 50 से अधिक शहरों में मेट्रो परियोजनाओं की घोषणा पहले ही की जा चुकी है और प्रतिवर्ष 500 से 600 मेट्रो कोचों की औसत आवश्यकता की उम्मीद है।

उत्पाद

- **रेल के डिब्बे और इंजन**
  - » 9000 एचपी तक के इलेक्ट्रिक इंजन
  - » 3000 एचपी तक के डीजल–इलेक्ट्रिक इंजन
  - » डीजल इलेक्ट्रिक टावर कारें (डीईटीसी)
- **ट्रैक्शन मशीनें**
  - » ट्रैक्शन मोटर्स और अल्टरनेटर
- **ट्रैक्शन ड्राइव सिस्टम और कन्ट्रोल**
  - » रोलिंग स्टॉक के लिए इंसुलेटेड–गेट बाइपोलर ट्रांजिस्टर (आईजीबीटी) आधारित प्रणोदन प्रणाली जिसमें ट्रैक्शन और सहायक कनवर्टर शामिल हैं
  - » ट्रेन नियंत्रण प्रबंधन प्रणाली और वाहन नियंत्रण इकाई
  - » होटल लोड कनवर्टर और समग्र कनवर्टर
  - » पारंपरिक रोलिंग स्टॉक के लिए नियंत्रण गियर उपकरण

» पारंपरिक रोलिंग स्टॉक के लिए रिजनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम
- **इलेक्ट्रिक लोको और एसीईएमयू/एमईएमयू के लिए ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर**
- **रोलिंग स्टॉक के लिए पारंपरिक ट्रैक्शन इलेक्ट्रिक्स**

वर्ष के दौरान प्राप्त ऑर्डरः

परिवहन क्षेत्र ने उद्योग क्षेत्र के लिए ऑर्डर बुक में 30% का योगदान देकर वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान ऑर्डर बुकिंग में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्राप्त महत्वपूर्ण ऑर्डरों में शामिल हैंः–

- आरसीएफ, कपूरथला से एसी एमईएमयू के लिए प्रोपल्शन और इलेक्ट्रिक के 75 सेट और सीएलडब्ल्यू, चित्तरंजन से आईजीबीटी आधारित ट्रैक्शन और सहायक कन्वर्टर्स के 87 सेट के लिए ऑर्डर।
- बीएलडब्ल्यू, वाराणसी और सीएलडब्ल्यू, चित्तरंजन से 6531 केवीए ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर के लिए सबसे बड़ा ऑर्डर
- पहली बार बीएचईएल द्वारा विकसित प्रणोदन प्रणाली वाले 9000 एचपी इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव को सीएलडब्ल्यू चित्तरंजन से शुरू किया गया।
- आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया से 700 एचपी डीजल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए अब तक का पहला ऑर्डर
- 3000 एचपी केप गेज लोकोमोटिव के लिए पहली बार निर्मित और आपूर्ति किए गए ट्रैक्शन अल्टरनेटर टाइप TA9906AZ और ट्रैक्शन मोटर्स टाइप TM4504AZ, आरईटीईएस के आदेश के पर मोजाम्बिक को निर्यात किया गया।

भविष्य का दृष्टिकोण

बीएचईएल ने तेजी से बदलते व्यावसायिक वातावरण की चुनौतियों को अवसरों में बदलने पर ध्यान केंद्रित करते हुए परिवहन क्षेत्र में एक बहु–आयामी परिवर्तन रणनीति शुरू की है। इससे प्रौद्योगिकी आत्मनिर्भरता सुनिश्चित होगी और सभी प्रकार के रोलिंग स्टॉक के डिजाइन और निर्माण के लिए इन–हाउस क्षमता मजबूत होगी।

भारतीय रेलवे की नवीनतम राष्ट्रीय रेल योजना (एनआरपी) के अनुरूप, 'रेलवे की वर्ष 2030 तक माल ढुलाई में हिस्सेदारी 30 से बढ़ाकर 45% करने की योजना है'। नवीनतम तकनीकी प्रगति और अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) पर अधिक जोर देने के साथ, बीएचईएल समर्पित फ्रेट कॉरिडोर के लिए उच्च शक्ति वाले इंजन प्रदान करने सहित भारतीय रेलवे की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

आपकी कंपनी लोकोमोटिव और इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट्स (ईएमयू) के लिए आईजीबीटी आधारित प्रणोदन उपकरण के स्वदेशी विकास में सबसे आगे है। कंपनी ने पहले से ही 3–चरण इलेक्ट्रिक इंजनों के लिए समग्र कनवर्टर और हेड ऑन जेनरेशन (एचओजी) विकसित किया है और ईएमयू के लिए अंडर–स्लंग उपकरण विकसित कर रहा है। परिवहन प्रौद्योगिकी में अनुसंधान एवं विकास के लिए एक अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित किया गया है।

बीएचईएल मेट्रो, मोनोरेल, मेट्रोलाइट, मैग्लेव, फ्यूल सेल लोकोमोटिव, बैटरी चालित लोकोमोटिव और हाई स्पीड रेल (एचएसआर) जैसे नए व्यावसायिक अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। कंपनी ने शहरी परिवहन में अवसरों का लाभ उठाने के लिए विभिन्न वैश्विक प्रौद्योगिकी नेताओं के साथ सहयोग स्थापित किया है और भारत में विश्व स्तरीय शहरी परिवहन प्रौद्योगिकी लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कावासाकी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (केएचआई) के साथ 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को और मजबूत करते हुए, बीएचईएल मुंबई–अहमदाबाद एचएसआर ट्रेनों के स्वदेशी निर्माण के लिए तैयार हो रहा है। इसके अतिरिक्त, बीएचईएल एक प्रमुख वैश्विक ओईएम प्लेयर का चयन करने की प्रक्रिया में भी है, ताकि प्रोपल्शन सिस्टम और इसकी सेवाओं आदि के लिए एक संयुक्त उद्यम स्थापित किया जा सके।

1.4.2.2 पारेषण

भारत जैसे विकासशील देश की बढ़ती मांग के लिए एक कुशल और भरोसेमंद विद्युत पारेषण प्रणालियाँ महत्वपूर्ण है। आज, भारत विश्व में तीसरा सबसे बड़ा विद्युत उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा विद्युत उपभोक्ता है। भारत में विद्युत पारेषण क्षेत्र बढ़ती लोड मांग और उत्पादन संयंत्रों से कनेक्टिविटी की आवश्यकता के कारण विगत कुछ वर्षों में काफी बढ़ गया है। जुलाई, 21 में भारत ने 200 गी.वा. की अधिकतम मांग के मुख्य माइलस्टोन को पार कर लिया है।

पारेषण नेटवर्क के विस्तार की गति को राष्ट्रीय स्तर पर 2030 तक 450 गी.वा. विद्युत के उन्नत नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वृद्धि के लक्ष्य के साथ मिलकर जारी रहने की उम्मीद है। वर्तमान पारेषण नेटवर्क के अपग्रेडेशन और लोड सेंटरों को विद्युत की निकासी और पारेषण को पूरा करने के लिए नए अतिरिक्त उच्च वोल्टेज (ईएचवी) सिस्टम और संबंधित लाइनों को जोड़े जाने की आवश्यकता है। टीबीसीबी (टैरिफ आधारित प्रतिस्पर्धी बोली–प्रक्रिया) मार्ग के तहत पारेषण परियोजनाओं (सबस्टेशन, पारेषण लाइन्स) की मांग की बढ़ती और सतत प्रवृत्ति है। गैस इन्सुलेट सबस्टेशन (जीआईएस) परियोजनाओं की ऑप्टिमाइज्ड भूमि आवश्यकताओं और ओएण्डएम व्यय को कम करने के कारण मजबूत मांग को जारी रखने की संभावना है।

बीएचईएल द्वारा कमीशन किए गए +800 केवी, 6000 मेगावाट रायगढ़–पुगलुर एचवीडीसी लिंक के रायगढ़ सबस्टेशन का एरियल दृश्य और एचवीडीसी हॉल

राष्ट्रीय हरित ऊर्जा गलियारा परियोजनाओं के अंतर्गत, ग्रिड स्थिरता बनाए रखने के लिए कार्यान्वयन हेतु उन्नत प्रौद्योगिकी–आधारित प्रणालियों की योजना बनाई गई है। सुदूर दुर्गम क्षेत्रों के उत्पादन केंद्रों से विद्युत निकासी के लिए मुख्यतरू आरई आधारित एचवीडीसी परियोजनाएं विभिन्न योजना चरणों में हैं।

हाल के वर्षों में, पारेषण परियोजनाओं (सबस्टेशन और पारेषण लाइनों) से संबंधित केपेक्स में तीव्र वृद्धि देखी गई है। विद्युत पारेषण खंड में 2020–2025 के बीच लगभग 3,040 अरब रुपये का अनुमानित योजनाबद्ध पूंजी व्यय है।

एक संतुलित पारेषण बुनियादी ढाँचा समय की आवश्यकता है और भारतीय विद्युत पारेषण स्पेस में बीएचईएल की प्रभावशाली उपस्थिति है।

प्रस्ताव

- **अतिरिक्त उच्च वोल्टेज सबस्टेशन** (एयर इन्सुलेटिड सबस्टेशन (एआईएस) और गैस इन्सुलेटिड सबस्टेशन (जीआईएस) दोनों प्रकार सहित) ईपीसी आधार पर 765 केवी तक और +/– 800 केवी तक उच्च वोल्टेज धारा प्रवाह (एचवीडीसी) कनवर्टर स्टेशनों का **टर्नकी पारेषण समाधान**।
- **1200 केवी तक विद्युत ट्रांसफ़ार्मर्स और 765 केवी तक शंट रिएक्टर,** 1200 केवी तक केपेसिटिव वोल्टेज ट्रांसफ़ार्मर्स (सीवीटी), 400 केवी तक उपकरण ट्रांसफ़ार्मर्स (सीटी, पीटी), ट्रैक्शन विद्युत ट्रांसफ़ार्मर्स, ड्राई टाइप ट्रांसफ़ार्मर्स, वैक्यूम स्विचगियर, कैपेसिटर बैंक्स, नियंत्रण और संरक्षण उपकरण, 800 केवी तक एचवीडीसी कनवर्टर ट्रांसफ़ार्मर्स, थाइरिस्टर वाल्व इत्यादि।
- **गैस इन्सुलेट स्विचगियर (जीआईएस)** 420 केवी तक।
- **सिरेमिक और कंपोजिट इंसुलेटर्स** बीएचईएल के पास ईएचवी और यूएचवी एसी/डीसी अनुप्रयोगों के लिए 1200 केवी एसी तक, ± 800 केवी डीसी, 400 केवी तक सॉलिड कोर इंसुलेटर्स और 765 केवी एसी तक होलो प्रोसिलीन इंसुलेटर्स की एक श्रृंखला है।
- **लचीला एसी पारेषण सिस्टम [एफएसीटीएस] समाधानः** 765 केवी अनुप्रयोगों तक विद्युत प्रवाह को नियंत्रित और संतुलित करने के लिए 400 केवी लाइनों, नियंत्रित शंट रिएक्टर (सीएसआर) और फेज़ शिफ्टिंग ट्रांसफ़ार्मर्स (पीएसटी) के लिए निर्धारित श्रृंखला क्षतिपूर्ति।

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई से पॉलीक्लोरिनेटेड बिफेनाइल (पीसीबी) ट्रांसफ़ार्मर्स के प्रतिस्थापन के लिए कास्ट रिसिन ड्राई टाइप ट्रांसफार्मर्स का सबसे बड़ा एकल ऑर्डर।
- एनपीसीआईएल तारापुर में स्विचयार्ड एक्सटेंशन कार्य के लिए बीजीआर एनर्जी से एमवी स्विचगियर और एनएचपीसी से इलेक्ट्रिकल बैलेंस ऑफ प्लांट (ईबीओपी) के लिए प्रथम स्टैंडअलोन ऑर्डर्स;

भविष्य परिप्रेक्ष्य

भविष्य की विद्युत प्रणालियाँ डिजिटलीकरण को बढ़ावा देंगी, इस प्रकार पारंपरिक से डिजिटल सबस्टेशन वातावरण का मार्ग प्रशस्त करेंगी। पारंपरिक पावर ग्रिड को स्मार्ट ग्रिड में बदलने के एकमात्र उद्देश्य के साथ विद्युत प्रवाह के सभी स्तरों पर डिजिटलीकरण – उत्पादन, पारेषण और वितरण चल रहा है। डिजिटल सबस्टेशन सॉल्यूशंस, फेज शिफ्टिंग ट्रांसफॉर्मर्स (पीएसटी), और डाइनेमिकली कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर्स (सीएसआर) जैसे ग्रिड आधुनिकीकरण के लिए प्रौद्योगिकी को अपनाना इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कंपनी ने डिजिटल सबस्टेशन डोमेन में प्रमुख उत्पादों और प्रणालियों के विकास में भी काफी प्रयास किए हैं। बीएचईएल ने पावरग्रिड के साथ एक सहयोगी परियोजना के रूप में एक डिजिटल सबस्टेशन को सफलतापूर्वक चालू किया है जिसमें फाइबर ऑप्टिक करंट ट्रांसफॉर्मर (एफओसीटी), मर्जिंग यूनिट (एमयू), स्विचगियर कंट्रोल यूनिट (एसजीसीयू) और बे कंट्रोल यूनिट (बीसीयू) सहित स्वदेशी रूप से विकसित उत्पादों का विस्तार किया गया है।

बीएचईएल ने 1200 केवी वर्ग तक के विद्युत ट्रांसफॉर्मर्स और 765 केवी तक के रिएक्टर्स सहित ईएचवी और यूएचवी श्रेणी के पारेषण उपकरण की एक विस्तृत श्रृंखला को सफलतापूर्वक विकसित किया है। पावरग्रिड के इटारसी सबस्टेशन में बीएचईएल–मेक 400kV कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर (सीएसआर) और फेज शिफ्टिंग ट्रांसफॉर्मर (पीएसटी) सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं और टेसजेनको का कोथागुडम स्विचयार्ड भारत में अपनी तरह का पहला तकनीकी समाधान है।

बीएचईएल भारत में पहली कंपनी बनी हुई है जिसने पावर पारेषण की गुणवत्ता में सुधार के लिए पीएसटी, सीएसआर जैसे नवीन प्रौद्योगिकी समाधानों की सफलतापूर्वक आपूर्ति की है। हालांकि इन–हाउस आरएंडडी को पूरी तरह से स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के रूप में विकसित किया गया है।

सतत विकास, अंतर–परिवर्तनशीलता, आदि पर जोर देने के साथ, पारेषण लाइनों और सबस्टेशनों में प्रमुख विद्युत परिसंपत्तियों की प्रौद्योगिकियों और विशिष्टताओं में बड़े संशोधन हुए हैं। प्रौद्योगिकियों की प्रगति और उद्योग 4.0 समाधानों के आगमन के साथ, पारेषण और वितरण (टीएंडडी) स्थान भी दूरस्थ स्थिति की निगरानी, स्वास्थ्य मूल्यांकन और पारेषण क्षेत्र परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए सक्षम होगा। तदनुसार, कंपनी ने बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने पारेषण सेगमेंट के उत्पाद और प्रणाली की पेशकश को अद्यतन रखने के लिए अधिक प्रयास किए हैं।

1.4.2.3 अक्षय ऊर्जा

2022 तक नियोजित सौर फोटोवोल्टिक ऊर्जा संयंत्रों की 100 गीगावाट क्षमता में से, 31 मार्च, 2021 तक देश में 40 गीगावाट से अधिक क्षमता पहले ही स्थापित की जा चुकी है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के प्रोत्साहन के बावजूद, स्वदेश निर्मित सौर पीवी मूल्य श्रृंखला घटकों की तुलना में आयात अभी भी सस्ता है। महामारी के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और वस्तुओं में अभूतपूर्व मूल्य वृद्धि के कारण सभी सौर मूल्य–श्रृंखला घटकों में वृद्धि हुई है, जिसने देश में सौर परियोजना निष्पादन की गति को स्पष्ट रूप से प्रभावित किया है।

प्रस्ताव

- बीईएसएस (बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम) के साथ या उसके बिना सोलर पीवी विद्युत संयंत्रों की अवधारणा से कमीशनिंग तक ईपीसी समाधान।
- ग्राउंड माउंटेड, रूफ टॉप, कैनाल टॉप और फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट्स।
- सौर आधारित सिंचाई और पेयजल पंप
- उपयोगिता के साथ–साथ ट्रैक्शन अनुप्रयोगों के लिए सौर इन्वर्टर्स
- एमएनआरई की घरेलू सामग्री आवश्यकता (डीसीआर) को पूरा करने वाले लूज़ सौर पीवी सेल और मॉड्यूल्स

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- 5 मेगावाटपी एसपीवी मॉड्यूल्स आपूर्ति के लिए मैसर्स आरईआईएल से रिपीट ऑर्डर।
- नालंदा विश्वविद्यालय, बिहार में 5 मेगावाट के ग्राउंड माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र के ईपीसी के लिए प्रतिष्ठित ऑर्डर प्राप्त किया। विशेष रूप से इस परियोजना को सीपीएसयू योजना– चरण II के अंतर्गत एमएनआरई द्वारा वायबिलिटी गैप फंडिंग के माध्यम से मंजूरी दी गई है।
- वित्त वर्ष 20–21 के दौरान 170 मेगावाट से अधिक सौर पीवी संयंत्रों को चालू किया गया, जिसमें ध्रुवरण, गुजरात में जीएसईसीएल के लिए 50 मेगावाट एसपीवी संयंत्र; येल्लान्दु और रामागुंडम, तेलंगाना में

बीएचईएल द्वारा सागरदिघी थर्मल पावर प्लांट में कमीशन किया गया 5 मेगावाट एसी ग्रिड कनेक्टेड फ्लोटिंग सोलर पीवी प्रोजेक्ट

एससीसीएल के लिए 39 मेगावाट और 30 मेगावाट एसपीवी संयंत्र; और सागरदिघी में डब्ल्यूबीपीडीसीएल के लिए 5 मेगावाट फ्लोटिंग एसपीवी, इत्यादि शामिल हैं।

भविष्य परिप्रेक्ष्य

परियोजना निष्पादन और संसाधनों के इष्टतम उपयोग में दक्षता को लक्षित करते हुए, कंपनी ने बेंगलुरु में सोलर बिजनेस डिवीजन के गठन के साथ सभी सौर व्यवसाय परिचालनों, जैसे, विपणन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, परियोजना प्रबंधन और निष्पादन, और परियोजना समापन को एक छतरी के नीचे समेकित किया है। 1.2 गी.वा. के पोर्टफोलियो के साथ देश में सौर ऊर्जा बाजार में एक स्थापित ईपीसी कम्पनी के रूप में, बीएचईएल 2022 तक 100 गी.वा. और 2030 तक 280 गी.वा. के राष्ट्रीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए तैयार है। बीएचईएल भारत सरकार के आत्म–निर्भरता के आत्म निर्भर मिशन को इन–हाउस, सौर ऊर्जा संयंत्रों के प्रमुख घटकों, जैसे सौर सेल, मॉड्यूल्स, पीसीयू (पावर कंडीशनिंग यूनिट), ट्रांसफॉर्मर्स, एचटी पैनल्स, एससीएडीए, इत्यादि का निर्माण करके साकार करने में योगदान दे रहा है।

बीएचईएल के पास पीवी के लिए एक समर्पित औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र है जहां विभिन्न सरकारी एजेंसियों और अनुसंधान संस्थानों के साथ निकट समन्वय में इन–हाउस अनुसंधान किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सर्वोत्तम मानकों के अनुरूप उच्च–दक्षता वाले सौर सेल्स की तकनीक का स्वदेशीकरण करना है। मोनो–पैसिवेटेड एमिटर और रियर सेल (पीईआरसी), बड़े आकार के सेल का उपयोग करके उच्च रेटिंग मॉड्यूल और उच्च रेटिंग 2.5 मेगावाट पीसीयू के विकास के लिए केंद्रित आरएण्डडी प्रयास चल रहे हैं। बीएचईएल विभिन्न प्रस्तावित सौर ऊर्जा पार्कों में एसजेवीएनएल और गेल के साथ रणनीतिक गठजोड़ के माध्यम से विकासक रूप में नए व्यावसायिक अवसरों का अन्वेषण कर रहा है।

देश में भूमि पर लगातार बढ़ते दबाव के परिणामस्वरूप जल निकायों के उपयोग जैसे फ्लोटिंग और कैनाल टॉप विद्युत संयंत्रों के विकास के लिए थर्मल/हाइड्रो विद्युत संयंत्र, झीलों, सिंचाई तालाबों आदि के जलाशयों की खोज हुई है। बीएचईएल को इस उभरती हुई आवश्यकता को पूरा करने के लिए कैनाल टॉप और फ्लोटिंग सौर परियोजनाओं में 220 MWp के समृद्ध अनुभव के साथ मजबूती से रखा गया है।

सरकार विभिन्न निविदाओं के माध्यम से मांग को प्रोत्साहित करके सौर सेल और मॉड्यूल के निर्माण के स्वदेशीकरण पर जोर दे रही है, जिसके लिए डीसीआर (घरेलू सामग्री की आवश्यकता) सेल्स और मॉड्यूल के विस्तार जैसे सीपीएसयू योजना (12 गी.वा.), कुसुम योजना (लगभग 25 गी.वा.), विभिन्न भारतीय रेलवे निविदाएँ (लगभग 1.1 गी.वा.) की आवश्यकता होती है। बीएचईएल, देश के कुछ निर्माताओं में से एक होने के नाते, जिसके पास एक पूर्णतया'स्वचालित सौर सेल (105 मे.वा./वार्षिक) और मॉड्यूल (226 मे.वा. /वार्षिक) विनिर्माण सुविधा दोनों हैं, आवश्यकताओं को लक्षित कर रही है।

1.4.2.4 रक्षा और एयरोस्पेस

भारत ने अपने सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए अगले 7–8 वर्षों में सैन्य आधुनिकीकरण पर 130 बिलियन खर्च करने की चरणबद्ध तरीके से योजना बनाई है। आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने के लिए, सरकार ने अगस्त 2020 में एक 'नकारात्मक सूची' बनाई जो चरणबद्ध तरीके से 101 हथियारों और सैन्य प्रणालियों के आयात को प्रतिबंधित करती है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी) 2020 में किए गए परिवर्तन खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने, मौजूदा खरीद श्रेणियों में संशोधन, भारतीय समाधान के लिए प्राथमिकता और एसएमई के लिए श्रेणियों में आरक्षण, विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत स्वदेशी सामग्री की वृद्धि, और रक्षा खरीद की नई अवधारणाओं जैसे मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए उपकरणों को पट्टे पर देने के लक्ष्यों पर केंद्रित है।

प्रस्ताव

- सुपर रैपिड गन माउंट्स (एसआरजीएम), भारतीय नौसेना के युद्धपोतों के लिए मुख्य गन, और मुख्य ओवरहाल, हेल्थ ऑडिट और प्रशिक्षण सहित उत्पाद समर्थन की इसकी सम्पूर्ण श्रृंखला।
- नौसेना के जहाजों के लिए आईपीएमएस (एकीकृत प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणाली)
- रक्षा और एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स
- ओईएम से प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के आधार पर जटिल और उन्नत रक्षा उपकरणों / प्रणालियों के स्वदेशी निर्माण के लिए सिद्ध क्षमता।
- अंतरिक्ष यान प्रणोदक टैंक की हॉट फोर्मिंग, टाइटेनियम शेल/डोम्स का निर्माण, टाइटेनियम शीट और ट्यूबों की वेल्डिंग और मशीनिंग।
- अंतरिक्ष ग्रेड सौर पैनलों और बैटरियों के संयोजन और परीक्षण के लिए अत्याधुनिक सुविधा
- स्पेस ग्रेड लिथियम आयन सेल्स

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- भारतीय नौसेना से दो और एसआरजीएम की अतिरिक्त मदों के लिए ऑर्डर
- चंद्रयान –3 परियोजना के लिए तरल प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी) को प्रणोदक टैंक दबाव पोत भागों के निर्माण और आपूर्ति को समय से बहुत पहले पूरा करना।
- 01 नग 76/62 मिमी सुपर रैपिड गन माउंट (एसआरजीएम) की सफल प्रूफ फायरिंग और निर्धारित समय से पहले भारतीय नौसेना को प्रेषण।
- सफल विकास, निर्माण, धैर्य परीक्षण (2500 घंटे) का समय पर पूरा करना और देश में विकसित पहली स्वदेशी रिज़र्व प्रोपल्सन मोटर और मुख्य मोटर जनरेटर का प्रेषण।
- यू आर राव उपग्रह केंद्र (यूआरएससी)–इसरो को 100वीं अंतरिक्ष बैटरी की सुपुर्दगी
- मैसर्स सेवमाश से टीओटी के साथ ऑन–निदेशक मंडल आईएनएस विक्रमादित्य एयरक्राफ्ट कैरियर में लगे रूसी मूल के उपकरण (बॉयलर, स्टीम ऑक्जिलियरीज और अरेस्टर गियर) की दीर्घकालिक मरम्मत/रखरखाव करने के लिए बीएचईएल के लिए आईएन से प्राप्त अनुशंसा।

भविष्य परिप्रेक्ष्य

बीएचईएल दृढ़प्रतिज्ञ अपने रक्षा और एयरोस्पेस पोर्टफोलियो को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। कंपनी आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए

बीएचईएल – जीई एविओ द्वारा आपूर्त आईपीएमएस (एकीकृत प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणाली) से युक्त प्रथम "मेड इन इंडिया" विमानवाहक युद्धपोत, आईएनएस विक्रांत, ने अपना पहला समुद्री परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया

भारतीय रक्षा बलों द्वारा आवश्यक रणनीतिक उपकरणों पर व्यापक रूप से काम कर रही है।

बीएचईएल भारतीय नौसेना का एक विश्वसनीय भागीदार भी रहा है और प्रणोदन और उपयोगिता अनुप्रयोगों के लिए समुद्री गैस टर्बाइनों के स्वदेशी निर्माण, पनडुब्बी अनुप्रयोग सहित रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए ली आयन बैटरी सिस्टम के स्वदेशी डिजाइन और विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर काम कर रहा है। बीएचईएल एसआरजीएम के अपग्रेडेड वर्जन, मौजूदा एसआरजीएम के सेवा जीवन विस्तार सह ओवरहालिंग आदि को पेश करके भारतीय नौसेना को नवीनीकरण और आधुनिकीकरण और जीवन विस्तार में अपना अनुभव प्रदान करता है।

आत्मनिर्भर भारत मिशन के अंतर्गत सरकार नीति समर्थन पहल के माध्यम से भारत को रक्षा क्षेत्र में वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। रक्षा खर्च और निवेश बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि भारत अपने सैन्य आधुनिकीकरण को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। बीएचईएल इस नए परिदृश्य में अनुकूलित समाधान प्रदान करने के लिए तत्पर है।

बीएचईएल विश्व की कुछ चुनिंदा फर्मों में से एक है, जिसके पास सैन्य विमानों के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स के डिजाइन और निर्माण की क्षमता है और वर्तमान में भारतीय सैन्य विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स की विविधता विकसित कर रही है।

एयरोस्पेस क्षेत्र में व्यापार बढ़ाने के लिए इसरो और इसके केंद्रों के साथ जुड़ाव के माध्यम से व्यापार बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कंपनी विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए हवाई संरचनाओं के विकास में कई अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस क्षेत्र में अवसरों का समाधान करने के लिए वैश्विक ओईएम के साथ सक्रिय रूप से सहयोग किया जा रहा है। बीएचईएल योगात्मक (एडिटिव) मैन्युफैक्चरिंग के जरिए सूक्ष्म पुर्जों और अन्य घटकों के निर्माण का भी अन्वेषण कर रहा है।

1.4.2.5 कैप्टिव पावर एंड प्रोसेस प्लांट

अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में विस्तार से कैप्टिव पावर और स्टीम की मांग बढ़ने की उम्मीद है। रिफाइनरी क्षेत्र की क्षमता मौजूदा 250 एमटीपीए से 2030 तक 440 एमटीपीए तक बढ़ने की संभावना है, जिसमें आईओसीएल बरौनी, नुमालीगढ़ और आईओसीएल कोयली में विस्तार शामिल है। एल्युमीनियम क्षेत्र में भी अगले 5 वर्षों में 7 एमटीपीए तक विस्तार होने की संभावना है। नालको अंगुल में एल्यूमिना रिफाइनरी के विस्तार के लिए 2027 तक ₹30,000 करोड़ निवेश करने की योजना बना रही है। इसी तरह सीमेंट क्षेत्र का मौजूदा 540 एमटीपीए से 800 एमटीपीए तक विस्तार होने की भी संभावना है। इस क्षेत्र में एसटीजी की मांग निरंतर बढ़ती रहेगी। हालांकि, ये क्षेत्र नए अवसर प्रस्तुत करते हैं, लेकिन चल रही महामारी के कारण देरी समयसीमा को प्रभावित कर सकती है।

प्रस्ताव

- स्टैंडअलोन स्टीम टर्बाइन जेनरेटर (एसटीजी) सेट
- बॉयलर टर्बाइन जेनरेटर (बीटीजी) पैकेज प्लवराइज्ड फ्यूल (पीएफ), सर्कुलेटिंग फ्लूइडाइज्ड बेड कम्बशन (सीएफबीसी), एटमॉस्फेरिक फ्लूडाइज्ड बेड कम्बशन (एएफबीसी), यूटिलिटी बॉयलर (यूबी) / गैस चालित बॉयलर
- गैस टर्बाइन आधारित ओपन, कोजेनरेशन और कम्बाइन्ड साइकिल कैप्टिव विद्युत संयंत्र
- डाउनस्ट्रीम ऑयल और गैस सेक्टर के प्रोसेस पैकेज्स

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- बीएचईएल ने आईओसीएल की पारादीप रिफाइनरी में 525 टीपीडी सल्फर रिकवरी यूनिट (एसआरयू) की स्थापना के लिए माइलस्टोन ऑर्डर प्राप्त करके डाउनस्ट्रीम ऑयल एंड गैस रिफाइनरी सेगमेंट में प्रोसेस पैकेज के एलएसटीके व्यवसाय में प्रवेश किया।

बीएचईएल ने ओडिशा में आईओसीएल की पारादीप रिफाइनरी में 525 टीपीडी सल्फर रिकवरी यूनिट स्थापित करने के लिए ऑर्डर प्राप्त करके डाउनस्ट्रीम तेल एवं गैस प्रॉसेस पैकेज व्यवसाय में प्रवेश किया

- कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच नालको दामनजोड़ी से 18.5 मेगावाट एसटीजी, 300 टीपीएच पीएफ बॉयलर, फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) और सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन (एससीआर) की आपूर्ति और ईएंडसी।
  - » स्कोप में एफजीडी और एससीआर सहित उद्योग क्षेत्र को पहला ऑर्डर।
  - » इस ऑर्डर सहित, सीपीपीपी ने नाल्को के सभी विद्युत संयंत्रों, अंगुल में उनके दोनों स्मेल्टर संयंत्र (10x120 मेगावाट) और दमनजोडी में एल्यूमिना रिफाइनरी संयंत्र (5x18.5 मेगावाट) के लिए आपूर्ति करने का न केवल अपना ट्रैक रिकॉर्ड बनाए रखा, बल्कि श्मेक इन इंडियाश पहल में भी योगदान दिया जाएगा। ।

भविष्य परिप्रेक्ष्य

भारत में डाउनस्ट्रीम ऑयल एण्ड गैस सेगमेंट (डीएसओजी) अगले 8–10 वर्षों में आश्चर्यजनक व्यावसायिक अवसर प्रदान कर रहा है। बीएचईएल की रिफाइनरी क्षेत्र में सीपीपी और उपकरणों जैसे कम्प्रेसर, कॉलम, हीट एक्सचेंजर्स आदि के रूप में महत्वपूर्ण उपस्थिति रही है। हालांकि, अब कंपनी रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल परियोजनाओं के लिए पूर्ण टर्नकी परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए अपनी ईपीसी क्षमताओं का लाभ उठाने की इच्छा रखती है, और स्वयं को विनिर्माण और इरेक्शन तथा

कमीशनिंग क्षमताओं दोनों के साथ अग्रणी संविदाकार के रूप में स्थापित करती है। उद्योग विशेषज्ञ पहले से ही इस व्यवसाय को संबोधित करने के लिए प्रवर्तक के रूप में शामिल हो चुके हैं। एसआरयू पारादीप के लिए आईओसीएल से पहले ऑर्डर के रूप में एक उल्लेखनीय शुरुआत पहले ही की जा चुकी है।

1.4.2.6 औद्योगिक उत्पाद (ऑयल एवं गैस तथा विद्युत मशीनों सहित)

ऑयल और गैस क्षेत्र आगामी वर्षों में ऑयल ड्रिलिंग, रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल संयंत्रों में विभिन्न नियोजित क्षमता विस्तार के माध्यम से बढ़ने की ओर अग्रसर है। यह बीएचईएल को सेंट्रीफ्यूगल कंप्रेशर्स, मोटर्स और स्टैटिक उपकरण जैसे फायर हीटर, कॉलम और प्रेशर वेसेल्स के निर्माण के लिए व्यावसायिक अवसर प्रदान करता है।

इसके अलावा लिफ्ट सिंचाई योजनाओं, एफजीडी संयंत्रों, सीमेंट, स्टील और प्रक्रिया उद्योगों से भी एचटी मोटर्स की मांग की उम्मीद है। एनपीसीआईएल ने प्राइमरी कूलेंट पंप (पीसीपी) मोटर पैकेज के लिए टेंडर जारी किया था, जिसे चालू वित्त वर्ष में अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है।

प्रस्ताव

- **ऑयल रिग** – 9,000 मीटर की गहराई तक ड्रिलिंग के लिए एसी–वीएफडी (वैरिएबल फ़्रीक्वेंसी ड्राइव) और एसी–एससीआर (सेलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन) तकनीक के साथ विभिन्न प्रकार के ऑन–शोर ड्रिलिंग रिग, 6,100 मीटर की गहराई तक सर्विसिंग के लिए वर्क–ओवर रिग्स, 3,000 मीटर की गहराई तक ड्रिलिंग के लिए मोबाइल रिग्स, ड्रा वर्क्स, मास्ट और सबस्ट्रक्चर, एसी और डीसी पावर कंट्रोल रूम (पीसीआर), मोटर्स, ऑयल रिग्स का नवीनीकरण और उन्नयन।
- **वेल हेड्स और एक्स–मास ट्रीज** – 10,000 पीएसआई तक, मड लाइन सस्पेंशन सिस्टम, चोक एण्ड किल मैनिफोल्ड, कोलबेड मीथेन (सीबीएम) वेलहेड्स, डीएसपीएम एच– मैनिफोल्ड असेंबली, मड वॉल्व, इलेक्ट्रिक सबमर्सिबल पंप के लिए हैंगर्स, ब्लॉक टाइप एक्स–मास ट्रीज़ और केसिंग हेड्स के लिए लैंडिंग बेसिस।
- **कंप्रेसर्स** – उर्वरक, रिफाइनरी, पेट्रो–रसायन, पाइपलाइन, गैस प्रसंस्करण, इस्पात उद्योग आदि में आवेदन के लिए एपीआई 617 अध्याय –2 के अनुसार मल्टी–स्टेज सेंट्रीफ्यूगल कंप्रेशर्स।
- **मैकेनिकल पैकेज्स**– क्रायोजेनिक एयर सेपरेशन यूनिट्स, फायर हीटर्स, कॉलम्स, रिएक्टर्स, प्रेशर वेसल्स, हीट एक्सचेंजर्स और पर्ज गैस रिकवरी यूनिट जैसे उपकरण।
- **विद्युत मशीनें**– एसी स्क्विरल केज़, स्लिप रिंग, सुरक्षित और खतरनाक क्षेत्र के अनुप्रयोगों के लिए सिंक्रोनस मोटर्स, वैरिएबल स्पीड मोटर्स, औद्योगिक अल्टरनेटर, विशेष प्रयोजन मशीने और एलटी वीएफडी।
- **कोविड 19 उत्पाद**: हाई वॉल्यूम सैनिटाइज़र स्प्रे (बीएचईएलमिस्टर) और इलेक्ट्रोस्टैटिक डिसइंफेक्टेंट मशीन (ईडीएम)

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- एचआरआरएल, बाड़मेर से एकल सबसे बड़े फ्रैक्शनेटर कॉलम (9.5 मी. व्यास, 60 मी. लंबा और 650 मीट्रिक टन वजन) के लिए माइलस्टोन ऑर्डर प्राप्त किया। इस ऑर्डर के निष्पादन से बीएचईएल को भविष्य की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू)/वैक्यूम डिस्टिलेशन यूनिट (वीडीयू) कॉलम निविदाओं के लिए अर्हता अपेक्षा को पूरा करने में मदद मिलेगी।
- टीएफएल, तालचेर में कोयला गैसीकरण संयंत्र के लिए कंप्रेशर्स के लिए वुहान इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड से अब तक का पहला ऑर्डर
- एलएण्डटी हाउडेन, एचआरआरएल, जाइलम वाटर सॉल्यूशंस, एलएंडटी एमएचआई पावर बॉयलर्स प्रा. लिमिटेड, फ्लोसर्व कंट्रोल इंडिया प्रा. लिमिटेड से विभिन्न मेक के मोटर ऑर्डर्स
- नीपको से 10 जीटी के लिए कुल 587.5 एमवीए के रिपीट ऑर्डर्स

बीएचईएल द्वारा कमीशन किया गया बीपीसीएल, कोच्चि एमएस ब्लॉक परियोजना का नेट गैस कम्प्रेशर पैकेज

भविष्य परिप्रेक्ष्य

भारत सरकार के आत्म निर्भर अभियान का अनुसरण करते हुए, बीएचईएल ने ऑयल ड्रिलिंग परिचालनों के लिए 15000 पीएसआई वेल हेड और क्रिसमस ट्री वाल्व और स्टील प्लांट में ब्लास्ट फर्नेस अनुप्रयोग के लिए एक्सियल ब्लोअर और ऑयल ड्रिलिंग रिग्स के लिए उपकरण को स्वदेशी बनाने के लिए पर्याप्त प्रयास किए हैं।

देश में इलेक्ट्रिकल मशीन सेगमेंट में बीएचईएल की मजबूत उपस्थिति है और यह उद्योगों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तत्पर है, चाहे वह पेट्रोलियम, सीमेंट, स्टील, सिंचाई, न्यूकिल्यर आदि हों। ऑयल और गैस क्षेत्र की परियोजनाओं में तेजी से तकनीकी मंजूरी की सुविधा के लिए, इंडक्शन और सिंक्रोनस मोटर्स दोनों के लिए मानकीकृत एचवी मोटर विनिर्देशों के लिए अग्रणी इंजीनियरिंग परामर्शदाता के साथ समझौता ज्ञापन निष्पादित किया गया है।

बीएचईएल उपयुक्त प्रौद्योगिकी सहयोग के माध्यम से पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में कंप्रेशर्स और ऑयल और गैस के अन्वेषण के लिए सबसी वेल हेड्स एण्ड एक्स–मास ट्री के लिए अपनी पेशकश को बढ़ाने की खोज कर रहा है।

1.4.2.7 इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ऊर्जा भंडारण, रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन, जल व्यवसाय

इन–हाउस विकास और रणनीतिक गठजोड़ के माध्यम से क्षमताओं का निर्माण करके ऊर्जा भंडारण और ई–मोबिलिटी के क्षेत्रों में आने वाले अवसरों का दोहन करने के लिए, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) में कई अवसरों पर ध्यान दिया जा रहा है। नए व्यावसायिक क्षेत्रों के रूप में रेलवे ट्रैक विद्युतीकरण और ऑक्सीजन चिकित्सा संयंत्रों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

नेशनल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन प्लान (एनईएमएमपी) 2020 को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 से साल दर साल देश में 6–7 मिलियन हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री हासिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ शुरू किया गया था। एनईएमएमपी के अंतर्गत भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा शुरू की गई फेम–1 योजना के अंतर्गत, कुछ राज्य परिवहन उपक्रमों ने सहायक चार्जर के साथ लगभग 400 इलेक्ट्रिक बसें खरीदी और चलाईं। योजना के अंतर्गत विभिन्न नोडल एजेंसियों द्वारा DC-001 (15KW) और AC001 (10KW) चार्जर के साथ ईवी चार्जिंग स्टेशन भी स्थापित किए गए थे। फेम–2 योजना को अप्रैल 2019 में 3 साल के लिए अधिसूचित किया गया था, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने और चार्जिंग बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए ₹10,000 करोड़ का परिव्यय था। फेम–2 योजना को अब 31 मार्च 2024 तक बढ़ा दिया गया है। अब तक, MHI ने 69 शहरों में 2877 ईवी चार्जिंग स्टेशनों को मंजूरी दी है। एक्सप्रेसवे/राजमार्गों के साथ ईवी चार्जिंग स्टेशनों के विकास के लिए एमएचआई द्वारा अन्य 1544 चार्जिंग स्टेशनों की मंजूरी की योजना है। एमएचआई ने

भारी उद्योग मंत्रालय की फेम –1 योजना के तहत बीएचईएल द्वारा स्थापित सौर–आधारित इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों (एसईवीसी) के नेटवर्क के साथ दिल्ली–चंडीगढ़ राजमार्ग देश का पहला ई–वाहन अनुकूल राजमार्ग बन गया है।

संबंधित राज्य परिवहन उपक्रमों के माध्यम से विभिन्न शहरों में तैनाती के लिए 6265 ई–बसों को मंजूरी दी है।

इलेक्ट्रिक ग्रिड में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी में वृद्धि के साथ, ग्रिड स्थिरता और विद्युत की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए ऊर्जा भंडारण विद्युत व्यवस्था का एक अभिन्न अंग बनने के लिए तैयार है। इष्टतम उत्पादन क्षमता मिश्रण पर सीईए की रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक बीईएसएस के लिए अपेक्षित बाजार 108 गीगावॉट होने की संभावना है। विभिन्न अन्य विकासों के साथ, भारत सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना "उन्नत रसायन विज्ञान सेल (एसीसी) बैटरी स्टोरेज पर राष्ट्रीय कार्यक्रम" जिसमें एसीसी की पचास (50) गीगावाट घंटा (जीडब्ल्यूएच) और 18,100 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ "निशे (Niche)" एसीसी के 5 जीडब्ल्यूएच की विनिर्माण क्षमता हासिल करने की भी घोषणा की है। यह स्वदेशी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है और घरेलू उद्योग की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी

प्रस्ताव

- ईवी चार्जिंग स्टेशंस
- ई–बसें
- ईवी कम्पोनेंट्स – पावर ट्रेन

वर्ष के दौरान उपलब्धियां

- भारत भर में आईओसीएल खुदरा दुकानों पर ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने में सहयोग के लिए आईओसीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया। इस एमओयू के अंतर्गत बीएचईएल ने दिल्ली चंडीगढ़ हाईवे के किनारे 6 आईओसीएल रिटेल आउटलेट्स पर ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं।
- दिल्ली–चंडीगढ़ राजमार्ग देश का पहला राजमार्ग है जिसे बीएचईएल द्वारा सौर आधारित ईवी चार्जर्स की सफल कमीशनिंग के साथ ई–वाहन अनुकूल बनाया गया है।
- इन–हाउस विकसित 122KW EV चार्जर का परीक्षण और एआरएआई में प्रमाणित किया गया है।

बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस)

प्रस्ताव

- पावर कंडीशनिंग सिस्टमः इन–हाउस विकसित पीसीएस रेटिंग – 630 कि.वा. और 1250 कि.वा.
- ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली
- बीईएसएस के लिए पूर्ण ईपीसी समाधान

बीएचईएल दिल्ली के एनसीटी में तीन अलग–अलग साइटों पर स्थित 410kWh की संचयी रेटिंग वाली टीईआरआई की अपनी पहली बीईएसएस परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है। यह भारत में अपनी तरह की एक

बीएचईएल टेरी के लिए संचयी 410 किलोवाट ऑवर बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) स्थापित करने हेतु प्राप्त प्रथम ऑर्डर पर काम कर रहा है

परियोजना होगी क्योंकि यह एनर्जी टाइम शिफ्टिंग, पावर बैकअप, डीटी ओवरलोड मैनेजमेंट, पीक शिफ्टिंग, एनर्जी आर्बिट्रेज सहित कई अनुप्रयोगों को पूरा करती है। इस बीईएसएस परियोजना के अंतर्गत बैटरी भी उच्च निर्वहन दरों का परीक्षण करने के लिए सुसज्जित हैं। प्राप्त ज्ञान और अनुभव बीएचईएल में बीईएसएस डिजाइन और इंजीनियरिंग को सुदृढ़ करेगा।

भविष्य परिप्रेक्ष्य

देश के ई–मोबिलिटी मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, बीएचईएल ने कई आंतरिक विकास किए हैं और विख्यात कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी की है।

देश में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए फेम–2 योजना के अंतर्गत ₹1000 करोड़ का परिव्यय निर्धारित किया गया है। 122 kW चार्जर के सफल विकास और प्रमाणन के साथ, बीएचईएल सेगमेंट में ईपीसी समाधान पेश करके आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु तत्पर है। साथ ही, भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उच्च रेटिंग वाले 150 kW चार्जर विकसित करने की पहल की गई है।

रेलवे विद्युतीकरण

बीएचईएल रेलवे विद्युतीकरण के लिए पूर्ण ईपीसी समाधान प्रदान करता है। बीएचईएल वर्तमान में बिड़ला नगर–इटावा परियोजना (440 टीकेएम) खंड को क्रियान्वित कर रहा है। रेलवे सुरक्षा आयोग (सीआरएस) ने इटावा से भंडई (उड़ी से भंडई और इटावा से उड़ी सेक्शन का हिस्सा) तक जीआर 240 (130 टीकेएम) का निरीक्षण मार्च 2021 में सफलतापूर्वक किया था। इस लाइन पर वाणिज्यिक परिचालन 28 मार्च, 2021 को सीआरएस के 10 दिनों के भीतर शुरू हुआ था। बीएचईएल अब मैसर्स कोर और मेसर्स इरकॉन की कुल 8000 टीकेएम की नई निविदाओं में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।

चिकित्सा ऑक्सीजन संयंत्र

महामारी की दूसरी लहर के दौरान देश के सामने आ रहे ऑक्सीजन संकट के बीच, बीएचईएल ने देश भर में अपनी विभिन्न विनिर्माण सुविधाओं के माध्यम से ऑक्सीजन की मांग को पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम किया। इसके अतिरिक्त, मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए और प्रत्याशित तीसरी लहर के कारण, बीएचईएल ने अब सीएसआईआर–आईआईपी देहरादून से प्रेशर वैक्यूम स्विंग एडजोबशन (पीवीएसए) ऑक्सीजन संयंत्रों के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी हासिल कर ली है। बीएचईएल ने पीवीएसए

बीएचईएल ने हरिद्वार में अपने कारखाना परिसर और उपनगरी के लिए सिक्वेंशियल बैच रिएक्टर प्रौद्योगिकी पर आधारित 7 एमएलडी क्षमता वाला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किया

आधारित ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स (500 एलपीएम और 1000 एलपीएम) की पेशकश शुरू कर दी है और इसके लिए पहला ऑर्डर जून 2021 में दिया गया है। इसके पश्चात, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, महाराष्ट्र सरकार से भी 1000 एलपीएम क्षमता के 10 पीवीएसए संयंत्र का ऑर्डर प्राप्त हुआ है।

जल व्यवसाय

प्रस्ताव

विद्युत संयंत्रों, उद्योगों और नगरपालिका अनुप्रयोगों के लिए व्यापक समाधानों के साथ समग्र जल प्रबंधन समाधान

- पूर्व उपचार संयंत्र (पीटी)
- समुद्री जल रिवर्स ऑस्मोसिस (एसडब्ल्यूआरओ) और विखनिजीकरण (डीएम) संयंत्र
- बहिःस्राव उपचार संयंत्र (ईटीपी)
- मलजल शोधन संयंत्र (एसटीपी); तृतीयक उपचार संयंत्र (टीटीपी)
- जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) सिस्टम
- जल निकायों के शुद्धिकरण के लिए पर्यावरण के अनुकूल समाधान

रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से नगर निगम जल व्यवसाय को व्यापक रूप से संबोधित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। बीएचईएल बड़े पैमाने पर सीवेज उपचार संयंत्रों, जल उपचार संयंत्रों, विलवणीकरण संयंत्रों और औद्योगिक (विद्युत, पेट्रोकेमिकल और रिफाइनरी, उर्वरक आदि) जल उपचार प्रणालियों में व्यापार के अवसर तलाश रहा है।

बीएचईएल ने पहला मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट सीएसआईआर–आईआईपी तकनीक का उपयोग करके ऑर्डर प्राप्त होने से 35 दिनों से कम के रिकॉर्ड समय में निर्मित और विकसित किया, जिसको अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय, बीएचईएल द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

जल की शक्ति का उपयोग

बीएचईएल 500 से अधिक हाइड्रोइलेक्ट्रिक सेटों के पोर्टफोलियो तथा वैश्विक स्तर पर 31,000 मेगावाट से अधिक की संचयी क्षमता के साथ हाइड्रो पावर सेगमेंट में अग्रणी कंपनियों में से एक है। बीएचईएल द्वारा आपूर्ति किए गए इलेक्ट्रो–मैकेनिकल उपकरणों से युक्त देश की 45% स्थापित जल विद्युत क्षमता के साथ, बीएचईएल भारतीय जलविद्युत खंड के बाजार में अग्रणी है।

वर्ष के दौरान, बीएचईएल ने अरुणाचल प्रदेश में सबसे बड़ी इकाई रेटिंग (150 मेगावाट) जलविद्युत परियोजना; 4x150 मेगावाट कामेंग जलविद्युत परियोजना शुरू की। 2020 में पहली दो इकाइयों को चालू करने के साथ, परियोजना की सभी चार इकाइयों को सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है। इनका वाणिज्यिक परिचालन किया जा रहा है। परियोजना में कमीशन किए गए फ्रांसिस टरबाइन को 501 मीटर के रेटेड हेड पर संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो देश में उच्चतम हेड फ्रांसिस टाइप हाइड्रो टरबाइन है। इस परियोजना से सालाना 3,353 मिलियन यूनिट (एमयू) स्वच्छ विद्युत उत्पादित होने की उम्मीद है।

बीएचईएल ने अरुणाचल प्रदेश के जलविद्युत क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राज्य में कुल स्थापित क्षमता का लगभग 88% बीएचईएल का हिस्सा है।

व्यावसायिक खंडों की रूपरेखा और प्रदर्शन

अंतरराष्ट्रीय परिचालन

1.4.3 अंतरराष्ट्रीय परिचालन

सिंहावलोकन

सत्तर के दशक की शुरुआत में पहली बार निर्यात के साथ अपनी यात्रा शुरू करते हुए, कंपनी ने एक लंबी यात्रा तय की है। यह यात्रा सभी 6 बसे हुए महाद्वीपों में 86 देशों तक पहुंच गई है। आज, बीएचईएल के अंतरराष्ट्रीय व्यवसायों में बीएचईएल के उत्पादों और सेवाओं की लगभग पूरी श्रृंखला शामिल है, जिसमें मोटर, वाल्व, तेल क्षेत्र के उपकरण, इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर, फोटोवोल्टिक उपकरण, इन्सुलेटर, हीट एक्सचेंजर्स, स्विचगियर्स, कास्टिंग और फोर्जिंग, आदि की विविध श्रृंखला के अलावा थर्मल, हाइड्रो एवं गैस आधारित टर्नकी पावर प्रोजेक्ट, सोलर पीवी आधारित प्रोजेक्ट, सबस्टेशन प्रोजेक्ट, आरएंडएम प्रोजेक्ट्स के अतिरिक्त ट्रांसफॉर्मर, कंप्रेशर्स जैसे उत्पादों की एक विस्तृत विविधता शामिल है।

बीएचईएल की विदेशी परियोजनाओं का संचयी पोर्टफोलियो 17 गीगावॉट है, जिसमें से 11 गीगावॉट से अधिक पहले ही चालू हो चुका है। वर्तमान में, कंपनी बांग्लादेश में 2x660 मेगावाट मैत्री ताप विद्युत परियोजना, भूटान में 6x200 मेगावाट पुनात्संगछु– । एवं 6x170 मेगावाट पुनात्संगछु–II जलविद्युत परियोजनाएं, सीरिया में 2x200 मेगावाट तिशरीन थर्मल परियोजना, 26 मेगावाट कैलाबार गैस आधारित विद्युत परियोजना तथा नाइजीरिया में 1.3 मेगावाट कडुना सौर मिनी ग्रिड परियोजना, नेपाल में 4x225 मेगावाट अरुण–3 जलविद्युत परियोजना एवं 40 मेगावाट राहुघाट जलविद्युत परियोजना सहित कई प्रमुख परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रही है। कंपनी अपने अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों को पुर्जों और सेवाओं के रूप में बिक्री के बाद सेवा भी प्रदान करती रही है।

पिछले वर्ष के दौरान, दुनिया के एक बड़ा हिस्से में लंबे समय तक लॉकडाउन था। वर्ष के दूसरे उत्तरार्ध में स्थिति में सुधार शुरू हो गया था। विद्युत ऊर्जा क्षेत्र सहित सभी क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए विश्व शक्तियों में अमेरिका के शामिल होने के साथ, अगले वर्ष से कोयला परियोजनाओं के लिए कोई धन उपलब्ध नहीं होगा। इससे दशक के अंत तक डीकार्बोनाइज्ड विद्युत क्षेत्र पर ज़ोर देना का स्पष्ट आशय है।

कोविड–19 ने बीएचईएल की प्रगतिशील विदेशी परियोजनाओं को बुरी तरह प्रभावित किया है। परियोजना साइटों को डिमोबेलाइज किया गया था। बाधित लॉजिस्टिक्स चौनल से जुड़े डिमोबेलाइजेशन– रिमोबेलाइजेशन ने परियोजना क्रियान्वयन कार्यक्रम को लंबित किया।

इसके अतिरिक्त, विभिन्न फोकस बाजारों में पहले से ही विचाराधीन परियोजनाओं को अंतिम रूप देने में देरी हुई है। यहां तक कि जिन परियोजनाओं में अनुबंध पर हस्ताक्षर हो गए थे (जैसे 8 मेगावाट मॉरीशस सोलर और 32 मेगावाट चाड सोलर) उन पर भी काम शुरू नहीं किया है। पिछले एक वर्ष में इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद, बीएचईएल ने लाइबेरिया और बहरीन के व्यवसाय में प्रवेश करके अपने वैश्विक सीमाओं का विस्तार किया है।

ऑर्डर बुकिंग

- दो नए बाजारों– बहरीन एवं लाइबेरिया से मोटरों के लिए प्रथम ऑर्डर प्राप्त किया
- फ्रांस से 2 नग 560 kW फ्लेमप्रूफ मोटर्स का पहला ऑर्डर
- मॉरीशस में 8 मेगावाट सौर पीवी आधारित विद्युत संयंत्र के लिए ऑर्डर
- अल्जीरिया, बहरीन, भूटान, इथोपिया, फ्रांस, इंडोनेशिया, इटली, लाइबेरिया, मलावी, न्यू कैलेडोनिया, ओमान, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, युगांडा और वियतनाम सहित विभिन्न देशों से पुर्जो, सेवाओं और अन्य उत्पादों के लिए ऑर्डर

परियोजना क्रियान्वयन

भारत तथा विदेशों में कोविड–19 एवं लॉकडाउन के कारण उत्पन्न विभिन्न बाधाओं के बावजूद, बीएचईएल ग्राहकों, सलाहकारों, विक्रेताओं और सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय करके परियोजना साइटों पर तत्परतापूर्वक काम कर रहा है। बीएचईएल की सबसे बड़ी विदेशी परियोजना, रामपाल, बांग्लादेश में 2x660 मेगावाट मैत्री ताप विद्युत परियोजना है। इस परियोजना

बीएचईएल द्वारा बांग्लादेश में क्रियान्वित की जा रही 2x660 मेगावाट मैत्री सुपरक्रिटिकल पावर परियोजना

साइट पर कार्य की निरंतरता, सीमा पर सामग्री/उपकरण की निकासी तथ बांग्लादेश के भीतर सामग्री/उपकरण की आवाजाही आदि सुनिश्चित करने के लिए विद्युत मंत्रालय (एमओपी) एवं विदेश मंत्रालय (एमईए) के साथ–साथ बांग्लादेश सरकार के साथ नियमित बैठकें की गई हैं। इसने बीएचईएल को साइट पर यूनिटः1 के बॉयलर हाइड्रो परीक्षण को पूरा करने में मदद की है। बीएचईएल ने साइट कर्मियों के लिए टीके उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, विदेश मंत्रालय (एमईए), विद्युत मंत्रालय (एमओपी), बांग्लादेश सरकार और अन्य से भी समर्थन मांगा है।

बीएचईएल के अथक प्रयासों से 336 मेगावाट छुखा जलविद्युत संयंत्र की जनरेटिंग यूनिटः1 (84 मेगावाट) का रेस्टोरेशन, ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइजेशन और परिचालन संभव हो सका, जिसकी डीजीपीसी ने भी सराहना की।

नाइजीरिया में गैस टर्बाइन परियोजना के लिए नींव पर गैस टर्बाइन नीचे करने के लिए साइट सहयोग वर्चुअल माध्यम से दिया गया और सौर मिनी ग्रिड, नाइजीरिया के लिए टेस्ट विट्निसिंग का आयोजित किया गया था।

भविष्य परिप्रेक्ष्य

निर्यात बीएचईएल की विकास रणनीति की आधारशिला रहा है। बीएचईएल के विदेशी कारोबार को पुनर्जीवित करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। कंपनी नवीकरणीय विद्युत ऊर्जा के अतिरिक्त कोयले, हाइड्रो और गैस आधारित विद्युत संयंत्रों के पारंपरिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए फोकस बाजारों (अर्थात पड़ोसी देशों, अफ्रीका और दक्षिण–पूर्व एशिया) में अवसरों का तत्परता से काम कर रही है।

नवीकरणीय क्षेत्र में, बीएचईएल भारत में सौर पीवी आधारित विद्युत संयंत्रों का एक स्थापित सेवा प्रदाता है और विदेशों में पीवी मॉड्यूल और सेल की आपूर्ति के कई व्यापारिक संबंध हैं। कंपनी अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में ईपीसी सौर पीवी परियोजनाओं के व्यापार स्थापित करने के लिए काम कर रही है। प्रारंभिक चरण में अफ्रीका क्षेत्र में परियोजनाओं को लक्षित कर रही है।

पड़ोसी देशों के क्षेत्र में जलविद्युत क्षेत्र में बीएचईएल का प्रमुख स्थान है और यह भूटान और नेपाल में कई बड़ी परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है। इस सेगमेंट में हमारी प्रतिस्पर्धात्मकता को और बेहतर बनाने के लिए प्रणालीगत सुधार किए जा रहे हैं। आपकी कंपनी छोटे जलविद्युत बाजार की ओर भी देख रही है और भविष्य में इनके लिए टर्नकी समाधान पेश करने का इरादा रखती है।

निर्यात ऋण एजेंसी (ईसीए) से वित्तपोषण की आवश्यकता अंतरराष्ट्रीय निविदाओं में एक अनिवार्य आवश्यकता के रूप में तेजी से उभर रही है और कंपनी बंडल वित्तपोषण की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के संपर्क में है। बीएचईएल उन देशों में वस्तु विनिमय व्यापार का विकल्प भी तलाश रहा है जहां से भारत में वस्तुओं का आयात किया जा सकता है।

फोकस बाजारों में विद्युत परियोजना के अवसर राज्य द्वारा विकसित मॉडल से आईपीपी/पीपीपी मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं। आईपीपी डेवलपर्स (विशेष रूप से भारतीय प्रमोटर जो विदेशी परियोजनाओं को विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं) के साथ निरंतर जुड़ाव ने हाल के दिनों में सफलता प्राप्त की है।

बीएचईएल उत्पादों जैसे मोटर, ट्रांसफॉर्मर, कम्प्रेसर और वाल्व की अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी मांग है और इस सेगमेंट में वर्षों से ऑर्डर बढ़े हैं। उत्पाद निर्यात में भारी उछाल के लिए प्रयास करने हेतु केंद्रित तरीके से लक्षित बाजारों में पहुंच बढ़ाने के लिए एक समर्पित उत्पाद डेस्क बनाया गया है।

हाल के दिनों में कुछ अच्छी सफलताओं से प्रोत्साहित होकर विभिन्न लक्षित देशों में विद्यमान विद्युत संयंत्रों के लिए तकनीकी क्षेत्र का ज्ञान प्रदान करते हुए, विद्युत संयंत्र सुधार अध्ययन के परामर्श सेवा क्षेत्र में प्रवेश करने के प्रयास शुरू किए गए हैं।

बीएचईएल की सहायता से मरम्मत, ग्रिड से सिंकरोनाइज़ एवं परिचालित भूटान की 336 मेगावाट छुखा जलविद्युत संयंत्र की जनरेटिंग यूनिट क्रमांक 1

बीएचईएल का वैश्विक विस्तार

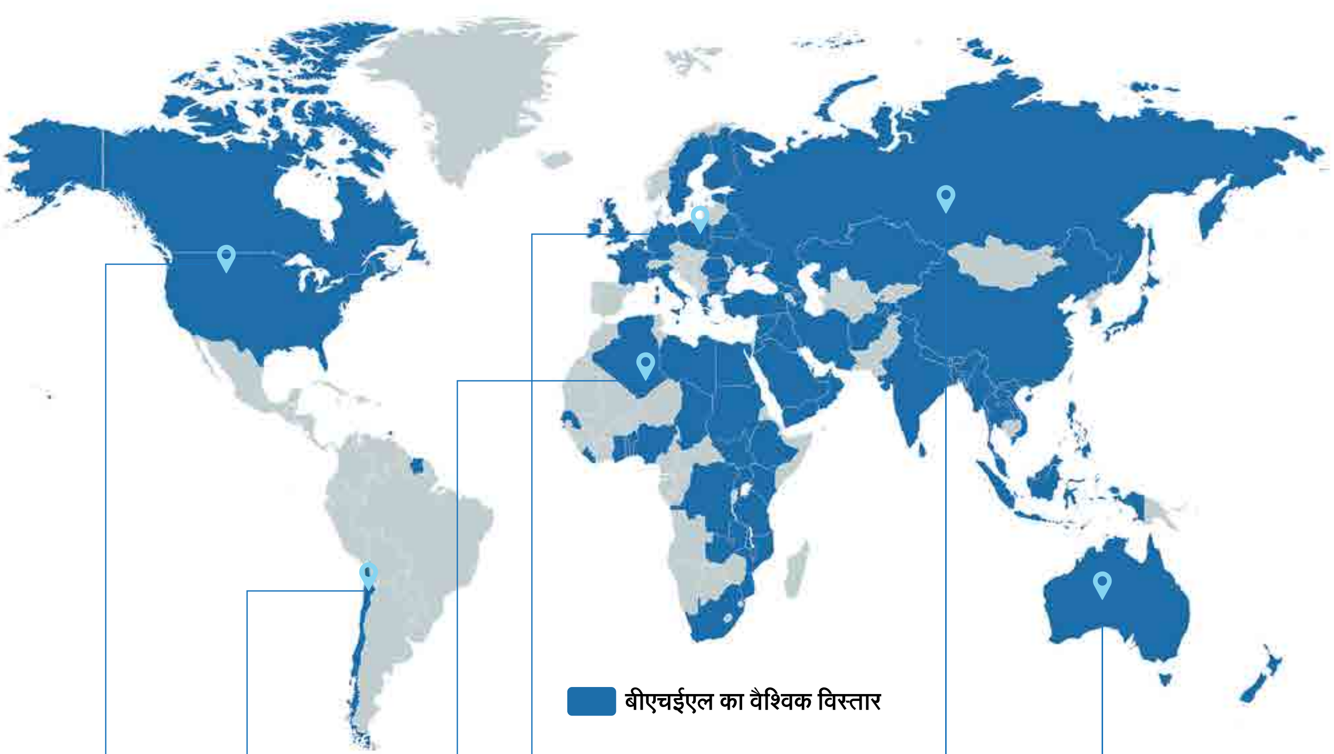

उत्तरी अमेरिका
कनाडा
संयुक्त राज्य अमेरिका

दक्षिण अमेरिका
चिली
सूरीनाम
ट्रिनिडाड और टोबैगो

यूरोप
बेलारूस
बेल्जियम
बुल्गारिया
साइप्रस
एस्टोनिया
फिनलैंड
फ्रांस
जॉर्जिया
जर्मनी
ग्रीस
आइसलैंड
इटली
माल्टा
पोलैंड
रोमानिया
रूस
स्वीडन
स्विट्ज़रलैंड
तुर्की
यूक्रेन
यूनाइटेड किंगडम

ओशिनिया
ऑस्ट्रेलिया
न्यू कैलेडोनिया
न्यूजीलैंड
समोआ

अफ्रीका
अल्जीरिया
बेनिन
चाड
कोमोरोस
डीआर कांगो
मिस्र
इस्वातिनी
इथियोपिया
घाना
केन्या
लीबिया
लाइबेरिया
मलावी
मॉरीशस
मोजाम्बिक
नाइजीरिया
रवांडा
सेनेगल
दक्षिण अफ्रीका
सूडान
तंजानिया
टोगो
युगांडा
जाम्बिया
जिम्बाब्वे

एशिया
अफगानिस्तान
अजरबैजान
बांग्लादेश
बहरीन
भूटान
चीन
हांग कांग
इंडोनेशिया
ईरान
इराक
जापान
जॉर्डन
कजाकिस्तान
कुवैत
लाओस
मलेशिया
म्यांमार
नेपाल
ओमान
फिलीपींस
सऊदी अरब
सिंगापुर
दक्षिण कोरिया
श्रीलंका
सीरिया
ताइवान
ताजिकिस्तान
थाईलैंड
यू.ए.ई.
वियतनाम
यमन

बसे हुए सभी छह महाद्वीपों के
86 देशों
से व्यावसायिक संबंध

1.5 वित्तीय निष्पादन का विश्लेषण

(इंड एएस, गाइडेंस नोट्स, कंपनी अधिनियम 2013 और अन्य लागू विधियों के अनुपालन में तैयार किए गए वित्तीय विवरणों के आधार पर)

1.5.1 बीएचईएल एकल

क. वित्तीय परिणाम

1. कुल आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
माल और सेवाओं से राजस्व	16296	20491
अन्य परिचालन आय	1013	969
अन्य आय	370	581
कुल आय	17679	22041

पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020–21 में कुल आय में लगभग 20% की गिरावट आई है। कुल आय के प्रत्येक आइटम का मदवार स्पष्टीकरण नीचे दिया गया है:

1.1 माल और सेवाओं से राजस्व

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
माल से राजस्व	13011	15057
सेवाओं से राजस्व	3285	5434
माल और सेवाओं से कुल राजस्व (इंड एएस 115 के अनुसार)	16296	20491

राष्ट्रव्यापी लॉक डाउन, कोविड 19 महामारी के प्रसार के परिणामस्वरूप वैश्विक व्यवधान उत्पन्न हुआ और आर्थिक गतिविधियों को धीमा कर दिया। इस तरह के परिणामों ने वित्तीय वर्ष 2020–21 की पहली छमाही के दौरान कंपनी के परिचालन की गति को प्रभावित किया, जिसे क्रमिक और प्रगतिशील तरीके से ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा, दुनिया भर में भू–राजनीतिक स्थिति से उत्पन्न होने वाले मुद्दों ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को गंभीर रूप से बाधित कर दिया, जिससे भी परिचालन प्रभावित हुआ।

कंपनी के परिचालन में राजस्व केंद्रित से परियोजना केंद्रित निष्पादन में बदलाव ने भी राजस्व को प्रभावित किया। इस सिद्धांत ने ग्राहकों की संतुष्टि में सुधार करने में मदद की, व्यापार प्राप्तियों को न्यूनतम स्तर तक कम कर दिया (जैसा कि पिछले दस वर्षों में उच्चतम नकद संग्रह और शुद्ध बिलिंग अनुपात से प्रमाणित है), और विस्तारित अवधि के लिए साइट पर पड़ी सामग्री के नुकसान और रिवर्क में कमी एवं कार्यशील पूंजी का इष्टतम पूंजी प्रबंधन सुनिश्चित किया। यद्यपि दृष्टिकोण में बदलाव ने चालू वर्ष के लिए टॉपलाइन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है, बीएचईएल को आने वाले वर्षों में इस दृष्टिकोण से दीर्घकालिक लाभ प्राप्त करने की आशा है।

1.2 अन्य परिचालन आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
अन्य परिचालन आय	1013	969

संरचित और केंद्रित तरीके से कंपनी के प्रयासों द्वारा पिछले वर्ष अन्य परिचालन आय में लगभग 5% की वृद्धि हुई लेकिन बिक्री में गिरावट आने के परिणामस्वरूप नुकसान हुआ है।

1.3 अन्य आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
ब्याज आय	321	509
संयुक्त उद्यम में निवेश पर लाभांश – बीजीजीटीएस	21	16
म्यूचुअल फंड्स इकाइयों की/पीपीई वस्तुओं की बिक्री पर लाभ, सरकारी अनुदान और अन्य	28	56
कुल	370	581

ब्याज आय में गिरावट, मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था में ब्याज दरों में सामान्य गिरावट के साथ–साथ पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष के दौरान निवेश के लिए उपलब्ध कम नकद और बैंक–शेष के कारण सावधि जमा पर ब्याज दर कम होने के कारण है।

2. व्यय

2.1 सामग्री की खपत, निर्माण और इंजीनियरिंग व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
कच्चे माल तथा उपकरणों की खरीद	8159	11780
सिविल, इरेक्शन और इंजीनियरिंग व्यय	2912	2947
उप योग	11071	14727
तैयार माल एवं प्रगतिशील कार्य इंवेंट्री परिवर्तन	511	(1042)
योग	11582	13685
राजस्व में सामग्री की लागत का %	71	67

इस वर्ष के दौरान मेटेरियल की लागत 67% से बढ़कर 71% हो गई है। वैश्विक धातु मूल्य सूचकांक (स्रोतः आईएमएफ) के साथ–साथ घरेलू सूचकांक (स्रोतः वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सिविल निर्माण, संरचनात्मक निर्माण और निर्माण गतिविधियों की लागत में भी वृद्धि देखी गई है। निष्पादन के अंतर्गत मौजूदा ऑर्डरों के रूप में कंपनी की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव, अधिक मूल्य के आधार पर है, यानी किसी भी पीवीसी क्लॉज के भी यह देखी गई।

2.2 कर्मचारी लाभ व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
कर्मचारी लाभ व्यय	5372	5427
कर्मचारियों की संख्या	32131	33752

कर्मचारी लाभ व्यय के साथ–साथ सेवानिवृत्ति के परिवर्तनीय तत्वों में कमी के कारण कर्मचारी लाभ व्यय पिछले पांच वर्षों में सबसे निचले स्तर पर हैं। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए पेंशन योजना (परिभाषित अंशदान योजना) के संबंध में ₹280 करोड़ का योगदान दिया है। कंपनी ने 50 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों को ऐसी योजना का विकल्प चुनने की अनुमति देने के लिए समयपूर्व सेवानिवृत्ति योजना को भी संशोधित किया है। फिर भी, उपरोक्त उपायों के कारण होने वाले लाभ को वार्षिक वेतन वृद्धि/

डीए में वृद्धि और अन्य कर्मचारी लाभों पर इसके प्रभाव से काफी हद तक ऑफसेट किया गया है।

2.3 अन्य व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
अन्य व्यय	1799	2429

अपने परिचालन को कुशलतापूर्वक बनाए रखने के लिए एक प्रमुख पहल के रूप में कंपनी ने अन्य खर्चों में कमी की पहचान की है (जिसमें विशेषकर गैर–उत्पादन संबंधी खर्चे शामिल हैं।) हालांकि मात्रा में कमी कम खर्च का एक कारण रही है, लेकिन व्यय की प्रत्येक वस्तु में कड़े बजटीय नियंत्रण का प्रमुख योगदान भी रहा है, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2020–21 के व्यय में 630 करोड़ रुपये की कमी आई है। वित्तीय वर्ष 2019–20 का नया सबसे कम बेंचमार्क सेट करके कंपनी के परिचालन को टिकाऊ और लाभप्रद बनाने में सक्षम बनाएगा।

2.4 प्रावधान (निवल)

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
संदिग्ध ऋण, परिनिर्धारित क्षति, ऋण, अग्रिम और जमा एवं अन्य	2146	822
बट्टे खाते में डाली गई अशोध्य ऋण, एलडी और हानियां	273	224
अपेक्षित ऋण हानि का प्रावधान (समय मूल्य)	(691)	(676)
संविदात्मक दायित्व	(261)	(137)
कुल	1467	233

कंपनी की लगातार बढ़ती प्राप्य राशि और व्यापार प्राप्तियों की मात्रा का राजस्व के दिनों के अनुरूप न होना, संस्थागत निवेशकों, डीपीई, बैंकरों और अन्य हितधारकों के लिए चिंता का विषय रहा है। उपरोक्त आशंकाओं को दूर करने के लिए, कंपनी ने वसूली में सुधार के उद्देश्य से प्रत्येक प्रमुख अनुबंध की विस्तृत समीक्षा की। जहां निकट भविष्य में वसूली की संभावना नहीं थी, वहां मामले के गुण–दोषों के आधार पर उचित कार्रवाई की गई अर्थात प्रावधान, आकस्मिक दायित्व के रूप में प्रकटीकरण या यथास्थिति बनाए रखना। लागू इंड–एएस के अनुरूप उपरोक्त प्रबंधन मूल्यांकन के आधार पर, वर्ष के दौरान व्यापक समीक्षा के आधार पर लगभग ₹1800 करोड़ की ऐसी प्राप्तियों के लिए अतिरिक्त प्रावधान बनाया गया है।

कंपनी इंड एएस 109 की आवश्यकताओं के अनुरूप अपेक्षित क्रेडिट हानि (मुद्रा का समय मूल्य) के प्रावधान को चिह्नित है।

3. वित्त लागत

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
वाणिज्यिक पत्रों पर छूट और अन्य खर्च	164	206
ब्याज व्यय	67	105
प्रावधानों की समाप्ति	142	196
कुल	373	507

कंपनी ने अपने ट्रेजरी परिचालन को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया, ब्याज बहिर्वाह को कम किया तथा अनिरंतर नकद अधिशेष पर उच्च रिटर्न अर्जित किया है। पीसीएफसी ऋण ने कंपनी को प्राकृतिक हेजिंग लाभ भी प्रदान किया है। परिचालनों की कम मात्रा भी कम वित्त लागत के कारणों में से एक थी।

4. मूल्यह्रास और ऋण मुक्ति व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
मूल्यह्रास और ऋण मुक्ति व्यय	473	503

पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में मूल्यह्रास लागत में लगभग 6% की कमी आई है।

5. कर व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
वर्तमान कर – वर्तमान वर्ष	33	63
–पूर्ववर्षों में	(17)	(62)
आस्थगित कर–वर्तमान वर्ष	(908)	(162)
–पूर्ववर्षों में	(2)	971
कुल	(894)	811

कंपनी को चालू वित्तीय वर्ष में ₹3689 करोड़ का कर योग्य नुकसान हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप ₹908 करोड़ की आस्थगित कर परिसंपत्ति का निर्माण हुआ, जो भविष्य के कर योग्य लाभ के प्रति सेट–ऑफ के लिए उपलब्ध होगा।

पहले के वर्षों के लिए कर मुख्य रूप से पूर्व निर्धारण वर्षों के संबंध में शुद्ध वापसी का प्रतिनिधित्व करता है। इसके अलावा, पिछले वर्षों के लिए आस्थगित कर संपत्ति पिछले वित्तीय वर्ष के संदर्भ में अंतिम कर गणना के कारण परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है।

6. लाभप्रदता

वित्तीय वर्ष 2019–20 में ₹1473 करोड़ के घाटे के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2020–21 में ₹2717 करोड़ का कर पश्चात घाटा हुआ है, जिसका मुख्य कारण परिचालन की कम मात्रा, उच्च सामग्री लागत और अतिरिक्त मूल्यांकन आधारित प्रावधान के कारण ख्लगभग, ₹1800 करोड़, व्यापक समीक्षा के आधार पर,है। हालांकि, लागत में कमी की पहल और कड़े बजटीय नियंत्रण उपायों ने कुछ हद तक नुकसान को कम करने में मदद की है। लाभ और हानि खाते में मदों की तत्ववार व्याख्या संबंधित शीर्षों के अंतर्गत पहले ही ऊपर दी जा चुकी है।

7. अन्य व्यापक आय

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
परिभाषित कर्मचारी लाभ का पुनः माप लाभ/(हानि)	27	(342)
घाटः उपरोक्त मद से संबंधित आयकर	7	(68)
कुल	20	(274)

अन्य व्यापक आय परिभाषित लाभ योजनाओं जैसे ग्रेच्युटी, पीएफ, पोस्ट–रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट (पीआरएमबी), आदि पर पुनः माप (लाभ/हानि) का प्रतिनिधित्व करती है।

ख. वित्तीय स्थिति

8. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई), अमूर्त संपत्ति एवं पूंजी डब्ल्यूआईपी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021			31 मार्च, 2020		
	पीपीई	अमूर्त	कुल	पीपीई	अमूर्त	कुल
सकल वहन मूल्य	6172	291	**6463**	6051	280	6331
घटाएं: संग्रहीत मूल्यह्रास एवं ऋण मुक्ति	3746	229	**3975**	3316	201	3517
शुद्ध वहन मूल्य (शुद्ध ब्लॉक)*	**2426**	**62**	**2488**	2735	79	2814
विकासशील सीडब्ल्यूआईपी एवं अमूर्त परिसंपत्तियां	403	17	**420**	307	7	314
कुल			**2908**			**3128**

* पीपीई के शुद्ध वहन मूल्य में 165 करोड़ (पीवाई ₹198 करोड़) बट्टे मे डाली गई संपत्तियां शामिल हैं।

थर्मल पावर सेगमेंट में कमजोर मांग के कारण कंपनी ने अपने मौजूदा बिजनेस पोर्टफोलियो में पीपीई में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। हालांकि, कंपनी नए गैर–कोयला क्षेत्रों में विविधता ला रही है, जिससे भविष्य में पूंजी निवेश की संभावना है। लागू इंड–एएस के अनुरूप, कंपनी सालाना पीपीई के उपयोगी जीवन का आकलन और संशोधन करती है और उसी के अनुसार मूल्यह्रास की गणना भी की जाती है। उपयोगी जीवन में किसी भी परिवर्तन के मामले में, उसके वित्तीय प्रभाव को खातों के लिए नोट्स के रूप में प्रकट किया जाता है।

9. इक्विटी निवेश

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021			31 मार्च, 2020		
	निवेश	हानि	शुद्ध	निवेश	हानि	शुद्ध
संयुक्त उद्यमों में निवेश	**718**	**(52)**	**666**	723	(57)	666
सहायक कंपनी में निवेश	**5**	**(5)**	**-**	5	(5)	-
अन्य इक्विटी लिखित में निवेश	**6**	**(2)**	**4**	6	(3)	3
कुल	**729**	**(59)**	**670**	**734**	**(65)**	**669**

संयुक्त उद्यम (जेवी) और सहायक कंपनी में निवेश को इंड–एएस के अनुरूप क्षति के नुकसान पर, यदि कोई हो तो, पर विचार करने के बाद लागत पर लेखांकित किया गया था। अन्य इक्विटी में निवेश का लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर होता है और रिपोर्टिंग तिथि पर उचित मूल्य के आधार पर ले जाने तक मूल्य में परिवर्तन किए गए हैं।

वर्ष के दौरान, दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल) को एनसीएलटी के 2 नवंबर, 2020 के आदेश के अंतर्गत भंग कर दिया गया है। 22.50 करोड़ के निवेश के बाद, पहले के वर्षों में ₹17.57 करोड़ प्राप्त हुए थे और शेष ₹4.93 करोड़ को बट्टे खाते में डाल दिया गया है। वर्ष और संबंधित प्रावधान को भी वापस ले लिया गया है।

अन्य इक्विटी संसाधनों में निवेश में नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड (एनआईएनएल) में निवेश शामिल है। निदेशक मंडल ने इसके रणनीतिक विनिवेश के लिए अपनी मंजूरी पहले ही दे दी है और संबंधित मंत्रालय से अनुमोदन अपेक्षित है।

10. व्यापार प्राप्य (शुद्ध)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021			31 मार्च, 2020		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
सकल प्राप्य	**16134**	**4911**	**21045**	16738	8546	25284
घटाएँ: अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ते	**12955**	**877**	**13832**	12204	1438	13642
व्यापार प्राप्य (शुद्ध)	**3179**	**4034**	**7213**	4534	7108	11642

निरपेक्ष मूल्य और राजस्व के दिनों की संख्या दोनों में लगातार बढ़ती प्राप्य, राशियां संस्थागत निवेशकों, डीपीई, बैंकरों और अन्य हितधारकों की चिंता रही है। व्यापार प्राप्य हमेशा एक प्रमुख चिंता का विषय रहा है, विशेष रूप से न केवल हमारी कंपनी के साथ बल्कि सहकर्मी ग्रुप कंपनियों के साथ भी विद्युत क्षेत्र के ग्राहकों के लिए बकाया राशि की समय पर वसूली विशेष रूप से राज्य विद्युत उत्पादन कंपनीयां की ओर से एक बड़ी चुनौती है। (जो कि लगभग कुल व्यापार प्राप्तियों का 41% है)।

फिर भी, कंपनी ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित व्यापार प्राप्य नीति के अनुरूप वसूली में सुधार और उचित कार्रवाई करने के उद्देश्य से प्रत्येक प्रमुख अनुबंध की विस्तृत समीक्षा की।

कंपनी ने कई उपाय किए हैं जैसे– परियोजना केंद्रित दृष्टिकोण, संविदात्मक आवश्यकताओं के अनुसार अनुक्रमिक आपूर्ति, धीमी/भुगतान न करने वाले ग्राहकों के खिलाफ कठोर कदम उठाए, अनुबंध की शर्तों के अनुसार सख्ती से निजी ग्राहकों को प्रेषण से पहले एलसी सुनिश्चित करना आदि। शुद्ध व्यापार प्राप्तियों में 38% की गिरावट आई है। चालू वित्तीय वर्ष और दिनों की संख्या के 175 दिनों से 134 दिनों के दिनों तक परिचालन से राजस्व प्राप्त करने का प्रबंध करना। इसके अलावा, व्यापार प्राप्य (शुद्ध) में मुकदमेबाजी या मध्यस्थता के विभिन्न चरणों के अंतर्गत परियोजनाओं के संबंध में वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए ₹1773 करोड़ [पीवाई ₹1712 करोड़] शामिल हैं। कंपनी ने प्राप्य प्रबंधन प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं और कंपनी की बैलेंस शीट में गुणात्मक प्राप्तियां देखी गई हैं।

11. नकद एवं नकद समतुल्य तथा बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
नकद और नकद समतुल्य	**1527**	1403
3 महीने से अधिक लेकिन 12 महीने से अधिक की परिपक्वता वाली जमा राशियां	**5160**	5000
मार्जिन मनी पर बैंक–शेष राशि और एफडी	**14**	16
कुल	**6701**	6419

कोविड–19 महामारी के बीच, नकदी संरक्षण को वर्ष 2020–21 के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता कारक के रूप में पहचाना गया। तदनुसार, कंपनी ने अपने नकद और बैंक–शेष में ₹6419 करोड़ से ₹6701 करोड़ की वृद्धि दर्ज की, अर्थात व्यापार देय 1400 करोड़ रुपये कम होने के बावजूद ₹282

करोड़ [4%] की वृद्धि दर्ज की। यह मुख्य रूप से निधि प्रबंधन में प्रभावी और सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के कारण था।

'नकद' को अपने परिचालन के आधारशिला के रूप में रखते हुए, परिचालन के प्रणालीगत सुधार ने ग्राहक संग्रह को वित्तीय वर्ष 2020–21 में राजस्व के 123% के शिखर पर पहुंचने के लिए प्रेरित किया है। इसके अलावा, बेहतर ग्राहक संग्रह चालू वर्ष में ही बिलिंग के 82% के लिक्विडेशन से भी परिलक्षित होता है। इससे कंपनी को अपने वेंडरों/उप–ठेकेदारों को पर्याप्त नगदी उपलब्ध कराने में मदद मिली है, जिससे परिचालन में सुधार भी हुआ है।

12. आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	**3660**	2756

आस्थगित कर परिसंपत्ति मुख्य रूप से उन मदों के कारण बनाई जाती है जिनके लिए वर्तमान वर्ष की कर योग्य आय में लाभ उपलब्ध नहीं है, लेकिन आयकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप कुछ शर्तों को पूरा करने पर भविष्य की कर योग्य आय के विरुद्ध समायोज्य होगा। ऐसे मदों में आगे की हानियां, संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान, भुगतान के आधार पर स्वीकार्य देय राशि आदि शामिल हैं। आस्थगित कर परिसंपत्तियों में वृद्धि मुख्य रूप से चालू वर्ष में कर योग्य हानि के कारण हुई है। ऐसी आस्थगित कर परिसंपत्तियां आयकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार भविष्य के वर्षों में कर योग्य आय के प्रति समायोजन के लिए उपलब्ध होंगी।

13. अन्य परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को			31 मार्च, 2020 को		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
अनुबंध परिसंपत्तियां (शुद्ध)	**16585**	**7494**	**24079**	16124	7670	23794
इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	**-**	**1040**	**1040**	-	927	927
वसूली योग्य दावा	**65**	**722**	**787**	79	688	767
कर प्राधिकारियों और अन्य के पास जमा	**119**	**577**	**696**	135	460	595
अग्रिम और अन्य	**136**	**159**	**295**	91	233	324
घटाएं: प्रावधान	**53**	**216**	**269**	67	194	261
कुल	**16852**	**9776**	**26628**	16362	9784	26146

अनुबंध परिसंपत्ति (अन्य परिसंपत्तियों का लगभग 90% है) अनुबंध की शर्तों के अनुसार भुगतान के लिए अभी तक बकाया नहीं होने वाले राजस्व का प्रतिनिधित्व करती है। इसमें घटना आधारित माइलस्टोन से संबंधित भुगतान, सामग्री रसीद, प्रमाण पत्र प्राप्त करने के कारण भुगतान, प्रेषण के लिए तैयार परियोजना से संबंधित तैयार माल आदि शामिल हैं। इस तरह की अनुबंध परिसंपत्तियों का प्रोद्भवन मुख्य रूप से कई परियोजनाओं के लिए कठोर और विषम भुगतान शर्तों के कारण होता है। जो वर्तमान में निष्पादन के अधीन हैं (शून्य विचलन के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धी बोली के अंतर्गत प्राप्त आदेश) जहां उच्च अनुपात माइलस्टोन की उपलब्धि/अंतिम पूर्णता से जुड़ा हुआ है। इनमें मुकदमेबाजी या मध्यस्थता के विभिन्न चरणों के अंतर्गत परियोजनाओं के संबंध में वित्त वर्ष 2020–21 के लिए ₹1664 करोड़ [पीवाय ₹1572 करोड़] शामिल हैं।

उपरोक्त चुनौतियों के बावजूद, प्रत्येक तत्व की केंद्रित निगरानी के परिणामस्वरूप पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में अनुबंध की संपत्ति लगभग समान स्तर पर है।

14. माल सूचियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
कच्चा माल और उपकरण	**3010**	3967
डब्ल्यूआईपी	**3778**	4120
एफ जी	**692**	892
स्टोर और स्पेयर पार्ट्स	**220**	254
अन्य इन्वेंट्री	**210**	215
उप योग	**7910**	9448
घटाएं: नॉन–मूविंग इन्वेंट्री के लिए प्रावधान	**719**	543
योग	**7191**	8905

वर्ष के दौरान, खरीद प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए, अन्य बातों के साथ–साथ, उपलब्ध इन्वेंट्री के उपयोग के लिए आंतरिक नियंत्रण को मजबूत करने, साइट की आवश्यकताओं और विनिर्माण समय के साथ खरीदी गई वस्तुओं की डिलीवरी को सिंक्रनाइज़ करने और उपलब्ध इन्वेंट्री के वैकल्पिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कड़े प्रयास किए गए थे। इसके परिणामस्वरूप इन्वेंट्री स्तर में 19% से अधिक की कमी आई है।

इस तरह के उपायों ने कुशल कार्यशील पूंजी प्रबंधन में योगदान दिया और सामग्री की अप्रचलन एवं बर्बादी से बचने में भी मदद की।

15. चालू कर परिसंपत्तियाँ/ देनदारियाँ (शुद्ध)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
चालू कर परिसंपत्तियाँ / देयताएँ (प्रावधानों का शुद्ध)	**404**	229

यह राशि मुख्य रूप से प्रीपेड करों (अर्थात टीडीएस और अग्रिम कर) का प्रतिनिधित्व करती है, जो कर के प्रावधान का शुद्ध (ज्यादातर वित्तीय वर्ष 2019–20 और वित्तीय वर्ष 2020–21 से संबंधित) है, जो निकट भविष्य में धनवापसी के कारण है।

16. शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
प्राधिकृत शेयर पूंजी	**2000**	2000
जारी, अभिदत्त एवं शेयर पूंजी भुगतान	**696**	696

चालू वित्त वर्ष के दौरान शेयर पूंजी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। प्रमोटर [भारत सरकार] की शेयरधारिता 63.17% पर अपरिवर्तित है।

17. अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ में)

विवरण	की स्थिति	
	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
प्रारंभिक शेष	**28485**	30704
जोड़ें: नीतियों में बदलाव के कारण बहाली	**-**	32
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय/(हानि)	**(2697)**	(1747)
घटाएं रू वर्ष के दौरान किए गए लाभांश (अंतरिम लाभांश सहित) का भुगतान	**-**	418
घटाएं रू कॉर्पोरेट लाभांश कर	**-**	86
अंत शेष	**25788**	28485

अन्य इक्विटी में ₹35 करोड़ (पीवाई ₹35 करोड़) का पूंजी आरक्षित और ₹38 करोड़ का पूंजी मोचन आरक्षित (पीवाई ₹38 करोड़) शामिल है। निवल मूल्य में कमी वर्ष के दौरान किए गए कर पश्चात हानियों के कारण है।

कंपनी की लाभांश वितरण नीति और चालू वित्तीय वर्ष में हुए घाटे के अनुरूप निदेशक मंडल ने वर्ष 2020–21 के लिए किसी लाभांश की अनुशंसा नहीं की है।

18. उधार और पट्टा देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को			31 मार्च, 2020 को		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
उधार	**-**	**4834**	**4834**	-	4933	4933
पट्टा देयताएं	**53**	**48**	**101**	75	57	132
कुल	**53**	**4882**	**4935**	75	4990	5065

कंपनी ने नकदी प्रवाह/बहिर्वाह में अस्थायी अंतराल को कम करने के लिए रुक–रुक कर अल्पकालिक उधारी का सहारा लिया। पीसीएफसी ऋण, क्रेता ऋण और वाणिज्यिक पत्र के रूप में अल्पावधि उधार इष्टतम ब्याज दरों पर प्राप्त किए गए थे। सभी क्षेत्रों में महामारी प्रेरित नकदी चुनौतियों के बावजूद, कंपनी शून्य ऋण बनी रही और उसके पास कोई दीर्घकालिक उधार नहीं है।

कंपनी के पास 31 मार्च, 2021 तक ₹1868 करोड़ की सकारात्मक शुद्ध नकदी और बैंक बैलेंस (अल्पावधि उधार को कम करने के बाद) था, जबकि 31 मार्च, 2020 को ₹1485 करोड़ था, चालू वित्तीय वर्ष में 26% की वृद्धि हुई थी।

कंपनी ने हमेशा देय तिथि पर या उससे पहले अपने उधारों का पुनर्भुगतान सुनिश्चित किया है। इस संबंध में किसी विलंब या चूक का एक भी उदाहरण नहीं है।

19. वित्तीय देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को			31 मार्च, 2020 को		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
व्यापार देयताएं	**1881**	**6678**	**8559**	1076	8824	9900
अन्य वित्तीय देयताएं	**217**	**917**	**1134**	159	1426	1585
कुल	**2098**	**7595**	**9693**	1235	10250	11485

परिचालन प्रक्रियाओं और परियोजना निष्पादन को सुचारू करने के हमारे प्रयास में, कंपनी ने सक्रिय रूप से विक्रेताओं / उप–ठेकेदारों के साथ मिलकर कार्य किया और उन्हें समय पर भुगतान जारी किया। उपरोक्त व्यापार देय का एक बड़ा हिस्सा प्रतिधारण धन (संविदात्मक शर्तों के अनुसार देय नहीं) या मुकदमेबाजी/मध्यस्थ निपटान के अंतर्गत मामलों से संबंधित है।

20. प्रावधान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को			31 मार्च, 2020 को		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
संविदात्मक दायित्वों के लिए प्रावधान	**2506**	**1486**	**3992**	2755	1564	4319
कर्मचारी लाभार्थ प्रावधान	**1093**	**827**	**1920**	1170	1121	2291
अन्य प्रावधान	**312**	**832**	**1144**	278	390	668
सीएसआर के लिए प्रावधान	**2**	**19**	**21**	9	7	16
कुल	**3913**	**3164**	**7077**	4212	3082	7294

कर्मचारी लाभ का प्रावधान छुट्टी, चिकित्सा और उपदान लाभों के बीमांकित मूल्यांकन पर आधारित है। अन्य प्रावधानों में वृद्धि मुख्य रूप से घाटे में चल रहे अनुबंधों के प्रावधान के कारण है जो इंड–एएस 37 की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रदान की गई है। ₹21 करोड़ का सीएसआर प्रावधान चल रही परियोजनाओं पर शेष (अव्ययित) राशि का प्रतिनिधित्व करता है और कंपनी की ख्सीएसआर नीति, संशोधन नियम 2021 के अनुसार बैंक खातों को अलग से स्थानांतरित किया गया है।

21. अन्य देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को			31 मार्च, 2020 को		
	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल	गैर वर्तमान	वर्तमान	कुल
ग्राहकों से अग्रिम (मूल्य निर्धारण समायोजन सहित)	**2807**	**4057**	**6864**	2921	3797	6718
वैधानिक देय	**-**	**617**	**617**	-	454	454
सरकारी अनुदान	**25**	**6**	**31**	32	6	38
कुल	**2832**	**4680**	**7512**	2953	4257	7210

जबकि परियोजनाओं के निष्पादन के दौरान ग्राहक से अग्रिमों को उत्तरोत्तर समायोजित किया जाता है, शुद्ध वृद्धि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में अधिक प्राप्ति के कारण है। यह, चालू वित्तीय वर्ष में परिचालन की कम मात्रा और इसके परिणामस्वरूप अग्रिम के कम समायोजन के कारण अग्रिमों में निवल वृद्धि हुई।

सांविधिक बकाया मुख्य रूप से जीएसटी देयता है, जिसे "अन्य परिसंपत्तियों" के अंतर्गत प्रकट किए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट के समायोजन के बाद नियत तिथियों पर निर्वहन किया जाना है (ऊपर बिंदु 15 देखें)। कंपनी अपने सभी जीएसटी और अन्य बकाया समय पर और नियत तिथि से पहले भी निर्वहन कर रही है [मार्च 2021 के महीने के लिए जीएसटी देयता में से, 31 मार्च 2021 को ही 119 करोड़ जमा किए गए हैं]।

ग. निधि की स्थिति

22. निधि प्रवाह की स्थिति और नकदी

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन से उत्पन्न नकदी	**(1870)**	50
कार्यशील पूंजी परिवर्तन के बाद परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह / (बहिर्वाह)	**2623**	(2620)
निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह / (बहिर्वाह)	**562**	(2892)
निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह/(बहिर्वाह)	**(43)**	1877
वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध नकदी अंतर्वाह / (बहिर्वाह)	**(395)**	1622

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2020–21 में ₹2892 करोड़ के घाटे के मुकाबले ₹562 करोड़ का ऑपरेटिंग कैश सरप्लस हासिल किया है। नकदी प्रवाह में बदलाव के लिए मुख्य योगदान कार्यशील पूंजी का प्रभावी प्रबंधन, प्राप्य पर किए गए कड़े प्रयास और सूची प्रबंधन थे। व्यापार प्राप्य पिछले 10 वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर है और इन्वेंट्री पिछले 3 वर्षों में सबसे निचले स्तर पर है। साथ ही, कंपनी ने आपूर्ति श्रृंखलाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए अपने विक्रेताओं/उप–ठेकेदारों को नकदी का समय पर प्रवाह भी सुनिश्चित किया है।

घ. प्रमुख वित्तीय अनुपात

सूचीबद्ध नियमों की आवश्यकता के अनुपालन में, प्रमुख वित्तीय अनुपात यहां प्रदान किए गए हैं। लाभप्रदता अनुपात के अलावा किसी अन्य अनुपात में 25% से अधिक का कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, जिसे नीचे समझाया गया है:

विवरण	2020-21	2019-20
परिचालन लाभ/(हानि) मार्जिन (%)	**(23.01)**	(5.79)
शुद्ध लाभ /(हानि) मार्जिन (%	**(15.70)**	(6.86)
नेट वर्थ पर वापसी	**(9.62)**	(4.82)

परिचालन लाभ मार्जिन और शुद्ध लाभ मार्जिन अनुपात के संबंध में, कम राजस्व (मुख्य रूप से राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन एवं कोविड 19 महामारी के प्रसार के कारण), उच्च सामग्री लागत और अतिरिक्त प्राप्ति आधारित प्रावधान के कारण प्रभावित होते हैं। क्रमिक आपूर्ति और कार्यशील पूंजी के अनुकूलन को बनाए रखने के लिए साइट की प्रगति की स्थिति को देखते हुए, इकाइयों से उत्पादन और आपूर्ति को भी विनियमित किया गया था।

निवल मूल्य पर प्रतिलाभ के संबंध में, मुख्य रूप से प्रभाव लाभ की स्थिति के कारण है जैसा कि उपरोक्त पैरा में बताया गया है। हालांकि, कंपनी ने अपने निवल मूल्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए विशेष रूप से योग्यता आधारित प्रावधान बनाने के लिए कदम उठाए हैं। गुणात्मक निवल मूल्य भी अब कंपनी के बाजार पूंजीकरण के साथ बेहतर ढंग से जुड़ा हुआ है।

इसके अलावा, कड़े बजटीय नियंत्रण उपायों और परिचालन व्यय में कमी के परिणामस्वरूप हानि को भी सीमित किया गया है।

अन्य प्रमुख अनुपात	2020-21	2019-20
देनदार कारोबार (जीएसटी सहित परिचालन से राजस्व के दिनों की संख्या के रूप में प्राप्य व्यापार)	**134**	175
इन्वेंटरी टर्नओवर (दिनों की संख्या)	**161**	159
अभिरुचि परिव्यास अनुपात	लागू नहीं [शून्य ऋण कंपनी]	
ऋण इक्विटी अनुपात		
राजस्व के : के रूप में नकद संग्रहण'	**123%**	120%
चालू वर्ष का परिसमापनः शुद्ध बिलिंग'	**82%**	73%
वर्तमान अनुपात'	**1.39**	1.45

* पिछले 10 वर्षों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

उपरोक्त अन्य प्रमुख अनुपातों के संबंध में, कंपनी ने कार्यशील पूंजी प्रबंधन के सभी क्षेत्रों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। प्राप्य की निगरानी के लिए संरचनात्मक प्रक्रिया को अपनाकर निरंतर समीक्षा के परिणामस्वरूप राजस्व का 123 प्रतिशत नकद संग्रह किया। परियोजना केंद्रित दृष्टिकोण, क्रमिक आपूर्ति और अनुशासित बिलिंग के प्रतिमान द्वारा परियोजनाओं को पूरा करने में तेजी लाने से वित्तीय वर्ष 2020 में 73% के मुकाबले चालू वर्ष की बिलिंग का 82% परिसमापन हुआ जोकि पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है। कुशल प्राप्य प्रबंधन के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2020–21 में नकदी अधिशेष का परिचालन हुआ और पिछले वर्ष की तुलना में व्यापार प्राप्तियों में 38% की कमी आई।

इन्वेंटरी प्रबंधन के क्षेत्र में, वर्ष के दौरान, खरीद प्रक्रिया को और अधिक सुव्यवस्थित करने के लिए, अन्य बातों के साथ–साथ, उपलब्ध इन्वेंट्री के उपयोग के लिए आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को मजबूत करने, साइट की आवश्यकताओं और विनिर्माण लीड समय के साथ खरीदी गई वस्तुओं की डिलीवरी को सिंक्रनाइज़ करने और वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कड़े प्रयास किए गए थे। उपलब्ध वस्तु–सूची का यथासंभव उपयोग, इसके परिणामस्वरूप इन्वेंट्री स्तर में 19% से अधिक की कमी आई है। इस तरह के उपायों ने कुशल कार्यशील पूंजी प्रबंधन में योगदान दिया एवं सामग्री अप्रचलन तथा बर्बादी से बचने में भी मदद की है।

वर्तमान अनुपात 1.39, पिछले दस वर्षों में सबसे कम है जो प्रभावी कार्यशील पूंजी प्रबंधन का भी प्रतिबिंब है।

ङ. निष्पादन क्षेत्र

कंपनी के दो प्रकार के परिचालन क्षेत्र हैं – पावर और उद्योग क्षेत्र। इनके निष्पादन निम्नवत है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21		2019-20	
	पावर	उद्योग	पावर	उद्योग
राजस्व क्षेत्र	**11386**	**4910**	14960	5530
परिणाम क्षेत्र	**(1246)**	**(850)**	804	(206)
पूंजी नियोजन क्षेत्र	**16733**	**3973**	20279	4681
परिणाम क्षेत्रः राजस्व क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में	**(11%)**	**(17%)**	5%	(4%)

कोविड –19 महामारी ने दोनों ही क्षेत्रों को प्रभावित किया है। विद्युत क्षेत्र में इसकी गतिविधियों की प्रकृति के कारण अधिक गंभीर प्रभाव रहा है क्योंकि यह साइट निष्पादन और श्रम उपलब्धता पर अधिक निर्भर हैं। पिछले कुछ वर्षों में, अपनी रणनीतिक नीति के एक हिस्से के रूप में, कंपनी गैर–कोयला व्यवसाय के अपने हिस्से को बढ़ाने पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, जो कि उद्योग क्षेत्र राजस्व के उच्च हिस्से में भी परिलक्षित होता है जो कि पिछले औसत लगभग 20% के की तुलना में वित्तीय वर्ष 2020–21 में 30% था, और वित्तीय वर्ष 2019–20 में 27% था।

दोनों क्षेत्रों में हानि मुख्य रूप से ऊपर बताए अनुसार परिचालन की कम मात्रा और उच्च सामग्री लागत के कारण हैं।

1.5.2 सहायक कंपनियों की वित्तीय समीक्षा

बीएचईएल इलेक्ट्रिकल्स मशीन लिमिटेड

दिनांक 19 जनवरी, 2011 को बीएचईएल की सहायक कंपनी "बीएचईएल इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड" का गठन हुआ। बीएचईएल की इसमें 5.36 करोड़ रुपए के पूंजी निवेश के रूप में 51% का स्वामित्व है । शेष 49% का स्वामित्व केरल सरकार के पास है। बीएचईएल–ईएमएल की संक्षिप्त वित्तीय स्थिति नीचे दी गई है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21*	2019-20*
बीएचईएल की हिस्सेदारी (%)	**51%**	51%
बीएचईएल का पूँजी निवेश	**5.36**	5.36
परिचालन से आय	**0.25**	3.97
कर के पश्चात लाभ /(हानि)	**(5.28)**	(4.78)

* लेखा परीक्षा से पूर्व अनंतिम आँकड़ों पर आधारित

भारी उद्योग मंत्रालय ने 11 मई, 2021 को बीएचईएल को केरल सरकार (जीओके) को बीएचईएल ईएमएल में नियोजित बीएचईएल के 51% शेयर के अंतरण के लिए सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बारे में सूचित किया। बीएचईएल बिक्री के समझौते पर हस्ताक्षर करने और जीओके को हिस्सेदारी हस्तांतरण को पूरा करने के लिए जीओके के साथ प्रयास कर रहा है।

1.5.3 संयुक्त उद्यम कंपनियों की वित्तीय समीक्षा

क. बीएचईएल जीई गैस टरबाइन प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस):

बीएचईएल–जीई गैस टरबाइन प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस) बीएचईएल और अमेरिका की जीई कंपनी का एक संयुक्त उद्यम है। इसे जीई द्वारा डिजाइन किए गए गैस टरबाइन के रिपेयर और सर्विसिंग के लिए स्थापित किया गया था। संक्षिप्त वित्तीय विवरण नीचे सारणीबद्ध किया गया है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2019-20
बीएचईएल की हिस्सेदारी (%)	**50% से कम का एक शेयर**	50% से कम का एक शेयर
बीएचईएल का पूँजी निवेश	**2.38**	2.38
परिचालन से आय	**791.76**	685.84
कर के पश्चात लाभ /(हानि)	**88.29**	58.14
कुल मूल्य	**362.99**	317.40

वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए, बीजीजीटीएस ने ₹ 4.76 करोड़ की इक्विटी शेयर पूंजी पर 1100% (700% का अंतरिम लाभांश और 400% का अंतिम लाभांश) का उच्चतम लाभांश का भुगतान किया।

ख. एनटीपीसी बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल):

एनटीपीसी बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (एनबीपीपीएल) बीएचईल और एनटीपीसी लिमिटेड का एक संयुक्त उद्यम है, जिसका उद्देश्य पॉवर संयंत्रों के ईपीसी संविदाओं का निष्पादन करना तथा पॉवर सयंत्र उपकरणों का विनिर्माण को प्रोत्साहन देना है। संयुक्त उद्यम की आंध्र प्रदेश के मन्नावरम में बेलेंस ऑफ प्लांट उपकरणों की विनिर्माण इकाई है। संक्षिप्त वित्तीय विवरण नीचे सारणीबद्ध किया गया है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21*	2019-20
बीएचईएल की हिस्सेदारी (%)	**50%**	50%
बीएचईएल का पूँजी निवेश	**50.00**	50.00
परिचालन से राजस्व	**49.17**	75.65
वर्ष के दौरान लाभ/(हानि)	**(24.51)**	(51.34)

* लेखा परीक्षा से पूर्व अनंतिम आँकड़ों पर आधारित

निदेशक मंडल द्वारा 8 फरवरी, 2018 को हुई बैठक में एनबीपीपीएल को बंद करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने पत्र दिनांक 23.08.2019 के माध्यम से एनटीपीसी लिमिटेड को खरीदने पर विचार करने की सलाह दी है। बीएचईएल की हिस्सेदारी और उसके बाद या तो इसे इन–हाउस ईपीसी शाखा के रूप में जारी रखने या वर्तमान कार्य पूरा होने के बाद इसे बंद करने का निर्णय लेंगे।

ग. रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल):

रायचूर पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल) बीएचईएल, कर्नाटक पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड (केपीसीएल) और आइएफसीआई लिमिटेड की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है, जिसका उद्देश्य कर्नाटक के येरामरस, रायचूर में 2x800 मेगावाट सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर सयंत्र एवं एडलापुर, रायचूर में 1x800 मेगावाट सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर सयंत्र के निर्माण, स्वामित्व एवं परिचालन के आधार पर स्थापित की गई है। 31 मार्च, 2020 तक प्रदत्त इक्विटी पूंजी ₹2373.76 करोड़ थी, जिसमें केपीसीएल का 1709.72 करोड़ रुपए और बीएचईएल का 664.04 करोड़ रुपए का योगदान था।

कंपनी का वित्तीय विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21*	2019-20
बीएचईएल की हिस्सेदारी (%)	**27.97%**	27.97%
बीएचईएल का पूँजी निवेश	**664.04**	664.04
परिचालन से राजस्व	**2224.22**	256.32
वर्ष के दौरान लाभ/(हानि)	**(543.44)**	(2084.95)

* लेखा परीक्षा से पूर्व अनंतिम आँकड़ों पर आधारित

वित्तीय वर्ष 2020–21 में, बेहतर संयंत्र परिचालन के परिणामस्वरूप, कंपनी उच्च स्तर का राजस्व उत्पन्न कर सकती है जिससे कंपनी को अपने घाटे को लगभग 74% कम करने में मदद मिलेगी। उम्मीद है कि आने वाले समय में कंपनी अपने प्रदर्शन में और अधिक सुधार करेगी।

घ. दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल):

दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल) बीएचईएल और मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) की एक संयुक्त उद्यम कंपनी थी, जिसे निर्माण, स्वामित्व और परिचालन के आधार पर खंडवा, मध्य प्रदेश में 2x800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की स्थापना के लिए स्थापित किया गया था।

कोयला लिंकेज की अनुपलब्धता और भूमि अधिग्रहण में आने वाली समस्याओं के कारण, दोनों प्रमोटरों ने जेवीसी के स्वैच्छिक समापन के लिए

मंजूरी दे दी। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के आदेश दिनांक 02.11.2020 के अनुसार, डीडीकेपीएल आदेश की तिथि से भंग हो गया है। 22.50 करोड़ के निवेश के मुकाबले, कंपनी इस संयुक्त उद्यम के विघटन पर ₹17.57 करोड़ की वसूली कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप 4.93 करोड़ का शुद्ध घाटा हुआ (पहले के वर्षों में प्रदान किया गया)।

ङ.. पॉवर प्लांट परफोरमेंस इम्प्रूवमेंट प्राइवेट लिमिटेड (पीपीआईएल)

पावर प्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट प्राइवेट लिमिटेड (पीपीआईएल) बीएचईएल और सीमेंस एजी, जर्मनी की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है जिसे पुराने जीवाश्म ईंधन विद्युत संयंत्रों के प्रदर्शन में सुधार के लिए बढ़ावा दिया गया है।

चूंकि कंपनी की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त व्यवसाय नहीं हो रहा था, इसलिए प्रमोटर पार्टनर्स कंपनी को धीरे–धीरे बंद करने के लिए परस्पर सहमत हुए। जेवीसी के सभी लंबित अनुबंधों को बंद कर दिया गया था और वित्तीय वर्ष 2018–19 के दौरान समापन की प्रक्रिया शुरू की गई थी। जेवीसी का परिसमापन चल रहा है।

पीपीआईएल में निवेश ₹2 करोड़ है जिसके लिए पूरी तरह से प्रावधान किया गया है।

1.5.4 समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस)

समेकित वित्तीय विवरण, इंड एएस –110 "समेकित वित्तीय विवरण" एवं इंड एएस– 28 "सहयोगी और संयुक्त उद्यमों में निवेश" के अनुसार तैयार किया गया है।

सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों इंट्रा ग्रुप बैलेंस और इंट्रा–ग्रुप ट्रांजैक्शन को संयुक्त रूप से पंक्ति दर पंक्ति अंतरसमूह शेष व अंतरसमूह लेनदेन को पूर्ण रूप से समाप्त करते हुए तैयार किया गया है तथा संयुक्त उद्यमों के लिए इंड एएस के अनुसार इक्विटी विधि अपनाई गई है। सीएफएस के लिए मैसर्स पीपीपीआईएल पर विचार नहीं किया गया क्योंकि यह परिसमापन के अधीन है। डीडीकेपीएल परिसमापन के अधीन था और अंततः वर्ष के दौरान भंग कर दिया गया था।

वित्तीय निष्पादन के परिणाम का संक्षिप्त विवरण उक्त लिखित इंड एएस के अनुसार निम्नलिखित है:

वित्तीय निष्पादन

(₹ करोड़ में)

विवरण	वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर	
	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
परिचालन से राजस्व	**17309**	21463
कर पूर्व लाभ/(हानि)	**(3596)**	(659)
कर पश्चात लाभ /(हानि)	**(2700)**	(1468)
अन्य व्यापक आय/(हानि)	**20**	(274)
कुल व्यापक आय / (हानि)	**(2680)**	(1742)

वित्तीय वर्ष 2020–21 में संयुक्त उद्यमों के संबंध में लाभ का हिस्सा ₹44.14 करोड़ था, जबकि वित्तीय वर्ष 2019–20 में ₹25.72 करोड़ का लाभ हुआ था। संयुक्त उद्यम कंपनियों (एनबीपीपीएल और आरपीसीएल) को 2020–21 में घाटा हुआ है और समूह ने वित्तीय वर्ष 2018–19 के समेकित वित्तीय विवरणों में इन दो संयुक्त उपक्रमों में निवेश की लागत के बराबर संचित नुकसान को पहले ही मान्य किया है।

वित्तीय स्थिति

(₹ करोड़ में)

विवरण	वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
परिसंपतियाँ		
संपत्ति, संयत्र एवं उपकरण, अमूर्त परिसंपतियॉ एवं सीडब्ल्यूआइपी (कुल मूल्य)	**2911**	3131
इक्विटी विधि से गणना किया गया निवेश	**182**	159
गैर–वर्तमान वित्तीय परिसंपतियाँ	**3281**	4620
आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध)	**3671**	2766
गैर–वर्तमान अन्य संपत्ति	**16852**	16362
वर्तमान संपत्ति	**28343**	32711
कुल	**55240**	59749
इक्विटी और देयता		
इक्विटी शेयर पूँजी	**696**	696
अन्य इक्विटी	**25287**	27964
गैर– नियंत्रित ब्याज	**(12)**	(9)
गैर–वर्तमान देनदारी	**8909**	8489
वर्तमान देनदारी	**20360**	22609
कुल	**55240**	59749

1.6 पूंजी निवेश

बीएचईएल परमाणु, रक्षा और एयरोस्पेस के रणनीतिक क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, इसके अलावा वर्तमान में चल रहे व्यवसायों अवरोधों को दूर करने में लगा है। कंपनी ने परमाणु अनुप्रयोग, ट्रांसफॉर्मर, उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण, तेल और गैस क्षेत्र के वाल्व आदि में स्टीम जेनरेटर और हीट एक्सचेंजर्स के लिए विनिर्माण क्षमताओं को उन्नत बनाने हेतु पूंजीगत व्यय किया है।

इसके अलावा हमारी कंपनी ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण उपकरणों के निर्माण के साथ–साथ रक्षा क्षेत्र के लिए मौजूदा सुविधाओं के विस्तार के लिए ठोस कार्य–योजना बनाई है।

1.7 गुणता निष्पादन

बीएचईएल ने 1970 के दशक के शुरुआत में तत्कालीन प्रचलित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और गुणता प्रक्रियाओं और प्रणालियों को अपनाने के साथ भारत में गुणता प्रबंधन प्रणालियों के विकास का बीड़ा उठाया है। तब से कंपनी ने अपने उत्पादों, सेवाओं और आंतरिक प्रणालियों की गुणता में निरंतर सुधार की दिशा में कार्य किया है और गुणता की दिशा में सबसे आगे रहा है, तथा भारत में गुणता चक्रों की शुरुआत करने के लिए जाना जाता है। गुणता प्रबंधन प्रभावशीलता समीक्षा (क्यूएमईआर–बीएचईएल का कॉपीराइट) सम्पूर्ण गुणता परिकल्पना मॉडल एवं कुछ अन्य प्रकार की प्रमुख पहलों को अपनाया है।

गुणता आवश्यकताओं की वर्तमान मांग के स्वरूप में कंपनी को भविष्य के लिए तैयार वैश्विक इंजीनियरिंग संगठन में बदलने के अपने प्रयासों के रूप में बीएचईएल ने वित्तीय वर्ष 2019–20 में सम्पूर्ण बीएचईएल में "गुणता सर्वप्रथम" की पहल को शुरू किया, ताकि–अत्याधुनिक प्रक्रियाएं, गुणता को कंपनी के उत्पादों और सेवाओं की पहचान बनाने के लिए

स्थापित किया जा सके। इस पहल की सफलता के लिए कंपनी को वर्ष 2020 के लिए "गोल्डन पीकॉक राष्ट्रीय गुणता पुरस्कार" प्रदान किया और कंपनी की एचईईपी हरिद्वार इकाई को 14 वर्षों के बाद सीआईआई ईएक्सईएम बैंक अवार्ड की प्लेटिनम श्रेणी में" बिजनेस एक्सीलेंस 2020" के लिए चुना गया।

'गुणता सर्वप्रथम' चार उद्देश्यों पर केंद्रित है– कर्मचारियों को सशक्त, शिक्षित, कार्य के प्रति समर्पित और प्रोत्साहित करना एवं कंपनी के अंदर आधुनिक गुणतापूर्ण मानसिकता को और अधिक मजबूत करने के लिए नवीनतम गुणता प्रक्रियाओं और प्रणालियों को स्थापित करना। विनिर्माण इकाइयों, इंजीनियरिंग केंद्रों और विद्युत क्षेत्र के परियोजना स्थलों में मौजूदा गुणता प्रणालियों को मजबूत करने के लिए, नियमित समयावधि पर गुणता ऑडिट, **गुणता प्रबंधन प्रभावशीलता समीक्षा (गुणता 360 मॉडल के अनुसार), सम्पूर्ण गुणता प्रबंधन (टीक्यूएम)** आंतरिक मूल्यांकन वर्ष 2020–21 के दौरान किया गया, 23 बीएचईएल प्रभागों में ईएफक्यूएम 2020 मॉडल के अनुसार गुणता 360 समीक्षा एवं टीक्यूएम मूल्यांकन किया गया।

एकीकृत गुणता स्वास्थ्य सूचकांक (क्यूएचआई) गुणता प्रबंधन प्रणाली को सम्पूर्ण कंपनी में गुणता स्वास्थ्य सूचकांक और सम्पूर्ण व्यावसायिक उत्कृष्टता पर विचार करते हुए पूरे संगठन के 23 प्रभागों में एकीकृत गुणता स्वास्थ्य सूचकांक (क्यूएचआई) को लागू किया गया। क्यूएचआई स्कोर 2020–21 के अनुसार एचपीईपी हैदराबाद, एचईईपी हरिद्वार और एचपीबीपी तिरुच्चि शीर्ष तीन इकाइयों में शामिल हैं जो 10% से अधिक (वर्ष–दर–वर्ष) के संगठन में समग्र वृद्धि दर है।

बीएचईएल वर्ष 1981 में गुणता चक्र (क्यूसी) की अवधारणा को प्रस्तुत करने वाला भारत का पहला संगठन था, जिसे देश भर के कामगारों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा चलाया जा रहा है। पिछले कुछ दशकों में इस **गुणता चक्रों** की संख्या बीएचईएल में 1152 तक पहुँच चुकी है। हर साल बीएचईएल में एक अंतर–इकाई वार्षिक गुणता सम्मेलन आयोजित किया जाता है जहां गुणता चक्र अपने–अपने मामले अध्ययन का प्रदर्शन करते हैं। इस तरह के 30वें गुणता चक्र का आयोजन संयुक्त रूप से एचपीईपी–हैदराबाद और कॉर्पोरेट गुणता एवं बिजनेस एक्सीलेंस–नई दिल्ली द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 5–9 अक्टूबर, 2020 के दौरान किया गया। जिसमें 14 विनिर्माण इकाइयों की कुल 48 गुणता चक्र की टीमों ने विभिन्न श्रेणियों जैसे विनिर्माण, सहयोग सेवाएँ, नए चक्र एवं 5S के अंतर्गत इस आयोजन में भाग लिया।

गुणता रोडमैप के अनुपालन के स्तर पर, इकाई की नई पहलों और किसी भी विशिष्ट मुद्दे के लिए जिसे अन्य लोगों के समर्थन/ हस्तक्षेप की आवश्यकता है, के अनुपालन के स्तर का आकलन करने के लिए एमयू, क्षेत्रों और इंजीनियरिंग केंद्रों के सभी गुणता प्रमुखों के साथ गुणता **'क्यूनवर्स'** विचार–विमर्श / संगोष्ठी पर बातचीत शुरू की गई है। ताकि भविष्य की प्रमुख चिंताओं को दूर करने के लिए आवश्यक कार्रवाई अग्रिम रूप से शुरू की जा सके। अन्य बीएचईएल इकाइयों में अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम और अनूठी प्रणालियों को अपनाने के लिए इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच प्रदान किया जाता है।

कॉर्पोरेट गुणता और व्यावसायिक उत्कृष्टता समूह द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रमुख रूप से ध्यान दिया जाता है जिससे गुणता के क्षेत्र में कर्मचारियों की क्षमता के विकास के लिए इकाइयों के मानव संसाधन विकास (एचआरडी)

एचईईपी, हरिद्वार में स्टीम टर्बाइन रोटर शाफ्ट का निरीक्षण

नवंबर 2020 में बीएचईएल में गुणवत्ता माह 2020 मनाया गया

केंद्रों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण के अलावा बीएचईएल के विभिन्न केंद्रों पर **गुणता प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किए जाते हैं।

कोविड महामारी की स्थिति में निरीक्षण को पूर्ण करने के लिए, बीएचईएल विनिर्माण इकाइयों में रिमोट निरीक्षण करने के लिए दिशानिर्देश भी तैयार किए गए।

गुणता माह (नवंबर 20) के दौरान, 12 विशेष गुणता सुधार परियोजनाएं (क्यूआईपीएस) शुरू की गईं जिनमें 'कोनवर्स' पहल (बातचीत का सर्वोत्तम स्तर) से उभरी सर्वोत्तम प्रथाओं की पहचान करना और उनको अपनाना शामिल है; महत्वपूर्ण मशीनों की प्रक्रिया क्षमता वृद्धि; गुणता महत्वपूर्ण संकेतकों के लिए डैशबोर्ड लॉन्च करना – QUAVID; बॉयलर ट्यूब रिसाव की रोकथाम के लिए दिशानिर्देश; PAUT की तुलना में आरटी, गुणता, ट्रांसफॉर्मर के मापन (क्यूटीएम), आदि के लिए इसे संगठन में लागू किया गया है।

कंपनी की गुणता क्षमता को और अधिक बढ़ाने के लिए डिजिटलाइजेशन की शक्ति का भी लाभ लिया जा रहा है। इसे साइट पर फील्ड गुणता योजनाओं और प्रोटोकॉल/ लॉग–शीट के प्रबंधन के लिए ऑनलाइन प्रणाली शुरू की है जिसे छह परियोजना स्थलों पर लागू किया गया है। कंपनी के साथ–साथ इकाई स्तर पर गुणता महत्वपूर्ण संकेतांक (प्रक्रिया स्तर और सिस्टम स्तर) की स्थिति की वास्तविक समय निगरानी के माध्यम से संगठन के गुणता स्वास्थ्य की सूचकनांक प्राप्त करने के उद्देश्य से गुणता महत्वपूर्ण संकेतक (QUAVID) डैशबोर्ड विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त, निरंतर प्रणालीगत सुधार सुनिश्चित करने, बॉयलर ट्यूब रिसाव (बीटीएल) की जानकारी को प्राप्त करने और वेल्ड कमी विवरण को शामिल करने के लिए वेल्डिंग प्रदर्शन निगरानी प्रणाली (डब्ल्यूपीएमएस) को डिजिटल रूप से उन्नत किया गया है।

1.8 आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली

बीएचईएल का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (आईएफसी) अच्छी तरह से प्रलेखित नीतियों और प्रक्रियाओं के रूप में बनाया किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह अपने व्यवसाय के क्रमबद्ध और कुशल आचरण को सुनिश्चित करने, कंपनी की नीतियों का पालन, परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पहचान, सटीकता और पूर्णता का पता लगाने लेखांकन के रिकॉर्ड, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के कार्यान्वयन और रखरखाव के स्रोत नियम पुस्तकें, दिशा निदेश, शक्तियों का प्रत्यायोजन, आईटी प्रणाली और नियंत्रण हैं और ये अच्छी तरह से परिभाषित संगठनात्मक संरचना अर्थात प्रक्रियाओं के प्रत्येक चरण में विभिन्न स्तरों पर कंपनी के विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों के माध्यम से प्रभावित होते है।

बीएचईएल के पास इन–हाउस आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग है जो अपने ही प्रकार के व्यवसाय के परिचालन अनुरूप है। कॉर्पोरेट आंतरिक लेखा परीक्षा के अलावा, बीएचईएल के सभी स्थानों पर आंतरिक लेखा परीक्षा गतिविधियों को पूरा करने के लिए कंपनी में 12 आंतरिक लेखा परीक्षा कक्ष स्थापित किए गए हैं। आईएफसी की पर्याप्तता और प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए, आंतरिक ऑडिट जोखिम वाले क्षेत्रों के निरंतर ऑडिट और संबंधित स्थानों पर प्रक्रियाओं और प्रणालियों के कामकाज का महत्वपूर्ण मूल्यांकन करता है। आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की रिपोर्ट के आधार पर, प्रक्रिया को करने वाले व्यक्ति अपने संबंधित क्षेत्रों में सुधारात्मक कार्रवाई करते हैं और ऐसा कर वे नियंत्रण प्रदान करते हैं।

लेखा परीक्षा के कार्य निदेशक मंडल स्तर की ऑडिट कमेटी (बीएलएसी) द्वारा अनुमोदित वार्षिक ऑडिट कार्यक्रम के अनुसार किए जाते हैं। आंतरिक लेखा परीक्षा गतिविधियों के मुख्य बिंदु विभिन्न मंचों पर वरिष्ठ अधिकारियों को प्रस्तुत किए जाते हैं और इसे इकाइयों और क्षेत्रों के साथ साझा किया जाता है। बीएलएएसी प्रमुख आंतरिक ऑडिट टिप्पणियों और सीएजी ऑडिट निष्कर्षों की भी समीक्षा करता है और कंपनी के बदलते वातावरण को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रहा है। इसके साथ ही, आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और प्रभावशीलता पर चर्चा करने के लिए लेखा परीक्षा समिति के पास लगातार अंतराल पर सांविधिक लेखा परीक्षकों और प्रबंधन के साथ स्वतंत्र सत्र आयोजित किए जाते हैं।

बीएचईएल में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का मूल्यांकन आंतरिक परीक्षण द्वारा सभी स्थानों पर वर्ष के दौरान नियंत्रण के परीक्षण द्वारा किया गया है, और परीक्षण किए गए नियंत्रण को कंपनी के भीतर प्रभावी ढंग से संचालित किया गया है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप–धारा 3 के खंड (i) के अनुसार कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का कुछ अंश **अनुलग्नक–IX** में शामिल किया जा रहा है।

1.9 मानव संसाधन

एक इंजीनियरिंग संगठन के लिए सबसे बड़ी संपत्ति 'कर्मचारी' हैं। आपके संगठन ने समर्पित और प्रेरित कार्यबल विकसित करने के लिए कई पहल शुरू की हैं। कंपनी की पुरस्कार प्रणाली से व्यक्तिगत और कंपनी के निष्पादन के साथ निकटता से जोड़ने पर ध्यान देने के लिए कंपनी के कार्य–निष्पादन प्रबंधन प्रणाली को नया रूप दिया गया है। अन्य पहलों में इस बदलते व्यापार परिवेश में कार्यबल के प्रशिक्षण/पुनः प्रशिक्षण के माध्यम से जनशक्ति विकास पर ध्यान केंद्रित करना, कार्यबल का निरंतर प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए ई–मॉड्यूल का विकास, नेतृत्व विकास, आंतरिक संचार को मजबूत करना, कर्मचारी केंद्रित नीतियों को सरल बनाना आदि शामिल हैं।

सभी कर्मचारियों और उनके परिजनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोविड–19 महामारी के दौरान कंपनी में मानव संसाधन विभाग द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। महामारी से संबंधित स्थिति से निपटने के लिए कई पहल की गईं और सभी संबंधित कर्मचारियों को पर्याप्त सहायता और चिकित्सा सहायता प्रदान की गई।

इन सभी पहलों के परिणामस्वरूप बीएचईएल को "वर्ल्ड एचआरडी कांग्रेस" के सर्वेक्षण में 'टाइम्स एसेंट ड्रीम कंपनीज टू वर्क फॉर' में 7वां स्थान मिला, और इंजीनियरिंग क्षेत्र में एचआर अभ्यास में उत्कृष्टता के लिए 'एपेक्स इंडिया एचआर एक्सीलेंस अवार्ड–2020' के अंतर्गत प्लेटिनम पुरस्कार जीता।

1.9.1 ज्ञानार्जन एवं विकास

वर्ष 2020–21 के दौरान कोविड–19 महामारी द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए, एल एंड डी विभाग ने अपने प्रशिक्षण प्रक्रियाओं में तेजी से बदलाव किया है और कर्मचारियों को निरंतर प्रशिक्षित करने

के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण पद्धति को अपनाया है। संगठन के रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रशिक्षण की आवश्यकता की पहचान प्रक्रिया में सुधार करके प्रशिक्षण को व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है जैसे परियोजना निष्पादन में सुधार, गुणवत्ता को प्रमुखता देना, मुख्य व्यवसाय को बनाएं रखना, डिजिटल रुप से सक्षमता, लागत अनुकूलन, नकदी प्रबंधन, नए विकास क्षेत्र एवं कर्मचारी पर ध्यान देना। इसके साथ ही, कंपनी के अंदर पारस्परिक संचार को बेहतर बनाने के लिए, 3सी (कनेक्ट, कोलाबोरेट एवं क्रिएट) पहल को संगठन की यात्रा और वर्तमान चुनौतियों के बारे में साझा करने, कर्मचारियों से सुझाव लेने और एक मजबूत बीएचईएल के विकास में और अधिक प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।

ज्ञानार्जन को अधिक प्रभावी और ज्ञान समृद्ध बनाने के लिए, ऊर्जा भंडारण प्रणाली, स्टीम टर्बाइन, संरचनाओं की स्थिरता, टर्बो जनरेटर, कारखाना अधिनियम, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी), मध्यस्थता और सुलह, कोचिंग, भावनात्मक जैसे विषयों पर आंतरिक रूप से विकसित ई–मॉड्यूल उन्नयन (बीएचईएल की ज्ञानार्जन प्रबंधन प्रणाली) पर सूचना जारी किए गए और 7000 से अधिक कर्मचारियों ने इन मापदंडों को पूरा किया है। 835 कर्मचारियों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, बिग डेटा, मशीन लर्निंग आदि डोमेन में ग्रेट लर्निंग एकेडमी द्वारा पेश किए गए ई–लर्निंग पाठ्यक्रमों में भाग लिया है।

मासिक आधार पर सभी संबंधित आंतरिक हितधारकों के साथ कार्य स्थल अनुभवों को ग्रहण एवं प्रसारित करने के लिए एक विशेष पहल शुरू की गई है। अपने स्वयं के अनुभवों से सीखना वास्तव में स्पष्ट और निहित ज्ञान को प्रगाढ़ करता है, जो बेहतर परियोजना निष्पादन में प्रत्यक्ष सहयोग करता है।

उच्च प्रदर्शन करने वालों के विकास में तेजी लाने एवं भविष्य में चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उन्हें तैयार करने के लिए ट्रैल्बलैजर (TRAILBLAZER) कार्यक्रम शुरू किया गया है। यह कार्यक्रम मेंटरिंग कन्वर्सेशन पोस्ट प्रोग्राम भी प्रदान करता है, ताकि वे अपने कार्य में उत्कृष्ट बने रहें। चिन्हित किए गए 550 कार्यपालकों में से 104 कार्यपालकों को पहले ही प्रशिक्षित किया जा चुका है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमडीई) के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अनुसार, राष्ट्रीय शिक्षुता प्रोत्साहन योजना (एनएपीएस) और राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एनएटीएस) के अंतर्गत क्रमशः 846 और 116 अप्रेंटिसों को वर्ष 2020–21 में प्रशिक्षित किया गया।

कर्मचारियों को महामारी से निपटने और उनका मनोबल ऊंचा रखने के लिए प्रतिष्ठित व्यवसायों द्वारा स्वास्थ्य प्रबंधन और व्याख्यान श्रृंखला पर व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इकाइयों के मानव संसाधन विकास केंद्रों द्वारा ओएनजीसी, आईओसीएल, गेल जैसे अन्य सम्मानित ग्राहकों के लिए आभासी (वर्चूअल) कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सितंबर 2020 में बीएचईएल में लर्निंग वीक मनाया गया।

पाँचवें बीएचईएल ज्ञानार्जन सप्ताह (बीएलडब्ल्यू) – 2020 का आयोजन 05–11 सितंबर 2020 को "आपदा में अवसर खोजना" विषय पर आयोजित किया गया।

इन सभी सामूहिक प्रयासों से वर्ष 2020–21 के दौरान बीएचईएल में प्रति कर्मचारी 4.54 प्रशिक्षण मानव दिवस (टीएमडी) प्राप्त करने में मदद मिली, जबकि विगत वर्ष यह 3.70 टीएमडी था।

1.9.2 प्रदर्शन प्रबंधन एवं करियर विकास

प्रदर्शन प्रबंधनः कंपनी के साथ–साथ इकाई एवं उसके साथ कर्मचारी के व्यक्तिगत प्रदर्शन और पुरस्कारों को जोड़ने के लिए प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली को व्यापक रूप से नया रूप दिया गया है। सभी स्तरों पर नेतृत्व विकसित करने के लिए प्रमुख प्रबंधन संस्थानों के सहयोग से उत्तराधिकार नीति और विशेष कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। 360 फीडबैक से मेंटर–मेंटी प्रोग्राम को मजबूत किया गया है ताकि संगठन की जरूरतों/ लोकाचार के साथ तकनीकी और व्यवहारिक कौशल विकसित किया जा सके। उद्योग जगत में सबसे कम आकर्षक मुल्य वाले संगठन का लाभ स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

लोक क्षमता परिपक्वता मॉडल (पीसीएमएम)ः कंपनी ने पीसीएमएम स्तर 3 की प्राप्ति के लिए एक रूपरेखा तैयार की है, और कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित समय–सीमा के भीतर वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों को पूरा किया गया। बाहरी सलाहकार के माध्यम से पीसीएमएम स्तर 3 में प्रशिक्षित क्षेत्रवार टास्क फोर्स का गठन किया गया जो पूर्व परिभाषित प्रक्रिया परिभाषाओं के विरुद्ध आंतरिक मूल्यांकन करने के लिए किया गया था। इसके बाद सभी सात प्रक्रिया क्षेत्रों की कमियों को दूर करने के लिए आंतरिक विश्लेषण और कार्य योजना बनाई गई।

पीईएसीईः बीएचईएल के कर्मचारियों की सहायता के लिए पीईएसीई पहल (परामर्श अनुभव के माध्यम से सकारात्मक, भावनात्मक मार्गदर्शन) वर्ष के दौरान हमारे कर्मचारियों को कार्यस्थल, परिवार और समाज में बड़े पैमाने पर उनकी कल्याण, प्रदर्शन और व्यवहार को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर सहायता और सलाह लेने की सुविधा के लिए शुरू की गई थी जिसके अंतर्गत गोपनीय परामर्श सेवाएं प्रदान करना भी शामिल था। महामारी के दौरान कर्मचारियों और उनके आश्रित परिजनों को महामारी और अनलॉक 2.0 के शुरू होने की अनिश्चितता के कारण किसी भी चिंता या तनाव से निपटने में सक्षम बनाने के लिए यह सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

ऑनलाइन विकास केंद्रः वांछित नेतृत्व / व्यवहारिक दक्षताओं के विकास के लिए, कर्मचारियों को ऑनलाइन विकास केंद्र में अभ्यास हेतु भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जहां उन्हें बीएचईएल के सरंचनात्मक ढांचे के आधार पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के अभ्यासों की एक श्रृंखला से अवगत कराया गया था। इसके बाद व्यक्ति की पसंदनुसार सीखने की शैली के आधार पर, व्यक्तिगत विकास योजनाओं के माध्यम से सक्षम क्षेत्रों और विकास के सुझाए गए क्षेत्रों पर प्रकाश डालने वाली व्यापक प्रतिक्रिया रिपोर्ट भी तैयार की गई। इस अभ्यास श्रृंखला के दौरान लगभग 950 अपर महाप्रबंधक/ महप्रबंधक स्तर के कार्यपालकों को शामिल किया गया।

केंद्रीकृत सक्षमता मूल्यांकन प्रणालीः वर्ष 2020–21 के दौरान, एसएपी एचआर मॉड्यूल में "जॉब विवरण विश्लेषण प्रणाली" (जेडीएएस) में 1800 से अधिक प्रमुख क्षेत्रों के विवरण और योग्यता प्रोफाइल बनाए गई और उन्हे अपडेट किया गया, जो कंपनी की दीर्घकालिक योजना में सहायक होगा।

मानव संसाधन प्रक्रियाओं जैसे कैरियर विकास, उत्ताराधिकार आयोजना, प्रशिक्षण और विकास आदि में उच्च स्तर के संगठन में परिपक्व होने के साथ, कंपनी में प्रमुख पदों की भूमिकाओं/ दक्षताओं को न केवल युक्तिसंगत बनाना बल्कि बेहतर निर्णय हेतु केंद्रीय पूल के रूप में एक ऑनलाइन डेटाबेस भी होना अनिवार्य हो जाता है। इस उद्देश्य के लिए प्रमुख पदों के धारकों की दक्षताओं के मूल्यांकन के लिए 2020–21 में एसएपी–एचआर

मॉड्यूल में 'केंद्रीकृत योग्यता मूल्यांकन प्रणाली' (सीसीएएस) नामक एक नई प्रणाली विकसित की गई।

कंपनी अधिनियम की धारा 134 (3) (पी) के अंतर्गत प्रकटीकरण

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134 (3) (पी) के अनुसार, एक सूचीबद्ध कंपनी की निदेशक मंडल रिपोर्ट में निदेशक मंडल, व्यक्तिगत निदेशकों आदि के औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन की विधि को दर्शाने वाला विवरण शामिल होगा। दिनांक 5 जून, 2015 को कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों से सरकारी कंपनियों की छूट को अधिसूचित किया गया, जो अन्य बातों के साथ धारा 134 (3) (पी), औपचारिक वार्षिक मूल्यांकन विवरणिका के संबंध में सरकारी कंपनियों पर लागू नहीं होगी यदि निदेशक मंत्रालय द्वारा मूल्यांकन किया जाता है जो प्रशासनिक रूप से प्रभारी है। इसके अतिरिक्त, उपर्युक्त छूट के अनुरूप, नियुक्ति, प्रदर्शन मूल्यांकन और पारिश्रमिक के संबंध में धारा 178 की उप–धारा (2), (3) और (4) सरकारी कंपनियों के निदेशकों पर लागू नहीं होगी।

सीपीएसई में, कंपनी और भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित एमओयू उन मापदंडों और पहलुओं का विवरण देता है जो कंपनी को उस वित्तीय वर्ष के दौरान शुरू करने के लिए आवश्यक हैं। वर्ष के अंत में इस एमओयू का सरकार द्वारा मूल्यांकन किया जाता है एवं निर्धारित मानदंडों के आधार पर बीएचईएल को निष्पादन रेटिंग दी जाती है। इसके अलावा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और निदेशकों के कार्य–निष्पादन के मूल्यांकन के लिए एक अच्छी निर्धारित प्रक्रिया है। सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) ने एक प्रारूप तैयार किया है और कार्यकारी निदेशक के कार्य–निष्पादन के मूल्यांकन के लिए एक प्रक्रिया निर्धारित की है। कार्यकारी निदेशकों का कार्यकाल, जैसा कि उनकी नियुक्ति के नियमों और शर्तों में बताया गया है, पांच वर्ष या उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि, जो भी पहले हो, है।

निदेशक मंडल स्तर की समितियों के विचारार्थ विषय निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित होते हैं। निदेशक मंडल स्तर की समितियों के कार्यवृत्त को निदेशक मंडल के अवलोकनार्थ उसके समक्ष रखा जाता है।

स्वतंत्र निदेशकों के संबंध में, उनकी नियुक्ति और कार्यकाल (आमतौर पर तीन साल की अवधि) भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है। डीपीई, बीएचईएल के प्रशासनिक मंत्रालय (एमएचआई) के माध्यम से कंपनी के निदेशक मंडल में गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशकों के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन/ आकलन का कार्य कर रहा है।

1.9.3 औद्योगिक संबंध

हमारी औद्योगिक संबंध यात्रा का मूल मंत्र 'सभी की प्रतिभागिता से सबका विकास' के माध्यम से बीएचईएल के सभी वर्गों के कर्मचारियों के साथ खुला एवं निरंतर संचार नीति को सुनिश्चित किया गया। विभिन्न कर्मचारी समूहों के साथ निकट सहभागिता में प्रबंधन द्वारा भागीदारी संस्कृति को दिया गया प्रोत्साहन संगठन के भीतर एक अनुकूल सामंजस्यपूर्ण औद्योगिक संबंध वातावरण को बनाए रखने और बनाने में सहायक रहा है।

वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान कंपनी की विभिन्न विनिर्माण इकाइयों, प्रभागों और कार्यालयों में औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण रहा। कंपनी में प्रचलित इको सिस्टम के परिणामस्वरूप, कंपनी की नीतियों के खिलाफ हड़ताल के कारण वर्ष के दौरान 'शून्य मानव–दिवस हानि रही, जो संगठन के लक्ष्यों की दिशा में संयुक्त रूप से काम करने के लिए प्रबंधन और कर्मचारी समूहों द्वारा किए गए संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

वर्ष के दौरान शीर्ष स्तरीय द्विदलीय मंच, अर्थात् "संयुक्त समिति" की एक बैठक आयोजित की गई। विभिन्न विनिर्माण इकाइयों में प्लांट काउंसिल की 26 और शॉप काउंसिल की 213 बैठकें हुई। इसके अतिरिक्त, व्यावसायिक संभावनाओं और चुनौतियां, कंपनी स्तर के मुद्दों आदि पर अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठकें भी हुईं।

विभिन्न द्विदलीय मंचों पर कंपनी के समग्र प्रदर्शन में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर ग्राहक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए उत्पादकता, कंपनी के वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए अंततः कर्मचारियों सहित विभिन्न हितधारकों को लाभान्वित करने के हेतु लागत में कमी के लिए विभिन्न प्रयासों, गुणवत्ता और सुपुर्दगी में सुधार की विभिन्न चर्चाओं में ध्यान आकृष्ट किया गया है।

1.9.4 कर्मचारी (जनशक्ति)

31 मार्च, 2021 के अनुसार, बीएचईएल की कर्मचारीयों की संख्या 32,131 है।

1.9.5 राष्ट्रपति के निदेशों की स्थिति

1.9.5.1 आरक्षित श्रेणी के व्यक्ति हेतु आरक्षण नीति पर निर्देश

केंद्र सरकार द्वारा समय–समय पर जारी आरक्षण नीति पर राष्ट्रपति के निदेश सीधी भर्ती में निश्चित प्रतिशत आरक्षण साथ–साथ निर्दिष्ट पदों पर पदोन्नति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और विकलांग व्यक्तियों के लिए प्रावधान प्रदान करते हैं। इसके अलावा, निर्देशों में सीधी भर्ती और पदोन्नति में कर्मचारियों की निर्दिष्ट श्रेणी के लिए कुछ रियायतें और छूट का भी प्रावधान है। संदर्भित विषय पर राष्ट्रपति के निदेश का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है और सरकार द्वारा निर्धारित पोस्ट आधारित रोस्टर प्रणाली के रखरखाव के माध्यम से आरक्षण का प्रतिशत सुनिश्चित किया जाता है।

इस विषय पर अन्य संबंधित जानकारी नीचे दी गई है:

i. अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व

दिनांक 31/12/2020 को कुल जनशक्ति में अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों का कुल प्रतिनिधित्व क्रमशः 20.69%, 7.41% और 34.25% था। वर्ष 2020 के दौरान, कोई भी भर्ती नहीं की गई। वर्ष 2019 में भर्ती हुआ एक अभ्यर्थी वर्ष 2020 में नियुक्त हुआ।

वर्ष 2019 में, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10% आरक्षण की शुरुआत उन लोगों के लिए की गई, जो अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और सामाजिक एवं शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों के लिए मौजूदा आरक्षण के अंतर्गत नहीं आते हैं।

दिनांक 31/12/2020 की स्थिति पर, सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप वार्षिक विवरणिका में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व को वर्ष के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या को **अनुलग्नक–क** में दर्शाया गया है।

ii. 31 दिसम्बर, 2020 को दिव्यांग कर्मचारियों की संख्या/स्थिति

दिनांक 31/12/2020 को कुल दिव्यांग कर्मचारियों की संख्या 865 थी। हालांकि वर्ष 2020 में कोई भर्ती नहीं हुई, लेकिन वर्ष 2019 में भर्ती हुए 1 अभ्यर्थी ने जनवरी 2020 में दिव्यांग श्रेणी के अंतर्गत नियुक्ति की। दिनांक 31/12/2020 को कंपनी में पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों की समूहवार जनशक्ति की स्थिति **अनुलग्नक–ख** में दी गई है ।

1.9.5.2 कार्यस्थल पर महिला सुरक्षा

कार्यस्थल पर महिलाओं के विरूद्ध लैंगिक उत्पीड़न निवारण अधिनियम एवं लैगिक उत्पीड़न शिकायतों एवं इससे संबंधित मामलों के लिए "महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम 2013" दिनांक 9 दिसम्बर, 2013 से प्रभाव में आया। भारत सरकार के महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत इस अधिनियम को "महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम 2013" कहा जाता है।

इस अधिनियम एवं इसमें वर्णित नियम के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। इस अधिनियम के अनुसरण में बीएचईएल द्वारा सभी इकाइयों में आंतरिक समितियों का गठन किया गया है एवं उनके गठन के बारे में जानकारी एवं संपर्क सूत्र इकाई की वेबसाइट में दिए गए हैं। अधिनियम के मुख्य प्रावधान, नियोक्ता के कर्तव्य, शिकायत निवारण

कार्यप्रणाली, विद्वेषपूर्ण शिकायतों पर कार्रवाई एवं यौन उत्पीडन संबंधी त्रुटियों को हिन्दी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में पोस्टरों के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शित किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी इकाइयों में आईसीसी सदस्यों के लिए कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा 2 कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इकाई स्तर पर, यौन उत्पीड़न अधिनियम, लिंग संवेदीकरण, महिलाओं के खिलाफ अपराध और साइबर–अपराध पर 15 कार्यशालाएं / जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

वर्ष 2020–21 के दौरान प्राप्त यौन उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या और 31.03.2021 की स्थिति की वार्षिक रिपोर्ट **अनुलग्नक–ग** में दी गई है।

कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

अनुलग्नक – क

समूह	अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/ अन्य पिछड़ा वर्ग/ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का प्रतिनिधित्व (31 दिसम्बर, 2020 के अनुसार)					कैलेंडर वर्ष 2020 के दौरान की गई नियुक्तियों की संख्या											
						सीधी भर्ती					पदोन्नति*			प्रतिनियुक्ति/ समायोजन			
	कर्मचारियों की कुल संख्या	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अ.पि.व.	ईडब्ल्यूएस	कुल	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अ.पि.व.	ईडब्ल्यूएस	कुल	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	कुल	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अ.पि.व.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18
समूह ए	10270	1838	864	2602	11	1	0	0	0	0				0	0	0	0
समूह बी	7060	1385	669	1809	0	0	0	0	0	0				0	0	0	0
समूह सी	14846	3406	869	6884	0	0	0	0	0	0				0	0	0	0
समूह डी (SW) को छोड़कर	264	59	4	104	0	0	0	0	0	0		--- लागू नहीं ----		0	0	0	0
समूह डी (SW)	33	31	1	0	0	0	0	0	0	0				0	0	0	0
कुल	**32473**	**6719**	**2407**	**11399**	**11**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

* बीएचईएल में, पदोन्नति के आधार पर कोई नियुक्ति नहीं की जाती है।

अनुलग्नक –ख

कैलेंडर वर्ष 2020 के दौरान नियुक्त दिव्यांग व्यक्तियों का विवरण

समूह	कर्मचारियों की कुल संख्या				सीधी भर्ती							पदोन्नति *						
	कर्मचारियों की कुल संख्या	VH	HH	OH	आरक्षित रिक्तियों की सं.			कुल	कुल नियुक्तियाँ की गई			आरक्षित रिक्तियों की सं.			कुल	कुल नियुक्तियाँ की गई		
					VH	HH	OH		VH	HH	OH	VH	OH	HH		VH	HH	OH
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19
समूह ए	10270	6	17	236	0	0	1	0	0	0	1							
समूह बी	7060	1	12	187	0	0	0	0	0	0	0							
समूह सी	14846	15	25	357	0	0	0	0	0	0	0				--- लागू नहीं ----			
समूह डी	297	1	5	3	0	0	0	0	0	0	0							
कुल	**32473**	**23**	**59**	**783**	**0**	**0**	**1**	**0**	**0**	**0**	**1**							

नोटः (i) VH का अर्थ है दृष्टिहीन दिव्यांग (अंधेपन या कम दृष्टि से पीड़ित व्यक्ति)

(ii) HH का अर्थ है हियरिंग हैंडीकैप्ड (श्रवण दोष से पीड़ित व्यक्ति)

(iii) OH का अर्थ है ऑर्थोपेडिकली हैंडीकैप्ड (लोकोमोटर अपंगता या मस्तिष्क पक्षाघात से पीड़ित व्यक्ति)

* आरपीडब्ल्यूडी अधिनियम 2016 के अनुसार, पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों के लिए पदोन्नति में कोई आरक्षण नहीं है

अनुलग्नक–ग

कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा पर वार्षिक रिपोर्ट

1	वर्ष 2020–21 के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या (पिछले वर्ष से अग्रेषित शिकायतों सहित)	1
2	वर्ष 2020–21 के दौरान निपटाए गई शिकायतों की संख्या (पिछले वर्ष से अग्रेषित शिकायतों सहित)	0
3	दिनांक 31.03.2021 को लंबित मामलों की संख्या	1*
4	90 से अधिक दिनों से लंबित मामलों की संख्या	0
5	यौन उत्पीड़न के खिलाफ कार्यशाला या जागरूकता कार्यक्रम की संख्या	17
6	**आईसीसी की अनुशंसाओं पर नियोक्ता द्वारा की गई कार्रवाई**	
	* शिकायत दिनांक 30.03.2021 को प्राप्त हुई चूंकि आईसीसी को दिनांक 30.03.2021 को शिकायत प्राप्त हुई थी, इसलिए 31.03.2021 तक कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी (इसका निपटारा कर दिया गया है)	

1.10 सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 (अधिनियम) के प्रावधानों के अनुरूप बीएचईएल पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है। कंपनी की प्रत्येक प्रमुख प्रशासनिक इकाई में 24 सीपीआईओ के साथ ही कॉर्पोरेट कार्यालय में एक केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) कार्यरत हैं। कंपनी में 25 प्रथम अपीलीय प्राधिकारी भी अधिनियम के अंतर्गत दायर प्रथम अपीलों के निपटारे के लिए कार्य कर रहे हैं।

नागरिकों को आरटीआई आवेदन करने और पहली अपील की ऑनलाइन सुविधा के लिए, बीएचईएल ने कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग द्वारा शुरू किए गए ऑनलाइन आरटीआई वेब पोर्टल (https:// rtionline.gov.in) को अपनाया है। परिणामस्वरूप, ऑनलाइन आरटीआई पोर्टल पर दायर आरटीआई आवेदनों और आरटीआई की प्रथम अपीलों का उत्तर ऑनलाइन माध्यम से दिया जा रहा है। धारा 4 (1) (बी) का प्रकटीकरण बीएचईएल की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिया गया हैं। इसके अतिरिक्त, अधिनियम के अंतर्गत सूचना प्राप्त करने और आरटीआई प्रथम अपील दायर करने की प्रक्रिया को दर्शाने वाले कुछ दिशानिर्देश और प्रोफार्मा बीएचईएल की वेबसाइट पर उपलब्ध करवाये गए हैं।

सीपीआईओ और अन्य आंतरिक हितधारकों को प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से अधिनियम के अंतर्गत अपने दायित्वों के बारे में जागरूक किया जाता है।

सार्वजनिक उद्यम के स्थायी सम्मेलन (एससीओपीई) द्वारा गठित आरटीआई परिचालन समिति का सदस्य होने के नाते बीएचईएल स्कोप द्वारा आयोजित आरटीआई मामलों से संबंधित अपनी बैठकों और चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लेता है। सभी चार (4) तिमाहियों के त्रैमासिक आरटीआई रिटर्न केंद्रीय सूचना आयोग को जमा कर दिए गए हैं। वर्ष 2020–21 के दौरान, कुल 840 आवेदन और 169 अपील प्राप्त हुई, तथा इनमें से 746 आवेदन और 151 अपीलों का निपटान किया गया।

1.11 जोखिम तथा चिंताएं

बीएचईएल ऐसे व्यवसायों का परिचालन करता है जिसमें विभिन्न प्रकार के जोखिम जुड़े हैं जैसे– ग्राहकों की बदलती हुई आवश्यकताएं, प्रौद्योगिकी प्रतिफल, अनुबंधों की लंबी अवधि, साइट पर प्रतिकूल परिस्थितियों में समय पर उत्पाद की सहायक आवश्यकताएं आदि शामिल हैं।

उद्योग जोखिमों की व्यापकता, हमारे व्यापार पोर्टफोलियो की विविधता तथा हमारे परिचालन के भौगोलिक स्थानों को ध्यान में रखते हुए, हमने एक मजबूत जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है। हमारे जोखिम पहचान की प्रक्रिया कंपनी के उद्देश्यों, बाहरी वातावरण, उद्योगों की रिपोर्ट के साथ–साथ आंतरिक तथा बाहरी हितधारकों द्वारा सतर्कता के साथ निर्देशित होती है। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि कंपनी जोखिमों की पहचान तथा प्रबंधन हेतु पर्याप्त रूप से सक्षम है। हमारा जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण प्रासंगिक कानूनों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहन देता है।

इसका समाधान करने के लिए, बीएचईएल ने एक ढांचागत और व्यापक उद्यम जोखिम प्रबंधन प्रणाली को लागू करने के लिए एक निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति स्थापित की है। इस चार्टर का उद्देश्य जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन, प्रतिक्रिया, निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए एक सामान्य समझ, भाषा और कार्यप्रणाली स्थापित करना है। जो प्रबंधन को यह आश्वासन देता है कि कंपनी में प्रमुख जोखिमों को ठीक से पहचाना जाता है और प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा रहा है।

बीएचईएल के जोखिम प्रबंधन ढांचे में शीर्ष स्तर पर निदेशक मंडल (बीओडी) (निदेशक मंडल स्तर जोखिम प्रबंधन समिति (बीएलआरएमसी) द्वारा प्रतिनिधित्व); कॉर्पोरेट स्तर और इकाई स्तर पर जोखिम प्रबंधन परिचालन समिति (आरएमएससी) के साथ तीन स्तरीय संरचना है। क्षेत्रीय/इकाइयों/अनुसंधान एवं विकास केंद्रों में में जोखिम प्रबंधन समितियां (यूआरएमसी) हैं।

"निदेशक मंडल स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति" (बीएलआरएमसी) को कंपनी के जोखिम अभिशासन ढांचे, जोखिम मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे, दिशानिर्देशों, नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निदेशक मंडल/बीएलआरएमसी नियमित रूप से शीर्ष जोखिम वाले क्षेत्रों की समीक्षा करता है।

कंपनी द्वारा सामना किए जाने वाले प्रमुख जोखिमों का जोखिम प्रबंधन परिचालन समिति द्वारा विस्तार से विश्लेषण किया जाता है, जो जोखिम प्रबंधन ढांचे को अपनाने और लागू करने तथा कंपनी में जोखिम प्रबंधन पहल का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार है।

मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ), बीएलआरएमसी और आरएमएससी के संयोजक निदेशक मंडल/बीएलआरएमसी को जोखिम प्रबंधन पर आवधिक रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार हैं।

इकाई स्तर पर जोखिम प्रबंधन समितियां अपने संबंधित क्षेत्रों से संबंधित जोखिमों का विश्लेषण करती हैं, शमन योजनाएं तैयार करती हैं, उनका कार्यान्वयन सुनिश्चित करती हैं और यदि आवश्यक हो तो शीर्ष प्रबंधन को भी सूचित करती हैं।

कंपनी द्वारा सामना किए जाने वाले कुछ प्रमुख जोखिमों और शमन के लिए संबंधित रणनीतियों का उल्लेख नीचे दी गई तालिका में किया गया है:

जोखिम विवरण	शमन रणनीतियाँ
अतिरिक्त घरेलू विनिर्माण क्षमता, नीति में बदलाव के कारण व्यापार क्षेत्र में बदलाव और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण ऑर्डर बुक कम होना	• 'आत्मनिर्भर भारत' और "मेक इन इंडिया" मिशन से उत्पन्न होने वाले अवसरों की पूर्ति करना। • गैर–कोयला आधारित और अन्य पुर्जों का कारोबार बढ़ाना। • नए क्षेत्रों में उद्यम करने के लिए सामरिक गठजोड़ पर बल।
एलडी (परिसमापन हर्जाना), दंड, ग्राहक असंतोष और कंपनी की छवि को प्रभावित करने वाली परियोजनाओं की डिलीवरी में देरी	• वास्तविक समय परियोजना निगरानी के लिए तथा देरी को रोकने के लिए सक्रिय कार्रवाई करने के लिए "एकीकृत परियोजना प्रबंधन सॉफ्टवेयर (आईपीएमएस)" का कार्यान्वयन। • ड्राइंग/दस्तावेज प्रस्तुत करने और अनुमोदन में तेजी लाने के लिए पीईडीएम प्रणाली (प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग प्रलेखन प्रबंधक) का कार्यान्वयन। • प्रमुख ग्राहकों की परियोजनाओं पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करने के लिए समर्पित व्यावसायिक समूहों का गठन। • ठेकेदार जनशक्ति की उपलब्धता में सुधार और परियोजना स्थलों पर ठेकेदार के प्रदर्शन को प्रोत्साहित करने के लिए सक्षम नीति। • निर्बाध निष्पादन हेतु क्रमिक आपूर्ति के लिए निगरानी ढांचा • अभियांत्रिकी आदि जैसी गतिविधियां आरम्भ करने के लिए प्री–अवार्ड चरण।

बढ़ते कर्जदार	• ऑनगोइंग और चालू (कमीशन) परियोजनाओं के बदले देनदारों के प्रत्येक अवयव से नकद वसूली की बेहतर प्रभावशीलता के लिए क्रॉस फंक्शनल टीमों का गठन। • मध्यस्थता/एनसीएलटी/एएमआरसीडी कार्यवाही सहित कंपनी की व्यापार प्राप्य नीति के अनुसार चूककर्ता ग्राहकों के विरुद्ध कार्रवाई।
लाभप्रदता को प्रभावित करने वाली प्रत्यक्ष सामग्री लागत में वृद्धि	• कंपनी में लागत में कमी के प्रयासों पर केंद्रित और निरंतर पहुंच प्रदान करने के लिए कार्यपालक निदेशक स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में लागत अनुकूलन सेल (सीओसी) का गठन। • ग्राहक के आदेश से निष्पादन चरण तक के डिजाइन अनुकूलन, इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और विवेकपूर्ण खरीद से लागत में कमी हेतु विशेष केंद्रित दृष्टिकोण।
वर्तमान/भविष्य की बाजार आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रौद्योगिकी तत्परता	• उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अवसरों की खोज के लिए कार्यपालक निदेशक स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में उभरती प्रौद्योगिकी रणनीति डेस्क(एमर्जिंग टेक्नोलोजी स्ट्रेटजी डेस्क) का गठन। • चूंकि कंपनी का फोकस गैर–कोयला व्यवसाय की हिस्सेदारी बढ़ाने पर है, इसलिए प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं के साथ–साथ विश्व स्तर के वैश्विक ओईएम के साथ गठजोड़/सहयोग समझौते वर्तमान में चल रहे हैं। • भारी उद्योग विभाग (DHI) द्वारा संचालित, प्रौद्योगिकी विकास का AUSC अनु. एव वि. चरण दिसंबर' 2020 में पूरा हो गया है। बीएचईएल अब 800 मेगावाट प्रौद्योगिकी आधारित संयंत्र स्थापित करने के लिए तैयार है। • आंतरिक प्रयासों के माध्यम से प्रौद्योगिकियों का विकास और उन्नयन।

ऑनलाइन डेटा और सूचना सुरक्षा उल्लंघन के कारण हानि तथा महत्वपूर्ण सूचना की अवसंरचना टूटना	• ग्लोबल थ्रेट इंटेलिजेंस (जीटीआई) डेटाबेस के साथ एकीकृत साइबर एसओसी (सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर) के माध्यम से सभी इंटरनेट ट्रैफिक की 24×7 निगरानी की जाती है। • बीएचईएल के सभी इंटरनेट राउटरों को 'साइबर स्वच्छता केंद्र' (सीईआरटी– इन, एमईआईटीवाई का बॉटनेट सफाई और मैलवेयर विश्लेषण केंद्र) के साथ एकीकृत करना। • सभी आईएसओ 27001 प्रमाणित बीएचईएल इकाइयों में सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) का एकीकरण।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 27.08.2021

निदेशक मण्डल रिपोर्ट का अनुलग्नक–II

कॉर्पोरेट अभिशासन

2.1 कॉर्पोरेट अभिशासन पर हमारे सिद्धांत

बीएचईएल एक मजबूत कॉर्पोरेट अभिशासन ढांचे के अंतर्गत कार्य करता है, जो अभिशासन की गुणवत्ता, प्रकटीकरण में पारदर्शिता, हितधारकों के मूल्य में लगातार वृद्धि और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्वके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बीएचईएल अपने शेयरधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं और बड़े पैमाने पर समाज के विश्वास को बनाए रखने पर लगातार ध्यान केंद्रित करते हुए, कॉर्पोरेट अभिशासन की बुनियादी और नियामक आवश्यकताओं से आगे जाने का प्रयास करता है। बीएचईएल का कॉर्पोरेट अभिशासन ढांचा पारदर्शिता, पूर्ण प्रकटीकरण, स्वतंत्र निगरानी और सभी के लिए निष्पक्षता तथा विशेष रूप से अल्पसंख्यक शेयरधारकों पर आधारित है।

निम्नलिखित कारक बीएचईएल में कॉर्पोरेट अभिशासन को मजबूत करते हैं:

i. निदेशक मंडल/मंडल की स्वतंत्रता और बहुमुखी प्रतिभा

ii. सभी कर्मचारियों की सत्यनिष्ठा और नैतिक व्यवहार

iii. सभी हितधारकों – शेयरधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, आपूर्तिकर्ताओं और समाज के प्रति कर्तव्यों का उत्तरदायित्व

iv. उच्च स्तरीय प्रकटीकरण और पारदर्शिता

v. कंपनी परिचालन के सभी क्षेत्रों में पूर्ण कानूनी और नियामक अनुपालन

vi. लोगों तथा पर्यावरण के प्रति सहानुभूतिन रखते हुए लक्ष्यों की प्राप्ति

कंपनी कॉर्पोरेट अभिशासन प्रक्रियाओं और आचार संहिता का अनुपालन करते हुए सभी मूल मूल्यों को चारितार्थ करते हुए, जो बीएचईएल के शेयरधारकों को दीर्घकालिक रिटर्न, ग्राहकों को अनुकूल परिणाम, कर्मचारियों को आकर्षक अवसर, आपूर्तिकर्ताओं को कंपनी की प्रगति में भागीदार बनाने के लिए अवसर, और समाज का संवर्धन करते हुए अपने व्यवसाय का परिचालन करने में विश्वास करती है।

2.2 निदेशक मंडल

i. निदेशकों की संरचना और श्रेणी

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(45) के अनुसार, बीएचईएल एक "सरकारी कंपनी" है क्योंकि कंपनी की कुल चुकता शेयर पूंजी का 63.17% भारत के राष्ट्रपति के माध्यम से केंद्र सरकार के पास है।

निदेशक मंडल की स्वतंत्रता को बनाए रखने, प्रबंधन और नियंत्रण के निदेशक मंडल के कार्यों को भिन्न करने के लिए बीएचईएल के निदेशक मंडल की संरचना में कार्यपालक निदेशकों का एक समुचित मिश्रण है। जिसमें सीएमडी और गैर–कार्यकारी निदेशक शामिल हैं, जिनका प्रतिनिधित्व सरकारी नामितों और स्वतंत्र निदेशकों द्वारा किया जाता है।

31 मार्च 2021 को निदेशक मंडल की संरचना इस प्रकार है:

निदेशकों की श्रेणी	निदेशक मंडल संरचना	31 मार्च, 2021 को वास्तविक संख्या
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	1	1
पूर्णकालिक कार्यकारी निदेशक	5	4
भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले अंशकालिक शासकीय निदेशक (सरकारी नामित)	2	2
अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक	8	3
कुल	**16**	**10**

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार, बीएचईएल के निदेशक मंडल में अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशकों (कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) और निदेशक (पावर) की पांच रिक्तियां उपलब्ध हैं। इन रिक्तियों को भरने का प्रकरण भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के विचाराधीन है।

ii. 2020–21 के दौरान आयोजित निदेशक मंडल की बैठकों में प्रत्येक निदेशक की उपस्थिति और अंतिम वार्षिक आम बैठक

निदेशक का नाम (सुश्री / श्री)	निदेशक मंडल बैठकों की संख्या		अंतिम वार्षिक आम बैठक (28.09.2020 को आयोजित)
	आयोजित	में भाग लिया	
कार्यकारी निदेशक			
डॉ. नलिन सिंघल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	8	8	हाँ
सुबोध गुप्ता, निदेशक (वित्त)	8	8	हाँ
एस बालकृष्णन, निदेशक (आईएस एंड पी) (30 नवम्बर 2020 तक)	6	6	हाँ
मनोज कुमार वर्मा, निदेशक (पावर) (31 जनवरी 2021 तक)	7	7	हाँ
कमलेश दास, निदेशक (ई, आर एंड डी)	8	8	हाँ
अनिल कपूर, निदेशक (मा.सं.) #	8	8	हाँ
सुश्री रेणुका गेरा, निदेशक (आईएस एंड पी) (1 दिसंबर, 2020 से प्रभावी)	2	2	*

अंशकालिक शासकीय निदेशक – सरकार द्वारा नामित			
शशांक प्रिय, अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय	8	8	हाँ
अमित वरदान, संयुक्त सचिव (जेएस), भारी उद्योग विभाग (डीएचआई), भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय (2 सितंबर, 2020 तक)	4	4	*
अमित मेहता, जेएस, डीएचआई, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय (2 सितंबर, 2020 से प्रभावी)	4	4	हाँ
अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशक			
देश दीपक गोयल (11 सितंबर, 2020 तक)	5	5	’
रंजीत रे (11 सितंबर, 2020 तक)	5	5	’
राजेश शर्मा	8	7	हाँ
राज कमल बिंदल	8	8	हाँ
मनीष कपूर	8	8	हाँ

निदेशक (पावर) का अतिरिक्त प्रभार 1 फरवरी, 2021 से सम्भाला

* यह दर्शाता है कि संबंधित व्यक्ति पिछली वार्षिक आम बैठक की तिथि को बीएचईएल का निदेशक नहीं था।

iii. क. 31 मार्च, 2021 को अन्य कंपनियों में निदेशक, समिति सदस्यता और समिति अध्यक्ष का विवरण#

निदेशक का नाम (सुश्री / श्री)	अन्य कंपनियों में निदेशकत्व का विवरण	अन्य कंपनियों में समिति की सदस्यता और समिति की अध्यक्षता का विवरण*
डॉ नलिन सिंघल, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	हैवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	–निरंक–
सुबोध गुप्ता, निदेशक (वित्त)	रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	–निरंक–
कमलेश दास, निदेशक (ई, आर एंड डी)	1. बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्रा. लिमिटेड 2. बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड	–निरंक –
अनिल कपूर निदेशक (मा. सं.)	रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	–निरंक–
सुश्री रेणुका गेरा निदेशक (आईइएस एवं पी)	–निरंक–	– निरंक –
शशांक प्रिय, अंशकालिक शासकीय निदेशक	1. स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड 2. एमएमटीसी लिमिटेड 3. इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्जीबिशन सेंटर लिमिटेड 4. भारत व्यापार संवर्धन संगठन 5. इन्वेस्ट इंडिया 6. एचएमटी लिमिटेड 7. नेशनल जूट मैन्युफैक्चरर्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड 8. राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड 9. एनएमडीसी लिमिटेड 10. केआईओसीएल लिमिटेड 11. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड 12. मेकॉन लिमिटेड	**लेखा परीक्षा समिति:** 1. स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (अध्यक्ष) 2. एमएमटीसी लिमिटेड (सदस्य) 3. भारत व्यापार संवर्धन संगठन (सदस्य) 4. राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (सदस्य) **हितधारकों संबंधित समिति:** स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (अध्यक्ष)
अमित मेहता, अंशकालिक शासकीय निदेशक	1. एंड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड 2. टाइड वाटर ऑयल कंपनी इंडिया लिमिटेड	–निरंक–
राजेश शर्मा, अंशकालिक शासकीय निदेशक	बर्नपुर सीमेंट लिमिटेड	**लेखा परीक्षा समिति:** बर्नपुर सीमेंट लिमिटेड (अध्यक्ष) **हितधारकों की संबंध समिति:** बर्नपुर सीमेंट लिमिटेड (सदस्य)
राज कमल बिंदल स्वतंत्र निदेशक	1. अविका कंसल्टिंग प्रा. लिमिटेड 2. नमशिवाय वेंचर्स प्रा. लिमिटेड 3. राज कमल बिंदल फाउंडेशन	–निरंक–
मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	जेनेक्स्ट लाइफकेयर प्रा. लिमिटेड	–निरंक–

*केवल लेखा परीक्षा समिति और हितधारकों की संबंध समिति की अध्यक्षता/सदस्यता पर विचार किया गया है।

#अन्य कंपनियों में निदेशक/समिति सदस्यता निदेशक मंडल पर संबंधित निदेशकों से प्राप्त नवीनतम प्रकटीकरण पर आधारित हैं।

कंपनी का कोई भी निदेशक एक ही समय में बीस (20) से अधिक कंपनियों में निदेशक के रूप में पद धारण नहीं करता है। कंपनी का कोई भी निदेशक दस से अधिक (10) समितियों में सदस्य नहीं है या सभी कंपनियों में पांच से अधिक (5) समितियों के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है जिसमें वह एक निदेशक है।

निदेशकों के बीच आपस में संबंधों का खुलासाः निरंक

ख. सूचीबद्ध संस्थाओं में निदेशकों का विवरण और निदेशक पद की श्रेणी

31 मार्च, 2021 की स्थिति के अनुसार, निम्नलिखित निदेशकों ने सूचीबद्ध संस्थाओं में निम्नानुसार निदेशक पद धारण किया:

निदेशक का नाम सुश्री/ श्री	सूचीबद्ध इकाई का नाम	निदेशक पद की श्रेणी
शशांक प्रिय, अंशकालिक शासकीय निदेशक	1. स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड 2. एमएमटीसी लिमिटेड 3. एचएमटी लिमिटेड 4. एनएमडीसी लिमिटेड 5. केआईओसीएल लिमिटेड 6. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड	सरकार द्वारा नामित निदेशक
अमित मेहता, अंशकालिक शासकीय निदेशक	1. एंड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड 2. टाइड वाटर ऑयल कंपनी इंडिया लिमिटेड	सरकार द्वारा नामित निदेशक
राजेश शर्मा, अंशकालिक शासकीय निदेशक	बर्नपुर सीमेंट लिमिटेड	स्वतंत्र निदेशक

iv आयोजित की गई निदेशक मंडल की बैठकों की संख्या तथा दिनांक का विवरण

निदेशक मंडल की बैठकें सामान्यतः नई दिल्ली में कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जाती हैं तथा काफी पहले से इनकी तिथि निर्धारित की जाती हैं। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के परामर्श से, कंपनी सचिव प्रत्येक निदेशक को निदेशक मंडल की प्रत्येक बैठक की लिखित सूचना भेजता है।

निदेशक मंडल सदस्यों के पास कंपनी की सभी जानकारियां हैं और वे किसी भी मामले को एजेंडा में शामिल करने की अनुशंसा करने के लिए स्वतंत्र हैं जो सामान्यतरू अग्रिम रूप से भेजा जाता है। आवश्यकता होने पर, वरिष्ठ प्रबंधन को निदेशक मंडल की बैठकों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है जिससे चर्चा किए जा रहे विषयों से संबंधित अतिरिक्त इनपुट प्रदान किए जा सकें और/या निदेशक मंडल को प्रस्तुतिकरण दिया जा सके। निदेशक मंडल तिमाही में कम से कम एक बार तिमाही परिणामों और एजेंडा पर अन्य मदों की समीक्षा करने के लिए बैठक करता है। आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बैठकें आयोजित की जाती हैं।

समीक्षा हेतु वर्ष के दौरान, निदेशक मंडल की निम्नलिखित तिथियों पर आठ बार बैठक हुई हैं:

(i) 9 अप्रैल, 2020	(ii) 13 जून, 2020	(iii) 24 जून, 2020
(iv) 28 अगस्त, 2020	(v) 11 सितम्बर, 2020	(vi) 6 नवम्बर, 2020
(vii) 24 दिसम्बर, 2020	(viii) 6 फरवरी, 2021	

निदेशक मंडल की प्रत्येक बैठक के तुरंत बाद निदेशक मंडल के कार्यवृत्त तैयार किए जाते हैं और सभी निदेशकों को उनकी टिप्पणियों, यदि कोई हो, के लिए परिचालित किया जाता है और उसके बाद अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया जाता है। उपयुक्त कार्रवाई और कार्यान्वयन प्रारम्भ करने के लिए स्वीकृत कार्यवृत्त को संबंधित विभागों/समूहों को परिचालित किया जाता है।

v. प्रमुख कौशल/विशेषज्ञता/सक्षमता सूची

बीएचईएल एक सरकारी कंपनी है, इसलिए इसके निदेशक मंडल के सभी निदेशकों अर्थात कार्याकारी निदेशकों, सरकार द्वारा नामित निदेशकों तथा स्वतंत्र निदेशकों का चयन एवं नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है। प्रत्येक श्रेणी के निदेशकों का चयन एवं नियुक्ति एक सुपरिभाषित निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है। बीएचईएल द्वारा संचालित व्यवसाय खंड के संदर्भ में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए निदेशक मंडल आवश्यक प्रमुख कौशल, विशेषज्ञता और सक्षमता की आवश्यकता, इन निदेशकों के चयन की सरकार की प्रक्रिया का एक अभिन्न अंग है। इसलिए, बीएचईएल का निदेशक मंडल अपने आप में ऐसे किसी भी प्रमुख कौशल या कार्य के लिए आवश्यक सक्षमता की पहचान नहीं करता है; यह प्रमुख कौशल / विशेषज्ञता / सक्षमता के लिए निदेशकों की पहचान करता है।

vi. निदेशक मंडल के उत्तरदायित्व

निदेशक मंडल का कार्य कंपनी की रणनीतिक दिशा की निगरानी करना, कॉर्पोरेट प्रदर्शन की समीक्षा एवं निगरानी करना, नियामक अनुपालन सुनिश्चित करना तथा हितधारकों के हितों की रक्षा करना है।

vii. स्वतंत्र निदेशक

स्वतंत्र निदेशक निदेशक मंडल और समिति की बैठकों के विचार–विमर्श में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा कंपनी को इंजीनियरिंग, वित्त, प्रबंधन, कानून, सार्वजनिक नीति आदि के क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता उपलब्ध कराते हैं।

स्वतंत्र निदेशक निदेशक मंडल द्वारा गठित महत्वपूर्ण समितियों जैसे लेखा परीक्षा समिति, नामांकन और पारिश्रमिक समिति, हितधारक संबंध समिति और सीएसआर समिति का हिस्सा हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 और लिस्टिंग विनियमों के अनुरूप, लेखा परीक्षा समिति, नामांकन और पारिश्रमिक समिति की अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है और यह उनसे संबंधित परिभाषित कार्यक्षेत्र के अनुसार कार्य करता है।

इसके अतिरिक्त, सीपीएसई के लिए गैर–शासकीय निदेशकों की आदर्श भूमिका और उत्तरदायित्वों पर 28 दिसंबर, 2012 को डीपीई कार्यालय ज्ञापन के अनुरूप, निदेशक मंडल ने स्वतंत्र निदेशकों की एक समिति का गठन किया था। यह समिति कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत लिस्टिंग विनियमों और स्वतंत्र निदेशकों की संहिता की आवश्यकताओं के अनुपालन में है।

स्वतंत्र निदेशकों के परिचय कार्यक्रम का विवरण कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com पर वेब लिंक https://www.bhel.com/familiarization-programme-directors पर "निदेशकों के लिए परिचय कार्यक्रम" शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध है।

निदेशक मंडल की राय में, स्वतंत्र निदेशक लिस्टिंग विनियमों में निर्दिष्ट शर्तों को पूरा करते हैं और प्रबंधन से स्वतंत्र होते हैं।

viii. निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत सूचना

निदेशक मंडल के समक्ष रखे गए एजेंडे में अन्य बातों के साथ–साथ निम्नलिखित शामिल हैं:–

- वार्षिक परिचालन योजनाएँ, बजट तथा तत्संबंधी अद्यतन सूचना।
- पूंजी बजट और तत्संबंधी अद्यतन सूचना।
- महत्वपूर्ण पूंजी निवेश प्रस्ताव।

- अधिशेष निधियों का अल्पकालिक निवेश।
- निवेश, सहायक कंपनियों तथा संपत्तियों की बिक्री जो प्रकृति में मूर्त हैं और व्यवसाय के सामान्य क्रम में नहीं हैं।
- महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और प्रचलनों में परिवर्तन और इसके कारण।
- कंपनी और उसके परिचालन प्रभागों या व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए तिमाही परिणाम।
- विदेशी मुद्रा एक्सपोजर का त्रैमासिक विवरण और प्रतिकूल विनिमय दर के मुद्दों को सीमित करने के लिए प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदम, यदि मूर्त हैं।
- विभिन्न कानूनों के अनुपालन पर तिमाही रिपोर्ट।
- मध्यस्थता मामलों और प्रमुख कानूनी विवादों की स्थिति।
- लेखा परीक्षा समिति और निदेशक मंडल की अन्य समितियों की बैठकों का कार्यवृत्त।
- असूचीबद्ध अनुषंगी कंपनियों की निदेशक मंडल बैठकों का कार्यवृत्त।
- असूचीबद्ध सहायक कंपनियों द्वारा किए गए सभी महत्वपूर्ण लेनदेन और व्यवस्थाओं का विवरण।
- निदेशक मंडल स्तर से एक स्तर नीचे के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती की सूचना।
- निदेशक मंडल के अनुमोदन की आवश्यकता वाले किसी संयुक्त उद्यम या अनुसंधान एवं विकास परियोजना या तकनीकी सहयोग समझौते का विवरण।
- महत्वपूर्ण श्रम/लेबर समस्याएं और उनके प्रस्तावित समाधान।
- मानव संसाधन/औद्योगिक संबंध के मोर्चे पर कोई महत्वपूर्ण विकास जैसे वेतन समझौते पर हस्ताक्षर, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना का कार्यान्वयन आदि।
- निदेशक मंडल द्वारा वांछित मामलों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट।
- कोई भी अनुबंध जिसमें निदेशक (निदेशकों) को रुचि रखने वाला समझा जाता है।
- निदेशकों द्वारा अन्य कंपनियों में उनके द्वारा अधिग्रहित निदेशकों और समिति पदों के बारे में रुचि का प्रकटीकरण
- निदेशक मंडल की बैठक आदि पर सूचीकरण विनियमों, डीपीई दिशानिर्देशों और सचिवीय मानक–1 के अंतर्गत सूचना या अनुमोदन के लिए निदेशक मंडल को प्रस्तुत किए जाने वाले आवश्यक अन्य मामले।

निदेशक मंडल ने निर्णय लेने की प्रक्रिया को सुचारू तथा कुशल प्रवाह देने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया है। सभी निदेशक मंडल स्तरीय समितियों के कार्यवृत्त परिचालित किए जाते हैं और निदेशक मंडल की बैठकों में चर्चा की जाती है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान ऐसा कोई उदाहरण नहीं था जिसमें निदेशक मंडल ने निदेशक मंडल की किसी समिति की किसी भी अनुशंसा को स्वीकार नहीं किया जो अनिवार्य रूप से आवश्यक हो।

ix. नए निदेशकों का चयन

बीएचईएल के अंतरनियमों के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय के माध्यम से, बीएचईएल के निदेशक मंडल में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक तथा कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति करते हैं। बीएचईएल के निदेशक मंडल में प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा दो अंशकालिक शासकीय निदेशकों को नामित किया जाता है। भारत के राष्ट्रपति बीएचईएल के निदेशक मंडल में अंशकालिक गैर–आधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशकों की नियुक्ति भी करते हैं।

स्वतंत्र निदेशकों का चयन भारी उद्योग विभाग द्वारा सार्वजनिक उद्यम विभाग की खोजबीन समिति के परामर्श से किया जाता है, जिसके पास प्रबंधन, वित्त, इंजीनियरिंग, प्रशासन, उद्योग आदि के क्षेत्र में विस्तृत अनुभव रखने वाले विद्वान व्यक्तियों के पैनल की सूची होती है।

x. सदस्यता अवधि तथा सेवानिवृत्ति नीति

अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक तथा कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्ष की अवधि के लिए, या उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, तक की जाती है। अंशकालिक शासकीय निदेशक भारत सरकार के विवेक पर बीएचईएल के निदेशक मंडल में बने रहेंगे। अंशकालिक गैर–सरकारी (स्वतंत्र) निदेशकों का कार्यकाल प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा तय किया जाता है। सामान्यतः स्वतंत्र निदेशक को तीन वर्ष की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है।

xi. आचार संहिता

बीएचईएल ने अपने कर्मचारियों के लिए उच्च मानक स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासों के एक हिस्से के रूप में; बीएचईएल निदेशक मंडल ने 2005 में पूर्ववर्ती लिस्टिंग समझौते के खंड 49 के अनुरूप "निदेशक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता" निर्धारित की। संहिता को बाद में समय–समय पर नियामक ढांचे में बदलाव के अनुरूप संशोधित किया गया था, जिसमें लिस्टिंग समझौते में बदलाव और व्यापार की गतिशीलता में बदलाव तथा संहिता की मजबूती के लिए अन्य प्रासंगिक प्रावधानों को सम्मिलित करना था। वर्तमान संहिता भी संशोधित सूचीकरण विनियमों के अनुपालन में है।

संहिता में सम्मिलित हैं:

- सामान्य नैतिक अनिवार्यताएं;
- विशिष्ट व्यावसायिक उत्तरदायित्व; तथा
- निदेशक मंडल सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के लिए विशिष्ट अतिरिक्त प्रावधान।

संहिता की एक प्रति कंपनी की वेबसाइट 'www.bhel.com' पर उपलब्ध है।

xii. निदेशक मंडल का घोषणा पत्र/चार्टर

निदेशक मंडल तथा निदेशकों की व्यक्तिगत भूमिका तथा उत्तरदायित्वों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने के उद्देश्य से, निदेशक मंडल ने निदेशक मंडल का एक घोषणा पत्र/चार्टर निर्धारित किया है। घोषणा पत्र/चार्टर बीएचईएल कॉर्पोरेट अभिशासन के उद्देश्यों तथा दृष्टिकोण को भी स्पष्ट करता है।

डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप, लिस्टिंग समझौते और निदेशकों को प्रदान करने के उद्देश्य से

क) अपने वैधानिक कर्तव्यों के सफल निर्वहन के लिए दिशानिर्देशों और प्रक्रियाओं में अंतर्दृष्टि,

ख) भविष्य को समझने तथा रणनीतियों को विकसित करने के लिए कारोबारी माहौल की बेहतर समझ तथा

ग) निदेशक मंडल के सदस्यों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण, बीएचईएल निदेशक मंडल ने निदेशकों के प्रशिक्षण के लिए नीति को मंजूरी दी है। इसमें कंपनी के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए सामान्य और विशिष्ट दोनों प्रकार के प्रशिक्षण हैं।

xiii. व्यवसायी कंपनी सचिव द्वारा प्रमाण पत्र

कंपनी को कंपनी सचिव से प्रमाण पत्र प्राप्त है कि कंपनी निदेशक मंडल के किसी भी निदेशक को सेबी/कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय या किसी ऐसे वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी निदेशक के रूप में नियुक्त या निरंतरता रखने से वंचित या अयोग्य घोषित नहीं किया गया है। यह संलग्न भी है।

xiv. सीईओ/सीएफओ प्रमाणन

लिस्टिंग विनियमों के अनुसार सीईओ/सीएफओ प्रमाणन निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नक–III में संलग्न है।

2.3 निदेशक मंडल स्तरीय लेखा परीक्षा समिति

i. विचारार्थ विषय

निदेशक मंडल द्वारा निर्दिष्ट निदेशक मंडल स्तरीय लेखा परीक्षा समिति के विचारार्थ विषय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 की आवश्यकताओं के साथ–साथ लिस्टिंग विनियमों के अनुरूप हैं और निम्नानुसार हैं:

1. कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी और इसकी वित्तीय जानकारी का प्रकटीकरण यह सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त और विश्वसनीय है;
2. कंपनी के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति, पारिश्रमिक और नियुक्ति की शर्तों की अनुशंसा;
3. सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा प्रदान की गई किसी भी अन्य सेवाओं के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों को भुगतान की स्वीकृति;
4. अनुमोदन के लिए निदेशक मंडल को प्रस्तुत करने से पहले प्रबंधन के साथ वार्षिक वित्तीय विवरणों और लेखापरीक्षक रिपोर्ट की समीक्षा करना, विशेष रूप से निम्नलिखित के संदर्भ में:
    i. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 की उपधारा 3 के खंड (सी) के संदर्भ में निदेशक मण्डल रिपोर्ट में शामिल करने के लिए निदेशक के उत्तरदायित्व विवरण में शामिल किए जाने वाले आवश्यक मामले;
    ii. लेखांकन नीतियों और प्रचलनों में परिवर्तन, यदि कोई हो, और उसके कारण;
    iii. प्रबंधन द्वारा लिए निर्णयों के आधार पर अनुमानों को शामिल करने वाली प्रमुख लेखा प्रविष्टियां;
    iv. लेखापरीक्षा निष्कर्षों से उत्पन्न वित्तीय विवरणों में किए गए महत्वपूर्ण समायोजन;
    v. वित्तीय विवरणों से संबंधित सूचीकरण और अन्य कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन;
    vi. किसी भी संबंधित पक्षों से लेनदेन का प्रकटीकरण;
    vii. मसौदा लेखा परीक्षा रिपोर्ट योग्यता;
5. अनुमोदन के लिए निदेशक मंडल को प्रस्तुत करने से पहले प्रबंधन के साथ तिमाही वित्तीय विवरण और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट की समीक्षा करना;
6. प्रबंधन के साथ किसी मुद्दे (सार्वजनिक विषय, अधिकार/राइट्स इश्यू, प्रेफरेंशियल इश्यू, आदि) के माध्यम से जुटाई गई निधियों के उपयोग/प्रयोग के विवरण, प्रस्ताव दस्तावेज़ में बताए गए उद्देश्यों के अतिरिक्त; अन्य उद्देश्यों के लिए उपयोग किए गए धन का विवरण/प्रॉस्पेक्टस/नोटिस और निगरानी एजेंसी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट जो सार्वजनिक या राइट्स इश्यू की आय के उपयोग की निगरानी करती है और इस मामले में कदम उठाने के लिए निदेशक मंडल को उचित अनुशंसाएं करती हो, की समीक्षा करना;
7. लेखापरीक्षक/ऑडिटर की स्वतंत्रता और प्रदर्शन, लेखापरीक्षा/ऑडिट प्रक्रिया की प्रभावशीलता की समीक्षा और निगरानी करना;
8. संबंधित पक्षों के साथ कंपनी के लेन–देन की स्वीकृति या उसके बाद का कोई संशोधन;
9. अंतर–कॉर्पोरेट ऋणों और निवेशों की जांच;
10. इस प्रावधान के लागू होने की तिथि से, होल्डिंग कंपनी द्वारा 100 करोड़ रुपये से अधिक या सहायक कंपनी की परिसंपत्ति का 10%, जो भी कम हो, में मौजूदा ऋण/अग्रिम/निवेश सहित मौजूदा ऋणों/अग्रिमों/निवेशों के उपयोग की समीक्षा करना;
11. कंपनी के उपक्रमों या परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, जहां कहीं भी आवश्यक हो;
12. आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों और जोखिम प्रबंधन प्रणालियों का मूल्यांकन;
13. प्रबंधन के साथ सांविधिक और आंतरिक लेखा परीक्षकों के प्रदर्शन, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्त समीक्षा;
14. आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की संरचना, स्टाफिंग और विभागाध्यक्ष की वरिष्ठता, रिपोर्टिंग संरचना दायरा/कवरेज और आंतरिक लेखापरीक्षा की आवृत्ति सहित आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की पर्याप्तता, यदि कोई हो, की समीक्षा करना;
15. किसी महत्वपूर्ण निष्कर्ष पर आंतरिक लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा और उस पर अनुवर्ती कार्रवाई;
16. आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा किसी भी आंतरिक जांच के निष्कर्षों की समीक्षा करना जहां संदिग्ध धोखाधड़ी या अनियमितता या मूर्त प्रकृति की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विफलता है और प्रकरण को निदेशक मंडल को रिपोर्ट करना है;
17. लेखा परीक्षा शुरू होने से पहले सांविधिक लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा, लेखा परीक्षा की प्रकृति और दायरे के साथ–साथ संदेह के किसी भी क्षेत्र के बारे में पता लगाने के लिए लेखा परीक्षा के बाद भी चर्चा;
18. जमाकर्ताओं, डिबेंचर धारकों, शेयरधारकों (घोषित लाभांश का भुगतान न करने की स्थिति में) और लेनदारों को भुगतान में पर्याप्त चूक के कारणों की जांच करना;
19. व्हिसल ब्लोअर/ सतर्कता तंत्र के कामकाज की समीक्षा करना;
20. आंतरिक लेखापरीक्षा/निदेशक मंडल और/या भारत सरकार द्वारा बीएलएसी को संदर्भित लेखापरीक्षा पैरा की समीक्षा करना और इसे संदर्भित मुद्दों पर अपने सुझाव/मार्गदर्शन/टिप्पणियां प्रदान करना;
21. सांविधिक लेखापरीक्षकों/आंतरिक लेखापरीक्षकों के साथ आन्तरिक नियंत्रण प्रणालियों के बारे में आवधिक रूप से चर्चा;
22. जहां भी आवश्यक हो, उपयुक्त मामलों में बाहरी स्रोतों से व्यावसायिक सलाह लेना;
23. लेखा परीक्षा समिति निम्नलिखित सूचनाओं की भी समीक्षा करेगी:
    i. वित्तीय स्थिति और परिचालन परिणामों पर प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण;
    ii. महत्वपूर्ण संबंधित पक्षों से लेनदेन का विवरण;
    iii. सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा जारी प्रबंधन पत्र/आंतरिक नियंत्रण कमजोरियों के पत्र; और
    iv. आंतरिक नियंत्रण कमजोरियों से संबंधित आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट;
24. कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य सांविधिक विनियमों के अंतर्गत निर्धारित लेखा परीक्षा समिति के संदर्भ शर्तों से संबंधित कोई अन्य कार्य करना।

ii. समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष का नाम

लेखा परीक्षा समिति की संरचना लिस्टिंग विनियम और कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुपालन में है। लेखा परीक्षा समिति की अध्यक्षता एक स्वतंत्र निदेशक द्वारा की जाती है। सदस्य निदेशकों में वाणिज्य, वित्त, प्रशासन और अभिशासन पृष्ठभूमि के साथ विद्वान तथा प्रतिष्ठित व्यवसायी शामिल हैं।

लेखा परीक्षा समिति का वर्तमान पुनर्गठन 06 फरवरी 2021 को किया गया था। 06 फरवरी 2021 से लेखा परीक्षा समिति की संरचना में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:

निदेशक का नाम सुश्री / श्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	उपस्थित हुए
देश दीपक गोयल, स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर, 2020 तक)	अध्यक्ष	3	3
राजेश शर्मा, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (12 सितंबर, 2020 से)	2	2
	सदस्य (11 सितंबर, 2020 तक)	3	3*
शशांक प्रिय, एएस और एफए, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, अंशकालिक शासकीय निदेशक	सदस्य (6 फरवरी, 2021 से)	0	0
अमित वरदान, जेएस, डीएचआई, अंशकालिक शासकीय निदेशक (2 सितंबर, 2020 तक)	सदस्य	2	2
अमित मेहता, जेएस, डीएचआई, अंशकालिक शासकीय निदेशक	सदस्य (2 सितंबर, 2020 से 5 फरवरी, 2021 तक)	3	3
रंजीत रे, स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर, 2020 तक)	सदस्य	3	3
राज कमल बिंदल स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (6 फरवरी, 2021 से प्रभावी)	0	0
मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (29 मई, 2020 से प्रभावी)	5	5

* श्री राजेश शर्मा को 20 अगस्त, 2020 को आयोजित स्थगित बैठक के लिए अनुपस्थिति अवकाश प्रदान किया गया

निदेशक (वित्त) स्थायी आमंत्रित व्यक्ति हैं। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

आंतरिक लेखा परीक्षा के प्रमुख और सांविधिक लेखा परीक्षक के प्रतिनिधि लेखा परीक्षा समिति की बैठकों के लिए आमंत्रितों के रूप में उपस्थित हो सकते हैं। कंपनी के लेखापरीक्षकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों को लेखा परीक्षा समिति की बैठकों में सुनवाई का अधिकार होगा। वह लेखापरीक्षक की रिपोर्ट पर विचार करेगा लेकिन उसे वोट देने का अधिकार नहीं होगा।

iii. बैठकें और उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान लेखापरीक्षा समिति की पांच बैठकें 13 जून, 2020, 19–20 अगस्त, 2020, 11 सितंबर, 2020, 5–6 नवंबर, 2020 और 6 फरवरी, 2021 को हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपर्युक्त तालिका में दिया गया है।

2.4 नामांकन और पारिश्रमिक समिति

i. पारिश्रमिक नीति

बीएचईएल एक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम होने के कारण इसमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/ कार्यकारी निदेशकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक भारत सरकार द्वारा तय किया जाता है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक/ निदेशकों की नियुक्ति की शर्तें, भारत के राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित की गई हैं। इनको बीएचईएल के नियमों के अनुसार, पट्टे पर आवास, मकान किराए का भुगतान, सुसज्जित आवास, उत्पादकता से जुड़े प्रोत्साहन आदि जैसे कुछ लाभों का भुगतान किया जाता है। अंशकालिक गैर–कार्यकारी निदेशकों तथा स्वतंत्र निदेशकों को निदेशक मंडल या उसकी समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क के अतिरिक्त किसी अन्य पारिश्रमिक का भुगतान नहीं किया जाता है।

ii. विचारार्थ विषय

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 की आवश्यकताओं के अनुरूप तथा पूर्ववर्ती लिस्टिंग समझौते (अब लिस्टिंग विनियम) के खंड 49 के अनुरूप, निदेशक मंडल ने 30 मार्च, 2015 से नामांकन और पारिश्रमिक समिति (एनआरसी) का गठन किया। सूचीकरण विनियमों में एनआरसी के संदर्भ की शर्तों में संशोधन के अनुरूप, समिति के विचारार्थ विषय इस प्रकार हैं:

1. ऐसे व्यक्तियों की पहचान करना जो निदेशक बनने के योग्य हैं तथा जो निर्धारित मानदंडों के अनुसार वरिष्ठ प्रबंधन में नियुक्त किए जा सकते हैं। उनकी नियुक्ति और उन्हें हटाने के लिए निदेशक मंडल को अनुशंसा करेंगे और निदेशक मंडल के प्रदर्शन के प्रभावी मूल्यांकन की विधि को निर्दिष्ट करेंगे, इसकी समितियों और व्यक्तिगत निदेशकों को या तो निदेशक मंडल द्वारा संचालित किया जाएगा, नामांकन और पारिश्रमिक समिति या एक स्वतंत्र बाहरी एजेंसी द्वारा इसके कार्यान्वयन और अनुपालन की समीक्षा करना;
2. निदेशक की योग्यता, सकारात्मक विशेषताओं और स्वतंत्रता का निर्धारण करने के लिए मानदंड निर्धारित करना तथा निदेशक मंडल को एक नीति की अनुशंसा करना, निदेशकों, प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों और अन्य कर्मचारियों के पारिश्रमिक से संबंधित अधिनियम / लिस्टिंग विनियमों के प्रावधानों के अनुपालन में / डीपीई दिशानिर्देश;
3. स्वतंत्र निदेशकों और निदेशक मंडल के मूल्यांकन के लिए मानदंड तैयार करना;
4. निदेशक मंडल की विविधता पर नीति बनाना;
5. निदेशक मंडल को अनुशंसा करने के लिए, अपनी सहायक कंपनियों और अन्य सरकारी संगठनों के बोर्डों में बीएचईएल अधिकारियों का नामांकन, जिन्हें डीएचआई को प्रस्तुत करने से पहले बीएचईएल के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है।
6. विशिष्ट पारिश्रमिक पैकेजों पर कंपनी की नीति का निरीक्षण, पेंशन अधिकारों सहित पूर्णकालिक निदेशकों के लिए अनुलाभ और कोई भी क्षतिपूर्ति भुगतान, जो भारत के राष्ट्रपति द्वारा तय नहीं किया गया है;

7. पूर्णकालिक निदेशकों के लिए कुछ अनुलाभों को मंजूरी देना जो निदेशक मंडल की शक्तियों के अधीन हैं। प्रमुख समूहों के अंतर्गत संक्षेपित व्यक्तिगत निदेशकों के पारिश्रमिक पैकेज के तत्वों की समीक्षा, जैसे प्रोत्साहन/लाभ, बोनस, स्टॉक विकल्प, पेंशन आदि;
8. ऐसे भत्तों, लाभों तथा अन्य संबंधित मामलों पर नीतियों को अंतिम रूप देना जो भारत के राष्ट्रपति द्वारा नहीं बल्कि निदेशक मंडल की शक्तियों के अधीन तय किए गए हैं;
9. कार्य निष्पादन मानदंड के आधार पर निश्चित घटकों और प्रदर्शन से जुड़े प्रोत्साहनों का अनुमोदन;
10. गैर–कार्यकारी निदेशकों को किए जाने वाले भुगतानों के मानदंडों को अंतिम रूप देना;
11. निदेशक मंडल/ शेयरधारकों को स्वतंत्र निदेशकों सहित गैर–कार्यकारी निदेशकों को भुगतान/अनुदान दिए जाने वाले शुल्क/क्षतिपूर्ति/ स्टॉक विकल्प की अनुशंसा , यदि कोई हों;
12. वरिष्ठ प्रबंधन को देय समस्त पारिश्रमिक, चाहे वह किसी भी रूप में हो; के लिए निदेशक मंडल को अनुशंसा,
13. अधिकारियों और गैर–संघीय पर्यवेक्षकों के लिए बोनस/परिवर्तनीय वेतन पूल और इसके वितरण के लिए नीति तय करना;
14. कंपनी अधिनियम, सेबी विनियमों और अन्य वैधानिक विनियमों के अंतर्गत निर्धारित एनआरसी के विचारार्थ विषयों से संबंधित कोई अन्य कार्य करना।

एमसीए ने 5 जून 2015 की अधिसूचना में प्रावधान किया कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 (2), (3) और (4) निदेशकों के प्रदर्शन मूल्यांकन सरकारी कंपनी पर लागू नहीं होगी।

iii. समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष का नाम

नामांकन और पारिश्रमिक समिति का पिछली बार पुनर्गठन 6 फरवरी, 2021 किया गया था। जिसके अनुसार समिति की संरचना में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:

निदेशक का नाम सुश्री/श्री	पद	बैठकों की संख्या	
		उनके कार्यकाल में आयोजित	जिनमें भाग लिया
राजेश शर्मा, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष*	2	2
शशांक प्रिय, एएस और एफए, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, अंशकालिक शासकीय निदेशक	सदस्य (5 फरवरी, 2021 तक)	2	2
अमित वरदान, जेएस, डीएचआई, अंशकालिक शासकीय निदेशक (2 सितंबर, 2020 तक)	सदस्य	0	0
अमित मेहता, जेएस, डीएचआई, अंशकालिक शासकीय निदेशक	सदस्य (2 सितंबर, 2020 से)	2	2
रंजीत रे, स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर, 2020 तक)	सदस्य	0	0
मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	सदस्य* (29 मई, 2020 से)	2	2

* 13 जनवरी 2021 को आयोजित बैठक में श्री राजेश शर्मा, कुछ तकनीकी कारणों से बैठक में देर से शामिल हुए। इस कारण उनके स्थान पर श्री मनीष कपूर को इस बैठक का अध्यक्ष चुना गया।

निदेशक (मानव संसाधन) स्थायी आमंत्रित व्यक्ति हैं। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।

iv. बैठकें और उपस्थिति

गत वर्ष के दौरान नामांकन और पारिश्रमिक समिति दो बैठकें 6 अक्तूबर, 2020 तथा 13 जनवरी, 2021 को हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति का विवरण उपर्युक्त तालिका में दिया गया है।

v. वर्ष 2020–21 के दौरान कार्यकारी निदेशकों के पारिश्रमिक का विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ में)

क्र. सं.	निदेशक का नाम (सुश्री/श्री)	वेतन	लाभ	अन्य लाभ	कार्य निष्पादन से जुड़े प्रोत्साहन	कुल	सेवा अनुबंध / नोटिस अवधि विच्छेद शुल्क
1.	डॉ. नलिन सिंघल	51,64,430	8,00.047	39,600	–	60,04,077	––––
2.	सुबोध गुप्ता	41,78,054	7,37,526	3,37,609	3,76,613	56,29,803	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होंगे
3.	एस बालकृष्णन (30 नवंबर, 2020 तक)	54,33,724	4,89,311	8,02,839	3,48,992	70,74,865	––––
4.	मनोज कुमार वर्मा (31 जनवरी 2021 तक)	53,93,457	6,18,154	5,13,372	2,99,053	68,24,036	––––
5	कमलेश दास	40,77,360	7,19,388	3,21,800	2,58,274	53,76,822	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होंगे
6.	अनिल कपूर	39,75,593	7,48,793	3,14,483	2,66,832	53,05,701	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होंगे
7.	सुश्री रेणुका गेरा (1 दिसंबर, 2020 से)	14,28,029	2,53,414	1,82,997	–	18,64,440	चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होंगे

vi. वर्ष 2020–21 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों को किए गए भुगतान का विवरण नीचे दिया गया हैरू –

(₹ में)

स्वतंत्र निदेशकों के नाम	बैठक शुल्क		कुल
	निदेशक मंडल बैठक	समिति बैठक	
श्री दीपक गोयल	1,50,000/–	1,80,000/–	3,30,000/–
श्री रंजीत रे	1,50,000/–	2,00,000/–	3,50,000/–
श्री राजेश शर्मा	2,10,000/–	3,00,000/–	5,10,000/–
श्री राज कमल बिंदल	2,40,000/–	2,20,000/–	4,60,000/–
श्री मनीष कपूर	2,40,000/–	2,40,000/–	4,80,000/–

स्वतंत्र निदेशक वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान बैठक शुल्क / 30,000/– प्रति निदेशक मंडल बैठक तथा ₹20,000/– प्रति निदेशक मंडल स्तरीय समिति बैठक में भाग लेने के पात्र थे।

स्वतंत्र निदेशक स्टॉक विकल्प के पात्र नहीं हैं।

निदेशकों द्वारा धारित इक्विटी शेयर

नीचे दर्शाये के अतिरिक्त किसी भी निदेशक के पास बीएचईएल में कोई इक्विटी शेयर नहीं है (31 मार्च, 2021 तक):

निदेशक का नाम	धारित शेयरों की संख्या
डॉ. नलिन सिंघल (पत्नी के साथ संयुक्त रूप से)	100

कंपनी ने वर्ष 2020–21 के दौरान कोई स्टॉक विकल्प जारी नहीं किया है।

2.5 शेयरधारकों की समिति

2.5.1 स्टेक होल्डर्स संपर्क समिति

i. विचारार्थ विषय

कंपनी अधिनियम 2013 तथा पूर्ववर्ती सूचीयन समझोतों की आवश्यकताओं के अनुसरण में निदेशक मंडल ने 12 मई, 2014 को स्टेक होल्डर्स संपर्क समिति (एसआरसी) के रूप में शेयरधारकों/निवेशक शिकायत समिति पुनः गठित की गई। समिति शेयरों के अंतरण, तुलन पत्र का प्राप्त न होना, घोषित लाभांश की गैर प्राप्ति आदि से संबंधित शिकायतों सहित शेयरधारकों की शिकायतों के निपटान को देखती है। लिस्टिंग विनियम में होल्डर्स संपर्क समिति (एसआरसी) के संदर्भ की शर्तों में संशोधन के साथ–साथ समिति के विचारार्थ विषय नीचे दी अनुसार है:

1. कंपनी के सुरक्षा धारकों की शिकायतों का समाधान जिसमें शेयरों के हस्तांतरण / प्रसारण/प्रचारण से संबंधित शिकायतें, वार्षिक रिपोर्ट की अनुपलब्धता, घोषित लाभांश की प्राप्ति नहीं होना, नए / डुप्लीकेट प्रमाण पत्र जारी करना, सामान्य बैठकें आदि शामिल हैं।
2. शेयरधारकों द्वारा मतदान अधिकार के प्रभावी अभ्यास के लिए किए गए उपायों की समीक्षा करना;
3. रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के संबंध में कंपनी द्वारा अपनाए गए सेवा मानकों के पालन की समीक्षा करना;
4. कंपनी के शेयरधारकों द्वारा बिना दावे के लाभांश की मात्रा को कम करने और लाभांश वारंट / वार्षिक रिपोर्ट / सांविधिक नोटिस की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों और पहलों की समीक्षा करना;
5. शेयरधारकों, डिबेंचर धारकों और अन्य प्रतिभूति धारकों के हित के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देना।
6. कंपनी अधिनियम, सेबी विनियम और अन्य सांविधिक नियमों के अंतर्गत निर्धारित समिति के संदर्भ से संबंधित किसी अन्य कार्य को करना।

ii. समिति की संरचना, सदस्यों एवं अध्यक्ष के नाम

समिति का अंतिम बार पुनर्गठन 06 फरवरी, 2021 को किया गया। वर्ष के दौरान गठित समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:

निदेशक का नाम सुश्री/श्री	पद	बैठकों की सं.	
		उनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकें की सं.	बैठकों की सं. जिनमें उपस्थित हुए
रंजीत रे स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर 2020 तक)	अध्यक्ष	2	2
मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (12 सितंबर 2020 से)	1	1
शशांक प्रिय एएस एवं एफए , सदस्य कॉमर्स एवं इंडस्ट्री अंश कालिक सरकारी निदेशक	सदस्य (6 फरवरी 2021 से)	0	0
अमित वर्दन, जे एस, डीएचआई अंश कालिक सरकारी निदेशक (2 सितंबर 2020 तक)	सदस्य	2	1
अमित मेहता, जे एस, डीएचआई अंश कालिक सरकारी निदेशक	सदस्य (2 सितंबर, 2020 से 5 फरवरी, 2021 तक)	1	0
निदेशक (वित्त)	सदस्य	3	3
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य	3	3

चीफ इंवेस्टर रिलेशनशिप ऑफिसर (सीआईआरओ) स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। कंपनी सचिव, समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

श्री राजीव कालड़ा, कंपनी सचिव सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियमों, 2015 के संदर्भ में अनुपालन अधिकारी हैं।

iii. बैठकें और उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की तीन बैठकें दिनांक 12 जून, 2020, 30 जुलाई, 2020, तथा 05 नवंबर, 2020 को हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति ऊपर लिखित तालिका में दी गई है।

शेयरधारकों की शिकायतों का विवरण

केफिन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (31 दिसंबर, 2020 तक कंपनी का

आरटीए) और अलंकित असाइनमेंट लिमिटेड (1 जनवरी, 2021 से कंपनी का आरटीए) के अनुसार सेबी को दी गई सूचना के अनुसार समीक्षाधीन वर्ष के दौरान शेयरधारकों से 265 शिकायतें प्राप्त हुई और सभी शिकायतों का निवारण 31 मार्च, 2021 तक कर दिया गया। रिपोर्ट की अवधि के अंत में कोई भी शिकायत लंबित नहीं थी।

2.5.2 शेयर अंतरण समिति

निदेशक मंडल ने एक शेयर अंतरण समिति का गठन 25 मार्च, 1992 को किया था। निदेशक मण्डल ने समिति की सन्दर्भ की शर्तें 01 अगस्त, 2014 से संशोधित की शेयर अंतरण समिति शेयर से जुड़े सभी मुद्दे शेयर अंतरण कमेटी भौतिक मोड में ट्रांसपोज़ेशन, सब–डिवीजन, समेकन, डुप्लिकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी इत्यादि पर विचार और अनुमोदन करती है। शेयर अंतरण समिति को 6 फरवरी, 2021 को अंतिम बार पुनर्गठित किया गया जिसमें निदेशक (वित्त) अध्यक्ष के रूप में, निदेशक (ई, आर–डी) और निदेशक (आईएस–पी) सदस्य के रूप में शामिल हैं।

2020–21 के दौरान बैठकें

शेयर अंतरण समिति ने वर्ष के दौरान दो बार बैठकें की। शेयर अंतरण समिति की बैठकों के कार्यवृत्त समय–समय पर निदेशक मण्डल के सामने प्रस्तुत किए जाते हैं।

2.6 कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए निदेशक मंडल स्तरीय समिति

i. विचारार्थ विषय

सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर डीपीई दिशानिर्देशों के लिए, निदेशक मंडल ने सीएसआर गतिविधियों की उचित और आवधिक मोनीटरिंग के लिए 25 नवंबर, 2010 को सीएसआर के लिए निदेशक मंडल स्तरीय उच्च समिति का गठन किया। समिति को वर्तमान में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए निदेशक मंडल स्तर की समिति के रूप में नामित किया गया है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 में संशोधन के अनुसार (सीएसआर समिति से संबंधित), समिति के विचारार्थ विषय निम्नानुसार हैं।

1. निदेशक मंडल को कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पॉलिसी का गठन और अनुशंसा जो कंपनी अधिनियम, 2013 में अनुसूची VII में निर्दिष्ट क्षेत्रों या विषय में कंपनी द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को इंगित करेगा;
2. परियोजनाओं, कार्यक्रमों और धारा 1 में दिए गए कार्यों पर होने वाले व्यय की राशि की सिफ़ारिश करना:
3. समय – समय पर कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व की गतिविधियों की मोनीटरिंग करना:
4. भारत सरकार द्वारा समय–समय पर कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व और सतत विकास पर जारी दिशा–निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना:

ii. समिति की संरचना, अध्यक्ष और सदस्यों के नाम

पिछली बार समिति को 6 फरवरी, 2021 से पुनर्गठन किया गया था। वर्ष के दौरान गठित समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:

निदेशक का नाम सुश्री / श्री	पद	बैठकों की सं.	
		उनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकें की सं.	बैठकों की सं. जिनमें उपस्थित हुए
रंजीत रे स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर 2020 तक)	अध्यक्ष	2	2
मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (12 सितंबर 2020 से)	1	1
	सदस्य (29 मई, 2020 से 11 सितंबर, 2020 तक)	2	2
अमित वरदान, जेएस, डीएचआई, अंशकालिक सरकारी निदेशक (2 सितंबर, 2020 तक)	सदस्य	2	2
अमित मेहता, जेएस, डीएचआई, अंशकालिक सरकारी निदेशक	सदस्य (2 सितंबर, 2020 से 5 फरवरी, 2021 तक)	1	1
राजेश शर्मा, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	3	3
निदेशक (वित्त)	सदस्य	3	3
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य	3	3

प्रमुख (सीएसआर), कॉर्पोरेट कार्यालय स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। कंपनी सचिव, समिति के सचिव के रूप में कार्य करते है।

iii. बैठकें और उपस्थिति

वर्ष के दौरान समिति की तीन बैठकें 12 जून, 2020, 30 जुलाई, 2020 तथा 5 नवंबर, 2020 को आयोजित की गई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति ऊपर उल्लिखित तालिका में दी गई है।

2.7 मानव संसाधन समिति

i. विचारार्थ विषय

निदेशक मंडल ने 31 मई, 2006 को मानव संसाधन समिति का गठन विशेष रूप से निम्नलिखित मामलों को देखने के लिए किया है।

क. कार्यपालकों की पदोन्नति और पुरस्कार / प्रोत्साहन की वर्तमान नीतियों की समीक्षा।

ख. बदलते /उभरते व्यापारिक परिवेश के अनुरूप बीएचईएल को तैयार करने की नीतियों में अल्पकालिक और दीर्घकालिक बदलाव का सुझाव देना।

ii. समिति की संरचना, अध्यक्ष और सदस्यों के नाम

पिछली बार समिति को 6 फरवरी, 2021 से पुनर्गठन किया गया था। वर्ष के दौरान गठित समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं:

निदेशक का नाम सुश्री/श्री	पद	बैठकों की सं.	
		उनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकें की सं.	बैठकों की सं. जिनमें उपस्थित हुए
देश दीपक गोयल, स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर, 2020 तक)	अध्यक्ष	0	0
राज कमल बिंदल स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (6 फरवरी, 2021 से)	0	0
	सदस्य (29 मई, 2020 से)	1	1
रंजीत रे, स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर, 2020 तक)		0	0
निदेशक (वित्त)	सदस्य* (5 फरवरी, 2021 तक)	1	1
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य	1	1
निदेशक (आईएस एंड पी)	सदस्य (6 फरवरी, 2021 से)	0	0

* निदेशक (वित्त) को 22 दिसंबर, 2020 को आयोजित बैठक के अध्यक्ष के रूप में चुना गया।

प्रमुख (मा.सं.), कॉर्पोरेट कार्यालय स्थायी आमन्त्रित सदस्य हैं। कंपनी सचिव, समिति के सचिव के रूप में कार्य करते है।

iii. बैठकें और उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की दिनांक 22 दिसंबर, 2020 को एक बैठक हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति ऊपर उल्लिखित तालिका में दी गई है।

2.8 स्वतंत्र निदेशकों की समिति

i. विचारार्थ विषय

दिनांक 28 दिसंबर, 2012 के डीपीई कार्यालय ज्ञापन के अनुसार सीपीएसई के लिए निदेशक मंडल ने स्वतंत्र निदेशकों की आदर्श भूमिका और जिम्मेदारियों पर एक समिति का गठन किया, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की IV अनुसूची और सूचीयन समझौते की आवश्यकताओं के अनुसार है।

ii. समिति की संरचना, अध्यक्ष और सदस्यों के नाम

वर्ष के दौरान समिति की संरचना में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं।

निदेशक का नाम सुश्री/श्री	पद	बैठकों की सं.	
		उनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकें की सं.	बैठकों की सं. जिनमें उपस्थित हुए
देश दीपक गोयल, (11 सितंबर, 2020 तक)	अध्यक्ष और मुख्य स्वतंत्र निदेशक	1	1
राजेश शर्मा	अध्यक्ष और मुख्य स्वतंत्र निदेशक (12 सितंबर, 2020 से)	0	0
	सदस्य (11 सितंबर, 2020 तक)	1	1
रंजीत रे, (11 सितंबर, 2020 तक)	सदस्य	1	1
राज कमल बिंदल	सदस्य	1	1
मनीष कपूर	सदस्य	1	1

iii. बैठकें और उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की दिनांक 11 सितंबर, 2020 को एक बैठक हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति ऊपर उल्लिखित तालिका में दी गई है।

2.9 निदेशक मंडल स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति

i. विचारार्थ विषय

पुराने लिस्टिंग एग्रीमेंट (अब लिस्टिंग विनियम) के अनुसार, निदेशक मंडल ने 14 नवंबर, 2014 को निदेशक मंडल स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया। सूचीबद्ध विनियमों के अनुसार निदेशक मंडल स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति के विचारार्थ विषय, यथासंशोधित, निम्नानुसार हैं।

1. कंपनी के जोखिम पर काबू पाने की संरचना, जोखिम आंकलन और जोखिम प्रबंधन के ढाँचे, निर्देशों, नीतियों, और जोखिम निर्धारण एवं जोखिम प्रबंधन की प्रक्रिया की समीक्षा करना।
2. पहचाने गए प्रमुख जोखिमों को कम करने के लिए कंपनी की रणनीति के साथ ऐसे जोखिमों की निगरानी और कम करने की प्रक्रिया की समीक्षा करना।
3. साइबर सुरक्षा और इसके उपशमन से संबंधित जोखिम की समीक्षा करना;
4. समिति की गतिविधियों की जानकारी और प्रस्तावित परिवर्तनों की अनुशंसा के लिए अनुमोदन यदि कोई हो, के लिए निदेशक मंडल को रिपोर्ट करना।
5. कंपनी अधिनियम, सेबी विनियम और अन्य सांविधिक नियमों के अंतर्गत निर्धारित समिति के संदर्भ से संबंधित किसी भी अन्य कार्य को करना।

ii. समिति की संरचना, अध्यक्ष और सदस्यों के नाम

समिति का अंतिम बार पुनर्गठन 29 मई, 2020 को किया गया। वर्ष के दौरान समिति की संरचना में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं।

निदेशक का नाम सुश्री / श्री	पद	बैठकों की सं.	
		उनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकें की सं.	बैठकों की सं. जिनमें उपस्थित हुए
शशांक प्रिय एएस एवं एफए , सदस्य कॉमर्स एवं इंडस्ट्री अंश कालिक सरकारी निदेशक	अध्यक्ष	3	3
देश दीपक गोयल, स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर, 2020 तक)	सदस्य	1	1
राज कमल बिंदल स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (29 मई, 2020 से)	3	3
निदेशक (वित्त)	सदस्य	3	3
निदेशक (आईएस एंड पी)	सदस्य	3	3
निदेशक (पॉवर)	सदस्य	3	3
अध्यक्ष, रिस्क मैनेजमेंट स्टीरिंग कमेटी	सदस्य	3	3
मुख्य जोखिम अधिकारी	सदस्य और संयोजक	3	3

iii. बैठकें और उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की तीन बैठकें दिनांक 12 जून, 2020, 08 अक्टूबर, 2020 तथा 13 जनवरी, 2021 को हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति ऊपर उल्लिखित तालिका में दी गई है।

2.10 मध्यस्थता एवं मुख्य कानूनी विवादों पर समिति

i. विचारार्थ विषय

26 मई, 2015 को हुई अपनी बैठक में निदेशक मंडल ने मध्यस्थता एवं मुख्य कानूनी विवादों पर समिति का गठन किया जो मध्यस्थता के मामलों के साथ–साथ प्रमुख कानूनी विवादों की विस्तृत समीक्षा करती है और उसके बाद तदनुसार निदेशक मंडल को अवगत कराती है।

ii. समिति की संरचना, अध्यक्ष और सदस्यों के नाम

निदेशक मंडल ने 6 फरवरी, 2021 को आयोजित अपनी बैठक में ''वैकल्पिक विवाद समाधान पर निदेशक मंडल स्तर की समिति'' के ''मध्यस्थता एवं मुख्य कानूनी विवादों पर समिति" के साथ विलय को मंजूरी दे दी और ''मध्यस्थता एवं मुख्य कानूनी विवादों पर समिति" को पुनर्नमित कर "मध्यस्थता एवं प्रमुख कानूनी विवाद और वैकल्पिक विवाद समाधान समिति" कर दिया। इसके विलय से पूर्व मध्यस्थता एवं प्रमुख कानूनी विवादों पर समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल थे।

निदेशक का नाम सुश्री / श्री	पद	बैठकों की सं.	
		उनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकें की सं.	बैठकों की सं. जिनमें उपस्थित हुए
देश दीपक गोयल, स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर, 2020 तक)	अध्यक्ष	2	2
अमित वरदान, जेएस, डीएचआई, अंशकालिक सरकारी निदेशक (2 सितंबर, 2020 तक)	सदस्य	2	2
अमित मेहता, जेएस, डीएचआई, अंशकालिक सरकारी निदेशक	सदस्य (2 सितंबर, 2020 से)	2	0
राजेश शर्मा, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	4	4
राज कमल बिंदल# स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (29 मई, 2020 से)	4	4
निदेशक (पॉवर)#	सदस्य	4	4*
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य	4	4*

* दिनांक 1 फरवरी, 2021 से श्री अनिल कपूर, निदेशक (मानव संसाधन) के पास निदेशक (पॉवर) का अतिरिक्त प्रभार रहा हैं।

निदेशक (पॉवर) और श्री राज कमल बिंदल, स्वतंत्र निदेशक को क्रमशः 5 नवंबर, 2020 और 6 फरवरी, 2021 को हुई बैठकों के अध्यक्ष के रूप में चुना गया।

प्रमुख–विधि समिति के संयोजक हैं और समिति द्वारा समीक्षा के लिए आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करते हैं।

iii. बैठकें और उपस्थिति

इसके विलय तक, वर्ष के दौरान मध्यस्थता एवं प्रमुख कानूनी विवादों पर समिति की बैठकें 12 जून, 2020, 30 जुलाई, 2020, 5 नवंबर, 2020 और 6 फरवरी, 2021 को चार बार हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति ऊपर उल्लिखित तालिका में दी गई है।

2.11 वैकल्पिक विवाद समाधान पर निदेशक मंडल स्तरीय समिति

i. विचारार्थ विषय,

29 मई, 2018 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल ने बीएचईएल समाधान योजना, 2018 के अंतर्गत मसौदा निपटान समझौते को स्वीकार / अस्वीकार करने के लिए सक्षम प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए वैकल्पिक विवाद समाधान पर निदेशक मंडल स्तर समिति का गठन किया।

ii. समिति की संरचना, अध्यक्ष एवं सदस्यों के नाम

निदेशक मंडल ने 6 फरवरी, 2021 को आयोजित अपनी बैठक में "वैकल्पिक विवाद समाधान पर निदेशक मंडल स्तर की समिति" के "मध्यस्थता एवं मुख्य कानूनी विवादों पर समिति" के साथ विलय को मंजूरी दे दी और "मध्यस्थता एवं मुख्य कानूनी विवादों पर समिति" को पुनर्नमित कर "मध्यस्थता एवं प्रमुख कानूनी विवाद और वैकल्पिक विवाद समाधान समिति" कर दिया। इसके विलय से पूर्व मध्यस्थता एवं प्रमुख कानूनी विवादों पर समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल थे।

निदेशक के नाम सुश्री/श्री सुश्री / सर्वश्री	पद
राजेश शर्मा, स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष
मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (29 मई, 2020 से)
निदेशक(वित्त)	सदस्य
निदेशक (ई, आर एंड डी)	सदस्य
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य

समिति जब भी आवश्यक हो, संबंधित कार्यकारी निदेशक को अतिरिक्त सदस्य के रूप में सह–योजित कर सकती है।

iii. बैठकें और उपस्थिति

इसके विलय तक, समीक्षाधीन वर्ष के दौरान वैकल्पिक विवाद समाधान पर निदेशक मंडल स्तर की समिति की कोई बैठक नहीं हुई।

2.12 बाय बैक कमेटी

i. विचारार्थ विषय, समिति की संरचना, अध्यक्ष एवं सदस्यों के नाम

25 अक्टूबर, 2018 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल ने बायबैक समिति का गठन किया और समिति को शेयरों के बायबैक के संबंध में निदेशक मंडल की शक्तियों का प्रतिनिधित्व किया। समिति को ऐसे सभी कार्य, दस्तावेज़ों, मामलों और चीजों को करने के लिए अधिकृत किया गया था, जो कि अपने पूर्ण विवेक से आवश्यक, समीचीन, सामान्य या उचित रूप में हो, क्योंकि बायबैक समिति बायबैक का कार्यान्वयन शेयरधारकों के सर्वोत्तम हित में करती है। निदेशक मंडल ने 6 फरवरी, 2021 को हुई अपनी बैठक में बायबैक समिति के विघटन को मंजूरी दी। विघटन से पहले समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल थे।

निदेशक का नाम सुश्री/श्री	पद
निदेशक (मा.सं.)	अध्यक्ष
निदेशक (वित्त)	सदस्य
निदेशक (ई, आर एंड डी)	सदस्य

कंपनी सचिव / उप कंपनी सचिव, बायबैक समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

ii. बैठकें और उपस्थिति

वर्ष के दौरान समिति के विघटन तक बायबैक समिति की कोई बैठक नहीं हुई।

2.13 निदेशक मंडल स्तरीय परियोजना समीक्षा समिति

i. विचारार्थ विषय

निदेशक मंडल ने दिनांक 9 अगस्त, 2019 को आयोजित अपनी बैठक में, संदर्भ की निम्नलिखित पुनरीक्षित शर्तों के साथ निदेशक मंडल स्तर की परियोजना समीक्षा समिति के पुनः प्रवर्तन को मंजूरी दी।

I. समिति रु 500 करोड़ और उससे अधिक मूल्य वाली परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा करेगी;

II. समिति देनदारों की आवधिक स्थिति की समीक्षा करेगी;

III. बैठकों के लिए कोरम तीन सदस्य होंगे;

IV. समिति वर्ष में कम से कम चार बार बैठकें करेगी।

V. समिति ऐसे कार्यपालकों को आमंत्रित कर सकती है, जिनका समिति की बैठकों में उपस्थित होना उचित समझा जाए।

ii. समिति की संरचना, अध्यक्ष एवं सदस्यों के नाम

समिति का अंतिम बार पुनर्गठन 06 फरवरी, 2021 को किया गया। वर्ष के दौरान समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल है–

निदेशक का नाम सुश्री / सर्वश्री	पद	बैठकों की सं.	
		उनके कार्यकाल के दौरान हुई बैठकें की सं.	बैठकों की सं. जिनमें उपस्थित हुए
रंजीत रे स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर, 2020 तक)	अध्यक्ष	2	2
अमित मेहता, जेएस, डीएचआई, अंश कालिक सरकारी निदेशक	अध्यक्ष (06 फरवरी, 2021 से)	0	0
	सदस्य (2 सितंबर, 2020 से 5 फरवरी, 2021 तक)	0	0
अमित वरदान, जेएस, डीएचआई, अंश कालिक सरकारी निदेशक (2 सितंबर, 2020 तक)	सदस्य	2	1
देश दीपक गोयल स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर, 2020 तक)	सदस्य	2	2
राज कमल बिंदल स्वतंत्र निदेशक	सदस्य (29 मई, 2020 से)	2	2
निदेशक (वित्त)	सदस्य	2	2
निदेशक (आईएस एंड पी)	सदस्य	2	2
निदेशक (पॉवर)	सदस्य	2	2

प्रमुख (पीएस–पीएमजी) और महाप्रबंधक–प्राप्य प्रबंधन (Receivable Management) संबंधित एजेंडे के लिए समिति के संयोजक हैं और समिति द्वारा समीक्षा के लिए आवश्यक जानकारी प्रस्तुत करते हैं। जब कभी आवश्यक हो, संबंधित व्यावसायिक क्षेत्रों के प्रमुखों को आमंत्रित किया जाएगा। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे।

iii. बैठकें और उपस्थिति

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की दो बैठकें दिनांक 11 जून, 2020 तथा 30 जुलाई, 2020 को हुई। प्रत्येक सदस्य की उपस्थिति ऊपर उल्लिखित तालिका में दी गई है।

2.14 मध्यस्थता एवं प्रमुख कानूनी विवाद और वैकल्पिक विवाद समाधान पर समिति

i. विचारार्थ विषय, समिति की संरचना, सदस्यों और अध्यक्ष का नाम

निदेशक मंडल ने 6 फरवरी, 2021 को आयोजित अपनी बैठक में "वैकल्पिक विवाद समाधान पर निदेशक स्तर की समिति" के "मध्यस्थता एवं मुख्य कानूनी विवादों पर समिति" के साथ विलय को मंजूरी दे दी और "मध्यस्थता एवं मुख्य कानूनी विवादों पर समिति" का नाम "मध्यस्थता एवं मुख्य कानूनी विवाद तथा वैकल्पिक विवाद समाधान पर समिति" के रूप पुनर्नमित किया गया। समिति में निम्नलिखित निदेशक शामिल हैं।

निदेशक का नाम सुश्री / सर्वश्री	पद
राज कमल बिंदल स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष
अमित मेहता, जेएस, डीएचआई, अंश कालिक सरकारी निदेशक	सदस्य
राजेश शर्मा, स्वतंत्र निदेशक	सदस्य
निदेशक (पॉवर)	सदस्य
निदेशक (ई, आर एंड डी)	सदस्य
निदेशक (मा.सं.)	सदस्य

विधि–प्रमुख समिति का संयोजक होता है तथा समिति की समीक्षा के लिए आवश्यक सूचनाएं प्रस्तुत करता है।

iii. बैठकें और उपस्थिति

वर्ष के दौरान मध्यस्थता एवं मुख्य कानूनी विवाद तथा वैकल्पिक विवाद समाधान संबंधी समिति की कोई बैठक नहीं हुई।

2.15 सामान्य बैठकें

i. पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों का स्थान और समय

वर्ष	स्थान	दिनांक	समय
वित्त वर्ष 2017– 18 (54वीं वार्षिक आम बैठक)	मानेकशॉ सेंटर, परेड रोड, खैबर लाइन्स, दिल्ली कैंट, दिल्ली–110010	19 सितंबर, 2018	प्रातः 10.00
वित्त वर्ष 2018– 19 (55वीं वार्षिक आम बैठक)	मानेकशॉ सेंटर, परेड रोड, खैबर लाइन्स, दिल्ली कैंट, दिल्ली–110010	19 सितंबर, 2019	प्रातः 10.00
वित्त वर्ष 2019 – 20 (56वीं वार्षिक आम बैठक)	वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक हुई। नियत स्थान कंपनी का पंजीकृत कार्यालय था	28 सितंबर, 2020	प्रातः 10.00

ii. पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों में पारित विशेष प्रस्तावों का विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 14 के प्रावधानों के अनुसार, 19 सितंबर, 2018 को 54 वीं वार्षिक आम बैठक में एक विशेष प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसमें शेयरों के बाय–बैक संबंधी अनुच्छेद 5ए का सम्मिलन कर कंपनी के संगम अनुच्छेदों में संशोधन किया गया था। इसके अलावा, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 के प्रावधानों के अनुसार, 19 सितंबर, 2019 को आयोजित 55वीं वार्षिक आम बैठक में श्री आर. स्वामीनाथन की दूसरे कार्यकाल के लिए स्वतंत्र निदेशक के रूप में पुनः नियुक्ति के लिए एक विशेष प्रस्ताव पारित किया गया।

iii. पोस्टल बैलेट

पिछले वर्ष में पोस्टल बैलेट के माध्यम से कोई विशेष प्रस्ताव पारित नहीं किए गए। पोस्टल बैलेट द्वारा इस तरह का कोई प्रस्ताव परिचालन हेतु प्रस्तावित नहीं किया गया।

2.16 प्रकटीकरण

i. संबद्ध पक्ष के साथ वास्तविक रूप से महत्वपूर्ण लेन–देन का प्रकटीकरण जिसके कंपनी के हित के विरूद्ध होने की संभावना हो।

कंपनी ने भौतिक रूप से महत्वपूर्ण संबंधित पार्टी लेन–देन (आरपीटी) के साथ व्यवहार नहीं किया है जिसका व्यापक रूप से कंपनी के हितों के साथ संभावित प्रतिकूलता हो सकती है। बहरहाल, वार्षिक रिपोर्ट में वित्तीय विवरण 2020–21 के नोट्स में संबंधित पक्षों के साथ लेन–देन का खुलासा किया गया है।

सामग्री सहायक कंपनियों का निर्धारण करने वाली कंपनी की नीति और संबंधित पार्टी लेनदेन से संबंधित नीति https://www.bhel.com/policy-regard-related-party-transactions-0 पर उपलब्ध है।

ii. पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से संबंधित कंपनी पर लगाए गए गैर–अनुपालन / दंड एवं आलोचना

पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार के संबंध में कंपनी पर गैर–अनुपालन / दंड और आलोचना का कोई भी मामला नहीं है। स्टॉक एक्सचेंज / सेबी या किसी अन्य सांविधिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी पर पूंजी बाजार से संबंधित किसी भी मामले पर कोई दंड / सख्ती लागू नहीं की गई थी। ।

तथापि, कंपनी ने एनएसई और साथ ही बीएसई को सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियमन 17 (1) के प्रावधान का पालन न करने और निदेशक मंडल में 50: स्वतंत्र निदेशकों (कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) के न होने पर जुर्माने के लिए नोटिस प्राप्त किया। नोटिस के जवाब में, कंपनी ने एक्सचेंजों को स्पष्ट किया कि स्वतंत्र निदेशकों की कमी कंपनी की किसी भी लापरवाही / चूक के कारण नहीं थी, क्योंकि नियुक्ति उनके नियंत्रण में नहीं है। इसके मद्देनजर, कंपनी ने एक्सचेंजों से उनकी वाली नीतियों के अंतर्गत जुर्माना माफ करने का अनुरोध किया है। स्वतंत्र निदेशकों (कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित) की नियुक्ति के मामले पर प्रशासनिक मंत्रालय के साथ प्रक्रिया चल रही है।

iii. व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी (मुखबिर नीति)

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपकर्मों के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों और सूचीबद्ध कंपनियों एवं स्टॉक एक्सचेंजों और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 के बीच लिस्टिंग समझौते के खंड 49 के अनुसरण में कंपनी और इसके द्वारा एक विस्तृत व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी

का मसौदा तैयार किया गया था। दिनांक 12 अगस्त 2014 को हुई 464वीं बैठक में निदेशक मंडल द्वारा इसको विधिवत स्वीकृति प्रदान की गई। नीति सूचीकरण विनियमों के अनुरूप है। इसके उत्तरवर्ती एक परिपत्र द्वारा व्हिसल ब्लोअर नीति को अधिसूचित किया और सभी कर्मचारियों के नोटिस के लिए सक्षम प्राधिकारी और अध्यक्ष, लेखा परीक्षा समिति के संपर्क विवरण को सूचित किया।

व्हिसल ब्लोअर नीति की एक प्रति व्यापक प्रचार के लिए कंपनी की वेबसाइट www.bhel.com पर उपलब्ध कराई गई है। पते में परिवर्तन, सक्षम प्राधिकारी और अध्यक्ष, लेखापरीक्षा समिति के संपर्क विवरणों में समय–समय पर संशोधन भी अधिसूचित किया जा रहा है।

इस नीति के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों का निवारण इस संबंध में दिये गए दिशा–निर्देशों के अंतर्गत किया जाता है और किसी भी कार्मिक को लेखा परीक्षा समिति के पास जाने से रोका नहीं जाता है।

iv. कॉर्पोरेट अधिशासन पर डीपीई दिशा–निर्देशों के अनुपालन की आवश्यकताओं, सूचीयन समझौतों /विनियमों के गैर अनिवार्य कॉर्पोरेट अभिशासन की आवश्यकताओं का अधिग्रहण एवं अनिवार्य आवश्यकताओं के अनुपालन का विवरण।

सीपीएसई और सेबी (सूचीबद्ध करने की बाध्यता और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) के लिए कॉर्पोरेट अभिशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों की सभी अनिवार्य आवश्यकताएं, 2015 के कंपनी द्वारा निदेशक मंडल की संरचना से संबंधित को छोड़कर विधिवत अनुपालन किया गया है। लिस्टिंग विनियमों के लिए गैर अनिवार्य आवश्यकताओं के संबंध में बीएचईएल असंशोधित लेखा परीक्षा के साथ वित्तीय विवरण की व्यवस्था में पहले से ही है।

खाते से कोई भी ऐसा खर्च नहीं किया गया है जो व्यापार के उद्देश्य से नहीं है और खाते से ऐसा कुछ भी खर्च नहीं किया गया जो व्यक्तिगत हो तथा निदेशक मंडल के निदेशकों और शीर्ष प्रबंधन के लिए किया गया है। कुल खर्चों के प्रतिशत के रूप में अन्य खर्चों (प्रशासनिक और अन्य विविध खर्चों सहित) को वित्त वर्ष 2019–20 में 10.70% के मुकाबले वित्त वर्ष 2020–21 में घटाकर कुल खर्चों का 8.45% कर दिया गया है। इसे विभिन्न लागत में कमी के उपायों और कड़े बजटीय नियंत्रणों द्वारा संभव बनाया गया है।

v. राष्ट्रपति निदेश

पिछले तीन वर्षों यथा–2018–19, 2019–20 और 2020–21 के दौरान राष्ट्रपति महोदय से कोई निदेश प्राप्त नहीं हुआ है।

vi. जोखिम प्रबंधन

सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट अभिशासन पर डीपीई के दिशा–निर्देशों और सेबी (सूचीयन दायित्व प्रकटन अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के अनुपालन में, बीएचईएल के पास निदेशक मंडल से स्वीकृत एक जोखिम प्रबंधन चार्टर एवं नीति है जिसमें निदेशक मंडल के सदस्यों को जोखिम आकलन और न्यूनीकरण के बारे में सूचित करने की प्रक्रिया दी गई है। इस नीति में कंपनी की जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया के लिए संरचनागत एवं संपूर्ण ढांचा है जो जोखिमों के उचित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करता है। जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया में जोखिम की पहचान, जोखिम मूल्यांकन, जोखिम समीक्षा, जोखिमों के न्यूनीकरण, जोखिमों की समीक्षा एवं मॉनिटरिंग शामिल है। बीएचईएल में निदेशक मंडल स्तरीय जोखिम प्रबंधन समिति (बीएलआरएमसी) है जिसे कंपनी के जोखिम शासन संरचना, जोखिम मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे, दिशानिर्देशों और निदेशक मंडल स्तर पर नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जोखिम प्रबंधन स्थायी समिति (आरएमएससी) कंपनी में जोखिम प्रबंधन पहल का नेतृत्व करती है। जोखिम प्रबंधन स्थायी समिति में कॉर्पोरेट कार्य और व्यवसाय क्षेत्र के प्रमुख शामिल हैं, जो जोखिम प्रबंधन प्रणाली को अपनाने और लागू करने के लिए उत्तरदायी हैं। जोखिम प्रबंधन समितियां (आरएचसी) व्यावसायिक क्षेत्रों / क्षेत्रों / इकाई स्तर पर जोखिम प्रोफाइल और जोखिम शमन योजनाओं की समीक्षा और संबंधित इकाइयों / क्षेत्रों के लिए उनके कार्यान्वयन के लिए उत्तरदायी हैं।

vii. कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के संबंध में प्रकटीकरण के बारे में जानकारी निदेशक मंडल की रिपोर्ट का हिस्सा है और अनुलग्नक 'ग' के पैरा 1.9.5.2 "कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा" के रूप में उपलब्ध है।

viii. नियमन 32 (7ए) के अंतर्गत निर्दिष्ट अधिमान्य आबंटन या योग्य संस्थानों के प्लेसमेंट के माध्यम से उठाए गए फंड के उपयोग का विवरण

शून्य

ix. सूचीबद्ध संस्था और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा सांविधिक आधार पर सांविधिक लेखा परीक्षक और नेटवर्क फर्म / नेटवर्क इकाई में सभी संस्थाओं के लिए भुगतान की जाने वाली सभी सेवाओं के लिए कुल शुल्क, जिसका वैधानिक लेखा परीक्षक एक हिस्सा है ।

वैधानिक लेखा परीक्षकों और शाखा लेखा परीक्षकों को भुगतान की गई सभी सेवाओं के लिए कुल शुल्क का खुलासा वित्तीय विवरण 2020–21 के नोट्स में किया गया है। सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यम कंपनियों के लेखा परीक्षकों को उनके द्वारा अलग–अलग नियुक्त किया गया था और वे वही लेखा परीक्षक नहीं थे जिन्होंने बीएचईएल के वित्तीय विवरणों का लेखा–जोखा किया था।

x. कॉर्पोरेट अभिशासन पर अनुपालन प्रमाण पत्र

कॉर्पोरेट अभिशासन पर अनुपालन प्रमाण पत्र संलग्न है।

2.17 संचार माध्यम

सूचीकरण नियमों के अंतर्गत आवश्यक है कि कंपनी निदेशक मंडल बैठकों के स्टॉक एक्सचेंजों को अग्रिम रूप से एक नोटिस जारी करती है, जिसमें बिना लेखा परीक्षा के / लेखा परीक्षा किए गए वित्तीय परिणाम होते हैं। इसके अलावा, उक्त परिणाम रिकॉर्ड / अनुमोदित किए जाने के तुरंत बाद स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित कर दिए जाते हैं । ये अनुमोदित वित्तीय परिणाम निदेशक मंडल या समिति की बैठक के समापन के 48 घंटों के भीतर एक अंग्रेजी के दैनिक समाचार पत्र में जो पूरे भारत में प्रकाशित होता हो और एक क्षेत्रीय भाषा में प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित होते हैं जहां कंपनी का पंजीकृत कार्यालय स्थित हो एवं कंपनी के वेबसाइट (www.bhel.com) में प्रकाशित होता है। शेयरधारकों से संबंधित अन्य सूचना जैसे कि निर्देशन में परिवर्तन, अप्रदत्त लाभांश का विवरण, वार्षिक रिपोर्ट आदि, कंपनी की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किए जाते हैं। प्रमुख आदेशों का मिलना, प्रमुख परियोजनाओं का कमीशन किया जाना, महत्वपूर्ण कोलाबोरेशन्स, अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं को कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट किया जाता है और साथ ही स्टॉक एक्सचेंजों को भी भेजा जाता है। 2019–20 के दौरान, बीएचईएल ने विश्लेषकों या निवेशकों को वित्तीय परिणामों पर कोई प्रस्तुति नहीं दी है, वित्तीय परिणाम की घोषणा के बाद स्टॉक एक्सचेंजों को पूर्व सूचना देने और अपनी वेबसाइटों पर इसे पोस्ट करने के बाद त्रैमासिक सम्मेलन का आयोजन। वित्त वर्ष 2021 की दूसरी एवं तीसरी तिमाही के लिए, जिसमें कॉन्फ्रेंस कॉल आयोजित नहीं की जा सकीं, विस्तृत परिणाम दस्तावेज़ स्टॉक एक्सचेंज वेबसाइटों के साथ–साथ कंपनी की वेबसाइटों पर भी अपलोड किए गए थे। बीएचईएल ने नियमित आमने–सामने की चर्चा के अलावा विभिन्न निवेशक सम्मेलनों/बैठकों में भी भाग लिया है।

सूचीकरण विनियमों के विनियमन 46 के अनुपालन में, कंपनी अपनी वेबसाइट की सूचनाओं का प्रसार करती है जिसमें अन्य बातों के साथ–साथ निदेशक मंडल की विभिन्न समितियों की संरचना, आचार संहिता, आरपीटी

से निपटने की नीति, नामित अधिकारियों के संपर्क की जानकारी निवेशकों की शिकायतों आदि को संभालने एवं सहायता करने हेतु उत्तरदायी कंपनी के पदनामित अधिकारियों की सूचना कंपनी अपनी वेबसाइट में प्रसारित करती है ।

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के "ग्रीन इनिसिएटिव" के अनुसरण में कंपनी उन शेयरधारकों को ईमेल के माध्यम से वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक आम बैठक बुलाने की सूचना भेजती है, जिन्होंने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स / आरटीए के साथ अपना ईमेल आईडी पंजीकृत किया है और जिन्होंने वार्षिक रिपोर्ट की हार्ड प्रति के विकल्प को नहीं चुना है। इस पहल की निरंतर सफलता के लिए, शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने ईमेल आईडी को अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागियों/आरटीए के साथ पंजीकृत करें।

2.18 सामान्य शेयरधारकः सूचना

	वार्षिक आम सभा दिनांक	समय	स्थल
i	सितंबर 23, 2021	10:00 प्रातः	कंपनी, दिनांक 5 मई, 2020 के एमसीए परिपत्र के साथ पठित 13 जनवरी, 2021 के एमसीए परिपत्र के अनुसार बैठक वीसी/ ओएवीएम के माध्यम से आयोजित कर रही है और तदनुसार, एजीएम का स्थान कंपनी का पंजीकृत कार्यालय ही समझा जाएगा। विवरण के लिए कृपया इस एजीएम के नोटिस का संदर्भ ग्रहण करें
ii	वित्तीय वर्ष	01 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021	

वार्षिक रिटर्न– https://www.bhel.com/agm-related पर उपलब्ध है

iii. लाभांश का इतिहासः

बीएचईएल द्वारा भुगतान किए गए लाभांश (और निवेशक शिक्षा सुरक्षा निधि में अतरण हेतू देय नहीं) का विवरण निम्नानुसार है।

वर्ष	लाभांश दर	भुगतान की गई कुल लाभांश राशि (रु. करोड़ में)	लाभांश घोषित करने की तिथि
2013–2014 (अंतिम)	76%	372.04	19.09.2014
2014–2015 (अंतरिम)	27%	132.17	12.02.2015*
2014–2015 (अंतिम)	31%	151.75	22.09.2015
2015–2016 (अंतिम)	20%	97.90	22.09.2016
2016–2017 (अंतरिम)	40%	195.81	07.02.2017*
2016–2017 (अंतिम)	39%	190.92	22.09.2017
2017–2018 (अंतरिम)	40%	293.72	08.02.2018*
2017–2018 (अंतिम)	51%	374.48	19.09.2018
2018–2019 (अंतरिम)	40%	278.57	05.02.2019*
2018–2019 (अंतिम)	60%	417.85	19.09.2019

* निदेशक मंडल की बैठक की तिथि जिसमें अंतरिम लाभांश घोषित किया गया था।

नोटः

(1) 2017–18 के दौरान, कंपनी ने 03.10.2017 को 1: 2 के अनुपात में अपने शेयरधारकों को बोनस इक्विटी शेयर आबंटित किए हैं, यानी प्रत्येक दो पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयरों के लिए रु. 2 का पूर्ण प्रदत्त नया बोनस इक्विटी शेयर। परिणामस्वरूप,शेयरों की कुल संख्या 244.76 करोड़ से बढ़कर 367.14 करोड़ हो गई है।

(2) कंपनी ने वर्ष 2018–19 के दौरान 1628.30 करोड रू के कुल कंसिडरेशन हेतु 86 रु (छियासी रू) प्रति इक्विटी शेयर के मूल्य पर "निविदा प्रस्ताव" के माध्यम से आनुपातिक आधार पर रिकॉर्ड तिथि पर इसके शेयर होल्डर्स से कंपनी के कुल जारी एवं प्रदत्त इक्विटी शेयर 18,93,36,645 का पुनः क्रय किया जो पूंजी का 5.16% है एवं परिणामस्वरूप, शेयरों की कुल संख्या 367.14 करोड़ रू से घटकर 348.21 करोड़ हो गई है।

(3) यदि किसी अंशधारक ने पिछले सात वर्षों से किसी भी व्यक्ति के लिए लाभांश दावा / प्राप्त नहीं किया है और उसे अभी तक निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (IEPF) में अंतरित नहीं किया गया है तो कंपनी की वेबसाइट (www.bhel.com) पर अपलोड की गई प्रक्रिया का पालन करके वह इस अप्रदत्त लाभांश का दावा कर सकता है। वर्ष 2012–13 (अंतिम) और 2013–14 (अंतरिम) के लिए अप्रदत्त लाभांश पहले ही वर्ष 2020–21 के दौरान निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (IEPF) में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसके अलावा, वर्ष 2013–14 (अंतिम) और 2014–15 (अंतरिम) के लिए अप्रदत्त लाभांश क्रमशः 19/10/2021 और 15/03/2022 पर आईईपीएफ को हस्तांतरित करना बाकी है।

(4) आईईपीएफ को स्थानांतरित किए गए लाभांश/ शेयरों के संबंध में, शेयरधारकों आईईपीएफ प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, स्थानांतरण और वापसी) नियम, 2016 के अंतर्गत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके आईईपीएफ प्राधिकरण से उपरोक्त का दावा कर सकते हैं। ये नियम आईपीएफ वेबसाइट (www.iepf.gov.in) और कंपनी की वेबसाइट (www.bhel.com) पर उपलब्ध हैं।

iv क) स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक कोड पर लिस्टिंग

बीएचईएल के शेयरों को निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध किया गया है, जिसके लिए 2020–21 की सूची शुल्क का भुगतान किया गया है।

स्टॉक एक्सचेंज का नाम	स्टॉक कोड
1. बीएसई लिमिटेड फीरोज जीजीभोय टावर्स, दलाल स्ट्रीट, मुंबई – 400 001	500103
2. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एक्सचेंज प्लाजा, प्लॉट नं. सी / 1, ब्लॉक – जी, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400 051	बीएचईएल

इसके अतिरिक्त, कम्पनी द्वारा जारी वाणिज्यिक कागजात भी बीएसई एवं एनएसई पर सूचीबद्ध किए गए हैं।

ख) डिपॉजिटरीज को वार्षिक कस्टोडियन शुल्क का भुगतान

एनएसडीएल और सीडीएसएल को वित्तीय वर्ष 20020–21 के लिए वार्षिक कस्टोडियन शुल्क का भुगतान किया गया।

v. वित्तीय वर्ष 2020–21 में बीएसई और एनएसई में प्रत्येक माह के दौरान बीएचईएल के शेयरों और बाजार सूचकांक के उच्च, निम्न, क्लोज और वॉल्यूम नीचे दिए गए हैं:

बाजार मूल्य डेटा: वित्तीय वर्ष 2020–21 में प्रत्येक माह के दौरान उच्च, निम्न, क्लोज										
माह	बीएसई				एनएसई				बाजार सूचकांक (क्लोज)	
	उच्च	निम्न	क्लोज	वॉल्यूम	उच्च	निम्न	क्लोज	वॉल्यूम	एस एवं पी बीएसई सूचकांक	एनएसई निफ्टी
	(रु में)			(करोड में शेयरों की सं)	(रु में)			(करोड में शेयरों की सं)		
अप्रैल–20	23.50	20.40	22.40	2.99	23.35	20.40	22.45	48.85	33717.62	9859.90
मई–20	29.30	20.90	27.95	10.76	29.25	20.90	28.00	167.02	32424.10	9580.30
जून–20	39.80	26.40	35.70	15.04	39.80	26.40	35.70	209.04	34915.80	10302.10
जुलाई–20	44.35	35.40	35.95	9.97	44.40	35.40	35.95	151.35	37606.89	11073.45
अगस्त–20	42.35	34.90	38.55	7.67	42.45	34.75	38.55	120.73	38628.29	11387.50
सितम्बर–20	40.35	28.90	29.30	5.04	40.40	28.85	29.25	81.80	38067.93	11247.55
अक्तूबर–20	30.40	26.75	28.00	3.35	30.40	26.75	28.00	41.14	39614.07	11642.40
नवम्बर–20	33.45	26.95	32.85	7.34	33.45	26.95	32.85	84.81	44149.72	12968.95
दिसम्बर–20	37.60	30.60	35.90	9.89	37.60	30.60	35.90	106.28	47751.33	13981.75
जनवरी–21	42.25	35.15	36.05	13.81	42.30	35.10	36.05	124.54	46285.77	13634.60
फरवरी–21	48.80	35.45	47.65	16.89	48.80	35.40	47.60	183.14	49099.99	14529.15
मार्च–21	56.50	46.90	48.75	16.83	56.50	46.90	48.75	188.07	49509.15	14690.70

स्रोत: www.bseindia.com / www.nseindia.com

vi. इनसाइडर ट्रेडिंग नीति

बीएचईएल अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी की गोपनीयता को बनाए रखने और ऐसी जानकारी के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रयासरत है। इस प्रयोजन के लिए और सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियमन, 1992 के अनुसार, कंपनी ने 26 अगस्त, 2002 को "इनसाइडर ट्रेडिंग की रोकथाम के लिए आचार संहिता" को अपनाया था, जिसे बाद में 29 जनवरी, 2009 को संशोधित किया गया था।

सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियमन, 2015 के अनुरूप निदेशक मंडल ने 6 अप्रैल, 2015 को आयोजित अपनी 469 वीं बैठक में, इनसाइडर द्वारा विनियमन और रिपोर्टिंग ट्रेडिंग तथा निष्पक्ष प्रकटीकरण, 2015 के लिए आचार संहिता को मंजूरी दे दी। 01.04.2019 से प्रभावी निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) (संशोधन) विनियमन, 2018 के अनुपालन में, निदेशक मंडल ने संशोधित व्यक्तियों और उनके तत्काल संबंधियों द्वारा विनियमन और रिपोर्टिंग व्यापार के लिए संशोधित बीएचईएल आचार संहिता को भी मंजूरी दे दी। संहिता का उद्देश्य सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियमन, 2015 के अनुपालन करने के लिए नामित व्यक्तियों और नामित व्यक्तियों के नजदीकी संबंधी के व्यापार को विनियमित, निगरानी और रिपोर्ट करना है। कोड में, अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी के निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए प्रक्रियाओं और पद्धतियों का भी उल्लेख है। इस कोड के अंतर्गत कंपनी का कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट डिपार्टमेंट का प्रमुख मुख्य निवेशक संपर्क अधिकारी है।

vii. (क) इक्विटी शेयर के लिए रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए)

कंपनी ने बीएचईएल इक्विटी शेयरों (भौतिक और डीमैट मोड दोनों) से संबंधित सभी मामलों को देखने के लिए दिनांक 01.01.2021 से मेसर्स केफिन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के स्थान पर मेसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड को अपना रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) के रूप में से नियुक्त किया है। कंपनी के इक्विटी शेयरों से संबंधित सभी मामले जैसे ट्रांसफर, ट्रांसमिशन, डीमैटेरियलाइजेशन, रीमैटेरियलाइजेशन, डिविडेंड, एड्रेस में बदलाव आदि और संबंधित पत्राचार और प्रश्न आदि निम्न पते पर प्रेषित किए जाएं।

मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड
यूनिट: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
4ई/2, अलंकित हाउस, झण्डेवालान एक्सटेंसन
नई दिल्ली–110055
टेलिफोन: 011–42541234
फैक्स नंबर: 011–23552001
ईमेल: rta@alankit.com
वेबसाइट: www.alankit.com

ख) वाणिज्यिक कागजातों (कमर्शियल पेपर्स) के लिए रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए)

मेसर्स केफीन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
सेलेनियम टॉवर बी, प्लॉट 31–32
गचीबोवली फाइनेंसियल डिस्ट्रिक्ट, नानकराम्गुडा
हैदराबाद – 500 032
टेलिफोन नंबर: 040– 67162222
फैक्स नंबर: 040– 23001153
ई–मेल: einward.ris@kfintech.com
वेबसाइट: www.kfintech.com

शेयरधारकों की सेवा में आरटीए का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है। सभी निवेशकों की शिकायतों पर त्वरित ध्यान दिया जाता है।

viii. शेयर स्थानांतरण पद्धति

दस्तावेजों की रसीद / प्रेषण जैसे फिजिकल सेगमेंट के अंतर्गत सभी शेयर हस्तांतरण गतिविधियां और उनका सत्यापन मेसर्स मेसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। 01.04.2019 से प्रभावी सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2018 के अनुसार (चौथा संशोधन), जब तक प्रतिभूति विमुद्रीकृत फॉर्म में नहीं रहता तब तक प्रतिभूतियों के हस्तांतरण (प्रतिभूतियों के संचरण या हस्तांतरण के मामले को छोड़कर) को प्रभावित करने के अनुरोधों को संसाधित नहीं किया जाएगा।

लिस्टिंग विनियमों के अनुरूप, ट्रांसमिशन, ट्रांसपोजिशन, सब–डिवीजन और समेकन के लिए निर्धारित समय–सीमा के भीतर शेयर प्रमाणपत्र जारी किए जा रहे हैं।

ix. शेयरहोल्डिंग का वितरण

i. 31 मार्च, 2021 तक होल्डिंग के आकार के अनुसार शेयरों का वितरण

इक्विटी शेयर की संख्या	शेयरहोल्डर्स की सं	शेयरहोल्डर्स का प्रतिशत	शेयर्स की सं	शेयरहोल्डिंग का प्रतिशत
1 - 500	826102	81.49	110071938	3.16
501 - 1000	93020	9.18	75649152	2.17
1001 - 2000	48879	4.82	74637450	2.14
2001 - 3000	16454	1.62	42699961	1.23
3001 - 4000	7125	0.70	25821702	0.74
4001 - 5000	6681	0.66	31879251	0.92
5001 - 10000	9088	0.90	68369712	1.96
10001 से अधिक	6410	0.63	3052934189	87.68
Total	**1013759**	**100**	**3482063355**	**100**

ii. 31 मार्च, 2021 तक शेयरहोल्डिंग पैटर्न

कैटेगरी	2021		2020	
	वोटिंग स्ट्रेन्थ (%)	शेयरों की संख्या	वोटिंग स्ट्रेन्थ (%)	शेयरों की संख्या
प्रमोटर होल्डिंग				
भारतीय प्रमोटर्स				
प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया	63.17	2199650402	63.17	2199650402
कुल प्रमोटर होल्डिंग	**63.17**	**2199650402**	**63.17**	**2199650402**
नॉन प्रमोटर्स होल्डिंग				
बैंक, वित्तीय संस्थान, बीमा कंपनियाँ, योग्य संस्थागत खरीददार, वैकल्पिक निवेश फंड	12.31	428740274	12.28	427674203
विदेशी संस्थागत निवेशक (योग्य विदेशी निवेशक सहित)	4.47	155519893	9.36	325989415
म्यूचुअल फंड और यूटीआई	1.33	46172073	5.62	195826511
अन्य				
प्रति व्यक्ति	16.65	579818714	8.00	278542017
कारपोरेट निकाय	0.69	23948963	0.80	27825151
एन आर आई–विदेशी राष्ट्रीय / संस्थान	0.72	24980324	0.41	14205495
ट्रस्ट	0.01	462075	0.11	3680869
क्लियरिंग मेंबर्स	0.64	22402985	0.24	8337813
आई ई पी एफ	0.01	366052	0.01	331267
निदेशक एवं रिश्तेदार	0	100	0	212
राज्य सरकार	0	1500	0	0
कुल नॉन प्रमोटर होल्डिंग	**36.83**	**1282412953**	**36.83**	**1282412953**
कुल योग	**100.00**	**3482063355**	**100.00**	**3482063355**

31 मार्च, 2021 को शेयरहोल्डिंग पैटर्न

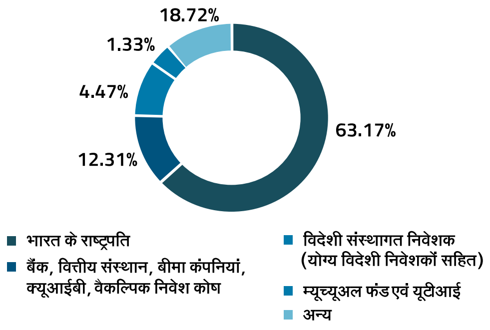

iii. उन शेयरधारकों की सूची जो 31 मार्च, 2021 तक कंपनी के 1% से अधिक शेयर अपने पास रखे हुए हैं

शेयरहोल्डर्स की कैटेगरी एवं का नाम	31 मार्च, 2021	
	वोटिंग स्ट्रेंथ	शेयरों की सं
प्रमोटर्स		
भारत के राष्ट्रपति	63.17	2199650402
नॉन प्रमोटर्स		
1. भारतीय जीवन बीमा निगम	10.07	350647914

x. शेयर्स और लिक्विडिटी का डिमेटेरियलाइजेशन

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय निदेशक मंडल (सेबी) के निर्देशों के अनुसार, 5 अप्रैल 1999 से, सभी श्रेणी के निवेशकों द्वारा बीएचईएल के शेयरों में ट्रेडिंग डीमैट रूप में अनिवार्य कर दी गई है।

बीएचईएल ने देश के दोनों डिपॉजिटरी यानी नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) के साथ डीमैट मोड के अंतर्गत अपनी सिक्योरिटीज के प्रवेश के लिए करार किया है। 31मार्च, 2021 तक, शेयरधारकों द्वारा बीएचईएल की कुल इक्विटी शेयर पूंजी का 99.97% (एनएसडीएल: 91%, सीडीएसएल: 8.97%) डीमैट मोड में की जा रही है।

शेयरधारकों द्वारा भौतिक मोड में रखे गए शेयर 0.03% हैं। भारत के माननीय राष्ट्रपति की शेयरहोल्डिंग (कंपनी का प्रमोटर होने के कारण कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी का 63.17% हिस्सा है) भी डीमैटरियलाइज्ड रूप में है। कंपनी को आबंटित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन) INE257A01026 है।

xi. बकाया जीडीआर / एडीआर / वारंट या कोई परिवर्तनीय उपकरण, रूपांतरण की तिथि और इक्विटी पर संभावित प्रभाव

शून्य

xii. वर्ष के दौरान प्राप्त क्रेडिट रेटिंग की सूची का खुलासा निदेशक मंडल की मुख्य रिपोर्ट में किया गया है

xiii. विदेशी मुद्रा जोखिम या कमोडिटी मूल्य जोखिम और प्रतिरक्षा गतिविधियां

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति के अनुरूप वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान कंपनी द्वारा प्रतिरक्षा से संबद्ध गतिविधियां/लेनदेन किए गए है।

वर्ष भर में वस्तुओं द्वारा सामना की जाने वाली कमोडिटी और कमोडिटी जोखिम के लिए सूचीबद्ध वस्तुओं का एक्सपोजर:

क) कमोडिटी के लिए सूचीबद्ध वस्तुओं का कुल जोखिम 1438 करोड़ रु (लगभग)

ख) विभिन्न कमोडिटीज के लिए सूचीबद्ध सामग्री का एक्सपोजर

कमोडिटी का नाम	विशेष कमोडिटी की ओर भारतीय रुपए में एक्सपोजर (रु. करोड़ में) लगभग	विशेष कमोडिटी की मात्रा के संदर्भ में एक्सपोजर (मी.टन में) (लगभग)	कमोडिटी डेरिवेटिव्स के माध्यम से इस तरह के एक्सपोजर का %				
			घरेलू बाजार		अंतर्राष्ट्रीय बाजार		कुल
			ओटीसी	विनिमय	ओटीसी	विनिमय	
स्टील	1040	195723	-				
कॉपर	350	5095	-				
एल्यूमिनियम	30	1400	-				
निकल	15	120	-				
टिन	3	22	-				

ग) विभिन्न बीएचईएल इकाइयों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, प्रमुख औद्योगिक वस्तुओं जैसे स्टील, कॉपर, एल्यूमीनियम आदि को मूल्य लाभ प्राप्त करने के लिए पहचान की गई इकाइयों में से किसी एक इकाई द्वारा केंद्रीकृत रूप से खरीदा जा रहा है। मूल्य में उतार–चढ़ाव से कंपनी को बचाने के लिए, फ्रेमवर्क समझौतों को समय–समय पर अंतिम रूप दिया जाता है।

xiv. संयंत्र स्थल

बीएचईएल विनिर्माण इकाइयां	
बेंगलुरू	1. इलेक्ट्रोनिक्स डिविजन(ईडीएन)
	2. इलेक्ट्रोनिक्स सिस्टम्स डिविजन (ईएसडी)
	3. सौर व्यापार प्रभाग
भोपाल	4. हेवी इलेक्ट्रिकल प्लांट (एचईपी)
गोइंदवाल	5. इंडसिट्रयल वॉल्वस प्लांट (आईवीपी)
हरिद्वार	6. हेवी इलेक्ट्रिकल इक्वीपमेंट प्लांट (एचईईपी)
	7. सेंट्रल फाउंड्री फोर्ज प्लांट (सीएफएफपी)
हैदराबाद	8. हेवी पावर इक्वीपमेंट प्लांट (एचपीईपी)
जगदीशपुर	9. फेब्रिकेशन,स्टांपिंग एवं इंसुलेटर प्लांट (एफएसआईपी)
झांसी	10. ट्रांसफार्मर प्लांट (टीपी)
रूद्रपुर	11. कंपोनेंट फेब्रिकेशन प्लांट(सीएफपी)
रानीपेट	12. बॉयलर ऑक्जीलरीज प्लांट (बीएपी)
तिरूचिरापल्ली	13. हाई प्रेसर बॉयलर प्लांट (एचपीबीपी)
	14. सीमलेस स्टील ट्यूब प्लांट (SSTP)
तिरूमयम	15. पावर प्लांट पाइपिंग यूनिट (पीपीपीयू)
विशाखापटनम	16. हेवी प्लेट्स एवं वेसल्स प्लांट (एचपीवीपी)
बीएचईएल रिपेयर यूनिट	
मुंबई	1. इलेक्ट्रिकल मशीन रिपेयर प्लांट (ईएमआरपी)
वाराणसी	2. हेवी इक्वीपमेंट रिपेयर प्लांट (एचईआरपी)
बीएचईएल सबसिडियरी	
कसरगोड	1. बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड (बीएचईएल–ईएमएल)

xv. पत्राचार का पता

शेयरधारक, शेयरों के हस्तांतरण, लाभांश की अप्राप्ती, लाभांश वारंटों के पुनर्वैधीकरण और कंपनी के शेयरों से संबंधित किसी भी अन्य पत्राचार के बारे में अपने प्रश्न निम्न को भेज सकते हैं।

मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड
यूनिटः बीएचईएल

दिल्लीः

4ई / 2, अलंकित हाउस	टेलिफोनः 011–42541234
झण्डेवालान एक्सटेंसन	फैक्स नंबरः 011–23552001
नई दिल्ली–110055	ईमेलः rta@alankit.com

अथवा

श्री राजीवकालड़ा	दूरभाषः 011–26001046
कंपनी सचिव	फैक्सः 011–66337533
	ईमेलः shareholderquery@bhel.in

बीएचईएल
पंजीकृत कार्यालयः बीएचईएल हाउस
सिरी फोर्ट, नई दिल्ली–110 049

नोटः इलेक्ट्रॉनिक मोड में शेयर रखने वाले शेयरधारकों को अपना सभी पत्राचार अपने संबंधित डिपॉजिटरी प्रतिभागियों को संबोधित करना चाहिए

घोषणाः लिस्टिंग विनियमन के अनुसार, यह घोषित किया जाता है कि निदेशक मंडल के सभी सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए बीएचईएल के "व्यापार आचरण और आचार संहिता" के अनुपालन की पुष्टि की है।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

डॉ नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 27.08.2021

निदेशकों के नॉन – डिसक्वालीफिकेशन का प्रमाणपत्र

(सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियन, 2015 के विनियम 34 (3) और अनुसूची V पैरा C खंड (10) (i) के अनुसार)

सेवा में,
सदस्यगण
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
बीएचईएल हाउस, सिरी फोर्ट
नई दिल्ली – 110049

भारतीय प्रतिभूति (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियमन, 2015 की अनुसूची V पैरा–सी उप खंड 10 (i) के साथ पठित विनिमय 34 (3) के अनुसार भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (इसके बाद इसे यहां कंपनी के नाम से संदर्भित किया जाएगा) जिनका CIN: L74899DL1964GOI004281 है और पंजीकृत कार्यालय बीएचईएल हाउस, सिरी फोर्ट नई दिल्ली है, द्वारा इस प्रमाणपत्र को जारी करने के उद्देश्य से हमारे समक्ष प्रस्तुत निदेशकों से प्राप्त प्रासंगिक सूचनाओं, रजिस्टर, रिकॉर्ड, फॉर्म्स, रिटर्न्स की हमने जांच की है।

हमारी राय एवं सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा यथा आवश्यक कंपनी के निदेशक/ अधिकारी द्वारा हमें प्रस्तुत किए गए स्पष्टीकरण / अभ्यावेदन एवं www.mca.gov.in पोर्टल पर उसके सत्यापन (निदेशकों की पहचान सं (डीआईएन) सहित) के अनुसार हम एतद द्वारा यह प्रमाणित करते हैं कि 31 मार्च, 2021 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में कंपनी के निम्नलिखित निदेशक मंडल में कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल या किसी अन्य वैधानिक प्राधिकरण द्वारा नियुक्त या कार्यरत कोई भी निदेशक कंपनियों के निदेशक के रूप में प्रतिबंधित एवं डिसक्वालिफायड नहीं है:

क्रसं	निदेशक का नाम (डीआईएन के अनुसार)	डीआईएन	कंपनी में नियुक्ति की तिथि
1	नलिन सिंघल	01176857	08.07.2019
2	शशांक प्रिय	08538400	04.10.2019
3	अमित मेहता	08859397	02.09.2020
4	राजेश शर्मा	01586332	20.02.2019
5	राज कमल बिंदल	07423392	31.01.2020
6	मनीष कपूर	02405818	31.01.2020
7	सुबोध गुप्ता	08113460	18.04.2018
8	कमलेश दास	08376769	01.03.2019
9	अनिल कपूर	08587329	15.10.2019
10	रेणुका गेरा	08970501	01.12.2020

निदेशक मंडल में प्रत्येक निदेशक की नियुक्ति / निरंतरता की पात्रता सुनिश्चित करना कंपनी प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व है कि हम अपने सत्यापन के आधार पर इन पर राय व्यक्त करें। यह प्रमाण पत्र न तो कंपनी के भविष्य की व्यवहार्यता और न ही दक्षता या प्रभावशीलता के लिए आश्वासन है, जिससे प्रबंधन ने कंपनी के कार्यों का परिचालन किया है।

एसपीएनजी एंड एसोसिएट्स
व्यवसायी कंपनी सचिव

एफआरएनः P2021DE086300
सीएस पी एन गुप्ता
सीपी क्रः 6778
एफ़सीएस क्रः 4430
यूडीआईएनः F004430C000317699

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकः 15 मई, 2021

कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों के अनुपालन पर प्रमाण पत्र

सदस्यगण,

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

1. हमने 31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (CIN: L74899DL1964GOI004281) द्वारा कॉर्पोरेट अभिशासन की अनुपालन शर्तों की जांच की है, जैसा कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और अपेक्षाएँ) विनियमन, 2015 तथा लोक उद्यम विभाग (डीपीई), भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कॉर्पोरेट अभिशासन पर दिशानिर्देश में निर्धारित किया गया है।
2. कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कॉर्पोरेट अभिशासन की शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हमारी जांच कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और कार्यान्वयन तक सीमित थी। यह कंपनी के वित्तीय विवरण की न तो लेखापरीक्षा है ओर न ही विचारों की अभिव्यक्ति है।
3. हमारे विचार और जानकारी तथा हमें दिए गए आश्वासन एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने कॉर्पोरेट अभिशासन की सभी लागू शर्तों का अनुपालन किया है जैसा कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियमन 2015 में तथा डीपीई द्वारा जारी सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट अभिशासन पर दिशानिर्देश, सेबी (LoDR) विनियमन, 2015 के विनियमन 17 (1) और डीपीई दिशानिर्देशों के नियम 3.1.4 को छोड़कर, निर्धारित किया गया है, क्योंकि कंपनी के निदेशक मंडल में कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक और अपेक्षित स्वतंत्र निदेशकों की संख्या नहीं थी।
4. कंपनी ने स्पष्ट किया है कि बीएचईएल, एक सरकारी कंपनी है, इसलिए स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। कंपनी अपने निदेशक मंडल में कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित आवश्यक संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के साथ निरंतर पत्र व्यवहार में है।
5. इसके अलावा, इस तरह का अनुपालन न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के लिए है और न ही दक्षता या प्रभावशीलता का आश्वासन है जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का परिचालन किया है।
6. हमने प्रमाण पत्र जारी करने के उद्देश्य से कोविड–19 के कारण कंपनी द्वारा दी गई सुविधा के अनुसार ऑन लाइन सत्यापन और अभिलेखों की जांच की है।

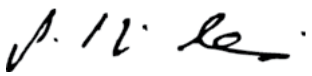

(पीएसआर मूर्ति)
व्यवसायी कंपनी सचिव
यूडीआईएनः A005880C000395874

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 31 मई 2021

फॉर्म नंबर एमआर–3
सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट
31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 (1) एवं कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और मानदेय) नियम, 2014 के नियम 9 के अनुसार,

सेवा में,

सदस्यगण,

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड L74899DL1964GOI004281 (इसके बाद यहाँ इसे "कंपनी" के रूप में संदर्भित किया गया है) द्वारा उत्तम कॉर्पोरेट उद्यम का पालन तथा प्रयोज्य सांविधिक प्रावधानों के अनुपालन का सचिवीय लेखा परीक्षा किया है। सचिवीय लेखापरीक्षा इस तरीके से की गई थी कि हमें कॉर्पोरेट आचार / सांविधिक अनुपालन के मूल्यांकन हेतु और उस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए उचित आधार दिया।

सचिवीय लेखा परीक्षा के दौरान कंपनी, कंपनी के अधिकारी, एजेंट्स तथा प्राधिकृत प्रतिनिधि, द्वारा अनुरक्षित कंपनी के बही, कागजातों, कार्यवृत्त की पुस्तकों, प्रपत्रों और भरे गए रिटर्न और कंपनी द्वारा रखे गए अन्य अभिलेखों के सत्यापन के आधार पर हम एतद्वारा रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष को कवर करने वाली ऑडिट अवधि के दौरान, यहां सूचीबद्ध वैधानिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और यह भी कि कंपनी के पास उचित निदेशक मंडल प्रक्रियाएं और अनुपालन–तंत्र हैं।

निम्न प्रावधानों के अनुसार हमने कंपनी द्वारा अनुरक्षित 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए बही, दस्तावेज, कार्यवृत की पुस्तकों, प्रपत्रों और फाइल किए गए रिटर्न और अन्य अभिलेखों की जांच की है।

i) कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) एवं इसके अंतर्गत बनाए गए नियम;

ii) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम 1956 तथा इसके अंतर्गत बनाए गए नियम;

iii) डिपॉजिटरी एक्ट, 1996 एवं इसके अंतर्गत बनाए गए उपनियम एवं विनियमन;

iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 एवं प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, समुद्रपार प्रत्यक्ष निवेश तथा बाहरी वाणिज्यिक ऋणों की सीमा में इसके अंतर्गत बनाए गए उपनियम एवं विनियमन;

v) निम्नलिखित विनियमन एवं दिशानिर्देश भारतीय प्रतिभूति तथा विनिमय निदेशक मंडल अधिनियम, 1992 (सेबी अधिनियम) के अंतर्गत निर्धारित हैं:

क) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (शेयरों का पर्याप्त अधिग्रहण तथा टेकओवर) विनियमन, 2011;

ख) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (आंतरिक ट्रेडिंग का निषेध) विनियमन, 2015;

ग) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (पूंजी और प्रकटीकरण आवश्यकताओं को जारी करना) विनियमन, 2018;

घ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ) विनियमन, 2014 (लेखा परीक्षा अवधि के दौरान कंपनी के लिए लागू नहीं);

ड.) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (इश्यु एवं लिस्टिंग ऑफ डेब्ट सेक्युरिटीज) विनियमन, 2008 (लेखा परीक्षा अवधि के दौरान कंपनी के लिए लागू नहीं);

च) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (रजिस्ट्रार टु एन इश्यु एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट्स) विनियमन, 1993 कंपनी अधिनियम और ग्राहक के साथ डीलिंग के बारे में;

छ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (डिलिस्टिंग आफ इक्विटी शेयर) विनियमन, 2009 (लेखापरीक्षा के दौरान कंपनी के लिए प्रयोज्य नहीं);

ज) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (प्रतिभूति का पुनः क्रय) विनियमन, 2018;

झ) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियमन, 2015;

vi) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी में प्रचलित अनुपालन प्रणाली और संबंधित दस्तावेजों तथा अभिलेखों की जांच के बाद, परीक्षण–जांच के आधार पर, कंपनी ने सभी विशिष्ट लागू कानूनों का अनुपालन किया है। कुछ महत्वपूर्ण कानूनों का अनुपालन इस प्रकार है:

क) कारखाना अधिनियम, 1948;

ख) भारतीय बॉयलर अधिनियम, 1923;

ग) खतरनाक रासायनिक नियमों का विनिर्माण, भंडारण और आयात, 1989;

घ) परमाणु ऊर्जा (विकिरण सुरक्षा) नियम, 2004; और

ङ) बैटरीज (प्रबंधन एवं हैंडलिंग) नियम, 2001;

हमने निम्नलिखित लागू क्लॉज के अनुपालन की भी जांच की है:

i) भारत के इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज द्वारा जारी किए गए निदेशक मंडल (एसएस –1) और जनरल मीटिंग (एसएस –2) की बैठकों के संबंध में सचिवीय मानक और;

ii) लोक उद्यम विभाग द्वारा उनके कार्या. ज्ञा. संख्याः 18 (8)/2005–GM दिनांक 14 मई, 2010 के द्वारा से जारी किए गए कॉर्पोरेट अभिशासन दिशानिर्देश।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी ने अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के प्रावधानों का अनुपालन किया है, जो निम्नलिखित अवलोकन के अधीन है।

निदेशक मंडल की संरचना भारतीय प्रतिभूति और विनिमय निदेशक मंडल (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियमन 2015, विनियमन 17 (1) एवं कॉर्पोरेट दिशानिर्देशों पर डीपीई दिशानिर्देशों के पैरा 3.1.4 के अनुपालन में नहीं है क्योंकि कंपनी के निदेशक मंडल में कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित अपेक्षित स्वतंत्र निदेशकों की संख्या नहीं थी।

कंपनी ने स्पष्टीकरण दिया कि बीएचईएल, एक सरकारी कंपनी है, इसलिए यहां स्वतंत्र निदेशकों का नामांकन / नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है। कंपनी पहले ही भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के भारी उद्योग विभाग से, भारत के निदेशक मंडल में कम से कम एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या के नामांकन के लिए अनुरोध कर चुकी है ।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल में हुए परिवर्तन अधिनियम के प्रावधानों के उचित अनुपालन में किए गए थे।

सामान्यतः निदेशक मंडल की बैठकों के समय की सूचना पर्याप्त समय में दी जाती है, एजेंडा और एजेंडा पर विस्तृत नोट सभी निदेशकों को कम से कम सात दिन पहले भेजा गया था और बैठक से पहले एजेंडा मुद्दों पर आगे की जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए तथा बैठक में प्रतिभागिता अर्थपूर्ण हो इस हेतु एक प्रणाली मौजूद है।

अध्यक्ष द्वारा विधिवत् दर्ज और हस्ताक्षरित बैठकों के कार्यवृत्त के अनुसार, निदेशक मंडल के निर्णय सभी मामलों में एकमत थे और कोई भी असहमतिपूर्ण विचार दर्ज नहीं किये गये हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी द्वारा स्थापित अनुपालन तंत्र की समीक्षा और निदेशक मंडल द्वारा उनकी बैठकों में कानूनी अनुपालन प्रमाण पत्र के रिकॉर्ड के आधार पर हमारा विचार है कि कंपनी में लागू कानूनों, नियमों, विनियमनों और दिशानिर्देशों की निगरानी और उनके अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी में कंपनी के आकार और परिचालन के अनुरूप पर्याप्त व्यवस्थाएं और प्रक्रियाएं हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखा परीक्षा अवधि के दौरान, उपरोक्त उल्लिखित कानूनों के पालन में कंपनी के मामलों पर असर डालने वाली कोई विशेष घटना / कार्य नहीं हुए थे।

कृते पी पी अग्रवाल एंड कंपनी
कंपनी सचिव

प्रमोद प्रसाद अग्रवाल
स्वामी
स.सं. एफ4955, सी.पी. नंबर 10566
पी. आर.सी. नंबर 1241/2021
यूडिनः F004955C000491650

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 21.06.2021

इस रिपोर्ट को इसी दिनांक के हमारे समसंख्यक पत्र के साथ पढ़ा जाना है जो "अनुलग्नक ए" के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का एक अभिन्न अंग है।

"अनुलग्नक क"

प्रति,
सदस्यगण,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

सम तिथि की हमारी रिपोर्ट इस पत्र के साथ पढ़ी जाए।

1. सचिवीय रिकॉर्ड का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन सचिवीय अभिलेखों पर राय व्यक्त करना है।

2. हमने लेखा परीक्षा पद्धतियों और प्रक्रियाओं का पालन किया है जो सचिवीय अभिलेखों की सामग्री की शुद्धता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त थे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सचिवीय अभिलेखों में सही तथ्य परिलक्षित होते हैं, नमूना जांच के आधार पर सत्यापन किया गया था। हम मानते हैं कि जिन प्रक्रियाओं और प्रथाओं का हमने पालन किया है, वे हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती हैं।

3. हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और लेखा पुस्तकों की शुद्धता और उपयुक्तता को सत्यापित नहीं किया है।

4. हमने लेखापरीक्षा के मुख्य भाग के दौरान अभिलेखों की भौतिक जांच की है। हालांकि, कोविड–19 महामारी के फैलने और परिणामस्वरूप कार्यस्थलों/कार्यालयों के लॉकडाउन के कारण, हमने लेखापरीक्षा के बाद के भाग में कंपनी द्वारा सुविधानुसार शेष अभिलेखों का ऑनलाइन सत्यापन और परीक्षण किया।

5. जहां कहीं आवश्यक हो, हमने कानूनों, नियमों, विनियमों आदि के उचित अनुपालन के बारे में प्रबंधन से जानकारी प्राप्त की है।

6. कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की उत्तरदायित्व है। हमारी परीक्षा नमूना जांच के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।

7. सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस प्रभावोत्पादकता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के कार्यों का परिचालन किया है।

कृते पी पी अग्रवाल एंड कंपनी
कंपनी सचिव

प्रमोद प्रसाद अग्रवाल
स्वामी
स.सं. एफ4955, सी.पी. नंबर 10566
पी. आर.सी. नंबर 1241/2021
यूडिनः F004955C000491650

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 21.06.2021

निदेशक मंडल रिपोर्ट का अनुलग्नक– III

सीईओ और सीएफओ प्रमाणन

(सेबी (एलओडीआर) अधिनियम 2015 के विनियम 17(8) की शर्तों के अनुसरण में)

सेवा में,
निदेशक मंडल
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

(क) हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष का वित्तीय विवरण तथा नकदी प्रवाह विवरण की समीक्षा की है और हमारी जानकारी तथा विश्वास के अनुसारः

i. इन विवरणों में ऐसा कोई असत्य विवरण या छोड़ दी गई जानकारी अथवा भ्रमित करने वाले विवरण नहीं पाये गए हैं।

ii. विवरण कंपनी मामलों के बारे में सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं एवं लागू लेखा मानकों, विधियों, विनियमों के अनुसरण में तैयार किए गए है।

(ख) हमारी जानकारी और विश्वास के अनुसार वर्ष 2020–21 के दौरान कंपनी ऐसे किसी प्रकार के लेन–देन में शामिल नहीं पायी गई जो कि झूठे, गैर कानूनी अथवा कंपनी की आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले हों।

(ग) हम कंपनी के वित्तीय मामलों में आंतरिक नियंत्रण और वित्तीय रिपोर्टिंग स्थापित करने का उत्तर दायित्वस्वीकार करते हैं और हमने इस आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कर लिया है और हमने इस प्रकार के आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन या परिचालन में पायी गयी कमियों, यदि कोई हो तो और जिनकी हमें जानकारी है, को लेखा परीक्षकों तथा लेखा परीक्षा समिति की जानकारी में ला दिया है तथा इन कमियों को दूर करने के उपाय किए जा चुके हैं या किया जाना प्रस्तावित है।

(घ) हमने लेखा परीक्षकों तथा लेखा परीक्षा समिति को निम्न प्रकार सूचित किया है;

i. वर्ष 2020–21के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग में आंतरिक नियंत्रण संबंधी महत्वपूर्ण परिवर्तन, यदि कोई हो तो;

ii. वर्ष 2020–21 के दौरान लेखांकन नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन, यदि कोई हो तो और वित्तीय विवरणों में टिप्पणियों को प्रकट किया जा चुका है; और

iii. महत्वपूर्ण धोखाधड़ी के उदाहरण, जिनके बारे में हमें ज्ञात हुआ है और इसमें वित्तीय प्रबंधन पर कंपनी के आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रबंधन या किसी कर्मचारी, यदि कोई हो, की भागीदारी है।

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थानः नई दिल्ली
तिथिः 11 जून, 2020

सतत विकास

निदेशक मण्डल रिपोर्ट का अनुलग्नक–IV

4.1 सतत विकास संबंधी निष्पादन–पर्यावरणीय

सतत विकास के सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता हमारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं में अंतर्निहित है। बीएचईएल उत्तरदायी तरीके से संपूर्ण विनिर्माण मूल्य श्रृंखला में अपने पर्यावरणीय प्रभाव का प्रबंधन करता है। आंतरिक रूप से, समाज के व्यापक हित में सामग्री, पानी, ऊर्जा, उत्सर्जन और जैव विविधता के प्रमुख पहलुओं को बेहतर ढंग से प्रबंधित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर पहल की जा रही हैं। इसके अलावा, हम अपने ग्राहकों को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए अत्याधुनिक इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी इनपुट की पेशकश के साथ–साथ पानी की खपत कम करने के तरीकों के साथ ही विद्युत संयंत्रों के पूरे परिचालन जीवन चक्र में उनके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों के प्रबंधन में भी सुविधा प्रदान करते हैं। बेहतर हीट रेट, कम ईंधन की आवश्यकता के साथ कम सहायक विद्युत की खपत के परिणामस्वरूप हमारे उत्पाद और सेवाएं पर्यावरण हितैषी की भूमिका में अग्रणी है।

निम्नलिखित अनुभागों में वर्ष 2020–21 के लिए सतत विकास के अंतर्गत की गई गतिविधियों की झलक प्रस्तुत की गई है।

4.1.1 उत्तरदायी सामग्री एवं प्राकृतिक संसाधन खपत

उत्पादों और प्रणालियों के निर्माण में शामिल एक संगठन के रूप में, बीएचईएल कच्चे माल सहित प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के प्रति अपनी जिम्मेदारी से अच्छी तरह वाकिफ है। संसाधन संरक्षण गतिविधियों के लिए, हमारी योजना और परिचालन में रिड्यूस–रीसाइकिल–पुनः उपयोग के सिद्धांत का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। हमारी निर्माण इकाई में स्क्रैप का पुनः उपयोग, उदाहरण के लिए भोपाल की फाउंड्री शॉप में 1200 मीट्रिक टन माइल्ड स्टील स्क्रैप और 32 मीट्रिक टन तांबे के स्क्रैप का पुनः उपयोग, बड़ी ढलाई और फोर्जिंग के निर्माण के लिए सिस्टर इकाइयों द्वारा सीएफएफपी हरिद्वार को स्क्रैप का प्रेषण, पुनः उपयोग जैसी गतिविधियाँ उत्पादों के भंडारण और पैकेजिंग के लिए अलमारी बनाने के लिए लकड़ी की पैकिंग, अपशिष्ट तेल का पुनर्चक्रण और हाइड्रोलिक तेल का पुनर्चक्रण अपव्यय से बचने के लिए शीट काटने के लिए नेस्टिंग योजना का अनुकूलन, तेल स्किमर और शीतलक उपचार संयंत्र से 35 मीट्रिक टन तेल की वसूली एचईईपी हरिद्वार में एचईपी भोपाल की फाउंड्री शॉप में 820 मीट्रिक टन रेत का पुनर्ग्रहण और पुनः उपयोग कुछ ऐसी गतिविधियाँ हैं जो 2020–21 के दौरान हमारे परिचालन में स्थायी प्राकृतिक संसाधन खपत की दिशा में हमारे प्रयासों को दर्शाती हैं।

4.1.2 ऊर्जा प्रबंधन

हमारे परिसर में ऊर्जा का सतत उपयोग व्यावसायिक निर्णय लेने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण तत्व है। हमने ऊर्जा संरक्षण/दक्षता में कई गतिविधियां की हैं जिसके परिणामस्वरूप हमारी ऊर्जा खपत में काफी बचत हुई है। हमारी कुछ इकाइयाँ जिन्हें ऊर्जा गहन माना गया है, विस्तृत ऊर्जा लेखा परीक्षा प्रक्रिया से गुज़री हैं और बाद में संभव सीमा तक ऊर्जा बचत के अवसरों का दोहन करने के लिए आईएसओ 50001 प्रमाणन प्राप्त किया है। कार्यालयों/स्ट्रीट लाइटिंग में ऊर्जा कुशल प्रकाश जुड़नार में स्विच करके प्रकाश भार में कमी हमारे संगठन में एक नियमित गतिविधि है। बीएपी रानीपेट में कुशल उपयोग और ईंधन की खपत में कमी के लिए 10 टन फर्नेस की दुर्दम्य ईंटों की मरम्मत, ईडीएन बेंगलुरु और एचईईपी हरिद्वार में एयर कंप्रेसर की क्षमता का अनुकूलन, नवीनतम 5– के साथ 538 नंबर 1 और 2 – स्टार एसी के प्रतिस्थापन जैसी गतिविधियां कंटीन नं. एचईईपी हरिद्वार में 3 और 5, एचईपी भोपाल में मासूम मिलिंग कॉलम मशीन के हाइड्रोलिक सर्किट में ओवरहालिंग और संशोधन, आदि ऊर्जा संरक्षण / दक्षता से संबंधित 2020–21 के दौरान की गई गतिविधियों के कुछ उदाहरण हैं।

हमारे संगठन में हाल के वर्षों में कैप्टिव उपयोग के लिए अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में तेजी आई है। अब हमारे पास ग्राउंड माउंटेड के साथ–साथ रूफटॉप सोलर सिस्टम से युक्त सौर ऊर्जा संयंत्र की लगभग 28 मेगावाट स्थापित क्षमता है। इसके परिणामस्वरूप डीजी सेटों पर निर्भरता कम हुई है और हमारे परिचालन में स्थायी ऊर्जा मिश्रण प्राप्त हुआ है। वर्ष 2020–21 के दौरान, हमारी कंपनी में कुल 27.2 मिलियन यूनिट हरित ऊर्जा उत्पन्न हुई।

4.1.3 जल और जैव विविधता प्रबंधन

पानी एक बहुत ही कीमती प्राकृतिक संसाधन है और पानी और अपशिष्ट जल का स्थायी रूप से प्रबंधन करना और हमारे परिसर में हरित आवरण को बढ़ाना हमारी व्यावसायिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण तत्व हैं। हमारे परिसर में स्थापित 12 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और 12 एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट हमें डिस्चार्ज मानदंडों को पूरा करने और हमारी अधिकांश इकाइयों को

जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, हमारे प्रतिष्ठानों में हरित पट्टी को बनाए रखने के लिए, उपचारित अपशिष्ट जल का बागवानी के लिए पुनः उपयोग किया जाता है जो हमें ताजे पानी की मांग को कम करने में मदद करता है।

हमारी इकाइयों में, सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी और आने वाले गणमान्य व्यक्ति इस अवसर को यादगार बनाने के लिए पौधा लगाते हैं। इसके अलावा विश्व पर्यावरण दिवस हमारी इकाई में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण का दिन है। हमारे हरित क्षेत्र को बढ़ाने के लिए 2020–21 के दौरान बीएचईएल में कुल लगभग 35,500 पौधे लगाए गए, जो भविष्य में कार्बन सिंक के रूप में कार्य करेंगे।

बीएपी, रानीपेट में कैप्टिव पावर उत्पादन हेतु घरेलू 5 मेगावाट सोलर पीवी स्थापना

4.1.4 कार्बन प्रबंधन

ऊर्जा संरक्षण/दक्षता में हमारे प्रयास, हमारे परिसर में हरियाली बढ़ाना, स्वच्छ उत्पादों का विकास, हमारे परिचालन में स्वच्छ ईंधन का उपयोग, जहां कहीं भी संभव हो वहां पाइप से गैस का उपयोग, ईंधन के माध्यम से परिवहन से बचाव – ये सभी हमारे कार्बन उत्सर्जन को कम करने में हमारी मदद करते हैं। वर्ष 2020–21 के दौरान, हमने अपने परिसर को नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन के कारण लगभग 26,118 मीट्रिक टन कार्बन डाइ ऑक्साइड उत्सर्जन से बचाया।

4.1.5 कचरे का प्रबंधन

हीप, हरिद्वार में 7 एमएलडी क्षमता के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का उद्घाटन

हमारी प्रक्रिया में कचरे के उत्पादन में कमी को एक बहुत ही महत्वपूर्ण गतिविधि के रूप में लिया जाता है और धातु शीट को काटने के लिए हमारी नेस्टिंग योजना इस पहलू का ध्यान रखने के लिए बनाई गई है। हालांकि, एक बार जब स्क्रैप उत्पन्न हो जाता है, तो इसका उपयोग या तो स्थानीय फाउंड्री शॉप में कास्टिंग / फोर्जिंग बनाने के लिए किया जाता है या सीएफएफपी हरिद्वार को भेजा जाता है / नई सामग्री की खपत से बचने के लिए फर्नेस में पिघलने के लिए पुनर्चक्रण को अधिकृत करता है। इकाइयों में उत्पन्न खतरनाक अपशिष्ट को नियामक आवश्यकता के अनुसार निपटाया जाता है और प्राधिकरण की जांच के लिए आवश्यक रिकॉर्ड विधिवत बनाए रखा जाता है।

2020–21 के दौरान किए गए जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कुछ विशिष्ट गतिविधियों में एचईपी भोपाल में रसोई के कचरे का उपयोग करने और ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए 500 किलोग्राम / दिन बायो–गैस संयंत्र की स्थापना, एचईईपी हरिद्वार में खतरनाक अपशिष्ट भंडारण क्षेत्र का विकास, कृमि खाद शामिल है। एचईआरपी वाराणसी में रसोई अपशिष्ट, एक भस्मक की स्थापना की, जो बीएपी रानीपेट आदि में कारखाने और टाउनशिप परिसर के अंदर उत्पन्न ठोस कचरे को भस्म करने के लिए नियंत्रित ऑक्सीजन घूर्णन प्रौद्योगिकी (सीओआरटी) का उपयोग करके काम करता है।

प्लास्टिक प्रदूषण से लड़ने के लिए एक विशेष पहल के रूप में, बीएचईएल ने यह सुनिश्चित करने के लिए जबरदस्त प्रयास किया है कि हमारे सभी टाउनशिप को "सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री" बनाया जाए और इन 14 टाउनशिप के लिए थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन प्राप्त किया जाए।

4.2 संपोषणीय प्रदर्शन

अपनी सीएसआर पहलों के लिए, बीएचईएल ने सात प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है। ये बीएचईएल की सीएसआर नीति में विस्तृत रूप में उपलब्ध हैं। इन ट्रस्ट क्षेत्रों में सभी गतिविधियां कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII में उल्लिखित गतिविधियों और क्षेत्रों के अनुरूप हैं। इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में

बीएचईएल द्वारा हरिद्वार एवं ऋषिकेश में निर्मित बायो डाइजेस्टर शौचालयों का लोकार्पण

वर्ष के दौरान कुछ प्रमुख हस्तक्षेपों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

स्वच्छ भारत

- बीएचईएल ने हरिद्वार और ऋषिकेश में बायो–डाइजेस्टर शौचालयों के निर्माण के अपने कार्यक्रम को जारी रखा। इन बायो–डाइजेस्टर शौचालयों के बाईस क्लस्टर पूरे कर लिए गए हैं।
- भोपाल के बैरागढ़ और भदभदा क्षेत्र में स्थित ईसाई कब्रिस्तानों में शौचालय ब्लॉक का निर्माण।

बीएचईएल झांसी द्वारा छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई।

लम्को को देश के जिले जरूरतमन्द जिलों में सहायता एवं सामाग्री के वितरण हेतु वित्तीय सहायता

शिक्षित भारत

- बीएचईएल द्वारा गोद लिए गए गांवों में 44 विधवा वार्डों/अनाथों/दिव्यांग स्कूली छात्रों तथा 15 दिव्यांग आईटीआई छात्रों को छात्रवृत्ति का वितरण।
- शासकिय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लूणकरणसर, बीकानेर (राजस्थान) में टिन शेड के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता।
- शासकिय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जांगलू, बीकानेर (राजस्थान) में टिन शेड और चौकी के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता।

स्वस्थ भारत

- हमारी सीएसआर पहल "हील–ए–सोल IV" के अंतर्गत भारत भर के विभिन्न जिलों में हीमोफिलिया (पी एंड सीडब्ल्यूएच) वाले व्यक्तियों और बच्चों को एन्टी हीमोफिलिक फैक्टर (एएचएफ) प्रदान करना।
- बिहार और झारखंड के आस–पास के क्षेत्रों के मोतियाबिंद–अंध रोगियों की मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी के लिए "नव भारत जागृति केंद्र (एनबीजेके), हजारीबाग (झारखंड)" को वित्तीय सहायता
- आकांक्षी जिलों हरिद्वार (उत्तराखंड), खम्मम (तेलंगाना), दमोह (मध्य प्रदेश), खगड़िया (बिहार) में दिव्यांगजनों को सहायता और उपकरणों के वितरण के लिए भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एएलआईएनसीओ) को वित्तीय सहायता।
- ऋषिकेश (उत्तराखंड), झांसी (यूपी), गुवाहाटी (असम) और भुवनेश्वर (ओडिशा) में पोंसेटी पद्धति का उपयोग करके क्लब फुट विकलांगता के साथ पैदा हुए बच्चों के इलाज के लिए "क्योर इंटरनेशनल इंडिया ट्रस्ट (सीआईआईटी), नई दिल्ली" को वित्तीय सहायता। इनमें एस्पिरेशनल जिलों सहित आस–पास के क्षेत्रों के रोगी शामिल है।
- हेल्पएज इंडिया को सतपुड़ा (एमपी), बीकानेर (राजस्थान) और नोएडा (यूपी) में 03 (तीन) मोबाइल हेल्थकेयर इकाइयों की सेवा प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता।
- 0–19 आयु वर्ग के 200 बच्चों को चिकित्सा सहायता के लिए एनजीओ – "कैनकिड्स किड्सकैन" को वित्तीय सहायता और भारत भर में कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए अस्पतालों एव पैलेटिव केंद्र (आकांक्षी जिलों को कवर करते हुए) को चिकित्सा उपकरण।

कुंभ मेला 2021 के दौरान घाटों को साफ करने के लिए भेलमिस्टर का उपयोग किया गया

बीएचईएल द्वारा कोविड काल के दौरान आयोजित विभिन्न स्वास्थ्य शिविर

बीएचईएल ने अपनी प्रमुख इकाइयों में लेडीज क्लब के माध्यम से कई महिलाओं को विभिन्न ट्रेडों में कौशल विकास प्रशिक्षण करवाया

जिम्मेदार भारत

- मकाली से हरोक्यथानहल्ली, दशानपुरा होबली, बंगलौर उत्तर तालुक में नहर के आर–पार पुल और सड़क के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता।
- चेन्नई, तमिलनाडु के ग्रामीण गरीब लोगों को व्हील चेयर का वितरण।

समावेशी भारत

- वाराणसी में हेरिटेज स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम की स्थापना के लिए नगर आयुक्त, वाराणसी को वित्तीय सहायता।
- "प्रोफेशनल असिस्टेन्स फॉर डवलपमेन्ट एक्शन (प्रदान)" को "मोटिवेटिंग एग्रेरियन कम्युनिटीज ऑफ एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट कांधमाल (ओडिशा)" परियोजना के लिए वित्तीय सहायता, ताकि एग्रेरियन समाज का विकास हो सके।
- विकलांग और दृष्टिबाधित बच्चों के लिए व्यावसायिक और कौशल विकास प्रशिक्षण, वाइजैग, आंध्र प्रदेश।

आपदा राहत

- जिला चमोली, उत्तराखंड में बाढ़ के दौरान श्रमिकों के प्रभावित परिवारों को आवश्यक किराना सामग्री का वितरण।

4.3 सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

[(कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 की आवश्यकता के अनुसार]

1. कंपनी की सीएसआर नीति की संक्षिप्त रूपरेखा (अनुलग्नक–क)
2. सीएसआर समिति की संरचना

क्र.	निदेशक का नाम	पदनाम/निदेशकत्व की प्रकृति	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की सम्पन्न बैठकों की संख्या	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति द्वारा बैठकों में दी गई उपस्थिति अथवा इनके सम्मिलित होने वाली बैठकों की संख्या
1	रंजीत रे स्वतंत्र निदेशक (11 सितंबर 2020 तक)	अध्यक्ष	2	2
2	मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष (12 सितंबर, 2020 से) सदस्य (29 मई, 2020 से) (11 सितंबर 2020 तक)	1 2	1 2
3	अमित वरदान संयुक्त सचिव, भाउवि. अंशकालिक शासकीय निदेशक (02 सितंबर 2020 तक)	सदस्य	2	2
4	अमित मेहता संयुक्त सचिव, भाउवि. अंशकालिक शासकीय निदेशक (05 फरवरी 2020 तक)	सदस्य (02 सितंबर 2020 से)	1	1
5	राजेश शर्मा स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	3	3
6	सुबोध गुप्ता निदेशक (वित्त)	सदस्य	3	3
7	अनिल कपूर निदेशक (मा.सं.)	सदस्य	3	3

प्रमुख (सीएसआर), कॉर्पोरेट कार्यालय स्थायी आमंत्रिती है। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते है।

3. वेब–लिंक प्रदान करें, जहां कंपनी की वेबसाइट पर सीएसआर समिति की संरचना, सीएसआर नीति और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं का खुलासा किया गया है।

   वेब लिंक —————————— https://www.bhel.com/csr

4. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014, के नियम 8 के उप–नियम (3) (यदि लागू हो) के अनुसरण में किए गए सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन का विवरण प्रदान करें (रिपोर्ट संलग्न करें)

   ₹1.00 करोड़ से अधिक मूल्य की निम्नलिखित पूर्ण सीएसआर परियोजना का प्रभाव आकलन बाहरी एजेंसी से करवाया गया था। परियोजना का विवरण नीचे दिया गया हैं:

परियोजना	कार्यावयन एजेंसी	द्वारा प्रभाव आकलन
महाराष्ट्र के भंडारा जिले के गांवों में पक्की सड़कों, नालों, सामुदायिक हॉल, चारदीवारी आदि का निर्माण	पीडब्ल्यूडी, महाराष्ट्र	मेसर्स सूर्य एनविरोटेक, नागपुर, महाराष्ट्र

   प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश अनुलग्नक–ख के रूप में संलग्न है।

   विस्तृत प्रभाव आकलन रिपोर्ट वेब लिंक पर उपलब्ध है ————— https://www.bhel.com/csr

5 कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 7 के उप–नियम (3) के अनुसरण में सेट ऑफ के लिए उपलब्ध राशि का विवरण और वित्तीय वर्ष के लिए सेट ऑफ के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो

क्र.	वित्तीय वर्ष	सेट–ऑफ के लिए उपलब्ध राशि पिछले वित्तीय से वर्ष (₹ में	वित्तीय वर्ष के लिए समायोजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो (₹ में
	निरंक	निरंक	निरंक
	सकल योग		

सूचना | अतिरिक्त जानकारी | वित्तीय विवरण | निदेशक मंडल रिपोर्ट | कॉर्पोरेट प्रोफाइल | वार्षिक समीक्षा

6. धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत शुद्ध लाभ ———————₹1009.00 करोड़

7. (क) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत ₹20.18 करोड़

(ख) सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या पिछले वित्तीय वर्षों की गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष ——— शून्य

(ग) वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित की जाने वाली राशि, यदि कोई हो —— शून्य

(घ) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (7क + 7ख + 7ग) ——— ₹20.18 करोड़

8.(क) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च या शेष (अव्ययित) सीएसआर राशि

वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई सकल राशि (रुपये में)	शेष (अव्ययित) राशि (₹ में)				
	धारा 135 (6) के अनुसार शेष (अव्ययित) सीएसआर खाता को हस्तांतरित कुल राशि		धारा 135(5) की द्वितीय प्रति अनुसार अनुसूची VII के अंतर्गत निर्दिष्ट किसी भी फंड में ट्रांसफर की गई राशि		
	राशि (₹ लाख में)	स्थानांतरण की तिथि	पूंजी का नाम	निधि	स्थानांतरण की तिथि
1441.99 लाख	2126.95	30.04.2021	शून्य	शून्य	लागू नहीं

(ख) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के मद में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण: ₹466.35 **संलग्न अनुलग्नक–ग**

(ग) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं के अलावा अन्य पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण: ₹903.54 लाख **संलग्न अनुलग्नक–घ**

(घ) प्रशासनिक उपरिव्यय में व्यय की गई राशि ———————————₹69.92 लाख

(ड.) प्रभाव आकलन पर खर्च की गई राशि, यदि लागू हो ———— ₹2.18 लाख

(च) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि ——————————————₹1441.99 लाख (8ख + 8ग + 8घ + 8ड.)

(छ) सेट ऑफ के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो

क्र.	**विवरण**	**राशि (₹लाख में)**
(i)	धारा 135 (5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	2018.00
(ii)	वित्तीय वर्ष में खर्च की गई कुल राशि	1441.99
(iii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि [(ii) – (i)]	निरंक
(iv)	पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष, यदि कोई हो,	निरंक
(v)	आगामी वित्तीय वर्षों में समायोजन के लिए उपलब्ध राशि [(iii) – (iv),	निरंक

9. (क) पिछले तीन वित्तीय वर्षों में व्यय न की गई सीएसआर राशि का विवरण

क्र	**पिछले वित्तीय वर्ष**	**धारा 135 (6) के अंतर्गत शेष (अव्ययित) सीएसआर राशि में अंतरित राशि (₹ लाख में)**	**रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष व्यय की गई राशि (₹ लाख में)**	**धारा 135 (6) के अनुसार खंड VII के अंतर्गत विनिर्दिष्ट किसी निधि में अंतरित राशि**			**आगामी वित्तीय वर्षों में व्यय की जाने वाली राशि (₹ लाख में)**
	2017-18	निरंक	3316.08	निरंक	निरंक	लागू नहीं	3113.92
	2018-19	निरंक	1601.45	निरंक	निरंक	लागू नहीं	2182.47
	2019-20	निरंक	3511.53	निरंक	निरंक	लागू नहीं	1550.94
	2020-21	2126.95	1441.99	निरंक	निरंक	लागू नहीं	2126.95

(ख) पिछले वित्तीय वर्ष (वर्षों) की चल रही परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण: **विवरण अनुलग्नक–ई में संलग्न है**

10. पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के मामले में, वित्तीय वर्ष में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से अर्जित की गई संपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें।

(संपत्ति–वार विवरण) जैसा कि नीचे सारणीबद्ध है

(क) पूंजीगत संपत्ति (संपत्तियों) के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि

(ख) इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण, जिनके नाम पर ऐसी पूंजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि।

(ग) इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिनके नाम पर ऐसी पूंजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि।

(घ) सृजित या अर्जित (पूंजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) पूंजीगत संपत्ति (संपत्तियों) का विवरण प्रदान करें।

क्र.	पूंजीगत संपत्ति (संपत्तियों) के निर्माण या अधिग्रहण की तिथी	पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि	इकाई या सार्वजनिक प्राधिकरण या लाभार्थी का विवरण जिनके नाम पर ऐसी पूंजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि	सृजित या अर्जित (पूंजीगत संपत्ति का पूरा पता और स्थान सहित) पूंजीगत संपत्ति (संपत्तियों) का विवरण प्रदान करें
1	20.04.2020	2.00	नई दिल्ली रेलवे स्टेशन	कोविड के दौरान स्वच्छता के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक कीटाणुशोधन मशीन (ईडीएम) पताः– नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली
2	09.05.2020	2.00	भारी उद्योग विभाग का कार्यालय (भारत सरकार), नई दिल्ली	कोविड. के दौरान स्वच्छता के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक कीटाणुशोधन मशीन (ईडीएम) पताः– भारी उद्योग कार्यालय, नई दिल्ली
3	09.05.2020	2.00	ओम आरोग्यम योग मंदिर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड	कोविड के दौरान स्वच्छता के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक कीटाणुशोधन मशीन (ईडीएम) पताः– ओम आरोग्यम योग मंदिर, एस–8, संदेश नगर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड
4	09.05.2020	2.00	लोक स्वास्थ्य विभाग, नोएडा प्राधिकरण, सेक्टर–39, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर नोएडा प्राधिकरण, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर	कोविड के दौरान स्वच्छता के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक कीटाणुशोधन मशीन (ईडीएम) पताः– लोक स्वास्थ्य विभाग, नोएडा प्राधिकरण, सेक्टर–39, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर
5	01.07.2020	3.00	नोएडा प्राधिकरण, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर	कोविड के दौरान सैनिटाइज करने के लिए सैनिटाइजिंग स्प्रे मशीन (बीएचईएल मिस्टर) पताः– नोएडा प्राधिकरण, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर
6	28.05.2020	3.00	जिला विकास अधिकारी, विकास भवन, कानपुर	कोविड के दौरान सैनिटाइज करने के लिए सैनिटाइजिंग स्प्रे मशीन (बीएचईएल मिस्टर) पताः– जिला विकास अधिकारी, विकास भवन, कानपुर

11. कारण निर्दिष्ट करें, यदि कंपनी धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है।
    1. इस वर्ष कई परियोजनाएँ आरंभ की गई हैं एवं अन्य पिछले वर्षों से जारी हैं जिन्हें 2020–21 तक आगे लाया गया है। इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए आवश्यक निधि की पूर्ति सीएसआर बजट से उन्हें पहले से आवंटित निधि से की जाएगी।
    2. कोविड–19 महामारी के कारण लॉकडाउन और जनशक्ति की आवाजाही पर अन्य प्रतिबंधों के कारण परियोजनाओं का कार्यान्वयन बाधित हो गया।
    3. बीएचईएल की सीएसआर नीति के अनुरूप, 2020–21 के लिए सीएसआर बजट सीएसआर परियोजनाओं के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, शेष (अव्ययित) राशि समाप्त नहीं होगी एवं भविष्य में सीएसआर परियोजनाओं के लिए उपयोग की जाएगी।

12. हम, एतद् द्वारा यह घोषणा करते है कि सीएसआर नीति का कार्यान्वयन एवं मॉनीटरिंग कम्पनी के सीएसआर उद्देश्यों और नीति के अनुरूप है।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
बीएचईएल

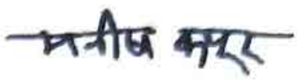

अध्यक्ष
सीएसआर समिति

नई दिल्ली
दिनांकः 27.08.2021

सूचना | अतिरिक्त जानकारी | वित्तीय विवरण | निदेशक मंडल रिपोर्ट | कॉर्पोरेट प्रोफाइल | वार्षिक समीक्षा

अनुलग्नक–क

बीएचईएल कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सी एस आर) नीति की रूपरेखा

सीएसआर विजन: एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक बनना, जो बेहतर कल के निर्माण के लिए प्रयासरत है।

सीएसआर मिशन:

कंपनी अधिनियम, 2013 में सूचीबद्ध सीएसआर के महत्वपूर्ण क्षेत्रों और अन्य क्षेत्रों में कंपनी के उत्तरदायित्व को ईमानदारी और प्रभावी ढंग से निर्वहन करना

नीति के उद्देश्य:

- कंपनी अधिनियम 2013, कंपनी (सीएसआर नीति), नियम 2014 और मौजूदा डीपीई दिशानिर्देशों के अंतर्गत आने वाली ऐसी परियोजनाएं और कार्यक्रम, जिन्हें बीएचईएल शुरु करना चाहता है, का विवरण देना।
- सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों के निष्पादन का तरीका।
- सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों की निगरानी प्रक्रिया।
- हितधारकों को बीएचईएल में विद्यमान सीएसआर अभ्यास से अवगत कराना।
- व्यवसाय एवं सी एस आर एजेंडा को निरंतर विकास के बृहत उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए कार्य करना।

नीति के प्रमुख बिंदु:

- यह कंपनी अधिनियम 2013, कंपनी (सीएसआर नीति), नियम 2014, सी एस आर और निरंतरता पर डीपीई के दिशा निर्देशों की सभी अपेक्षाओ को पूरा करती है।
- यह सीएसआर गतिविधियों के उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों को परिभाषित करती है, जो कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची VII में उल्लिखित हैं।
- इसमें हाल ही के तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 2% सी एस आर गतिविधियों के लिए आबंटित किए जाने का स्पष्ट उल्लेख है।
- कंपनी सीएसआर गतिविधियों के लिए स्थानीय इलाकों को प्राथमिकता देगी और सी एस आर गतिविधियों की राशि का 75% वहाँ खर्च करेगी।
- ऐसी परियोजना, जिसका कुल मूल्य रु. 2 करोड़ या उससे अधिक है, को बड़ी परियोजना (मेगा प्रोजेक्ट) कहा जाएगा और ऐसी परियोजनाओं के प्रभाव का आकलन/ गणना बाहरी एजेंसियों के माध्यम से करायी जाएगी।
- कुल वार्षिक सीएसआर बजट का 5% आपदा/ विनाश के समय राहत कार्यों के लिए आपातकालीन निधि के रूप में आरक्षित रखे जाने का प्रावधान है।
- कुल वार्षिक सीएसआर बजट का 5% क्षमता निर्माण हेतु आरक्षित रखा जाएगा, जिसमें प्रशासनिक ओवरहैड्स भी शामिल हैं।
- यह बीएचईएल में सीएसआर के लिए संगठनात्मक संरचना के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

सीएसआर नीति का वेब–लिंक:

बीएचईएल सीएसआर नीति www.bhel.com में सीएसआर अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध है, जिस पर **https://www.bhel.com/csr** लिंक के माध्यम से पहुंचा जा सकता है।

अनुलग्नक–ख

कार्यपालक सारांश बीएचईएल

SURYA ENVIROTECH

Ph : +91-712-2742664, Off : 7721968783, Cell : +91-9860352441, 9370522007
E-mail : suryaenvirotech@rediffmail.com, suryaenvirotechmpj@gmail.com
Web Site : www.suryaenviro.com
237, Hanuman Nagar, Nagpur - 440009 (MS)

मेगा सीएसआर परियोजना जिला भंडारा के प्रभाव आकलन का सारांश

1.0 परिचय

बीएचईएल भारत में अपनी तरह की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनियों में से एक है। जो 180 से अधिक उत्पादों को उपलब्ध कराते हुए, उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग और सेवाओं में लगी हुई है ताकि देश की अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों में बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके।

मेगा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व परियोजना के कार्यान्वयन प्रभाव का मूल्यांकन अंधलगांव, वर्थी, कराडी, सिहोरा, तालुका पौनी और सकोली गाँव में किया जाता है तथा अध्ययन किए क्षेत्र में लोगों के जीवन की गुणवत्ता का पता लगाने के लिए निष्कर्ष निकाला जाता है। यह मूल्यांकन परिवहन, संचार, स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत संसाधनों के विकास के संबंध में ग्रामीणों तथा नागरिकों की संतुष्टि के आधार पर किया जाता है।

1.1 अध्ययन का उद्देश्य

- अध्ययन क्षेत्र की जनसांख्यिकीय रूपरेखा तैयार करना
- अध्ययन क्षेत्र में लोगों की वर्तमान सामाजिक–आर्थिक स्थिति का आकलन करना
- वर्तमान और भविष्य के रोजगार अवसरों की प्रकृति को पहचानने तथा मात्रा निर्धारित करना
- अध्ययन क्षेत्र में लोगों के जीवन की गुणवत्ता का आकलन करना
- अधोसंरचना संसाधनों के आधार जैसे–चिकित्सा, शिक्षा, जल संसाधन, बिजली आपूर्ति का मूल्यांकन करना
- आर्थिक संसाधनों के आधार जैसे–कृषि, उद्योग, वन, व्यापार और वाणिज्य का मूल्यांकन करना
- स्वास्थ्य स्थिति अर्थात प्रमुख और स्थानिक रोगों के संदर्भ में रुग्णता पैटर्न (जैसे कोविड–19, स्वाइन फ्लू, डेंगू, फ्लोरोसिस, मलेरिया, फाइलेरिया) का मूल्यांकन करना
- ऐतिहासिक/पुरातात्विक महत्व के स्थानों सहित अध्ययन क्षेत्र में सांस्कृतिक और सौंदर्य संबंधी विशेषताओं का मूल्यांकन करना
- अध्ययन क्षेत्र के लोगों के व्यवसायिक पैटर्न, रोजगार की स्थिति और आय वर्ग का मूल्यांकन करना
- आर्थिक संसाधनों की मात्रा, स्वास्थ्य स्थिति, सांस्कृतिक और सौंदर्य संबंधी विशेषताएं आदि

• अध्ययन क्षेत्र के लोगों पर सीएसआर योजना के प्रभाव का आकलन करना

1.2 अध्ययन क्षेत्र

भंडारा जिले में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की मेगा परियोजना के लिए वर्तमान अध्ययन क्षेत्र में सकोली तथा पौनी के दो शहरी क्षेत्र, तालुका मोहदी के तीन गांव अंधलगांव, वर्थी, कराडी तथा तालुका तुमसर का सिहोरा गांव शामिल हैं।

1.3 अध्ययन क्षेत्र में सीएसआर कार्य योजना का प्रभाव आकलन

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के प्रबंधन ने ग्रामीणों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए तथा उनके उत्थान हेतु अध्ययन क्षेत्र में सीएसआर का कार्यान्वयन शुरू किया था। अध्ययन क्षेत्र में आवश्यकता आधारित विश्लेषण के अनुसार 2014 से सीएसआर कार्य योजना लागू की गई है। सीएसआर कार्य योजना के कार्यान्वयन से पहले और बाद में अध्ययन क्षेत्र के जीवन की गुणवत्ता की तुलना करके सीएसआर के प्रभाव मूल्यांकन किया गया है।

1.4 कार्यप्रणाली

अध्ययन दल ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के प्रभाव मूल्यांकन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रकार के डेटा संग्रह विधियों का उपयोग किया है। ऐसी प्रकृति के अध्ययन हेतु प्राथमिक तौर पर घरेलू सर्वेक्षण की आवश्यकता होती है। यद्यपि सीएसआर अध्ययन के सीमित उद्देश्य के लिए टीम ने दो स्रोतों से डेटा एकत्र किया। पहला, अध्ययन क्षेत्र के परियोजना प्रभावित लोगों का घरेलू सर्वेक्षण, दूसरा स्थानीय कार्यालयों के साथ–साथ गैर–सरकारी स्रोत। बीएचईएल प्रबंधन द्वारा सर्वेक्षण हेतु विचार किए गए गांवों में जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए सरकारी कार्यालयों से माध्यमिक डेटा भी एकत्र किया गया है। डेटा संग्रह के लिए लागू विधियों में संरचित प्रश्नावली, गहन साक्षात्कार और फोकस समूह चर्चा शामिल है।

ग्रामीणों से केंद्रित (फोक्सड) समूह चर्चा (एफजीडी) करने हेतु टीमें अलग–अलग दिनों में प्रत्येक गांव में गई। इनमें से प्रत्येक फोकस समूह चर्चा (एफजीडी) में पंचायत सदस्यों के विभिन्न समूह, स्कूल शिक्षक, अनौपचारिक/औपचारिक संगठनों के नेता तथा ग्राम प्रतिनिधि शामिल हैं। ये सभी एफजीडी बहुत व्यापक (कम से कम 2 से 3 घंटे की अवधि) रही। इसके अतिरिक्त, सीएसआर का एक भाग टीम द्वारा गहन व्यक्तिगत अवलोकन था। यद्यपि, डेटा के द्वितीयक स्रोतों में विभिन्न सरकारी विभाग (स्थानीय और जिला स्तर) और परियोजना प्राधिकरण शामिल थे।

2.0 जनसांख्यिकीय संरचना

अध्ययन महाराष्ट्र के भंडारा जिले के 06 गांव में किया गया है।

राज्य के सापेक्ष भंडारा जिले के सामाजिक–आर्थिक विशेषताओं की तुलना इस प्रकार है:

तालिका

अध्ययन क्षेत्र में जनसांख्यिकी की एक झलक

क्रमांक	जनसांख्यिकीय पैरामीटर	विवरण
1.	ग्राम संख्या	06
2.	कुल आवासीय परिवारों की संख्या	15560
3.	कुल जनसंख्या	67251
4.	अनुसूचित जाति %	12903 (19.2%)
5.	अनुसूचित जनजाति %	4027 (5.98%)
6.	लिंगानुपात (प्रति हजार पुरुषों पर महिलाएं)	980.5
7.	साक्षर (%)	53218 (79.13%)
8.	मुख्य श्रमिक (%)	18575 (27.62%)
9.	सीमांत श्रमिक (%)	8536 (12.69%)
10.	गैर श्रमिक (%)	40140 (59.68%)

स्रोतः प्राथमिक जनगणना सारांश सीडी–2011, जिला नागपुर, राज्य महाराष्ट्र

तालिका

अध्ययन क्षेत्र में ग्रामों की विद्यमान जीवन स्तर गुणवत्ता की तुलनात्मक तालिका (2005– 2015)

क्रमांक	ग्रामों का नाम	क्यूओएल (सी) (2013)	क्यूओएल (सी) (2020)
1	वर्थी	0.53	0.59
2	अंधलगाँव	0.525	0.59
3	कराड़ी	0.535	0.56
4	सिहोरा	0.57	0.58
5	साकोली	0.57	0.61
6	पवनी	0.56	0.58
	कुल	**0.55**	**0.58**

क्यूओएल (एस) = जीवन की व्यक्तिपरक गुणवत्ता

क्यूओएल (ओ) = जीवन का वस्तुपरक गुणवत्ता

क्यूओएल (सी) = जीवन की संचयी गुणवत्ता

3.0 सामाजिक – आर्थिक प्रभाव

बीएचईएल पावर सेक्टर पश्चिमी क्षेत्र द्वारा मेगा सीएसआर परियोजना का कार्यान्वयन लाभकारी प्रभावों सहित सामाजिक–आर्थिक वातावरण पर निश्चित प्रभाव उत्पन्न करेगा। इनमें से कुछ प्रभाव अल्पकालिक प्रभावों सहित निकटस्थ क्षेत्र में अधिक लाभदायक होंगे जबकि अन्य दीर्घकालिक प्रकृति या उच्च लाभ वाले होंगे।

बीएचईएल पावर सेक्टर पश्चिमी क्षेत्र द्वारा मानव हित मानकों पर इस मेगा सीएसआर परियोजना के प्रभावों का आकलन इस प्रकार किया गया है:

अन्य सहायता सुविधाओं के सापेक्ष परिवहन और संचार सुविधा में वृद्धि के कारण प्रभाव

लाभकारी प्रभाव

मेगा सीएसआर परियोजना गतिविधियों से लाभकारी समर्थन के रूप में चिहनित प्रभाव इस प्रकार हैं:

- परिवहन सुविधा में वृद्धि के कारण स्थानीय लोगों के साथ–साथ आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए व्यवसाय के अवसर बढ़ेंगे
- जनसंख्या में अन्तर्वाह के कारण, स्थानीय लोगों के लिए व्यापार, व्यवसाय के अवसर बढ़ेंगे, जिससे अध्ययन क्षेत्र के आसपास के लोगों की आर्थिक स्थिति में वृद्धि होगी।
- अध्ययन क्षेत्र में शहरीकरण की दिशा में विकास के साथ–साथ के कामकाजी लोगों की संख्या में अन्तर्वाह से विद्यमान आधारभूत सुविधाओं में अनुकूल बदलाव आएंगे, जिससे अध्ययन क्षेत्र के जीवन स्तर की गुणवत्ता में और सुधार होगा।
- शहरीकरण के कारण क्षेत्र और व्यवसाय के अवसरों का समग्र विकास होगा , जिससे अध्ययन क्षेत्र के जीवन स्तर की गुणवत्ता में संवर्धन होगा।

अनुलग्नक–ग

वित्तीय वर्ष के दौरान प्रगतिशील परियोजनाओं के लिए व्यय की गई सीएसआर राशि का विवरण

(₹लाख में)

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	आवंटित राशि	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	शेष (अव्ययित) सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि।	कार्यान्वयन प्रत्यक्ष मोड (हां/नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला					नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
										(₹लाख में)
1	पेयजल की सुविधा के साथ सामुदायिक जैव शौचालय क्लस्टर	स्वच्छ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	565.00	37.08	95.51	नहीं	एफआईसीसीआई	लागू नहीं
2	क्लेफ्ट रोगियों की क्लेफ्ट सर्जरी	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	56.00	11.20	44.80	नहीं	मिशन मुस्कान	लागू नहीं
3	ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल मेडिकेयर यूनिट का परिचालन	स्वस्थ भारत	हाँ	महाराष्ट्र, रायगढ़	33.00	28.02	4.98	नहीं	वॉकहार्ट फाउंडेशन	लगू नहीं
4	मोबाइल मेडिकेयर यूनिट का परिचालन	स्वस्थ भारत	हाँ	महाराष्ट्र, रत्नागिरी	33.00	27.06	5.94	नहीं	वॉकहार्ट फाउंडेशन	लगू नहीं
5	कल्याण ब्लॉक, ठाणे के आशा कार्यकर्ताओं का क्षमता निर्माण	स्वस्थ भारत	हाँ	महाराष्ट्र, ठाणे	18.00	6.00	0.00	नहीं	रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी (आरएमपी)	लगू नहीं
6	सरकारी आईटीआई में बालिका शौचालय का निर्माण	स्वच्छ भारत	हाँ	तमिलनाडु, वेल्लोर	10.00	6.09	3.91	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
7	कोविड 19 के खिलाफ लड़ने के लिए 04 नग इलेट्रोस्टेटिक कीटाणुशोधन मशीन	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड (हरिद्वार), दिल्ली/एनसीआर	10.00	8.00	2.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
8	कोविड राहत – राउरकेला साइट के पास मजदूरों को पोषण किट वितरित	स्वस्थ भारत	हाँ	ओडिशा, संबलपुर	9.93	9.55	0.39	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
9	कोविड राहत –उत्तर करनपुरा साइट के पास ग्रामीणों को पोषाहार किट का वितरण	स्वस्थ भारत	हाँ	झारखंड, चतरा	9.80	9.28	0.52	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
10	गरीब मरीजों की नेत्र जांच शिविर व मोतियाबिंद के ऑपरेशन	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, यूएस नगर	9.26	0.30	0.30	नहीं	मेसर्स आई केयर हॉस्पिटल, नोएडा	लगू नहीं
11	धर्मशाला के लिए चिकित्सा सहायक उपकरण और उपकरणों के लिए सहायता	स्वस्थ भारत	हाँ	डंकीलं च्वंकमी, श्रंइंसचनत	9.00	9.00	0.00	नहीं	ब्रह्मर्षि मिशन समिति	लगू नहीं
12	कोविड 19 के खिलाफ लड़ाई के लिए फेस मास्क, पीपीई किट, सैनिटाइज़र, दस्ताने आदि	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	8.98	5.06	3.92	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
13	पीएचसी में कोविड वार्डों में नवजात देखभाल में उपयोग किए जाने वाले 15 नग बेबी वार्मर	स्वस्थ भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	6.26	5.93	0.34	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
14	02 कब्रिस्तानों में शौचालय ब्लॉक का निर्माण	स्वच्छ भारत	हाँ	एमपी, भोपाल	5.00	3.27	1.73	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
15	कोविड 19 के खिलाफ लड़ाई के लिए जिला प्रशासन को राहत सामग्री उपलब्ध कराना	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	5.00	4.80	0.20	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	आवंटित राशि	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	शेष (अव्ययित) सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि।	कार्यान्वयन प्रत्यक्ष मोड (हां/नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला					नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
16	उत्तर करनपुरा साइट के पास पीएचसी टंडवा के अस्पताल के लिए बिस्तर, गद्दे आदि	स्वस्थ भारत	हाँ	झारखंड, चतरा	4.28	4.22	0.06	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
17	वीरारेड्डी पल्ली में 1500 लीटर/घंटा वाले आरओ प्लांट	स्वच्छ भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	4.00	3.95	0.05	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
18	गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालपुर में शौचालय परिसर का निर्माण	स्वच्छ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	3.37	3.37	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
19	एसएमजेएन (पीजी), कॉलेज में महिला शौचालय परिसर का निर्माण	स्वच्छ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	3.34	3.34	0.00	नहीं	दिव्य प्रेम सेवा मिशन	लगू नहीं
20	शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए शिविर का आयोजन एवं कृत्रिम उपकरण उपलब्ध कराना	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, चेन्नई	2.78	2.65	0.13	नहीं	फ्रीडम ट्रस्ट, चेन्नई	लगू नहीं
21	पैलेटिव देखभाल से गुजर रहे गंभीर रूप से बीमार कैंसर रोगियों को भोजन	स्वस्थ भारत	हाँ	तेलंगाना, रंगारेड्डी	2.40	2.40	0.00	नहीं	पेन रिलीफ एंड पेलिएटिव केयर सोसाइटी, हैदराबाद	लगू नहीं
22	कोविड राहत कार्य –सागरदिघी साइट के पास मास्क, दस्ताने, चिकित्सा उपकरण आदि का वितरण	स्वस्थ भारत	हाँ	पश्चिम बंगाल मुर्शिदाबाद	1.75	1.71	0.05	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
23	बीएचईएल टाउनशिप, नोएडा में और उसके आसपास जरूरतमंदों को भोजन के पैकेट का वितरण	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, जीबी नगर	1.50	1.17	0.33	नहीं	महिला कल्याण संघ	लगू नहीं
24	योग कक्षाएं	स्वस्थ भारत	हाँ	एमपी, भोपाल	1.37	1.32	0.05	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
25	06 गांवों में चिकित्सा शिविर	स्वस्थ भारत	हाँ	एमपी, भोपाल	1.26	0.51	0.75	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
26	एडीडब्ल्यू छात्रावास में खेल सामग्री और पंखे और ट्यूब लाइट	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	1.00	1.00	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
27	ग्रामीण और गरीब लोगों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	0.43	0.43	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
28	वेनावेली गांव, कोल्लुरु मंडल में आरओ प्लांट	स्वच्छ भारत	हाँ	तेलंगाना, खम्मम	0.30	0.30	0.01	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
29	कोविड–19 की रोकथाम के लिए फेस मास्क का वितरण	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, जीबी नगर	0.28	0.27	0.01	नहीं	महिला कल्याण संघ	लगू नहीं
30	सरकार में लड़कों और लड़कियों के छात्रावास भवनों का निर्माण यंत्र	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, निजामाबाद	300.00	62.50	62.14	नहीं	जिला पंचायत राज अभियंता, पीआईयू, निजामाबाद	लगू नहीं
31	गिरिराज शासकीय डिग्री कॉलेज के लिए एक कंपाउंड दीवार का निर्माण	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, निजामाबाद	100.00	12.85	26.12	नहीं	जिला पंचायत राज अभियंता, पीआईयू, निजामाबाद	लगू नहीं

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	आवंटित राशि	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	शेष (अव्ययित) सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि।	कार्यान्वयन प्रत्यक्ष मोड (हां/नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला					नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
32	समावेशी विकास और सामाजिक विकास के लिए उद्यमिता और विचार के माध्यम से परिवर्तन निर्माताओं को विकसित करने के लिए कनेक्ट एंड चेंज प्रोग्राम	समावेशी भारत	हाँ	महाराष्ट्र, पालघर, राजगढ़, ठाणे और मुंबई	18.00	1.00	0.00	नहीं	कनेक्टिंग ड्रीम्स फाउंडेशन (सीडीएफ)	लगू नहीं
33	केवीएस छात्रों के लिए प्रेरणादायक पुस्तक और करियर परामर्श का वितरण	शिक्षित भारत	हाँ	दिल्ली/एनसीआर	10.00	5.00	5.00	नहीं	इस्कॉन नई दिल्ली	लगू नहीं
34	गरीब छात्रों को स्कूल यूनिफॉर्म और पोषाहार भोजन का वितरण	शिक्षित भारत	हाँ	यूपी, गाजियाबाद	10.00	10.00	0.00	नहीं	मेनर वेलफेयर सोसाइटी	लगू नहीं
35	वंचित छात्रों के लिए स्कूल गणवेश	शिक्षित भारत	हाँ	हरियाणा और यूपी फरीदाबाद और निस्वरा	9.45	4.73	0.00	नहीं	शिरडी साईं बाबा मंदिर सोसायटी, फरीदाबाद	लगू नहीं
36	सड़क सुरक्षा हस्तक्षेप कार्यक्रम	शिक्षित भारत	हाँ	दिल्ली, दिल्ली	8.02	8.02	0.00	नहीं	कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन ड्राइविंग, दिल्ली	लगू नहीं
37	बॉयलर प्लांट बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैलसापुरम में बहुउद्देशीय हॉल बनाने के लिए छत का निर्माण	शिक्षित भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	8.00	6.57	1.43	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
38	सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल, दीपांजलिंगर में शौचालय और पानी की सुविधा	शिक्षित भारत	हाँ	कर्नाटक, बैंगलोर	6.80	6.08	0.72	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
39	सरकार को फर्नीचर, कंप्यूटर, पंखे आदि। प्राथमिक/जूनियर स्कूल	शिक्षित भारत	हाँ	यूपी, अमेठी	6.00	6.00	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
40	शासकीय प्राथमिक विद्यालय, धुंडा में भोजन कक्ष / बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	शिक्षित भारत	हाँ	पंजाब, तरन तारानी	5.00	4.56	0.44	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
41	अरिवलयम, कैलसापुरम में मौजूदा शौचालयों को तोड़ना और स्थानांतरित करना	शिक्षित भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	5.00	4.75	0.25	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
42	राजकीय प्राथमिक विद्यालय नं. 33, हरिद्वार में निर्माण एवं मरम्मत कार्य।	शिक्षित भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	3.56	3.53	0.03	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
43	झुग्गी–झोपड़ी के बच्चों को एक वर्ष की शिक्षा	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, रंगारेड्डी	3.30	3.30	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
44	दृष्टिबाधित छात्रों के विकास के लिए कंप्यूटर	शिक्षित भारत	हाँ	यूपी, वाराणसी	3.00	3.00	0.00	नहीं	दिव्य ज्योति सोसाइटी	लगू नहीं
45	हाई स्कूल, बसवंतपुर, यादगीर को फर्नीचर आदि, सरकार	शिक्षित भारत	हाँ	कर्नाटक, यादगीर	3.00	3.00	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	आवंटित राशि	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	शेष (अव्ययित) सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि।	कार्यान्वयन प्रत्यक्ष मोड (हां/नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला					नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
46	शासकीय हाई स्कूल, अलीपुर को स्मार्ट क्लास सुविधाएं, फर्नीचर आदि	शिक्षित भारत	हाँ	कर्नाटक, यादगीर	3.00	1.93	1.07	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
47	हाई स्कूल (सरकारी पीयू कॉलेज), येरागोली को स्मार्ट क्लास सुविधाएं और फर्नीचर आदि	शिक्षित भारत	हाँ	कर्नाटक, यादगीर	3.00	1.93	1.07	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
48	गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों को ऑटिज्म के लिए विशेष शिक्षक वेतन एवं आंशिक छात्र शुल्क के लिए वित्त पोषण	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, हैदराबाद	2.93	0.90	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
49	स्कूली बच्चों के लिए शौचालयों का निर्माण, केवी, बोवेनपल्ली	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, हैदराबाद	2.79	2.75	0.04	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
50	शासकीय हाई स्कूल, पूलथुर में प्रस्तावित खेल के मैदान में बाड़ लगाना	शिक्षित भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	2.65	2.65	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
51	अनाथों, विधवाओं और दिव्यांग छात्रों को छात्रवृत्ति	शिक्षित भारत	हाँ	एमपी, भोपाल	2.40	1.32	1.08	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
52	आईटीआई और पॉलिटेक्निक के शारीरिक रूप से अक्षम छात्रों को छात्रवृत्ति	शिक्षित भारत	हाँ	एमपी, भोपाल	2.25	2.25	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
53	बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वन्नीवेदु में निर्माण कार्य	शिक्षित भारत	हाँ	तमिलनाडु, रानीपेटी	2.00	0.42	1.58	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
54	दिव्यांग बच्चों को व्यावसायिक प्रशिक्षण	समावेशी भारत	हाँ	एपी, विजाग	2.00	2.00	0.00	नहीं	प्रज्वला वाणी वेलफेयर सोसाइटी, विजाग	लगू नहीं
55	जिला परिषद हाई स्कूल, आरसी पुरम के लिए फर्नीचर	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	2.00	1.99	0.01	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
56	जेडपीपीएस बीएचईएल, आरसी पुरम के लिए फर्नीचर/ बुनियादी अवसंरचना,	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	2.00	1.98	0.02	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
57	जेडपीएचएस माधराम, जिन्नाराम मंडलम के लिए फर्नीचर	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	2.00	2.00	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
58	जेडपीएचएस लेमूर, कंदुकुर के लिए फर्नीचर/बुनियादी अवसंरचना	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	2.00	2.00	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
59	प्राथमिक विद्यालय अनंत सागर में फर्नीचर/बुनियादी अवसंरचना	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	2.00	2.00	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	आवंटित राशि	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	शेष (अव्ययित) सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि।	कार्यान्वयन प्रत्यक्ष मोड (हां/नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला					नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
60	महिलाओं के लिए सरकारी डिग्री कॉलेज में कॉलेजिएट शिक्षा के लिए फर्नीचर	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	2.00	2.00	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
61	जेडपीपीएस चिंतागुड़ा (के), खगजनगर मंडल, कुमारमभीम के लिए डेस्क	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, आसिफाबाद	2.00	2.00	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
62	जेडपीपीएस भटपल्ली, खगज़नगर मंडल, कुमारमभीम के लिए डेस्क	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, आसिफाबाद	2.00	2.00	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
63	सामुदायिक केंद्र, चंदनायक नगर में शिक्षण गतिविधि करने के लिए सहायता	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, हैदराबाद	2.00	0.01	0.22	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
64	श्री परमहंस नर्सरी एवम प्राथमिक विद्यालय, कट्टूरी में परिसर की दीवार	शिक्षित भारत	हाँ	तमिल नाडु, तिरुचिरपल्ली	2.00	0.90	1.10	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
65	कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने के लिए 07 कंप्यूटर	शिक्षित भारत	हाँ	यूपी, वाराणसी	1.90	1.90	0.00	नहीं	कुटुम्ब सम्जोथन आवाम पुनर्वास संस्था	लगू नहीं
66	शासकीय सीनियर सेकेंड्री स्कूल, वीन पुइनो में बेंच, प्रोजेक्टर, स्क्रीन	शिक्षित भारत	हाँ	पंजाब, तरन तारन	1.80	1.69	0.11	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
67	दिव्यांग बच्चों और युवाओं के परिवहन के लिए ई–रिक्शा	शिक्षित भारत	हाँ	उत्तर प्रदेश, वाराण ासी	1.65	1.65	0.00	नहीं	किरण सोसाइटी	लगू नहीं
68	शासकीय एडीडब्ल्यू हायर सेकेंडरी स्कूल शोलामादेवी में लड़कों के लिए शौचालय का निर्माण	शिक्षित भारत	हाँ	तमिल नाडु, तिरुचिरपल्ली	1.55	1.14	0.41	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
69	वंचित छात्रों के लिए स्कूल बेंच	शिक्षित भारत	हाँ	उत्तर प्रदेश, वाराणसी	1.45	1.45	0.00	नहीं	सैंट निर्मल शैक्षिक समाज	लगू नहीं
70	सीनियर सेकेंड्री स्कूल गोइंदवाल साहिब में बेंच	शिक्षित भारत	हाँ	पंजाब, तरन तारन	1.20	1.20	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
71	दृष्टिबाधित बच्चों का कौशल विकास	शिक्षित भारत	हाँ	एपी, विजाग	0.70	0.70	0.00	नहीं	विजन एड चौरिटेबल सर्विसेज सोसायटी	लगू नहीं
72	पंचायत यूनियन मिडिल स्कूल, थेक्कडूर के लिए बाड़ लगाना	शिक्षित भारत	हाँ	तमिल नाडु, पुडुक्कोत्ताई	0.50	0.11	0.39	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
73	मकाली से होरोक्यथानहल्ली रोड पर आरसीसी स्लैब ब्रिज	जिम्मेदार भारत	हाँ	कर्नाटका, बैंगलौर	80.00	2.30	6.57	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	आवंटित राशि	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	शेष (अव्ययित) सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि।	कार्यान्वयन प्रत्यक्ष मोड (हां/नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
				राज्य, जिला					नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
74	जेएनयू के लिए विकलांगों के अनुकूल व्हीलचेयर सुलभ मिनी बस	जिम्मेदार भारत	हाँ	दिल्ली, दिल्ली	30.35	9.66	0.69	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
75	अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों के संगम पर एलटी लाइन और स्ट्रीट लाइट	जिम्मेदार भारत	हाँ	उत्तराखंड, रुद्रप्रयाग	19.98	13.57	0.00	नहीं	डीएम, रुद्रप्रयाग	लगू नहीं
76	"लतिका विहार – कम वनः कम ऑल" को सहयोग	जिम्मेदार भारत	हाँ	उत्तराखंड, देहरादून	19.00	5.53	9.27	नहीं	लतिका रॉय मेमोरियल फाउंडेशन	लगू नहीं
77	दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास (पंजीकृत) के छात्रावास में भोजन कक्ष का निर्माण	जिम्मेदार भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	6.00	1.50	0.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
78	बीरसांद्रा ग्राम, देवनहल्ली में आंगनबाडी केन्द्र में विकास कार्य	जिम्मेदार भारत	हाँ	कर्नाटका, बैंगलौर	2.50	2.13	0.37	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
79	आंगनबाडी केन्द्र, विजयपुरा में विकास कार्य – गुरप्पना मट्टा, देवनहल्ली	जिम्मेदार भारत	हाँ	कर्नाटका, बैंगलौर	2.50	2.13	0.37	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
80	गरीब दिव्यांगजनों को कल्याण उपकरण	जिम्मेदार भारत	हाँ	तेलंगाना, रंगारेड्डी	2.00	1.94	0.06	नहीं	एल्मिको	लगू नहीं
81	वृद्धाश्रम, कट्टूर में सौर पैनलों को बदलना	जिम्मेदार भारत	हाँ	तमिल नाडु, तिरुचिरापल्ली	2.00	1.01	0.99	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
82	ग्रामीण गरीब लोगों को 10 नग व्हील चेयर	जिम्मेदार भारत	हाँ	तमिल नाडु, चौन्नई	0.53	0.53	0.00	नहीं	व्हील चेयर फेंसिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया, चेन्नई	लगू नहीं
83	4 सौर जल पंपों की स्थापना	ग्रीन भारत	नहीं	छत्तीसगड़ और आसाम, बस्तर, करीमगंज, कचार	50.00	41.05	8.95	हाँ	बीएचईएल	
					1584.05	**466.35**	**296.48**			

अनुलग्नक– ख

वित्तीय वर्ष के दौरान प्रगतिशील परियोजनाओं के अलावा अन्य पर व्यय की गई सीएसआर राशि का विवरण

(₹लाख में)

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	कार्यान्वयन का तरीका प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
			राज्य, जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या	
1	महाविद्यालयों एवं महिला छात्रावासों में सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन एवं भस्मक की स्थापना	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	52.07	नहीं	मुख्य विकास कार्यालय, हरिद्वार	लगू नहीं
2	एलिम्को के माध्यम से दिव्यांगजनों को सहायता और उपकरण	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, तेलंगाना, एमपी, बिहार, हरिद्वार, खम्मम, दमोह, खगड़िया	25.06	नहीं	एलिम्को	लगू नहीं
3	जिले द्वारा स्थापित कोविड–19 केंद्रों के लिए चिकित्सा सामग्री	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	17.99	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
4	कुष्ठ रोगियों का उपचार एवं टीएलएमटीआई अस्पताल में उपकरणों की खरीद	स्वस्थ भारत	हाँ	एपी, बिहार, विजयनगरम, मुजफ्फरपुर	16.98	नहीं	कुष्ठ मिशन ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली	लगू नहीं
5	भारत भर में हीमोफिलिया (पी एंड सीडब्ल्यूएच) वाले व्यक्तियों और बच्चों के लिए निः शुल्क हीमोफिलिक फैक्टर (एएचएफ)	स्वस्थ भारत	हाँ	पैन इंडिया	15.64	नहीं	हीमोफिलिया फेडरेशन इंडिया	लगू नहीं
6	बिहार और झारखंड के आस–पास के क्षेत्रों से मोतियाबिंद के रोगियों की निःशुल्क मोतियाबिंद सर्जरी।	स्वस्थ भारत	हाँ	झारखंड, हजारीबाग	11.66	नहीं	नव भारत जागृति केंद्र, हजारीबाग	लगू नहीं
7	टीवीवीपी अस्पताल और पीएचसी के लिए चिकित्सा उपकरण (सीटीजी मशीन, वार्मर, बीपी उपकरण)	स्वस्थ भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	9.95	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
8	क्लब फुट विकलांगता के साथ पैदा हुए बच्चों का इलाज	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, यूपी, असम, ओडिशा, ऋषिकेश, झांसी, गुवाहाटी, भुवनेश्वर	8.81	नहीं	क्योर इंटरनेशनल इंडिया ट्रस्ट (ब्प्प्ज), नई दिल्ली	लगू नहीं
9	पीएसईआर/सागरदिघी साइट पर और उसके आसपास 1150 ग्रामीणों/मजदूरों को कोविड एवं पोषण किट	स्वस्थ भारत	हाँ	पश्चिम बंगाल मुर्शिदाबाद	8.38	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
10	नूंह जिला, हरियाणा में स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम	स्वस्थ भारत	हाँ	हरियाणा, नूह	8.17	नहीं	बिसनौली सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा संस्थान	लगू नहीं
11	सार्वजनिक सड़कों, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, स्कूलों और स्लम एरिया आदि का सैनिटाइजेशन।	स्वस्थ भारत	हाँ	मध्य प्रदेश, भोपाल	7.10	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
12	सरकारी अस्पताल केएपीवी और एमजीएम के लिए मास्क N95, पीपीई किट	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	7.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
13	नागपुर नगर निगम के माध्यम से गरीबों और जरूरतमंदों के लिए कोविड 19 के खिलाफ लड़ाई के लिए दवाएं	स्वस्थ भारत	हाँ	महाराष्ट्र, नागपुर	6.02	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	कार्यान्वयन का तरीका प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
			राज्य, जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या	
14	बाल मित्र फाउंडेशन को बाल चिकित्सा सर्जरी करने के लिए दवाएं और सर्जिकल उपकरण।	स्वस्थ भारत	हाँ	महाराष्ट्र, नागपुर	5.98	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
15	कोविड –19 को रोकने के लिए सीएसआर के अंतर्गत कस्तूरबा अस्पताल के लिए वस्तुओं की आपातकालीन खरीद	स्वस्थ भारत	हाँ	मध्य प्रदेश, भोपाल	5.90	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
16	रुधिर विज्ञान विश्लेषक, एक BIPAP मशीन और एक ऑक्सीजन कनसेंट्रेटर	स्वस्थ भारत	हाँ	दिल्ली, दिल्ली	4.84	नहीं	कुष्ठ मिशन ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली	लगू नहीं
17	सरकारी एजेंसियों और जीवीएमसी को कोविड के खिलाफ लड़ने के लिए मास्क, सैनिटाइज़र, थर्मल स्कैनर, सोडियम हाइपोक्लोराइट, पीपीई किट, सूती कपड़े के बैग आदि।	स्वस्थ भारत	हाँ	आंध्र प्रदेश, विजाग	4.51	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
18	मीरा भयंदर क्षेत्र में प्रवासी श्रमिक एवं गरीब परिवार को आजीविका एवं भोजन पैकेट का वितरण	स्वस्थ भारत	हाँ	महाराष्ट्र, ठाणे	4.50	नहीं	रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी, मुंबई	लगू नहीं
19	बीएचईएल मिस्टर मशीन का उपयोग करके सेक्टर–17, नोएडा के आसपास के क्षेत्र में कीटाणुशोधन	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तर प्रदेश, गौतमबुद्ध नगर	4.42	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
20	आंगनबाडी केंद्रों को सैनिटाइजर, मास्क और थर्मल स्कैनर	स्वस्थ भारत	हाँ	कर्नाटक, बैंगलोर	4.36	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
21	औषधालयों के माध्यम से गरीबों और जरूरतमंदों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा	स्वस्थ भारत	हाँ	हरियाणा और दिल्ली, फरीदाबाद और दिल्ली	4.00	नहीं	शिरडी साईं बाबा मंदिर सोसायटी, फरीदाबाद	लगू नहीं
22	जिला प्रशासन के माध्यम से कोविड 19 केंद्रों को चादरें।	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, उधम सिंह नगर	3.99	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
23	जिले प्रशासन के लिए एम्बुलेंस, टैक्सी, वाहन कोविड–19 से लड़ने के लिए	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	3.75	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
24	एन्नोर साइट के पास के गांवों में राहत सामग्री किट वितरण का वितरण	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुवल्लुर	3.33	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
25	कोविड से लड़ने के लिए जिला अस्पताल में चिकित्सा उपकरण और अन्य सामान	स्वस्थ भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	3.22	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
26	कोविड केंद्रों/पीएचसी को पेयजल सुविधाएं	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, झांसी	3.18	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
27	श्रम कॉलोनियों और पनकी साइट के पास के क्षेत्रों के लिए बीएचईएल मिस्टर	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, कानपुर	3.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
28	नोएडा में श्रमिक कॉलोनियों के लिए बीएचईएल मिस्टर (बड़ी स्प्रे मशीन–सैनिटाइजेशन और हाइजीन)	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, जीबी नगर	3.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
29	प्रखंड अस्पताल (राज्य सरकार), पतरातू के माध्यम से कोविड योद्धाओं को दवा	स्वस्थ भारत	हाँ	झारखंड, रामगढ़	3.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां / नहीं)	परियोजना का स्थान	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	कार्यान्वयन का तरीका प्रत्यक्ष (हां / नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
			राज्य, जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या	
30	आंगनबाडी केंद्रों को सैनिटाइजर, मास्क और थर्मल स्कैनर	स्वस्थ भारत	हाँ	कर्नाटक, बैंगलोर	2.25	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
31	दृष्टिबाधित छात्रों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सामग्री	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, वाराणसी	2.02	नहीं	दिव्य ज्योति सोसाइटी, वाराणसी	लगू नहीं
32	स्कूलों के बच्चों के लिए कोविड देखभाल किट	स्वस्थ भारत	हाँ	पंजाब, तरन तारानी	2.02	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
33	गाडरवारा साइट के पास वंचित और जरूरतमंदों को कोविड के कारण लॉकडाउन के दौरान आवश्यक किराना सामान	स्वस्थ भारत	हाँ	सांसद, नरसिंहपुर	2.02	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
34	उडनगुरी साइट के पास के गांवों में कोविड राहत सामग्री	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तूतीकोरिन	2.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
35	आम जनता को फ्री मास्क, सैनिटाइजर, हैंड वाश, फिनाइल और टॉयलेट क्लीनर	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, वाराणसी	1.98	नहीं	कुटुम्ब समाजोथान इवाम पुनर्वास संस्था, वाराणसी	लगू नहीं
36	प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नवलपट्टू पंचायत के लिए क्षेत्र मे रोगी प्रतीक्षालय (लैब और आइसोलेशन वार्ड)	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	1.97	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
37	कोविड केंद्रों को सहायता	स्वस्थ भारत	हाँ	पंजाब, तरनतारानी	1.88	नहीं	जिला प्रशासन	लगू नहीं
38	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए सिंगल टूथ एक्स–रे मशीन और डेंटल चेयर	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, उधम सिंह नगर	1.85	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
39	अरियालुर साइट के आसपास के गांवों में भोजन पैकेट वितरण	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, कल्लाकुरचि	1.63	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
40	विजयवाड़ा साइट के पास के गांवों के लोगों को कोविड राहत सामग्री	स्वस्थ भारत	हाँ	आंध्र प्रदेश, विजयवाड़ा	1.42	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
41	तिरुवेरुम्बुर में पीएचसी के लिए पीपीई किट, दस्ताने और मास्क	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	1.10	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
42	थुवक्कुडी नगर पालिका के लिए पीपीई किट, हैंड सैनिटाइज़र सेट, मास्क, दस्ताने	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	1.05	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
43	कूथापर नगर पंचायत के लिए ब्लीचिंग पावर, लिजोल, सैनिटाइजर, फिनाइल, क्लीनिंग एसिड, हाइपो क्लोराइड, पीपीई किट, दस्ताने, मास्क आदि	स्वस्थ भारत	हां	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	1.05	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
44	निदेशक एम्स भोपाल के लिए 01 एफबीडी टनेल	स्वस्थ भारत	हाँ	मध्य प्रदेश, भोपाल	1.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
45	वेल्लालविदुथी साइट के पास के गांवों में भोजन पैकेट वितरण	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, पुदुक्कोट्टई	1.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	कार्यान्वयन का तरीका प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
			राज्य, जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या	
46	जीरत साइट के पास के गांवों में भोजन के पैकेट बांटे	स्वस्थ भारत	हाँ	पश्चिम बंगाल, 24 परगना (एन)	1.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
47	सरकारी अस्पताल तिरुवेरुम्बुर के लिए पीपीई किट, मास्क, डिस्पोजेबल कैप, डिस्पोजेबल दस्ताने प्लास्टिक एप्रन।	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	1.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
48	शामली साइट के आसपास के गांवों में बांटे खाने के पैकेट	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, मुजफ्फर नगर	0.99	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
49	ठक्कर बप्पा विद्यालय, टी नगर चेन्नई के बालिका छात्रावास में कोविड राहत सामग्री वितरण	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, चेन्नई	0.97	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
50	विभिन्न विद्यालयों में स्वचालित सैनिटाइजर डिस्पेंसर और पोषण किट	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, गौतमबुद्ध नगर	0.96	नहीं	ँप ज्ञतपचं	लगू नहीं
51	आस–पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए सैनिटाइज़र और कीटाणुरहित मशीनें	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, झांसी	0.93	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
52	नवलपट्टू पंचायत के लिए बैटरी पावर स्प्रेयर, इलेक्ट्रॉनिक पावर स्प्रेयर, मास्क और लाइजोल	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	0.80	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
53	आरसी पुरम में पीएचसी के लिए चिकित्सा उपकरण (डिजिटल बीपी उपकरण, ग्लूकोमीटर, सीबीपी आदि के लिए डिजिटल कलरमीटर)	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	0.77	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
54	बाढ़ के दौरान प्रभावित परिवारों को आवश्यक किराना सामान	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, चमोली	0.73	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
55	बाढ़ के दौरान प्रभावित परिवारों को आवश्यक किराना सामान	स्वस्थ भारत	हाँ	कर्नाटक, बैंगलोर	0.70	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
56	वायरल रिसर्च एंड डायग्नोस्टिक लेबोरेटरी (टत्क्स), विजयनगर, बेल्लारी के लिए उपकरण और उपभोग्य वस्तुएं	स्वस्थ भारत	हाँ	कर्नाटक, बेल्लारी	0.56	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
57	बीपी/शुगर परीक्षण उपकरण और सेनेटरी पैड	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, झांसी	0.53	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
58	पीपीई किट, 3 चैनल ईसीजी मशीन– तूतुकोरिन साइट के पास मुल्लाक्काडु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए	स्वस्थ भारत	हाँ	तमिलनाडु, तूतीकोरिन	0.49	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
59	कोविड वार्ड एमएलबी मेडिकल कॉलेज के लिए वाटर प्यूरीफायर	स्वस्थ भारत	हाँ	यूपी, झांसी	0.36	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
60	पनकी साइट के पास वंचित और जरूरतमंदों को कोविड के कारण लॉकडाउन के दौरान आवश्यक किराना सामान	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तर प्रदेश, कानपुर	0.20	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
61	आम जनता को कोविड –19 से बचाने के लिए सैनिटाइजेशन	स्वस्थ भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	0.18	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
62	स्कूल व्यय	शिक्षित भारत	हाँ	उत्तराखंड, हरिद्वार	454.72	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं

क्र.	परियोजना का नाम	अनुसूची VII से मद संख्या	स्थानीय क्षेत्र (हां/नहीं)	परियोजना का स्थान	वित्त वर्ष 2020–21 में खर्च की गई राशि	कार्यान्वयन का तरीका प्रत्यक्ष (हां/नहीं)	क्रियान्वयन एजेंसी	
			राज्य, जिला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या	
63	स्कूल व्यय	शिक्षित भारत	हाँ	यूपी, झांसी	74.50	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
64	स्कूल व्यय	शिक्षित भारत	हाँ	यूपी, अमेठी	52.50	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
65	स्कूल व्यय	शिक्षित भारत	हाँ	तमिलनाडु, वेल्लोर	9.00	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
66	कंधमाल (ओडिशा) के कृषि समुदायों को उनके आर्थिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने के लिए व्यावसायिक सहायता	शिक्षित भारत	नहीं	उड़ीसा, कंधमाली	6.34	नहीं	प्रोफेशनल असिस्टेंस फॉर डेवलपमैंट एक्शन, नोएडा	लगू नहीं
67	स्कूल व्यय	शिक्षित भारत	हाँ	तमिलनाडु, तिरुचिरापल्ली	5.84	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
68	स्कूल व्यय	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, संगारेड्डी	2.45	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
69	स्कूल व्यय	शिक्षित भारत	हाँ	तेलंगाना, हैदराबाद	0.99	हाँ	बीएचईएल	लगू नहीं
					903.54			

अनुलग्नक– ड.

पिछले वित्तीय वर्ष (वर्षों) की चल रही परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरणः

(₹लाख में)

वर्ष	संख्या	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना अवधि	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (₹ लाख में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (₹ लाख में)	वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च की गई संचयी राशि (₹ लाख में)	पूर्ण / चल रही परियोजना की स्थिति
2014-15	1	सीएसआर/ एचईईपी/ 14–15/01	पेयजल सहित सामुदायिक जैव शौचालय क्लस्टर के 25 सेट	2014-15	8	565.00	37.08	469.49	चालू
2018-19	2	सीएसआर/ पीएसएसआर/ 18–19/01	राजकीय पॉलीटेक्निक में बालक एवं बालिका छात्रावास भवनों का निर्माण	2018-19	4	300.00	62.50	237.86	चालू
2018-19	3	सीएसआर/ पीएसएसआर/ 18–19/02	गिरिराज राजकीय डिग्री कॉलेज के लिए कंपाउंड वॉल का निर्माण	2018-19	3	100.00	12.85	73.88	पूर्ण
2013-14	4	सीएसआर/आईएसजी/ 13–14/01	मकली से होरोक्याथानहल्ली रोड, दसनपुरा होबली में आरसीसी डेक स्लैब ब्रिज का निर्माण	2013-14	7	80.00	2.30	73.43	चालू
2019-20	5	सीएसआर/ एचईईपी/ 19–20/01	क्लाफ्ट सर्जरी के लिए "मिशन मुस्कान" का सहयोग	2019-20	2	56.00	11.20	11.20	चालू
2017-18	6	सीएसआर/ ईडीएन/ 17–18/01	4 सौर जल पंपों की स्थापना	2017-18	4	50.00	41.05	41.05	चालू
2018-19	7	सीएसआर/आरओडीएम /18–19/01	मोबाइल मेडिकेयर यूनिट का संचालन	2018-19	2	33.00	28.02	28.02	पूर्ण
2018-19	8	सीएसआर/आरओडीएम /18–19/02	मोबाइल मेडिकेयर यूनिट का संचालन	2018-19	2	33.00	27.06	27.06	पूर्ण
2014-15	9	सीएसआर/ पीईएम/ 14–15/01	दिव्यांग छात्रों की सुविधा के लिए विकलांगों के अनुकूल व्हीलचेयर सुलभ मिनी बस	2014-15	2	30.35	9.66	29.66	पूर्ण
2018-19	10	सीएसआर/ एचईईपी /18–19/02	अलकनंदा और मंदाकिनी नदियों के संगम पर एलटी लाइन और एलईडी स्ट्रीट लाइट	2018-19	2	19.98	13.57	19.98	पूर्ण
2019-20	11	सीएसआर/ एचईईपी /19–20/02	"लतिका विहार– कम वनः कम ऑल" का सहयोग	2019-20	3	19.00	5.53	9.73	चालू
2018-19	12	सीएसआर/आरओडीएम /18–19/03	आशा कार्यकर्ताओं का क्षमता निर्माण	2018-19	2	18.00	6.00	18.00	पूर्ण
2018-19	13	सीएसआर/आरओडीएम /18–19/04	समावेशी विकास के लिए उद्यमिता और सुझाव के माध्यम से परिवर्तन निर्माताओं को विकसित करने के लिए कनेक्ट एंड चेंज प्रोग्राम के लिए समर्थन	2018-19	2	18.00	1.00	18.00	पूर्ण
2019-20	14	सीएसआर/एए/ 19–20/02	केवीएस छात्रों के लिए स्वास्थ्य और करियर परामर्श के बाद "आप खुश रह सकते हैं" श्रृंखला की पुस्तकों का वितरण	2019-20	2	10.00	5.00	5.00	चालू
2019-20	15	सीएसआर/एए /19–20/05	ग्रेस एकेडमी स्कूल के छात्रों को स्कूल गणवेश और पौष्टिक भोजन का प्रबन्ध	2019-20	2	10.00	10.00	10.00	पूर्ण

वर्ष	संख्या	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना अवधि	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (₹ लाख में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (₹ लाख में)	वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च की गई संचयी राशि (₹ लाख में)	पूर्ण/ चल रही परियोजना की स्थिति
2019-20	16	सीएसआर/बीएपी/19–20/01	शासकीय आईटीआई में बालिका शौचालय का निर्माण	2019-20	2	10.00	6.09	6.09	पूर्ण
2019-20	17	सीएसआर/पीईएम/19–20/01	कोविड–19 से लड़ने के लिए इलेक्ट्रोस्टैटिक कीटाणुशोधन मशीन	2019-20	2	10.00	8.00	8.00	पूर्ण
2019-20	18	सीएसआर/एए/19–20/01	वंचित छात्रों के लिए स्कूल गणवेश	2019-20	2	9.45	4.73	9.45	पूर्ण
2019-20	19	सीएसआर/पीएसएनआर/19–20/01	नेत्र जांच शिविर और मोतियाबिंद सर्जरी	2019-20	2	9.26	0.30	8.96	पूर्ण
2019-20	20	सीएसआर/आरओडीएम/19–20/02	धर्मशाला के लिए चिकित्सा सहायक उपकरण और सामान	2019-20	2	9.00	9.00	9.00	पूर्ण
2019-20	21	सीएसआर/एए/19–20/06	अपने दैनिक जीवन के हिस्से के रूप में सड़क सुरक्षा का अभ्यास करने वाले ड्राइवरों को शिक्षित करने के लिए दिल्ली में सड़क सुरक्षा उपाय कार्यक्रम	2019-20	2	8.02	8.02	8.02	पूर्ण
2019-20	22	सीएसआर/एचपीबीपी/19–20/03	गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में जस्ती चादर की छत और एक बहुउद्देशीय हॉल में परिवर्तित	2019-20	2	8.00	6.57	6.57	पूर्ण
2018-19	23	सीएसआर/ईडीएन/18–19/01	सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल में पेयजल सुविधा सहित दो शौचालयों का निर्माण	2018-19	2	6.80	6.08	6.08	चालू
2019-20	24	सीएसआर/ एचईईपी/19–20/05	दिव्य प्रेम सेवा मिशन न्यास के छात्रावास में कुष्ठ रोगियों के लिए भोजन कक्ष का निर्माण	2019-20	2	6.00	1.50	6.00	पूर्ण
2019-20	25	सीएसआर/आईपी/1–20/01	सरकारी प्राथमिक / जूनियर स्कूल / सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल को टेबल, बेंच, कंप्यूटर, पंखे आदि	2019-20	2	6.00	6.00	6.00	पूर्ण
2019-20	26	सीएसआर/ एचईपी/19–20/01	कब्रिस्तानों में शौचालय ब्लॉक का निर्माण	2019-20	2	5.00	3.27	3.27	चालू
2019-20	27	सीएसआर/एचईईपी/19–20/06	जिला प्रशासन को राहत सामग्री एवं सैनिटाइजर आदि	2019-20	2	5.00	4.80	4.80	चालू
2019-20	28	सीएसआर/ आईईवीपी/19–20/01	शासकीय प्राथमिक विद्यालय धुंडा में डाइनिंग/बहुउद्देश्यीय हॉल	2019-20	2	5.00	4.56	4.56	पूर्ण
2019-20	29	सीएसआर/एचपीबीपी/19–20/06	अरिवलयम में मौजूदा शौचालयों को तोड़ना और स्थानांतरित करना	2019-20	2	5.00	4.75	4.75	पूर्ण
2019-20	30	सीएसआर/ एचपीईपी/19–20/04	वीरारेड्डी पल्ली में आरओ प्लांट	2019-20	2	4.00	3.95	3.95	पूर्ण
2019-20	31	सीएसआर/ एचईईपी/19–20/07	राजकीय प्राथमिक विद्यालय की चारदीवारी का निर्माण एवं विद्यालय भवन की मरम्मत	2019-20	2	3.56	3.53	3.53	पूर्ण
2019-20	32	सीएसआर/ एचईईपी/19–20/08	गुरुकुल महाविद्यालय में शौचालय परिसर का निर्माण	2019-20	2	3.37	3.37	3.37	पूर्ण

वर्ष	संख्या	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना अवधि	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (₹ लाख में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (₹ लाख में)	वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च की गई संचयी राशि (₹ लाख में)	पूर्ण / चल रही परियोजना की स्थिति
2019-20	33	सीएसआर / एचईईपी / 19–20 / 04	एसएमजेएन (पीजी), कॉलेज में शौचालय परिसर का निर्माण	2019-20	2	3.34	3.34	3.34	पूर्ण
2019-20	34	सीएसआर / एचपीईपी / 19–20 / 10	झुग्गी–झोपड़ी के बच्चों को एक वर्ष की शिक्षा	2019-20	2	3.30	3.30	3.30	पूर्ण
2019-20	35	सीएसआर / एचईआरपी / 18–19 / 01	दृष्टिबाधित छात्रों के विकास के लिए डेस्कटॉप और सॉफ्टवेयर	2019-20	2	3.00	3.00	3.00	पूर्ण
2019-20	36	सीएसआर / आईएसजी / 19–20 / 01	शासकीय हाई स्कूल के लिए बेंच और फर्नीचर आदि,	2019-20	2	3.00	3.00	3.00	पूर्ण
2019-20	37	सीएसआर / आईएसजी / 19–20 / 02	हाई स्कूल में स्मार्ट क्लास की सुविधा और फर्नीचर आदि	2019-20	2	3.00	1.93	1.93	चालू
2019-20	38	सीएसआर / आईएसजी / 19–20 / 05	आंगनबाडी केंद्र में खेल सामग्री एवं विकास किचन गार्डन	2019-20	2	3.00	1.93	1.93	चालू
2019-20	39	सीएसआर / आर एंड डी / 19–20 / 02	ऑटिज्म प्रभावित बच्चों के लिए छात्र शुल्क और विशेष शिक्षक वेतन का आंशिक वित्तपोषण	2019-20	2	2.93	0.90	2.93	पूर्ण
2019-20	40	सीएसआर / आर एंड डी / 19–20 / 04	स्कूली बच्चों के लिए शौचालयों का निर्माण, केन्द्रीय विद्यालय	2019-20	2	2.79	2.75	2.75	पूर्ण
2019-20	41	सीएसआर / एचपीबीपी / 19–20 / 07	सरकार के खेल के मैदान में कांटेदार तार की बाड़	2019-20	2	2.65	2.65	2.65	पूर्ण
2019-20	42	सीएसआर / आईएसजी / 19–20 / 03	हाई स्कूल में स्मार्ट क्लास की सुविधा और फर्नीचर आदि	2019-20	2	2.50	2.13	2.13	चालू
2019-20	43	सीएसआर / आईएसजी / 19–20 / 04	आंगनबाडी केन्द्र में खेल उपकरण आदि किचन गार्डन का विकास	2019-20	2	2.50	2.13	2.13	चालू
2019-20	44	सीएसआर / एचपीईपी / 19–20 / 01	पेलिवेटिव केयर से गुजर रहे गंभीर रूप से बीमार कैंसर रोगियों को भोजन	2019-20	2	2.40	2.40	2.40	पूर्ण
2019-20	45	सीएसआर / बीएपी / 19–20 / 02	बॉयज हायर सेकेंडरी स्कूल में स्कूल असेंबली ग्राउंड खोलने की रूफिंग	2019-20	2	2.00	0.42	0.42	पूर्ण
2019-20	46	सीएसआर / एचपीईपी / 19–20 / 02	गरीब दिव्यांग व्यक्तियों के लिए कल्याण उपकरण	2019-20	2	2.00	1.94	1.94	पूर्ण
2019-20	47	सीएसआर / एचपीईपी / 19–20 / 05	जिला परिषद हाई स्कूल के लिए फर्नीचर	2019-20	2	2.00	1.99	1.99	पूर्ण
2019-20	48	सीएसआर / एचपीईपी / 19–20 / 06	जेडपीपीएस के लिए फर्नीचर / बुनियादी अवसंरचना	2019-20	2	2.00	1.98	1.98	पूर्ण
2019-20	49	सीएसआर / एचपीईपी / 19–20 / 07	जेडपीएचएस माधराम, जिन्नाराम मंडलम के लिए फर्नीचर	2019-20	2	2.00	2.00	2.00	पूर्ण
2019-20	50	सीएसआर / एचपीईपी / 19–20 / 08	जेडपीएचएस लेमूर को फर्नीचर / बुनियादी अवसंरचना प्रदान करना	2019-20	2	2.00	2.00	2.00	पूर्ण

वर्ष	संख्या	परियोजना आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना अवधि	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (₹ लाख में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (₹ लाख में)	वित्तीय वर्ष के अंत में खर्च की गई संचयी राशि (₹ लाख में)	पूर्ण/चल रही परियोजना की स्थिति
2019-20	51	सीएसआर/एचपीईपी/19–20/09	प्राथमिक विद्यालय अनंत सागर के लिए फर्नीचर/बुनियादी अवसंरचना	2019-20	2	2.00	2.00	2.00	पूर्ण
2019-20	52	सीएसआर/एचपीईपी/19–20/11	गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वूमेन में कॉलेजिएट शिक्षा के लिए वाचनालय के लिए फर्नीचर	2019-20	2	2.00	2.00	2.00	पूर्ण
2019-20	53	सीएसआर/एचपीईपी/19–20/12	जेडपीएसएस चिंतागुड़ा में डेस्क	2019-20	2	2.00	2.00	2.00	पूर्ण
2019-20	54	सीएसआर/एचपीईपी/19–20/13	जेडपीएसएस भटपल्ली, खगज़नगर मंडल में डेस्क	2019-20	2	2.00	2.00	2.00	पूर्ण
2019-20	55	सीएसआर/आर एंड डी/19–20/01	सामुदायिक केंद्र में शिक्षण गतिविधि करने के लिए सहायता	2019-20	2	2.00	0.01	1.78	चालू
2019-20	56	सीएसआर/एचपीबीपी/19–20/02	श्री परमहंस नर्सरी और प्राइमरी स्कूल में परिसर की दीवार ऊंची करना	2019-20	2	2.00	0.90	0.90	चालू
2019-20	57	सीएसआर/एचपीबीपी/ 19–20/04	वृद्धाश्रम में सौर पैनलों को बदलना	2019-20	2	2.00	1.01	1.01	चालू
2019-20	58	सीएसआर/एचईआरपी/18–19/04	कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र शुरू करने के लिए कंप्यूटर	2019-20	2	1.90	1.90	1.90	पूर्ण
2019-20	59	सीएसआर/आईवीपी/19–20/03	सरकारी स्कूल में स्कूल बेंच	2019-20	2	1.80	1.69	1.69	पूर्ण
2019-20	60	सीएसआर/एचईआरपी/18–19/03	दिव्यांग बच्चों और युवाओं की परिवहन के लिए ई–रिक्शा	2019-20	2	1.65	1.65	1.65	पूर्ण
2019-20	61	सीएसआर/एचपीबीपी/19–20/08	राजकीय एडीडब्ल्यू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में लड़कों के लिए मूत्रालय बिंदुओं का निर्माण	2019-20	2	1.55	1.14	1.14	पूर्ण
2019-20	62	सीएसआर/एए/19–20/03	बीएचईएल टाउनशिप, नोएडा में और उसके आसपास जरूरतमंद लोगों को भोजन के पैकेट	2019-20	2	1.50	1.17	1.17	पूर्ण
2019-20	63	सीएसआर/एचईआरपी/18–19/02	वंचित छात्रों के लिए बेंच	2019-20	2	1.45	1.45	1.45	पूर्ण
2019-20	64	सीएसआर/आईवीपी/19–20/02	सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल वीन पुइन में बेंच, प्रोजेक्टर, स्क्रीन	2019-20	2	1.20	1.20	1.20	पूर्ण
2019-20	65	सीएसआर/एचपीबीपी/19–20/05	एडीडबल्यू छात्रावास में खेल सामग्री और पंखे और रोशनी	2019-20	2	1.00	1.00	1.00	पूर्ण
2019-20	66	सीएसआर/पीपीपीयू/19–20/01	पंचायत संघ मध्य विद्यालय के लिए फेंसिंग का निर्माण	2019-20	2	0.50	0.11	0.11	चालू
2019-20	67	सीएसआर/एचईपी/19–20/09	ग्रामीण और गरीब लोगों के लिए चिकित्सा शिविर	2019-20	2	0.43	0.43	0.43	पूर्ण
2019-20	68	सीएसआर/एचपीईपी/19–20/03	वेनावेली गांव में आरओ प्लांट	2019-20	2	0.30	0.30	0.30	पूर्ण
2019-20	69	सीएसआर/एए /19–20/04	स्लम क्षेत्रों के आस–पास क्षेत्रों में फेस मास्क	2019-20	2	0.28	0.27	0.27	पूर्ण
						1529.75	**419.34**	**1240.57**	

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक– V

व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट 2020–21

खंड "क": कम्पनी के बारे में सामान्य जानकारी

1.	**कम्पनी की कॉर्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन):**	L74899DL1964GOI004281
2.	**कंपनी का नामः**	भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
3.	**पंजीकृत पताः**	बीएचईएल हाउस, सिरीफोर्ट, नई दिल्ली –110 049
4.	**वेबसाइट**	www.bhel.com
5.	**ई–मेल**	shareholderquery@bhel.in
6.	**सूचित वित्त वर्ष**	2020–21
7.	**जिन क्षेत्रों में कंपनी कार्यरत है:**	वार्षिक रिपोर्ट 2020–21 का ''कॉर्पोरेट प्रोफाइल'' भाग देखें
8.	**कंपनी के तीन प्रमुख उत्पादों/ सेवाओं की सूची जो कंपनी निर्माण/ प्रदान करती है**	क) पावर प्लांट का निर्माण (एनआईसी कोडः 4220)
		ख) स्टीम जेनरेटर हेतु प्लांट में सहायक उपकरण सहित स्टीम जेनरेटर का निर्माण (एनआईसी कोडः 2513)
		ग) सहायक उपकरण सहित टर्बाइन, जेनरेटर सेट का निर्माण (एनआईसी कोडः 2811)
		घ) विद्युत मोटर, ट्रांसफार्मर और विद्युत वितरण तथा नियंत्रण उपकरण आदि का निर्माण (एनआईसी कोडः 2710)
9	**उन स्थानों की कुल संख्या जहां कंपनी द्वारा व्यवसाय गतिविधि की जाती है**	क) अंतर्राष्ट्रीय स्थलों की संख्या (प्रमुख 5 के विवरण प्रदान करें) बीएचईएल द्वारा व्यावसायिक गतिविधि शुरू की जाने वाली प्रमुख जगहें ढाका, बांग्लादेश; काठमांडू, नेपाल; दमस्कस, सीरिया; दुबई, संयुक्त अरब अमीरात; (जून 2021 में बंद)
		ख) देश में स्थित स्थानों की संख्याः कंपनी की 16 उत्पाद इकाइयां, 2 अनुरक्षण इकाइयां, 4 क्षेत्रीय कार्यालय, 8 सेवा केंद्र एवं 15 क्षेत्रीय परिचालन कार्यालय हैं।
10	**कंपनी का बाजार क्षेत्रः**	कंपनी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों ही बाज़ारों में सेवाएं प्रदान करती है।

खंड– खः कंपनी का वित्तीय विवरण (2020–21)

1	**प्रदत्त पूंजी**	:	₹696.41 करोड़
2	**सकल बिक्री/ टर्नओवर**	:	₹16295.55 करोड़
3	**कर उपरांत सकल लाभ**	:	₹(–) 2717.14 करोड़
4	**सीएसआर – एसडी पर किया गया कुल खर्च**	:	₹20.18 करोड़
5	सीएसआर व्यय के अंतर्गत की जाने वाले गतिविधियों की सूचीः बीएचईएल वार्षिक रिपोर्ट 2019–20 के अंतर्गत निदेशक मंडल की रिपोर्ट में 'निरंतर विकास' के अनुलग्नक IV का संदर्भ लें।		

खंड "ग": अन्य विवरण

1. **क्या कंपनी की कोई सहायक अथवा अनुषंगी कंपनी/ कंपनियां हैं?**
   हाँ, बीएचईएल की एक अनुषंगी कंपनी है– दिनांक 31.03.2021, भारत इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड (बीएचईएल– ईएमएल) कासरगोड
2. **क्या सहायक कंपनी/ कंपनियां मूल कंपनी के बीआर पहल में भाग लेती हैं। यदि हां, तो ऐसी सहायक कंपनी/ कंपनियों की संख्या इंगित करें।**
   नहीं
3. **क्या कंपनी व्यापार में भागीदार अन्य इकाई/ संस्थाएं (जैसे आपूर्तिकर्ता, वितरक इत्यादि) कंपनी की बीआर पहल में भाग लेती हैं? यदि हां तो ऐसी इकाई/ संस्थाओं का प्रतिशत इंगित करें? (30% से कम, 30–60%, 60% से अधिक)**
   नहीं

खंड "घ": बीआर सूचना

1. बीआर हेतु उत्तरदायी निदेशक/ निदेशकों का विवरण

क. बीआर नीतियों के क्रियान्वयन हेतु उत्तरदायी निदेशक/ बीआर प्रमुख का विस्तृत विवरण

क्र.सं.	ब्यौरा	विवरण
i	डीआईएन संख्या (यदि लागू हो)	08587329
ii	नाम	अनिल कपूर
iii	पदनाम	निदेशक (मानव संसाधन)
iv	दूरभाष क्रमांक	011 26001003
v	ई–मेल आईडी	akapoor@bhel.in

2. सिद्धांत वार (एनवीजी के अनुसार) बीआर नीति/ नीतियां (उत्तर हाँ/ नहीं में दें)

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा व्यवसाय की सामाजिक पर्यावरण एवं आर्थिक जिम्मेदारियों पर जारी राष्ट्रीय स्वैच्छिक (एनवीजी) दिशानिर्देशों ने व्यावसायिक उत्तरदायित्व के नौ क्षेत्रों को अपनाया है। ये संक्षेप में नीचे उद्धृत हैं:

पी1: व्यवसायों को नैतिकता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के गुणों के साथ स्वयं अपना परिचालन करना चाहिए।

पी2: व्यवसायों को ऐसी सामग्री और सेवाएँ प्रदान करनी चाहिए जो सुरक्षित हैं और पूरे जीवन चक्र में स्थिरता में योगदान दें।

पी3: व्यवसायों को सभी कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा देना चाहिए।

पी4: व्यवसायों को सभी पणधारियों विशेषतः वंचित, कमजोर और हाशिए वाले पणधारकों के प्रति उत्तरदायी होते हुए उनके हितों को ध्यान में रखना चाहिए।

पी5: व्यवसायों को मानवाधिकारों को सम्मान और बढ़ावा देना चाहिए।

पी6: व्यवसायों को पर्यावरण संरक्षण का सम्मान, देखभाल के साथ ही उनकी उत्तरोत्तर वृद्धि हेतु प्रयास करना चाहिए।

पी7: व्यवसाय, जब नियामक नीतियों और जनता को प्रभावित वाला हो तो ऐसी स्थिति में उन्हें उत्तरदायी भूमिका निभानी चाहिए।

पी8: व्यवसायों को समावेशी विकास तथा न्याय संगत तरक्की में सहयोग करना चाहिए।

पी9: व्यवसायों को अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं के साथ जुड़ना चाहिए तथा उन्हें उत्तरदायित्वता के साथ इन्हें सम्मान देना चाहिए।

क्र.	प्रश्नावली	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
1.	क्या आपके पास .. के लिए कोई नीति/नीतियां हैं।	हां	हां	हां	हां	हां	हां	नहीं	हां	हां
2.	क्या संबंधित पणधारकों की सहमति से नीतियां बनाई गई हैं।	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
3.	क्या नीति किसी भी राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है? यदि हाँ, निर्दिष्ट करें? (50 शब्द)	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
4.	क्या निदेशक मंडल द्वारा नीतियों को मंजूरी दी जा रही है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
5.	क्या नीति के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु कंपनी के पास निदेशक मंडल / निदेशक/ अधिकारी की एक निर्दिष्ट समिति है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
6.	नीति को ऑनलाइन देखने के लिए लिंक सूचित किया गया है?	जहां भी लागू हैं, वेबलिंक दिए गए हैं								
7.	क्या संगत सभी आंतरिक एवं बाहरी पणधारकों को नीति के बारे में औपचारिक रूप से सूचित किया गया है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
8.	क्या इन नीति/ नीतियों के क्रियांवयन हेतु कंपनी के पास कोई आंतरिक संरचना है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
9.	क्या नीति/ नीतियों से संबंधित हितधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए कंपनी की नीति/ नीतियों से संबंधित शिकायत निवारण तंत्र है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां
10.	क्या कंपनी ने आंतरिक या बाहरी संस्था द्वारा इन नीतियों के कामकाज का स्वतंत्र लेखा परीक्षा/ मूल्यांकन करवाया है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	–	हां	हां

टिप्पणियां

1. हमारे पास इन सिद्धांतों के आधार पर स्थापित विभिन्न प्रचलन अभ्यास हैं, लेकिन उनमें से एक से संबंधित कोई औपचारिक नीति दस्तावेज नहीं है।
2. एक बार निदेशक मंडल द्वारा पॉलिसी को मंजूरी मिलने के बाद, इसे सीएमडी/ निदेशक मंडल निदेशक द्वारा अनिवार्य रूप से हस्ताक्षरित करने की आवश्यकता नहीं है।
3. संगठन की नीतियां और प्रक्रियाएं आईएसओ 9001, आईएसओ 14001, ओएचएसएएस 18001, सीएजी, संसदीय समितियों, निदेशक मंडल, कार्यकारी निदेशकों की समिति, निदेशक मंडल स्तर समितियों और/ या प्रबंधन समिति इत्यादि द्वारा लेखा परीक्षा/ समीक्षाधीन हैं।

2 क. यदि किसी सिद्धांत के विरुद्ध क्रमांक 1 का उत्तर 'नहीं' है, तो कृपया बताएं ऐसा क्यों: (2 विकल्प तक चयनित करें।)

नीति 7 के संबंध में 'पॉलिसी अडवोकेसी' को दृष्टिगत रखते हुए, हमने इस आधार पर उत्तरदायित्वके साथ प्रथाओं/ प्रचलनों की स्थापना की है।

3. बीआर से संबंधित अभिशासन

- » वह समय अंतराल बताएं जिसमें निदेशक मंडल, या सीईओ की समिति कंपनी के बीआर प्रदर्शन का आकलन करती है। (3 महीने के भीतर, 3 – 6 महीने, वार्षिक, 1 वर्ष से अधिक)
- » बीएचईएल में सीएसआर गतिविधियों के आकलन एवं समीक्षा हेतु निदेशक मंडल स्तरीय समिति ने वर्ष 2020–21 में तीन बार बैठकें की।
- » क्या कंपनी बीआर या सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट प्रकाशित करती है? इस रिपोर्ट को देखने के लिए हाइपर लिंक क्या है? कितनी बार प्रकाशित की गई है?
- » बीएचईएल प्रतिवर्ष अपनी निरंतरता (सस्टेनेबिलिटी) रिपोर्ट प्रकाशित करती है। निम्नलिखित लिंक के माध्यम से कॉर्पोरेट वेबपृष्ठ पर पिछले 3 वर्षों की रिपोर्टों को देखा जा सकता है:

https://www.bhel.com/sustainability-reports

खंड ङ : सिद्धांत–वार निष्पादन

सिद्धांत 1: नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही

सीपीएसई के कॉर्पोरेट शासन पर लोक उद्यम विभाग के दिशा–निर्देशों की आवश्यकताओं तथा सेबी द्वारा वर्णित दिशानिर्देशों के अनुपालन में सभी निदेशक मंडल के सदस्यों एवं वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों के लिए कंपनी में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित 'व्यापार नियमावली व नैतिक आचरण' संहिता' प्रभावी है।

https://www.bhel.com/code-business-conduct-ethics-board-members-senior-management-personnel

निदेशक मंडल ने अपना का एक चार्टर निर्धारित किया है जो स्पष्ट रूप से निदेशक मंडल और व्यक्तिगत निदेशकों की भूमिका और जिम्मेदारियों को परिभाषित करता है। इसके अतिरिक्त कंपनी संवेदनशील आंकड़े तथा अप्रकाशित/ अप्रकट मूल्य संबंधी सूचनाओं की सुरक्षा तथा इन के दुरुपयोग को रोकने हेतु यथा–संभव प्रयास करती है। इस हेतु आंतरिक सूत्रों द्वारा व्यापारिक परिचालन एवं रिपोर्टिंग से संबंधित निदेशक मंडल अनुमोदित आचार संहिता तथा सेबी (आंतरिक व्यापार की मनाही) के साथ फेयर डिस्क्लोजर (उचित प्रकटीकरण)– 2015 तथा अनुसूचित नीतियां निदेशक मंडल सदस्यों तथा पदनामित कार्मिकों को यह निर्देश देती है कि कंपनी में कार्य के दौरान कार्य की आवश्यकता और प्रकृति अनुसार प्राप्त सूचनाओं की गोपनियता तथा सुरक्षा के दायित्व का पूर्ण निर्वहन करेंगे। यह संहिता अप्रकाशित मूल्य/ संवेदनशील जानकारी के निष्पक्ष प्रकटीकरण हेतु तत्संबंधी नियमों व प्रक्रियाओं को प्रशस्त करता है।

https://www.bhel.com/code-conduct-prevention-insider-trading

कॉर्पोरेट गवर्नेस एवं अनुसूचित नियमों पर लोक उद्यम विभाग के दिशा निर्देशों की आवश्यकताओं के अनुरूप, बीएचईएल तिमाही आधार पर भारी उद्योग विभाग और स्टॉक एक्सचेंजों को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करता है। इसके अतिरिक्त आंतरिक व्यापार संहिता के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी आवश्यकतानुसार जो इससे संबंधित/ संलग्न हो उनके लिए आंतरिक परिचालन दिशानिर्देश लागू करती है। इकाई प्रमुख/ प्रभाग प्रमुख को इस संहिता के प्रभाव क्षेत्र में आने वाले कार्मिकों से संबंधित सूचना निश्चित समयावधि में देना सुनिश्चित करना पड़ता है। सूचीबद्ध विनियमों के अनुरूप सभी निदेशक मंडल सदस्य तथा वरिष्ठ प्रबंधन प्रत्येक वर्ष यह सुनिश्चित करते हैं कि संबंधित वर्ष के दौरान व्यापार आचार एवं मूल्य संहिता/ नियमावली में वर्णित बिन्दुओं का पूर्णतः अनुपालन किया गया है, तथा इस आशय का अनुमोदन/ आश्वासन कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में दिया जाता है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में आंतरिक स्रोतों (कार्मिक) व्यापारिक परिचालन तथा विनियमन हेतु आचार संहिता एवं उचित प्रकटीकरण (फेयर डिस्क्लोजर) 2015 के संदर्भ में निदेशक (वित्त) ही कंपनी के अनुपालन अधिकारी हैं।

इसके अतिरिक्त, बीएचईएल द्वारा अपने कर्मचारियों (स्थापित आदेशों से शासितों के अलावा) के आचरण की उच्चता को बनाए रखने के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप बीएचईएल आचरण, अनुशासन एवं अपील नियमावली 197 लागू है। इसे आगे धोखाधड़ी रोकथाम नीति एवं विसल ब्लोअर नीति जो कि किसी को भी कार्यालयीन संस्कृति में अस्वीकार्य कृत्यों/ प्रथाओं के विरुद्ध एक हथियार की तरह काम आती है बल्कि यह इन दुष्कृत्यों के विरुद्ध निवारक भी है। कंपनी 'सूचना का अधिकार अधिनियम' 2005, संवैधानिक लेखापरीक्षकों द्वारा ऑडिट/ लेखा–परीक्षण एवं कंपनी अधिनियम–2013 के खंड 139 के अंतर्गत नियंत्रक– महालेखापरीक्षक के परीक्षणाधीन है।

https://www.bhel.com/bhel-fraud-prevention-policy-0

https://www.bhel.com/whistle-blower-policy-

बीएचईएल ने क्रय एवं अनुबंध गतिविधियों क्रियाकलापों में दोनों पक्षों के नैतिक आचरण में अत्यधिक पारदर्शिता व ईमानदारी को बढ़ाने के उद्देश्य से 'ट्रांस्पेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया (टीआईआई) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग से प्राप्त उचित अनुमोदन के आधार पर बीएचईएल में 'पारदर्शिता एवं ईमानदारी नीति' के कार्यान्वयन की निगरानी हेतु दो स्वतंत्र बाहरी मॉनीटरों (आईईएम) के पैनल को नियुक्त किया गया है। बीएचईएल में 'शक्तियों का प्रतिनिधित्व (डेलीगेशन ऑफ पावर्स) के माध्यम से विभिन्न पदाधिकारियों के उत्तर दायित्वको भली–भांति परिभाषित किया गया हैं। कार्य नीति, क्रय नीति तथा ऐसे अन्य नीति निर्धारक दस्तावेज बीएचईएल की कार्य प्रणाली में पारदर्शिता को परिभाषित करने के साथ ही उच्चतम स्तर की पारदर्शिता के प्रति कम्पनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इस नीति के अंतर्गत आपूर्तिकर्ताओं से वर्ष 2020–21 के दौरान कुल चार अभ्यावेदन प्राप्त हुए एवं आईईएम द्वारा सभी का निवारण कर दिया गया है।

कंपनी के पास शेयरधारकों और निवेशकों की शिकायतों के निवारण से संबंधित मामलों को देखने के लिए विशेष रूप से एक शेयरधारक संबंध समिति है। जैसा कि मैसर्स केफिन टेक्नोलोजिस प्राइवेट लिमिटेड (दिसंबर 2020 तक कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट) तथा अलंकित असानमेंट लिमिटेड (जनवरी 2021 से कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट) द्वारा वर्ष के दौरान पणधारकों से 265 शिकायतें प्राप्त हुई हैं और सभी शिकायतों का निवारण 31 मार्च 2021 तक कर दिया गया था।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2020–21 के दौरान केंद्रीय लोक शिकायत निवारण और निगरानी योजना के अंतर्गत आम–जन से कुल 225 लोकव्यथा पर शिकायतें प्राप्त हुईं। सभी शिकायतों का निवारण कर दिया गया था।

सिद्धांत 2:0 उत्पाद जीवन चक्र निरंतरता

बीएचईएल पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और उपकरणों की दक्षता में सुधार के माध्यम से हरित पर्यावरण में योगदान दे रहा है। विद्युत चक्र दक्षता में निरंतर सुधार और कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों से कम उत्सर्जन, सब क्रिटिकल से सुपर क्रिटिकल तक प्रौद्योगिकी के विकास के द्वारा समय पर हासिल किया गया है। बीएचईएल की विशेषताओं ने विद्युत संयंत्र उपकरण जैसे सहायक उपकरण से विद्युत की कम खपत, प्लांट की उच्च दक्षता, संरचनात्मक रूप से ताप सह और उच्च परिचालन उपलब्धता प्रदान करने के साथ ही उन्नत जीवन चक्र लागत प्राप्त करने में सहायता करते हैं।

चार प्रमुख उत्पाद जो उनके डिजाइन में पर्यावरणीय चिंताओं को संबोधित करते हैं वे पावर प्लांट सुपर क्रिटिकल पैरामीटर, फ्लू–गैस डेस्ल्फ़ुराइजेशन (एफ़जीडी), सौर फोटोवोल्टिक और इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिसीटर (ईएसपी)

पर भाप के साथ काम कर रहे हैं। उत्पादों में समाविष्ट कार्बन की कमी के प्रति सचेत प्रयास भी है। कंपनी ने प्रदूषित ईंधन को स्वच्छ ईंधन से बदलने का विकल्प चुना है, उदाहरण के लिए, गैस (कोयले के बजाय) सेरलिन जैसे उत्पादों के उत्पादन के दौरान ऊष्मा ऊर्जा के स्रोत के रूप में उपयोग की जाती है।

बीएचईएल विभिन्न तरीकों से विनिर्माण इकाइयों के आसपास सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) और स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को सहयोग कर रहा है। वे बीएचईएल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा हैं। साथ ही, सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसएमई–भारत सरकार मंत्रालय द्वारा जारी) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति, संशोधन आदेश 2018 में अनिवार्य रूप से बीएचईएल ने 2020–21 के दौरान एमएसई से अपनी कुल खरीद का 25ः लक्ष्य हासिल कर लिया है। बीएचईएल इकाइयों द्वारा नियमित विक्रेता बैठक और आपूर्तिकर्ता विकास कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, विशेषतः एमएसई (स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं समेत) के साथ–साथ अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के लिए विशिष्ट, जो जरूरतों की पहचान के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है और पारस्परिक लाभ के लिए कार्य योजना तैयार करता है।

आपकी कंपनी आपूर्तिकर्ता/साझेदार विकास (विशेष रूप से एमएसएमई) की दिशा में भी काम कर रही है। बीएचईएल ने पीएसयू, निजी उद्योग के साथ–साथ अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और शिक्षाविदों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय के तत्वावधान में एक कार्यशाला– संवाद का आयोजन किया। बीएचईएल ने स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं के विकास के माध्यम से 3,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की वस्तुओं आयात प्रतिस्थापन के लिए पहचान की एवं इस संबंध में एक ईओआई अपनी वेबसाइट पर होस्ट किया। बीएचईएल ने भारी उद्योग मंत्रालय (एम/ओ एचआई), उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से दिसंबर 2020 से फरवरी 2021 के दौरान दस से अधिक ऑनलाइन कार्यशालाएं आयोजित की हैं।

कंपनी की विनिर्माण प्रक्रियाएं धातु स्क्रैप की कुछ मात्रा उत्पन्न करती हैं। इसके उपरांत कुछ स्क्रैप कंपनी के भीतरी साइक्लिंग से गुजरती है और इसका पुनः उपयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए हरिद्वार में सेंट्रल फाउंड्री फ़ोर्ज प्लांट (सीएफ़एफ़पी) स्टील फोर्जिंग्स और कास्टिंग्स बनाती है जिसके लिए स्टील स्क्रैप एक प्रमुख कच्ची सामग्री है। पुनः प्रयोज्य सामग्री का इस्तेमाल भी निर्मित वस्तुओं के पैकिंग के लिए किया जाता है। शेष स्क्रैप का सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार डिस्पोसल कर दिया जाता है।

सिद्धांत 3ः कर्मचारी कल्याण

बीएचईएल मानव संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। कंपनी की मानव संसाधन प्रबंधन नीति के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत, सक्षम, प्रेरित और प्रभावशाली मानव संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और संगठनात्मक मिशन की उपलब्धि को सुविधाजनक बनाने के लिए है। कंपनी ने रोजगार संबंध, करियर विकास/ उन्नति और कर्मचारियों के अनुमोदन/ लाभ, स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण को विनियमित करने तथा पारदर्शिता और कार्यान्वयन की एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए 'कार्मिक मैनुअल' के रूप में एचआरएम नीतियों और नियमों को दस्तावेज़ के रूप में तैयार किया है। इन नीतियों को एक शिकायत निवारण तंत्र द्वारा भी पूरित किया जाता है। बीएचईएल में कर्मचारी शिकायतों के निवारण के लिए कंपनी की दो निर्धारित योजनाएं हैं– एक श्रमिकों के लिए तथा दूसरी अन्य कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए। योजना के उद्देश्य के लिए शिकायत का मतलब कंपनी नीतियों/ नियमों या प्रबंधन निर्णयों के कार्यान्वयन से उत्पन्न किसी भी व्यक्तिगत कर्मचारी से संबंधित शिकायत है। ये दोनों योजनाएं तीन स्तरीय समाधान प्रदान करती हैं। प्रत्येक चरण में शिकायत के समाधान के लिए निश्चित समय सीमा निर्धारित की जाती है। इसके अलावा कर्मचारी और अधिकारियों के लिए शिकायत निवारण योजना के मामले में इस योजना के अंतर्गत एक अपीलीय तंत्र भी प्रदान किया जाता है, जहां शिकायत के समाधान से संतुष्ट नहीं होने पर पीड़ित कर्मचारी तुरंत संपर्क कर सकता है।

बीएचईएल की स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) नीति, सभी कर्मचारियों को सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह नीति आईएसओ 14001 और ओएचएसएएस 18001/ आईएसओ 45001 प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन की आवश्यकताओं के अनुरूप है और इस तक https://www.bhel.com/sites/default/files/HSEPOLICY.pdf. लिंक के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। नीति को लागू करने के लिए बीएचईएल की सभी इकाइयों/ विभागों में एचएसई विभाग है और कॉर्पोरेट एचएसई विभाग संगठन स्तर पर एचएसई मामलों से संबंधित सामरिक मार्गदर्शन प्रदान करता है। एचएसई नीति हमारे सभी कार्यस्थलों पर प्रमुख रूप से प्रदर्शित होती है ताकि श्रमिकों के बीच जागरूकता पैदा हो सके और स्थानीय भाषा में भी इसका अनुवाद किया जाता है। कार्यस्थलों पर लागू आईएसओ 14001 एवं ओएचएसएएस 18001 प्रबंधन प्रणालियों की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए बाहरी एजेंसियों द्वारा आवधिक लेखा परीक्षा की जाती है जिसमें नीति के कार्यान्वयन और इसके महत्वपूर्ण तत्वों का कार्य शामिल है।

1. मार्च 31, 2020 को नियमित कर्मचारी की कुल संख्याः 32,131 थी।
2. अस्थायी/ संविदा आधार पर कर्मचारियों की कुल संख्यारू बीएचईएल कर्मचारियों की अस्थायी/ सामायिक आधार पर भर्ती नहीं करता है। हालांकि, बीएचईएल संगठनात्मक जरूरतों के अनुसार अपने विभिन्न इकाइयों/ प्रभाग/ विभागों में ठेकेदारों को कार्य आवंटन/ काम ठेका इत्यादि देता है। ठेकेदारों के श्रमिकों की संख्या समय–समय पर घटती–बढ़ती रहती है।
3. मार्च 31, 2021 को नियमित महिला कर्मचारियों की संख्याः 1893
4. मार्च 31, 2021 को नियमित दिव्यांग कर्मचारियों की संख्याः 861
5. बीएचईएल में सहभागी प्रबंधन के सिद्धांत के आधार पर कार्यकारी प्रतिनिधियों के साथ श्रमिकों और कंपनी के हित संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए शीर्ष स्तर के द्विपक्षीय निकाय अर्थात बीएचईएल की संयुक्त समिति में प्रतिनिधित्व करने वाली कुल उनतीस (29) ट्रेड यूनियन हैं। उपरोक्त के अलावा बीएचईएल में अधिकारियों और पर्यवेक्षकों हेतु एक–एक यानी कुल दो कर्मचारी संघ हैं।
6. कर्मचारियों की सभी तीन श्रेणियां जैसे– अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और श्रमिकों का प्रतिनिधित्व उनकी संबंधित एसोसिएशन/ ट्रेड यूनियनों द्वारा किया जाता है। हालांकि कार्यपालक/ पर्यवेक्षक संघों और श्रमिक संघों की सटीक सदस्यता का पता लगाने के लिए कोई चेक–ऑफ सुविधा नहीं है, इसलिए कर्मचारियों के तीन वर्गों के संबंध में निश्चित संख्या उपलब्ध नहीं है।
7. वर्ष 2020–21में कंपनी को यौन उत्पीड़न की कुल एक शिकायत मिली, एवं एक शिकायत वर्ष के अंत में लंबित थी। इसके अलावा बालश्रम/ मजबूर श्रम/ अनैच्छिक श्रम/ भेद–भावपूर्ण रोजगार की कोई शिकायत नहीं मिली है।
8. वर्ष 2020–21 के दौरान प्रति कर्मचारी प्रशिक्षण मानव–दिवस की कुल संख्या 4.54 है। कंपनी अपने कर्मचारियों को तकनीकी और व्यवहार कौशल में प्रशिक्षण प्रदान करती है। स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण (एचएसई) पहलू पर प्रशिक्षण हमारे प्रस्तावना प्रशिक्षण कार्यक्रम के आवश्यक तत्वों में से एक है। इसके अतिरिक्त आंतरिक और बाहरी संकाय दोनों सदस्यों द्वारा एचएसई पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए बीएचईएल की सभी विनिर्माण इकाइयों और परियोजना साइटों पर नियमित रूप से भिन्न–भिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। ठेकेदारों के साथ कार्य/ कार्य अनुबंध के माध्यम से आने वाले आकस्मिक/ अस्थायी/ संविदाकर्मियों को सुरक्षा पर प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। उन कर्मचारियों का प्रतिशत जिन्हें 2020–21 में सुरक्षा और कौशल (तकनीकी और व्यवहार दोनों) उन्नयन प्रशिक्षण दिया गया थाः

   क) स्थायी कर्मचारी 43%

   ख) स्थायी महिला कर्मचारी 56%

कोविड प्रतिक्रिया

बीएचईएल ने कई मोर्चों पर कोविड संकट के विरुद्ध एक त्वरित एवं व्यापक प्रतिक्रिया शुरू की, जिसमें सरकारी दिशानिर्देशों का सख्त कार्यान्वयन, अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ–साथ बड़े पैमाने पर समाज को सहयोग एवं सुविधा प्रदान करना शामिल है। विनिर्माण इकाइयां और परियोजना स्थल में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ काम किया। इसके सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा, संरक्षा एवं कल्याण सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किए गए।

कोविड –19 महामारी की दूसरी लहर से राष्ट्र पर एक अभूतपूर्व संकट होने पर, बीएचईएल ने चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति करने और देश को गंभीर स्थिति से निपटने में सक्षम बनाने के लिए युद्ध स्तर पर काम किया। इस संबंध में निदेशक मंडल की रिपोर्ट के पृष्ठ संख्या 31 पर अधिक विवरण प्रदान किया गया है।

सिद्धांत 4: हितधारकों की वचनबद्धता

बीएचईएल ने अपने पणधारियों के अंतर्गत "ग्राहक", "कर्मचारी", "शेयरधारक", "वेंडर" एवं सोसाइटी को शामिल किया है। पणधारियों के हितों एवं उनकी कंपनी से आकांक्षाओं की सुनिश्चितता हेतु प्रक्रियाएं स्थापित हैं। हितधारकों की सहभागिता द्वारा तथा कार्यक्रमों एवं क्रियान्वयन योजनाओं को स्पष्ट एवं मापनीय लक्ष्यों को बताते हुए प्रमुख समस्याओं की पहचान की जाती है। क्षमता वृद्धि हेतु बीएचईएल इकाइयां नियमित रूप से वेंडर मीट विशेषतः एमएसई (स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं को शामिल करते हुए) का आयोजन करती हैं जो खुला संवाद/ वार्ता के साथ–साथ सहयोग और परस्पर लाभप्रदता प्रदान करती है। ग्राहक "कस्टमर बैठक" जैसे कार्यक्रमों से कंपनी से जुड़े रहते हैं। निवेशक समुदाय सम्मेलनों/ बैठकों के माध्यम से जुड़े रहते हैं तथा उन्हें इन बैठकों में उनके निवेश संबंधी जानकारी प्रदान की जाती है।

बीएचईएल ने बीएचईएल विनिर्माण इकाइयों/ क्षेत्रों/ प्रभागों/ साइटों/ कार्यालयों के आसपास के वंचित, कमजोर, गरीब, जरूरतमन्द और हाशिए वाले हितधारकों की पहचान की है और उनकी चिंताओं को बीएचईएल की सीएसआर नीति जो कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 और अनुसूची VII के अनुपालन में है तथा सीपीएसई के लिए सीएसआर और स्थायित्व पर डीपीई दिशा निर्देशों के साथ–साथ नियम भी बनाए गए हैं।

https://www.bhel.com/sites/default/files/BHEL_CSR_Policy_July2017.pdf

सिद्धांत 5: मानवाधिकार

भारत का संविधान और विभिन्न लागू क़ानूनों के परिपेक्ष्य में बीएचईएल नीतियाँ मानवाधिकारों के सिद्धांतों के अनुरूप है। बीएचईएल में कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीएचईएल के पास विशेष प्रावधान है। मानवाधिकारों के दुरुपयोग के संदर्भ में, कंपनी में इस तरह की कोई घटना सामने नहीं आई है।

बीएचईएल ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क (जीसीएनआई) भारत का संस्थापक सदस्य है और इसकी पहलों में सक्रिय भागीदार है। वर्ष 2001 से कंपनी वार्षिक आधार पर प्रगति संबंधी जानकारी (सीओपी) जिसमें यूएनजीसी से सिद्धांतों पर कायम रखने में बीएचईएल की प्रतिबद्धता भी शामिल है, के माध्यम से यूएनजीसी के दस सिद्धांतों पर अपने निष्पादन रिपोर्ट प्रस्तुत करती है। इस सीओपी पर https://www.bhel.com/sites/default/files/HSEPOLICY.pdf के माध्यम से पहुंचा जा सकता है।

सिद्धांत 6: पर्यावरण

बीएचईएल में पूर्णतया स्थापित पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) आईएसओ 14001:2015 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के मानकों की आवश्यकता के अनुरूप है, जिसके आधार पर सभी विनिर्माण इकाइयों और क्षेत्रों ने अपने एचएसई प्रणाली को विकसित किया है। ईएमएस व्यवस्थित ढंग से पर्यावरण से संबधित जोखिमों को सक्रिय रूप से पहचानने और प्रतिबंध करने के लिए एक उत्कृष्ट ढांचा प्रदान करता है। सभी बीएचईएल इकाइयों के साथ–साथ पावर सेक्टर क्षेत्रों में एचएसई प्रकोष्ठ रणनीतिक मार्गदर्शन करने के लिए शीर्ष स्तर पर कॉर्पोरेट एचएसई विभाग द्वारा समर्थित एचएसई नीति के कार्यान्वयन की देख–रेख करती है। ईएमएस के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रमाण निकाय द्वारा आवधिक लेखापरीक्षा की जाती है और आईएसओ 14001 की आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है। कंपनी की एचएसई नीति इंटरनेट पर उपलब्ध है और इस पर वेबलिंक के माध्यम से पहुंचा जा सकता है: https://www.bhel.com/sites/default/files/HSEPOLICY.pdf

एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक के रूप में संगठन ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन के सह–संबंध को स्वीकार करता है। इस वैश्विक चुनौती को हल करने के लिए बीएचईएल अपने उत्पादों और सेवाओं में कार्बन उत्सर्जन को कम करने का प्रयास कर रहा है जिससे ग्राहकों को संयंत्र के जीवन चक्र में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना स्थायी तरीके से विद्युत उत्पन्न करने में सक्षम बनाया जा सकता है। अपने आंतरिक परिचालनों में भी संगठन, ऊर्जा दक्षता और अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा दे रहा है। कंपनी ने बीएचईएल के विभिन्न स्थानों पर कुल 28 डॅच के सोलर फोटोवोल्विक (एसपीवी) सयंत्र स्थापित किए हैं जिससे कंपनी को अपने ऊर्जा मिश्रण को अधिक टिकाऊ बनाने में मदद मिली है। अक्षय ऊर्जा उत्पादन स्रोतों की हमारी सूची में किलोवाट स्केल रूफटॉप और ग्राउंड आधारित एसपीवी प्रणाली, सौर जल हीटर, सौर स्ट्रीट लाइटिंग आदि शामिल हैं। इस तरह की पहल के परिणामस्वरूप, बीएचईएल ने विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा आधारित प्रणालियों के माध्यम से वर्ष 2020–21 के दौरान 26,118 मी.टन CO_2-e का कम उत्सर्जन किया। विभिन्न नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से उत्पन्न कुल ऊर्जा वर्ष 2020–21 के दौरान 27.2 मिलियन यूनिट रही। कंपनी ने जल व ऊर्जा संरक्षण, वृक्षारोपण, अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधन संरक्षण इत्यादि से संबंधित कई परियोजनाएं भी शुरू की हैं।

भारत में पहले से ही सुपरक्रिटिकल तकनीक पेश करने के बाद, कंपनी अपने परिचालन जीवन चक्र के दौरान बीएचईएल निर्मित उत्पादों के कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में आगे भी काम कर रही है। स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत बीएचईएल आईजीसीएआर और एनटीपीसी के सहयोग से स्वच्छ उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी विकसित कर रहा है। तकनीक सब–क्रिटिकल के 38% और सुपरक्रिटिकल सेट के 41–42% की दक्षता के मुकाबले 45–46% की लक्षित दक्षता प्राप्त करेगी। नतीजतन, सुपर क्रिटिकल पावर प्लांट की तुलना में कोयले की खपत और CO_2 उत्सर्जन में लगभग 11% और विद्युत उत्पादन की एक यूनिट के लिए सब क्रिटिकल पावर प्लांट की तुलना में लगभग 20% की कमी आएगी।

बीएचईएल पहले से ही निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों को पूरा करने के लिए आवश्यक समाधान प्रस्तुत कर रहा है जो उत्पादन यूटिलिटी के लिए जरूरी है। कंपनी बॉयलर डिजाइन में संशोधन, एसओएक्स उत्सर्जन में कमी के लिए एफजीडी सिस्टम की स्थापना और ईएसपी के कण संग्रह दक्षता में सुधार जैसे कार्य कर रही है। बीएचईएल ने अपने समर्पित आरएंडडी प्रयासों के माध्यम से स्वदेशी रूप से खास उच्च राख कोयला संचालित भारतीय थर्मल पावर प्लांटों के लिए एससीआर तकनीक को विकसित किया है जिसको एनटीपीसी सिम्हाद्रि में प्रदर्शित किया गया है। बीएचईएल ने एससीआर उत्प्रेरक के डिजाइन एवं निर्माण के लिए नैनो कं. लिमिटेड, कोरिया गणराज्य और बाबॅक पॉवर एनवायर्नमेंटल इंक तथा कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों में एससीआर प्रणाली के डी–एनओएक्स कार्य को पूर्ण करने के लिए अमेरिका के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग समझौता (टीसीए) किया है।

बीएचईएल उच्च राख वाले भारतीय कोयले को मेथनॉल में बदलने के लिए प्रौद्योगिकी के विकास पर काम कर रहा है। इस तकनीक के सफल कार्यान्वयन से पेट्रोल के साथ मिश्रित करने के लिए औद्योगिक पैमाने पर मेथनॉल पैदा करने में मदद मिलेगी जो देश के बढ़ते कच्चे तेल आयात बिल पर काफी हद तक अंकुश लगा सकता है और भारत की ऊर्जा सुरक्षा

में सुधार कर सकती है।

बीएचईएल ने घरेलू स्तर पर बड़े पैमाने पर निष्क्रिय एमिटर रियर कांटैक्ट (पीईआरसी) प्रौद्योगिकी का उपयोग करके उच्च दक्षता वाले सौर सेलों का विकास किया है। इष्टतम प्रक्रियाओं का उपयोग करके पीईआरसी सौर सेलों में प्राप्त अधिकतम दक्षता 21.7% है जबकि प्राप्त औसत दक्षता 21.08% है। इस विकास के साथ, बीएचईएल को पीईआरसी प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया डिजाइन का ज्ञान है। समर्पित आर एंड डी सुविधा ने गैर–पीईआरसी विनिर्माण प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं से पीईआरसी प्रौद्योगिकी में प्रवासन का समर्थन करने की क्षमता विकसित की है।

शहरी परिवहन क्षेत्र में, परिवहन के भविष्य के साधन के रूप में इलेक्ट्रिक वाहन परिवहन की ओर आगे अग्रसर होने के लिए, बीएचईएल पहले से ही ई–बस, स्थायी चुंबक मोटर्स, इंडक्शन मोटर्स, ई–बसों के लिए आईजीबीटी नियंत्रक, ई–मोबिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन विकसित कर रहा है।

हमारे परिसरों से सभी उत्सर्जन और निकासी संबंधित एसपीसीबी द्वारा निर्धारित सीमा के भीतर बनाए रखा जाता है। एमपीपीसीबी से प्राप्त एक नोटिस का समाधान लंबित है जिसके लिए पहले से ही कार्य प्रगति पर है।

सिद्धांत 7: नीति समर्थन (पॉलिसी अडवोकेसी)

बीएचईएल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), भारतीय वाणिज्य और उद्योग महासंघ (फिक्की), एसोसिएटेड चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम), इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईईईएमए) और सार्वजनिक उपक्रम (स्कोप) का स्थायी सदस्य होने के साथ ही अनेक उद्योग और व्यापार निकायों का सदस्य है। कंपनी विश्व ऊर्जा परिषद (डबल्यूईसी) की भी सदस्य है जो ऊर्जा सुरक्षा, ऊर्जा इक्विटी और पर्यावरणीय स्थिरता पहलुओं को संतुलित करने वाली नीतियों को बढ़ावा देने में सक्षम है। बीएचईएल, नीति से संबंधित मामलों में अपने विचारों और राय को सामने रखने के लिए ऐसे निकायों (जैसे–सेमिनारों और बैठकों में भागीदारी, कार्य समूहों में भागीदारी आदि) के साथ बातचीत के विभिन्न तंत्रों का उपयोग करता है

कंपनी के हितों को सरकारी प्रश्नों के जवाब, जानकारी साझा करने, सर्वेक्षणों के उत्तर, उद्योग की जरूरतों पर प्रतिक्रिया जैसी सरकारी नीतियों का गठन, वित्तीय बजट के क्षेत्र में सरकारी नीतियों का निर्माण, विदेशी व्यापार, कंपनी कानून, औद्योगिक नीति, पूंजीगत वस्तु नीति, निर्यात संवर्धन इत्यादि की प्रविष्टि के माध्यम से दर्शाया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सहयोग को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए कंपनी के विचार विभिन्न अंतर–सरकारी मंचों जैसे संयुक्त मंत्रिस्तरीय आयोग (जेएमसी), संयुक्त संचालन समिति (जेएससी), संयुक्त कार्य समूह (जेडबल्यूजी), संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी), संयुक्त आर्थिक और व्यापार समिति (जेसीओसीओ), संयुक्त आयोग आर्थिक निगम (जेसीईसी), वर्किंग ग्रुप ऑन ट्रेड (डबल्यूजीटी), आदि में प्रस्तुत किए जाते हैं। कंपनी डीएचआई, डीपीई, डीआईपीपी, नीति आयोग जैसे सरकारी निकायों के साथ भी विचारों का आदान–प्रदान करती है और राष्ट्रीय विद्युत नीति, रोजगार उत्पादन, विकास और कौशल विकास की चुनौतियाँ, भारत में मेक इन हाउस आर–डी, मानव संसाधन प्रबंधन, सीपीएसई के विकास के लिए रोड मैप आदि जैसे नीतियों के निर्माण में भी भाग लेती है।

कंपनी ने देश में प्रौद्योगिकी के आधार को मजबूत करने वाली कौशल विकास, भारतीय विद्युत क्षेत्र के विकास, पूंजीगत वस्तु क्षेत्र के विकास और भारतीय विनिर्माण उद्योग, निर्यात, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के विकास आदि नीतियों के विकास में सुशासन के माध्यम से विकसित करने के लिए सक्रिय रूप से योगदान दिया है।

सिद्धांत 8: समावेशी विकास

बीएचईएल के पास अच्छी संरचित संगठनात्मक सेट–अप, नीति और प्रक्रियाएं हैं जिनके माध्यम से विभिन्न सीएसआर कार्यक्रमों को लागू किया जाता है। सीएसआर नीति ने कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची–VII से कई गतिविधियों की प्रमुख क्षेत्रों के रूप में पहचान की है। इन गतिविधियों को सात शीर्षकों जैसे स्वच्छ भारत, हरित भारत, स्वस्थ भारत, विरासत भारत, समावेशी भारत, शिक्षित भारत और जिम्मेदार भारत के शीर्षकों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। नीति वेबसाइट लिंक **https://www.bhel.com/sites/default/files/BHEL_CSR_Policy_July2017.pdf** पर उपलब्ध है और जो कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 की आवश्यकताओं के अनुरूप है।

नीति को यूनिट स्तरीय सीएसआर कमेटी के साथ कॉर्पोरेट स्तर (निदेशक मंडल, सीएसआर पर निदेशक मंडल स्तरीय समिति और लेवल–1 समिति) पर तीन स्तरीय सरंचना के माध्यम से कार्यान्वित किया जाता है। कंपनी देश भर में कई सामाजिक पहल की सहायता करती है जो सीएसआर नीति के अनुरूप विशिष्ट एजेंसियों जैसे एनजीओ, सरकारी एजेंसियों के माध्यम से समाज के गरीब, जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की मदद की जाती है। बीएचईएल ने स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छ भारत, पर्यावरण संरक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास कार्यक्रम, बुनियादी ढांचा विकास और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के क्षेत्र में कई सीएसआर पहल की हैं, जिन्होंने अंततः समाज के समग्र कल्याण और समावेशी विकास में योगदान दिया है। समाज को अधिक से अधिक लाभ प्रदान करने और शुरू की गई पहलों की सुनिश्चितता के उद्देश्य से सीएसआर परियोजनाओं की निगरानी और पर्यवेक्षण किया जाता है।

वर्ष 2020–21के दौरान, सीएसआर गतिविधियों को वार्षिक रिपोर्ट के अनुलग्नक IV में संलग्न किया गया है। इसके अलावा परियोजना का विवरण लिंक **https://www.bhel.com/our-projects** पर देखा जा सकता है

सीएसआर के माध्यम से समावेश विकास के अलावा, कंपनी सरकार द्वारा अनिवार्य रूप से अल्पसंख्यकों और महिलाओं के प्रतिनिधित्व के साथ–साथ समाज के सामाजिक–आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों के प्रतिनिधित्व के लिए भर्ती और पदोन्नति में सकारात्मक कार्यवाही करती है। कंपनी सभी को समान अवसर प्रदान करने वाली नियोक्ता है जो भर्ती एवं रोजगार के संबंध में लिंग जाति, धर्म, भाषाई, क्षेत्र इत्यादि के आधार पर कोई भेदभाव नहीं करती है।

सिद्धांत 9: ग्राहक मूल्य

ग्राहक मूल्य बीएचईएल की संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है जो हमारे विज़न, मिशन और मूल्य में भी दिखाई देता है। बीएचईएल लगातार उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों के लिए महत्व बनाने की दिशा में काम कर रहा है। लागू कानून की अनिवार्य आवश्यकता के अलावा, कंपनी अपनी आवश्यकताओं और अनुबंधों की शर्तें के अनुसार ग्राहकों को विस्तृत उत्पाद लेबल/ नाम प्लेट एवं परीक्षण प्रमाण–पत्र प्रदान करती है।

बीएचईएल के विविध और बड़े पैमाने पर परिचालन की प्रकृति को देखते हुए, ग्राहक शिकायतों को पंजीकृत और कई तरीकों से हल किया जाता है। दो केंद्रीकृत ऑनलाइन शिकायत प्रणाली जैसे कस्टमर केयर मैनेजमेंट सिस्टम (सीसीएमएस) और साइट एक्शन रिक्वेस्ट (एसएआर)/ कमीशनिंग एक्शन रिक्वेस्ट (सीएआर) समाधान प्रणाली चालू हैं। वर्ष 2019–20 में ग्राहक द्वारा रिपोर्ट किए गए मुख्य गुणवत्ता वाले मुद्दों को मूल कारण विश्लेषण (आरसीए) के लिए लिया गया था जिसमें अट्ठाईस मामलों का समाधान किया गया। शिकायतों के अलावा, ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण, ग्राहकों की बैठक और आमने–सामने बातचीत एवं प्रशंसा पत्रों के माध्यम से ग्राहक प्रतिक्रिया नियमित रूप से ली जाती है।

पिछले पाँच वर्षो: के दौरान अनुचित व्यापार प्रथाओं, गैर–जिम्मेदार विज्ञापन और/या विरोधी प्रतिस्पर्धा व्यवहार के संबंध में कंपनी के खिलाफ किसी भी हितधारक द्वारा कोई मामला दायर नहीं किया गया है और न ही वित्तीय वर्ष के अंत दिनांक 31 मार्च 2021 तक लंबित है।

सौर ऊर्जा की उपयोगिता

बीएचईएल भारत की उन कुछ कंपनियों में से एक है जो घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा से संबन्धित सभी आवश्यकताओं के लिए एंड–टू–एंड समाधान प्रदान करती है।

बीएचईएल का सौर पोर्टफोलियो 1200 मेगावाट से अधिक है, जिसके अंतर्गत देश भर में ग्राउंड माउंटेड, रूफ टॉप, कैनाल टॉप सोलर पीवी प्लांट और फ्लोटिंग सोलर पीवी प्लांट कमीशन किए जाते हैं। पीवी सेगमेंट में अग्रणी ईपीसी कंपनी है। वर्तमान में 100 मेगावाट एनटीपीसी रामागुंडम, 25 मेगावाट एनटीपीसी सिम्हाद्री, और 22 मेगावाट एनटीपीसी कायमकुलम सहित कई फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र बड़े पैमाने पर एक साथ निष्पादित किए जा रहे हैं

बीएचईएल फ्लोटिंग सोलर पीवी क्षेत्र में देश का अग्रणी ईपीसी प्रदाता है। इस समय 100 मेगावाट एनटीपीसी रामागुंडम, 25 मेगावाट एनटीपीसी सिम्हाद्री और 22 मेगावाट एनटीपीसी कायमकुलम सहित बड़े पैमाने के कुछ फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट्स का निष्पादन साथ–साथ हो रहा है।

बीएचईएल ने वर्ष के दौरान सिम्हाद्री में 5 मेगावाट फ्लोटिंग एसपीवी प्लांट कमीशन करने के अलावा सागरदिग्घी में भी 5 मेगावाट फ्लोटिंग एसपीवी प्लांट कमीशन किया, जो कि भारत में अपने प्रकार का एक सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट है। अपनी प्रौद्योगिक क्षमता को सुदृढ़ बनाते हुए बीएचईएल ने अधिकतम दक्षता 21.7% और औसत दक्षता 21.08% के साथ उच्च दक्षता C&Si सोलर सेल्स के लिए घरेलू स्तर पर पैसिवेटिड एमीटर एंड रीयर सेल (पीईआरसी) प्रौद्योगिकी का विकास किया।

अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी उपलब्धियां

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक–VI

अनुसंधान एवं विकास तथा प्रौद्योगिकी उपलब्धियां

6.1 नवाचार

बीएचईएल आरएंडडी और नवाचार पर पिछले कई वर्षों से अपने राजस्व के 2.5% से अधिक के लगातार व्यय से सबसे अधिक खर्च करने वालों में से एक संगठन है। परिणामस्वरूप, बीएचईएल के उत्पाद नवीनतम तकनीकों के अनुरूप हैं और लगातार उच्च विश्वसनीयता, दक्षता और लागत–प्रतिस्पर्धा दिखाते हैं। हालाँकि, हाल के दिनों में तकनीकी परिदृश्य में तेजी से बदलाव देखा गया है, जिसका मौजूदा व्यवसायों पर दूरगामी प्रभाव पड़ा है और साथ ही कई नए अज्ञात अवसर भी उत्पन्न हुए हैं। कंपनी के नवाचार इकोसिस्टम को पिछले एक वर्ष में नया रूप दिया गया है, जिसमें नए उत्पादों और सेवाओं को कम अवधि में बाजार की आवश्यकताओं के साथ–साथ एक कार्बन मुक्त अर्थव्यवस्था के लिए भारत सरकार की नीति के अनुरूप उभरते और भविष्य के क्षेत्रों में काम करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। कंपनी का लक्ष्य इन–हाउस विकास के विवेकपूर्ण मिश्रण के साथ–साथ प्रौद्योगिकी में नेतृत्व/ वैश्विक ओईएम के साथ–साथ शिक्षाविदों का सहयोग प्राप्त करना है।

बीएचईएल का इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास आधार अब नवीकरणीय ऊर्जा, रेलवे परिवहन, रक्षा और एयरोस्पेस, उद्योग 4.0, ईवी और चार्जर आदि जैसे क्षेत्रों में नए उत्पादों के आंतरिक विकास पर केंद्रित है। कल की प्रौद्योगिकियों में देश के प्रौद्योगिकी नेतृत्व को सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान एवं विकास महत्वाकांक्षी भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास जैसे हाइड्रोजन, स्वच्छ कोयला, आदि पर काम कर रहा है।

अनुसंधान एवं विकास रणनीति में अपने कार्यबल के बौद्धिक विकास के लिए अपने नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में ज्ञान और सूचना का निरंतर सुदृढ़ीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है।

6.2 अनुसंधान एवं विकास रणनीति

बीएचईएल की पांच–आयामी अनुसंधान एवं विकास रणनीति में रणनीतिक दिशा, पोर्टफोलियो प्रबंधन, साझेदारी और गठबंधन, ज्ञान प्रबंधन और उसकी विकास जरूरतों को पूरा करने के लिए समर्थकर्ता शामिल हैं।

एयूएससी मिशन परियोजना के लिए उन्नत सामग्री के परीक्षण हेतु स्थापित युनिक हाइ टेम्परेचर स्पिन टेस्ट रिग (एचटीएसटीआर)

6.3 अनुसंधान एवं विकास संरचना

कंपनी की आरएंडडी संरचना का नेतृत्व निदेशक (ई, आरएंडडी) करते हैं, जिन्हें शीर्ष स्तर पर कॉर्पोरेट प्रौद्योगिकी प्रबंधन (सीटीएम) और कॉर्पोरेट आरएंडडी का सहयोग प्राप्त है। सीटीएम को कंपनी की समग्र अनु. एंव वि. रणनीति निर्धारित करने के लिए अधिकार दिया गया है ताकि बाजार की मांगों के अनुरूप इंजीनियरिंग और उत्पाद विकास के लिए अपनी इंजीनियरिंग और अनु. एंव वि. क्षमताओं को बढ़ाया जा सके, जबकि हैदराबाद में स्थित कॉर्पोरेट अनु. एंव वि. डिवीजन आंतरिक प्रौद्योगिकी विकास की दिशा में काम करता है। कॉर्पोरेट स्तर पर अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को विनिर्माण इकाइयों में विभिन्न अनुसंधान एवं उत्पाद विकास (आरपीडी) समूहों द्वारा पूरा किया जाता है। इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं के लिए, नवोन्मेष का ध्यान डिजाइन अनुकूलन और चक्र समय को कम करने पर है।

इन समूहों को दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बेंचमार्क अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास बुनियादी संरचना से सहयोग प्राप्त है। आर एंड डी के बुनियादी ढांचे में कॉर्पोरेट आर एंड डी प्रभाग और विनिर्माण इकाइयों, उत्कृष्टता केंद्रों और विशेष अनुसंधान संस्थानों आदि में प्रयोगशालाएं शामिल हैं।

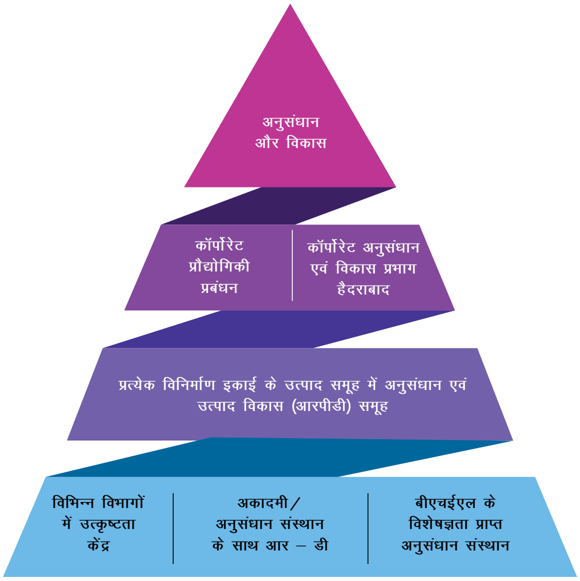

बीएचईएल के 14 उत्कृष्टता केंद्रों में कॉर्पोरेट आर एंड डी हैदराबाद (जैसे इंटेलिजेंट मशीन और रोबोटिक्स, मशीन डायनेमिक्स, यूएचवी प्रयोगशाला, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स, स्थायी मैगनेट मशीन इत्यादि), एचपीबीपी तिरुच्चिरापल्ली (जैसे– कोयला अनुसंधान केंद्र) और ईडीएन बेंगलुरु (जैसे पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, आईजीबीटी और कंट्रोलर टेक्नोलॉजी) में प्रतिष्ठान शामिल हैं।

बीएचईएल में 5 विशिष्ट अनुसंधान संस्थान और हैं, अर्थात् प्रदूषण नियंत्रण और अनुसंधान संस्थान (पीसीआरआई), हरिद्वार, वेल्डिंग अनुसंधान संस्थान (डब्ल्यूआरआई), तिरुच्चि, सिरेमिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीटीआई), बेंगलुरु, इलेक्ट्रिक ट्रांसपोर्टेशन केंद्र (सीईटी), भोपाल और अमोर्फस सिलिकॉन सोलर सेल प्लांट (एएसएससीपी), गुरुग्राम।

उद्योग– शैक्षणिक सहयोग उत्पाद के साथ–साथ प्रक्रिया में सुधार के लिए नवाचार के अनुप्रयोग की सफलता का एक प्रमुख निर्धारक है। बीएचईएल ने फोकस क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए आईआईटी, एनआईटी, सीएसआईआर, एआरएआई, आदि सहित देश के अग्रणी शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ साझेदारी की है।

उन क्षेत्रों में जहां इन–हाउस नवाचार प्रयासों को बाजार की आवश्यकताओं के कारण स्थापित संस्थानों के प्रौद्योगिकी सहयोग के साथ जोड़ने की आवश्यकता है, बीएचईएल वैश्विक इंजीनियरिंग और विनिर्माण अग्रणी संस्थान के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग समझौते करता है। भारतीय बाजार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ऐसी तकनीक के तेजी से समावेश और स्वदेशीकरण की दिशा में निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

वर्तमान में सक्रिय प्रौद्योगिकी सहयोग करार

भारतीय संस्थानों के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग

क्र.सं.	सहयोगी का नाम	उत्पाद
1.	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) भारत	स्पेस ग्रेड लिथियम आयन सेल
2.	सीएसआईआर– आईआईपी देहरादून	पीवीएसए आधारित ऑक्सीज़न प्लांट

विदेशी कंपनियों के साथ प्रौद्योगिकी सहयोग

क्र.सं.	सहयोगी का नाम	उत्पाद
1.	मित्सुबिशी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान	पंप
2.	सीमेंस एजी, जर्मनी	स्टीम टर्बाइन, जेनरेटर एवं लेटरल/ एक्सियल कंडेंसर
3.	मित्सुबिशी पावर लिमिटेड, जापान	फ्लू गैस डेसुलफुरिजेशन
4.	ओटो मेलारा, इटली** (**अब लियोनार्डो एसपीए इटली)	76/62 सुपर रैपिड गन माउंट
5.	वोग पावर इंटरनेशनल इंक, यूएसए	हीट रिकवरी स्टीम जेनरेटर्स
6.	कावासाकी हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जापान	मेट्रो के लिए स्टेनलेस स्टील कोचों और बोगियां
7.	एचएलबी पावर कंपनी लिमिटेड, कोरिया	गेट्स और डेम्पर्स
8.	नानो कंपनी लिमिटेड, कोरिया	डी–नॉक्स अनुप्रयोग के लिए एससीआर कटालिस्ट
9.	बैबॉक पॉवर एनवायरमेंटल इंक, यूएसए	डी–नॉक्स अनुप्रयोग के लिए एससीआर सिस्टम
10.	जनरल इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी जीएमबीएच, स्विट्जरलैंड	परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए 700 मेगावाट स्टीम टरबाइन
11.	वालमेट ऑटोमेशन ओय, फ़िनलेंड	न्यू जनरेशन सी– आई ऑटोमेशन

इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, वेल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआई), तिरुचि

6.4 वर्ष के दौरान उपलब्धियां

नए और बेहतर उत्पादों, प्रक्रियाओं और प्रणालियों के विकास की दिशा में कंपनी के प्रतिबद्ध अनुसंधान एवं विकास प्रयासों से निम्नलिखित प्रमुख विकास हुए हैं:

- **उन्नत अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल (एयूएससी) प्रौद्योगिकी का विकास:** जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) के अंतर्गत कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों के लिए (एयूएससी) की पहचान भारत सरकार द्वारा एक मिशन परियोजना के रूप में की गई थी। भारी उद्योग मंत्रालय और भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के तत्वावधान में, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और ~46% की उच्च दक्षता हासिल करने के लिए एयूएससी प्रौद्योगिकी विकसित करने के लिए बीएचईएल, एनटीपीसी और आईजीसीएआर के एक संघ का गठन किया गया था।

  भारी उद्योग विभाग (डीएचआई) द्वारा संचालित, एयूएससी प्रौद्योगिकी विकास के अनुसंधान एवं विकास (आर–डी) का चरण दिसंबर 2020 में पूरा हो गया है। बीएचईएल अब अगले चरण में एनटीपीसी के सीपत साइट पर 800 मेगावाट प्रौद्योगिकी प्रदर्शन संयंत्र स्थापित करने के लिए तैयार है और इसके लिए एनटीपीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। इस विकास यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर एचपी एंड आईपी एयूएससी स्टीम टर्बाइन का डिजाइन है, जिसके अंतर्गत बहुत से नये कार्यों को करना जैसे विभिन्न धातुओं की वेल्डिंग, नई सामग्री की मशीनिंग और उन्नत परीक्षण पद्धतियां, जिसमें टर्बाइन रोटर के क्रीप–फेटिग क्षति आकलन के डिजाइन सत्यापन के लिए टेस्ट रिग का निर्माण जो दुनिया में अपनी तरह की पहली सुविधा होगी, वे सभी शामिल है।
- **अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल मापदंडों के लिए एचपी बाईपास वाल्व** के डिजाइन और निर्माण के सफल समापन ने बीएचईएल के पोर्टफोलियो में एक नये उत्पाद को भी जोड़ा है।
- भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा संचालित सीपीएसई कॉन्क्लेव फॉर विजन न्यू इंडिया 2022 की कार्य योजना में पहचाने गए बीएचईएल और पावरग्रिड के बीच एक सहयोगी परियोजना के अंग के रूप में पहले स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित बीएचईएल–निर्मित 420 केवी फाइबर ऑप्टिक करंट ट्रांसफॉर्मर (एफओसीटी), आईईसी 61850 अनुरूप इंटेलिजेंट इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस (आईईडी), स्विचगियर कंट्रोलर यूनिट (एससीयू), और बे कंट्रोल यूनिट (बीसीयू) के साथ पावरग्रिड के 400/220 केवी भिवाड़ी सब–स्टेशन पर एक **डिजिटल सबस्टेशन** की सफल कमीशनिंग। यह सब–स्टेशन ऑटोमेशन सिस्टम के पूर्ण डिजिटलीकरण और इसके स्वदेशीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।
- बीएचईएल ने **22 फीट लंबे कंटेनर का एक प्रोटोटाइप** सफलतापूर्वक डिजाइन और निर्मित किया है। वर्तमान में देश में ऐसे कंटेनर आयात किए जा रहे हैं और अपनी कंपनी ने इन आदेशों को क्रियान्वित करने के लिए विनिर्माण सुविधाएं स्थापित की हैं।
- भारत में पहली बार, **बीएचईएल ने बीना, मध्य प्रदेश में भारतीय रेलवे के लिए रेलवे ट्रैक के आसपास 1.7 मेगावाट के सोलर पीवी प्लांट की सफलतापूर्वक संकल्पना, डिजाइन, कमीशन और सिंक्रनाइज़ेशन** किया है ताकि 25kV ट्रैक्शन लाइन को विद्युत की आपूर्ति की जा सके। इस परियोजना में 850 kW सिंगल फेज पावर कंडीशनिंग यूनिट (पीसीयू), 400/25 kV ड्राई टाइप ट्रांसफार्मर और सौर ऊर्जा संयंत्र के परिचालन के प्रबंधन के लिए पीवी एससीएडीए का विकास भी शामिल है।
- बीएचईएल ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) से वित्त पोषण के साथ उच्च दक्षता वाले c&Si सौर सेल के लिए **स्वदेशी रूप से विकसित पैसिवेटेड एमिटर और रियर सेल (पीईआरसी) तकनीक** विकसित की है। नए पीईआरसी (पीईआरसी) सौर सेल की औसत दक्षता 21.08% और प्राप्त अधिकतम दक्षता 21.7% है। इस उन्नति के साथ, बीएचईएल के पास पीईआरसी प्रौद्योगिकी के उन्नयन में सहायता करने और आगामी प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान करने के लिए तकनीकी और समर्पित सेल स्तर की आर एंड डी सुविधा हासिल हो गई है।
- आगामी 1.5kV सौर पीवी सिस्टम व्यवसाय में जुडने के लिए, **बीएचईएल ने 1500V, 325Wp मल्टी–क्रिस्टलीय सेल पीवी मॉड्यूल के प्रोटोटाइप को विकसित, डिज़ाइन और निर्मित किया है।** प्रकार और सुरक्षा योग्यता परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ ही, बीएचईएल भविष्य के इस सौर व्यवसाय के खंड को हासिल करने के लिए तैयार है।
- **बीएचईएल ने 260 m-kW की विशिष्ट गति के साथ एक फ्रांसिस टर्बाइन मॉडल विकसित किया है।** सम्पूर्ण सीएफडी विश्लेषण के माध्यम से अनुकूलित रनर प्रोफाइल सहित पूर्ण जल मार्ग डिजाइन के साथ हाइड्रोलिक डिजाइन को अंतिम रूप दिया गया। डिज़ाइन किए गए मापदंडों के लिए प्रोटोटाइप मॉडल का सफलतापूर्वक परीक्षण कर

लिया गया है। भविष्य में इस उच्च विशिष्ट गति रेंज के साथ फ्रांसिस टर्बाइन के व्यवसाय के लिए बीएचईएल पूर्णतया तैयार है।

- कोविड–19 के खिलाफ लड़ाई में अपना सहयोग करने के लिए, **बीएचईएल ने भेलमिस्टर नामक एटमाइज्ड लिक्विड सैनिटाइजिंग उपकरण विकसित किया है।** देश के विभिन्न भागों में 150 से अधिक बीएचईएल मिस्टर उपकरणों की आपूर्ति की जा चुकी हैं।
- बीएचईएल ने पहली बार भारत की उच्चतम रेटिंग **500 एमवीए, 400/220/33 केवी, 3–फेज इंटरकनेक्टिंग ट्रांसफार्मर (आईसीटी) का डिजाइन और निर्माण किया है,** जिसका एनएचपीटीएल बीना में सफलतापूर्वक गतिशील शॉर्ट सर्किट परीक्षण किया गया है।
- बीएचईएल ने भारतीय रेल के **9000 एचपी डब्ल्यूएजी9एचएच इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के लिए 3 फेज प्रोपल्सन इलेक्ट्रिक्स स्वदेशी रूप से विकसित और कमीशन किया है,** जिसमें ट्रैक्शन और ओक्जिक्लरी कन्वर्टर, ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर और 3–फेज एसी ट्रैक्शन मोटर शामिल हैं।
- बीएचईएल ने मोजाम्बिक रेलवे में अनुप्रयोगों के लिए **3000 एचपी केप गेज लोकोमोटिव 3–फेज एसी इंडक्शन मोटर्स और ट्रैक्शन अल्टरनेटर को सफलतापूर्वक विकसित और आपूर्ति किया है।** 3–फेज एसी इंडक्शन मोटर्स और ट्रैक्शन अल्टरनेटर के लिए यह अब तक का पहला निर्यात ऑर्डर है।
- बीएचईएल ने भारतीय रेलवे के उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में ओवरहेड ट्रैक्शन लाइनों में 25kV एसी के उपयोग के लिए **1600 मिमी क्रीपेज के साथ समग्र इंसुलेटर** विकसित किया है। आरडीएसओ के नवीनतम विनिर्देशों के अनुसार प्रोटोटाइप ने सभी आवश्यक प्रकार के परीक्षणों को सफलतापूर्वक पास कर लिया है।
- सामरिक अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होने वाले आयातित उपकरणों के स्वदेशीकरण के एक भाग के रूप में, बीएचईएल ने **350kW, 104Hz, 520rpm, प्रतिवर्ती, स्थायी चुंबक, सिंक्रोनस रिजर्व प्रणोदन मशीन** विकसित किया है। मशीन ने लगातार परिचालन के 2500 घंटे के स्थायित्व परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।
- बीएचईएल ने एचपी बैक प्रेशर स्टीम टर्बाइन (एचएनजी63/50–3) और एक संयुक्त आईपीएलपी रीहीट कंडेनसिंग टर्बाइन (एचएनके80/5–3) जो फ्लेक्सिबल कपलिंग के माध्यम से जुड़े हैं के लिए एक कॉम्पैक्ट दो सिलेंडर रीहीट स्टीम टर्बाइन मॉड्यूल विकसित किया है। मॉड्यूल चक्रीय ऊष्मा दर में महत्वपूर्ण सुधार करने में सक्षम बनाता है, जिसके परिणामस्वरूप उच्च दक्षता और बेहतर विश्वसनीयता प्राप्त होती है।

6.5 अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी विकास के लिए फोकस क्षेत्र

बीएचईएल निम्नलिखित मौजूदा एवं उभरते हुए क्षेत्रों में अनुसंधान एवं

विद्युत परिवहन केंद्र (सीईटी), बीएचईएल भोपाल

विकास क्षमताओं का विकास एवं सुदृढ़ीकरण कर रहा है:

- इलेक्ट्रिक लोको, मेमू, मेट्रो के लिए कोच निर्माण और हाई स्पीड ट्रेन–सेट के लिए 3 फेज–एसी ड्राइव सिस्टम के क्षेत्रों में रेल परिवहन के लिए संपूर्ण समाधान।
- ताप विद्युत संयंत्रों के लिए उन्नत अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल (एयूएससी) प्रौद्योगिकी के साथ प्रौद्योगिकी प्रदर्शन संयंत्र की स्थापना।
- फ्लू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी) सिस्टम प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण जिससे देश के आयात बिल को कम करने में भी मदद मिलेगी।
- आत्म निर्भर भारत अभियान के अंतर्गत इस्पात उद्योगों में ब्लास्ट फर्नेस के लिए उच्च क्षमता वाले एक्सियल कम्प्रेसर का स्वदेशीकरण।
- हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था और ईंधन सेल अनुप्रयोगों के लिए उत्पाद और प्रणाली।
- उच्च राख वाले भारतीय कोयले से हरित ईंधन (मेथनॉल, हाइड्रोजन, आदि) प्राप्त करने के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी का विकास।
- डिजिटल सबस्टेशन और उन्नत पावर ट्रांसमिशन जैसे +800kV एचवीडीसी, 765kV, 1200 kV ट्रांसमिशन सिस्टम के लिए उत्पाद और प्रणाली।
- उच्च दक्षता वाले सौर सेल, ग्रिड से जुड़े नवीकरणीय ऊर्जा सौर पीवी अनुप्रयोगों का विकास।
- सामरिक अनुप्रयोगों के लिए उत्पाद और प्रणालियाँ।
- इंटेलिजेंट मशीनों और रोबोटिक्स एवं उन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियों सहित नई प्रौद्योगिकियों की तैनाती के साथ उद्योग 4.0 का अनुप्रयोग।
- ई–मोबिलिटी इकोसिस्टम जिसमें ई–बस, पावर ट्रेन, चार्जिंग स्टेशन, ऊर्जा संचयन प्रणाली आदि शामिल हैं, के लिए विभिन्न समाधानों को विकसित करना।

कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीएफडी) का उत्कृष्टता केंद्र, कॉर्पोरेट आर एंड डी, हैदराबाद

निदेशक मण्डल रिपोर्ट का अनुलग्नक–VII

7.1 ऊर्जा संरक्षण

बीएचईएल की व्यावसायिक प्रक्रियाओं में सतत विकास का सिद्धांत निहित हैं। हमारा मिशन वाक्य "ऊर्जा, उद्योग और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में स्थायी व्यावसायिक समाधान प्रदान करना" भी इसका प्रमाण है। यह अपने उत्पादों और सेवाओं को न्यूनतम पर्यावरणीय क्षति के साथ क्रियान्वित करने और अपने हितधारकों को बेहतर लाभ दिलाने के माध्यम से कॉर्पोरेट उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए एक सतत यात्रा है। यह सिद्धान्त हमारी सभी आंतरिक प्रक्रियाओं के लिए भी लागू की जाती है तथा समाज में समावेशी विकास को बढ़ावा देती है।

हमारे सभी परिसरों में ऊर्जा का सतत उपयोग हमारी व्यावसायिक निर्णय प्रक्रिया का एक अनुचित तत्व है। हमारे द्वारा अपनाई गई ऊर्जा संरक्षण/दक्षता परियोजनाओं के परिणामस्वरूप हमारे ऊर्जा खपत में काफी कमी आई है। विस्तृत ऊर्जा लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं शुरू की गई हैं और जिसके उपरांत आईएसओ 50001 प्रमाणीकरण को प्राप्त किया गया है। जिसके द्वारा हमें संभावित सीमा तक ऊर्जा बचत के अवसर प्राप्त होंगे। हमारे संगठन में नियमित रूप से कार्यालयों/स्ट्रीट लाइटिंग में अत्यंत कम ऊर्जा खपत करने वाले प्रकाश उपकरणों के उपयोग के माध्यम से ऊर्जा खपत में कमी कर रहे हैं। वित्त वर्ष 20–21 के दौरान ऊर्जा संरक्षण वाले परियोजनाओं जिसमें पारंपरिक रोशनी को ऊर्जा कुशल एलईडी से बदलना, पुराने एसी को ऊर्जा दक्ष 5–स्टार एसी से बदलना, लगभग 120 किलोवाट रूफ टॉप सोलर आदि लगाना इत्यादि को लागू किया गया है।

हाल के वर्षों में हमारे संगठन में कैप्टिव उपयोग के लिए अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में तेजी आई है। सौर ऊर्जा संयंत्रों की 28 मेगावाट की इन–हाउस स्थापित क्षमता में ग्राउंड माउंटेड के साथ–साथ रूफटॉप सोलर सिस्टम शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप डीजी सेटों पर निर्भरता कम हुई है और हमारे परिचालन में स्थायी ऊर्जा मिश्रण प्राप्त हुआ है।

7.2 प्रौद्योगिकी समावेशन और अनुसंधान एवं विकास:

अनुसंधान एवं विकास

1. विशिष्ट क्षेत्र जिनमें कंपनी द्वारा अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए।	}	निदेशक मंडल की रिपोर्ट के अंतर्गत "अंनु.एवं वि. तथा प्रौद्योगिक उपलब्धियां" अनुबंध VI में दिया गया है।
2. उपर्युक्त अनुसंधान एवं विकास के फलस्वरूप प्राप्त लाभ।		
3. ध्यान दिए जाने वाले भावी क्षेत्र।		
4. अनुसंधान एवं विकास पर खर्च		
कुल	..	₹726.49 करोड़
क) आवर्ती	..	₹719.78 करोड़
ख) पूंजी		₹6.71 करोड़
सम्पूर्ण राजस्व में खर्च का प्रतिशत	..	**4.45 %**

7.3 प्रौद्योगिकी समावेशन:

पिछले 5 वर्षों के दौरान आयातित प्रौद्योगिकी का विवरण:

प्रौद्योगिकी	आयातित वर्ष	समावेशन स्थिति
स्टेनलेस स्टील मेट्रो कोच एवं बोगियां	2017	प्रौद्योगिकी समावेशन प्रगति पर है।
गेट एवं डेम्पर	2018	
सिलेक्टिव केटेलिटिक रिडक्शन (एससीआर) केटेलिस्ट	2018	
एस सी आर सिस्टम	2018	
न्यूक्लियर पीएचडबल्यूआर एप्लीकेशन के लिए स्टीम टरबाइन	2018	
स्पेस ग्रेड लिथियम आयन सेल्स	2018	
न्यू जनरेशन सी– आई ऑटोमेशन	2020	

7.4 विदेशी मुद्रा आय और व्यय (रुपए करोड़ में)

विवरण	2020–21	2019–20
उपयोग में लाई गई विदेशी मुद्रा	1598	4031
कमाई गई विदेशी मुद्रा	1743	3880

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के
निदेशक मंडल की ओर से

डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 27.08.2021

निदेशक मण्डल रिपोर्ट का अनुलग्नक–VII A

7क.1 राजभाषा कार्यान्वयन

बीएचईएल की सभी इकाइयों में इकाई/प्रभाग प्रमुख की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। कार्पोरेट कार्यालय सहित सभी इकाइयों/प्रभागों में तिमाही बैठकें आयोजित की गईं। कार्पोरेट कार्यालय सहित सभी इकाइयों/प्रभागों में हिन्दी दिवस/सप्ताह/पखवाड़ा/माह मनाया गया, जिसके दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं, सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कवि सम्मेलन आयोजित किए गए। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का हिंदी दिवस संदेश 4 सितंबर, 2020 को ई–मेल के माध्यम से सभी बीएचईएल कर्मचारियों को भेजा गया था। इसके अलावा अखिल भारत (बीएचईएल) स्तर पर वीसी के माध्यम से हिंदी दिवस समारोह का आयोजन डॉ. नलिन सिंघल, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में किया गया था। इस अवसर पर प्रख्यात कवि विनय विनम्र जी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

कार्पोरेट कार्यालय में राजभाषा उल्लास पर्व समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 30 सितंबर 2020 को आयोजित किया गया। डॉ. सुमीत जेरथ, सचिव (राजभाषा), गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सचिव (राजभाषा) ने बीएचईएल में "राजभाषा चक्र" बनाने के अभिनव प्रयास के साथ–साथ कंपनी भर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों की सराहना की। कंपनी में राजभाषा कार्यान्वयन की गति में तीव्रता लाने के लिए पूरी कंपनी में कुल 30 से अधिक संख्या में राजभाषा चक्रों का गठन किया गया है।

बीएचईएल विभिन्न शहरों में स्थित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों (ज्व्स्ह) में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। सभी इकाइयों/प्रभागों के प्रमुख अपने–अपने शहरों में स्थित नराकास के सदस्य हैं। इन समितियों के तत्वावधान में कई रोचक प्रतियोगिताएं, सेमिनार, सम्मेलन और कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। बीएचईएल टॉलिक प्रतियोगिताओं के साथ–साथ अन्य गतिविधियों के आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। हमारे कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सभी प्रतियोगिताओं में भाग लिया और कई पुरस्कार जीते हैं। राजभाषा कार्यान्वयन के लिए बीएचईएल को प्रथम पुरस्कार से और हमारी हिंदी पत्रिका अरुणिमा को नराकास, दिल्ली द्वारा सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हमारी कई इकाइयों को उनके संबंधित नराकास द्वारा भी सम्मानित किया गया है।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित एक प्रतियोगिता में स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर कंठस्थ में 5000 से अधिक टीएम (अनुवाद स्मृति (वाक्य)) अपलोड करने की श्रेणी में भी बीएचईएल को स्थान प्राप्त हुआ।

कंपनी भर में कुल 17 हिंदी पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं। इन पत्रिकाओं में प्रकाशित उत्कृष्ट लेखों के लिए विभिन्न इकाइयों/प्रभागों के 27 कर्मचारियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए कंपनी की 14 इकाइयों/प्रभागों को राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। बीएचईएल के 3 कर्मचारियों को हिंदी में पुस्तकें लिखने के लिए नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विश्व हिंदी दिवस मनाने के लिए सभी इकाइयों/प्रभागों में विभिन्न प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेताओं को गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा पुरस्कृत किया गया। कॉर्पोरेट कार्यालय द्वारा 22 अप्रैल, 2020 को एक ऑनलाइन हिंदी प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। हिंदी प्रश्नोत्तरी में विभिन्न इकाइयों/प्रभागों के कुल 1030 कर्मचारियों ने भाग लिया।

संसदीय राजभाषा समिति द्वारा क्रमशः 9 अक्टूबर 2020 और 25 नवंबर 2020 को पावर सेक्टर–पीईएम और पावर सेक्टर–एनआर का निरीक्षण किया गया। समिति ने राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की और लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सुझाव दिए।

वर्ष के दौरान राजभाषा से संबंधित विभिन्न विषयों पर 18 सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न इकाइयों/प्रभागों के 1664 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।

अखिल बीएचईएल राजभाषा समन्वयकर्ता सम्मेलन 23 मार्च, 2021 को

बीएचईएल में सितंबर– 2020 में राजभाषा उल्लास पर्व मनाया गया।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीएचईएल ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020 के उद्घाटन दिवस पर सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित किया गया, जिसमें कंपनी के कुल 70 प्राधिकारियों ने प्रतिभागिता की।

7क.2 सतर्कता तंत्र

पारदर्शिता, निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा कंपनी के लिए निर्णय लेने की सभी प्रक्रियाओं का आधार हैं। कंपनी के पास एक पूर्ण सतर्कता तंत्र है जिसके अंग के रूप में सतर्कता विभाग, आंतरिक लेखापरीक्षा, व्हिसल–ब्लोअर नीति तंत्र, स्वतंत्र बाहरी मॉनिटर (ओं) के साथ–साथ निदेशक मंडल स्तर की लेखा परीक्षा समिति शामिल है।

बीएचईएल के सतर्कता संबंधी कार्य मुख्य सतर्कता अधिकारी के नेतृत्व में किए जाते हैं जो कंपनी में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की विस्तारित शाखा के रूप में कार्य करते हैं। बीएचईएल की सभी इकाइयों और प्रभागों में एक वरिष्ठ अधिकारी की अध्यक्षता में सतर्कता तंत्र विकसित किया गया है जो मुख्य सतर्कता अधिकारी को रिपोर्ट करते हैं।

बीएचईएल का प्रमुख ध्यान निवारक सतर्कता पर रहा है और वर्ष 2020–21 के दौरान, कंपनी की विभिन्न इकाइयों/ क्षेत्रों में निर्णय लेने की प्रक्रिया से जुड़े कर्मचारियों के लिए निवारक सतर्कता पर 108 प्रशिक्षण कार्यक्रम/ कार्यशालाएं आयोजित की गईं। बीएचईएल के कॉर्पोरेट लर्निंग एंड डेवलपमेंट (सीएलडी) विभाग द्वारा आयोजित सामान्य प्रबंधन/ सामरिक प्रबंधन/ युवा प्रबंधक कार्यक्रमों में निवारक सतर्कता पर विशेष रूप से विभिन्न सत्र आयोजित किए जाते हैं। हालांकि, आयोग द्वारा प्राप्त सुझाव को ध्यान में रखते हुए, जनवरी, 2021 से कार्यपालकों के लिए आयोजित प्राथमिक प्रशिक्षण और मिड–कैरियर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में "निवारक सतर्कता" पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को शामिल किया गया है।

वित्त, कार्य निष्पादन और खरीद, सिविल संरचनात्मक कार्य निष्पादन, आईटी अनुप्रयोगों, खरीदी, विक्रेता पंजीकरण तथा गुणवत्ता और तीसरे पक्ष के निरीक्षण के लिए क्या करें और क्या न करें को अंतिम रूप दिया गया और उसे जारी किया गया। क्या करें और क्या न करें का उद्देश्य संबंधित प्राधिकारियों को एक जांच बिन्दु उपलब्ध काराना है जिससे वे सभी अपने काम को प्रभावी ढंग और कुशलता से कर सकें।

वर्ष 2020–21 के दौरान 29 मामलों में जांच किया गया, 70 दंड (22 बड़े और 48 लघु) लगाए गए और 14 चेतावनी/सलाह पत्र भी जारी किए गए। इसके अलावा, 200 बकाया शिकायतों (185 शिकायतें वर्ष 2020–21 के दौरान प्राप्त) में से 197 शिकायतों का निपटारा कर दिया गया और शेष निपटान के विभिन्न चरणों में हैं।

वर्ष 2020–21 के दौरान लगभग 4830 कर्मचारियों (सीडीए नियमों के अंतर्गत आने वाले कर्मचारियों का लगभग 28.5%) की वार्षिक संपत्ति विवरणी की संवीक्षा की गई।

संगठन में विभिन्न गतिविधियों की यादृच्छिक जांच नियमित निरीक्षण, औचक निरीक्षण, प्रणाली अध्ययन, सीटीई प्रकार के निरीक्षण आदि के माध्यम से आयोजित की गई। इन निरीक्षणों/जांचों से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर, विवेकाधीन शक्तियों को कम करने और उन प्रावधानों में स्पष्टता लाने के लिए जहां गलत व्याख्या की गुंजाइश है, बीएचईएल नीतियों/ दिशानिर्देशों/नियमावली के विभिन्न प्रावधानों में सुधार का सुझाव दिया गया। तदनुसार, संशोधित रिवर्स ऑक्शन (आरए) दिशानिर्देश–2020 और आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों के साथ व्यापार सौदों के निलंबन से संबंधित दिशानिर्देशों में संशोधन जारी किए गए हैं।

वर्ष 2020–21 के दौरान, सतर्कता विभाग की सलाह पर विभिन्न एजेंसियों, कर्मचारियों, विक्रेताओं और ठेकेदारों से लगभग रुपये 482.45 लाख की वसूली की गई है।

मुख्य सतर्कता आयुक्त के दिनांक 8 सितंबर, 2020 के परिपत्र सं. 020/ VGL/036/459673 के माध्यम से जारी निर्देशों के अंतर्गत सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2020 दिनांक 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2020 के दौरान "सतर्क भारत – समृद्ध भारत" विषय पर कॉर्पोरेट कार्यालय, विनिर्माण प्रभागों, पावर सेक्टर क्षेत्र, बीएचईएल के कार्यालयों और परियोजना स्थलों में मनाया गया।

सतर्कता विभाग ने कोविड–19 दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए भारत भर के विभिन्न शहरों में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के विषय पर कर्मचारियों, उनके बच्चों और स्कूलों तथा कॉलेजों के छात्रों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों (लगभग 230) जैसे वाद–विवाद, भाषण, पैनल चर्चा, निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, स्लोगन/कार्टून/पोस्टर प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया।

नियमों, विनियमों और नीतियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कॉर्पोरेट सतर्कता विभाग द्वारा अखिल बीएचईएल ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लगभग 900 कर्मचारियों ने भाग लिया। इसके अलावा, एक ऑनलाइन क्रॉसवर्ड भी आयोजित किया गया जिसमें कुल लगभग 540 कर्मचारियों ने

भाग लिया।

विक्रेताओं की शिकायतों को दूर करने के लिए एक केंद्रीकृत विक्रेता शिकायत निवारण प्रणाली (सुविधा), जहां विक्रेता अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं और साथ ही दर्ज की गई शिकायतों की स्थिति को देख और ट्रैक कर सकते हैं, को विकसित किया गया और सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2020 के दौरान इसे लॉन्च किया गया। जागरूकता श्रृंखला के एक भाग के रूप में, कुल 09 एनिमेटेड क्लिप (वीएडब्ल्यू थीम, नीतिगत मामले, शिकायत दर्ज करना, सीडीए नियम, पासवर्ड सुरक्षा, व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी, चिकित्सा निर्भरता आदि) को इन–हाउस विकसित किया गया और वीएडब्ल्यू के दौरान जारी किया गया। इन क्लिप को कर्मचारियों के साथ साझा किया गया और बीएचईएल की वेबसाइट/सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी अपलोड किया गया।

खरीद नीति, नियमों और प्रक्रियाओं आदि के बारे में जागरूकता पैदा करने, केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और भारत सरकार द्वारा समय–समय पर जारी किए गए निर्देशों/दिशानिर्देशों का प्रचार–प्रसार करने और सर्वोत्तम प्रथाओं, केस स्टडीज़ तथा लेखों आदि की सूचना देने के लिए सतर्कता विभाग अपनी तिमाही ई–न्यूजलेटर श्दिशाश प्रकाशित करता है। वर्ष के दौरान कुल चार अंक प्रकाशित किए गए और 2013 से अब तक कुल बत्तीस अंक प्रकाशित किए जा चुके हैं। ई–न्यूजलेटर का व्यापक प्रचार किया जाता है और सभी कर्मचारियों को ई–मेल के माध्यम से प्रेषित किया जाता है और बीएचईएल की इकाइयों/ क्षेत्रीय इंट्रानेट वेबपेज पर भी होस्ट किया जाता है।

7क.3 स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई)

हमारा हमेशा से यह प्रयास रहा है कि हम अच्छी एचएसई प्रथाओं को समेकित करें और उन्हें अपनी कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाएं। इसे ध्यान में रखते हुए, पावर सेक्टर के सभी क्षेत्रों में स्थित सभी सक्रिय साइटों के मासिक स्व–मूल्यांकन के लिए एक ऑनलाइन साइट सुरक्षा मूल्यांकन प्रणाली विकसित और शुरू की गई । यह प्रणाली, परियोजना स्थलों को नियमित स्व–मूल्यांकन के माध्यम से लगातार अपने सुरक्षा प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

बीएचईएल ने अपने कर्मचारियों और उप–ठेकेदारों के कर्मचारियों के लिए नियमित आधार पर एचएसई प्रशिक्षण/ विशेषज्ञ वार्ता/ वेबिनार आयोजित किया। संरचित प्रशिक्षणों के अलावा, बीएचईएल ने एचएसई अभियानों जैसे पर्यावरण जागरूकता माह (5–30 जून, 2020), स्वच्छता पखवाड़ा (16–31 अगस्त 2020), राष्ट्रीय सुरक्षा पखवाड़ा (04–18 मार्च 2021) आदि के दौरान अपने कर्मचारियों और बड़े पैमाने पर समाज के बीच जागरूकता फैलाई।

बीएचईएल ने अपनी टाउनशिप को ष्एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्तष् बनाने और उन्हें "एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त टाउनशिप" घोषित करने के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट/ सर्विलांस ऑडिट कराने के लिए हर संभव प्रयास किया है। बीएचईएल के सभी 14 टाउनशिप को "सिंगल यूज प्लास्टिक फ्री टाउनशिप" घोषित किया गया है।

अपने सुरक्षा प्रदर्शन और पर्यावरण संवर्धन को बेहतर बनाने में बीएचईएल के प्रयासों की काफी सराहना की गई है और इन प्रयासों को मान्यता दिलाने के रूप में बीएचईएल को कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। वर्ष के दौरान प्राप्त पुरस्कारों में शामिल हैं।

- गोल्डन पीकॉक पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार (जीपीईएमए)–2020 – निदेशकों की संस्था द्वारा विद्युत उपकरण क्षेत्र में पर्यावरण प्रबंधन की दिशा में अनुकरणीय योगदान के लिए
- एपेक्स इंडिया "गोल्ड अवार्ड" 2020 – इंजीनियरिंग क्षेत्र में व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के अंतर्गत बीएचईएल में ओएचएस में अनुकरणीय योगदान के लिए

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के
निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से

डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 27.08.2021

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक–VIII

फार्म एओसी–1

(कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 5 के साथ पठित धारा 129 की उपधारा (3) के पहले प्रावधानों के अनुसरण में)

सहायक कंपनियों/सहभागी कंपनियों/संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण की प्रमुख बिंदु:

भाग "क" सहायक कंपनियां

(प्रत्येक सहायक कंपनी का विवरण करोड़ रूपए की राशि में)

1. क्रम संख्या	01
2. सहायक कंपनी का नाम	बीएचईएल इलेक्ट्रिकल्स मशीन्स लिमिटेड
3. उस तिथि से जब सहायक कंपनी का अधिग्रहण किया गया था।	19 जनवरी 2011
4. संबंधित सहायक कंपनी के लिए रिपोर्टिंग अवधि, यदि होल्डिंग कंपनी के रिपोर्टिंग समय से भिन्न हो।	लागू नहीं
5. विदेशी सहायक कंपनियों के मामले में प्रासंगिक वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि पर रिपोर्टिंग मुद्रा और विनिमय दर।	लागू नहीं
6. शेयर पूंजी	10.50
7. आरक्षित और अधिशेष	(34.23)
8. कुल संपति	24.64
9. कुल देनदारियां	48.36
10. निवेश	निरंक
11. कारोबार	0.25
12. कराधान से पूर्व लाभ	(7.05)
13. कराधान के लिए प्रावधान	(1.77)
14. कराधान के बाद लाभ	(5.28)
15. प्रस्तावित लाभांश	निरंक
16. शेयर धारिता का प्रतिशत	51%

कोष्ठक में दिए गए अंक ऋणात्मक हैं ।

बीएचईएल द्वारा बीएचईएल ईएमएल में 51% हिस्सेदारी के हस्तांतरण का प्रस्ताव भारी उद्योग विभाग, भारत सरकार को अनुमोदन के लिए भेजा गया है। इसे 11 मई 2021 को अनुमोदित किया गया है।

केरल सरकार के साथ समझौते को निष्पादित करने तथा बीएचईएल ईएमएल में कंपनी की 51% हिस्सेदारी को केवल ₹1 के प्रतिफल पर एवं बीएचईएल द्वारा बीएचईएल ईएमएल को दिए गए ₹3 करोड़ के कार्यशील पूंजी ऋण के ब्याज तथा उस पर उपार्जित ब्याज की छूट पर केरल सरकार को हस्तांतरित करने के लिए आवश्यक गतिविधियों के लिए उचित कार्रवाई आरंभ की गई है।

1. सहायक कंपनियों के नाम जिन्होंने अब तक परिचालन शुरू नहीं किया है।	शून्य
2. सहायक कंपनियों के नाम, जिन्हें वर्ष के दौरान परिसमाप्त किया गया या बेचा गया।	शून्य

"ख": सहयोगी कंपनियो और संयुक्त उद्यम

सहयोगी कंपनियो एवं संयुक्त उद्यमों से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (3) के अनुसार विवरण

(₹ करोड़ में)

संयुक्त उद्यम के नाम	बीएचईएल– जीई गैस टरबाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	रायचूर पावर कारपोरेशन लिमिटेड
1. नवीनतम अंकेक्षित तुलन पत्र की दिनांक	31.03.2021	31.03.2020	31.03.2020
2. वह दिनांक जिसमे संबद्ध या संयुक्त उद्यम का संबद्धीकरण या अधिग्रहण किया गया था	5 मई 1997	28 अप्रैल 2008	15 अप्रैल 2009
3. वर्ष के अंत में बीएचईएल के द्वारा धारित संयुक्त उद्यमों के शेयर			
संख्या	2379999	50000000	664040000
निवेश की राशि	2.38	50.00	664.04
होल्डिंग प्रतिशत की सीमा	एक शेयर से 50% कम	50%	27.97%
4. महत्वपूर्ण प्रभाव का विवरण	संयुक्त नियंत्रित इकाइयां		
5. सहयोगी/संयुक्त उद्यम समेकित न होने का कारण	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
6. नवीनतम अंकेक्षित तुलन पत्र के अनुसार शेयर धारिता के लिए कारण नेटवर्थ	181.50	निरंक	निरंक
7. वर्ष के लिए लाभ/हानि	इक्विटी पद्धति के अनुसार		
i. समेकन में विचार किया गया	44.14	निरंक	निरंक
ii. समेकन में विचार नहीं किया गया	-	(12.26)	(152)

कोष्ठक में दिए गए अंक ऋणात्मक हैं। आरपीसीएल में, बीएचईएल द्वारा अपने नॉमिनी के नाम पर 300 शेयर भी रखे गए हैं।

मैसर्स पावर प्लांट परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट लिमिटेड परिसमापन के अधीन है। इसलिए इस पर समेकन हेतु विचार नहीं किया गया है। इस संयुक्त उद्यम में रु 2.00 करोड़ की राशि का प्रावधान निवेश हेतु किया गया है।

दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल) को एनसीएलटी के 2 नवंबर, 2020 के आदेश के माध्यम से भंग कर दिया गया है।

निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से

(राजीव कालड़ा)	**(सुबोध गुप्ता)**	**(डॉ. नलिन सिंघल)**
कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सद.संख्या 14567	डीआईएनः 08113460	डीआईएनः 01176857

हमारी समसंख्यक दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी	**कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स**	**कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी**
चार्टड एकाउंटेंट	चार्टड एकाउंटेंट	चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N	एफआरएन – 002870N	एफआरएन – 006228C
(सीए गोपाल कृष्ण)	**(सीए संदीप सेंडिल)**	**(सीए प्रियंका जाजू)**
भागीदार	भागीदार	भागीदार
सद.संख्या 081085	सद.संख्या 085747	सद.संख्या 411739

स्थानः नई दिल्ली

दिनांकः 11 जून, 2021

फार्म एओसी–2

(अधिनियम की धारा 134 की उपधारा (3) के खंड (ज) एवं कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8 (2) के अनुसरण में)

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप–धारा (1) में संदर्भित संबंधित पक्षों के साथ कंपनी द्वारा किए गए अनुबंधों/व्यवस्थाओं के विवरण के प्रकटीकरण के लिए प्रपत्र जिसमें तृतीय प्रावधान के अंतर्गत कुछ निश्चित लेन–देन (आर्म्स लेंथ ट्रांजेक्शन) शामिल हैं।

1. ठेके/अनुबंधों/लेन–देन के विवरण, आर्म्स लेंथ आधार पर नहीं:

(क) संबंधित पक्ष का/के नाम एवं संबंध का स्वरूप	:	शून्य
(ख) ठेके/व्यवस्थाओं/लेन–देन का स्वरूप	:	शून्य
(ग) ठेकों या व्यवस्थाओं/लेन–देन की अवधि	:	शून्य
(घ) ठेकों या व्यवस्थाओं या लेन–देन की विशिष्ट शर्तें, मूल्य सहित अगर हो तो	:	शून्य
(ड) इन ठेकों या व्यवस्थाओं या लेन–देन का औचित्य	:	शून्य
(च) निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदन की तिथि/तिथियां	:	शून्य
(छ) अग्रिम के तौर पर भुगतान की गई राशि, अगर हो तो	:	शून्य
(ज) वह दिनांक जब आम सभा मे प्रस्ताव पारित हुआ, जैसा कि खंड 188 के अंतर्गत वांछित है	:	शून्य

2. सामग्री संबंधी ठेकों या अनुबंधों या लेन–देन के विवरण, आर्म्स लेंथ आधार पर

(क) संबंधित पार्टी के नाम एवं संबंध का स्वरूप	:	शून्य
(ख ठेकों/व्यवस्थाओं/लेन–देन का प्रकृति	:	शून्य
(ग) ठेकों या व्यवस्थाओं/लेन–देन की अवधि		
(घ) ठेकों या व्यवस्थाओं या लेन–देन की विशिष्ट शर्तें, मूल्य सहित अगर हो तो	:	शून्य
(च) निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदन की तिथि/तिथियां	:	शून्य
(छ) अग्रिम के तौर पर भुगतान की गई राशि, अगर हो तो	:	शून्य

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के
निदेशक मंडल के लिए एवं उनकी ओर से

डॉ. नलिन सिंघल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 27.08.2021

निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक– IX

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में

सदस्यगण,

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

एकल वित्तीय विवरण पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट

राय

हमने यहां भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ('कंपनी') के संलग्न एकल वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च 2021 के अनुसार तुलन पत्र तथा 31 मार्च को समाप्त हुए वर्ष के लिए लाभ एवं हानि लेखा (अन्य व्यापक आय सहित) तथा इक्विटी में परिवर्तनों का विवरण एवं वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियां और अन्य व्याख्यात्मक सूचनाएं शामिल हैं, के सारांश की लेखा परीक्षा की है। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण लेखा नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं का सारांश भी दिया गया है (इसके पश्चात इसे "एकल वित्तीय विवरण" कहा जाएगा) जिसे लेखा परीक्षा की तिथि को / पर समाप्त हुए वर्ष के लिए हमारे द्वारा तैयार किया गया है। 19 शाखाओं का ऑडिट हमारे द्वारा किया गया और 10 शाखाओं का ऑडिट कंपनी के शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा किया गया।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुरूप पूर्वोक्त वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम 2013 ("अधिनियम") में अपेक्षित तरीके के अनुसार सूचना प्रदान करते हैं और यथा संशोधित कंपनी (इंडियन अकाउंटिंग स्टैंडर्ड) नियम 2015, के साथ पाठित इस अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों, (इंड एएस) एवं भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों के अनुपालन में 31 मार्च 2021 को कंपनी की स्थिति तथा इस दिनांक को समाप्त हुए वर्ष के लिए हानि और कुल व्यापक आय, इक्विटी में परिवर्तनों तथा नकदी प्रवाह को यथार्थ व उचित रूप से प्रस्तुत करते हैं।

राय का आधार

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। इन मानकों के अन्तर्गत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियां खंड में वर्णित किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टेड अकाउंटेंट द्वारा जारी आचार संहिता के साथ ही कंपनी अधिनियम, 2013 और इससे आधरित नियमों के प्रवधानों के अंतर्गत एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिये प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम कंपनी से स्वतंत्र हैं और हमने इन आवश्कताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों का पालन किया है। हमारा मानना है कि लेखा परीक्षा के जो साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं, वे कंपनी के एकल वित्तीय विवरण पर हमारी राय का आधार बनने के लिये पर्याप्त और उचित हैं।

मुख्य लेखा परीक्षा विषय

मुख्य लेखा परीक्षा विषय वे विषय हैं जो कि हमारे व्यावसायिक मतानुसार वर्तमान अवधि के वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के दौरान सबसे महत्वपूर्ण थे। इन विषयों पर राय बनाते हुए एकल वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के संबंध में पूर्णतः समाधान किया गया और हमें इन विषयों पर और कोई राय नहीं देनी है। हमने अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले प्रमुख लेखापरीक्षा विषयों के नीचे वर्णित मामलों का उल्लेख किया है।

मुख्य लेखा परीक्षा विषय	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
इंड एएस 115 के अंतर्गत "ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व" के सम्बंध में राजस्व एवं अन्य शेषों की मान्यता, मापन, प्रस्तुति की सटीकता। इन राजस्व लेखा मानकों के अनुप्रयोग में विशिष्ट निष्पादन दायित्वों को चिह्नित करना, चिह्नित विशिष्ट निष्पादन दायित्वों के लेन–देन मूल्य का निर्धारण, एक अवधि में मान्य राजस्व के मापन के आधार की उपयुक्तता, वित्तीय विवरणों में शेष के प्रस्तुतिकरण सहित प्रकटीकरण से संबंधित कतिपय मुख्य निर्णय शामिल हैं। आकलित प्रयास राजस्व निर्धारण करने का एक महत्वपूर्ण आकलन है क्योंकि इसके लिए अनुबंध की प्रगति, आज तक किए गए प्रयासों, शेष निष्पादन दायित्व को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रयासों पर विचार करना आवश्यक है। एकल वित्तीय विवरण के नोट 49 को देखें।	**प्रधान लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं** आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता के परीक्षण से निहित हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में निम्नलिखित शामिल हैं। • पूर्णता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई जानकारी रचना प्रक्रिया पर नियंत्रण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया। • मौजूदा जारी अनुबंधों और नए अनुबंधों में से एक सेंपल चुनकर विशिष्ट निष्पादन दायित्व और लेन–देन मूल्य का निर्धारण से संबधित आंतरिक नियंत्रण की परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण किया। • इंड एएस 115 के अनुरूप राजस्व के अभिलेखन एवं प्रकटीकरण में अनुप्रयुक्त लेखांकन प्रणालियों और अनुबंधों एवं इससे संबद्ध सूचनाओं में परिवर्तन के संगत सूचनाओं का परीक्षण किया, जिनका नए राजस्व लेखा मानकों के अनुसार खुलासा करने और अभिलेखबद्ध करने में प्रयोग किया गया। • महत्वपूर्ण उपलब्धियां (Milestone) प्राप्त करने में संभावित देरी की पहचान के लिए अनुबंधों में से एक सेंपल चुनकर समीक्षा की गई, जिसमें कि शेष निष्पादन दायित्व को पूर्ण करने में आकलित प्रयासों को बदलने की आवश्यकता है। • तर्कसंगतता और अन्य संबंधित सामग्री मदों के ब्योरों पर विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं और परीक्षणों को किया।
व्यापार प्राप्य एवं अनुबंध संपत्तियों की वसूली की संभावना का मूल्यांकन 31 मार्च, 2021 के अंत में कंपनी के पास ₹24079.25 करोड़ (निवल) की अनुबंध संपत्तियां तथा ₹7213.37 करोड़ के व्यापार प्राप्य बकाया हैं। यह शेष इंड एएस 115 "ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व" के अनुसार पूर्ण हुए अनुबंधों और चालू अनुबंधो के लिए मान्य राजस्व से संबंधित हैं। इसके आकार और प्रबंधकीय निर्णय के उच्च स्तरीय होने कारण इसकी वसूली की संभावना का आकलन एक मुख्य लेखा विषय है। एकल वित्तीय विवरणों के नोट 6,9,11,17,49 को देखें।	**प्रधान लेखा परीक्षा प्रक्रिया** अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य के राजस्व मान्यता और समीक्षा तंत्र के लिए हमने कंपनी की आतंरिक प्रक्रिया का आकलन किया है। आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता के परीक्षण से निहित हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में निम्नलिखित शामिल हैं: • बीजक बनाने, सत्यापन करने तथा ग्राहकों के साथ पुनर्मिलान की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया। • परियोजनावार बकाया विवरण और प्रबंधन द्वारा इसके समीक्षा तंत्र की सूची को प्राप्त किया। • अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य की क्षति पर कंपनी के दिशानिर्देशों और नीतियों की समीक्षा की। • सेंपल आधार पर वर्ष के अंत में अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य की एजिंग की सटीकता की जांच की। • तर्कसंगतता, वसूली की संभावना और अन्य संबंधित सामग्री मदों के विवरणों पर विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं और परीक्षणों को किया।

एकल वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाएं तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। अन्य जानकारी में प्रबंधकीय परिचर्चा व विश्लेषण में सम्मिलित की गई जानकारी, निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नकों सहित निदेशक मण्डल रिपोर्ट, व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट, कॉर्पोरेट अभिशासन तथा शेयरधारकों की सूचना आती है परंतु एकल वित्तीय विवरण और इस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट इसमें सम्मिलित नहीं होती है।

वित्तीय विवरणों पर हमारी राय अन्य जानकारी को कवर नहीं करती है और हम इस पर कोई आश्वासन या निष्कर्ष नहीं देते हैं।

एकल वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षण के संबंध में, हमारा उत्तरदायित्व अन्य सूचनाओं को पढ़ना और ऐसा करते हुए ध्यान रखना कि वित्तीय विवरणों के साथ अन्य सूचनाएं कहीं असंगत तो नहीं हैं अथवा लेखापरीक्षा में प्राप्त जानकारी अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रतीत नहीं होती है।

यदि, हमारे किए गए कार्य के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि यह अन्य सूचना सारतः अनुचित कथित है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। हमें इस संदर्भ में कुछ भी रिपोर्ट नहीं करना है।

एकल वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 134(5) में वर्णित विषयों के संदर्भ में इन वित्तीय विवरणों को इस प्रकार तैयार किए जाने हेतु उत्तरदायी है, जो भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों और इंड एएस के अनुरूप कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन, कुल व्यापक आय, इक्विटी में परिवर्तनों तथा नकदी प्रवाह का एक वास्तविक और सही विवरण प्रदान करते हों। इस उत्तरदायित्व में ऐसे पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का अनुरक्षण भी सम्मिलित है जो अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा हेतु और धोखाधड़ी व अन्य अनियमितताओं का पता लगाने और रोकने हेतु; उचित लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; उचित और विवेकपूर्ण आकलन और निर्णय लेने; एवं धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले किसी भी प्रकार के मूर्त अनुचित कथन से मुक्त तथा वास्तविक और उचित दृष्टिकोण प्रस्तुत कराने वाले वित्तीय विवरणों के निर्माण और प्रस्तुतीकरण हेतु पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों, जो कि लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, के डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव हेतु प्रासंगिक हों।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, समूह को एक उन्नतिशील व्यावसायिक इकाई के रूप में बनाए रखने के लिए समूह की योग्यता का आकलन करने, क्रियाशील इकाई से संबन्धित जांकारियाँ यथा आवश्यक प्रकटीकरण करने और जब तक प्रबंधन समूह के परिसमापन या परिचालन रोकने की मंशा न रखती हो अथवा इसके अतिरिक्त कोई यथार्थ कारण न हो, तब तक समूह को लेखांकन का आधार बनाने के लिए कंपनी के निदेशक मण्डल उत्तरदायी है।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार हैं।

एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले सारतः त्रुटिपूर्ण कथन से समग्र रूप में मुक्त है और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना, जिसमें हमारी राय शामिल हो। तर्कसंगत आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार किया गया लेखा परीक्षण सदैव किसी सारतः त्रुटिपूर्ण कथन का पता लगा ही लेगा, यदि कोई हो तो। त्रुटिपूर्ण कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और इन्हें संदेहास्पद माना जाता है, यदि, एकल रूप में या कुल मिलाकर, वे इन एकल वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को यथोचित रूप में प्रभावित करना प्रत्याशित है।

लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार एक लेखा परीक्षण के भाग के रूप में, पूरे लेखा परीक्षण के दौरान हम पेशेवर तरीके से निर्णय लेते हैं और पेशेवर संशयात्मकता को बनाए रखते हैं। हम यह भी करते हैं।

- वित्तीय विवरणों के सारतः गलत कथन, चाहे वे धोखाधड़ी के कारण हों या त्रुटि के कारण, की पहचान करना और जोखिमों को आंकना और इन जोखिमों के अनुक्रियाशील लेखा परीक्षण प्रक्रियाओं को पूरा करना, और लेखा परीक्षण साक्ष्यों को प्राप्त करना जो कि हमारी राय के लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप सारतः गलत कथन को न खोज पाने का जोखिम, गलती के परिणामस्वरूप से कहीं ज्यादा होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जाल–साजी, जानबूझकर की गई चूकें, गलतबयानी या आंतरिक नियंत्रणों को अधिभावी (override) किया जाता है।

- परिस्थितियों के अनुसार लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखा परीक्षण के संगत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (3) (i) के अनुसार, हम

इस बात पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और इस तरह के नियंत्रणों के संचालन में प्रभावशीलता है।

- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन आकलनों और संबंधित प्रकटन की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करें।
- लेखांकन की चिंता के आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्तता पर निष्कर्ष निकाला है, और प्राप्त लेखा परीक्षण साक्ष्य के आधार पर, क्या कुछ ऐसी अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी की क्षमता पर गंभीर संदेह पैदा कर सकती है, जो एक चिंता का विषय है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई प्रत्यक्ष अनिश्चितता (material uncertainty) मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटन पर ध्यान आकर्षित करना होगा या हमारी राय को संशोधित करने के लिए इस तरह के प्रकटन अपर्याप्त हैं। हमारे निष्कर्ष, दिनांक तक हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट से प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। भविष्य में होने वाली घटनाएं या स्थितियां कंपनी की चिंता का विषय बनी रह सकती है।
- प्रकटन सहित एकल वित्तीय विवरण की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करें, और क्या एकल वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और व्यवसाय को उचित रूप में दर्शाते हैं।

प्रत्यक्ष (Materiality) एकल वित्तीय विवरणों में गलत बयानी का परिमाण है जो, व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, वित्तीय विवरणों के एक उचित जानकार उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित कर सकता हैं। हम (i) अपने लेखा परीक्षा कार्य के दायरे की योजना बनाने और परिणामों का मूल्यांकन करने में; और (ii) वित्तीय विवरणों में पाई गई किसी गलत बयानी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए प्रत्यक्ष (Materiality) और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं।

हम अन्य मामलों में, लेखा परीक्षण के प्लान किए स्कोप तथा समय और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षण निष्कर्षों के साथ, आंतरिक नियंत्रण में पहचानी गई कमियों को शामिल करते हैं, जो लेखा परीक्षण के दौरान हमारी नज़र में आती हैं।

हम उन आरोपों को भी इस उल्लेख के साथ अभिशासन प्रदान करते हैं कि हमने स्वतंत्रता से संबंधित संगत नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है, और उन सभी संबंधों और अन्य मामलों, जो हमारी स्वतंत्रता जहां लागू हो, वहां सुरक्षा संबंधी उपायों पर निर्भर करते हैं, को संप्रेषित करते हैं।

बताए गए मामलों में से जिन मामलों में अभिशासन पर आरोप लगाए गए हैं, हम उन मामलों को मौजूदा अवधि के एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण मामलों के रूप निर्धारित करते हैं। हम अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में इन मामलों को तब तक रखते हैं जब तक कि कानून या विनियमन इस मामले के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण नहीं करता है या अत्यंत असाधारण परिस्थितियों में, जब हम यह निर्धारित करते हैं कि हमारी रिपोर्ट में किसी मामले का जिक्र नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम होंगे और इस तरह के जिक्र से लोकहित प्रभावित होगा।

अन्य विषय:

हमने कंपनी के एकल वित्तीय विवरण में शामिल **10 (दस)** वित्तीय विवरणों/सूचनाओं को लेखा परीक्षण नहीं किया था जिनका वित्तीय विवरण/वित्तीय जानकारी 31 मार्च 2021 को **रु. 33345 करोड़** की कुल संपत्ति और उस दिनांक को समाप्त हुए वर्ष के लिए **रु. 9454 करोड़** के कुल राजस्व को दर्शाते हैं, जैसा कि एकल वित्तीय विवरण में दर्शाया गया था। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों/जानकारियों की शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षा की गई जिनकी रिपोर्ट हमें भेजी गई और ऐसे शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित इन शाखाओं के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटन पर हमारी राय प्रस्तुत की गई।

हमारी राय इस मामले के संबंध में संशोधित नहीं है।

अन्य विधि एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट:

(1) अधिनियम के खंड 143 के उपखंड (11) के संदर्भ में भारत सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक रिपोर्ट) आदेश, 2016 ("आदेश") के संदर्भ में अपेक्षानुसार हम आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में विनिर्दिष्ट मामलों पर **"अनुलग्नक क"** प्रस्तुत करते हैं।

(2) अधिनियम के खंड 143 (3) के संदर्भ में अपेक्षानुसार हम रिपोर्ट देते हैं कि:

a) जहां तक हमें जानकारी और विश्वास है, हमने लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक जानकारियां एवं विवरण प्राप्त कर लिए हैं।

b) हमारे विचार से, कंपनी ने विधि के अनुसार लेखा बहियां रखी हैं, जैसा कि हमें इन बहियों की जांच में मिला है और हमारे द्वारा दौरा न की गई शाखाओं से हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक पर्याप्त जानकारी प्राप्त हो गई है।

c) शाखा लेखा परीक्षकों के द्वारा अधिनियम की धारा 143 (8) के अंतर्गत लेखापरीक्षित कंपनी के शाखा कार्यालयों के लेखा की

रिपोर्ट हमें प्रेषित की गई है और रिपोर्ट करते समय हमारे साथ सही तरीके से विचार विमर्श किया गया है।

d) इस रिपोर्ट में हमारे द्वारा जांचे गए तुलन पत्र (अन्य व्यापक आय) सहित लाभ एवं हानि खाता विवरण तथा इक्विटी लेन–देन में परिवर्तन और हमारे द्वारा इस दौरान की गई शाखाओं से प्राप्त जानकारियों के अनुसार है।

e) हमारी राय में, उक्त वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों का अनुपालन करते हैं, जो कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पढ़ा जाता हैं।

f) एक सरकारी कंपनी होने के नाते, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 (2) जो इस बारे में है कि किसी निदेशक को निदेशक के रूप में नियुक्त किए जाने से अयोग्य घोषित किया जा सकता है, अधिसूचना जी.एस.आर 463 (ई) दिनांक 05.06.2015 के मद्देनजर कंपनी पर लागू नहीं है।

g) कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की उचितता के संबंध में और इस तरह के प्रचालन प्रभाव के संबंध में नियंत्रण, **"अनुलग्नक ख"** में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।

h) अन्य विषयों के संबंध में हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 में लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए गए हैं:

i. कंपनी ने अपने एकल वित्तीय विवरण में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का प्रकटन किया है – वित्तीय विवरणों पर **टिप्पणी 41** का संदर्भ लें।

ii. कंपनी ने व्युत्पन्न (derivative) अनुबंध सहित लंबी अवधि के अनुबंध पर, सामग्री के संभावित नुकसान (यदि कोई हो) के लिए लागू कानून और लेखा मानकों के अंतर्गत आवश्यकता के अनुसार प्रावधान किया है। वित्तीय विवरणों पर **टिप्पणी 48 का संदर्भ लें**।

iii. कंपनी द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 तथा इसके अंतर्गत नियमों के अनुसार निवेशक शिक्षा एवं सुरक्षा फंड में स्थानांतरित की जाने वाली राशि को स्थानांतरित करने में कोई देरी नहीं हुई है।

(3) इस अधिनियम की धारा 143 (5) में अपेक्षित, हमने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों पर विचार किया है, उसके बाद उसी के अनुसार कार्य किया है और उसका प्रभाव कंपनी के लेखा एवं वित्तीय विवरण **"अनुलग्नक–ग"** पर आया है।

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी	कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स	कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट	चार्टड एकाउंटेंट	चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन 002074N	**एफआरएन** 002870N	**एफआरएन 006228C**
(सीए गोपाल कृष्ण)	**(सीए संदीप सेंडिल)**	**(सीए प्रियंका जाजू)**
भागीदार	भागीदार	भागीदार
सद.संख्या 081085	**सद.संख्या 085747**	**सद.संख्या 411739**
UDIN:21081085AAAAJL3015	UDIN:21085747AAAABA2627	UDIN:21411739AAAADH6304

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 जून, 2021

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट का "अनुलग्नक– क"

(भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (कंपनी) की 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लेखों की समसंख्यक दिनांक की हमारी रिर्पोट जो 'अन्य विधिक और विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट' शीर्षक के अंतर्गत दी गई है, के पैरा–1 में यथा उल्लिखित)

i) क) कंपनी ने सामान्यतः मात्रात्मक विवरण और अपनी स्थायी परिसंपत्तियों की स्थिति सहित पूर्ण विवरण दर्शाते हुए उचित रिकार्ड रखा है।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार प्रबंधन द्वारा तीन वर्ष की अवधि मे सभी अचल परिसंपत्तियों सहित सभी संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण को शामिल करते हुए निर्धारित कार्यक्रम के अधीन चरणबद्ध कार्यक्रम के अनुसार स्थायी परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन कराया जा रहा है, जो हमारी राय में कंपनी के आकार और व्यवसाय के स्वरूप की दृष्टि से समुचित समझा जाता है और वर्ष के दौरान कराए गए सत्यापन में कोई मूर्त विसंगति नहीं देखी गई।

(ग) कंपनी के नाम से धारित नहीं की गई अचल संपत्ति के विलेख के विवरण वित्तीय विवरण के नोट न. 3.1 (क से च) में दिए गए हैं।

ii) हमें जैसा स्पष्ट किया गया है, कुछ यूनिटों में चालू कार्य के भंडार और तैयार माल, जहां ऐसी यूनिटों के उत्पादन योजना विभाग का निरीक्षण तथा उत्पादन रिपोर्टों के संदर्भ में इनका वर्ष के अंत में सत्यापन किया जाता है, को छोड़कर वर्ष के दौरान नियमित अंतरालों पर स्थायी मालसूची कार्यक्रम के अधीन प्रबंधन द्वारा मालसूची का प्रत्यक्ष सत्यापन किया गया है। संविदाकारों/फैब्रीकेटरों और अन्य पक्षों के पास पड़े हुए स्टॉक के संबंध में केवल कुछ मामलों में पुष्टियां प्राप्त हुई थीं। हमारी राय में सत्यापन की आवृत्ति उचित है। सामग्री के संबंध में कोई विसंगति प्राप्त नहीं हुई है।

iii) हमें दी गई सूचना के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधिनियम की धारा 2013 की धारा 189 के अधीन रखे गए रजिस्टर में शामिल कंपनियों, फर्मों के सीमित दायित्व भागीदारों अथवा किसी अन्य पक्षों को प्रतिभूत अथवा अप्रतिभूत ऋण नहीं दिया है। अतः चालू वर्ष के लिए कंपनी (लेखा परीक्षक रिपोर्ट) आदेश पैरा 3 के खंड (iii) क, (iii) ख, एवं (iii) ग कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।

iv) कंपनी ने ऋण निवेश, गारंटी और प्रतिभूति के संबंध में कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 185 और 186 के उपबंधों का अनुपालन किया है।

v) कंपनी के रिकार्ड की जांच के आधार पर और हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 73 से 76 अथवा अन्य संगत प्रावधानों और कंपनी (जमाराशि की स्वीकृति) नियम, 2014 के अनुसार वर्ष के दौरान आम जनता से कोई जमा राशि स्वीकार नहीं की है।

vi) हमने कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 148 (1) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा विहित कंपनी (लागत रिकार्ड्स एवं लेखा) नियम, 2014 के अनुसरण में, कंपनी द्वारा रखी गई लेखा पुस्तिकाओं तथा कंपनी के रिकार्डों का व्यापक निरीक्षण किया और हमारी राय में कंपनी ने निर्धारित लेखा एवं रिकाड्र्स को संरक्षित रखा है। तथापि, इन लेखों और लागत रिकार्डों की विस्तृत जांच की न तो हमारी अपेक्षा है और न ही हमने की है।

vii) (क) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार और प्रस्तुत की गई तथा हमारे द्वारा जांची गई बहियों और रिकार्ड के अनुसार, हमारी राय में, कंपनी सामान्यतः नियमित रूप से भविष्य निधि, निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, धन कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, उपकर और उपयुक्त प्राधिकारियों पर यथा लागू कोई अन्य वास्तविक सांविधिक देयताओं सहित अविवादित सांविधिक देय राशियों को जमा कर रही है।

(ख) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार भुगतान की दिनांक से 6 महीने से अधिक माह की अवधि हेतु 31 मार्च, 2021 को भविष्य निधि, निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, धन कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, उपकर और अन्य सांविधिक देयता बकाया राशि विवादित नहीं थी।

(ग) हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार जिस बिक्री कर, आयकर, उत्पाद शुल्क, सेवा कर, सीमा शुल्क और उपकर को विवाद के कारण जमा नहीं किया है, वह निम्न प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	सांविधिक प्रावधान का नाम	देयताओं की प्रकृति	लंबित राशि	विरोध के अधीन की गई राशि	फोरम जहां विवाद लंबित है
1	केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम, विभिन्न राज्यों के मूल्य वर्धित कर और बिक्री कर अधिनियम	बिक्री कर, वैट	14.17	6.99	आकलन अधिकरी
			277.36	55.73	उपायुक्त / संयुक्त आयुक्त / आयुक्त (अपील)
			306.96	125.89	अपीलीय अधिकरण
			69.10	7.80	उच्च न्यायालय
			4.84	4.84	सर्वोच्च न्यायालय
			284.18	3.98	विभिन्न अपीलीय प्राधिकारी
2	केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	43.79	–	आकलन अधिकरी
			32.51	–	आयुक्त (अपील)
			57.43	4.39	अपीलीय अधिकरण
			27.49	–	उच्च न्यायालय
			0.55	0.55	सर्वोच्च न्यायालय

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	सांविधिक प्रावधान का नाम	देयताओं की प्रकृति	लंबित राशि	विरोध के अधीन की गई राशि	फोरम जहां विवाद लंबित है
3	वित्त अधिनियम, 1994 के अधीन	सेवा कर	8.00	0.21	आयुक्त (अपील)
			681.61	16.36	अपीलीय अधिकरण
			6.43	–	विभिन्न अपीलीय प्राधिकारी
4	सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	5.80	5.80	उच्च न्यायालय

viii) हमारे द्वारा कंपनी के रिकार्ड की जांच और हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी द्वारा वित्तीय संस्थानों, बैंकों से लिए गए ऋण या लोन की अदायगी में चूक नहीं हुई है। कंपनी ने कोई डिबेंचर जारी नहीं किया है।

ix) हमारे द्वारा कंपनी के रिकार्ड की जांच और हमें दी गई वर्ष के दौरान कोई धनराशि आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या भावी सार्वजनिक प्रस्ताव शामिल या सावधि ऋण के माध्यम से कोई धन प्राप्त नहीं किया है।

x) कंपनी के रिकार्ड और बहियों के बारे में हमारी जांच के दौरान, भारत मे आम तौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षा पद्धति के अनुसार, कंपनी द्वारा कोई भी धोखाधड़ी या उसके अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा कंपनी पर कोई भी धोखाधड़ी नहीं पाई या बताई गई है।

xi) एक सरकारी कंपनी होने के नाते कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 197 प्रबंधकीय पारिश्रमिक के संबंध में अधिसूचना सं जीएसआर 463 (ई) दिनांक 05.06.2015 के मद्देनजर कंपनी पर लागू नहीं है।

xii) निधि कंपनी नहीं होने के कारण, कंपनी पर निधि कंपनी से संबंधित खंड सं 3 (xii) के प्रावधान लागू नहीं हैं।

xiii) हमे दिए गए स्पष्टीकरण और जानकारी और हमारे द्वारा कंपनी के रिकार्ड की जांच के अनुसार, संबंधित पक्ष का लेन–देन कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 177 और 188 के अनुसार है और इसका वित्तीय विवरण में उल्लेख किया गया है।

xiv) हमारी जांच और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के आधार पर, वर्ष के दौरान आंशिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर या पूरी तरह या शेयरों के प्राइवेट प्लेसमेंट या अधिमान्य आवंटन से संबंधित खंड सं (xiv) के प्रावधान वर्ष के दौरान प्राइवेट प्लेसमेंट ने जगह ली या अधिमान्य आवंटन किसी रूप में कंपनी पर लागू नहीं है।

xv) हमारी जांच और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के आधार पर, कंपनी के निदेशकों या उसके साथ जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई भी गैर–नकदी लेन–देन नहीं किया है।

xvi) हमारी जांच और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के आधार पर, कंपनी का भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 के अनुभाग 45–आई ए के अंतर्गत पंजीकृत होना आवश्यक नहीं है।

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टेड एकाउंटेंट
एफआरएन 002074N

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085
UDIN:21081085AAAAJL3015

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टेड एकाउंटेंट
एफआरएन 002870N

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747
UDIN:21085747AAAABA2627

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टेड एकाउंटेंट
एफआरएन 006228C

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739
UDIN:21411739AAAADH6304

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 जून, 2021

"अनुलग्नक–ख"

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के एकल वित्तीय विवरणों पर समसंख्यक दिनांक को स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (1) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट:

हमने समसंख्यक तिथि को समाप्त वर्ष के लिए एकल वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के साथ भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ("कंपनी") की 31 मार्च 2021 तक वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण लेखापरीक्षा पर गाइडेंस नोट में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित रिपोर्टिंग मानदंड पर आंतरिक नियंत्रण पर आधारित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने कि लिए जिम्मेदार है। इन उत्तरदायित्वों में शामिल हैं– पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का रखरखाव, जिसके अंतर्गत क्रमबद्धता सुनिश्चित करने के लिए जो कि अपने व्यापार का कुशल एवं प्रभावी ढंग से संचालन किया जा रहा था, जिसमें सम्मिलित हैं– कंपनी की नीतियों का पालन, अपनी संपत्ति की सुरक्षा, रोकथाम और धोखाधड़ी और त्रुटियां, सटीकता और लेखा अभिलेखों की पूर्णता का पता लगाना और कंपनी अधिनियम 2013, के अंतर्गत अपेक्षानुसार विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी करना।

लेखापरीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर राय व्यक्त करने का है। हम अपना लेखा परीक्षण लेखापरीक्षा मानकों और वित्तीय रिपोर्टिंग (गाइडेंस नोट) पर लेखा परीक्षण के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर गाइडेंस नोट के अनुसार संचालित करते हैं, जो इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आफ इंडिया द्वारा जारी और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण के लिए लागू, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण की सीमा लागू करने के लिए कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत निर्धारित समझी गईं हों और आईसीएआई द्वारा जारी की गईं हों। उन मानकों और गाइडेंस नोट की अपेक्षा है कि हम नैतिक अपेक्षाओं की पूर्ति करें और लेखापरीक्षा की योजना इस बात को ध्यान में रखकर बनाएं तथा लेखापरीक्षा करें, उचित आश्वासन प्राप्त करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और व्यवस्थित किया गया था और सभी भौतिक पहलुओं में इस तरह का प्रभावी ढंग से नियंत्रण संचालित है।

हमारी आंतरिक वित्तीय लेखापरीक्षा वित्तीय रिपोर्टिंग को नियंत्रित करती है, जिसमें वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समझ प्राप्त करना शामिल है, जिसमें सामग्री दोष के जोखिम का निर्धारण करना और निर्धारित जोखिम के आधार पर डिजाइन का परीक्षण और मूल्यांकन तथा आंतरिक नियंत्रण का प्रभावी प्रचालन शामिल है। चुनी हुई प्रतिक्रियाएं लेखा परीक्षक के फैसले पर निर्भर करती हैं जिनमें वित्तीय विवरण को गलत दर्शाए जाने के जोखिम का निर्धारण भी शामिल है, चाहे कारण धोखाधड़ी या त्रुटि हो।

हम मानते हैं कि जो लेखा परीक्षण साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं और अन्य मामले पैराग्राफ में नीचे दी गई अन्य लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के संदर्भ में उनके द्वारा प्राप्त किया गया लेखापरीक्षा साक्ष्य वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखा परीक्षण राय के लिए एक आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर वित्तीय रिपोर्टिंग का अर्थ

किसी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक डिजाइन की गई प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करती है और आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी करती है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर एक कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण वह प्रक्रिया है, जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में पर्याप्त आश्वासन प्रदान करने और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार बाह्य प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए डिजाइन की गई है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल है, जो (1) ऐसे रिकार्ड के रखरखाव से संबंधित हैं, जिसमें कंपनी की सम्पत्तियों का विवरण पर्याप्त, सही और उचित रूप में दर्शाया गया है। (2) उचित आश्वासन देते हैं कि लेन–देन आम तौर पर स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी की अनुमति के लिए दर्ज हो रहे हैं और प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और कंपनी के निदेशकों द्वारा प्राधिकृत किए जाने के अनुसार किया जा रहा है और (3) कंपनी की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या निपटान का समय पर पता लगाने या रोकथाम के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करें जो वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाएं

चूंकि वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की सीमाएं निहित हैं, जिनमें मिलीभगत या अनुचित प्रबंधन और नियंत्रण का ओवरराइड भी शामिल है। इसलिए त्रुटि या जालसाजी के कारण गलत विवरण होने तथा उनका पता न लग पाने की आशंका है। इसके अलावा, भविष्य के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के किसी भी मूल्यांकन का

अनुमान रहे। इस जोखिम के अधीन है कि स्थितियों में बदलाव के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों के अनुपालन की डिग्री या प्रक्रियाएं खराब हो सकती हैं।

राय

हमारी राय में, कंपनी में सभी प्रत्यक्ष मामलों में 31 मार्च 2020 को वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली और वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रभावी ढंग से काम कर रही है, जो इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकांउटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी की गई आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करके कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण मानदंड पर आधारित है।

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन 002074N

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085
UDIN:21081085AAAAJL3015

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन 002870N

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747
UDIN:21085747AAAABA2627

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन 006228C

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739
UDIN:21411739AAAADH6304

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 जून, 2021

"अनुलग्नक – ग" स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (एकल) के वर्ष 2020–21 के वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा (ऑडिट) के दौरान सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा जांच किए जाने वाले क्षेत्रों के बारे में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी किए गए निर्देश

क्र. सं.	जांच किए गए क्षेत्र	सुझाए गए उत्तर
1	क्या कंपनी में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए सिस्टम है। यदि हाँ, तो आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण का वित्तीय लेनदेन सहित खातों की यथार्थता पर प्रभाव, यदि कोई हो तो बताएं।	हां, कंपनी के पास सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए सिस्टम है।
2	क्या कंपनी द्वारा कर्ज चुकाने में अक्षमता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा वर्तमान ऋण का कोई रि–स्ट्रक्चरिंग किया गया है या देनदारी, ऋण, ब्याज आदि को बट्टा खाता में लिखा है / छूट के प्रकरण हैं? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभावों का उल्लेख करें।	हमें दी गई सूचनाओं और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की हमारी जांच के आधार पर, कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण ऋणदाता द्वारा ऋण की कोई रि–स्ट्रक्चरिंग / वेवर / राइट ऑफ नहीं किया गया है / ब्याज नहीं लगाया गया है।
3	क्या किसी केंद्रीय / राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त निधि का नियम और शर्तों के अनुसार सही तरीके से उपयोग किया गया है? जिन मामलों में भिन्नता हो उनका उल्लेख करें।	केंद्रीय / राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त की गई निधि को उसके नियम और शर्तों के अनुसार उचित रूप से उपयोग किया गया है।

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन 002074N

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085
UDIN:21081085AAAAJL3015

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन 002870N

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747
UDIN:21085747AAAABA2627

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन 006228C

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739
UDIN:21411739AAAADH6304

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 जून, 2021

DGA(E)/Rep/01-61/A/cs-BHEL/2021-22/Vol-II/294

गोपनीय

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय महा निदेशक लेखापरीक्षा (ऊर्जा)
नई दिल्ली
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Director General of Audit (Energy)
New Delhi

सत्यमेव जयते

Dated: 12/8/2021

सेवा में,

अध्यक्ष एवं प्रबंध-निदेशक,
भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

महोदय,

विषय:-31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड , नई दिल्ली के लेखाओं पर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

मैं, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड , नई दिल्ली के 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लेखाओं पर कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ अग्रेषित कर रहा हूँ।

कृपया इस पत्र की संलग्नकों सहित प्राप्ति की पावती भेजी जाए।

भवदीय,

संलग्नक:- यथोपरि।

डी.के. शेखर

(डी. के. शेखर)
महानिदेशक

पाँचवा, छठा, सातवाँ, एवं दसवां तल, सी.ए.जी बिल्डिंग, एनैक्सी, 10, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली- 110002
5th, 6th, 7th & 10th Floor, C.A.G Building Annexe, 10 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi- 110002
Tel. : 011-23239213, 23239235 Fax : 011-23239211, Email : pdaenergydl@cag.gov.in

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF BHARAT HEAVY ELECTRICALS LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2021

The preparation of financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2021 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139 (5) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 11 June 2021.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2021 under section 143(6)(a) of the Act. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

(D.K. Sekar)
Director General of Audit (Energy),
Delhi

Place: New Delhi
Dated: 12 August 2021

वित्तीय विवरण

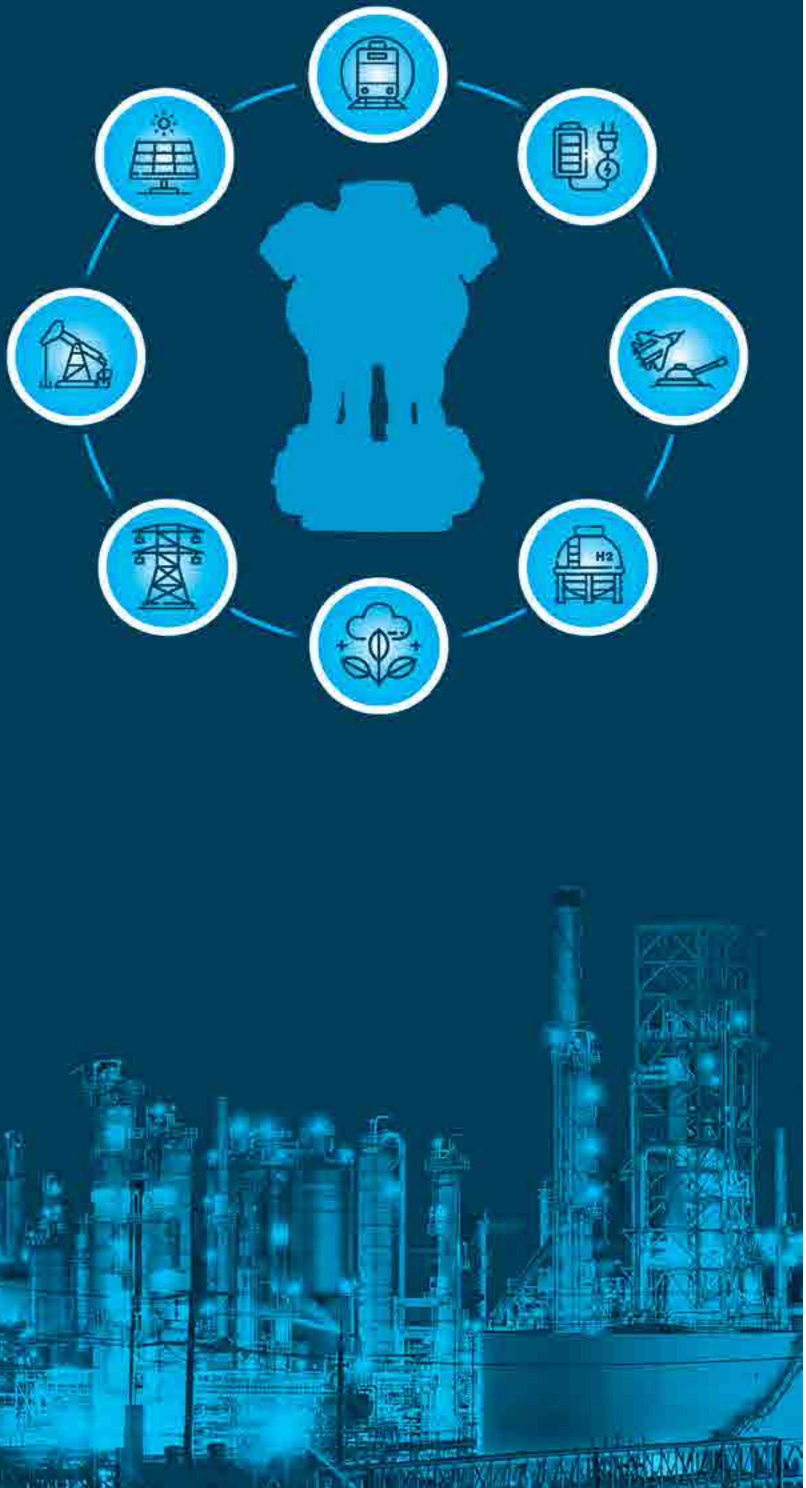

एकल वित्तीय विवरण 166

एकल तुलन पत्र (बैलेंस शीट) 31 मार्च, 2021 को

(₹ करोड़ों में)

विवरण	नोट	पेज	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
अ. परिसंपत्तियां						
1. गैर चालू परिसंपत्तियां						
(क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	3a	178		2426.16		2735.47
(ख) पूंजीगत चालू कार्य	3b	178		403.21		306.74
(ग) अमूर्त परिसंपत्तियां	4a	178		62.16		78.61
(घ) विकासशील अमूर्त परिसंपत्तियां	4b	178		16.35		7.26
(ङ) वित्तीय परिसंपत्तियां						
(i) निवेश	5	182	670.00		669.51	
(ii) व्यापार प्राप्य	6	184	3179.74		4533.50	
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	7	184	97.39	3947.13	83.17	5286.18
(च) आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध देनदारियां)	8	185		3659.77		2756.21
(छ) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियां	9	186		16852.44		16361.66
कुल गैर चालू परिसंपत्तियां				27367.22		27532.13
2. चालू परिसंपत्तियां						
(क) माल सूची	10	187		7191.23		8905.46
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियां						
(i) व्यापार प्राप्य	11	188	4033.63		7107.62	
(ii) नगद एवं नगद समकक्ष	12	188	1527.18		1402.86	
(iii) नगद एवं नगद समकक्ष के अतिरिक्त अन्य बैंक बैलेंस	13	188	5174.25		5015.70	
(iv) ऋण	14	189	-		-	
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	15	189	228.18	10963.24	258.84	13785.02
(ग) चालू कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	16	189		403.59		229.02
(घ) अन्य चालू परिसंपत्तियां	17	190		9775.96		9784.03
कुल चालू परिसंपत्तियां				28334.02		32703.53
कुल परिसंपत्तियां				55701.24		60235.66
ब. इक्विटी एवं देयता:						
3. इक्विटी						
(क) इक्विटी शेयर पूंजी	18	191		696.41		696.41
(ख) अन्य इक्विटी	18a	192		25787.64		28484.80
कुल इक्विटी				26484.05		29181.21

एकल तुलन पत्र (बैलेंस शीट) 31 मार्च, 2021 को

(₹ करोड़ों में)

विवरण	नोट	पेज	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
4. देयताएं						
4.1 गैर चालू देयताए						
(क) वित्तीय देयताएं						
(i) पट्टा देयताएं	**19**	**192**	**53.41**		75.37	
(ii) व्यापार देय	**20**	**193**				
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया राशि			**157.92**		72.91	
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य का कुल बकाया राशि			**1723.16**		1003.32	
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	**21**	**193**	**216.72**	**2151.21**	159.02	1310.62
(ख) प्रावधान	**22**	**193**		**3912.78**		4212.13
(ग) अन्य गैर चालू देयताएं	**23**	**194**		**2831.54**		2952.65
कुल गैर चालू देयताएं				**8895.53**		8475.40
4.2 चालू देयताएं						
(क) वित्तीय देयताएं						
(i) उधार	**24**	**194**	**4833.78**		4933.39	
(ia) पट्टा देयताएं	**19**	**192**	**48.20**		56.67	
(ii) व्यापार देय	**25**	**195**				
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया राशि			**662.94**		611.12	
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य का कुल बकाया राशि			**6014.80**		8212.50	
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	**26**	**196**	**917.65**	**12477.37**	1426.05	15239.73
(ख) प्रावधान	**27**	**196**		**3164.25**		3081.78
(ग) अन्य चालू देयताएं	**28**	**196**		**4680.04**		4257.54
कुल चालू देयताएं				**20321.66**		22579.05
कुल देयताएं				**29217.19**		31054.45
कुल इक्विटी एवं देयता				**55701.24**		60235.66
तैयारी का आधार, मापन एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	**2**	**174**				
साथ में दिए गए नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं	**41-60**	**204**				

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव
सद.संख्या 14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
डीआईएनः 08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 01176857

समान तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002870N

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन – 006228C

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 जून, 2021

एकल लाभ–हानि विवरण

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	नोट	पेज	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
आय						
परिचालनों से राजस्व	**29**	**197**		**17308.44**		21459.19
अन्य आय	**30**	**197**		**369.84**		580.58
कुल आय				**17678.28**		22039.77
व्यय						
सामग्री खपत, इरेक्सन एवं इंजीनियरिंग व्यय	**31**	**198**		**11359.77**		15079.94
तैयार माल, प्रगतिशील कार्य एवं स्क्रेप की माल सूची में परिवर्तन	**32**	**198**		**510.86**		(1042.40)
कर्मचारी लाभ व्यय	**33**	**198**		**5372.26**		5426.64
अन्य व्यय	**34**	**199**		**1799.22**		2429.34
विनिमय दर (शुद्ध (लाभ)/ हानि)				**(65.83)**		(434.73)
प्रावधान	**35**	**201**		**1467.46**		233.28
वित्तीय लागत	**36**	**202**		**373.09**		506.95
मूल्यह्रास एवं परिशोधन खर्च	**3.1/4.1**	**179/181**		**473.05**		502.86
कुल व्यय				**21289.88**		22701.88
कर पूर्व लाभ				**(3611.60)**		(662.11)
कर व्यय	**37**	**202**				
क) चालू कर			**15.82**		1.52	
ख) आस्थगित कर			**(910.28)**	**(894.46)**	809.34	810.86
वर्ष के लिए लाभ (क)				**(2717.14)**		(1472.97)

एकल लाभ हानि विवरण

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	नोट	पेज	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अन्य व्यापक आय	**38**	**202**		
वे आइटम जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा (शुद्ध कर)				
–निर्धारित कर्मचारी लाभों का पुनर्मापन			**19.98**	(273.88)
अन्य व्यापक आय वर्ष के लिए (ख)			**19.98**	(273.88)
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (क+ख)			**(2697.16)**	(1746.85)
प्रति इक्विटी शेयर आय	**39**	**203**		
(1) मूल [प्रत्येक 2 रुपये का अंकित मूल्य]			**(7.80)**	(4.23)
(2) मिश्रित [प्रत्येक 2 रुपये का अंकित मूल्य]			**(7.80)**	(4.23)
तैयारी का आधार, मापन एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	**2**	**174**		
साथ में दिए गए नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं	**41-60**	**204**		

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव
सद.संख्या 14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 01176857

समान तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002870N

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 006228C

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 11 जून, 2021

इक्विटी में परिवर्तन का एकल विवरण

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

अ. इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ों में)

जारी किए गए, सब्स्क्राइब किये गए और पूर्णतः प्रदत्त इक्विटी शेयर प्रत्येक 2रू के	शेयरों की संख्या		राशि	
	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20
अवधि की शुरूआत में शेष	**3482063355**	**3482063355**	**696.41**	**696.41**
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	-	-	-	-
अवधि के अंत में शेष	**3482063355**	**3482063355**	**696.41**	**696.41**

ब. अन्य इक्विटी

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	राजस्व एवं अधिशेष				अन्य व्यापक आय की अन्य मदें	कुल अन्य इक्विटी
	आरक्षित पूंजी	पूंजी मोचन कोष	सामान्य कोष	प्रतिधारित आय		
01 अप्रैल 2020 को शेष राशि	**35.18**	**37.87**	**30476.66**	**(1649.80)**	**(415.11)**	**28484.80**
जोड़ें: वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	(2717.14)	19.98	(2697.16)
31 मार्च, 2021 को शेष राशि	**35.18**	**37.87**	**30476.66**	**(4366.94)**	**(395.13)**	**25787.64**

इक्विटी में परिवर्तन का एकल विवरण

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	राजस्व एवं अधिशेष				अन्य व्यापक आय की अन्य मदें	कुल अन्य इक्विटी
	आरक्षित पूंजी	पूंजी मोचन कोष	सामान्य कोष	प्रतिधारित आय		
01, अप्रैल 2019 को शेष राशि	**35.18**	**37.87**	**30476.66**	**294.97**	**(141.23)**	**30703.45**
जोड़ें: लेखांकन प्रणाली में परिवर्तन (इंड एएस 115)				31.94		31.94
01, अप्रैल 2019 को पुनर्वर्णित शेष	**35.18**	**37.87**	**30476.66**	**326.91**	**(141.23)**	**30735.39**
जोड़ें: वर्ष के लिए कुल व्यापक आय				(1472.97)	(273.88)	(1746.85)
घटाएँ: वित्त वर्ष 2018–19 के लिए अंतिम लाभांश [नोट 40]				417.85		417.85
घटाएँ: लाभांश वितरण कर [नोट 40]				85.89		85.89
31 मार्च, 2020 को शेष	**35.18**	**37.87**	**30476.66**	**(1649.80)**	**(415.11)**	**28484.80**

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव
सद.संख्या 14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 01176857

समान तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002870N

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन – 006228C

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 11 जून, 2021

नगदी प्रवाह एकल विवरण

31, मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	को समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2021	को समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2020
अ. परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह		
कर पूर्व लाभ	**(3611.60)**	(662.11)
समायोजन के लिए		
प्रावधान एवं राइट ऑफ	**1241.08**	244.43
मूल्य ह्रास एवं परिशोधन	**473.05**	502.86
वित्तीय लागत (ब्याज की छूट सहित)	**373.09**	506.95
ब्याज एवं लाभांश आय	**(342.28)**	(525.48)
अन्य	**(3.79)**	(16.15)
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व परिचालनों से प्राप्त नकद	**(1870.45)**	50.50
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन के लिए समायोजन		
व्यापारिक प्राप्तियां	**3984.43**	3370.09
अनुबंध संपत्तियां	**(1281.38)**	(1618.53)
मालसूची	**1537.16**	(1095.10)
ऋण अग्रिम एवं अन्य संपत्तियां	**(211.16)**	392.45
उप कुल	**4029.05**	1048.91
व्यापारिक देयताएं	**(1341.03)**	(2178.24)
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम, जमा एवं अन्य	**(90.17)**	(1843.56)
प्रावधान	**24.71**	352.62
उप कुल	**(1406.49)**	(3669.18)
शुद्ध नकदी (उपयोग की गई) / कार्यशील पूंजी से	**2622.56**	(2620.27)
परिचालन से उत्पन्न नकदी	**752.11**	(2569.77)
आय कर भुगतान	**(190.39)**	(321.94)
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह	**561.72**	(2891.71)
ख. निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
बैंक जमा का प्रतिदान / परिपक्वता (मूल परिपक्वता 3 माह से अधिक की होने पर)	**(160.00)**	1700.00
प्राप्त ब्याज	**343.11**	538.74
संयुक्त उद्यमों से प्राप्ति	**-**	0.27
म्युचुअल फंड्स से प्राप्त आय	**1.42**	6.43
संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	**21.42**	16.30
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की बिक्री	**1.88**	9.30
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की खरीद	**(250.38)**	(394.02)
शुद्ध नकदी (उपयोग की गई) / निवेश गतिविधियों से	**(42.55)**	1877.02

नगदी प्रवाह एकल विवरण

31, मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	को समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2021	को समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2020
ग. वित्त पोषण गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
अल्पावधि ऋण से आय	**(99.61)**	2501.65
पट्टे की बाध्यता (मूलधन) की कार्यवाही (चुकौती)	**(60.30)**	(65.46)
पट्टा दायित्व (ब्याज) की कार्यवाही / (चुकौती)	**(12.95)**	(17.32)
इक्विटी शेयरों की वापसी (प्रीमियम एवं व्यय सहित)	**(0.68)**	(504.56)
लाभांश भुगतान (लाभांश वितरण कर सहित)	**(221.31)**	(292.36)
ब्याज भुगतान	**(394.85)**	1621.95
घ. नकदी व नकदी समकक्षों में शुद्ध वृद्धि/ (ह्रास)	**124.32**	607.26
नकदी व नकदी समकक्ष का प्रारंभिक शेष	**1402.86**	795.60
नकदी व नकदी समकक्षों का अंतिम शेष [नोट 12 देखे]	**1527.18**	1402.86

(1) इंड एएस–7: नकदी प्रवाह विवरण में वर्णित अप्रत्यक्ष विधि के तहत नकदी प्रवाह का विवरण तैयार किया गया है

(2) पिछले वर्ष के आंकड़े जहां कहीं भी लागू किए गए हैं, उन्हें फिर से एकत्र/पुनर्गठित किया गया है।

(3) नकद एवं नकद समकक्षों में 31 मार्च को 2021 को शून्य (पिछले वर्ष रु. 0.54 करोड़) विनिमय दर हानि शामिल नहीं है

(4) वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न देयताओं में परिवर्तन नोट [24 (vii)] एवं नोट [45 इ] में दिया गया है।

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

(राजीव कालड़ा)	**(सुबोध गुप्ता)**	**(डॉ. नलिन सिंघल)**
कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सद.संख्या 14567	डीआईएन: 08113460	डीआईएन: 01176857

समान तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी	**कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स**	**कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी**
चार्टड एकाउंटेंट	चार्टड एकाउंटेंट	चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N	एफआरएन – 002870N	एफआरएन – 006228C
(सीए गोपाल कृष्ण)	**(सीए संदीप सेंडिल)**	**(सीए प्रियंका जाजू)**
भागीदार	भागीदार	भागीदार
सद.संख्या 081085	सद.संख्या 085747	सद.संख्या 411739

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 11 जून, 2021

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के एकल वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ

टिप्पणी [1]: कंपनी के बारे में सूचना

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ("बीएचईएल" या "कंपनी") भारत में स्थित एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली –110049 में है।

यह निगमित विद्युत संयंत्र उपस्कर निर्माता कंपनी है जो अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे विद्युत, पारेषण, उद्योग, परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस और रक्षा हेतु व्यापक श्रेणी के उत्पादों एवं सेवाओं के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग एवं सर्विसिंग का कार्य कर रही है।

इस कंपनी की बीएचईएल–इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड के नाम से एक सहायक कंपनी है और बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड, एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पावर प्लांट परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट लिमिटेड और दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड इसकी संयुक्त उद्यम कंपनियां हैं।

नोट [2] तैयारी, माप और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का आधार

समेकित वित्तीय विवरण

1. वित्तीय विवरण तैयार करने का आधारः

क) अनुपालन का विवरण

वित्तीय विवरण कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 और उसके बाद के संशोधनों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 में और उसके संशोधनों के अनुसार वित्तीय विवरण के लिए लागू अतिरिक्त अपेक्षाओं के अधीन कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों (इंड–एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।

ख) माप का आधार

वित्तीय विवरण सुनाम– प्रतिष्ठान (going concern) आधार पर और संग्रहण (Accrual) लेखांकन प्रणाली के आधार पर तैयार किया गया है। जब तक पॉलिसी में अन्यथा उल्लेखित न हो वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए ऐतिहासिक लागत का उपयोग किया जाता है।

ग) कार्यात्मक (Functional) और प्रस्तुति (Presentation) मुद्राः

वित्तीय विवरण भारतीय रुपयों में तैयार किए जाते हैं, जो कंपनी की फंक्शनल करेंसी (कार्यकारी मुद्रा) है।

घ) लागत अनुमान और निर्धारण का उपयोग

इंड एएस के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंधन को मूल्यांकन करने और अनुमान लगाने की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों और परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की गई राशि को प्रभावित करते हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से अलग हो सकते हैं। अनुमानों की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। तदनुसार, लेखांकन अनुमानों में पूर्व प्रभाव से पुनरीक्षण किया जाता है।

लेखांकन नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण अनुमान और मूल्यांकन

वित्तीय विवरणों में उल्लिखित राशियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाली लेखांकन नीतियों को लागू करने में किए गए अनुमान और मूल्यांकन इस प्रकार हैं:

i.) राजस्व

कंपनी निर्माण ठेकों/अनुबंधों के लिए राजस्व लेखांकन में अपनाए गए लागत दृष्टिकोण के आधार पर इनपुट पद्धति का उपयोग करती है। इनपुट पद्धति के उपयोग के लिए कंपनी को अपने निष्पादन दायित्व की संतुष्टि के लिए कुल अपेक्षित लागत के सापेक्ष लागत का अनुमान लगाना अपेक्षित होता है। अनुबंध की अवधि के दौरान अनुमानों का लगातार मूल्यांकन किया जाता है और कंपनी निर्धारित समयांतराल में प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अपने निष्पादन दायित्वों की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में अपनी प्रगति का पुनः आकलन करती है।

कंपनी रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद परिस्थितियों और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान परिस्थितियों में बदलाव का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में अपने अनुमानित लेनदेन मूल्य को अपडेट करती है।

ii) संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर

आवधिक मूल्यह्रास के संबंध में प्रभार का आकलन संपत्ति की अपेक्षित उपयोगी अवधि एवं इसकी समाप्ति के बाद अपेक्षित अवशिष्ट मूल्य का अनुमान करने के बाद किया जाता है। कंपनी की परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास विधि, उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्यों का अनुमान प्रबंधन द्वारा परिसंपत्ति के अधिग्रहण के समय लगाया जाता है एवं इसकी समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान की जाती है।

iii) कर्मचारी लाभ योजनाएं

कर्मचारी परिभाषित लाभ योजनाएं और दीर्घकालिक लाभ योजनाएं बीमांकिक मान्यताओं के आधार पर मापी जाती हैं। हालाँकि, इन मान्यताओं में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का प्रभाव बताए गए दायित्वों और व्यय पर पड़ सकता है।

iv) प्रावधान और आकस्मिकताएँ

प्रावधानों और आकस्मिकताओं की पहचान हेतु सम्पन्न आकलन वर्तमान उपलब्ध सूचना के आधार पर प्रबंधन के सर्वोत्तम निर्धारण के अनुसार किए गए हैं।

2. संपत्ति संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों का अनुमान संचित मूल्यह्रास और संचित इम्पेयरमेंट हानि के नुकसान, यदि कोई हो तो, पर किया जाता है। कंपनी, अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में निर्धारित उपयोगी लाभप्रदता काल–खंड के अनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (अनुबंध के तहत विदेश में उपयोग किए गए अन्य के अलावा) पर मूल्यह्रास निम्नलिखित मदों में, जहां उपयोगी लाभप्रदता कालखंड आधारित है, को छोड़कर तकनीकी रूप से अनुमानित उपयोगी जीवन का आकलन करने परः–.

संपत्ति श्रेणी	(वर्ष)
निर्माण उपस्कर, कैपिटल टूल्स एवं टैकल	5
जल निकासी, सीवरेज और जल आपूर्ति	30
सर्वर और नेटवर्क	5
सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र	25

मूल्यह्रास विधियां, उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्यों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, को संभावित रूप से हिसाब में लिया जाता है। जब तक कंपनी पट्टा अवधि के अंत तक स्वामित्व प्राप्त नहीं कर लेगी, तब तक उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियां पट्टा अवधि के छोटे और उनके उपयोगी लाभप्रदता वाले समयांतराल से अधिक हो जाती हैं। फ्री होल्ड जमीन का मूल्यह्रास नहीं होता है।

प्रॉपर्टी प्लांट और उपकरण जिनकी लागत रु 10,000 /– या उससे कम है और जिनका वर्ष की शुरुआत में लिखित मूल्य 10,000 /– रुपए या

उससे कम है, का पूरी तरह से मूल्यह्रास होता है।

निर्माण / परियोजना स्थलों परः सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत अनुबंध के कार्यकाल पर पूरी तरह से परिशोधित होती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंग, विद्युत प्रतिष्ठान और अन्य समान सक्षम कार्यों (अस्थायी संरचनाओं के अलावा) के कार्यकाल में मूल्यह्रास किया जाता है। अवशिष्ट मूल्य को बनाए रखने के बाद अनुबंध, यदि कोई हो।

भारत के बाहर लंबी अवधि के अनुबंधों के लिए उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास अनुबंध की प्रारंभिक अवधि में होता है।

निर्माण के वर्ष में अस्थायी संरचनाएं पूरी तरह से ह्रासमान हैं।

अलग–अलग उपयोगी जीवन के साथ महत्वपूर्ण घटकों को अलग से हिसाब में लेकर मूल्यह्रास किया जाता है।

3. पट्टे

व्यवस्था के आरंभ में ही कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उक्त व्यवस्था पट्टा है अथवा इसमें पट्टा शामिल है।

प्रारंभिक मान्यता के बाद पट्टा/पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को लागत पर परिसंपत्ति के राइट–ऑफ़–यूज़ के तहत पूंजीकृत किया जाता है, जिसमें वर्तमान मूल्य पर पट्टा देयता का प्रारंभिक निर्धारण, प्रोत्साहन के बिना प्रारंभिक पट्टा भुगतान, निहित परिसंपत्ति को नष्ट किए जाने और हटाने की प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत शामिल हैं।

पट्टों के तहत किए गए पट्टा भुगतान वित्त व्यय और बकाया पट्टा देयता में की गई कमी के मध्य सेट/स्थिर किया जाता है। पट्टा अवधि के दौरान प्रत्येक अवधि के लिए वित्त व्यय आवंटित किया जाता है ताकि दायित्व/देयता के अधिशेष पर लगातार आवधिक दर का उत्पादन किया जा सके। वित्त पट्टे पर दी गई संपत्ति के लिए, कंपनी प्रभावी ब्याज दर पद्धति का उपयोग करके पट्टा अवधि में वित्तीय आय को मान्यता देती है। आरंभिक प्रत्यक्ष लागतें वित्त पट्टा प्राप्य के प्रारंभिक निर्धारण में शामिल हैं और पट्टे की अवधि में मान्य आय को कम करती हैं। पट्टा परिचालन से होने वाली आय को स्ट्रेट लाइन पद्धति के आधार पर पट्टे की अवधि में आय के रूप में जाना जाता है, जहां पट्टे के किराये में आवधिक वृद्धि अपेक्षित सामान्य मुद्रास्फीति के अनुरूप है।

4. अमूर्त परिसंपत्ति

10000 / – से अधिक की कीमत वाली अमूर्त वस्तुओं का कम संचित परिशोधन और संचित हानि, यदि कोई हो, पर पूँजीकरण के लिए मूल्यांकन किया जाता है।

अमूर्त संपत्ति को, जो उपयोग के लिए उपलब्ध हैं, स्टेटमेंट ऑफ प्रॉफिट और लॉस में स्ट्रेट लाइन पद्धति में अनुमानित तारीख से उपयोगी लाभप्रदता काल हेतु संशोधित किया जाता है अमूर्त संपत्ति के लिए अनुमानित उपयोगी जीवन निम्नानुसार हैं:

सॉफ्टवेयर	3 साल
अन्य	10 साल

वर्ष की शुरुआत में 10000/– या उससे कम डब्ल्यूडीवी की अमूर्त संपत्ति का पूरी तरह से परिशोधन किया जाता है।

परिशोधन अवधि और परिशोधन के तरीकों की प्रत्येक वित्तीय वर्ष में समीक्षा की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, का लेखा–जोखा संभावित रूप से किया जाता है।

अनुसंधान गतिविधियों पर हुए व्यय को लाभ और हानि में व्यय के रूप में मान्यता प्राप्त है। विकास गतिविधियों पर व्यय तभी पूंजीकृत होता है जब व्यय को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है, उत्पाद या प्रक्रिया तकनीकी और व्यावसायिक रूप से संभव है, भविष्य के आर्थिक लाभ संभावित हैं और कंपनी के पास विकास कार्य कराने एवं संपत्ति के उपयोग अथवा विक्रय के पर्याप्त संसाधन हैं। खर्च की गई पूंजी में सामग्री की लागत, प्रत्यक्ष श्रम, ओवरहेड लागत शामिल हैं जो कि स्थिति के अनुसार इसके इच्छित उपयोग एवं उधार लेने की लागत के लिए संपत्ति तैयार करने के लिए सीधे जिम्मेदार हैं।

अनुसंधान और विकास हेतु अधिग्रहीत संपत्ति को पूंजीकृत किया जाता है।

5. उधार लागत

अर्हक संपत्तियों के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन से संबंधित प्रत्यक्ष उधार लागत को ऐसी परिसंपत्तियों की लागत में जोड़ा गया है।

जिस परिपरिसंपत्ति में उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से अधिक समय लगता है, जैसे कि बारह महीने से ज्यादा, उसे इस प्रयोजन के लिए अर्हक परिसंपत्ति माना जाता है।

अन्य सभी उधार लागतों को उस अवधि के लाभ – हानि के स्टेटमेंट में दर्शाया गया है, जिसमें वे खर्च हुए हैं।

6. सहायक कम्पनियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश

सहायक कम्पनियों एवं संयुक्त उद्यमों में निवेश की गणना ह्रास हानि (यदि कोई हो) को घटाकर लागत पर की जाती है।

यदि प्रबंधन का इरादा निकट भविष्य में निवेश का निपटान करना है, तो इसे बिक्री के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और इसकी धारित राशि और बिक्री के लिए उचित मूल्य कम लागत पर मापा जाता है।

7. सूची

इन्वेंटरी की कीमत लागत अथवा शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर निकाली जाती है। तैयार माल और कार्य–प्रगति के मूल्यांकन के संदर्भ में, लागत का मतलब कारखाना लागत है। कच्चे माल, घटकों, ढीले उपकरणों, दुकानों और पुर्जों की लागत के संदर्भ में लागत का अर्थ भारित औसत लागत है।

8. राजस्व मान्यता

जिन वस्तुओं या सेवाओं के लिए ग्राहकों से वादा किया गया है, उनके अंतरण को दर्शाने के लिए राजस्व को ऐसी राशि में दर्शाया गया है, जो उस प्रतिफल को दर्शाती है, जिसे वह संस्था उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले में प्राप्त करने के लिए पात्र होने की उम्मीद रखती है।

निर्माण और दीर्घकालिक सेवा अनुबंधों के संबंध में, कंपनी माल या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहक को स्थानांतरित करती है और कुछ समय के बाद राजस्व का निर्धारण करती है। राजस्व का निर्धारण लागत दृष्टिकोण पर आधारित इनपुट पद्धति से किया जाता है। समय के साथ संतुष्ट निष्पादन बाध्यता की पूर्ण संतुष्टि की प्रगति को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में फिर से मापा जाता है।

माल और सेवाओं की बिक्री से प्राप्त राजस्व का निर्धारण नियंत्रण को ग्राहक को हस्तांतरित करते समय और अनुबंध के तहत निष्पादन दायित्वों की संतुष्टि के आधार पर किया गया है।

अन्य आय

- लाभ और हानि विवरण /स्टेटमेंट में कंपनी को भुगतान प्राप्ति हेतु

निर्धारित तिथि को लाभांश से प्राप्त आय मान्य है।

- ब्याज आय, प्रभावी ब्याज दर पद्धति के उपयोग द्वारा मान्य है।
- निर्यात प्रोत्साहन / शुल्क कमियों, शुल्क वापसी और बीमा के लिए दावों का प्रोद्भवन आधार पर किया जाता है।

9. विदेशी मुद्रा अंतरण (विनिमय)/ लेन–देन

विदेशी मुद्राओं में लेन–देन को लेन–देन की तिथि को लागू विनिमय दर पर दर्ज किया गया है।

विदेशी मुद्रा वाली वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लागू विनिमय दरों पर कार्यात्मक मुद्रा में परिवर्तित किया जाता है। निपटान और अंतरण से होने वाले विदेशी मुद्रा लाभ अथवा हानि को लाभ एवं हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

ऐतिहासिक लागत पर मापी गई एवं विदेशी मुद्रा में दर्शायी गई गैर–मौद्रिक परिसंपत्तियों और गैर–मौद्रिक देनदारियों को, लेनदेन की तारीख को लागू विनिमय दर पर परिवर्तित (अदल–बदल) किया जाता है।

10. कर्मचारी लाभ

निर्धारित योगदान योजना

कंपनी द्वारा कर्मचारियों हेतु पेंशन एवं फेमिली पेंशन फंड में किया गया योगदान अंशदायी योजना के अंतर्गत आता है तथा कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवा–काल हेतु लाभ एवं हानि विवरणिका में इसे कर्मचारी लाभ व्यय के नाम से जाना जाता है।

निर्धारित लाभ योजनाएं

कंपनी की ग्रेच्युटी योजना, भविष्य निधि योजना, सेवानिवृत्ति पर यात्रा का दावा और सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा सुविधा योजना परिभाषित लाभ योजनाओं के अंतर्गत आती हैं।

इस परिभाषित लाभ योजना के संबंध में बैलेंस शीट में दर्शाई गई देयता रिपोर्टिंग अवधि के अंत में योजित संपत्तियों के उचित मूल्य के साथ वर्तमान लाभ देयता है। परिभाषित लाभ दायित्व प्रतिवर्ष अनुमानित क्रेडिट यूनिट का उपयोग करके स्वतंत्र एक्च्यूरीज द्वारा गणना की जाती है। परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य एक उपयुक्त सरकारी बॉन्ड दर का उपयोग करके अनुमानित भविष्य के नकदी बहिर्वाह को छूट देकर निर्धारित किया जाता है, जिसमें संबंधित दायित्व की शर्तों के लिए परिपक्वता की शर्तें होती हैं।

एक्चुअरी लाभ और हानि के साथ–साथ योजना परिसंपत्तियों पर वापसी और शुद्ध परिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज में शामिल राशियों के बीच अंतर को अन्य व्यापक आय (आयकर के शुद्ध) के रूप में दर्शाया गया है।

परिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित अन्य खर्चों को लाभ और हानि के विवरण में दर्शाया गया है।

दीर्घकालिक अवकाश देयता

कंपनी संचित क्षतिपूरित अनुपस्थिति की अनुमानित लागत का परिकलन रिपोर्टिंग अवधि के अंत में संचित अप्रयुक्त हकदारी के परिणामस्वरूप प्रदान की जाने के लिए अपेक्षित अतिरिक्त राशि के रूप में करती है। गैर–संचित क्षतिपूरित अनुपस्थिति पर व्यय को उस अवधि में दर्शाया गया है जिसमें अनुपस्थिति होती है। कंपनी अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर संचित शेष राशि के लिए एक देयता दर्ज करती है। दीर्घकालिक लाभ योजनाओं से संबंधित पुनर्मापन एवं अन्य व्यय को लाभ एवं हानि सबंधी विवरणिका में दर्शाया गया है।

11. प्रावधान

(i) कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हरजाने के दावों को, समान लेन–देन के अनुभव से उपलब्ध जानकारी के संदर्भ में प्रबंधन द्वारा संभावित परिणाम के आकलन के आधार पर वित्तीय विवरणों में दर्शाया जाता है।

(ii) निर्माण अनुबंधों के लिए, कंपनी राजस्व को मान्यता प्रदान करते ही इसके 2.5: की दर से उत्तरोत्तर वारंटी लागत प्रदान करती है और वारंटी अवधि के दौरान इसे बनाए रखती है। अन्य अनुबंधों के लिए, वर्ष के अंत में वारंटी के तहत अनुबंधों के संबंध में संविदागत देयताओं के लिए संविदा मूल्य के 2.5% का प्रावधान जारी रखा जाता है। एकल उत्पाद की आपूर्ति से संबंधित अनुबंधों के मामले में, प्रत्येक तैयार उत्पाद के मूल्य का 2.5% प्रदान किया जाता है।

(iii) जब यह संभावित हो कि कुल अनुबंध लागत कुल अनुबंध राजस्व से अधिक हो जाएगी, तो अनुमानित नुकसान का तुरंत पता लगाया जाता है।

(iv) यदि किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप अन्य प्रावधानों को मान्यता दी जाती है, तो कंपनी पर वर्तमान कानूनी या निर्माण संबंधी देयता होती है जिसका अनुमान विश्वसनीय रूप से लगाया जा सकता है, और यह संभव है कि देयता के निपटान के लिए आर्थिक लाभ को खर्च करने की जरूरत पड़े।

तथापि, जहां धन के कालिक मूल्य का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप में हो, वहां जहां भी लागू हो, प्रावधानों को भविष्य के अनुमानित नकदी प्रवाह को छोड़कर निर्धारित किया जाता है।

12. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तभी मान्यता दी जाती है जब आश्वासन मिलता है कि उनसे जुड़ी शर्तों का अनुपालन किया जाएगा, और अनुदान प्राप्त किया जाएगा। गैर मौद्रिक अनुदानों को परिसंपत्तियों के उचित मूल्य के रूप में देखा जाता है और इसे आस्थगित आय के रूप में माना जाता है। आस्थगित आय को संपत्ति के उपयोगी लाभप्रदता काल पर व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लाभ – हानि विवरण में दर्शाया जाता है। राजस्व से संबंधित सरकारी अनुदान को संबंधित लागतों के साथ मिलान हेतु आवश्यक अवधियों पर लाभ और हानि के विवरण में एक व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसकी वे क्षतिपूर्ति करना चाहते हैं।

13. आयकर

आयकर व्यय में वर्तमान कर और आस्थगित कर शामिल हैं। आयकर व्यय को लाभ और हानि के विवरण में दर्शाया जाता है, किंतु अन्य व्यापक आय या प्रत्यक्ष इक्विटी मदों से संबंधित आयकर को छोड़कर। वर्तमान कर वर्ष के लिए कर योग्य आय पर देय कर है, जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लागू कर दरों (कर कानूनों) का उपयोग करते हुए निर्धारित किया गया है और इसमें पिछले वर्षों के कर को भी समायोजित किया गया है।

आस्थगित कर बैलेंस शीट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित किया गया है, जो बैलेंस शीट में परिसंपत्ति या देयता की राशि और उसके कर आधार के बीच के अस्थायी अंतर के लिए प्रावधान किया गया है।

आस्थगित कर का परिकलन उन कर दरों पर किया जाता है, जिनका अस्थायी अंतर को रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक लागू विधियों के आधार पर प्राप्त किए जाने अथवा निपटाए जाने पर लागू होना अपेक्षित है।

आस्थगित कर परिसंपत्ति उतनी दर्शाई जाती है, जिससे कि भविष्य में इतना कर योग्य लाभ उपलब्ध हो कि उसके साथ अस्थायी अंतर को

समायोजित किया जा सके।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की दर्शाई गई राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में की जाती है और इस सीमा तक कम कर दी जाती है कि अब यह सम्भावना नहीं रह जाती है कि संबंधित कर लाभ की प्राप्ति हो पाएगी।

लाभांश के वितरण से उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त आयकर को उसी समय मान्यता दी जाती है जब संबंधित लाभांश का भुगतान करने की देयता को मान्यता दी जाती है।

14. परिसंपत्ति की हानि

वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

व्यापार और पट्टे की प्राप्य राशियों के संबंध में हानि भत्ते का परिकलन आजीवन अपेक्षित क्रेडिट लॉस के बराबर राशि के रूप में किया जाता है।

अन्य उन सभी वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में, जिन्हें इम्पेयर किया जाना आवश्यक है, यदि उस वित्तीय लिखत पर क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक मान्यता के बाद से काफी बढ़ गया है, तो हानि भत्ते का परिकलन आजीवन अपेक्षित क्रेडिट लॉस के बराबर राशि के रूप में किया जाता है। तथापि, यदि रिपोर्टिंग तिथि पर, वित्तीय उपकरण पर क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक मान्यता के बाद से बहुत अधिक नहीं बढ़ा है, तो हानि भत्ते को 12 महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानि के बराबर राशि पर मापा जाता है।

गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

नकदी पैदा करने वाली इकाइयों की मात्रा की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर की जाती है, जहां किसी भी तरह की हानि का संकेत होता है। लाभ और हानि का आकलन हुए नुकसान के आधार पर किया जाता है, जहां कैरींग राशि नकदी पैदा करने वाली इकाइयों की वसूली योग्य राशि से अधिक होती है। यदि संकेतों से पता चलता है कि हानि में कमी आई है अथवा अब हानि नहीं हो रही है, तो पूर्व कालावधि में नुकसान से हुई हानि का आकलन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को किया जाता है। यदि वसूली राशि को इंगित करते हुए लागत में परिवर्तन हो तो, इम्पेयरमेंट लॉस को बदला जा सकता है।

यदि कोई इम्पेयरमेंट लॉस होना नहीं पाया गया है तथा संपत्ति की वहन राशि निर्धारित राशि से अधिक नहीं है, जो मूल्यह्रास या परिशोधन का शुद्ध है तो इम्पेयरमेंट लॉस को बदला जा सकता है इम्पेयरमेंट लॉस को बदला जा सकता है।

15. सेगमेंट रिपोर्टिंग

खंडों के राजस्व और व्यय का निर्धारण खंड विशेष की परिचालन गतिविधियों के साथ उनके संबंध के आधार किया जाता है। जो राजस्व, व्यय, परिसंपत्तियां और देयताएं उचित आधार पर खंडों के लिए आवंटित नहीं की जा सकती हैं, उन्हें ष्अनावंटित राजस्व / व्यय / संपत्ति / देनदारियोंष के तहत शामिल किया गया है।

16. वित्तीय लिखत

i) नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय विलेख

नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय लिखतों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया गया है: –

– (क) परिशोधित लागत और (ख) लाभ एवं हानि ("एफवीटीपीएल") के माध्यम से उचित मूल्य पर निर्धारित वित्तीय परिसंपत्तियां।

– परिशोधित लागत पर निर्धारित वित्तीय देनदारियां

प्रारंभ में, सभी वित्तीय लिखतों को उनके उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है। यदि वित्तीय लिखतों को एफवीटीपीएल के माध्यम से निर्धारित नहीं किया जाता है, तो कैरींग राशि का निर्धारण करने में लेन–देन की लागत शामिल होती है। जब वित्तीय परिसंपत्तियों के स्वामित्व के पर्याप्त जोखिम और प्रतिफल न तो हस्तांतरित किए जाते हैं और न ही रोककर रखे जाते हैं तब वित्तीय परिसंपत्तियों को उसी स्थिति में डि–रेकोग्नाइज किया जाता है, जब कंपनी ने वित्तीय परिसंपत्तियों पर नियंत्रण नहीं रखा हो। जब संविदात्मक दायित्वों के निर्वहन या रद्द होने या समाप्त होने की स्थिति में वित्तीय देनदारियों को डि–रेकोग्नाइज किया जाता है।

बाद में नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय संपत्तियों का निर्धारण निम्न रूप में किया जाता है:

क. परिशोधित लागत

"परिशोधित लागत पर वित्तीय लिखत" का निर्धारण बाद में प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति से परिशोधित लागत पर किया जाता है। परिशोधित लागत का परिकलन उस छूट या अधिग्रहण पर प्रीमियम और शुल्क या लागत को ध्यान में रखकर किया जाता है, जो ईआईआर का अभिन्न अंग हैं। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि में दर्शाया जाता है। इम्पेयरमेन्ट से होने वाले नुकसान को लाभ – हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

ख. एफवीटीपीएल श्रेणी–

इस श्रेणी में वर्गीकृत वित्तीय लिखत बाद में लाभ – हानि विवरण में दर्ज परिवर्तनों सहित उचित मूल्य पर तैयार किए जाते हैं। प्रत्यक्ष लेनदेन लागत को लाभ – हानि विवरण में खर्च के रूप में दर्शाया जाता है।

नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय देनदारियों को बाद में निम्न रूप में दर्शाया जाता है:

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय देनदारियों को प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर निर्धारित किया जाता है।

ii) डेरिवेटिव वित्तीय लिखत

यदि प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला कोई एंबेडेड डेरिवेटिव हो उसे हॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट से अलग रखा जाता है और अलग से हिसाब में लिया जाता है। यदि हॉस्ट कॉन्ट्रेक्ट की आर्थिक विशेषताएं एवं जोखिम और एम्बेडेड डेरिवेटिव आपस में जुड़े ना हों तो उसी प्रकार का एक अलग लिखत एम्बेडेड डेरिवेटिव डेरिवेटिव को परिभाषित करेगा और संयुक्त लिखत को लाभ – हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर नहीं निर्धारित किया जाएगा।

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, डेरिवेटिव को उचित मूल्य पर निर्धारित और परिकलित किया जाता है। लेनदेन की अट्रीब्युटेबल लागत को लाभ और हानि में लागत के रूप में दर्शाया जाता है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद, डेरिवेटिव को लाभ–हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है।

17. नकद एवं नकद समतुल्य

नगद और नगद समतुल्य में बैंक में शेष और अपने पास उपलब्ध नकदी शामिल होती है। इसमें तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ सावधि जमा और अन्य अल्पकालिक मुद्रा बाजार जमा शामिल हैं जो आसानी से ज्ञात राशि में नकदी रूप में परिवर्तनीय हैं और मूल्य परिवर्तन के कम जोखिम के अधीन हैं।

नोट [3क] – गैर चालू परिसंपत्तियां
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

संपत्ति, संयत्र एवं उपकरण (पीपीई) पर लेखांकन नीति के लिए नोट 2 के बिंदु 2 को देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
सकल खंड	**6172.41**	6050.80
घटाएँ: संचित मूल्यह्रास	**3746.25**	3315.33
निवल ब्लॉक (विवरण के लिए नोट 3.1 देखें)	**2426.16**	2735.47

कंपनी ने इंड एएस 101 के तहत छूट का विकल्प चुना है, एवं तदनुसार इंड एएस ट्रांजिशन की दिनांक 31.03.2015 को प्राप्त मूल्य को मानित (डीम्ड) कीमत माना गया है

नोट [3ख] – गैर चालू परिसंपत्तियां
प्रगतिशील पूंजीकृत कार्य

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
संयत्र, मशीनरी एवं अन्य उपकरण:				
प्रगतिशील इरेक्शन / फेब्रिकेशन / प्रतीक्षारत इरेक्शन	**171.60**		166.34	
मार्ग में	**0.63**	**172.23**	0.54	166.88
प्रगतिशील निर्माण कार्य –सिविल		**228.77**		137.98
निर्माण भंडार – (मार्गस्थ सहित)		**2.21**		1.88
कुल		**403.21**		306.74

नोट [4क] –गैर चालू परिसंपत्तियां
अमूर्त परिसंपत्तियाँ

अमूर्त संपत्ति पर लेखांकन नीति के लिए नोट 2 का बिंदु 4 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
सकल खंड	**290.83**	280.48
घटाएँ: संचित ऋणमुक्ति	**228.67**	201.87
निवल ब्लॉक (विवरण के लिए देखें नोट 4.1)	**62.16**	78.61

कंपनी ने इंड एएस 101 के तहत छूट का विकल्प चुना है, एवं तदनुसार इंड एएस ट्रांजिशन की दिनांक 31.03.2015 को प्राप्त मूल्य को मानित (डीम्ड) कीमत माना गया है।

नोट [4ख] –गैर चालू परिसंपत्तियां
विकासशील अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
विकासशील अमूर्त परिसंपत्तियां	**16.35**	7.26
कुल	**16.35**	7.26

टिप्पणी [3-1] – परिसंपत्ति, प्लांट व उपस्कर का विवरण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	01.04.2020 को प्रारंभिक शेष	परिवर्धन/ समायोजन	कटौती/ समायोजन	31.03.2021 को अंतिम शेष	01.04.2020 पर संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास / परिशोधन	मूल्यह्रास समायोजन	31.03.2021 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2021 को निवल ब्लाक	31.03.2020 को निवल ब्लाक
भूमि – फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	27.71	-	-	**27.71**	-	-	-	**-**	**27.71**	27.71
भवन – फ्री होल्ड भवन	1668.18	39.73	(0.83)	**1707.08**	514.58	92.01	(0.04)	**606.56**	**1100.52**	1153.60
सड़कें, पुल एवं पुलिया	15.24	0.61	-	**15.85**	12.82	0.73	-	**13.56**	**2.30**	2.41
जल व मल निकासी एवं जल–आपूर्ति	28.66	2.52	-	**31.17**	5.96	1.09	-	**7.04**	**24.13**	22.70
प्लांट व मशीनरी	3060.41	37.10	(0.30)	**3097.21**	2063.72	202.52	(0.32)	**2265.93**	**831.28**	996.69
रेल्वे साइडिंग	8.85	-	-	**8.85**	4.20	0.67	-	**4.87**	**3.98**	4.65
लोकोमोटिव व वेगन	28.36	-	(0.03)	**28.33**	13.74	2.16	-	**15.90**	**12.43**	14.63
फर्नीचर व फिक्चर्स	61.18	2.06	(1.28)	**61.96**	34.64	6.27	(0.95)	**39.96**	**21.99**	26.54
वाहन	13.97	0.40	-	**14.37**	7.21	1.60	-	**8.81**	**5.56**	6.76
कार्यालय व अन्य उपस्कर	132.26	6.51	(0.40)	**138.37**	97.17	13.28	(0.13)	**110.32**	**28.05**	35.09
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	109.10	4.31	19.79	**133.20**	50.84	25.30	21.31	**97.46**	**35.74**	58.26
इलेक्ट्रिकल संस्थापनाएं	229.55	11.73	(0.08)	**241.20**	149.74	24.48	(0.06)	**174.16**	**67.04**	79.80
निर्माण उपस्कर	72.23	0.70	(1.80)	**71.12**	66.62	2.66	(1.80)	**67.47**	**3.65**	5.61
10,000/– तक की लागत वाली अचल संपत्तियां	18.38	3.34	(0.63)	**21.08**	18.37	3.34	(0.63)	**21.08**	**-**	-
सोलर पॉवर जेनरेशन	119.46	0.09	-	**119.54**	16.09	5.88	-	**21.97**	**97.58**	103.37
राइटऑफ यूज परिसंपत्तियां	457.27	30.84	(32.74)	**455.37**	259.62	64.26	(32.70)	**291.18**	**164.19**	197.65
कुल	**6050.80**	**139.94**	**(18.32)**	**6172.41**	**3315.33**	**446.25**	**(15.32)**	**3746.26**	**2426.15**	**2735.47**
पिछला वर्ष	5766.25	299.56	(15.02)	**6050.80**	2862.23	467.96	(13.69)	**3315.33**	**2735.47**	2904.02

टिप्पणियां:

31.03.2021 को सकल ब्लॉक रु. 13436.30 करोड़. (पहले आईजीएएपी के अनुसार) और 31.03.2020 को रु 13336.52 करोड़ था।

31.03.2021 को निवल ब्लॉक में 14.11 करोड़ रुपए की अनुपयोगी व सक्रिय उपयोग में न आ रही संपत्तियों को सम्मिलित किया गया है। (पिछले साल 14.98 करोड़ रुपये)

31.03.2021 को निवल ब्लॉक में 0.12 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 0.12 करोड़) अनुपयोगी और सक्रिय उपयोग में न आ रही संपत्तियां भी शामिल हैं।

सकल ब्लॉक में भारत सरकार से अनुसंधान के लिए प्राप्त अनुदान से खरीदी गई संपत्ति की लागत शामिल नहीं है, क्योंकि यह संपत्ति 244.43 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 238.45 करोड़ रुपये) कंपनी की नहीं है।

वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों में कोई ह्रास हानि नहीं हुई है।

टिप्पणी [3-1] – परिसंपत्तियों के राइट ऑफ यूज (बट्टाकरण) में शामिल है:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	01.04.2020 को प्रारंभिक शेष	परिवर्धन/ समायोजन	कटौती/ समायोजन	31.03.2021 को अंतिम शेष	01.04.2020 पर संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास / परिशोधन	मूल्यह्रास समायोजन	31.03.2021 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2021 को निवल ब्लाक	31.03.2020 को निवल ब्लाक
भूमि (विकास व्यय सहित)	110.85	3.92	-	**114.78**	6.40	3.99	-	**10.39**	**104.39**	104.46
भवन	1.63	-	-	**1.63**	0.26	0.05	-	**0.31**	**1.32**	1.37
प्लांट व मशीनरी	4.07	18.07	-	**22.14**	1.83	7.68	(0.66)	**8.85**	**13.29**	2.23
कार्यालय व अन्य उपस्कर	16.29	0.18	-	**16.47**	13.27	1.99	(0.43)	**14.83**	**1.64**	3.02
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपस्कर	301.64	8.49	(31.73)	**278.40**	225.70	42.42	(29.81)	**238.31**	**40.10**	75.93
वाहन	5.30	0.17	(0.97)	**4.50**	1.69	1.53	(0.58)	**2.63**	**1.87**	3.61
अन्य	17.50	0.00	(0.05)	**17.45**	10.48	6.61	(1.23)	**15.86**	**1.59**	7.02
कुल	**457.27**	**30.84**	**(32.74)**	**455.37**	**259.62**	**64.26**	**(32.70)**	**291.18**	**164.19**	**197.65**

टिप्पणी [3-1] – परिसंपत्ति, प्लांट व उपस्कर के बारे में अतिरिक्त प्रकटीकरण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
1. भूमि एवं भवन में निम्नलिखित शामिल हैं:		
क i) जमीन, जिसके लिए औपचारिक अंतरण पट्टा विलेख नहीं किया गया है (एकड़ में)	**8196.93**	8196.93
निवल ब्लॉक	**70.77**	71.49
ii) फ्लैटों की संख्या, जिनके लिए औपचारिक अंतरण पट्टा विलेख नहीं किया गया है (संख्या में)	**12**	12
निवल ब्लॉक	**1.11**	1.15
iii) जमीन, जिसके लिए प्रदत्त लागत अनंतिम है; (एकड़ में)	**506.46**	506.46
[भावी पंजीकरण प्रभार एवं स्टाम्प शुल्क (प्रावधान को छोड़कर), जिसकी गणना भुगतान पर की जाएगी।]		
निवल ब्लॉक	**63.35**	64.07
ख. रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के विभागों और अन्य को पट्टे पर दी गई एकड़ जमीन (एकड़ में)	**30.37**	30.37
ग. एकड़ जमीन, जो प्रतिकूल/अनधिकृत कब्जे में है (एकड़ में)	**751.49**	757.47

च) 1297.86 एकड़ (पीवाई 1297.86 एकड़) भूमि हरिद्वार संयंत्र में म्युटेशन के लिए लंबित है, जिसके लिए कानूनी कार्रवाई प्रक्रिया में है। इसमें 934 एकड़ (पीवाई 934 एकड़) भूमि शामिल है जो बीएचईएल के कब्जे में है लेकिन वर्ष 2004 और 2007 में उत्तराखंड सरकार के सिडकुल के नाम पर गलत तरीके से म्युटेट की गई है

छ. इसके अलावा, हरिद्वार संयंत्र में, 8 एकड़ भूमि उत्तराखंड सरकार के कार्यालय ज्ञापन दिनांक 01.12.2003 के तहत आईओसीएल/राज्य सरकार को हस्तांतरण के लिए लंबित है।

(उपरोक्त (ख से छ) की भूमि की लागत प्रत्यक्ष नहीं है)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
2. i) भूमि का कुल क्षेत्रफल एकड़ में	**16409.03**	16409.03
ii) 2 (i) में से फ्री होल्ड लैंड (सेल डीड) / कब्जे / लाइसेंस अधिकार (एकड़ में)	**15735.69**	15735.69
iii) 2 (i) में से पट्टा होल्ड लैंड (एकड़ में)	**673.34**	673.34

3. कंपनी 10000/– रु. तक की लागत ओपनिंग नेट ब्लॉक वाले पीपीई के एक आइटम पर 100% मूल्यह्रास प्रदान करती है। पिछले वर्षों के प्रभाव पर विचार किए बिना, लाभ पर पीपीई की एक वस्तु पर 100% मूल्यह्रास प्रदान करने का प्रभाव निम्नानुसार है:

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
10000/–रु. चार्ज ऑफ तक पीपीई पर 100% मूल्यह्रास	**5.34**	6.14
घटाएं % उपर्युक्त पर सामान्य मूल्यह्रास	**(1.20)**	(1.11)
वर्ष के लिए मूल्यह्रास के रूप में प्रभारित अतिरिक्त राशि	**4.15**	5.03

टिप्पणी 4.1 – अमूर्त परिसंपत्तियों का विवरण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास/परिशोधन				निवल ब्लॉक	
	01.04.2020 को प्रारंभिक शेष	परिवर्धन/समायोजन	कटौती/समायोजन	31.03.2021 को अंतिम शेष	01.04.2020 पर संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास / परिशोधन	मूल्यह्रास समायोजन	31.03.2021 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2021 को निवल ब्लाक	31.03.2020 को निवल ब्लाक
आंतरिक स्रोतों द्वारा विकसित										
–अन्य	66.55	3.24	-	**69.78**	53.86	7.63	-	**61.49**	**8.29**	12.69
अन्य										
–साफ्टवेयर	50.71	0.21	-	**50.92**	42.21	4.61	0.10	**46.92**	**4.00**	8.50
–तकनीकी ज्ञान	163.23	6.90	-	**170.13**	105.80	14.56	(0.10)	**120.26**	**49.87**	57.43
कुल	**280.48**	**10.35**	**-**	**290.83**	**201.87**	**26.80**	**-**	**228.67**	**62.16**	**78.61**
पिछला वर्ष	250.00	30.50	-	**280.48**	166.93	34.90	0.03	**201.87**	**78.61**	83.07

सकल ब्लॉक (पिछले भारतीय जीएएपी के अनुसार) 31.03.2020 को 575.15 करोड़ रु. एवं 31.03.2021 को रु. 564.81 करोड़ था।

वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपतियों में कोई ह्रास हानि नहीं हुई ।

नोट [5] –गैर चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – निवेश

सहायक एवं संयुक्त उपक्रमों में निवेश पर लेखांकन नीति के लिए नोट 2 का बिन्दु 6 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति			31 मार्च 2020 की स्थिति		
	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य रू में)	राशि		शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य रू में)	राशि	
I कोटिड इक्विटी उपकरण	-		-	-		-
II अनकोटिड इक्विटी उपकरण (पूरी तरह भुगतान किए गए शेयर)						
(क) संयुक्त उद्यम में निवेश (लागत पर)						
(i) रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लि.	**664040000 (10)**		**664.04**	664040000 (10)		664.04
(ii) बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस प्रा. लि.	**2379999 (10)**		**2.38**	2379999 (10)		2.38
(iii) एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि.	**50000000 (10)**	**50.00**		50000000 (10)	50.00	
घटाएँ: मूल्यह्रास हेतु प्रावधान		**50.00**	-		50.00	-
(iv) पावरप्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रोवेमेंट लि.	**1999999 (10)**	**2.00**		1999999 (10)	2.00	
घटाएँ: मूल्यह्रास हेतु प्रावधान		**2.00**	-		2.00	-
(v) दादा धुनिवाले खंडवा पावर लि.	-	-		22500000 (10)	5.20	
घटाएँ: राशि प्राप्त	-	-			0.27	
घटाएँ: मूल्यह्रास हेतु प्रावधान	-	-	-		4.93	-
			666.42			666.42
(ख) सहायक कंपनी में निवेश (लागत पर)						
बीएचईएल– इलेक्ट्रिकल मशीन लि.	**5355000 (10)**	**5.36**		5355000 (10)	5.36	
घटाएँ: मूल्यह्रास हेतु प्रावधान		**5.36**	-		5.36	-
(ग) पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी उपकरणों में निवेश (एफ़वीटीपीएल पर)						
(i) नीलांचल इस्पात निगम लि.	**5000000 (10)**	**5.00**		5000000 (10)	5.00	
(ii) एपी गैस पावर कॉर्पोरेशन लि.	**728960 (10)**	**0.91**		728960 (10)	0.91	
(iii) इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लि.	**1892 (10)**	*		1892 (10)	*	
		5.91			5.91	
जोड़ें / (घटाएँ): उचित मूल्य समायोजन		**2.33**	**3.58**		2.82	3.09
सहकारी समितियों में हिस्सेदारी #			-			-
कुल			**670.00**			669.51
*भा. रु. 1 लाख से कम का मूल्य						
अनकोटिड निवेश की कुल राशि			**729.69**			734.62
निवेश के मूल्य में हानि की सकल राशि			**59.69**			65.11

विभिन्न कर्मचारी सहकारी समितियों में आयोजित इक्विटी शेयर, जिनका मूल्य 1 लाख /– से कम है

संयुक्त उद्यम एवं सहायक कंपनियों के बारे में जानकारी

(₹ करोड़ों में)

विवरण	देश जहां निगमन हुआ	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
(क) संयुक्त उद्यम का नाम (जेवीसी)		स्वामित्व का अनुपात (%)	
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस प्रा. लि. (बीजीजीटीएस)	India	**50% से कम का एक शेयर**	50% से कम का एक शेयर
एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि. (एनबीपीपीएल)		**50%**	50%
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लि. (आरपीसीएल)		**27.97%**	27.97%
दादा धुनिवाले खंडवा पावर लि. (डीडीकेपीएल)		**-**	50%
पावरप्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रोवेमेंट लि. (पीपीआईएल)		**50% से कम का एक शेयर**	50% से कम का एक शेयर

(i) एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट प्रा. लि. में निवेश के मूल्य में कमी का प्रावधान शुद्ध वित्तीय स्थिति के आधार पर 50.00 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष तक 50.00 करोड़ रुपए) तक किया गया है। 08 फरवरी, 2018 कॉ हुई बैठक में निदेशक मंडल ने एनबीपीपीएल के समापन के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। ऊर्जा मंत्रालय (एमओपी) ने एनटीपीसी को सलाह दी है कि वह बीएचईएल की हिस्सेदारी खरीदने पर विचार करे एवं या तो इसे एक ई–हाउस शाखा के रूप में जारी रखने या वर्तमान कार्य पूरा होने के बाद इसे बंद करने का निर्णय ले। यह सलाह एनबीबीपीएल बोर्ड द्वारा 29.08.2019 को हुई बैठक में दी गई थी।

(ii) दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल) को एनसीएलटी के 2 नवंबर, 2020 के आदेश के तहत भंग कर दिया गया है। 22.50 करोड़ रु. रुपये के निवेश पर 17.57 करोड़ रुपये प्राप्त हुए (वित्त वर्ष 2018–19 में 17.30 करोड़ रुपये एवं वित्त वर्ष 2019–20 में 0.27 करोड़ रुपये)। वर्ष के दौरान शेष रु. 4.93 करोड़ बट्टे खाते में डाले गए हैं एवं संबंधित प्रावधान को वापस ले लिया गया है।

(iii) पावरप्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रोवेमेंट लि. में निवेश के मूल्य में कमी का प्रावधान 2.00 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष 2.00 करोड़ रुपए) किया गया है क्योंकि जेवीसी परिसामान के तहत है एवं इक्विटी के रूप मैं भुगतान की गई राशि वसूली योग्य नही है।

विवरण	देश जहां निगमन हुआ	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
(ख) सहायक कंपनी का नाम		स्वामित्व का अनुपात (%)	
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लि. (आरपीसीएल)	भारत	**51%**	51%

भारी उद्योग मंत्रालय ने 11 मई, 2021 को बीएचईएल को केरल सरकार (जीओके) को बीएचईएल ईएमएल में नियोजित बीएचईएल के 51% शेयर के हस्तांतरण के लिए सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बारे में सूचित किया। बीएचईएल बिक्री के समझौते पर हस्ताक्षर करने एवं जीओके को हिस्सेदारी हस्तांतरण को पूरा करने के लिए जीओके के साथ प्रयास कर रहा है।

नोट [6] – गैर चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – व्यापार प्राप्य

वित्तीय परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें। (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**3535.85**	5166.95
साख का मूल्यह्रास (बी एंड डी ऋणों के लिए भत्तों में शामिल)	**12598.54**	11570.83
	16134.39	16737.78
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**12954.65**	12204.28
कुल प्राप्य व्यापार (शुद्ध)	**3179.74**	4533.50

व्यापार प्राप्य (नेट) में मुकदमेबाजी या मध्यस्थता के तहत परियोजनाओं के संबंध में रू 1773 करोड़ (पिछले वर्ष रू 1712 करोड़) शामिल हैं।

व्यापार प्राप्तियों के मूल्यह्रास हेतु सरलीकृत दृष्टिकोण का पालन किया जाता है, वर्गीकरण इंड एएस 109 के के अनुसार किया जाता है।

प्राप्य व्यापार में शामिल हैं:		
(क) निदेशकों से प्राप्य	**-**	-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य	**-**	-

नोट [7] – गैर चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – अन्य

वित्तीय परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें। (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
प्रतिभूति जमा		
एसईबी, पोर्ट ट्रस्ट एवं अन्य के पास जमा		
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**84.64**	83.17
साख का मूल्यह्रास	**2.92**	1.93
	87.56	85.10
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**2.92**	1.93
	84.64	83.17
12 महीने से अधिक की परिपक्वता वाली बैंक जमा राशि	**12.75**	-
कुल	**97.39**	83.17
प्रतिभूति जमा में शामिल है:		
निदेशकों से प्राप्य	-	-
अधिकारियों से प्राप्य	-	-

नोट [8] – गैर चालू परिसंपत्तियां
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध देनदारियां)

आयकर पर लेखांकन नीति के नोट [2] के बिंदु 13 देखें.

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
आस्थगित कर परिसंपत्तियां		
प्रावधान	**1754.90**	1724.36
भुगतान आधार पर देय राशि की अनुमति	**487.11**	576.14
मूल्यह्रास (पीपी एंड ई एवं अमूर्त परिसंपत्तियां)	**78.26**	75.31
करयोग्य हानि पर	**1278.30**	345.61
अन्य	**61.20**	34.79
उप कुल	**3659.77**	2756.21
आस्थगित कर देयताएं	**-**	-
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध देनदारियां)	**3659.77**	**2756.21**

आस्थगित कर शेषों में संचलन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	01 अप्रैल, 2020 तक शेष राशि	प्रतिधारित आय में मान्यता प्राप्त	लाभ और हानि खाते के विवरण में मान्यता प्राप्त	OCI. में मान्यता प्राप्त	31 मार्च, 2021 तक शेष राशि
आस्थगित कर परिसंपत्तियां					
प्रावधान	1724.36	-	30.54	-	**1754.90**
भुगतान आधार पर देय राशि की अनुमति	576.14	-	(82.31)	(6.72)	**487.11**
मूल्यह्रास (पीपी एंड ई एवं अमूर्त परिसंपत्तियां)	75.31	-	2.95	-	**78.26**
करयोग्य हानि पर	345.61	-	932.69	-	**1278.30**
अन्य	34.79	-	26.41	-	**61.20**
उप कुल	**2756.21**	-	**910.28**	**(6.72)**	**3659.77**
घटाएँ: आस्थगित कर देयताएं	-	-	-	-	**-**
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध देनदारियां)	**2756.21**	-	**910.28**	**(6.72)**	**3659.77**

नोट [9] – गैर चालू परिसंपत्तियां
अन्य

ह्रास पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
अनुबंध परिसंपत्तियां (अंबिल्ड राजस्व सहित)				
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**16584.91**		16123.76	
साख का मूल्यह्रास	**3545.45**		2755.16	
	20130.36		18878.92	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**3545.45**	**16584.91**	2755.16	16123.76
सुरक्षा जमा				
कर प्राधिकरणों एवं अन्यों के पास जमा				
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**106.80**		105.97	
अरक्षित, अशोध्य	**12.85**		29.17	
	119.65		135.14	
घटाएँ: अशोध्य एवं संदिग्ध जमा के लिए प्रावधान	**12.85**	**106.80**	29.17	105.97
ऋण व अग्रिम				
अरक्षित, प्रतिफलित माल				
क्रय के लिए अग्रिम	**99.58**		54.96	
वसूलीयोग्य दावे एवं अन्य	**37.34**		53.16	
पूंजी अग्रिम	**23.81**		23.81	
अरक्षित, अशोध्य				
क्रय के लिए अग्रिम	**11.71**		11.92	
वसूलीयोग्य दावे एवं अन्य	**28.14**		25.85	
	200.58		169.70	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों व अग्रिमों के लिए प्रावधान	**39.85**	**160.73**	37.77	131.93
कुल		**16852.44**		16361.66
मुकदमेबाजी या मध्यस्थता के तहत परियोजनाओं के संबंध में अनुबंध संपत्ति (निवल) में रू 1664 करोड़ (पिछले वर्ष रू 1572 करोड़) शामिल हैं।				
ऋण व अग्रिम में शामिल है:				
(क) निदेशकों से प्राप्य		**-**		-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य		**-**		-

नोट [10] – चालू परिसंपत्तियां
माल सूची

माल सूची के मूल्यांकन पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 7 देखें। (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
कच्चा माल एवं घटक	**2809.70**		3319.22	
पारगमन में सामग्री	**199.83**	**3009.53**	647.83	3967.05
प्रगतिशील कार्य (उप ठेकेदारों वाली मदों सहित)		**3778.22**		4119.71
तैयार माल	**628.72**		822.94	
इंटर डिविजन ट्रान्सफर ट्रांसिट	**63.75**	**692.47**	68.59	891.53
स्टोर एवं स्पेयर पार्ट्स				
उत्पादन	**166.37**		197.59	
ईंधन स्टोर	**2.58**		3.40	
विविध	**51.24**	**220.19**	53.38	254.37
अन्य माल सूची				
फेब्रिकेटर्स/ ठेकोदारों के पास सामग्री	**39.80**		59.55	
खुले औज़ार	**23.02**		37.88	
स्क्रेप (अनुमानित वसूलीयोग्य मूल्य पर)	**147.46**	**210.28**	117.76	215.19
		7910.69		9447.85
घटाएँ: अचल माल सूची के लिए प्रावधान		**719.46**		542.39
कुल		**7191.23**		8905.46
नोट:				
माल सूची का बट्टाकरण		**219.35**		100.80
घटाएँ: इसके उलट		**42.27**		113.88
शुद्ध		**177.08**		(13.08)

नोट [11] – चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – व्यापार प्राप्य

वित्तीय परिसंपत्तियां मूल्यह्रास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें। (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**4485.39**	7972.67
साख का मूल्यह्रास (दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के भत्तों में शामिल है)	**425.72**	572.94
	4911.11	8545.61
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**877.48**	1437.99
कुल	**4033.63**	7107.62
शामिल है:		
(क) निदेशकों से प्राप्य	**-**	-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य	**-**	-

नोट [12] – चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – नकद एवं नकद समकक्ष

नकद एवं नकद समकक्ष पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 17 देखें। (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
बैंकों में शेष				
ईईएफ़सी खाता	**202.69**		82.93	
चालू / नकद साख खाता	**1324.32**	**1527.01**	1285.45	1368.38
हाथ में चेक, डिमांड ड्राफ्ट		**0.08**		29.90
3 महीने या उससे कम परिपक्वता वाले बैंकों में जमा राशियां		**-**		0.29
अधिकार में नकदी एवं स्टेम्प		**0.07**		0.21
पारगमन में प्रेषण		**0.02**		4.08
कुल		**1527.18**		1402.86

नोट [13] – चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – बैंक में शेष

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
3 महीने से अधिक की लेकिन 12 महीने से कम की परिपक्वता वाली फिक्स्ड डिपॉजिट		**5160.00**		5000.00
जारी किए गए बीजी के लिए मार्जिन मनी के नामे फिक्स्ड डिपॉजिट		**2.54**		2.41
बैंकों में बकाया राशि (निर्धारित):				
चार्जिंग स्टेशन परियोजना	**7.88**		10.17	
लावारिस लाभांश खाता	**2.11**		2.79	
गैर–प्रत्यावर्तनीय खाता	**1.69**		0.30	
बोनस अंक पर आंशिक शेयरों की बिक्री से आय	**0.03**	**11.71**	0.03	13.29
कुल		**5174.25**		5015.70
कुल नकद एवं बैंक में जमा राशि [12 + 13]		**6701.43**		6418.56

नोट [14] – चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – ऋण

वित्तीय परिसंपत्तियां मूल्यह्रास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें।. (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
ऋण				
सहायक कंपनी को ऋण$				
साख का मूल्यह्रास	3.70		3.70	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	3.70	-	3.70	-
पीएसयू को ऋण (बीपी व सीएल*)				
साख का मूल्यह्रास	13.32		13.32	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	13.32	-	13.32	-
कुल		-		-

$अनुषंगी को दिया गया ऋण (3 करोड़ रुपये) एवं उस पर देय अर्जित ब्याज (0.70 करोड़ रुपये) बीएचईएल की हिस्सेदारी को केरला सरकार को अंतरित करने पर छूट के अधीन है।
* भारत पंप एवं कंप्रेशर्स लिमिटेड को दिया गया ऋण (12 करोड़ रुपये) एवं उस पर देय अर्जित ब्याज (1.32 करोड़ रुपये) के लिए पूर्ण प्रावधान किया गया है

नोट [15] – चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां– अन्य

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
प्रतिभूति जमा				
आईएमडी एवं अन्य जमा				
अरक्षित, प्रतिफलित माल		128.32		134.99
साख का मूल्यह्रास		12.01		13.42
		140.33		148.41
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान		12.01		13.42
		128.32		134.99
बैंकों जमा पर अर्जित ब्याज		77.14		99.39
कर्मचारियों को अग्रिम	22.80		24.53	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध अग्रिम के लिए प्रावधान	0.08	22.72	0.07	24.46
कुल		228.18		258.84
शामिल है:				
(क) निदेशकों से प्राप्य		-		-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य		0.01		0.05

नोट [16] – चालू परिसंपत्तियां
चालू कर परिसंपत्तियां / देयताएं (शुद्ध)

आयकर पर लेखांकन नीति के नोट [2] के बिंदु 13 देखें. (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अग्रिम कर एवं टीडीएस	1062.15	2528.11
घटाएँ: कराधान के लिए प्रावधान	658.56	2299.09
कुल	403.59	229.02

नोट [17] – चालू परिसंपत्तियां

अन्य

वित्तीय परिसंपत्तियों के ह्रास पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 14 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
अनुबंध परिसंपत्तियां (अंबिल्ड राजस्व सहित)				
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**7494.34**		7670.46	
साख का मूल्यह्रास	**76.46**		54.69	
	7570.80		7725.15	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**76.46**	**7494.34**	54.69	7670.46
वसूलीयोग्य दावे				
अरक्षित, प्रतिफलित माल				
वसूलीयोग्य इनपुट कर साख	**1031.00**		916.90	
वसूलीयोग्य दावे एवं अन्य	**601.11**		570.94	
अरक्षित, अशोध्य				
वसूलीयोग्य इनपुट कर साख	**8.61**		10.17	
वसूलीयोग्य दावे एवं अन्य	**121.16**		117.49	
	1761.88		1615.50	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध दावों के लिए प्रावधान	**129.77**	**1632.11**	127.66	1487.84
अग्रिम				
अरक्षित, प्रतिफलित माल				
अनुषंगी कंपनी	**0.24**		0.24	
आपोर्तिकर्ता/ उप ठेकेदार	**152.16**		224.23	
अरक्षित, अशोध्य				
आपोर्तिकर्ता/ उप ठेकेदार	**6.93**		7.37	
	159.33		231.84	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध अग्रिम के लिए प्रावधान	**6.93**	**152.40**	7.37	224.47
सुरक्षा जमा				
कर प्राधिकरणों एवं अन्यों के पास जमा				
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**497.11**		401.26	
अरक्षित, अशोध्य	**79.41**		58.75	
	576.52		460.01	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध जमा के लिए प्रावधान	**79.41**	**497.11**	58.75	401.26
कुल		**9775.96**		9784.03

नोट [18] – इक्विटी
इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य ₹ में)	राशि
अ. इक्विटी शेयर पूंजी				
प्राधिकृत	**10000000000 (2)**	**2000.00**	10000000000 (2)	2000.00
जारी, सब्सक्राइब्ड एवं पूर्णतः प्रदत्त	**3482063355 (2)**	**696.41**	3482063355 (2)	696.41
क) बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या का पुनर्मिलान				
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	**3482063355**	**696.41**	3482063355	696.41
वर्ष के दौरान आवंटित बोनस शेयर	**-**	**-**	-	-
वर्ष के अंत में शेष राशि	**3482063355**	**696.41**	3482063355	696.41
ख) शेयरधारकों द्वारा वर्ष के अंत में 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरों का विवरण				
भारत के राष्ट्रपति (प्रमोटर)	**2199650402**	**63.17%**	2199650402	63.17%
भारतीय जीवन बीमा निगम	**350647914**	**10.07%**	350647914	10.07%
प्रति शेयर अंकित मूल्य (₹)		**2.00**		2.00

ग) इक्विटी शेयरों से जुड़े नियम / अधिकार कंपनी के पास केवल 2 रुपये प्रति शेयर (पिछले वर्ष 2 रुपये प्रति शेयर) के बराबर मूल्य वाली श्रेणी के इक्विटी शेयरों हैं। प्रत्येक इक्विटी शेयर धारक प्रति शेयर एक वोट का पात्र है।

घ) बोनस शेयर जारी करना:

कंपनी ने 03 अक्टूबर, 2017 को 1: 2 के अनुपात में बोनस शेयर आवंटित किया, यानी दो मौजूदा पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों के लिए एक इक्विटी शेयर। परिणामस्वरूप, भुगतान की गई पूंजी वित्त वर्ष 2016–17 में 489.52 करोड़ रुपये से बढ़कर आरक्षित निधि के पूंजीकरण द्वारा वित्त वर्ष 2017–18 में 734.28 करोड़ रुपये हो गई।

(ङ) शेयर बायबैक

कंपनी ने अपने निदेशक मण्डल के अनुमोदन दिनांक 25 अक्टूवर, 2018 के माध्यम से, ₹ 2 के अंकित मूल्य के अपने 18,93,36,645 पूरी तरह से चुकता इक्विटी शेयरों को वापस खरीदा, जो कंपनी के पात्र इक्विटी शेयरधारकों से वित्तीय वर्ष 2018–19 में ₹ 86 प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर ₹ 1628,29,51,470 की राशि के कुल जारी और चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 5.16% का प्रतिनिधित्व करते हैं। परिणामस्वरूप, भुगतान की गई शेयर पूंजी वित्त वर्ष 2017–18 में 734.28 करोड़ रुपए से कम होकर वित्त वर्ष 2018–19 में 696.41 करोड़ रुपये हो गई।

नोट [18a] – अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
पूंजी कोष	**35.18**	35.18
पूंजी मोचन कोष	**37.87**	37.87
सामान्य कोष	**30476.66**	30476.66
प्रतिधारित आय	**(4366.94)**	(1649.80)
ओसीआई (परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनः मापन)	**(395.13)**	(415.11)
कुल	**25787.64**	28484.80

आरक्षित कोष की प्रकृति एवं उद्देश्य

(क) **पूंजी कोष:** यह मुख्य रूप से बीएचईएल के साथ तत्कालीन सहायक कंपनी (एचपीवीपी) के समामेलन के दौरान भुगतान की गई मुआवजे की लागत से अधिक निवल संपत्ति का प्रतिनिधित्व करता है।

(ख) **पूंजी मोचन आरक्षित निधि:** कंपनी ने अपने सामान्य रिजर्व से इक्विटी शेयरों की खरीद पर कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व को मान्यता दी है। पूंजी मोचन आरक्षित निधि में वापस खरीदे गए इक्विटी शेयरों की नाममात्र राशि के बराबर राशि है।

(ग) **सामान्य आरक्षित निधि:** यह भविष्य में (ज्ञात/अज्ञात) दायित्वों को पूरा करने के लिए कंपनी द्वारा रखे गए लाभ के संचय का प्रतिनिधित्व करता है।

(घ) **प्रतिधारित आय:** सामान्य आरक्षित को हस्तांतरण, लाभांश (लाभांश वितरण कर सहित) या शेयरधारकों को भुगतान किए गए अन्य वितरण घटाकर रिटायर्ड कमाई वह लाभ है जो कंपनी ने अब तक अर्जित किया है।

(ङ) **शुद्ध परिभाषित लाभ योजनाओं की पुनः माप:** योजना परिसंपत्तियों एवं वास्तव में हासिल की गई रिटर्न पर ब्याज से आय के बीच अंतर, एवं योजनाओं के भीतर एक्चुरियल अनुमान या अनुभव समायोजन में परिवर्तन के कारण वर्ष में देनदारियों में कोई भी परिवर्तन, "अन्य व्यापक आय" में मान्यता प्राप्त हैं एवं इसके बाद लाभ एवं हानि के विवरण में पुनःवर्गीकृत करने के लिए नहीं है।

नोट [19] – वित्तीय देयताएं – पट्टा देयताएं

पट्टा पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 3 देखें।

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
गैर– चालू		
पट्टे दायित्वों की दीर्घकालिक परिपक्वता	**53.41**	75.37
चालू		
पट्टे दायित्वों की वर्तमान परिपक्वता	**48.20**	56.67
कुल	**101.61**	132.04

पट्टा पर अधिक विवरण नोट (45) में दिया गया है।

नोट [20] – गैर चालू देयताएं
वित्तीय देयताएं–व्यापार देय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
व्यापार देय				
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि	**157.92**		72.91	
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों, के अलावा अन्य लेनदारों से कुल बकाया राशि	**1723.16**	**1881.08**	1003.32	1076.23
कुल		**1881.08**		1076.23
उपरोक्त का बड़ा हिस्सा प्रतिधारित धन या विवाद/मध्यस्थता से संबंधित है।				

नोट [21] – गैर चालू देयताएं
वित्तीय देयताएं – अन्य

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
ठेकेदारों एवं अन्य से जमा	**211.01**	150.99
पूंजी व्यय पर देयताएं	**5.71**	8.03
कुल	**216.72**	159.02

नोट [22] – गैर चालू देयताएं
प्रावधान

कर्मचारी लाभ एवं प्रावधान पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 10 एवं 11 देखें।

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अनुबंधात्मक दायित्व	**2505.89**	2755.25
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान*	**1092.78**	1170.42
दूसरे प्रावधान	**312.02**	277.53
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व**	**2.09**	8.93
कुल	**3912.78**	4212.13

*कर्मचारी लाभों पर नोट (46) पर अधिक प्रकटीकरण उपलब्ध है

**सीएसआर व्यय पर नोट 34 के बिंदु (vii) के अनुसार प्रकटीकरण

नोट [23] – गैर चालू देयताएं
अन्य

सरकारी अनुदान पर लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 12 देखें।

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अनुबंध देयता (बिलिंग में ग्राहकों से राजस्व से अधिक प्राप्त अग्रिम)	**2806.50**	2921.16
आस्थगित आय– सरकारी अनुदान #	**25.04**	31.49
कुल	**2831.54**	2952.65

#सोलर पीवी प्लांट लगाने एवं माड्यूल विनिर्माण के लिए सरकारी अनुदान प्राप्त हुआ है

नोट [24] – चालू देयताएं
वित्तीय देयताएं – उधार

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
संरक्षित		
बैक से ऋण	**201.01**	600.00
शिपमेंट पूर्व पैकिंग क्रेडिट	**299.36**	759.22
क्रेता की साख	**45.71**	141.58
(कच्चे माल, घटकों, प्रगतिशील कार्य, तैयार माल एवं भंडार के दृष्टिबंधक द्वारा संरक्षित)		
उप–कुल (क)	**546.08**	1500.80
असंरक्षित		
वाणिज्यिक पत्र	**4287.70**	3432.59
उप–कुल (ख)	**4287.70**	3432.59
कुल उधार (क+ख)	**4833.78**	4933.39

(i) कंपनी के पास बैंकों से कुल मिलाकर 6000 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष रुपये 6000 करोड़) की नकद क्रेडिट सीमा है एवं बैंक गारंटी / साख पत्रों के संबंध में कंसोर्टियम बैंकों द्वारा मंजूर 54000 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष रुपये 54000 करोड़) की कंपनी की काउंटर गारंटी / प्रति–गारंटी है। कच्चे माल, पुरज़ों, चालू कार्य, तैयार माल, स्टोर, व्यापार प्राप्य एवं वर्तमान एवं भविष्य दोनों में अन्य मौजूदा परिसंपत्तियों की गिरवी के माध्यम से इन्हें प्रथम ऋण भार द्वारा सुरक्षित किया जाता है। 31 मार्च, 2021 को बकाया बैंक गारंटी 39343 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 41491 करोड़ रुपये) है। इस आंकड़े में ₹ 630 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 971 करोड़) का बीजी प्रतिस्थापन के रूप में जारी किया गया एवं 31 मार्च 2021 को खाली किया जाना है। इसमें रुपये का बीजी शामिल नहीं है।

(ii) बैंकों से ऋण में सावधि जमा (200 करोड़ रुपये) एवं डब्ल्यूसीएलडी (कार्यशील पूंजी मांग ऋण) के लिए शेष राशि है। (पिछले वर्ष बैंकों से ऋण डब्ल्यूसीएलडी का प्रतिनिधित्व करता है)।

(iii) कंपनी द्वारा विदेशी मुद्रा में पैकिंग क्रेडिट (पीसीएफसी) का लाभ उठाया गया है। 40.50 मिलियन अमरीकी डालर की शेष राशि नवंबर 2021 से मार्च 2022 के महीनों के दौरान भागों में चुकाने योग्य है।

(iv) कंपनी ने क्रेता साख का लाभ उठाया है। 6.18 मिलियन अमरीकी डालर की बकाया राशि अप्रैल 2021 में चुकानी है।

(v) 31 मार्च, 2021 को बकाया वाणिज्यिक पत्रों का विवरण इस प्रकार है:

(₹ करोड़ों में)

जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	छूट की दर	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
12 नवंबर, 2020	29 अक्टूबर, 2021	4.05%	575.00	562.04
30 मार्च, 2021	28 जून, 2021	3.41%	1000.00	991.85
31 मार्च, 2021	24 जून, 2021	3.47%	900.00	892.87
26 मार्च, 2021	24 जून, 2021	3.41%	700.00	694.55
22 मार्च, 2021	21 मई, 2021	3.66%	650.00	646.76
8 जनवरी, 2021	9 अप्रैल, 2021	3.40%	500.00	499.63
		कुल	**4325.00**	**4287.70**

(vi) 31 मार्च, 2021 को बकाया दायित्वों के लिए दी गई कॉर्पोरेट गारंटी 1799 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष के 1422 करोड़ रुपये) है।

(vii) वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न उधार में परिवर्तन (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
आरंभिक शेष	**4933.39**	2431.74
वर्ष के दौरान नकदी प्रवाह	**(99.61)**	2501.65
अंतिम शेष	**4833.78**	4933.39

वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले पट्टेदार दायित्व में परिवर्तन के लिए नोट 45 का क्र. [ब] देखें

नोट [25] – चालू देयताएं
वित्तीय देयताएं – व्यापार देय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
व्यापार देय:				
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया राशि		**662.94**		611.12
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य का कुल बकाया राशि	**5900.89**		8171.93	
(iii) स्वीकृतियां	**113.91**	**6014.80**	40.57	8212.50
कुल		**6677.74**		8823.62
उपरोक्त का बड़ा हिस्सा प्रतिधारण धन या विवाद/मध्यस्थता से संबंधित है।				
क. सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का प्रकटन				
(i) लेखांकन वर्ष के अंत में बकाया के रूप में आपूर्तिकर्ता का मूलधन '		**826.36**		690.14
(ii) लेखा वर्ष के अंत तक आपूर्तिकर्ता को बकाया, देय ब्याज		-		-
(iii) वर्ष के दौरान नियत तिथि के बाद आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान के साथ, धारा 16 के संदर्भ में दिए गए ब्याज की राशि		-		-
(iv) भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय एवं देने योग्य ब्याज की राशि (जो वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद भुगतान किया गया है) लेकिन इस अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।		-		-
(v) वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज की राशि एवं वर्ष के अंत में अदत्त शेष		-		-
(vi) कटौती योग्य व्यय के रूप में अस्वीकृति के उद्देश्य के लिए बाद के वर्षों में भी बकाया एवं देय ब्याज की राशि, जब तक कि, जब तक उपरोक्त ब्याज देय राशि वास्तव में लघु उद्यमों को भुगतान नहीं की जाती है।		-		-

* यहां बकाया के रूप में दर्शाई गई राशि में सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के नोट 20,25,26 में दर्शाई गई राशि शामिल है। यहां दर्शाई गई राशि 31 मार्च 2021 को संविदात्मक रूप से भुगतान हेतु देय नहीं है।

नोट [26] – चालू देयताएं
वित्तीय देयताएं – अन्य

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
देयताएं:				
कर्मचारी देय	**117.61**		285.65	
अन्य देय*	**291.72**		559.23	
पूंजी व्यय~	**57.49**	**466.82**	82.73	927.61
ठेकेदारों एवं अनयन से जमा		**447.75**		491.93
अप्रदत्त लाभांश**		**2.11**		2.79
उधार पर अर्जित ब्याज		**0.97**		3.72
कुल		**917.65**		1426.05

* अन्य देय राशि में बोनस शेयर जारी करने से होने वाली आंशिक शेयरों की बिक्री लाभ के रू 0.03 करोड़ शामिल है ।
~एमएसएमई के वित्त वर्ष 2020–21 के लिए 5.50 करोड़ और वित्त वर्ष 2019–20 के लिए 6.11 करोड़ रुपये शामिल हैं
** वर्ष के अंत में निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानातंरित करने हेतु कोई राशि देय और शेष नहीं है।

नोट [27] – चालू देयताएं
प्रावधान

कर्मचारी लाभ एवं प्रावधानों पर लेखाकन नीति के लिए नोट (2) के बिंदु 10 और 11 को देखें.

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अनुबंधात्मक दायित्व	**1486.56**	1563.86
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान#	**826.79**	1120.75
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व ##	**19.18**	6.58
अन्य प्रावधान	**831.72**	390.59
कुल	**3164.25**	3081.78

#कर्मचारी लाभों पर अधिक प्रकटीकरण नोट (46) उपलब्ध है
##सीएसआर व्यय पर नोट [34] के बिंदु (vii) के अनुसार प्रकटीकरण

नोट [28] – चालू देयताएं
अन्य

सरकारी अनुदान पर लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 12 देखें।

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अनुबंध देयता (बिलिंग में ग्राहकों से राजस्व से अधिक प्राप्त अग्रिम)	**4057.18**	3797.27
सांविधिक देय के प्रति देयताएं	**616.41**	453.82
आस्थगित आय – सरकारी अनुदान	**6.45**	6.45
कुल	**4680.04**	4257.54

नोट [29]
परिचालनों से राजस्व

राजस्व मान्यता पर लेखाकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 8 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
ग्राहकों के अनुबंध से राजस्व		
बिक्री	**13010.53**	15057.11
बाहरी इरेक्शन व अन्य सेवाओं से आय	**3285.02**	5433.53
[विवरण के लिए देखें नोट 49(ख)]		
कुल (क)	**16295.55**	20490.64
अन्य परिचालन आय		
भाड़ा व बीमा	**93.32**	143.43
स्क्रेप बिक्री	**141.97**	142.12
आपूर्तिकर्ताओं से वसूली	**112.88**	219.79
वापस लिखी गईं देयताएं	**211.83**	312.27
बीमा दावे	**163.48**	16.42
निर्यात प्रोत्साहन	**156.88**	14.99
अन्य	**132.53**	119.53
कुल (ख)	**1012.89**	968.55
परिचालनों से राजस्व (क + ख)	**17308.44**	21459.19
परिचालनों से राजस्व में शामिल नहीं है:		
माल एव सेवा कर	**2392.35**	2837.28

नोट [30]
अन्य आय

राजस्व मान्यता पर लेखाकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 8 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
ब्याज आय *		
ग्राहकों से	**1.14**	-
बैंकों से	**313.61**	502.21
अन्य	**6.11**	6.97
उप–कुल (क)	**320.86**	509.18
लाभांश आय		
संयुक्त उद्यमों में निवेश पर लाभांश (दीर्घकालिक व्यापार)	**21.42**	16.30
उप–कुल (ख)	**21.42**	16.30
अन्य आय		
म्यूचुअल फंड इकाइयों की बिक्री पर लाभ	**1.42**	6.43
सरकारी अनुदान	**6.45**	6.45
पीपीई व पूंजी स्टोर की बिक्री से लाभ (शुद्ध)	**1.88**	9.30
अन्य	**17.81**	32.92
उप–कुल (ग)	**27.56**	55.10
कुल अन्य आय (क+ख+ग)	**369.84**	580.58
*टीडीएस शामिल है	**20.99**	50.05

नोट [31]
सामग्री खपत, इरेक्शन एवं इंजीनियरिंग व्यय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
कच्चा माल एवं घटकों की खपत	**8158.56**	11780.11
सिविल, इरेक्शन एवं इंजीनियरिंग व्यय	**2912.47**	2946.98
स्टोर और पुर्जों की खपत	**288.74**	352.85
कुल	**11359.77**	15079.94

नोट [32]
तैयार माल, प्रगतिशील कार्य एवं स्क्रेप की माल सूची में परिवर्तन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
प्रगतिशील कार्य				
अंतिम शेष	**3778.22**		4119.71	
आरंभिक शेष	**4119.71**	**341.49**	3219.82	(899.89)
तैयार माल				
अंतिम शेष	**628.72**		822.94	
आरंभिक शेष	**822.94**	**194.22**	661.01	(161.93)
स्क्रेप				
अंतिम शेष	**147.46**		117.76	
आरंभिक शेष	**117.76**	**(29.70)**	90.89	(26.87)
इंटर डिवीजन ट्रांसफर ट्रांजिट		**4.85**		46.29
(वृद्धि)/कमी		**510.86**		(1042.40)

नोट [33]
कर्मचारी लाभ व्यय

कर्मचारी लाभ की लेखांकन नीति के लिए नोट [2] के बिंदु 10 देखें।

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन, मजदूरी, बोनस, प्रावधान और अन्य लाभ	**4695.04**	4625.09
प्रोविडेंट फंड एवं अन्य में योगदान	**372.65**	405.44
कर्मचारी कल्याण व्यय	**194.86**	279.49
उपदान (ग्रेच्युटी) निधि में योगदान	**101.66**	105.03
समूह बीमा	**8.05**	11.59
कुल	**5372.26**	5426.64

नोट [34]
अन्य व्यय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
विद्युत व ईंधन		319.42		459.14
अन्य उप ठेकेदारों पर व्यय		267.49		334.60
कैरिज आउटवर्ड		216.71		287.38
सुरक्षा एजेंसियों को भुगतान		203.25		222.79
मरम्मत व अनुरक्षण				
भवन	26.55		45.03	
प्लांट व मशीनरी	29.59		32.28	
अन्य	67.50	123.64	88.12	165.43
बीमा		128.51		147.02
यात्रा व वाहन		65.15		124.48
बैंक प्रभार		92.54		104.22
आर एंड डी व्यय		29.48		74.97
भाड़ा व्यय		46.38		62.34
कोलबोरेशन्स व रॉयल्टी पर व्यय		34.92		57.72
दर एवं कर		25.06		43.65
कार्यालय व्यय		31.00		40.29
कौशल विकास पर व्यय		15.22		39.38
विधिक, लेखापरीक्षा एवं प्रमाणन व्यव		34.61		35.04
ईडीपी, सॉफ्टवेयर व पट्टा व्यय		25.57		29.73
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व		20.18		28.80
जल प्रभार		34.19		26.94
निर्यात संबंधी व्यय		11.92		24.39
गैर आवासीय किराया		15.88		20.23
मनोरंजन और शिष्टाचार व्यय		2.29		9.89
पर्यावरण सुरक्षा		5.72		7.17
सेमिनार, विकास एवं प्रशिक्षण व्यय		1.16		6.02
प्रचार एवं जनसम्पर्क व्यय		1.55		5.43
विविध व्यय		47.38		72.29
कुल		1799.22		2429.34

प्रकटीकरण– अन्य व्यय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
(i) विधिक, लेखापरीक्षा एवं प्रमाणन व्यय शामिल हैः		
सांविधिक लेखापरीक्षकों को भुगतान		
लेखापरीक्षा शुल्क	**0.94**	0.86
कर लेखापरीक्षा	**0.20**	0.18
तिमाही सीमित समीक्षा एवं अन्य	**0.56**	0.55
लेखापरीक्षा व्यय	**0.03**	0.11
	1.73	1.70
लागत लेखापरीक्षकों को भुगतानः		
लेखापरीक्षा शुल्क	**0.15**	0.15
(ii) निदेशकों का शुल्क	**0.21**	0.23
(iii) विभागीय मरम्मत एवं अनुरक्षण पर व्ययः		
प्लांट व मशीनरी	**175.27**	205.73
भवन	**29.65**	42.38
अन्य	**32.88**	34.96
(iv) अनुसंधान एवं विकास पर व्यय	**146.01**	221.84
(v) विदेश यात्राओं पर व्यय		
दौरों की संख्या	**77**	323
व्यय	**1.28**	6.52

(vi) बीएचईएल ने अपने स्वयं के योगदान से एयूएससी परियोजना पर संचयी ₹189 करोड़ (पिछले वर्ष ₹170 करोड़ तक) व्यय किए हैं और इसे आर एंड डी व्यय के रूप में शामिल किया गया है।

(vii) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 एवं डीपीआई दिशा–निर्देशों के अनुपालन में, अपनी सीएसआर नीति के अनुसार कंपनी को प्रत्येक वित्त वर्ष में अपने पिछले तीन वर्षों के शुद्ध लाभ के औसत का कम से कम 2% हिस्सा व्यय करना आवश्यक है। वर्ष के दौरान किए गए सीएसआर व्यय विवरण इस प्रकार है:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अ. वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली राशि	20.18	28.80
ब. पिछले वर्ष से उपलब्ध राशि	15.51	21.83
स. कुल (अ+ब)	35.69	50.63
द. वर्ष के दौरान निम्न पर व्यय राशि–		
(i) किसी भी संपत्ति का निर्माण / अधिग्रहण	0.14	-
(ii) उक्त (i के अलावा अन्य उद्देश्यों पर)	14.28	35.12
कुल	14.42	35.12
राशि अग्रेषित:	21.27	15.51
चालू	19.18	6.58
गैर चालू	2.09	8.93

प्रगतिशील परियोजनाओं पर अव्ययित राशि 21.27 करोड़ रुपये का प्रावधान कंपनी (सीएसआर नीति) संशोधन नियम, 2021 के अनुसार वित्त वर्ष 2020–21 की समाप्ति के 30 दिनों के भीतर एक अलग बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिया गया है।

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
	नकद में	अभी तक नकद में भुगतान किया जाना है	नकद में	अभी तक नकद में भुगतान किया जाना है
(i) किसी भी संपत्ति का निर्माण / अधिग्रहण	0.14	-	-	-
(ii) उक्त (i के अलावा अन्य उद्देश्यों पर)	11.25	3.03	33.96	1.16
कुल	11.39	3.03	33.96	1.16

नोट [35]
प्रावधान

कर्मचारी आय, प्रावधान एवं संपत्ति के मूल्यह्रास पर लेखांकन नीति के लिए नोट [2] के बिंदु 10,11, और 14 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
अशोध्य ऋण, परिनिर्धारित हर्जाना एवं ऋण, अग्रिम व जमा				
वर्ष के दौरान बनाया गया	2583.68		2335.46	
घटाएँ: वर्ष के दौरान निकासी	1773.13	810.55	2300.75	34.71
अनुबंधात्मक दायित्व				
वर्ष के दौरान बनाया गया	240.96		436.35	
घटाएँ: वर्ष के दौरान निकासी	501.81	(260.85)	573.11	(136.76)
अन्य				
वर्ष के दौरान बनाया गया	768.16		290.95	
घटाएँ: वर्ष के दौरान निकासी	128.75	639.41	179.14	111.81
		1189.11		9.76
जेवी में निवेश का मूल्य हास		-		(0.27)
बट्टाकृत निवेश		4.93		-
बट्टाकृत अशोध्य ऋण		77.55		57.60
परिनिर्धारित हर्जाने एवं सविदात्मक प्रभारों का बट्टाकरण		170.98		165.20
बट्टाकृत हानियाँ		24.89		0.99
कुल		1467.46		233.28

नोट [36]
वित्तीय लागत

उधार लेने की लागत और प्रावधानों पर लेखांकन नीति लिए नोट 5 [2] के बिंदु 10 और 11 देखें.

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
वाणिज्यिक पत्र पर छूट		**163.68**		204.12
प्रावधान की समाप्ति		**141.74**		195.61
ब्याज लागतः				
बैंक/ वित्तीय संस्थान	**29.34**		45.27	
विदेशी वित्तीय संस्थान	**10.77**		26.32	
पट्टा दायित्व पर	**12.79**		16.03	
अन्य	**13.80**	**66.70**	17.24	104.86
वाणिज्यिक पत्र जारी करने पर अन्य व्यय		**0.97**		2.36
उप कुल		**373.09**		506.95
घटाएँ: उधार लागत का उपयोग		**-**		-
कुल		**373.09**		506.95

नोट [37]
कर व्यय

आयकर पर लेखांकन नीति के नोट [2] के बिंदु 13 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
चालू कर				
वर्तमान वर्ष के लिए	**32.83**		63.44	
पहले के वर्षों के लिए	**(17.01)**	**15.82**	(61.92)	1.52
आस्थगित कर				
वर्तमान वर्ष के लिए	**(907.85)**		(161.53)	
पहले के वर्षों के लिए	**(2.43)**	**(910.28)**	970.87	809.34
कुल		**(894.46)**		810.86

नोट [38]
अन्य व्यापक आय / व्यय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
आय / (व्यय)		
परिभाषित कर्मचारी लाभ का पुनरू मापन	**26.70**	(342.06)
घटाएँ: उक्त मदों से संबंधित आय कर'	**6.72**	(68.18)
कुल	**19.98**	(273.88)
* शामिल है		
चालू कर	**-**	-
आस्थगित कर	**6.72**	(68.18)

आयकर व्यय और लेखा लाभ (टीसीआई) का आयकर दर से गुणा का पुनर्मिलान

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
कर पूर्व कुल व्यापक आय / हानि (टीसीआई) (क)	**(3584.90)**	(1004.17)
सांविधिक आय कर तंजम (ख)	**25.168%**	25.168%
कर व्यय ग = (कxख)	**(902.25)**	(252.73)
के कारण अंतरः (घ)		
कर उद्देश्यों के लिए कटौती योग्य व्यय नहीं	**33.95**	72.65
आय कर से मुक्त आय	**-**	(4.10)
टैक्स दर में बदलाव	**-**	974.41
कर व्यय में परिवर्तन – पहले के वर्ष	**(19.44)**	(47.55)
उप– कुल (घ)	**14.51**	995.41
शुद्ध कर व्यय ड. = (ग+घ)	**(887.74)**	742.68

नोट [39]
प्रति शेयर आय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
इक्विटी शेयरधारको के लिए निश्चित लाभ	**(2717.14)**	(1472.97)
इक्विटी शेयरो की भारित औसत संख्या	**348.21**	348.21
रू. 2 प्रति शेयर मूल एवं डाईल्यूटिड आय	**(7.80)**	(4.23)

अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की वेटेज औसत संख्या द्वारा कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के कारण शुद्ध लाभ को विभाजित करके प्रति इक्विटी शेयर की मूल आय की गणना की जाती है। प्रति शेयर की गई आय की गणना कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के लिए शुद्ध लाभ के हिसाब से की जाती है हो कि प्रतिशेयर पर बेसिक आय को प्राप्त करने के लिए मानी जानी वाली इक्विटी शेयरों की औसत संख्या से होती है एवं उन सभी इक्विटी शेयरों की वैटेज औसत संख्या जो सभी कमजोर संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी किए जा सकते थे। 2018–19 के लिए इक्विटी शेयर की वेटेज औसत संख्या 10, जनवरी 2019 को संपन्न हुए शेयरो के बायबैक करते हुए निकाली गई है मूल एवं आंशिक ईपीएस एक समान है।

नोट [40]
प्रति शेयर लाभांश

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
क. वर्ष के दौरान इक्विटी शेयरों पर घोषित एवं प्रदत्त लाभांश		
प्रति क्वालीफाइंग इक्विटी शेयर पर रूपए 0.0 (पिछले वर्ष रू 1.20) का अंतिम लाभांश	-	417.85
अंतिम लाभांश पर लाभांश वितरण कर	-	85.89
कुल	-	503.74
ख. देयता के रूप में मान्य न किया गया इक्विटी शेयरों पर प्रस्तावित लाभांश	-	-
वित्तीय वर्ष 2020–21 (वित्त वर्ष 2019–20 के लिए प्रति शेयर शून्य प्रति शेयर) के लिए प्रस्तावित अंतिम लाभांश शून्य प्रति शेयर		

सूचना
अतिरिक्त जानकारी
वित्तीय विवरण
निदेशक मंडल रिपोर्ट
कॉर्पोरेट प्रोफाइल
वार्षिक समीक्षा

नोट [41] – आकस्मिक देनदारियां एवं प्रतिबद्धताएँ

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
क. आकस्मिक देनदारियां		
कंपनी के विरूद्ध दावे जो ऋण के रूप में नहीं माने गए:		
(अ) बिक्री कर मामला	**894.74**	1147.53
(आ) सेवा कर मामला	**696.04**	793.64
(इ) कोर्ट और मध्यस्थता मामला	**516.18**	690.01
(ई) एक्साइज ड्यूटी मामला	**161.76**	161.76
(उ) सीमा शुल्क और अन्य	**834.51**	5.80
(ऋ) अन्य मामला (विवादित स्टाफ मामलों सहित)	**40.51**	38.16
(ए) निर्णीत हर्जाना (एलडी) के अंतर्गत दावा	**2901.75**	5231.57
कुल	**6045.49**	8068.47

(i) कंपनी द्वारा विभिन्न अदालतों में विवादित मामलों, मुकदमों और दावों के मद्देनजर स्त्रोतों का बर्हिवाह का इस स्तर पता लगाना संभव नहीं है। आमतौर पर, अदालत और मध्यस्ता मामलों की आकस्मिक देयताएं अवार्ड/कोर्ट जजमेंट पर निर्भर होता हैं और आकस्मिक मामले में इसकी रिपोर्टिंग के लिए मामले दर मालमे के आधार पर समीक्षा भी की जाती है

(ii) संबंधित कार्यवाही में संकल्प के लंबित होने के कारण (अ) से (ऋ) मदों के संदर्भ में वास्तविक नकदी बहिर्वाह के समय का अनुमान लगाना कंपनी के लिए व्यावहारिक नहीं है। तथापि, इसकी संभावना दूरस्थ और आकस्मिक हैं।

(iii) परिनिर्धारित (लिक्विडेटेड) क्षति परियोजनाओं के निष्पादन में देरी के कारण ग्राहक द्वारा रोके गए संभावित दावों या राशियों का प्रतिनिधित्व करता है, जो विलंब विश्लेषण के आधार पर परियोजना के कमीशनिंग और ट्रायल ऑपरेशन के बाद सैटल किया जाएगा जिसका प्रकटीकरण इंड एएस–37 के अनुसार किया जा रहा है।

(iv) आकस्मिक देनदारियाँ में संचलन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
वर्ष के प्रारम्भ में शेष	**8068.47**	7434.64
कमः प्रारंभिक शेष में कमी	**3342.01**	1443.71
घटायें: वर्ष के दौरान परिवर्धन (शुद्ध)	**1319.03**	2077.54
वर्ष के अंत में शेष	**6045.49**	8068.47

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
ख. **प्रतिबद्धता**		
(क) अनुबंध की अनुमानित राशि, शुद्ध अग्रिम, बाकी शेष को पूंजी खाते पर निष्पादित किया जाएगा जिसके लिए प्रावधान नहीं किया गया था।	**229.15**	325.72
–– (उपर्युक्त में अमूर्त संपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित सम्मिलित हैं)	**(8.65)**	(12.30)
(ख) संयुक्त उद्यम संस्थाओं में निवेश जिसके लिए कंपनी को परियोजना के निगमन / वाणिज्यिक संचालन / परियोजना की पहली इकाई / पहली ईपीसी अनुबंध के पूरा होने की तिथि से पांच वर्षों के लिए उनके निपटान के लिए प्रतिबंध है, जैसा भी मामला हो।	**50.00**	50.00

(ग) व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए, दीर्घकालिक निर्माण अनुबंध होने के नाते सामग्री की खरीद के लिए अन्य प्रतिबद्धताएं हो सकती हैं जिसे सामान्य व्यवसाय प्रक्रिया माना गया है।

नोट [42]

वर्तमान वित्तीय देनदारियों में रुपये 100.51 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 100.51 करोड़) की राशि सम्मिलित है जो गारंटी शुल्क के लिए भारत सरकार द्वारा 1990–91 तक सरकार के अनुरोध पर कंपनी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋणों के संबंध में माँग की गई थी। कंपनी द्वारा ऋण लेने (सरकार द्वारा गारंटीकृत) के समय इस तरह के गारंटी शुल्क के भुगतान के लिए कोई शर्त नहीं होने के कारण इसकी माफी का मामला सरकार के साथ उठाया गया है।

नोट [43]

कंपनी ने 1 अप्रैल, 1999 को न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी (एमएनआरई) से 30 वर्ष की अवधि के लिए एमॉर्फस सिलिकन सोलर सेल प्लांट (एएसएससीपी), गुड़गांव का अधिग्रहण किया था। न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी मंत्रालय (एमएनआरई) के साथ औपचारिक करार समझौते को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

नोट [44]

उप–ठेकेदारों / फैब्रिकेटर्स के साथ दिखाए गए व्यापार प्राप्य, व्यापार देयक, ठेकेदारों के अग्रिम, जमा और स्टॉक/सामाग्री शेष पुष्टि, पुनर्मिलान और परिणामी समायोजन के अधीन हैं। कंपनी दीर्घकालिक निर्माण अनुबंधों के व्यवसाय में है, अनुबंध के अनुपालन में ग्राहकों द्वारा अनुमोदित बिलिंग शेड्यूल के अनुसार ग्राहकों को बिल जारी किए जाते हैं और आवश्यक समझे जाने पर किए गए प्रावधानों व प्रगतिशील कार्य आधार पर पुनर्मिलान की जाती है। ग्राहक के साथ अंतिम सामंजस्य परियोजना के पूरा (ट्रायल ऑपरेशन और पीजी टेस्ट पूरा) होने पर किया जाता है । पूर्ण परियोजनाओं में रु 7882 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 8098 करोड़) के व्यापार प्राप्य बकाया हैं। पूर्ण किए गए अनुबंधों में से, ग्राहकों के साथ सम्मिलित परियोजनाओं में रु. 6299 करोड़ (पिछले वर्ष रु 6676करोड़) की बकाया व्यापार प्राप्ति है।

नोट [45]
पट्टों पर प्रकटीकरण – इंड एएस 116

पट्टा प्रतिबद्धताएं – पट्टेदार के रूप में

कंपनी के महत्वपूर्ण पट्टे समझौते भूमि, भवन और ईडीपी उपकरणों के संबंध में हैं। कंपनी ने कंप्यूटर आइटम, प्रिंटर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण और पेरिफेरल्स पट्टा व्यवस्था के लिए एक दर अनुबंध किया है। पट्टे पर ली गई संपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है तथा संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के प्रयोग के अधिकार का संपत्ति के रूप में अलग से प्रकटीकरण किया जाता है। पट्टा रेंटल को ब्याज, रखरखाव और मूलधन मूल्य के बीच आवंटित किया जाता है। ब्याज और रखरखाव शुल्क लाभ और हानि के विवरण पर लगाया जाता है और मूल राशि को पट्टा देयताओं के लिए समायोजित किया जाता है।

कंपनी ने निम्न उपलब्ध व्यावहारिक उपायों को लागू किया:

(i) ऐसे पट्टे, जिनकी पट्टा अवधि अनुप्रयोग की प्रारम्भिक दिनांक से 12 माह तक है और कुल पट्टा अवधि 12 माह से कम है, के लिए अल्पकालिक छूट।

(ii) अल्पमूल्य (50000 रुपये से कम की संपत्ति) की आधारभूत परिसंपत्तियों के पट्टों के लिए अल्पमूल्य पट्टा छूट।

क. पट्टा देयताओं का आयु–वार विश्लेषण निम्नानुसार है

(₹ करोड़ों में)

विवरण	भविष्य के न्यूनतम पट्टा का भुगतान		ब्याज		न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य [पीवी]	
	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
एक वर्ष के भीतर #	**54.01**	65.04	**8.77**	11.49	**45.24**	53.55
एक वर्ष के बाद एवं 5 वर्ष के अंदर	**60.33**	87.62	**6.92**	12.25	**53.41**	75.37
पांच वर्ष के बाद	**-**	-	**-**	-	**-**	-

उन पट्टों के संबंध में भविष्य के न्यूनतम पट्टा भुगतान की राशि जहां 31 मार्च, 2021 के अंत तक शेष पट्टा अवधि 12 महीने से कम है, 9.54 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 5.97 करोड़ रुपये) है।

ख. वित्तीय वर्ष 2020–2021 के दौरान पट्टा देनदारियों में परिवर्तन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	तक	
	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
1 अप्रैल की स्थिति के अनुसार पट्टा देयताएं*	**132.04**	178.41
जोड़ें: परिवर्धन	**30.03**	20.38
जोड़ें: ब्याज की वृद्धि	**12.79**	16.03
कमः भुगतान/समायोजन	**73.25**	82.78
31 मार्च की स्थिति के अनुसार पट्टा देयताएं*	**101.61**	132.04

* मार्च 31, 2021 और मार्च 31, 2020 को क्रमशः 2.96 करोड़ रुपये (पीवाई 3.12 करोड़ रुपये) और 3.12 करोड़ रुपये (पीवाई 4.41 करोड़ रुपये) का ब्याज शामिल है।

ग. लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त राशिः

(₹ करोड़ों में)

विवरण	वर्ष के अंत के लिए	
	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
अल्पकालिक पट्टों से संबंधित व्यय (टिप्पणी संख्या 34 देखें)	**2.25**	5.95
कम मूल्य की संपत्ति पट्टों से संबंधित व्यय (टिप्पणी 34 देखें)	**1.03**	1.21
उपयोग के अधिकार की संपत्ति का मूल्यह्रास शुल्क	**64.26**	66.63
ब्याज व्यय (वित्त लागत में शामिल)	**12.79**	16.03

घ. कंपनी के कई पट्टा अनुबंध हैं जो अभी तक शुरू नहीं हुए हैं। इन गैर–रद्द करने योग्य पट्टा अनुबंधों के लिए भावी पट्टा भुगतान इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	तक	
	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
अधिकतम एक वर्ष तक	**0.07**	0.07
एक वर्ष के बाद एवं 5 वर्ष के अंदर	**0.05**	0.08
5 वर्ष से बाद में	**-**	-

नोट [46] "कर्मचारी लाभ" पर प्रकटीकरण – इंड एएस 19

क. कंपनी के पास परिभाषित लाभ योजनाओं के रूप में निम्न योजनाएं है:

i) उपदान (ग्रेच्युटी) योजना

ii) सेवानिवृत्ति के उपरांत स्वास्थ्य योजना

iii) भविष्य निधि योजना

iv) सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावा

अ. उपदान (वित्त पोषित योजना)

कंपनी की एक परिभाषित लाभ उपदान योजना है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने पांच वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा प्रदान की है वह सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए 15 दिन के वेतन पर ग्रेच्युटी (15/26 X अंतिम आहरित मूल वेतन और महंगाई भत्ता) का पात्र है, अधिकतम सीमा 20 लाख रुपये है। ग्रेच्युटी देयताएं भविष्य के भुगतानों के कारण उत्पन्न होती है, जिसकी सेवानिवृत्ति, सेवा के दौरान मृत्यु या त्यागपत्र की स्थिति में किए जाने की आवश्यकता होती है। अनुमानित इकाई क्रेडिट बीमांकिक विधि का उपयोग से देयताएं का आकलन मूल्यांकन किया गया है।

उपदान योजना पर शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति) / देयताएं में संचलन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति) देनदारी	
	तक					
	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
प्रारंभिक शेष	**2068.33**	2034.82	**1696.77**	1862.77	**371.56**	172.05
वर्ष के लाभ में सम्मिलित						
वर्तमान सेवा लागत	**101.66**	105.03	**-**	-	**101.66**	105.03
पिछला सेवा लागत	**-**	-	**-**	-	**-**	-
ब्याज लागत /(आय)	**139.61**	157.70	**139.61**	157.70	**-**	-
वर्ष के लाभ में स्वीकृत कुल राशि	**241.27**	262.73	**139.61**	157.70	**101.66**	105.03
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में सम्मिलित						
पुनर्भुगतान हानि (लाभ)						
बीमांकिक हानि (लाभ) से उत्पन्न						
जनसांख्यिकी अनुमान में परिवर्तन	**-**	(0.62)	**-**	-	**-**	(0.62)
वित्तीय अनुमान में परिवर्तन	**-**	151.51	**-**	-	**-**	151.51
अनुभव समायोजन	**(32.61)**	(29.11)	**(21.21)**	(20.70)	**(11.40)**	(8.41)
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि	**(32.61)**	121.78	**(21.21)**	(20.70)	**(11.40)**	142.48
अन्य						
नियोक्ताा द्वारा भुगतान किया गया योगदान	**-**	-	**154.00**	48.00	**(154.00)**	(48.00)
लाभ का भुगतान किया गया	**(271.73)**	(351.00)	**(271.73)**	(351.00)	**-**	-
लाभ जिसका भुगतान नहीं हुआ	**-**	-	**-**	-	**-**	-
अंतिम शेष	**2005.26**	2068.33	**1697.44**	1696.77	**307.82**	371.56

नियोजित परिसम्पत्तियों का विवरण

विवरण	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधि	**70.80%**	56.59%
उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड (कोटिड)	**18.23%**	33.88%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ (कोटिड)	**2.46%**	2.74%
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर (कोटिड)	**0.97%**	0.84%
बैंक शेष	**7.54%**	5.95%
कुल	**100.00%**	100.00%

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग के दिनांक तक निम्नलिखित मुख्य अनुमान थे:

विवरण	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आर्थिक अनुमान		
छूट की दर	**6.75%**	6.75%
वेतन वृद्धि दर	**प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष**	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकी अनुमान		
सेवानिवृत्ति की आयु	**60**	60
मृत्यु दर तालिका	**आईएएलएम का 100% (2012–14)**	आईएएलएम का 100% (2012–14)
निकासी दर% (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्ष तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण प्रमुख अनुमान में परिवर्तन के लिए परिभाषित लाभ देयताएं की संवेदनशीलता इस प्रकार है:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	ग्रेच्युटी			
	मार्च 31 2021 तक		मार्च, 31 2020 तक	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में बदलाव (0.50% संचलन)	**(92.13)**	**100.65**	(85.66)	93.53
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में परिवर्तन	**51.60**	**(53.83)**	53.64	(54.04)

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता प्रत्यक्ष नहीं है और इसलिए इन के कारण परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

भुगतान में पेंशन की वृद्धि दर, सेवानिवृत्ति पूर्व पेंशन वृद्धि दर और जीवन प्रत्याशा के रूप में संवेदनशीलता नहीं लागू होती हैं।

उपर्युक्त संवेदनशीलता का विश्लेषण एक ऐसी प्रणाली के आधार पर किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मूल अनुमानों में होने वाले पर्याप्त परिवर्तन के परिणामस्वरूप निर्धारित लाभ देयता पर प्रभाव को बढ़ाती है। यह विश्लेषण निर्धारित लाभ देयताओं में वास्तविक परिवर्तन का उदाहरण नहीं हो सकता है क्योंकि कुछ अनुमानों में अलग–अलग परिवर्तन हो सकता है और कुछ अनुमान एक दूसरे से संबद्ध हो सकते हैं।

भविष्य के वर्षों में उपदान (ग्रेच्युटी) योजना की अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	ग्रेच्युटी	
	मार्च 31 2021 तक	मार्च, 31 2020 तक
एक वर्ष के अंदर	**230.35**	313.22
1–2 वर्ष के बीच में	**193.21**	206.70
2–3 वर्ष के बीच में	**140.89**	178.18
3–4 वर्ष के बीच में	**125.91**	129.93
4–5 वर्ष के बीच में	**103.76**	114.23
5–6 वर्ष के बीच में	**91.67**	93.70
6 वर्ष के बाद	**1119.47**	1032.37
कुल	**2005.26**	2068.33

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए ग्रेच्युटी योजनाओं में अपेक्षित योगदान रु. 117.75 करोड़ रु होगा।

समीक्षाधीन अवधि के अंत में ग्रेच्युटी परिभाषित लाभ योजना देयताएं की भारित औसत 14.95 वर्ष (31 मार्च 2020: 14.91 वर्ष) है।

जोखिम एक्सपोजर

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित हैं, जो गतिशील प्रकृति के हैं और समय के साथ परिवर्तनशील हैं। कंपनी के समक्ष विभिन्न जोखिम जैसे वेतन वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट दर, मृत्यु दर, विकलांगता और निकासी प्रकट होती है।

ii. सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (वित्त पोषित योजना)

कंपनी में सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (PRMB) है, जिसके अंतर्गत सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके पति / पत्नी को कंपनी के अस्पतालों / इंपाइनेल्ड अस्पतालों में मेडिकल सुविधा प्रदान की जाती है, जो कंपनी के मेडिकल नियमों के अधीन हैं। वे कंपनी द्वारा तय की गई सीमा में बाह्य रोगी के रूप में भी उपचार का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए वार्षिक देयताएं वास्तविक मूल्यांकन आधार पर मान्य की जाती है।

सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना पर शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति) / देयताएं में संचलनः

(₹ करोड़ों में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति) देयताएं	
	तक					
	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
प्रारंभिक शेष	**2285.20**	2080.78	**1933.72**	1935.72	**351.48**	145.06
वर्ष के लाभ में सम्मिलित						
वर्तमान सेवा लागत	**39.92**	40.15	**-**	-	**39.92**	40.15
पिछली सेवा लागत	**(49.95)**	-	**-**	-	**(49.95)**	-
ब्याज दर / (आय)	**154.25**	161.26	**154.25**	161.26	**-**	-
वर्ष के लाभ में शामिल	**144.22**	201.41	**154.25**	161.26	**(10.03)**	40.15
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में सम्मिलितः						
पुनर्भुगतान हानि (लाभ):						
बीमांकिक हानि (लाभ) से उत्पन्नः						
जनसांख्यिकीय अनुमान	**-**	(0.91)	**-**	-	**-**	(0.91)
वित्तीय धारणा	**-**	193.77	**-**	-	**-**	193.77
अनुभव का समायोजन	**(9.57)**	(31.85)	**(17.25)**	(5.26)	**7.68**	(26.59)
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि	**(9.57)**	161.01	**(17.25)**	(5.26)	**7.68**	166.27
अन्य						
नियोक्त्ता द्वारा भुगतान किए गए योगदान	**-**	-	**41.62**	-	**(41.62)**	-
भुगतान किया गया लाभ	**(164.00)**	(158.00)	**(164.00)**	(158.00)	**-**	-
अंतिम शेष	**2255.85**	2285.20	**1948.34**	1933.72	**307.51**	351.48

कंपनी की नियोजित परिसम्पत्तियों का प्रबंधन भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा किया जाता है। कंपनी के फंड देयताओं के लिए ली गई बीमा पॉलिसी के संदर्भ में कंपनी द्वारा प्रबंधित एक न्यास के माध्यम से चलाया जा रहा है।

बीमांकिक मान्यताएँ

रिपोर्टिंग की तिथि को प्रमुख बीमांकिक अनुमान निम्नानुसार है:

विवरण	मार्च 31 2021 तक	मार्च, 31 2020 तक
आर्थिक अनुमान		
छूट दर	**6.75%**	6.75%
वेतन वृद्धि दर	**प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष**	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकीय अनुमान:		
सेवानिवृत्ति उम्र	**60**	60
मृत्यु दर तालिका	आईएएलएम का 100% (2012–14)	आईएएलएम का 100% (2012–14)
निकासी दर (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तके	**3%**	3%
31 से 44 वर्ष तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण प्रमुख अनुमानों में परिवर्तन के लिए परिभाषित लाभ देयताओं की संवेदनशीलता है:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ			
	मार्च 31, 2021 को		मार्च 31, 2020 को	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में परिवर्तन (0.50% संचलन)	**(100.99)**	**103.12**	(101.67)	104.64
परिवर्तन दर (0.50% संचलन)	**103.96**	**(101.57)**	105.37	(102.38)

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता प्रत्यक्ष नहीं है और इसलिए इन के कारण परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

उपर्युक्त संवेदनशीलता का विश्लेषण एक ऐसी प्रणाली के आधार पर किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मूल अनुमानों में होने वाले पर्याप्त परिवर्तन के परिणामस्वरूप निर्धारित लाभ देयता पर प्रभाव को बढ़ाती है । यह विश्लेषण निर्धारित लाभ देयताओं में वास्तविक परिवर्तन का उदाहरण नहीं हो सकता है क्योंकि कुछ अनुमानों में अलग–अलग परिवर्तन हो सकता है और कुछ अनुमान एक दूसरे से संबद्ध हो सकते हैं।

भविष्य के वर्षों में सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना की अपेक्षित परिपक्वता का विश्लेषण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	सेवानिवृत्ति के उपरांत चिकित्सा लाभ	
	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
एक वर्ष के अंदर	**147.94**	155.27
1 से 2 वर्ष के बीच	**149.62**	172.35
1 से 2 वर्ष के बीच	**153.04**	189.58
3 से 4 वर्ष के बीच	**158.33**	209.49
4 से 5 वर्ष के बीच	**165.65**	232.53
5 से 6 वर्ष के बीच	**175.29**	259.27
6 वर्ष के बाद	**1305.98**	1066.71
कुल	**2255.85**	2285.20

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा लाभ योजना में अपेक्षित योगदान 38.26 करोड़ रुपये है।

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में सेवानिवृत्ति उपरांत चिकित्सा लाभ योजना देयताओं की भारित औसत अवधि 12.42 वर्ष (31 मार्च 2020रूः 11.44 वर्ष) है।

जोखिम की संभावना

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित हैं, जो प्रकृति में गतिशील हैं और समय के साथ बदलते रहते हैं। जैसे कि कंपनी विभिन्न जोखिमों जैसे कि चिकित्सा लागत में वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट की दर, मृत्यु दर, विकलांगता और निकासी को प्रकट करती है।

(iii) भविष्य निधि

कंपनी पृथक न्यास को पूर्वनिर्धारित दरों पर नियत भविष्य निधि योगदान का भुगतान करती है जो अनुमत प्रतिभूतियों में धन का निवेश करती है। सदस्यों को भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट न्यूनतम दर में वापसी सुनिश्चित करना कंपनी का देयताएं है। तदनुसार, कंपनी ने एक्चयूरी से रिपोर्ट प्राप्त की है, एक्चुरियल वैल्यूएशन सर्टिफिकेट देयताओं के अनुसार जहां भी संभावित ब्याज की कमी उत्पन्न हो, के लिए, खातों में इसका प्रावधान किया गया है।

भविष्य निधि न्यास में ब्याज की कमी का विवरणः

(₹ करोड़ों में)

विवरण	वर्ष के अंत तक	
	2020-21	2019-20
वर्ष के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पीएफ ब्याज देयताओं में अधिकता / (कमी)	**15.68**	(23.18)
बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पीएफ ब्याज देयताएं में कमी के लिए संचित प्रावधान	**14.46**	30.14
अन्य व्यापक आय विवरण के माध्यम से मान्यता प्राप्त लाभ / (हानि) का पुनर्मापन	**25.16**	(31.46)
लाभ–हानि विवरण के माध्यम से गणना की गई ब्याज में अधिकता / (कमी)	**9.48**	(8.28)

कंपनी में विभिन्न स्थानों पर स्थित पीएफ न्यास हैं जो संबन्धित कर्मचारियों को सेवा प्रदान करते हैं और इनका प्रबंधन पृथक–पृथक है। नियोजित संपत्ति और देयताओं का विवरण निम्नानुसार हैः

(₹ करोड़ों में)

स्थान	निर्धारित लाभ देयताएं		नियोजित परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य		अधिशेष / (कमी)	
	तक					
	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, रानीपुर, हरिद्वार	**1574.05**	1470.95	**1581.86**	1472.38	**7.81**	1.43
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि – त्रिची	**986.73**	1029.10	**984.73**	1025.27	**(2.00)**	(3.83)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि भोपाल	**1317.70**	1239.54	**1313.87**	1232.47	**(3.83)**	(7.07)
बीएचईएल नई दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि न्यास	**1291.26**	1169.96	**1297.88**	1176.53	**6.62**	6.57
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि–हैदराबाद	**833.30**	835.64	**853.68**	853.11	**20.38**	17.47
बीएचईएल पीपीडी ईपीएफ न्यास, चेन्नई	**786.92**	741.03	**778.29**	726.19	**(8.63)**	(14.84)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि–बेंगलुरु	**635.51**	723.36	**644.53**	721.87	**9.02**	(1.49)
बीएचईएल (बीएपी यूनिट) ईपीएफ न्यास, रानीपेट	**390.16**	416.21	**390.62**	413.30	**0.46**	(2.91)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास झांसी	**437.95**	407.02	**447.68**	414.19	**9.73**	7.17
भारत हेवी प्लेट्स एंड वेसेल्स लिमिटेड कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि–विजाग	**141.46**	127.58	**172.72**	158.81	**31.26**	31.23
कुल	**8395.04**	8160.39	**8465.86**	8194.12	**70.82**	33.73

भविष्य निधि पर शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति) / देयताओं में संचलन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास (समेकित)			
	परिभाषित लाभ देयताएं		नियोजित परिसम्पत्तियों का उचित मूल्य	
	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आरम्भिक शेष	**8160.39**	7641.62	**8194.12**	7734.01
वर्ष के लिए लाभ में सम्मिलितः				
वर्तमान सेवा लागत	**327.61**	327.33	**-**	-
ब्याज लागत / (आय)	**665.66**	636.48	**665.66**	656.50
वर्ष के लाभ में शामिल #	**993.27**	963.81	**665.66**	656.50
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में सम्मिलितः				
पुनर्भुगतान हानि (लाभ):				
बीमांकिक हानि (लाभ) से उत्पन्न होने वाली:				
जनसांख्यिकी अनुमान	**-**	-	**-**	-
वित्तीय अनुमान			**-**	-
अनुभव समायोजन	**(17.87)**	30.75	**19.22**	(45.63)
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि #	**(17.87)**	33.05	**19.22**	(45.63)
अन्य				
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	**777.25**	722.01	**327.61**	327.33
कर्मचारी अंशदान	**-**	-	**777.25**	722.01
लाभ का भुगतान किया	**(1804.50)**	(1497.98)	**(1804.50)**	(1497.98)
समायोजन / अंतरण	**286.50**	297.88	**286.50**	297.88
अंतिम शेष	**8395.04**	8160.39	**8465.86**	8194.12

नोटः घाटे वाले पीएफ न्यास के संबंध में ब्याज की कमी केवल लाभ–हानि विवरण और अन्य व्यापक आय विवरण के माध्यम से लेखांकित की गई है।

नियोजित परिसम्पत्तियों का विवरण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
भारत सरकार की प्रतिभूतियां (कोटिड)	**1153.72**	1252.00
राज्य सरकार प्रतिभूतियां (कोटिड)	**3694.89**	3305.75
कॉर्पोरेट बॉन्डस् (कोटिड)	**3027.71**	2920.68
विशेष जमा (अनकोटिड)	**417.43**	468.86
लिक्विड फंड (अनकोटिड)	**2.11**	18.69
अल्पावधि जमा (अनकोटिड)	**10.89**	48.04
म्यूचुअल फंड व ईक्विटी शेयर (अनकोटिड)	**159.11**	180.11
कुल	**8465.86**	8194.12

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि में प्रमुख बीमांकिक अनुमान इस प्रकार थे:

विवरण	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आर्थिक अनुमान		
छूट दर	**6.75%**	6.75%
खाता बही पर अपेक्षित वैधानिक ब्याज दर	**8.50%**	8.50%
निधि पर ब्याज आय में अपेक्षित कमी	**0.05%**	0.05%
जनसांख्यिकी अनुमानः		
मृत्यु दर तालिका	**आईएएलएम का 100% (2012–14)**	आईएएलएम का 100% (2012–14)
निकासी दर% (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	**3.00%**	3.00%
31 से 44 वर्ष तक	**2.00%**	2.00%
44 वर्ष से ऊपर	**1.00%**	1.00%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण प्रमुख धारणा में परिवर्तन के लिए परिभाषित लाभ देयताएं की संवेदनशीलता निम्न प्रकार है:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास			
	31 मार्च, 2021 तक		31 मार्च, 2020 तक	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में परिवर्तन (0.50% संचलन)	**(1.23)**	**1.28**	(1.35)	1.43

भविष्य के वर्षों में अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	भविष्य निधि	
	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
अगले 12 महीनों के भीतर	**832.06**	836.14
2–5 के बीच वर्ष में	**2009.34**	1984.26
5–10 के बीच वर्ष में	**1984.72**	1502.75
10 वर्ष के बाद	**3568.92**	3837.24
कुल	**8395.04**	8160.39

(iv) सेवानिवृत्ति पर यात्रा दावा– (निपटान भत्ता – गैर वित्त पोषित योजना)

कर्मचारी को सेवानिवृत्ति पर स्वयं व परिजनों एवं सेवा के दौरान मृत्यु होने पर परिजनों की गृह नगर या इच्छानुसार भारत में किसी भी स्थान पर पुनर्वास करने हेतु यात्रा व सामान के परिवहन के व्यय की प्रतिपूर्ति पर होने वाला व्यय निपटान भत्ता (सैटलमेंट अलाउंस) है।

निपटान भत्ता देयताओं में संचलन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	निपटान भत्ता देयता	
	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आरम्भिक शेष	**9.56**	8.53
वर्तमान सेवा लागत	**0.63**	0.58
ब्याज लागत / आय	**0.65**	0.64
वर्ष के लाभ में शामिल	**1.28**	1.22
बीमांकिक हानि (लाभ)	**2.16**	1.86
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय के रूप में मान्य कुल राशि	**3.44**	3.08
अन्य		
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	**-**	-
लाभ का भुगतान किया	**(2.70)**	(2.05)
अंतिम शेष	**10.30**	9.56

बिमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि में प्रमुख बीमांकिक अनुमान इस प्रकार थे:

विवरण	समायोजना भत्ता	
	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आर्थिक अनुमानः		
छूट दर	**6.75%**	6.75%
वेतन वृद्धि दर	**प्रथम चार वर्षो के लिए प्रति वर्ष 6.50% तथा उसके पश्चात 6% प्रति वर्ष**	प्रथम चार वर्षो के लिए प्रति वर्ष 6.50% तथा उसके पश्चात 6% प्रति वर्ष
जनसांख्यिकी अनुमानः		
सेवानिवृत्ति आयु	**60**	60
मृत्यु दर	**आईएएलएम का 100% (2012–14)**	आईएएलएम का 100% (2012–14)
निकासी दर (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्ष तक	**2%**	2%
44 वर्ष ऊपर	**1%**	1%

दीर्घकालीन छुट्टी देयताएं (अर्जित छुट्टी –ई एल /अर्धवैतनिक अवकाश–एचपीएल) – (गैर वित्त पोषित योजना)

कंपनी अपने कर्मचारियों को प्रति छमाही में 15 दिन (अधिकतम) अर्जित अवकाश और और 10 दिन का अर्ध वैतनिक अवकाश की सुविधा प्रदान करती है। अर्जित अवकाश का नकदीकरण सेवा के दौरान होता है। कंपनी नीतियों व नकदीकरण नियमों के आधार पर सेवानिवृत्ति / अधिवर्षिता आयु पर अर्जित अवकाश और अर्ध वैतनिक अवकाश एक साथ मिलाकर अधिकतम 300 दिनों तक नकदीकरण किया जा सकता है। अवकाश देयताओं को अन्य दीर्घकालिक लाभों के रूप में माना जाता है और अनुमानित यूनिट क्रेडिट एक्चुरियल विधि का उपयोग करके मूल्यांकन किया गया है।

दीर्घावधि छुट्टी देयता में संचालन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	दीर्घावधि छुट्टी देयताएं	
	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आरंभिक शेष	**1392.37**	1492.06
वर्ष के लाभ में शामिल है:		
वर्तमान सेवा लागत	**157.77**	155.96
ब्याज लागत/(आय)	**93.98**	115.63
बीमांकिक हानि/(लाभ)	**(130.95)**	(138.64)
वर्ष के लिए लाभ के रूप में मान्य कुल राशि	**120.80**	132.95
प्रदत्त लाभ	**271.43**	232.64
अंतिम शेष	**1241.74**	1392.37

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि को मुख्य बीमांकिक अनुमान निम्न प्रकार से हैं:

विवरण	दीर्घावधि छुट्टी देयताएं	
	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आर्थिक अनुमान:		
छूट दर	**6.75%**	6.75%
वेतन में वृद्धि	**प्रथम चार वर्षो के लिए प्रति वर्ष 6.50% तथा उसके पश्चात 6% प्रति वर्ष**	प्रथम चार वर्षो के लिए प्रति वर्ष 6.50% तथा उसके पश्चात 6% प्रति वर्ष
जनसांख्यिकी अनुमान:		
सेवा निवृत्ति आयु	**60**	60
मृत्यु दर	**आईएएलएम का 100% (2012–14)**	आईएएलएम का 100% (2012–14)
निकासी दर (सभी आयु)		
30 वर्ष तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्ष तक	**2%**	2%
44 वर्ष से ऊपर	**1%**	1%

ग. पेंशन निधि

कम्पनी ने वित्त वर्ष 2020–21 में पेंशन निधि (परिभाषित अंशदान योजना) के लिए 280 करोड़ रुपये का योगदान किया।

नोट [47]– संबंधित पक्ष का लेनदेन

(i)

सहायक कंपनीः	संयुक्त उद्यमः	अन्यः
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल्स मशीन्स लिमिटेड	बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस)	केन्द्रीय सरकार द्वारा नियंत्रित संस्थाएं
	टीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल)	भविष्य निधि न्यास
	रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल)	ग्रेच्युटी न्यास
	दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड*	पीआरएमबी न्यास
	पावरप्लांट परफोर्मेंस इमप्रूवमेंट लिमिटेड	पेंशन न्यास

*नवम्बर 2020 में परिसमापन हो चुका है।

(ii) अन्य संबंधित पक्षः

अ. कार्यकारी निदेशक और कंपनी सचिव (केएमपी)

(₹ करोड़ों में)

विवरण	अल्पकालिक कर्मचारी लाभ		रोजगार के बाद के लाभ		कुल पारिश्रमिक	
	20-21	19-20	20-21	19-20	20-21	19-20
श्री [डॉ] नलिन सिंघल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	0.52	0.35	0.08	0.07	0.60	0.42
श्री सुबोध गुप्ता निदेशक (वित्त)	0.49	0.44	0.07	0.09	0.56	0.53
श्री एस. बालकृष्णन [1] निदेशक (आईएस एवं पी)	0.66	0.50	0.05	0.09	0.71	0.59
श्री मनोज कुमार वर्मा [2] निदेशक (पावर)	0.62	0.52	0.06	0.09	0.68	0.61
श्री कमलेश दास निदेशक (इंजीनियरिंग, आर एंड डी)	0.47	0.38	0.07	0.08	0.54	0.46
श्री अनिल कपूर [3] निदेशक (मानव संसाधन)	0.46	0.20	0.07	0.04	0.53	0.24
सुश्री रेणुका गेरा [4] निदेशक (आईएस एवं पी)	0.16	-	0.03	-	0.19	-
श्री राजीव कालड़ा कम्पनी सचिव	0.38	0.33	0.06	0.07	0.44	0.40

[1] 30 नवंबर, 2020 तक

[2] 31 जनवरी, 2021 तक

[3] 1 फरवरी, 2021 से निदेशक (पावर) का अतिरिक्त प्रभार

[4] 1 दिसंबर, 2020 से प्रभावी

कंपनी भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और भारत सरकार के पास इसकी अधिकांश हिस्सेदारी है। महत्वपूर्ण लेनदेन अन्य सार्वजनिक उपक्रमों, राज्य के स्वामित्व वाली उपयोगिताओं, रेलवे आदि के साथ हैं, भारत के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जिन्हें सरकार द्वारा नियंत्रित भी किया जाता है। इस तरह की संस्थाओं के साथ लेन–देन सामान्य है, यह कीमत बाजार संचालित दरों के आधार पर दर्शाई गई हैं।

ब. सरकारी निदेशक/स्वतंत्र निदेशक

(₹ लाखों में)

सरकारी निदेशक/स्वतंत्र निदेशक	बैठक शुल्क	
	वर्ष के अंत में	
	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
श्री शशांक प्रिय सरकारी निदेशक	-	-
श्री अमित वरदान सरकारी निदेशक (02.09.2020 तक)	-	-
श्री अमित मेहता सरकारी निदेशक [02.09.2020 से प्रभावी]	-	-
श्री देश दीपक गोयल स्वतंत्र निदेशक [11.09.2020 तक]	3.30	6.30
श्री रंजीत रे स्वतंत्र निदेशक [11.09.2020 तक]	3.50	6.90
श्री राजेश शर्मा स्वतंत्र निदेशक	5.10	4.50
श्री राज कमल बिंदल स्वतंत्र निदेशक	4.60	0.30
श्री मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	4.80	0.30

स. विलगित न्यास द्वारा प्रबंधित सेवा उपरान्त लाभ योजना के साथ लेनदेन

(₹ करोड़ों में)

न्यास का नाम	रोजगार के बाद लाभ योजना	नियोक्ता द्वारा योगदान	
		वर्ष के अंत में मार्च 31	
		2021	2020
पीआरएमबी न्यास	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा योजना	41.62	-
ग्रेच्युटी न्यास	ग्रेच्युटी	154.00	48.00
कर्मचारी सेवानिवृत्ति कोष	पेंशन निधि	280.00	92.27
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, रानीपुर, हरिद्वार	भविष्य निधि	52.21	50.81
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि–त्रिची	भविष्य निधि	52.97	56.76
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि भोपाल	भविष्य निधि	50.86	63.52
बीएचईएल नई दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि न्यास	भविष्य निधि	39.25	34.18
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि–हैदराबाद	भविष्य निधि	39.36	16.57
बीएचईएल पीपीडी ईपीएफ न्यास, चेन्नई	भविष्य निधि	26.34	25.37
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि–बेंगलुरु	भविष्य निधि	29.16	33.50
बीएचईएल (बीएपी यूनिट) ईपीएफ न्यास, रानीपेट	भविष्य निधि	19.24	19.79
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास झांसी	भविष्य निधि	12.77	21.65
भारत हैवी प्लेट्स एंड वेसल्स लिमिटेड कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि–विजाग	भविष्य निधि	5.45	5.18

iii. संयुक्त उपक्रम के साथ लेनदेन और शेष राशि का विवरण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	वर्ष के अंत में	
	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
उत्पाद एवं सेवाओं की बिक्री		
बीजीजीटीएस	**215.85**	169.61
आरपीसीएल	**7.80**	17.28
एनबीपीपीएल	**10.86**	2.80
लाभांश आय		
बीजीजीटीएस	**21.42**	16.30
रॉयल्टी आय		
बीजीजीटीएस	**1.46**	1.10
उत्पाद एवं सेवाओं का क्रय		
बीजीजीटीएस	**1.96**	0.86
आरपीसीएल	**-**	-
एनबीपीपीएल	**0.75**	3.05
वर्ष के अंत में बीएचईएल को देय राशि		
बीजीजीटीएस	**68.79**	29.45
आरपीसीएल	**552.00**	541.93
एनबीपीपीएल	**195.56**	262.51
वर्ष के अंत में बीएचईएल (अग्रिम सहित) से देय राशि		
बीजीजीटीएस	**0.15**	0.24
आरपीसीएल	**7.67**	9.30
एनबीपीपीएल	**56.79**	79.16
संदिग्ध ऋणों और अग्रिमों के लिए प्रावधान		
एनबीपीपीएल	**187.98**	183.90

नोटः निवेश के मूल्य में कमी के प्रावधान के लिए संदर्भ नोट [5] देखें

iv. अनुषांगी उपक्रमों के साथ लेनदेन का विवरण और शेष

(₹ करोड़ों में)

सहायक कम्पनी	वर्ष के अंत में	
	मार्च 31, 2021	मार्च 31, 2020
वर्ष के अंत में बीएचईएल को देय राशि	**3.94**	3.94
वर्ष के अंत में बीएचईएल (अग्रिम सहित) से देय राशि	**0.77**	0.77
संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान	**3.70**	3.70

नोट [48] – प्रकटीकरण (प्रावधान में संचलन) – इंड एएस – 37

(₹ करोड़ों में)

क. परिनिर्धारित हर्जाना	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आरंभिक शेष	**8467.67**	7549.65
जोड़ें: परिवर्धन	**1546.68**	1706.20
घटाएँ: उपयोग / राईट ऑफ / भुगतान	**98.36**	3.88
घटाएँ: निकासी / समायोजन	**404.19**	784.30
अंतिम शेष	**9511.80**	8467.67

कंपनी के लेखांकन नीति के अनुरूप परिनिर्धारित हर्जाने का प्रावधान किया गया है और इसे निपटान या अन्यथा खातों में उपयुक्त तरीके से लिखा जाता है। परिनिर्धारित हर्जाने से संबंधित आकस्मिक देयताओं को नोट 41 के पैरा अ (छ) में दिखाया गया है।

(₹ करोड़ों में)

ख. अनुबंधनात्मक देयताएं	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आरंभिक शेष	**4319.11**	5295.44
जोड़ें: उधार लागत	**141.68**	195.61
जोड़ें: परिवर्धन	**447.20**	567.75
घटाएँ: पीवी समायोजन	**194.95**	119.83
घटाएँ: उपयोग / राईट ऑफ / भुगतान	**87.56**	63.11
घटाएँ: निकासी / समायोजन	**621.74**	1545.18
जोड़ें / (घटाएं): अनुमान और दरों में परिवर्तन	**(11.29)**	(11.57)
अंतिम शेष	**3992.45**	4319.11

अनुबंध के नियमों और शर्तों के अनुसार वारंटी देयताओं को पूरा करने के लिए संविदात्मक देयताएं के लिए प्रावधान महत्वपूर्ण लेखांकन नीति नंबर 11 के अनुरूप समय के मूल्य के प्रभाव को देखते हुए किया जाता है। अनुबंध की वारंटी देयताओं के पूरा होने तक इसे जारी रखा गया है। वारंटी देयताएं पर वास्तविक व्यय नियमों और संबंधित अनुबंध की शर्तों पर निर्भर करता है वर्ष के लिए अनुबंध से अनुबंध करने के लिए और वर्ष पर भिन्न हो सकते हैं। दोनों लेखा अवधियों में समायोजन में पूर्णतः प्रावधान की गई परियोजनाओं से संबंधित बकाया राशि, बी एंड डी ऋणों के लिए गैर–वर्तमान भत्ते में प्रकट संविदात्मक दायित्व शामिल है।

नोट [49] – प्रकटीकरण "ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व" इंड एएस–115

क. ह्रास प्रावधानों में संचलन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	2020-21		2019-20	
	व्यापार प्राप्तियां	अनुबंध की संपत्ति	व्यापार प्राप्तियां	अनुबंध की संपत्ति
आरंभिक शेष	**5445.57**	**805.05**	6398.57	654.73
जोड़ें: परिवर्धन	**677.99**	**337.37**	463.41	192.17
घटाएं: बट्टा	**49.34**	**-**	57.60	-
कम: रिवर्सल/एडजस्टमैंट	**1169.17**	**18.10**	1358.81	41.85
अंतिम शेष	**4905.05**	**1124.32**	5445.57	805.05

ख. ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व का विभाजन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	पावर		औद्योगिक		कुल
	भारत के भीतर	भारत से बाहर	भारत के भीतर	भारत से बाहर	
2020-21					
ग्राहकों से राजस्व					
राजस्व मान्यता का समय					
(क) सही समय पर (उत्पाद / सेवाएं)		**10.00**	**3780.92**	**21.30**	**5714.40**
(ख) समय के बाद (परियोजनाएं)	**7650.09**	**1823.78**	**1107.28**	**-**	**10581.15**
2019-20					
ग्राहकों से राजस्व					
राजस्व मान्यता का समय					
(क) सही समय पर (उत्पाद / सेवाएं)		34.48	3603.97	1.88	5586.38
(ख) समय के बाद (परियोजनाएं)	9197.31	3782.60	1922.28	2.07	14904.26

(₹ करोड़ों में)

विवरण	2020-21		2019-20	
	उर्जा	औद्योगिक	उर्जा	औद्योगिक
ग्राहकों से राजस्व				
बीआईएफपीसीएल [बांग्लादेश]	**1653.65**	**-**	3277.17	-
सीपीएसयू	**2824.59**	**1791.55**	3219.25	2324.72
रेलवे	**-**	**1497.65**	-	1434.87
टीएसईएनसीओ	**1664.61**	**-**	2065.90	-

ग. अनुबंध शेष (प्रावधानों का सकल)

(₹ करोड़ों में)

विवरण	मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
व्यापार प्राप्तियां	**7213.37**	11641.12
अनुबंध परिसंपत्तियां (असंबद्ध राजस्व)	**24079.25**	23794.22
अनुबंध देयताएं	**6863.68**	6718.43

घ. मान्यता प्राप्त अनुबंध राजस्व

(₹ करोड़ों में)

विवरण	मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
मान्यता प्राप्त राजस्व पर अनुबंध देनदारियां (ग्राहक अग्रिमों का समायोजन और वर्ष के दौरान मूल्यांकन समायोजन)	**3591.86**	3140.51
पिछले वर्ष के निष्पादन देयताएं संतुष्टि पर मान्यता प्राप्त राजस्व (अनुबंध राजस्व में बदलाव के कारण प्रभाव)	**92.96**	727.34

विद्युत परियोजनाओं की स्थापना एक दीर्घचक्रीय व्यवसाय है, जहां कंपनी द्वारा प्राप्त अनुबंध या तो ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रिक्योरमेंट और कमीशनिंग) या बीटीजी पैकेज (यानी बॉयलर, टर्बाइन और जनरेटर पैकेज) हैं। 3 से 5 वर्ष के बीच अनुबंध की सामान्य निष्पादन अवधि के साथ विद्युत परियोजनाएं लंबी अवधि की परियोजनाएं हैं। बीएचईएल सेवाओं के दायरे में उपकरण की आपूर्ति, निर्माण, कमीशनिंग, प्लांट को ग्रिड से सिंक्रोनाइज़ करना, ट्रायल ऑपरेशन को पूरा करना और गारंटीकृत पैरामीटर प्रदान करना सम्मिलित है।

यद्यपि समग्र दायरे में कई घटक हैं, ऐसी परियोजनाओं को आमतौर पर एक प्रदर्शन दायित्व माना जाता है। नियंत्रण निष्पादन अवधि पर एक साथ स्थानांतरित होता है क्योंकि इकाई समय में असतत बिंदुओं के बजाय समग्र रूप से निष्पादन कार्य करती है और इसलिए प्रगति की माप के आधार पर समय की अवधि में राजस्व को मान्यता दी जाती है (इनपुट लागत विधि)

नोट [50]

वैश्विक स्तर पर कोविड 19 महामारी के प्रसार के परिणामस्वरूप राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन आर्थिक गतिविधियों में गड़बड़ी और धीमी गति का कारण बना। इसने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान कंपनी के परिचालन को प्रभावित किया, जिसमें उत्तरोत्तर सुधार हुआ। इन वित्तीय विवरणों के अनुमोदन की तिथि तक की आंतरिक और बाहरी जानकारी के आधार पर, कंपनी को अपनी परिसंपत्तियों, निवेशों, व्यापार प्राप्तियों, अनुबंध परिसंपत्तियों और इन्वेंट्री की अग्रणीत राशि की वसूली की आशा है। कंपनी भविष्य की आर्थिक स्थितियों की निगरानी करना और अपने वित्तीय विवरणों पर इसके प्रभाव का आकलन करना जारी रखेगी।

नोट [51]– इंड एएस–107 के अनुसार प्रकटीकरण "वित्तीय विलेख" – लेखा वर्गीकरण और उचित मूल्य मापन,

क नकद और नकद समकक्ष, बैंक शेष, ऋण, व्यापार प्राप्य, व्यापार देय और अन्य के धारित मुल्य का युक्तिसंगत उनकी वहन राशि का अनुमान लगाते है। व्यापार प्राप्तियों का मूल्यांकन अपेक्षित ऋण हानियों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। मूल्यांकन तकनीक द्वारा वित्तीय साधनों के उचित मूल्य का निर्धारण और खुलासा करने के लिए कंपनी निम्नलिखित पदानुक्रम का उपयोग करती हैरू

उचित मूल्य पदानुक्रम

मूल्यांकन तकनीक में उपयोग किए गए इनपुट के आधार पर वित्तीय विलेखों का उचित मूल्य निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

स्तर 1: समान परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत मूल्य (असमायोजित)।

स्तर 2: स्तर 1 के भीतर सम्मिलित किए गए उद्धृत मूल्य के अतिरिक्त अन्य इनपुट जो कि संपत्ति या देयताएं के लिए प्रत्यक्ष हैं (यानी, कीमतों के रूप में) या अप्रत्यक्ष रूप से (यानी, कीमतों से प्राप्त)

स्तर 3: संपत्ति या देयताएं के लिए इनपुट जो अवलोकन योग्य बाजार डेटा (अप्रचलित इनपुट) पर आधारित नहीं हैं।

(₹ करोड़ों में)

ख वित्तीय परिसंपत्ति / देयताएं वर्गीकरण	धारित राशि	
	मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तिया		
व्यापार प्राप्तियां	**7213.37**	11641.12
नकद और नकद समकक्ष	**1527.18**	1402.86
अन्य बैंक शेष	**5174.25**	5015.70
अन्य वित्तीय संपत्ति	**325.57**	342.01
लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय संपत्ति		
निवेश (इक्विटी इंस्ट्रूमेंट)	**3.58**	3.09
परिशोधन लागत पर वित्तीय देनदारियां		
व्यापार देनदारियां	**8558.82**	9899.85
अन्य वित्तीय देनदारियां	**1134.37**	1585.07
वित्त पट्टा देयताएं	**101.61**	132.04
लघु अवधि की उधारी	**4833.78**	4933.39

(₹ करोड़ों में)

उचित मूल्य पर मापी गई श्वित्तीय मूल्य और देनदारियां – आवर्ती उचित मूल्य माप	स्तर 3 पदानुक्रम	
	मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
वित्तीय संपत्तिः		
कोटिड इक्विटी उपकरणों में निवेश	**3.58**	3.09

ग. उचित मूल्य निर्धारित करने हेतु अनुप्रयुक्त मूल्यांकन तकनीक

कोटिड इक्विटी विलेखों का उचित मूल्य स्तर 3 इनपुट का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है, जिसमें प्रति शेयर शुद्ध संपत्ति मूल्य के आधार पर निवेशकर्ता कंपनी के वित्तीय विवरणों के इनपुट सम्मिलित होते हैं।

एफवीटीपीएल परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत निर्विवाद इक्विटी शेयरों के उचित मूल्य माप का सामंजस्य

(₹ करोड़ों में)

मार्च 31, 2020 को	**3.09**
उचित मूल्य में परिवर्तन	0.49
मार्च 31,2021 तक	**3.58**

वित्तीय जोखिम प्रबंधन

उद्देश्य और नीतियां

कंपनी की गतिविधियों के समक्ष किसी भी कंपनी के स्वाभाविक व्यावसायिक प्रकटीकरण से उत्पन्न विभिन्न व्यावसायिक जोखिम होते हैं। वित्तीय जोखिम का प्रबंधन हमेशा कंपनी की व्यावसायिक रणनीतियों और नीतियों का एक अभिन्न अंग रहा है। कंपनी अपने विभिन्न हितधारकों की जरूरतों और अपेक्षाओं के अनुरूप वित्तीय जोखिमों को दूर करने के लिए समय–समय पर अपनी नीतियों और दिशानिर्देशों की समीक्षा करती है और उन्हें संरेखित करती है। वित्तीय विलेखों के उपयोग से जोखिम को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:

क) क्रेडिट जोखिम

ख) लिक्विडिटी जोखिम

ग) बाजार जोखिम

यह नोट उपर्युक्त जोखिमों में से प्रत्येक के लिए कंपनी के जोखिम के बारे में जानकारी प्रस्तुत करता है; जोखिम को मापने और प्रबंधित करने के लिए कंपनी के उद्देश्य, नीतियां और प्रक्रियाएं और कंपनी की पूंजी का प्रबंधन सम्मिलित है। इन वित्तीय विवरणों में आगे मात्रात्मक प्रकटीकरण सम्मिलित हैं।

जोखिम प्रबंधन संरचना

बीएचईएल में बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति है जो कंपनी में जोखिम प्रबंधन के लिए समग्र रूपरेखा प्रदान करता है। चार्टर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपयुक्त जोखिम शमन उपायों को अपनाकर जोखिमों की सही पहचान, आकलन और प्रभावी तरीके से प्रबंधन किया जाना है। कंपनी के पास 3–स्तरीय जोखिम प्रबंधन ढांचा है। पहले स्तर पर, कंपनी के बोर्ड स्तर के जोखिम प्रबंधन समिति (बीएलआरएमसी) को कंपनी के जोखिम शासन संरचना, जोखिम मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे, दिशानिर्देशों, नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। दूसरे स्तर पर जोखिम प्रबंधन संचालन समिति (आरएमएससी) जोखिम प्रबंधन ढांचे को अपनाने और लागू करने और कंपनी में जोखिम प्रबंधन पहल का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार है। प्रमुख जोखिम अधिकारी (सीआरओ) बीएलआरएमसी और आरएमएससी के संयोजक होने के नाते बोर्ड / बीएलआरएमसी को जोखिम प्रबंधन पर आवधिक रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार है। कंपनी के सामने आने वाले प्रमुख जोखिमों का विश्लेषण यूनिट स्तर से उनके संबंधित क्षेत्रों के लिए जोखिम शमन योजना तैयार करने और कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

क) क्रेडिट जोखिम का प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम को व्यापार करने के जोखिम संतुलन का एक अभिन्न अंग माना जाता है। बीएचईएल भारत और विदेश में सरकारी क्षेत्रों (राज्य प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक उपक्रमों, रेलवे और अन्य सरकारी विभागों आदि) और निजी क्षेत्रों से संबंधित विद्युत परियोजनाओं की स्थापना में सम्मिलित है। परियोजनाओं को आमतौर पर वित्तीय संस्थानों / बैंकों द्वारा वित्त पोषित किया जाता है या भुगतान लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) द्वारा कवर किया जाता है। परियोजना की अवधि 3 से 5 वर्ष तक होती है और भुगतान को आमतौर पर अग्रिम, प्रगति भुगतान, मील के पत्थर के भुगतान और इस प्रकार की परियोजनाओं के पूरा होने पर जारी किए जाने वाले रिटेंशन सहित अनुबंध की शर्तों के अनुसार चरणों में प्राप्त किया जाता है। चूंकि अधिकांश ग्राहक सरकारी क्षेत्र से संबंधित हैं, इसलिए कुल प्राप्तियों का 81% इस तथ्य के साथ मिलकर बनता है कि कंपनी स्वयं एक सीपीएसई है, क्रेडिट जोखिम अपेक्षाकृत कम है। निजी क्षेत्रों के ग्राहकों के संबंध में, भुगतान की शर्तें मुख्य रूप से एलसी के माध्यम से हैं। कंपनी ने संगठन के भीतर विभिन्न स्तरों पर प्राप्तियों के लिए अच्छी तरह से समीक्षा तंत्र स्थापित किया है, ताकि कंपनी की नीतियों, प्रक्रियाओं और दिशानिर्देशों के अनुरुप उचित ध्यान और ध्यान केंद्रित किया जा सके। कंपनी क्रेडिट हानि या लाभ का आकलन करने के लिए अपेक्षित क्रेडिट लॉस मॉडल का उपयोग करती है और उसी का खुलासा अन्यत्र किया जाता है। इसके अतिरिक्त, किसी भी घटना से निपटने के लिए पर्याप्त प्रावधान बनाए हुए हैं।

i) क्रेडिट जोखिम की संभावना

वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि अधिकतम ऋण जोखिम का प्रतिनिधित्व करती है। रिपोर्टिंग तिथि पर क्रेडिट जोखिम के लिए अधिकतम जोखिम था:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
वित्तीय परिसंपत्तियां जिनके लिए 12 महीने की अनुमानित क्रेडिट हानि (ईसीएल) का उपयोग करके हानि भत्ता मापा जाता है		
नकद और नकद समकक्ष	**1527.18**	1402.86
अन्य बैंक शेष	**5174.25**	5015.70
अन्य वित्तीय शेष	**325.57**	342.01
वित्तीय परिसंपत्तियां, जिनके लिए हानि भत्ता को लाइफ टाइम एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस (ईसीएल) हानि सहित मापा जाता है।		
व्यापार प्राप्तियां	**7213.37**	11641.12

ऋण जोखिम का धनत्व– भौगोलिक	कुल राजस्व का प्रतिशत	
	मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
भारत के भीतर	**92%**	92%
भारत से बाहर	**8%**	8%
	100%	100%

निम्न प्रकार के प्रतिपक्षों से व्यापार प्राप्य, अनुबंध संपत्ति एवं अन्य प्राप्य के प्रति कंपनी का क्रेडिट रिस्क एक्सपोजर इस प्रकार हैं –

विवरण	कुल राजस्व का प्रतिशत	
	मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
रेलवे और सरकारी विभागों सहित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम	**36%**	34%
राज्य विद्युत बोर्ड	**43%**	47%
निजी ग्राहक और अन्य	**13%**	11%
निर्यात	**8%**	8%
	100%	100%

ii) क्षति हनि

(क) वित्तीय परिसंपत्तियां जिनके लिए 12 महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानि का उपयोग करके हानि भत्ता को मापा जाता है

कंपनी के पास संपत्ति है जहां प्रतिपक्ष के पास देयताएं को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है और जहां धोखाधड़ी/डिफ़ॉल्ट की सम्भावना बहुत कम है। वर्ष के दौरान ऋण के संबंध में हानि के भत्ते में संचलन इस प्रकार था:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
1 अप्रैल को शेष राशि	**32.38**	22.34
मान्य क्षति ह्रास/आहरित/वापसी	**(0.43)**	10.04
मार्च 31 तक शेष	**31.95**	32.38

(ख) क्षति हानि प्रावधानों का सामंजस्य

वर्ष के दौरान व्यापार प्राप्य और अनुबंध परिसंपत्तियों के संबंध में हानि के भत्ता में संचलन इस प्रकार था:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
1 अप्रैल को शेष राशि	**6250.62**	7053.30
मान्य क्षति ह्रास	**1015.36**	655.58
बट्टाकृत/ आहरित राशि	**(1236.61)**	(1458.26)
मार्च 31 तक शेष	**6029.37**	6250.62

कंपनी डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप बोर्ड द्वारा अनुमोदित कंपनी की निवेश नीति के अनुसार सरप्लस फंडों का निवेश करती है, नकदी और नकद समकक्षों और सावधि जमाओं पर क्रेडिट जोखिम बहुत सीमित है क्योंकि कंपनी आमतौर पर बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों द्वारा सौंपी गई उच्च क्रेडिट रेटिंग के साथ जमा में निवेश करती है।

ख) लिक्विडिटी जोखिम का प्रबंधन

कंपनी सावधि जमा सहित पर्याप्त नकदी और नकदी समतुल्य बनाए रखने और क्रेडिट सुविधाओं से पर्याप्त मात्रा में धन की उपलब्धता को बनाए रखते हुए और जब भी देय हो, लिक्विडिटी जोखिम का प्रबंधन करती है। मजबूत नकदी प्रबंधन प्रणाली और नकदी प्रवाह की नियमित निगरानी प्रबंधन को वर्ष भर में अपनी निधि की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्रोतों की योजना बनाने और बनाए रखने में सक्षम बनाती है। पर्याप्त नकदी और बैंक शेष के अतिरिक्त, कंपनी को ऋण की सुविधा प्राप्त है। कंपनी आंतरिक संविलेखों से अपने सभी फंड की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है, अर्थात् परिचालन से उत्पन्न धन और निवेश पर रिटर्न का अनुकूलन करने के लिए बेहतर ट्रेजरी प्रबंधन संचालन के लिए अल्पकालिक उधार के माध्यम का उपयोग किया जाता है।

गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियों की संविदात्मक परिपक्वता, संविदात्मक नकदी प्रवाह के आधार पर निम्न प्रकार हैं:

(₹ करोड़ों में)

वित्तीय देनदारियां	मार्च 31, 2021 को		मार्च 31, 2020 को	
गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देयताएं	**1 वर्ष के भीतर**	**1 वर्ष से अधिक**	**1 वर्ष के भीतर**	**1 वर्ष से अधिक**
व्यापार देनदारियां	**6677.74**	**1881.08**	8823.62	1076.23
ठेकेदारों और अन्य लोगों से जमा	**447.75**	**211.01**	491.93	150.99
वित्त पट्टा देयताएं	**48.20**	**53.41**	56.67	75.37
अन्य देय / देयताएं				
कर्मचारी बकाया	**117.61**	**-**	285.65	-
अन्य बकाया राशि	**294.80**	**-**	565.74	-
कैपेक्स बकाया	**57.49**	**5.71**	82.73	8.03
लघु अवधि की उधारी	**4833.78**	**-**	4933.39	-
कुल	**12477.37**	**2151.21**	**15239.73**	**1310.62**

ग) बाजार जोखिम का प्रबंधन

कंपनी के समक्ष अपने परिचालन से उत्पन्न होने वाले कुछ मुद्रा, माल, ब्याज दर जोखिम होते है। विदेशी मुद्रा जोखिमों को कवर करने के लिए कंपनी के पास विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है। प्रमुख वस्तुओं के मूल्य में उतार–चढ़ाव से कंपनी को अप्रभावित रखने के लिए, आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों सहित आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों के साथ दावों के माध्यम से मूल्य समझौते सहित रूपरेखा समझौते नियमित रूप से किए जा रहे हैं। ऑपरेशन से उत्पन्न अधिशेष निधियों को केवल पीएसयू बैंकों या बड़े–बड़े निजी बैंकों के साथ अल्पावधि जमा में निवेश किया जाता है और सार्वजनिक क्षेत्र के म्युचुअल फंडों की ऋण आधारित योजनाओं में, जिससे जोखिम कम हो जाता है।

विदेशी मुद्रा जोखिम एक्सपोजर–: रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी का विदेशी मुद्रा जोखिम एक्सपोजर निम्नानुसार हैं:

(i) दिनांक 31.03.2021 को रुके हुये और शेष व्युत्पन्न विलेख शून्य (पिछला वर्ष का शून्य है) है

(ii) विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र जो एक व्युत्पन्न उपकरण द्वारा या अन्यथा नहीं किया जाता है निम्नानुसार हैं:

विदेशी मुद्रा मिलियन में

(₹ करोड़ों में)

विवरण	मार्च 31, 2021 को		मार्च 31, 2020 को		मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
संपत्तियां	यूरो	समतुल्य भा.रू.	यूरो	समतुल्य भा.रू.	अन्य भा.रू.	अन्य भा.रू.
व्यापार प्राप्य	**101.84**	**871.66**	148.34	1217.60	**1.35**	6.34
अनुबंध संपत्ति	**239.80**	**2056.26**	252.85	2075.37	**66.87**	70.83
अन्य संपत्ति	**13.68**	**110.08**	15.40	122.58	**144.71**	245.63
उप कुल (क)	**355.32**	**3038.00**	416.59	3415.55	**212.93**	322.80
देयताएं						
ग्राहक से अग्रिम	**41.03**	**281.34**	42.30	294.89	**40.97**	37.56
व्यापार का भुगतान और अन्य	**39.42**	**343.91**	60.20	507.94	**107.92**	209.13
उप कुल (ख)	**80.45**	**625.25**	102.50	802.83	**148.89**	246.69
संपत्ति (शुद्ध देयताएं)	**274.87**	**2412.75**	314.09	2612.72	**64.04**	76.11

विवरण	यूएसडी	समतुल्य भा.रू.	यूएसडी	समतुल्य भा.रू.
संपत्तियां				
प्राप्त व्यापार	**79.62**	**582.87**	130.45	978.26
अनुबंध की संपत्ति	**316.33**	**2315.32**	335.04	2512.53
अन्य संपत्ति	**0.90**	**6.79**	8.20	60.41
उप कुल (क)	**396.85**	**2904.99**	473.69	3551.20
देयताएं				
ग्राहक से अग्रिम	**115.93**	**675.39**	164.40	1037.62
व्यापार का भुगतान और अन्य	**144.50**	**1070.18**	196.70	1496.11
लघु अवधि की उधारी	**46.68**	**345.06**	118.67	900.79
उप कुल (ख)	**307.11**	**2090.63**	479.77	3434.52
संपत्ति (शुद्ध देयताएं)	**89.74**	**814.36**	(6.08)	116.68

उपर्युक्त आंकड़े प्रावधानों यदि कोई हो के शुद्ध हैं,

संवेदनशीलता विश्लेषण

भारतीय रुपये के अमरीकी डालर, यूरो और अन्य की तुलना में मजबूत / कमजोर होने के प्रभाव को वर्षांत लाभ या हानि के रूप में नीचे दिखाया गया है। यह विश्लेषण विदेशी मुद्रा विनिमय दर संस्करण पर आधारित है जिसे कंपनी ने समीक्षाधीन अवधि के अंत में यथोचित रूप से संभव माना है। विश्लेषण पिछले वर्ष के लिए इसी आधार पर किया जाता है, यद्यपि विदेशी मुद्रा विनिमय दर संस्करण भिन्न था, जैसा कि नीचे बताया गया है।

(₹ करोड़ों में)

विवरण	मार्च 31, 2021 को		मार्च 31, 2020 को	
लाभ पर प्रभाव / (हानि)	मजबूत	कमजोर	मजबूत	कमजोर
1% संचलन				
यूरो	**24.13**	**(24.13)**	26.13	(26.13)
यूएसडी	**8.14**	**(8.14)**	1.17	(1.17)
अन्य	**0.64**	**(0.64)**	0.76	(0.76)

घ पूंजी प्रबंधन

क्रियाशील इकाई के रूप में पूंजी प्रबंधन करते हुए कंपनी का उद्देश्य अपनी पूंजी को सुरक्षित, संरक्षित रखना और इसमें वृद्धि करना है ताकि शेयरधारकों को अधिकतम लाभ प्रदान किया जा सके, अन्य हितधारकों को लाभ प्रदान किया जा सके और पूंजी लागत को कम करने के लिए एक इष्टतम पूंजी संरचना बनाए रखी जा सके। निदेशक मंडल इक्विटी शेयरधारकों को लाभांश के स्तर की भी मॉनिटरिंग करते हैं। कंपनी समान्यतः उद्योग द्वारा और रेटिंग एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई वित्तीय अनुपातों के आधार पर मध्यम कालिक दृष्टिकोण व दीर्घकालिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए पूंजी को मॉनिटर करती है। कंपनी बाह्य पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है। कंपनी की पूंजी संरचना को विभिन्न वित्तीय अनुपातों के अनुसार प्रबंधित किया जाता है जैसा की उच्चतम क्रेडिट रेटिंग बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

नोट [52] –परिचालन खंड

संबंधित व्यावसायिक क्षेत्रों द्वारा बुक किए गए आदेशों के आधार पर सेगमेंट की पहचान "पावर" और "इंडस्ट्री" के रूप में की गई है। अंतरराष्ट्रीय परिचालन समूह द्वारा बुक किए गए ऑर्डर को पावर या इंडस्ट्री में ले जाया जाता है; जैसा भी मामला हो सकता है।

कंपनी की कार्यकारी निदेशकों की समिति को मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता (सीओडीएम) के रूप में पहचाना गया है।

(₹ करोड़ों में)

विवरण		वर्षांत 31 मार्च 2021			वर्षांत 31 मार्च 2020		
		पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
I.	**खंड राजस्व**						
	बाहरी–परिचालन राजस्व	**11386.05**	**4909.50**	**16295.55**	14960.44	5530.20	20490.64
II.	**खंड परिणाम**						
क	खंड परिणाम	**(1246.16)**	**(850.48)**	**(2096.64)**	804.30	(205.84)	598.46
ख	गैर–आबंटित व्यय (आय का नेट)			**1141.87**			753.62
ग	वित्त लागत और इनकमटैक्स से पहले लाभ (क) – (ख)			**(3238.51)**			(155.16)
घ	वित्त लागत (ब्याज सहित छूट)			**373.09**			506.95
ड़	आयकर से पहले शुद्ध लाभ (ग) – (घ)			**(3611.60)**			(662.11)
च	आयकर			**(894.46)**			810.86
छ	आयकर के बाद शुद्ध लाभ			**(2717.14)**			(1472.97)
III	**परिसंपत्तियां और देयताएं**						
क	खंड संपत्ति	**35954.72**	**8417.10**	**44371.82**	41649.31	9421.21	51070.52
ख	आम संपत्ति			**11329.42**			9165.14
ग	कुल संपत्ति			**55701.24**			60235.66
घ	खंड देयताएं	**19221.65**	**4444.28**	**23665.93**	21370.29	4739.98	26110.27
ड़	सामान्य देयताएं			**5551.26**			4944.18
च	कुल देयताएं			**29217.19**			31054.45
IV	**अन्य सूचनाएं**						
क	पूंजीगत व्यय	**112.23**	**38.05**		243.40	107.83	
ख	अवमूल्यन और परिशोधन	**306.68**	**118.48**		320.44	135.73	
ग	गैर नकद व्यय (मूल्यह्रास और परिशोधन के अतिरिक्त)	**1302.02**	**499.07**		820.48	73.99	

(₹ करोड़ों में)

	भौगोलिक क्षेत्र	भारत के भीतर	भारत से बाहक	कुल	भारत के भीतर	भारत से बाहक	कुल
1	राजस्व से परिचालन/ शुद्ध बिक्री	**14440.47**	**1855.08**	16295.55	16669.61	3821.03	20490.64
2.	गैर–वर्तमान परिसंपत्तियां (पीपीई और अमूर्त परिसंपत्तियां)	**2881.46**	**26.42**	2907.88	3085.96	42.12	3128.08
3.	पूंजीगत व्यय	**235.07**	**2.45**	237.52	402.62	12.71	415.33

प्रमुख ग्राहक– बीएचईएल के कुल राजस्व का 10% से अधिक एकल ग्राहक से राजस्व का विवरण (₹ करोड़ों में)

विवरण	पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
बीआईएफपीसीएल (बांगलादेश)	**1653.65**	**-**	**1653.65**	3277.17	-	3277.17
सीपीएसयू	**2824.59**	**1791.55**	**4616.14**	3007.04	2324.72	5331.76
रेलवे	**-**	**1497.64**	**1497.64**	-	1434.87	1434.87
टीएसजीईएनसीओ	**1664.61**	**-**	**1664.61**	2178.63	-	2178.63

नोट [53] –अतिरिक्त खुलासा

(₹ करोड़ों में)

क.	आयात का मूल्य	वर्ष के अंत तक	
		2020-21	2019-20
	सीआईएफ आधार		
	कच्चा माल	**918.13**	2239.70
	कम्पोनेंट और स्पेयर पार्ट्स	**578.88**	1629.04
	पूंजीगत सामग्री	**35.39**	65.15
	कुल	**1532.40**	3933.89

(₹ करोड़ों में)

ख.	विदेशी मुद्रा में व्यय	वर्ष के अंत तक	
		2020-21	2019-20
	i) रॉयल्टी	**26.36**	53.11
	ii) तकनीकी जानकारी	**12.50**	8.90
	iii) पेशेवर परामर्श शुल्क	**0.90**	6.35
	iv) ब्याज और अन्य (विदेशी साइटों पर सम्मिलित)	**26.13**	29.23

(₹ करोड़ों में)

ग.	कच्चे माल, घटकों, दुकानों और स्पेयर पार्ट्स की खपत का मूल्य	वर्ष के अंत तक	
		2020-21	2019-20
	i) #आयात (कस्टम ड्यूटी सहित)	**2400.61**	3617.70
	ii) स्वदेशी	**6046.69**	8515.26
	iii) **कुल खपत का प्रतिशत**		
	आयात	**28.42**	29.82
	स्वदेशी	**71.58**	70.18

जहां कहीं भी निधारित कैनेलाईज्ड वस्तुएं सम्मिलित हैं

(₹ करोड़ों में)

घ.	विदेशी मुद्रा में आय	वर्ष के अंत तक	
		2020-21	2019-20
	माल का निर्यात (एफओबी आधार)	**1101.64**	2717.61
	निर्माण और अन्य सेवाएं	**389.69**	688.67
	विदेशी निर्यात पर विदेशी मुद्रा (घरेलू अनुबंध और एसईजेड निर्यात सहित)	**251.34**	473.45
	कुल	**1742.67**	3879.73

(₹ करोड़ों में)

च. कच्चे माल और खपत किए गए घटकों के लिए विवरण	वर्ष के अंत तक	
	2020-21	**2019-20**
सामग्री का समूह		
i) लौह सामग्री	**1721.12**	3054.31
ii) अलौह सामग्री	**137.96**	217.01
iii) इन्सुलेटिड सामग्री	**155.68**	177.14
iv) इन्सुलेटड केबल और चुंबक तार (मैग्नेट वायर)	**10.89**	29.67
v) कंपोनेंटस/घटक	**4702.87**	6122.30
vi) अन्य	**1430.04**	2179.68
कुल	**8158.56**	11780.11

नोट [54]

सेबी (सूचियन देयताएं एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं), विनियम, 2015 के अनुसार कंपनी द्वारा प्रदत्त ऋण की प्रकृति में अग्रिम और ऋणों का अपेक्षित विवरण नीचे दिए गया है:

i) सहायक कंपनी के संबंध में:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	मार्च 31, 2021 को	मार्च 31, 2020 को
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशींस लिमिटेड:		
ऋण की प्रकृति में अग्रिम और ऋण बकाया	**3.00**	3.00
वर्ष के दौरान बकाया ऋण की प्रकृति में अग्रिम और ऋण की अधिकतम राशि	**3.00**	3.00

ii) ऐसा कोई ऋण नहीं दिया गया है (कर्मचारियों को ऋण के अतिरिक्त), जिसमें कोई पुनर्भुगतान कार्यक्रम नहीं है या पुनर्भुगतान अवधि सात वर्षों से अधिक है।

iii) फर्मों / कंपनियों के पास ऋण की प्रकृति में कोई ऋण और अग्रिम नहीं हैं जिनमें निदेशक रुचि रखते हैं ।

नोट [55]

परिसंपत्तियों और देनदारियों को 12 महीने की अवधि को परिचालन चक्र के रूप में मानते हुए चालू और गैर–चालू के बीच वर्गीकृत किया गया है।

नोट [56]

वर्ष के अंत में 7.07% (पिछले वर्ष /7.07%) पर उधार लेने की भारित औसत लागत को दीर्घकालिक प्रावधानों के वर्तमान मूल्य और अपेक्षित ऋण हानि की गणना के लिए माना गया है।

नोट [57]

पूर्व की अवधि की त्रुटियां जो भौतिक हैं पूर्वव्यापी रूप से प्रस्तुत की गई अवधि के लिए तुलनात्मक राशि को बहाल करके पूर्वव्यापी रूप से ठीक की जाती हैं जिसमें ऐसी त्रुटि हुई। प्रस्तुत अवधि से पहले हुई त्रुटि के लिए, प्रस्तुत की गई प्रारंभिक अवधि के लिए परिसंपत्तियां, देनदारियां और इक्विटी की प्रारंभिक शेष राशि को बहाल किया जाता है।

नोट [58]

रूपए करोड़ में दिए गए आंकड़े दशमलव के बाद दो अंकों तक राऊंड ऑफ किए गए हैं।

नोट [59]

जहां आवश्यक समझा गया वहाँ, पिछले वर्ष के आंकड़ों को फिर से व्यवस्थित / पुनर्व्यवस्थित किया गया है

नोट [60]

निदेशक मंडल ने 11 जून 2021 को आयोजित अपनी बैठक में वित्तीय विवरण 2020–21 जारी करने के लिए अधिकृत किया है।

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

(राजीव कालड़ा)	**(सुबोध गुप्ता)**	**(डॉ. नलिन सिंघल)**
कंपनी सचिव	निदेशक (वित्त)	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सद.संख्या 14567	डीआईएनः 08113460	डीआईएनः 01176857

समान तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी	**कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स**	**कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी**
चार्टड एकाउंटेंट	चार्टड एकाउंटेंट	चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N	एफआरएन – 002870N	एफआरएन – 006228C
(सीए गोपाल कृष्ण)	**(सीए संदीप सेंडिल)**	**(सीए प्रियंका जाजू)**
भागीदार	भागीदार	भागीदार
सद.संख्या 081085	सद.संख्या 085747	सद.संख्या 411739

स्थानः नई दिल्ली

दिनांकः 11 जून, 2021

वित्तीय विवरण

समेकित वित्तीय विवरण 236

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में
सदस्यगण,
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

समेकित वित्तीय विवरण पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट

राय

हमने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (इसके बाद यहां इसे ''धारक कंपनी'' के रूप मे लिखा जाएगा) एवं इसकी सहायक कंपनियों (''धारक कंपनी'' और इसकी सहायक कंपनियों को संयुक्त रूप से ''समूह'' के नाम से संबोधित किया जाएगा) और तीन संयुक्त नियत्रित इकाईयों के संलग्न समेकित वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च 2021 को समेकित तुलन पत्र, इस दिनांक को समाप्त हुए वर्ष के लिए समेकित लाभ–हानि विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तनों का समेकित विवरण एवं वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का समेकित विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक सूचनाएं शामिल हैं, (इसके पश्चात इसे ''समेकित वित्तीय विवरण'' लिखा जाएगा)

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुरूप पूर्वोक्त वित्तीय विवरण, कंपनी अधिनियम 2013 (''अधिनियम'') में अपेक्षित तरीके के अनुसार सूचना प्रदान करते हैं और यथा संशोधित कंपनीज (इंडियन अकाउंटिंग स्टैंडर्ड) नियम 2015, के साथ पठित इस अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानकों, (इंड एएस–भा.ले.मा.) एवं भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्धांतों के अनुपालन में 31 मार्च 2021 को कंपनी के समेकित लाभ एवं कुल समेकित व्यापक आय, इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण और इस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए इसका समेकित नकदी प्रवाह विवरण की स्थिति को यथार्थ व उचित रूप से प्रस्तुत करते हैं।

राय का आधार

हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत विनिर्दिष्ट लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। इन मानकों के अन्तर्गत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियां खंड में वर्णित किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टेड अकाउंटेंट द्वारा जारी आचार संहिता के साथ ही कंपनी अधिनियम, 2013 और इससे आधारित नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिये प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम कंपनी से स्वतंत्र हैं और हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों का पालन किया है। हमारा मानना है कि लेखा परीक्षा के जो साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं, वे कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण पर हमारी राय का आधार बनने के लिये पर्याप्त और उचित हैं।

मुख्य लेखा परीक्षा विषय

मुख्य लेखा परीक्षा के विषय वे हैं जो कि हमारे व्यावसायिक मतानुसार वर्तमान कालखंड के समेकित वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के दौरान सबसे महत्वपूर्ण थे। अपनी राय बनाते हुए और समेकित वित्तीय विवरणों के लेखा परीक्षण के परिप्रेक्ष्य में इन विषयों का समग्र रूप से समाधान किया गया और हमें इन विषयों पर और कोई राय नहीं देनी है। हमने अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले प्रमुख लेखा परीक्षा विषयों के नीचे वर्णित मामलों का उल्लेख किया है।

मुख्य लेखा परीक्षा विषय	लेखा परीक्षक की प्रतिक्रिया
इंड एएस 115 के अंतर्गत "ग्राहकों के साथ संविदा से राजस्व" के संबंध मे राजस्व एवं अन्य शेषों की मान्यता, मापन, प्रस्तुति की सटीकता। इन राजस्व लेखा मानकों के अनुप्रयोग में विशिष्ट निष्पादन दायित्वों का चिह्नित करना, चिह्नित विशिष्ट निष्पादन दायित्वों के लेन–देन मूल्य का निर्धारण, एक अवधि में मान्य राजस्व के मापन के आधार की उपयुक्तता, वित्तीय विवरणों में शेष के प्रस्तुतीकरण सहित प्रकटीकरण से संबंधित कतिपय मुख्य निर्णय शामिल हैं। आंकलित प्रयास राजस्व निर्धारण करने का एक महत्वपूर्ण आंकलन है क्योंकि इसके लिए अनुबंध की प्रगति, आज तक किए गए प्रयासों, शेष निष्पादन दायित्व को पूरा करने के लिए आवश्यक प्रयासों पर विचार करना आवश्यक है। एकल वित्तीय विवरण के **नोट 52** को देखें।	**प्रधान लेखा परीक्षा प्रक्रियाएं** आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता के परीक्षण से निहित हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में निम्नलिखित शामिल हैः • पूर्णता और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई जानकारी रचना प्रक्रिया पर नियंत्रण की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया गया। • मौजूदा जारी अनुबंधों और नए अनुबंधों में से एक सेंपल चुनकर विशिष्ट निष्पादन दायित्व और लेन–देन मूल्य का निर्धारण से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण किया। • इंड एएस115 के अनुरूप राजस्व के अभिलेखन एवं प्रकटीकरण में अनुप्रयुक्त लेखांकन प्रणालियों और अनुबंधों एवं इससे संबंद्ध सूचनाओं में परिवर्तन के संगत सूचनाओं का परीक्षण किया, जिनका नए राजस्व लेखा मानकों के अनुसार का खुलासा करने और अभिलेखबद्ध करने में प्रयोग किया गया। • महत्वपूर्ण उपलब्धियां (Milestone) प्राप्त करने में संभावित देरी की पहचान के लिए अनुबंधों में से एक सेंपल चुनकर समीक्षा की गई, जिसमें कि शेष निष्पादन दायित्व को पूर्ण करने में आकलित प्रयासों को बदलने की आवश्यकता है। • तर्कसंगतता और अन्य संबंधित सामग्री मदों के ब्योरों पर विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं और परीक्षणों को किया।
व्यापार प्राप्य एवं अनुबंध संपत्तियों का मूल्यांकन एवं वसूली की संभावना 31 मार्च, 2021 के अंत में कंपनी के पास ₹24079.48 करोड़ (निवल) की अनुबंध संपत्तियां तथा ₹7214.81 करोड़ के व्यापार प्राप्य बकाया हैं। यह शेष इंड एएस115 "ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व" के अनुसार पूर्ण हुए अनुबंधों और चालू अनुबंधो के लिए मान्य राजस्व से संबंधित हैं। इसके आकार और प्रबंधकीय निर्णय के उच्च स्तरीय होने कारण इसकी वसूली की संभावना का आकलन एक मुख्य लेखा विषय है। समेकित वित्तीय विवरणों के **नोट 6,9,11,17,51** को देखें।	**प्रधान लेखा परीक्षा प्रक्रिया** अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य के राजस्व मान्यता और समीक्षा तंत्र के लिए हमने कंपनी की आतंरिक प्रक्रिया का आकलन किया है। आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता के परीक्षण से निहित हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में निम्नलिखित शामिल हैः • बीजक बनाने, सत्यापन करने तथा ग्राहकों के साथ पुनर्मिलान की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया। • परियोजनावार बकाया विवरण और प्रबंधन द्वारा इसके समीक्षा तंत्र की सूची को प्राप्त किया। • अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य की क्षति पर कंपनी के दिशानिर्देशों और नीतियों की समीक्षा की। • सेंपल आधार पर वर्ष के अंत में अनुबंध संपत्तियों एवं व्यापार प्राप्य की एजिंग की सटीकता की जांच की। • तर्कसंगतता, वसूली की संभावना और अन्य संबंधित सामग्री मदों के विवरणों पर विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं और परीक्षणों को किया।

समेकित वित्तीय विवरण के अतिरिक्त अन्य जानकारी और उस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाएं बनाने के लिए उत्तरदायी है। अन्य जानकारी में प्रबंधकीय परिचर्चा व विश्लेषण में सम्मिलित की गई जानकारी, निदेशक मण्डल रिपोर्ट के अनुलग्नकों सहित बोर्ड रिपोर्ट, व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट, कॉर्पोरेट अभिशासन तथा शेयरधारकों की सूचना आती है परंतु लेकिन समेकित वित्तीय विवरण और इस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट इसमें सममितलित नहीं होती है।

वित्तीय विवरणों पर हमारी राय अन्य जानकारी को कवर नहीं करती है और हम इस पर कोई आश्वासन या निष्कर्ष नहीं देते हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों के हमारे लेखा परीक्षण के संबंध में, हमारी उत्तरदायित्व अन्य सूचनाओं को पढ़ना और ऐसा करते हुए ध्यान रखना कि वित्तीय विवरणों के साथ अन्य सूचनाएं कहीं सारतः असंगत तो नहीं हैं अथवा लेखापरीक्षा में प्राप्त जानकारी अन्यथा भौतिक रूप से अनुचित प्रतीत तो नहीं हो रही है।

यदि, हमारे किए गए कार्य के आधार पर, हम इस निष्कर्ष पर पहुँचते है कि यह अन्य सूचना सारतः अनुचित कथित है, तो हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। हमें इस संदर्भ में कुछ भी रिपोर्ट नहीं करना है।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 134(5) में वर्णित विषयों के संदर्भ में इन वित्तीय विवरणों को इस प्रकार तैयार किए जाने हेतु उत्तरदायी है, जो भारत में सामान्य रूप से स्वीकार्य लेखा सिद्ध ांतों और इंड एएस के अनुरूप कंपनी के समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय प्रदर्शन, समेकित कुल व्यापक आय, समेकित इक्विटी में परिवर्तनों तथा समेकित नकदी प्रवाह का एक वास्तविक और सही विवरण प्रदान करते हों। इस उत्तरदायित्व में ऐसे पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड का अनुरक्षण भी सम्मिलित है जो अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा हेतु और धोखाधड़ी व अन्य अनियमितताओं को पता लगाने और रोकने हेतु; उचित लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; उचित और विवेकपूर्ण आकलन और निर्णय लेने; एवं धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले किसी भी प्रकार के मूर्त अनुचित कथन से मुक्त तथा वास्तविक और उचित दृष्टिकोण प्रस्तुत कराने वाले वित्तीय विवरणों के निर्माण और प्रस्तुतीकरण हेतु पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों, जो कि लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव हेतु प्रासंगिक हों।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, समूह को एक क्रियाशील इकाई के रूप में बनाए रखने के लिए समूह की योग्यता का आकलन करने, क्रियाशील इकाई से संबंधित जानकारियाँ यथा आवश्यक प्रकटीकरण करने और जब तक प्रबंधन समूह के परिसमापन या परिचालन रोकने की मंशा न रखती हो अथवा इसके अतिरिक्त कोई यथार्थ कारण न हो, तब तक समूह को लेखांकन का आधार बनाने के लिए कंपनियों के निदेशक मण्डल सामूहिक रूप से उत्तरदायी है।

समूह में सम्मिलित कंपनी के संबंधित निदेशक मंडल समूह की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए उत्तरदायी हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षक की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या वित्तीय विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले सारतः त्रुटिपूर्ण कथन से समग्र रूप में मुक्त है और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना, जिसमें हमारी राय शामिल हो। तर्कसंगत आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार किया गया लेखा परीक्षण सदैव किसी सारतः त्रुटिपूर्ण कथन का पता लगा ही लेगा, यदि कोई हो तो। त्रुटिपूर्ण कथन धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और इन्हें संदेहास्पद माना जाता है, यदि, एकल रूप में या कुल मिलाकर, वे इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को यथोचित रूप में प्रभावित करना प्रत्याशित है।

लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार लेखा परीक्षण के भाग के रूप में, पूरे लेखा परीक्षण के दौरान हम व्यावसायिक रूप से निर्णय लेते हैं और व्यावसायिक संशयात्मकता को बनाए रखते हैं। हम यह भी करते हैं:

- वित्तीय विवरणों के सारतः मिथ्या कथन, चाहे वे धोखाधड़ी के कारण हों या त्रुटि के कारण, की पहचान करना और इसके जोखिमों को आंकना और इन जोखिमों के अनुक्रियाशील लेखा परीक्षण प्रक्रियाओं को डिजाइन करना एवं निष्पादित करना, और लेखा परीक्षण साक्ष्यों को प्राप्त करना जो कि हमारी राय का आधार बनाने लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप सारतः मिथ्या कथन को न पहचाने का जोखिम, गलती से किए गए के सारतः मिथ्या कथन से कहीं ज्यादा होता है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जाल–साजी, जानबूझकर की गई चूकें, गलतबयानी या आंतरिक नियंत्रणों को अधिभावी (override) किया जाता है।

- परिस्थितियों के अनुसार समुचित लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखा परीक्षण के संगत आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(3)(i) के अंतर्गत, हम इस बात पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी उत्तरदायी हैं कि क्या कंपनी में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और इस तरह के नियंत्रणों के परिचालन में प्रभावशीलता है।

- अनुप्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन आकलनों और संबंधित प्रकटन की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करना।

- प्रबंधन के क्रियाशील इकाई को लेखांकन का आधार की तरह उपयोग करने उपयुक्तता पर और प्राप्त लेखा परीक्षण साक्ष्य के आधार पर, एक क्रियाशील इकाई के रूप मे बने रहने की समूह की क्षमता पर सार्थक संदेह उत्पन्न करने हेतु साक्ष्य या स्थितियों से संबन्धित कोई वास्तविक अनिश्चितता पर निष्कर्ष प्राप्त करना। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई वास्तविक अनिश्चितता व्याप्त है, तो हमें अपने लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटन पर इस संबंध मे उल्लेख करना होगा, यदि यह प्रकटीकरण अपर्याप्त लगे तो हमें अपनी राय को संशोधित करना होता है। हमारे निष्कर्ष, इस दिनांक तक हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट से प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं । हालांकि, भविष्य में होने वाली घटनाएं या स्थितियां समूह को क्रियाशील इकाई के रूप में न बने रहने का कारण बन सकती हैं। प्रकटन सहित समेकित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुतीकरण, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करना, और क्या समेकित वित्तीय विवरण वास्तविक लेनदेनों और घटनाओं का इस प्रकार वर्णन करते हैं जो निष्पक्ष प्रस्तुतीकरण के उद्देश्य को प्राप्त करता हो।

- समेकित वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करने के लिए समूह के अंदर व्यावसायिक गतिविधियों की इकाइयों की वित्तीय जानकारी के

बारे में पर्याप्त उपयुक्त लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करना। हम समेकित वित्तीय में सम्मिलित ऐसी इकाइयों के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की दिशा, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए उत्तरदायी हैं।

प्रत्यक्षता (Materiality) समेकित वित्तीय विवरणों में मिथ्या कथनी की मात्रा है जो, व्यक्तिगत या समग्र रूप से, वित्तीय विवरणों के एक उचित जानकार उपयोगकर्ता के आर्थिक निर्णय को प्रभावित कर सकता हैं। हम (i) अपने लेखा परीक्षा कार्य क्षेत्र की योजना बनाने और परिणामों का मूल्यांकन करने में; और (ii) वित्तीय विवरणों में पाई गई किसी मिथ्या कथनी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए मात्रात्मक प्रत्यक्षता (Materiality) और गुणात्मक कारकों पर विचार करते हैं।

हम अन्य मामलों के साथ ही लेखा परीक्षा के योजनाबद्ध कार्य क्षेत्र एवं समय सीमा के निर्धारण और हमारी लेखा परीक्षा के दौरान आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमी सहित महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षो के बारे में अभिशासन प्रभारियों से संवाद करते हैं।

हमने अभिशासन के प्रभारियों को स्वतंत्रता की प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के अनुपालन संबंधी एक विवरण प्रदान किया है और हमारी स्वतंत्रता के साथ, और जहां लागू हो संगत सुरक्षा से तर्कसंगत रूप से जुड़े लगाने वाले उन सभी रिश्तों एवं अन्य विषयों के बारे में उन्हें बता दिया है।

अभिशासन के प्रभारियों को वर्णित विषयों में से, हमने उन विषयों का निर्धारण किया है जो समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के सबसे महत्तवपूर्ण/ उल्लेखनीय हैं और इसलिए वे प्रधान लेखा परीक्षा विषय हैं। हम अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इन विषयों का वर्णन करते हैं जब तक कि विधि या विनियमन इन विषयों के प्रकटीकरण को निषेध ना करता हो, और अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में जब, हमें यह प्रतीत हो कि इस विषय के बारे में सार्वजनिक प्रकटीकरण नहीं करना चाहिए है क्योंकि ऐसा करने के दुष्परिणाम इस सूचना के जनहित लाभों पर हावी होने की यथोचित संभावना है।

अन्य विषय:

1. साथ में दिए गए विवरणों में एक सहयोगी कंपनी के लेखा परीक्षित वित्तीय परिणाम / विवरण सम्मिलित हैं, जिनके वित्तीय विवरण / परिणाम 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष की समूह के शुद्ध लाभ का अंश 44.14 करोड़ रुपये और अन्य व्यापक आय 0.07 करोड़ रुपये को दर्शाते है, इन्हें संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई का समेकित वित्तीय विवरण माना जाता है। इन वित्तीय विवरणों का लेखापरीक्षण अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा किया गया है, जिसकी रिपोर्ट प्रबंधन ने हमें दी है और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के संदर्भ में समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी रिपोर्ट, जहां तक इसका संबंध राशि और प्रकटीकरण से है, और अधिनियम की धारा 143 की उप–धाराओं (3) और (11) के संदर्भ में हमारी रिपोर्ट, जहां तक उक्त कथित संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के संदर्भ में है, पूरी तरह से अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित है।

2. हमने संयुक्त रूप से नियंत्रित दो इकाइयों के वित्तीय विवरणों का लेखा परीक्षण नहीं किया था। समेकित वित्तीय विवरणों में उस संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों में से समूह की शुद्ध हानि और अन्य व्यापक हानियों का अंश सम्मिलित नहीं हैं क्योंकि समूह ने पहले से ही इन संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों के संबंध में अपने वित्तीय विवरणों में निवेश की लागत के बराबर संचित घाटे को मान्यता दी है। इन वित्तीय विवरणों का लेखापरीक्षण नहीं किया गया है, जिसकी रिपोर्ट प्रबंधन ने हमें दी है और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के संदर्भ में समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी रिपोर्ट, जहां तक इसका संबंध राशि और प्रकटीकरण से है, और अधिनियम की धारा 143 की उप–धाराओं (3) और (11) के संदर्भ में हमारी रिपोर्ट, जहां तक उक्त कथित संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के संदर्भ में है, पूरी तरह से बिना लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों पर आधारित है। ये वित्तीय विवरण समूह के लिए मूर्त नहीं हैं।

3. हमने एक सहायक कंपनी के वित्तीय विवरणों का लेखा परीक्षण नहीं किया था। समेकित वित्तीय वक्तव्यों में एक एक सहायक कंपनी के लेखा परीक्षण पूर्व वित्तीय परिणाम/विवरण सम्मिलित हैं जिनके वित्तीय विवरण / परिणाम में 31 मार्च, 2021 तक निवल परिसंपत्तियां 24.63 करोड़ रूपये और शुद्ध परिसंपत्तियां ऋणात्मक 23.73 करोड़ रूपये, इसी दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए कुल राजस्व 0.25 करोड़ रूपये और शुद्ध नकदी प्रवाह 7.28 करोड़ रूपये था जैसा की समेकित वित्तीय विवरणों में दिखाया गया है। इन वित्तीय जानकारियों का लेखा परीक्षण नहीं किया गया हैं और प्रबंधन द्वारा हमें यह प्रस्तुत की गई है संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई के संदर्भ में समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी रिपोर्ट, जहां तक इसका संबंध राशि और प्रकटीकरण से है, और अधिनियम की धारा 143 की उप–धाराओं (3) और (11) के संदर्भ में हमारी रिपोर्ट, जहां तक उक्त कथित सहयोगी कंपनी के संदर्भ में है, पूरी तरह से लेखा परीक्षण पूर्व के वित्तीय विवरणों पर आधारित है। ये वित्तीय विवरण समूह के लिए मूर्त नहीं हैं।

4. बीएचईएल के एक संयुक्त उद्यम– पावरप्लांट परफॉरमेंस इम्प्रूवमेंट्स लिमिटेड के खातों को समेकित नहीं किया गया है क्योंकि उक्त कंपनी परिसमापन के अधीन है और इक्विटी निवेश की पूरी राशि प्रदान कर दी गई है। दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड के खातों को भी समेकित नहीं किया गया है क्योंकि उक्त कंपनी परिसमापन के अधीन है और निवेश प्रदान कर दिया गया है।

हमारे द्वारा किए गए कार्य और प्रबंधन द्वारा प्रमाणित लेखा परीक्षा पूर्व वित्तीय विवरणों और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर निर्भरता के संबंध में समेकित वित्तीय वक्तव्यों पर हमारी राय, और नीचे दी गई अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट, उपर्युक्त विषयों के सापेक्ष संशोधित नहीं की गई है।

अन्य विधि एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट:

1) अधिनियम के खंड 143 के अनुसार आवश्यक हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर और "अन्य विषय" पैराग्राफ में विनिर्दिष्ट सहायक कंपनी, संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई की लेखा परीक्षा रिपोर्ट पर विचार करने पर, यथा सम्भव तक, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

    क) हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के आधार पर हमने उक्त कथित समेकित वित्तीय विवरणों कि लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक जानकारियां एवं स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त कर लिए हैं;

    ख) हमारे विचार से, कंपनी ने उक्त कथित समेकित वित्तीय विवरण बनाने के संबंध में विधि के अनुसार लेखा बहियां बनाई हैं, जहां तक हमारे द्वारा इन बहियों की जांच से और अन्य लेखा परीक्षकों कि रिपोटों से प्रतीत होता है;

    ग) इस रिपोर्ट के साथ व्यावहृत समेकित बैलेंस शीट, लाभ और हानि का समेकित विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण और समेकित नकदी प्रवाह विवरण; समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के उद्देश्य से बनाई गई संगत लेखा पुस्तिकाओं के अनुबंध में है;

    घ) हमारी राय में, पूर्वोक्त समेकित वित्तीय विवरण, अधिनियम की

धारा 133 सहपाठित कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 यथासंशोधित, के अंतर्गत विनिर्दिष्ट भारतीय लेखा मानकों और भारत में सामान्यत; स्वीकार्य अन्य लेखांकन सिद्धांतों का अनुपालन करते हैं;

ङ) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164 (2) के प्रावधानों के अंतर्गत निदेशकों की अयोग्यता के संबंध में कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना सं.: जी.एस.आर. 463 (ई) दिनांक 05–06–2015 कंपनी पर लागू नहीं है;

च) भारत में निगमित धारक कंपनी, इसकी सहायक कंपनी और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में **"अनुलग्नक–क"** में हमारी पृथक रिपोर्ट का अवलोकन करें;

छ) कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसरण में, लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित किए जाने वाले अन्य विषयों को, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें प्रदत्त स्पष्टीकरण के अनुरूप और सहायक कंपनी एवं संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों की अन्य वित्तीय जानकारी के रूप में पृथक वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार के आधार पर, "अन्य विषयों" पैराग्राफ में उल्लेखित किया गया है;

i. समेकित वित्तीय विवरण समूह और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों की समेकित वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव का प्रकटीकरण करते हैं – समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 42 देखें;

ii. दीर्घकालिक अनुबंधों में मूर्त निकटवर्ती हानि, यदि हो तो, के लिए समेकित वित्तीय विवरणों में प्रावधान किया गया है जैसा की लागू कानून या भारतीय लेखांकन मानकों के अंतर्गत आवश्यक है– ऐसे मदों के संदर्भ में समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 51 देखें क्योंकि इनका संबंध समूह और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों से है और;

iii. भारत में निगमित धारक कंपनी और संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों हो और उसकी सहायक कंपनियों के द्वारा इंवेस्टर एजुकेशन एंड प्रोटेक्शन फ़ंड में स्थानांतरित की जाने वाली राशि को स्थानांतरित करने में कोई विलंब नहीं किया गया है

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी	**कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स**	**कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी**
चार्टर्ड एकाउंटेंट	चार्टर्ड एकाउंटेंट	चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N	एफआरएन – 002870N	एफआरएन – 006228C
(सीए गोपाल कृष्ण)	**(सीए संदीप सेंडिल)**	**(सीए प्रियंका जाजू)**
भागीदार	भागीदार	भागीदार
सद.संख्या 081085	सद.संख्या 085747	सद.संख्या 411739
UDIN:21081085AAAAJM5214	UDIN: 21085747AAAABB3291	UDIN: 21411739AAAADI2053

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 11 जून, 2021

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड की इंड एएस के अनुरूप समेकित वित्तीय विवरण पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की समसंख्यक रिपोर्ट का अनुलग्नक "क"

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड (i) के अंतर्गत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए कंपनी के इंड एएस के अनुरूप समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संजोजन के रूप में, हमने इसी दिनांक पर भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (इसके बाद में इसे "होल्डिंग कंपनी" के रूप में संदर्भित किया गया है।") की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का लेखा परीक्षण किया है। हमने एक सहायक कंपनी और तीन संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों के वित्तीय विवरणों का लेखा परीक्षण नहीं किया, जिसमें से एक संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई का अन्य लेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षण किया गया है और दो संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयां और एक सहायक कंपनी का लेखा परीक्षण नहीं किया गया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

धारक कंपनी, इसकी सहायक कंपनी और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियां, जो भारत में निगमित की गई कंपनियां हैं, के संगत निदेशक मण्डल इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षण दिशा निर्देश नोट में कथित आंतरिक नियंत्रण के वांछित घटकों पर विचार करते हुये कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंड पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करने और इसे बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है। कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत आवश्यक विश्वसनीय वित्तीय जानकारी का समयबद्ध बनाया जाना, लेखांकन अभिलेखों की शुद्धता और संपूर्णता, त्रुटियों व धोखाधड़ी का पता लगाना और रोकथाम, कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा, संबंधित कंपनी की नीतियों का दृढ़ता से पालन सहित अपने व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से क्रियाशील पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव इन जिम्मेदारियों में सम्मिलित है।

लेखापरीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर एक राय व्यक्त करना हमारा उत्तरदायित्व है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षण दिशानिर्देश नोट ("दिशानिर्देश नोट") एवं आईसीएआई द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण के लिए लागू, आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लेखा परीक्षण की सीमा लागू करने के लिए कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (10) के अंतर्गत निर्धारित समझी गईं हों, के अनुरूप हम अपना लेखा परीक्षण करते हैं। उन मानकों और गाइडेंस नोट की अपेक्षा है कि हम नैतिक अपेक्षाओं की पूर्ति करें और इस तथ्य पर यथोचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और अनुरक्षित था और यह नियंत्रण सभी मूर्त पहलुओं पर प्रभावी रूप से संचालित था, लेखा परीक्षा योजना बनाएं तथा लेखापरीक्षा करें।

हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली कि पर्याप्तता और इसकी परिचालन प्रभावशीलता के बारे मे लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं को निष्पादित करना सम्मिलित है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखा परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की समझ प्राप्त करना, किसी मूर्त निर्बलता के होने का संकट का आकलन और आकलित संकट के आधार पर आंतरिक नियंत्रण की परिचालन प्रभावशीलता एवं डिजाइन का मूल्यांकन व परीक्षण करना सम्मिलित है। वित्तीय विवरणों की मूर्त मिथ्या कथन, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, का संकट के आकलन सहित लेखा परीक्षकों के निर्णय पर प्रक्रियाएं चयनित की जाती हैं।

हमें विश्वास है कि जो लेखापरीक्षा साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं और अन्य लेखा परीक्षकों ने अपनी रिपोर्ट के संदर्भ में जो लेखापरीक्षा साक्ष्य अन्य विषय पैराग्राफ में नीचे दिए हैं, वह कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली हेतु लेखा परीक्षा राय का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित है

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

किसी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक प्रक्रिया है जो वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए और सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरणों की तैयारी करने हेतु डिजाइन की जाती है। कंपनी के वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियां और प्रक्रियाएं सम्मिलित हैं, जो (1) ऐसे अभिलेखों के रखरखाव से संबंधित हैं, जिसमें कंपनी की सम्पत्तियों के लेनदेनों और निपटान का यथार्थ और और उचित रूप में युक्तियुक्त विवरण दर्शाया गया है। (2) उचित आश्वासन देते हैं कि लेनदेन सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी की अनुमति के लिए दर्ज हो रहे हैं और कंपनी कि प्राप्तियां और व्यय केवल कंपनी प्रबंधन और कंपनी के निदेशक प्राधिकरण के अनुसरण में हो रही है; और (3) कंपनी की परिसंपत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग, या निपटान; जो वित्तीय विवरणों पर मूर्त प्रभाव डाल सकते हैं, का समय पर पता लगाने या रोकथाम के बारे में उचित आश्वासन प्रदान करें।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की निहित सीमाएं

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं जिनमें मिलीभगत की संभावना, नियंत्रण अधिभाव का अनुचित प्रबंधन सम्मिलित है, कारण त्रुटि या धोखाधड़ी से मूर्त मिथ्या कथनी हो सकती है जिसका पता नहीं लगता है। इसके अतिरिक्त, भविष्य की अवधि के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के किसी भी मूल्यांकन के अनुमान इस जोखिम के अधीन है कि स्थितियों में परिवर्तन के कारण अथवा नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन के स्तर में कमी के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो सकता है।

अन्य विषय

अधिनियम की धारा 143(3)(i) के अंतर्गत वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर हमारी उपर्युक्त रिपोर्ट, जहां तक एक सहायक कंपनी और तीन संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाइयों, जो कि भारत में निगमित कंपनियाँ है, से संबंधित है, भारत में निगमित एक

संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाई की संगत लेखापरीक्षक रिपोर्ट पर और दो संयुक्त रूप से नियंत्रित इकाईयों एवं एक सहायक कंपनी के प्रबंधन प्रमाण पत्र पर आधारित है।

राय

हमारी राय में, धारक कंपनी, इसकी सहायक कंपनी और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियां में, जो भारत में निगमित गई कंपनियां हैं, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लेखा परीक्षण दिशा निर्देश नोट में कथित आंतरिक नियंत्रण के वांछित घटकों पर विचार करते हुये कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मानदंड के आधार पर, सभी मूर्त पहलुओं के सापेक्ष वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली स्थापित थी और 31 मार्च, 2021 को प्रभावशाली रूप से संचालित थी ।

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085
UDIN:21081085AAAAJM5214

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002870N

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747
UDIN: 21085747AAAABB3291

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टर्ड एकाउंटेंट
एफआरएन – 006228C

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739
UDIN: 21411739AAAADI2053

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 जून, 2021

DGA(Energy)/Rep/01-61/A/cs-BHEL-CFS/2021-22/Vol-15/292

गोपनीय

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय महा निदेशक लेखापरीक्षा (ऊर्जा)
नई दिल्ली
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Director General of Audit (Energy)
New Delhi

सत्यमेव जयते

Dated: 12/8/2021

सेवा में,

अध्यक्ष एवं प्रबंध-निदेशक,
भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

महोदय,

विषय: 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के समेकित वित्तीय विवरण (Consolidated Financial Statements) पर कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(b) एवं धारा 129(4) के अन्तर्गत भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

मैं, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, नई दिल्ली के 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के समेकित वित्तीय विवरण (Consolidated Financial Statements) पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) एवं धारा 129(4) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ अग्रेषित कर रहा हूँ। कृपया इस पत्र की संलग्नकों सहित प्राप्ति की पावती भेजी जाए।

भवदीय,

संलग्नक:- यथोपरि।

डी.के.शेखर

(डी. के. शेखर)
महानिदेशक

पाँचवा, छठा, सातवाँ, एवं दसवां तल, सी.ए.जी बिल्डिंग, एनैक्सी, 10, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली- 110002
5th, 6th, 7th & 10th Floor, C.A.G Building Annexe, 10 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi- 110002
Tel. : 011-23239213, 23239235 Fax : 011-23239211, Email : pdaenergydl@cag.gov.in

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6) (b) READ WITH SECTION 129 (4) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF BHARAT HEAVY ELECTRICALS LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2021

The preparation of consolidated financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2021 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139 (5) read with section 129 (4) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 read with section 129 (4) of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 11 June 2021.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the consolidated financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited for the year ended 31 March 2021 under section 143(6)(a) read with section 129(4) of the Act. We conducted a supplementary audit of the financial statements of Bharat Heavy Electricals Limited, but did not conduct supplementary audit of the financial statements of companies mentioned in Annexure-I for the year ended on that date. Further, Section 139(5) and 143(6)(a) of the Act are not applicable to the BHEL-GE Gas Turbine Services Limited being private entity, for appointment of their Statutory Auditor and for conduct of supplementary audit. Accordingly, Comptroller & Auditor General of India has neither appointed the Statutory Auditor nor conducted the supplementary audit of this company. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

(D. K. Sekar)
Director General of Audit (Energy),
Delhi

Place: New Delhi
Dated: 12 August 2021

ANNEXURE I

List of subsidiaries, associate companies and jointly controlled entities whose financial statements were not audited by the Comptroller and Auditor General of India

Subsidiaries Companies

1. BHEL Electrical Machines Limited

Joint Venture Companies

1. NTPC-BHEL Power Projects Private Limited
2. Raichur Power Corporation Limited

समेकित तुलन पत्र (बैलेंस शीट) 31 मार्च, 2021 का

(₹ करोड़ों में)

विवरण	नोट	पेज	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
अ. परिसंपत्तियां						
1. गैर चालू परिसंपत्तियां						
(क) संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण	3a	259		**2428.98**		2738.51
(ख) पूंजीगत चालू कार्य	3b	259		**403.21**		306.74
(ग) अमूर्त परिसंपत्तियां	4a	259		**62.16**		78.61
(घ) विकासशील अमूर्त परिसंपत्तियां	4b	259		**16.35**		7.26
(ङ) इक्विटी पद्धति का उपयोग करने के लिए निवेश की गणना	5	263		**181.76**		158.97
(ङ) वित्तीय परिसंपत्तियां						
(i) निवेश	5a	264	**3.58**		3.09	
(ii) व्यापार प्राप्य	6	265	**3179.74**		4533.50	
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	7	266	**97.39**	**3280.71**	83.17	4619.76
(च) आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध देनदारियां)	8	266		**3671.24**		2765.87
(छ) अन्य गैर चालू परिसंपत्तियां	9	267		**16852.44**		16361.66
कुल गैर चालू परिसंपत्तियां				**26896.85**		27037.38
2. चालू परिसंपत्तियां						
(क) माल सूची	10	268		**7194.45**		8908.23
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियां						
(i) व्यापार प्राप्य	11	269	**4035.07**		7108.60	
(ii) नगद एवं नगद समकक्ष	12	269	**1527.19**		1402.86	
(iii) नगद एवं नगद समकक्ष के अतिरिक्त अन्य बैंक बैलेंस	13	270	**5174.26**		5015.73	
(iv) ऋण	14	270	**-**		-	
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	15	271	**232.65**	**10969.17**	262.74	13789.93
(ग) चालू कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	16	271		**403.60**		229.07
(घ) अन्य चालू परिसंपत्तियां	17	272		**9776.14**		9783.95
कुल चालू परिसंपत्तियां				**28343.35**		32711.18
कुल परिसंपत्तियां				**55240.21**		59748.56
ब. इक्विटी एवं देयता:						
3. इक्विटी						
(क) इक्विटी शेयर पूंजी	18	273		**696.41**		696.41
(ख) अन्य इक्विटी	18a	274		**25287.25**		27964.31
				25983.66		28660.72
अनियंत्रित ब्याज				**(11.66)**		(9.07)
कुल इक्विटी				**25972.00**		28651.65

समेकित तुलन पत्र (बैलेंस शीट) 31 मार्च, 2021 का

(₹ करोड़ों में)

विवरण	नोट	पेज	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
4. देयताएं						
4.1 गैर चालू देयताएं						
(क) वित्तीय देयताएं						
(i) पट्टा देयताएं	19	274	53.41		75.37	
(ii) व्यापार देय	20	275				
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया राशि			157.92		72.91	
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य का कुल बकाया राशि			1723.16		1003.32	
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	21	275	216.72	2151.21	159.02	1310.62
(ख) प्रावधान	22	275		3925.56		4225.16
(ग) अन्य गैर चालू देयताएं	23	276		2831.54		2952.65
कुल गैर चालू देयताएं				8908.31		8488.43
4.2 चालू देयताएं						
(क) वित्तीय देयताएं						
(i) उधार	24	276	4849.28		4947.92	
(ia) पट्टा देयताएं	19	274	48.20		56.67	
(ii) व्यापार देय	25	277				
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया राशि			662.94		611.12	
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य का कुल बकाया राशि			6020.57		8218.04	
(iii) अन्य वित्तीय देयताएं	26	278	929.58	12510.57	1430.62	15264.37
(ख) प्रावधान	27	278		3168.52		3085.76
(ग) अन्य चालू देयताएं	28	278		4680.80		4258.35
कुल चालू देयताएं				20359.90		22608.48
कुल देयताएं				29268.20		31096.91
कुल इक्विटी एवं देयता				55240.21		59748.56
तैयारी का आधार, मापन एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	2	254				
साथ में दिए गए नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं	41-62	287				

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव
सद.संख्या 14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
डीआईएनः 08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 01176857

समान तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002870N

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 006228C

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 जून, 2021

समेकित लाभ–हानि विवरण 31 मार्च, 2021 को

(₹ करोड़ों में)

विवरण	नोट	पेज		31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
आय						
परिचालनों से राजस्व	29	279		**17308.69**		21463.14
अन्य आय	30	280		**348.42**		564.30
कुल आय				**17657.11**		22027.44
व्यय						
सामग्री खपत, इरेक्सन एवं इंजीनीयरिंग व्यय	31	280		**11359.77**		15081.72
तैयार माल, प्रगतिशील कार्य एवं स्क्रेप की माल सूची में परिवर्तन	32	281		**510.86**		(1042.43)
कर्मचारी लाभ व्यय	33	281		**5378.15**		5431.88
अन्य व्यय	34	282		**1799.57**		2430.27
विनिमय दर (शुद्ध (लाभ)/ हानि)				**(65.83)**		(434.73)
प्रावधान	35	283		**1467.46**		233.80
वित्तीय लागत	36	284		**373.95**		508.45
मूल्यह्रास एवं परिशोधन खर्च	3.1/4.1	260/262		**473.25**		503.27
कुल व्यय				**21297.18**		22712.23
इक्विटी प्रणाली का उपयोग कर निवेश का लाभ (हानि) पूर्व शेयर का शुद्ध लाभ / (पूर्व) तथा कर				**(3640.07)**		(684.79)
इक्विटी प्रणाली का उपयोग कर संयुक्त उद्यम का शुद्ध लाभ / (हानि)				**44.14**		25.72
कर पूर्व लाभ				**(3595.93)**		(659.07)
कर व्यय	37	284				
क) वर्तमान कर			**15.82**		1.52	
ख) आस्थगित कर			**(912.05)**	**(896.23)**	807.76	809.28
वर्ष के लिए लाभ (क)				**(2699.70)**		(1468.35)
अन्य व्यापक आय	38	285				
वे आइटम जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा (शुद्ध कर)						
–निर्धारित कर्मचारी लाभों का पुनर्मापन				**19.98**		(273.87)
–इक्विटी प्रणाली का उपयोग कर संयुक्त उद्यम में ओसीआई का शेयर				**0.07**		0.13
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय (ख)				**20.05**		(273.74)
वर्ष के लिए कुल व्यापक आय (क+ख)				**(2679.65)**		(1742.09)
पर भारित:						
मूल इकाई के इक्विटी धारक				**(2677.06)**		(1739.75)
अनियंत्रित ब्याज				**(2.59)**		(2.34)
कुल				**(2679.65)**		(1742.09)

समेकित लाभ–हानि विवरण 31 मार्च, 2021 को

(₹ करोड़ों में)

विवरण	नोट	पेज	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष की कुल अन्य व्यापक आय				
पर भारितः				
मूल इकाई के इक्विटी धारक			**20.05**	(273.74)
अनियंत्रित ब्याज			**-**	-
कुल			**20.05**	(273.74)
कुल वर्ष के लिए लाभ				
पर भारितः				
मूल इकाई के इक्विटी धारक			**(2697.11)**	(1466.01)
अनियंत्रित ब्याज			**(2.59)**	(2.34)
कुल			**(2699.70)**	(1468.35)
प्रति इक्विटी शेयर आय	**39**	**286**		
(1) मूल [प्रत्येक का अंकित मूल्य 2 रुपये]			**(7.75)**	(4.21)
(2) मिश्रित [प्रत्येक का अंकित मूल्य 2 रुपये]			**(7.75)**	(4.21)
तैयारी का आधार, मापन एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	**2**	**254**		
साथ में दिए गए नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा हैं	**41-62**	**287**		

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव
सद.संख्या 14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
डीआईएनः 08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 01176857

समान तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002870N

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 006228C

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 जून, 2021

इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

अ. इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ों में)

2 रु. प्रत्येक के जारी किए गए, पूर्णतरू प्रदत्त इक्विटी शेयर	शेयरों की संख्या		राशि	
	2020-21	2019-20	2020-21	2019-20
अवधि की शुरूआत में शेष	**3482063355**	3482063355	**696.41**	696.41
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	**-**	-	**-**	-
अवधि के अंत में शेष	**3482063355**	3482063355	**696.41**	696.41

ब. अन्य इक्विटी

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	राजस्व एवं अधिशेष				अन्य व्यापक आय की अन्य मदें	कुल अन्य इक्विटी	अनियंत्रित ब्याज
	आरक्षित पूंजी	पूंजी मोचन कोष	सामान्य कोष	प्रतिधारित आय			
01, अपैल 2020 को शेष राशि	**35.18**	**37.87**	**30476.66**	**(2170.37)**	**(415.03)**	**27964.31**	**(9.07)**
जोड़ें: वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	(2697.11)	20.05	(2677.06)	(2.59)
31 मार्च 2021 को शेष	**35.18**	**37.87**	**30476.66**	**(4867.48)**	**(394.98)**	**25287.25**	**(11.66)**

इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	राजस्व एवं अधिशेष				अन्य व्यापक आय की अन्य मदें	कुल अन्य इक्विटी	अनियंत्रित ब्याज
	आरक्षित पूंजी	पूंजी मोचन कोष	सामान्य कोष	प्रतिधारित आय			
01, अपैल 2019 को शेष राशि	**35.18**	**37.87**	**30476.66**	**(232.56)**	**(141.16)**	**30175.99**	**(6.73)**
जोड़ें: लेखांकन प्रणाली में परिवर्तन (इंड एएस 115)	-	-	-	31.94	-	31.94	-
01, अपैल 2019 को पुनर्वर्णित शेष	**35.18**	**37.87**	**30476.66**	**(200.62)**	**(141.16)**	**30207.93**	**(6.73)**
जोड़ें: वर्ष के लिए कुल व्यापक आय	-	-	-	(1466.01)	(273.87)	(1739.88)	(2.34)
घटाएँ: वित्त वर्ष 2018–19 के लिए अंतिम लाभांश [नोट 41]	-	-	-	417.85	-	417.85	-
घटाएँ: लाभांश वितरण कर [नोट 41]	-	-	-	85.89	-	85.89	-
31 मार्च 2020 को शेष	**35.18**	**37.87**	**30476.66**	**(2170.37)**	**(415.03)**	**27964.31**	**(9.07)**

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव
सद.संख्या 14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 01176857

समान तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002870N

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 006228C

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 11 जून, 2021

नगदी प्रवाह विवरण

31, मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
क. परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह		
कर पूर्व लाभ	(3595.93)	(659.07)
समायोजन के लिए		
प्रावधान एवं राइट ऑफ	1241.08	244.44
मूल्य ह्रास एवं परिशोधन	473.25	503.27
वित्तीय लागत (ब्याज की छूट सहित)	373.95	508.45
ब्याज एवं लाभांश आय	(320.86)	(509.19)
संयुक्त उद्यमों में हानि/(लाभ) का हिस्सा	(44.14)	(25.72)
अन्य	(3.79)	(16.15)
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व परिचालनों से प्राप्त नकद	(1876.45)	46.03
कार्यशील पूंजी में परिवर्तन के लिए समायोजन		
व्यापारिक प्राप्तियां	3983.95	3371.34
अनुबंध संपत्तियां	(1281.61)	(1618.29)
मालसूची	1536.71	(1095.12)
ऋण अग्रिम एवं अन्य संपत्तियां	(211.76)	392.33
उप कुल	4027.29	1050.26
व्यापारिक देयताएं	(1340.79)	(2178.46)
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम, जमा एवं अन्य	(82.86)	(1841.44)
प्रावधान	24.76	354.04
उप कुल	(1398.90)	(3665.86)
शुद्ध नकदी (उपयोग की गई) / कार्यशील पूंजी से	2628.39	(2615.60)
परिचालन से उत्पन्न नकदी	751.95	(2569.57)
आय कर भुगतान	(190.35)	(321.93)
परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह	561.60	(2891.50)
ख. निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
बैंक जमा का प्रतिदान/परिपक्वता (मूल परिपक्वता 3 माह से अधिक की होने पर)	(159.98)	1700.03
प्राप्त ब्याज	343.11	538.74
संयुक्त उद्यमों से प्राप्ति	-	0.27
म्युचुअल फंड्स से प्राप्त आय	1.42	6.43
संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभांश	21.42	16.30
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की बिक्री	1.88	9.30
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की खरीद	(250.35)	(394.01)
शुद्ध नकदी (उपयोग की गई) / निवेश गतिविधियों से	(42.50)	1877.06

नगदी प्रवाह विवरण

31, मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
ग. वित्त पोषण गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
अल्पावधि ऋण से आय	**(99.67)**	2503.78
पट्टे की बाध्यता (मूलधन) की कार्यवाही (चुकौती)	**(60.30)**	(65.46)
लीज दायित्व (ब्याज) की कार्यवाही / (चुकौती)	**(12.95)**	(17.32)
लाभांश भुगतान (लाभांश वितरण कर सहित)	**(0.68)**	(504.56)
ब्याज भुगतान	**(222.21)**	(294.45)
निवल नकद (प्रयुक्त) / वित्तपोषण गतिविधियों से (देखें बिंदु 5)	**(395.81)**	1621.99
घ. नकदी व नकदी समकक्षों में शुद्ध वृद्धि/ (ह्रास)	**123.30**	607.55
नकदी व नकदी समकक्ष का प्रारंभिक शेष	**1396.60**	789.05
नकदी व नकदी समकक्षों का जमा शेष [नोट 12 देखे]	**1519.90**	1396.60

(1) इंड एएस–7: नकदी प्रवाह विवरण में वर्णित अप्रत्यक्ष विधि के तहत नकदी प्रवाह का विवरण तैयार किया गया है

(2) पिछले वर्ष के आंकड़े जहां कहीं भी लागू किए गए हैं, उन्हें फिर से एकत्र/पुनर्गठित किया गया है।

(3) नकद एवं नकद समकक्षों में 31 मार्च को 2021 को शून्य (पिछले वर्ष रु. 0.54 करोड़) विनिमय दर हानि शामिल नहीं है

(4) वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न देयताओं में परिवर्तन नोट [24 (vii)] एवं नोट [45 इ] में दिया गया है।

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव
सद.संख्या 14567

(सुबोध गुप्ता)
निदेशक (वित्त)
डीआईएन: 08113460

(डॉ. नलिन सिंघल)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीआईएन: 01176857

समान तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002074N

(सीए गोपाल कृष्ण)
भागीदार
सद.संख्या 081085

कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 002870N

(सीए संदीप सेंडिल)
भागीदार
सद.संख्या 085747

कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी
चार्टड एकाउंटेंट
एफआरएन – 006228C

(सीए प्रियंका जाजू)
भागीदार
सद.संख्या 411739

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 11 जून, 2021

नोट [1] – कंपनी के बारे में सूचना

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ("बीएचईएल" या "कंपनी") भारत में स्थित एक सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है और इसका पंजीकृत कार्यालय बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली –110049 में है।

यह निगमित विद्युत संयंत्र उपस्कर निर्माता कंपनी है जो अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे विद्युत, पारेषण, उद्योग, परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल एवं गैस और रक्षा हेतु व्यापक श्रेणी के उत्पादों एवं सेवाओं के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग एवं सर्विसिंग का कार्य कर रही है।

इस कंपनी की बीएचईएल–इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड के नाम से एक सहायक कंपनी है और बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड, एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पावर प्लांट परफॉर्मेंस इंप्रूवमेंट लिमिटेड और दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड इसकी संयुक्त उद्यम कंपनियां हैं।

नोट [2] – तैयारी, माप और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का आधार

समेकित वित्तीय विवरण

1. वित्तीय विवरण तैयार करने का आधार:

क) अनुपालन का विवरण

वित्तीय विवरण कंपनी (भारतीय लेखा मानक इंड एएस) नियम, 2015 और उसके बाद के संशोधनों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 में और उसके संशोधनों के अनुसार वित्तीय विवरण के लिए लागू अतिरिक्त अपेक्षाओं के अधीन कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों (इंड–एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।

ख) माप का आधार

वित्तीय विवरण क्रियाशील इकाई (going concern) आधार पर और उपचय (accrual) लेखांकन प्रणाली के आधार पर तैयार किया गया है। जब तक पॉलिसी में अन्यथा उल्लेखित न हो वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए ऐतिहासिक लागत का उपयोग किया जाता है।

ग) कार्यात्मक (Functional) और प्रस्तुति (Presentation) मुद्राः

वत्तीय विवरण भारतीय रुपयों में तैयार किए जाते हैं, जो कंपनी की फंक्शनल करेंसी (कार्यकारी मुद्रा) है।

घ) लागत अनुमान और निर्धारण का उपयोग

इंड एएस के अनुरूप वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए प्रबंधन को मूल्यांकन करने और अनुमान लगाने की आवश्यकता होती है जो लेखांकन नीतियों और परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की गई राशि को प्रभावित करते हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से अलग हो सकते हैं। अनुमानों की समीक्षा निरंतर आधार पर की जाती है। तदनुसार, लेखांकन अनुमानों में पूर्व प्रभाव से पुनरीक्षण किया जाता है।

लेखांकन नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण अनुमान और मूल्यांकन

वित्तीय विवरणों में उल्लिखित राशियों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाली लेखांकन नीतियों को लागू करने में किए गए अनुमान और मूल्यांकन इस प्रकार हैं:

i) राजस्व

कंपनी निर्माण ठेकों/अनुबंधों के लिए राजस्व लेखांकन में अपनाए गए लागत दृष्टिकोण के आधार पर इनपुट पद्धति का उपयोग करती है। इनपुट पद्धति के उपयोग के लिए कंपनी को अपने निष्पादन दायित्व की संतुष्टि के लिए कुल अपेक्षित लागत के सापेक्ष लागत का अनुमान लगाना अपेक्षित होता है। अनुबंध की अवधि के दौरान अनुमानों का लगातार मूल्यांकन किया जाता है और कंपनी निर्धारित समयांतराल में प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अपने प्रदर्शन दायित्वों की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में अपनी प्रगति का पुनः आकलन करती है।

कंपनी रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद परिस्थितियों और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान परिस्थितियों में बदलाव का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में अपने अनुमानित लेनदेन मूल्य को अपडेट करती है।

ii) संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर

आवधिक मूल्यह्रास के संबंध में प्रभार का आकलन संपत्ति की अपेक्षित उपयोगी अवधि एवं इसकी समाप्ति के बाद अपेक्षित अवशिष्ट मूल्य का अनुमान करने के बाद किया जाता है। कंपनी की परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास विधि, उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्यों का अनुमान प्रबंधन द्वारा परिसंपत्ति के अधिग्रहण के समय लगाया जाता है एवं इसकी समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के दौरान की जाती है।

iii) कर्मचारी लाभ योजनाएं

कर्मचारी परिभाषित लाभ योजनाएं और दीर्घकालिक लाभ योजनाएं बीमांकिक मान्यताओं के आधार पर मापी जाती हैं। हालाँकि, इन मान्यताओं में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का प्रभाव बताए गए दायित्वों और व्यय पर पड़ सकता है।

iv) प्रावधान और आकस्मिकताएं

प्रावधानों और आकस्मिकताओं की पहचान हेतु सम्पन्न आकलन वर्तमान उपलब्ध सूचना के आधार पर प्रबंधन के सर्वोत्तम निर्धारण के अनुसार किए गए हैं।

2. संपत्ति संयंत्र और उपस्कर (पीपीई)

संपत्ति, संयंत्र और उपस्करों का अनुमान संचित मूल्यह्रास और संचित इम्पेयरमेंट हानि के नुकसान, यदि कोई हो तो, पर किया जाता है। कंपनी, अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में निर्धारित उपयोगी लाभप्रदता काल–खंड के अनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर (अनुबंध के तहत विदेश में उपयोग किए गए अन्य के अलावा) पर मूल्यह्रास निम्नलिखित मदों में, जहां उपयोगी लाभप्रदता कालखंड आधारित है, को छोड़कर तकनीकी रूप से अनुमानित उपयोगी जीवन का आकलन करने परः –

संपत्ति श्रेणी	वर्ष
निर्माण उपस्कर, कैपिटल टूल्स एवं टैकल	5
जल निकासी, सीवरेज और जल आपूर्ति	30
सर्वर और नेटवर्क	5
सौर ऊर्जा उत्पादन संयंत्र	25

मूल्यह्रास विधियां, उपयोगी जीवन और अवशिष्ट मूल्यों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, को संभावित रूप से हिसाब में लिया जाता है। जब तक कंपनी लीज अवधि के अंत तक स्वामित्व प्राप्त नहीं कर लेगी, तब तक उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियां लीज अवधि के छोटे और उनके उपयोगी लाभप्रदता वाले समयांतराल से अधिक हो जाती हैं। फ्री होल्ड जमीन का मूल्यह्रास नहीं होता है।

प्रॉपर्टी प्लांट और उपकरण जिनकी लागत रु 10,000 /– या उससे कम है और जिनका वर्ष की शुरुआत में लिखित मूल्य 10,000 /– रुपए या उससे कम है, का पूरी तरह से मूल्यह्रास होता है।

निर्माण / परियोजना स्थलों पर: सड़कों, पुलों और पुलियों की लागत अनुबंध के कार्यकाल पर पूरी तरह से परिशोधित होती है, जबकि शेड, रेलवे साइडिंग, विद्युत प्रतिष्ठान और अन्य समान सक्षम कार्यों (अस्थायी संरचनाओं के अलावा) के कार्यकाल में मूल्यह्रास किया जाता है। अवशिष्ट मूल्य को बनाए रखने के बाद अनुबंध, यदि कोई हो।

भारत के बाहर लंबी अवधि के अनुबंधों के लिए उपयोग की जाने वाली परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास अनुबंध की प्रारंभिक अवधि में होता है।

निर्माण के वर्ष में अस्थायी संरचनाएं पूरी तरह से ह्रासमान हैं।

अलग–अलग उपयोगी जीवन के साथ महत्वपूर्ण घटकों को अलग से हिसाब में लेकर मूल्यह्रास किया जाता है।

बीएचईएल –जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में

सीमित परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी काल खंड पर सीधी रेखा पद्धति पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है, जो कि कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के तहत निर्धारित दरों से बराबर / कम है। परिसंपत्तियों के वास्तविक उपयोग को दर्शाने के लिए, अनुमानित उपयोगी जीवन संपत्ति का मूल्यांकन तकनीकी मूल्यांकन पर आधारित है।

संपत्ति श्रेणी	अनुमानित उपयोगी अवधि
प्लांट – मशीनरी	2-15
इलेक्ट्रिकल इंस्टालेशन	3-10
फर्नीचर – फिक्सचर्स	1-8
कम्प्यूटर्स	3
कार्यालयीन उपकरण	3-5

वित्तीय पट्टे के तहत परिसंपत्तियां पट्टे की अवधि अथवा उसके उपयोगी बने रहने तक जो भी पहले हो परिशोधित की जाती हैं।

रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के मामले में

मूल्यह्रास सीईआरसी विनियमन 2009 में निर्दिष्ट दरों पर स्ट्रेट लाइन पद्धति के आधार पर प्रदान किया जाता है। जिन परिसंपत्तियों के संबंध में सीईआरसी विनियमों में दरें निर्दिष्ट नहीं की गई हैं, उनका मूल्यह्रास कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के तहत निर्दिष्ट दरों पर होगा।

परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास लागत की 90% सीमा तक किया जाता है और 10% को अवशेष मूल्य के रूप में रखा जाता है। परिसंपत्तियों में हुई वृद्धि पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास का प्रावधान है, भले ही वृद्धि किसी भी तारीख को हुई हो। बेची गई/ रद्दी में डाली गई/ नष्ट की गई परिसंपत्ति का बेचे जाने/ रद्द किए जाने/ नष्ट किए जाने के वर्ष में मूल्यह्रास नहीं किया जाएगा। 5000 रु. तक की निजी परिसंपत्ति पर उपयोग में न लाए जाने के वर्ष में पूरी तरह से मूल्यह्रास लगाया जाता है।

एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के संबंध में

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर मूल्यह्रास कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची– II में निर्धारित उपयोगी कार्य अवधि के अनुसार स्ट्रेट लाइन पद्धति पर किया जाता है।

3. पट्टे

व्यवस्था के आरंभ में ही कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उक्त व्यवस्था पट्टा है अथवा इसमें पट्टा शामिल है।

प्रारंभिक मान्यता के बाद लीज़/पट्टे पर ली गई परिसंपत्तियों को लागत पर परिसंपत्ति के राइट–ऑफ़–यूज़ के तहत पूंजीकृत किया जाता है, जिसमें वर्तमान मूल्य पर लीज़ देयता का प्रारंभिक निर्धारण, प्रोत्साहन के बिना प्रारंभिक पट्टा भुगतान, निहित परिसंपत्ति को नष्ट किए जाने और हटाने की प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत शामिल हैं।

पट्टों के तहत किए गए पट्टा भुगतान वित्त व्यय और बकाया लीज देयता में की गई कमी के मध्य सेट/स्थिर किया जाता है। लीज अवधि के दौरान प्रत्येक अवधि के लिए वित्त व्यय आवंटित किया जाता है ताकि दायित्व/ देयता के अधिशेष पर लगातार आवधिक दर का उत्पादन किया जा सके। वित्त पट्टे पर दी गई संपत्ति के लिए, कंपनी प्रभावी ब्याज दर पद्धति का उपयोग करके पट्टा अवधि में वित्तीय आय को मान्यता देती है। आरंभिक प्रत्यक्ष लागतें वित्त पट्टा प्राप्य के प्रारंभिक निर्धारण में शामिल हैं और पट्टे की अवधि में मान्य आय को कम करती हैं। पट्टा परिचालन से होने वाली आय को स्ट्रेट लाइन पद्धति के आधार पर पट्टे की अवधि में आय के रूप में जाना जाता है, जहां पट्टे के किराये में आवधिक वृद्धि अपेक्षित सामान्य मुद्रास्फीति के अनुरूप है।

4. अमूर्त परिसंपत्ति

10000 / – से अधिक की कीमत वाली अमूर्त वस्तुओं का कम संचित परिशोधन और संचित हानि, यदि कोई हो, पर पूँजीकरण के लिए मूल्यांकन किया जाता है।

अमूर्त संपत्ति को जो उपयोग के लिए उपलब्ध हैं, को स्टेटमेंट ऑफ प्रॉफिट और लॉस में स्ट्रेट लाइन पद्धति में अनुमानित तारीख से उपयोगी लाभप्रदता काल हेतु संशोधित किया जाता है अमूर्त संपत्ति के लिए अनुमानित उपयोगी जीवन निम्नानुसार हैं:

सॉफ्टवेयर	3 साल
अन्य	10 साल

वर्ष की शुरुआत में 10000/– या उससे कम डब्ल्यूडीवी की अमूर्त संपत्ति का पूरी तरह से परिशोधन किया जाता है।

परिशोधन अवधि और परिशोधन के तरीकों की प्रत्येक वित्तीय वर्ष में समीक्षा की जाती है और परिवर्तन, यदि कोई हो, का लेखा–जोखा संभावित रूप से किया जाता है।

अनुसंधान गतिविधियों पर व्यय, लाभ और हानि के रूप में मान्यता प्राप्त है। विकास गतिविधियों पर व्यय तभी पूंजीकृत होता है जब व्यय को मज़बूती से मापा जा सकता है, उत्पाद या प्रक्रिया तकनीकी और व्यावसायिक रूप से संभव है, भविष्य के आर्थिक लाभ संभावित हैं और कंपनी के पास विकास कार्य कराने एवं संपत्ति के उपयोग अथवा विक्रय के पर्याप्त संसाधन हैं। खर्च की गई पूंजी में सामग्री की लागत, प्रत्यक्ष श्रम, ओवरहेड लागत शामिल हैं जो कि स्थिति के अनुसार इसके इच्छित उपयोग एवं उधार लेने की लागत के लिए संपत्ति तैयार करने के लिए सीधे जिम्मेदार हैं।

अनुसंधान और विकास हेतु अधिग्रहीत संपत्ति को पूंजीकृत किया जाता है।

5. उधार लागत

अर्हक संपत्तियों के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन से संबंधित प्रत्यक्ष उधार लागत को ऐसी परिसंपत्तियों की लागत में जोड़ा गया है।

जिस परिसंपत्ति में उपयोग या बिक्री हेतु तैयार होने में आवश्यक रूप से अधिक समय लगता है, जैसे कि बारह महीने से ज्यादा, उसे इस प्रयोजन के लिए अर्हक परिसंपत्ति माना जाता है।

अन्य सभी उधार लागतों को उस अवधि के लाभ – हानि के स्टेटमेंट में दर्शाया गया है, जिसमें वे खर्च हुए हैं।

6. सूची

इन्वेंटरी की कीमत लागत अथवा शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर निकाली जाती है। तैयार माल और कार्य–प्रगति के मूल्यांकन के

संदर्भ में, लागत का मतलब कारखाना लागत है। कच्चे माल, घटकों, ढीले उपकरणों, दुकानों और पुर्जों की लागत के संदर्भ में लागत का अर्थ भारित औसत लागत है।

7. राजस्व मान्यता

जिन वस्तुओं या सेवाओं के लिए ग्राहकों से वादा किया गया है, उनके अंतरण को दर्शाने के लिए राजस्व को ऐसी राशि में दर्शाया गया है, जो उस प्रतिफल को दर्शाती है, जिसे वह संस्था उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले में प्राप्त करने के लिए हकदार होने की उम्मीद रखती है।

निर्माण और दीर्घकालिक सेवा अनुबंधों के संबंध में, कंपनी माल या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहक को स्थानांतरित करती है और कुछ समय के बाद राजस्व का निर्धारण करती है। राजस्व का निर्धारण लागत दृष्टिकोण पर आधारित इनपुट पद्धति से किया जाता है। समय के साथ संतुष्ट निष्पादन बाध्यता की पूर्ण संतुष्टि की प्रगति को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में फिर से मापा जाता है।

माल और सेवाओं की बिक्री से प्राप्त राजस्व का निर्धारण नियंत्रण को ग्राहक को हस्तांतरित करते समय और अनुबंध के तहत निष्पादन दायित्वों की संतुष्टि के आधार पर किया गया है।

अन्य आय

- लाभ और हानि विवरण /स्टेटमेंट में कंपनी को भुगतान प्राप्ति हेतु निर्धारित तिथि को लाभांश से प्राप्त आय मान्य है।
- ब्याज आय, प्रभावी ब्याज दर पद्धति के उपयोग द्वारा मान्य है।
- निर्यात प्रोत्साहन / शुल्क कमियों, शुल्क वापसी और बीमा के लिए दावों का उपचय (accrual) आधार पर किया जाता है।

बीएचईएल –जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

पुर्जों की बिक्री

सामान्य गतिविधियों के दौरान, गैस टरबाइन की बिक्री से प्राप्त राजस्व को प्राप्त या प्राप्य के प्रतिफल के उचित मूल्य पर तथा बिक्री पर मापा जाता है। ग्राहकों को उन उत्पादों या सेवाओं के बदले में प्राप्त होने वाले विचार को प्रतिबिंबित करने वाली राशि में ग्राहकों को वादा किए गए उत्पादों या सेवाओं के नियंत्रण के हस्तांतरण पर मान्यता प्राप्त है।

अभियान्त्रिकी सेवाऐं

नियत–मूल्य, निश्चित–समय–सीमा अभियान्त्रिकी और आपूर्ति अनुबंधों से प्राप्त राजस्व, जहां प्रदर्शन दायित्वों को समय के साथ संतुष्ट किया जाता है और जहां माप या विचार की सामूहिकता के रूप में कोई अनिश्चितता नहीं है, प्रतिशत–पूरा होने की विधि के अनुसार मान्यता प्राप्त है।

अनुरक्षण सेवाएं

मरम्मत सेवाओं के मामले में, राजस्व को ग्राहक के साथ किए गए अनुबंध की शर्तों के अनुसार दर्शाया गया है। मरम्मत सेवा अनुबंध के तहत आपूर्ति किए गए पुर्जों की बिक्री को बड़ा जोखिम और स्वामित्व ग्राहक को हस्तांतरित होने के बाद दर्शाया गया है तथा इसमें शुद्ध बिक्री कर एवं बिक्री प्रतिफल शामिल नहीं हैं।

रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल) के संबंध में

- ठेकेदारों को दिए गए अग्रिम कार्यों पर ब्याज से उत्पन्न होने वाली आय को प्राप्ति/ स्वीकृति के आधार पर दर्शाया गया है।
- इनफर्म एनर्जी की बिक्री से हुई आय और अन्य विविध प्राप्तियों को सीईआरसी / केईआरसी के दिशानिर्देशों के अनुसार, पूंजीगत लागत के रूप में कम करके हिसाब में लिया गया है।
- केईआरसी के दिशानिर्देशों के अनुसार ऊर्जा की बिक्री से प्राप्त राजस्व को केईआरसी (जनरेशन टैरिफ के निर्धारण के लिए नियम और शर्तें) विनियम 2014 के दिशानिर्देशों के अनुसार दर्शाया गया है।

8. विदेशी मुद्रा अंतरण (विनिमय)/ लेन–देन

विदेशी मुद्राओं में लेन–देन को लेन–देन की तिथि को लागू विनिमय दर पर दर्ज किया गया है।

विदेशी मुद्रा वाली वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों को प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लागू विनिमय दरों पर कार्यात्मक मुद्रा में परिवर्तित किया जाता है। निपटान और अंतरण से होने वाले विदेशी मुद्रा लाभ अथवा हानि को लाभ एवं हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

ऐतिहासिक लागत पर मापी गई एवं विदेशी मुद्रा में दर्शायी गई गैर–मौद्रिक परिसंपत्तियों और गैर–मौद्रिक देनदारियों को, लेनदेन की तारीख को लागू विनिमय दर पर परिवर्तित (अदल–बदल) किया जाता है।

9. कर्मचारी लाभ

निर्धारित योगदान योजना

कंपनी द्वारा कर्मचारियों हेतु पेंशन एवं फेमिली पेंशन फंड में किया गया योगदान अंशदायी योजना के अंतर्गत आता है तथा कर्मचारियों द्वारा प्रदत्त सेवा–काल हेतु लाभ एवं हानि विवरणिका में इसे कर्मचारी लाभ व्यय के नाम से जाना जाता है।

निर्धारित लाभ योजनाएं

कंपनी की ग्रेच्युटी योजना, भविष्य निधि योजना, सेवानिवृत्ति पर यात्रा का दावा और सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा सुविधा योजना परिभाषित लाभ योजनाओं के अंतर्गत आती हैं।

इस परिभाषित लाभ योजना के संबंध में बैलेंस शीट में दर्शायी गई देयता रिपोर्टिंग अवधि के अंत में योजित संपत्तियों के उचित मूल्य के साथ वर्तमान लाभ देयता है। परिभाषित लाभ दायित्व प्रतिवर्ष अनुमानित क्रेडिट यूनिट का उपयोग करके स्वतंत्र एक्ट्यूरीज द्वारा गणना की जाती है। परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य एक उपयुक्त सरकारी बॉन्ड दर का उपयोग करके अनुमानित भविष्य के नकदी बहिर्वाह को छूट देकर निर्धारित किया जाता है, जिसमें संबंधित दायित्व की शर्तों के लिए परिपक्वता की शर्तें होती हैं।

एक्चुअरी लाभ और हानि के साथ–साथ योजना परिसंपत्तियों पर वापसी और शुद्ध परिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज में शामिल राशियों के बीच अंतर को अन्य व्यापक आय (आयकर के शुद्ध) के रूप में दर्शाया गया है।

परिभाषित लाभ योजनाओं से संबंधित अन्य खर्चों को लाभ और हानि के विवरण में दर्शाया गया है।

दीर्घकालिक अवकाश देयता

कंपनी संचित क्षतिपूरित अनुपस्थिति की अनुमानित लागत का परिकलन रिपोर्टिंग अवधि के अंत में संचित अप्रयुक्त हकदारी के परिणामस्वरूप प्रदान की जाने के लिए अपेक्षित अतिरिक्त राशि के रूप में करती है। गैर–संचित क्षतिपूरित अनुपस्थिति पर व्यय को उस अवधि में दर्शाया गया है जिसमें अनुपस्थिति होती है। कंपनी अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर संचित शेष राशि के लिए एक देयता दर्ज करती है। दीर्घकालिक लाभ योजनाओं से संबंधित पुनर्मापन एवं अन्य व्यय को लाभ एवं हानि सबंधी विवरणिका में दर्शाया गया है।

10. प्रावधान

(i) कंपनी के विरुद्ध निर्णीत हर्जाने के दावों को, समान लेन–देन के अनुभव से

उपलब्ध जानकारी के संदर्भ में प्रबंधन द्वारा संभावित परिणाम के आकलन के आधार पर वित्तीय विवरणों में दर्शाया जाता है।

(ii) निर्माण अनुबंधों के लिए, कंपनी राजस्व को मान्यता प्रदान करते ही इसके 2.5% की दर से उत्तरोत्तर वारंटी लागत प्रदान करती है और वारंटी अवधि के दौरान इसे बनाए रखती है। अन्य अनुबंधों के लिए, वर्ष के अंत में वारंटी के तहत अनुबंधों के संबंध में संविदागत देयताओं के लिए संविदा मूल्य के 2.5% का प्रावधान जारी रखा जाता है। एकल उत्पाद की आपूर्ति से संबंधित अनुबंधों के मामले में, प्रत्येक तैयार उत्पाद के मूल्य का 2.5% प्रदान किया जाता है।

(iii) जब यह संभावित हो कि कुल अनुबंध लागत कुल अनुबंध राजस्व से अधिक हो जाएगी, तो अनुमानित नुकसान का तुरंत पता लगाया जाता है।

(iv) यदि किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप अन्य प्रावधानों को मान्यता दी जाती है, तो कंपनी पर वर्तमान कानूनी या निर्माण संबंधी देयता होती है जिसका अनुमान विश्वसनीय रूप से लगाया जा सकता है, और यह संभव है कि देयता के निपटान के लिए आर्थिक लाभ को खर्च करने की जरूरत पड़े।

तथापि, जहां धन के कालिक मूल्य का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप में हो, वहां जहां भी लागू हो, प्रावधानों को भविष्य के अनुमानित नकदी प्रवाह को छोड़कर निर्धारित किया जाता है।

11. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों को तभी मान्यता दी जाती है जब आश्वासन मिलता है कि उनसे जुड़ी शर्तों का अनुपालन किया जाएगा, और अनुदान प्राप्त किया जाएगा। गैर मौद्रिक अनुदानों को परिसंपत्तियों के उचित मूल्य के रूप में देखा जाता है और इसे आस्थगित आय के रूप में माना जाता है। आस्थगित आय को संपत्ति के उपयोगी लाभप्रदता काल पर व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लाभ – हानि विवरण में दर्शाया जाता है। राजस्व से संबंधित सरकारी अनुदान को संबंधित लागतों के साथ मिलान हेतु आवश्यक अवधियों पर लाभ और हानि के विवरण में एक व्यवस्थित आधार पर मान्यता दी जाती है, जिसकी वे क्षतिपूर्ति करना चाहते हैं।

12. आय–कर

आयकर व्यय में वर्तमान कर और आस्थगित कर शामिल हैं। आयकर व्यय को लाभ और हानि के विवरण में दर्शाया जाता है, किंतु अन्य व्यापक आय या प्रत्यक्ष इक्विटी मदों से संबंधित आयकर को छोड़कर। वर्तमान कर वर्ष के लिए कर योग्य आय पर देय कर है, जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में लागू कर दरों (कर कानूनों) का उपयोग करते हुए निर्धारित किया गया है और इसमें पिछले वर्षों के कर को भी समायोजित किया गया है।

आस्थगित कर बैलेंस शीट पद्धति का उपयोग करके निर्धारित किया गया है, जो बैलेंस शीट में परिसंपत्ति या देयता की राशि और उसके कर आधार के बीच के अस्थायी अंतर के लिए प्रावधान किया गया है।

आस्थगित कर का परिकलन उन कर दरों पर किया जाता है, जिनका अस्थायी अंतर को रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक लागू विधियों के आधार पर प्राप्त किए जाने अथवा निपटाए जाने पर लागू होना अपेक्षित है।

आस्थगित कर परिसंपत्ति उतनी दर्शायी जाती है, जिससे कि भविष्य में इतना कर योग्य लाभ उपलब्ध हो कि उसके साथ अस्थायी अंतर को समायोजित किया जा सके।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की दर्शायी गई राशि की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में की जाती है और इस सीमा तक कम कर दी जाती है कि अब यह सम्भावना नहीं रह जाती है कि संबंधित कर लाभ की प्राप्ति हो पाएगी।

लाभांश के वितरण से उत्पन्न होने वाले अतिरिक्त आयकर को उसी समय मान्यता दी जाती है जब संबंधित लाभांश का भुगतान करने की देयता को मान्यता दी जाती है।

13. परिसंपत्ति की ह्रास

वित्तीय परिसंपत्तियों की ह्रास

व्यापार और पट्टे की प्राप्य राशियों के संबंध में ह्रास भत्ते का परिकलन आजीवन अपेक्षित क्रेडिट लॉस के बराबर राशि के रूप में किया जाता है।

अन्य उन सभी वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में, जिन्हें इम्पेयर किया जाना आवश्यक है, यदि उस वित्तीय लिखत पर क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक मान्यता के बाद से काफी बढ़ गया है, तो ह्रास भत्ते का परिकलन आजीवन अपेक्षित क्रेडिट लॉस के बराबर राशि के रूप में किया जाता है। तथापि, यदि रिपोर्टिंग तिथि पर, वित्तीय उपकरण पर क्रेडिट जोखिम प्रारंभिक मान्यता के बाद से बहुत अधिक नहीं बढ़ा है, तो ह्रास भत्ते को 12 महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानि के बराबर राशि पर मापा जाता है।

गैर–वित्तीय परिसंपत्तियों की ह्रास

नकदी पैदा करने वाली इकाइयों की मात्रा की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर की जाती है, जहां किसी भी तरह की हानि का संकेत होता है। लाभ और ह्रास का आकलन हुए नुकसान के आधार पर किया जाता है, जहां कैरींग राशि नकदी पैदा करने वाली इकाइयों की वसूली योग्य राशि से अधिक होती है। यदि संकेतों से पता चलता है कि ह्रास में कमी आई है अथवा अब ह्रास नहीं हो रही है, तो पूर्व कालावधि में नुकसान से हुई ह्रास का आकलन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि को किया जाता है। यदि वसूली राशि को इंगित करते हुए लागत में परिवर्तन हो तो, इम्पेयरमेंट लॉस को बदला जा सकता है।

यदि कोई इम्पेयरमेंट लॉस होना नहीं पाया गया है तथा संपत्ति की वहन राशि निर्धारित राशि से अधिक नहीं है, जो मूल्यह्रास या परिशोधन का शुद्ध है तो इम्पेयरमेंट लॉस को बदला जा सकता है।

14. सेगमेंट रिपोर्टिंग

खंडों के राजस्व और व्यय का निर्धारण खंड विशेष की परिचालन गतिविधियों के साथ उनके संबंध के आधार पर किया जाता है। जो राजस्व, व्यय, परिसंपत्तियां और देयताएं उचित आधार पर खंडों के लिए आवंटित नहीं की जा सकती हैं, उन्हें "अनावंटित राजस्व / व्यय / संपत्ति / देनदारियों" के तहत शामिल किया गया है।

15. वित्तीय लिखत

i) नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय विलेख

नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय लिखतों को निम्नलिखित रूप में वर्गीकृत किया गया है: –

– (क) परिशोधित लागत और (ख) लाभ एवं हानि (एचवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर निर्धारित वित्तीय परिसंपत्तियां।

– परिशोधित लागत पर निर्धारित वित्तीय देनदारियां

प्रारंभ में, सभी वित्तीय लिखतों को उनके उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है। यदि वित्तीय लिखतों को एफवीटीपीएल के माध्यम से निर्धारित नहीं किया जाता है, तो कैरींग राशि का निर्धारण करने में लेन–देन की लागत शामिल होती है। जब वित्तीय परिसंपत्तियों के स्वामित्व के पर्याप्त जोखिम और प्रतिफल न तो हस्तांतरित किए जाते हैं और न ही रोककर रखे जाते हैं तब वित्तीय परिसंपत्तियों को उसी स्थिति में डि–रेकोग्नाइज किया जाता है, जब कंपनी ने वित्तीय परिसंपत्तियों पर नियंत्रण नहीं रखा हो। जब संविदात्मक दायित्वों के निर्वहन या रद्द होने या समाप्त होने की स्थिति में वित्तीय देनदारियों को डि–रेकोग्नाइज किया जाता है।

बाद में नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय संपत्तियों का निर्धारण निम्न रूप में किया जाता है:

क. परिशोधित लागत

"परिशोधित लागत पर वित्तीय लिखत" का निर्धारण बाद में प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति से परिशोधित लागत पर किया जाता है। परिशोधित लागत का परिकलन उस छूट या अधिग्रहण पर प्रीमियम और शुल्क या लागत को ध्यान में रखकर किया जाता है, जो ईआईआर का अभिन्न अंग हैं। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि में दर्शाया जाता है। इम्पेयरमेन्ट से होने वाले नुकसान को लाभ – हानि विवरण में दर्शाया जाता है।

ख. एफ़वीटीपीएल श्रेणी–

इस श्रेणी में वर्गीकृत वित्तीय लिखत बाद में लाभ – हानि विवरण में दर्ज परिवर्तनों सहित उचित मूल्य पर तैयार किए जाते हैं। प्रत्यक्ष लेनदेन लागत को लाभ – हानि विवरण में खर्च के रूप में दर्शाया जाता है।

नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय देनदारियों को बाद में निम्न रूप में दर्शाया जाता है:

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, नॉन–डेरिवेटिव वित्तीय देनदारियों को प्रभावी ब्याज पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर निर्धारित किया जाता है।

ii) डेरिवेटिव वित्तीय लिखत

यदि प्रत्यक्ष प्रभाव डालने वाला कोई एंबेडेड डेरिवेटिव हो उसे हॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट से अलग रखा जाता है और अलग से हिसाब में लिया जाता है। यदि हॉस्ट कॉन्ट्रेक्ट की आर्थिक विशेषताएं एवं जोखिम और एम्बेडेड डेरिवेटिव आपस में जुड़े ना हों तो उसी प्रकार का एक अलग लिखत एम्बेडेड डेरिवेटिव को परिभाषित करेगा और संयुक्त लिखत को लाभ – हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर नहीं निर्धारित किया जाएगा।

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, डेरिवेटिव को उचित मूल्य पर निर्धारित और परिकलित किया जाता है। लेनदेन की अट्रीब्युटेबल लागत को लाभ और हानि में लागत के रूप में दर्शाया जाता है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद, डेरिवेटिव को लाभ–हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है।

16. नकद एवं नकद समतुल्य

नगद और नगद समतुल्य में बैंक में शेष और अपने पास उपलब्ध नकदी शामिल होती है। इसमें तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ सावधि जमा और अन्य अल्पकालिक मुद्रा बाजार जमा शामिल हैं जो आसानी से ज्ञात राशि में नकदी रूप में परिवर्तनीय हैं और मूल्य परिवर्तन के कम जोखिम के अधीन हैं।

नोट [3क] – गैर चालू परिसंपत्तियां
संपत्ति, संयंत्र एवं उपस्कर

संपत्ति, संयत्र एवं उपकरण (पीपीई) पर लेखांकन नीति के लिए नोट 2 के बिंदु 2 को देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
निवल ब्लाक	**6179.47**	6057.86
घटाएँ: संचित मूल्यह्रास	**3750.49**	3319.35
शुद्ध ब्लाक (विवरण के लिए देखें नोट 3.1)	**2428.98**	2738.51

कंपनी ने इंड एएस 101 के तहत छूट का विकल्प चुना है, एवं तदनुसार इंड एएस ट्रांजिशन की दिनांक 31.03.2015 को प्राप्त मूल्य को निर्णीत कीमत माना गया है

नोट [3ख] – गैर चालू परिसंपत्तियां
प्रगतिशील कार्य पूंजी

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
संयत्र, मशीनरी एवं अन्य उपकरण:				
प्रगतिशील इरेक्शन / फेब्रिकेशन / प्रतीक्षारत इरेक्शन	**171.60**		166.34	
मार्ग में	**0.63**	**172.23**	0.54	166.88
प्रगतिशील निर्माण कार्य –सिविल		**228.77**		137.98
निर्माण भंडार – (मार्गस्थ सहित)		**2.21**		1.88
कुल		**403.21**		306.74

नोट [4क] – गैर चालू परिसंपत्तियां
अमूर्त परिसंपत्तियां

अमूर्त संपत्ति पर लेखांकन नीति के लिए नोट 2 का बिंदु 4 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
निवल ब्लाक	**290.83**	280.48
घटाएँ: संचित ऋणमुक्ति	**228.67**	201.87
शुद्ध ब्लाक (विवरण के लिए देखें नोट 4.1)	**62.16**	78.61

कंपनी ने इंड एएस 101 के तहत छूट का विकल्प चुना है, एवं तदनुसार इंड एएस ट्रांजिशन की दिनांक 31.03.2015 को प्राप्त मूल्य को निर्णीत कीमत माना गया है

नोट [4ख] – गैर चालू परिसंपत्तियां
विकासशील अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
विकासशील अमूर्त परिसंपत्तियां	**16.35**	7.26
कुल	**16.35**	7.26

नोट [3.1] – परिसंपत्तियां, प्लांट व उपस्कर का विवरण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	01.04.2020 को प्रारंभिक शेष	परिवर्धन/समायोजन	कटौती/समायोजन	31.03.2021 को अंतिम शेष	01.04.2020 पर संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास/परिशोधन	मूल्यह्रास समायोजन	31.03.2021 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2021 को निवल ब्लाक	31.03.2020 को निवल ब्लाक
भूमि – फ्री होल्ड भूमि (विकास व्यय सहित)	28.02	-	-	**28.02**	-	-	-	**-**	**28.02**	28.02
भवन – फ्री होल्ड भवन	1671.11	39.73	(0.83)	**1710.01**	515.09	92.11	(0.04)	**607.16**	**1102.85**	1156.03
सड़कें, पुल एवं पुलिया	15.24	0.61	-	**15.85**	12.82	0.73	-	**13.56**	**2.30**	2.41
जल व मल निकासी एवं जल–आपूर्ति	28.66	2.52	-	**31.17**	5.96	1.09	-	**7.05**	**24.13**	22.70
प्लांट व मशीनरी	3063.97	37.10	(0.30)	**3100.77**	2067.01	202.59	(0.32)	**2269.28**	**831.49**	996.96
रेल्वे साइडिंग	8.85	-	-	**8.85**	4.20	0.67	-	**4.87**	**3.98**	4.65
लोकोमोटिव व वेगन	28.33	-	(0.03)	**28.30**	13.74	2.16	-	**15.90**	**12.40**	14.60
फर्नीचर व फिक्चर्स	61.18	2.06	(1.28)	**61.96**	34.64	6.27	(0.95)	**39.96**	**21.99**	26.54
वाहन	13.97	0.40	-	**14.37**	7.21	1.60	-	**8.81**	**5.56**	6.76
कार्यालय व अन्य उपस्कर	132.31	6.51	(0.40)	**138.42**	97.22	13.28	(0.13)	**110.37**	**28.05**	35.09
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपकरण	109.11	4.31	19.79	**133.21**	50.85	25.30	21.31	**97.47**	**35.74**	58.25
इलेक्ट्रिकल संस्थापनाएं	229.77	11.73	(0.08)	**241.42**	149.91	24.51	(0.06)	**174.36**	**67.06**	79.86
निर्माण उपस्कर	72.23	0.70	(1.80)	**71.12**	66.62	2.66	(1.80)	**67.48**	**3.64**	5.61
10,000/– तक की लागत वाली अचल संपत्तियां	18.39	3.34	(0.63)	**21.09**	18.37	3.34	(0.63)	**21.09**	**-**	-
सोलर पॉवर जेनरेशन	119.46	0.09	-	**119.54**	16.09	5.88	-	**21.97**	**97.58**	103.37
राइटऑफ यूज परिसंपत्तियां	457.27	30.84	(32.74)	**455.37**	259.62	64.26	(32.70)	**291.18**	**164.19**	197.65
कुल	**6057.86**	**139.94**	**(18.32)**	**6179.47**	**3319.35**	**446.45**	**(15.32)**	**3750.49**	**2428.98**	**2738.51**
पिछला वर्ष	5773.34	299.56	(15.02)	**6057.86**	2865.83	468.36	(13.69)	**3319.35**	**2738.51**	2907.51

टिप्पणियां:
31.03.2021 को सकल ब्लॉक रु. 13276.64 करोड़. (पहले आईजीएएपी के अनुसार) और 31.03.2020 को रु 12763.61 करोड़ था।
31.03.2021 को सकल ब्लॉक में 14.11 करोड़ रुपए की अनुपयोगी व सक्रिय उपयोग में न आ रही संपत्तियों को सम्मिलित किया गया है। पिछले साल 14.98 करोड़ रुपये।
31.03.2021 को निवल ब्लॉक में 0.12 करोड़ रुपए की अनुपयोगी व सक्रिय उपयोग में न आ रही संपत्तियों को सम्मिलित किया गया है। पिछले साल 0.12 करोड़ रुपये।
सकल ब्लॉक में भारत सरकार से अनुसंधान के लिए प्राप्त अनुदान से खरीदी गई संपत्ति की लागत शामिल नहीं है, क्योंकि यह संपत्ति 244.43 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 238.45 करोड़ रुपये) कंपनी की नहीं है।
वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों में कोई ह्रास हानि नहीं हुई है।

टिप्पणी 3.1(क): परिसंपत्तियों के राइट ऑफ यूज में निम्नलिखित शामिल हैं:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	01.04.2020 को प्रारंभिक शेष	परिवर्धन/समायोजन	कटौती/समायोजन	31.03.2021 को अंतिम शेष	01.04.2020 पर संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास / परिशोधन	मूल्यह्रास समायोजन	31.03.2021 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2021 को निवल ब्लाक	31.03.2020 को निवल ब्लाक
भूमि (विकास व्यय सहित)	110.85	3.92	-	114.78	6.40	3.99	-	**10.39**	**104.39**	104.46
भवन	1.63	-	-	1.63	0.26	0.05	-	**0.31**	**1.32**	1.37
प्लांट व मशीनरी	4.07	18.07	-	22.14	1.83	7.68	(0.66)	**8.85**	**13.29**	2.23
कार्यालय व अन्य उपस्कर	16.29	0.18	-	16.47	13.27	1.99	(0.43)	**14.83**	**1.64**	3.02
इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्रोसेसिंग उपस्कर	301.64	8.49	(31.73)	278.40	225.70	42.42	(29.81)	**238.31**	**40.10**	75.93
वाहन	5.30	0.17	(0.97)	4.50	1.69	1.53	(0.58)	**2.63**	**1.87**	3.61
अन्य	17.50	-	(0.05)	17.45	10.48	6.61	(1.23)	**15.86**	**1.59**	7.02
कुल	**457.27**	**30.84**	**(32.74)**	**455.37**	**259.62**	**64.26**	**(32.70)**	**291.18**	**164.19**	**197.65**

टिप्पणी [3.1]: परिसंपत्ति, प्लांट व उपस्कर के बारे में अतिरिक्त जानकारी:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
1. भूमि एवं भवन में निम्नलिखित शामिल हैं:		
क i) जमीन, जिसके लिए औपचारिक अंतरण पट्टा विलेख नहीं किया गया है (एकड़ में)	**8196.93**	8196.93
निवल ब्लॉक	**70.77**	71.49
ii) फ्लैटों की संख्या, जिनके लिए औपचारिक अंतरण पट्टा विलेख नहीं किया गया है (संख्या में)	**12**	12
निवल ब्लॉक	**1.11**	1.15
iii) जमीन, जिसके लिए प्रदत्त लागत अनंतिम है; (एकड़ में)	**506.46**	506.46
[भावी पंजीकरण प्रभार एवं स्टाम्प शुल्क (प्रावधान को छोड़कर), जिसकी गणना भुगतान पर की जाएगी।		
निवल ब्लॉक	**63.35**	64.07
ख. रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के विभागों और अन्य को पट्टे पर दी गई एकड़ जमीन (एकड़ में)	**30.37**	30.37
ग. जमीन, जो प्रतिकूल/अनधिकृत कब्जे में है (एकड़ में)	**751.49**	757.47

घ. 1297.86 एकड़ (पीवाई 1297.86 एकड़) भूमि हरिद्वार संयंत्र में म्युटेशन के लिए लंबित है, जिसके लिए कानूनी कार्रवाई प्रक्रिया में है। इसमें 934 एकड़ (पीवाई 934 एकड़) भूमि शामिल है जो बीएचईएल के कब्जे में है लेकिन वर्ष 2004 और 2007 में उत्तराखंड सरकार के सिडकुल के नाम पर गलत तरीके से म्युटेट की गई है

छ. इसके अलावा, हरिद्वार संयंत्र में, 8 एकड़ भूमि उत्तराखंड सरकार के कार्यालय ज्ञापन दिनांक 01.12.2003 के तहत आईओसीएल/राज्य सरकार को हस्तांतरण के लिए लंबित है।

(उपर्युक्त (ख से छ) की भूमि की लागत प्रत्यक्ष नहीं है)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
2 i) भूमि का कुल क्षेत्रफल एकड़ में	**16409.03**	16409.03
ii) 2 (i) में से फ्री होल्ड लैंड (सेल डीड) / कब्जे / लाइसेंस अधिकार (एकड़ में)	**15735.69**	15735.69
iii) 2 (i) में से लीज होल्ड लैंड (एकड़ में)	**673.34**	673.34

3. कंपनी 10000/– रु. तक की लागत ओपनिंग नेट ब्लॉक वाले पीपीई के एक आइटम पर 100% मूल्यह्रास प्रदान करती है। पिछले वर्षों के प्रभाव पर विचार किए बिना, लाभ पर पीपीई की एक वस्तु पर 100% मूल्यह्रास प्रदान करने का प्रभाव निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
10000/–रु. चार्ज ऑफ तक पीपीई पर 100% मूल्यह्रास	**5.34**	6.14
घटाएं: उपर्युक्त पर सामान्य मूल्यह्रास	**(1.20)**	(1.11)
वर्ष के लिए मूल्यह्रास के रूप में प्रभारित अतिरिक्त राशि	**4.15**	5.03

नोट [4.1] – अमूर्त परिसंपत्तियों का विवरण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	01.04.2020 को प्रारंभिक शेष	परिवर्धन/ समायोजन	कटौती/ समायोजन	31.03.2021 को अंतिम शेष	01.04.2020 पर संचित मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास / परिशोधन	मूल्यह्रास समायोजन	31.03.2021 को संचित मूल्यह्रास	31.03.2021 को निवल ब्लाक	31.03.2020 को निवल ब्लाक
आंतरिक स्रोतों द्वारा विकसित										
–अन्य	66.55	3.24	0.00	**69.78**	53.86	7.63	0.00	**61.49**	**8.29**	12.69
अन्य										
–साफ्टवेयर	50.71	0.21	0.00	**50.92**	42.21	4.61	0.10	**46.92**	**4.00**	8.50
–तकनीकी ज्ञान	163.23	6.90	0.00	**170.13**	105.80	14.56	(0.10)	**120.26**	**49.87**	57.43
कुल	**280.48**	**10.35**	**0.00**	**290.83**	**201.87**	**26.80**	**0.00**	**228.67**	**62.16**	**78.61**
पिछला वर्ष	250.00	30.50	0.00	**280.48**	166.93	34.90	0.03	**201.87**	**78.61**	83.07

सकल ब्लॉक (पिछले आईजीएएपी के अनुसार) 31.03.2020 को 564.81 करोड़ रु. एवं 31.03.2021 को रु.575.15 करोड़ था।

वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपतियों में कोई ह्रास हानि नहीं हुई ।

नोट [5] – गैर चालू परिसंपत्तियां
निवेश (इक्विटी प्रणाली के उपयोग पर गणना)

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस प्रा. लि.		
आरंभिक शुद्ध परिसंपत्तियां	**158.97**	149.42
वर्ष का लाभ (हानि)	**44.14**	25.72
अन्य व्यापक आय	**0.07**	0.13
घटाएँ: लाभांश भुगतान किया गया	**21.42**	16.30
अंतिम शुद्ध परिसंपत्तियां	**181.76**	158.97

(i) आरपीसीएल (संयुक्त उपक्रम कंपनी) ने हानियाँ दर्ज की जिसके कारण समूह ने दिनांक 31 मार्च, 2019 को निवेश की लागत के समतुल्य संचित हानि दर्शायी। 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षा पूर्व वित्तीय विवरण के अनुसार समूह के पास रुपए 880 करोड़ की हानि राशि के अमान्य शेयर हैं

(ii) एनबीपीपीएल (संयुक्त उपक्रम कंपनी) ने हानियाँ दर्ज की जिसके कारण समूह ने दिनांक 31 मार्च, 2019 को निवेश की लागत के समतुल्य संचित हानि दर्शायी। 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षा पूर्व वित्तीय विवरण के अनुसार समूह के पास रुपए 63 करोड़ की हानि राशि के अमान्य शेयर हैं

नोट [5क] – गैर चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – निवेश

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति			31 मार्च 2020 की स्थिति		
	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य रू में)	राशि		शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य रू में)	राशि	
I कोटिड इक्विटी लिखित			-			-
II अनकोटिड इक्विटी लिखित (पूर्ण प्रदत्त शेयर)						
(क) पूर्ण प्रदत्त इक्विटी लिखित में निवेश						
(i) पॉवरप्लांट परफॉर्मेंस इमप्रूवमेंट लिमिटेड	**1999999** **(10)**	**2.00**		1999999 (10)	2.00	
घटाएँरू ह्रास के प्रावधान		**2.00**	**-**		2.00	-
(ii) दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड	**-** **-**	**-**		22500000 (10)	5.20	
घटाएँ: प्राप्त राशि		**-**			0.27	
घटाएँ: ह्रास के प्रावधान		**-**	**-**		4.93	-
(ख) अनकोटिड इक्विटी लिखित (पूरी तरह भुगतान किए गए शेयर)						
(i) नीलांचल इस्पात निगम लि.	**5000000** **(10)**	**5.00**		5000000 (10)	5.00	
(ii) एपी गैस पावर कॉर्पोरेशन लि.	**728960** **(10)**	**0.91**		728960 (10)	0.91	
(iii) इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लि.	**1892** **(10)**	*****		1892 (10)	*	
		5.91			5.91	
जोड़ें / (घटाएँ): उचित मूल्य समायोजन		**2.33**	**3.58**		2.82	3.09
सहकारी समितियों में हिस्सेदारी #			**-**			-
कुल			**3.58**			3.09
*रूपये 1 लाख से कम का मूल्य						
गैर उद्धत निवेश की कुल राशि			**7.91**			12.84
निवेश के मूल्य के ह्रास की सकल राशि			**4.33**			9.75

विभिन्न सहकारी समितियों के कर्मचारियों द्वारा धारित इक्विटी शेयर, जिनका मूल्य रूपये 1 लाख / – से कम है।

संयुक्त उद्यमों और सहायक कंपनियों के बारे जानकारी

(₹ करोड़ों में)

विवरण	देश जहां गठन हुआ है	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
(क) संयुक्त उपक्रम (जेवीसी) का नाम		स्वामित्व का अनुपात (%)	
बीएचईएल – जीई गैस टर्बाइन सेर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस)	भारत	**50% से कम का एक शेयर**	50% से कम का एक शेयर
एनटीपीसी – बीएचईएल पावर प्रोजेक्टस लिमिटेड (एनबीपीपीएल)		**50%**	50%
रायचूर पवार कार्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल)		**27.97%**	27.97%
दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल)		**-**	50%
पॉवरप्लांट परफॉर्मेंस इमप्रूवमेंट लिमिटेड (पीपीआईएल)		**50% से कम का एक शेयर**	50% से कम का एक शेयर

(i) एनटीपीसी – बीएचईएल पावर प्रोजेक्टस लिमिटेड में सकल वित्तीय स्थिति के आधार पर निवेश के मूल्य में रूपये 50 करोड़ की सीमा तक ह्रास का प्रावधान किया गया है (पिछले वर्ष का रूपये 50.00 करोड़ तक)। निदेशक मंडल ने 8 फरवरी, 2018 को आयोजित अपनी बैठक में एनबीपीपीएल के समापन को सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है। ऊर्जा मंत्रालय (एमओपी) ने एनटीपीसी को सलाह दी है कि वह बीएचईएल की हिस्सेदारी खरीदने पर विचार करे और या तो उसे एक आंतरिक ईपीसी शाखा के रूप में जारी रखने या वर्तमान काम पूरा होने के बाद इसे बंद करने का फैसला करे। यह सलाह एनबीबीपीएल बोर्ड द्वारा 29.08.2019 को हुई बैठक में दी गई थी।

(ii) दादा धुनीवाले खंडवा पावर प्रोजेक्ट लिमिटेड का एनसीएलटी आदेश दिनांक 02 नवंबर 2020 के अनुसार परिसमापन कर दिया गया है। 22.50 करोड़ रू के निवेश पर17.57 करोड़ रूपये प्राप्त हुए हैं (वित्त वर्ष 2018–19 में 17.30 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2019–20 में 0.27 करोड़ रुपये)। शेष 4.93 करोड़ रूपये को बट्टा खाते में लिखा गया है एवं उसके लिए प्रावधान किए गए हैं।

(iii) पॉवरप्लांट परफॉर्मेंस इमप्रूवमेंट लिमिटेड में रूपये 2.00 करोड़ की सीमा तक ह्रास का प्रावधान (पिछले वर्ष का 2.00 करोड़ रुपये तक) किया गया है चूँकि संयुक्त उपक्रम परिसमापन के अधीन है और इक्विटी के रूप में प्रदत्त राशि वसूली योग्य नहीं है।

विवरण	देश जहां गठन हुआ है	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
(ख) अनुषंगी कंपनी का नाम		स्वामित्व का अनुपात (%)	
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीनस लिमिटेड (बीएचईएल ईएमएल)	भारत	**51%**	51%

भारी उद्योग मंत्रालय ने 11 मई, 2021 को बीएचईएल को केरल सरकार (जीओके) को बीएचईएल ईएमएल में आयोजित बीएचईएल के 51% शेयर के अंतरण के लिए सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बारे में सूचित किया। केरल सरकार के साथ समझौते को निष्पादित करने तथा बीएचईएल ईएमएल में कंपनी की 51% हिस्सेदारी को केवल ₹1 के प्रतिफल पर एवं बीएचईएल द्वारा बीएचईएल ईएमएल को दिए गए ₹3 करोड़ के कार्यशील पूंजी ऋण के ब्याज तथा उस पर उपार्जित ब्याज की छूट पर केरल सरकार को हस्तांतरित करने के लिए आवश्यक गतिविधियों के लिए उचित कार्रवाई आरंभ की गई है।

नोट [6] – गैर चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – व्यापारिक प्राप्य

वित्तीय परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें।

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**3512.06**	5166.95
साख का मूल्यह्रास (दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के भत्तों में शामिल है)	**12622.33**	11570.83
	16134.39	16737.78
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**12954.65**	12204.28
कुल व्यापार प्राप्य (निवल)	**3179.74**	4533.50

व्यापार प्राप्य (निवल) में मुकदमेबाजी या मध्यस्थता वाली परियोजनाओं की ₹ 1773 करोड़ की राशि भी सम्मिलित है (पिछले वर्ष की राशि ₹ 1712 करोड़ है)

व्यापार प्राप्तियों के मूल्यह्रास हेतु सरलीकृत दृष्टिकोण का पालन किया जाता है, वर्गीकरण इंड एएस 109 के के अनुसार किया जाता है।

व्यापार प्राप्य में सम्लित है:

(क) निदेशकों से प्राप्य	**-**	-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य	**-**	-

नोट [7] – गैर चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – अन्य

वित्तीय परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें। (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
प्रतिभूति जमा		
एसईबी, पोर्ट ट्रस्ट एवं अन्य के पास जमा		
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**84.64**	83.17
साख का मूल्यह्रास	**2.92**	1.93
	87.56	85.10
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध अग्रिम के लिए प्रावधान जमा	**2.92**	1.93
	84.64	83.17
12 महीने से अधिक की परिपक्वता वाली बैंक जमा राशि	**12.75**	-
कुल	**97.39**	83.17
प्रतिभूति जमा शामिल है:		
(क) निदेशकों से प्राप्य	**-**	-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य	**-**	-

नोट [8] – गैर चालू परिसंपत्तियां
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध देनदारियां)

आयकर पर लेखांकन नीति के नोट [2] के बिंदु 12 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
आस्थगित कर परिसंपत्तियां		
प्रावधान	**1766.37**	1734.02
भुगतान आधार पर देय राशि की अनुमति	**487.11**	576.14
मूल्यह्रास (पीपी व ई एवं अमूर्त परिसंपत्तियां)	**78.26**	75.31
करयोग्य हानि पर	**1278.30**	345.61
अन्य	**61.20**	34.79
उप कुल	**3671.24**	2765.87
आस्थगित कर दायित्व	**-**	-
आस्थगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध देनदारियां)	**3671.24**	2765.87

नोट [9] – गैर चालू परिसंपत्तियां
अन्य

ह्रास पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
अनुबंध परिसंपत्तियां (अंबिल्ड राजस्व सहित)				
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**16584.91**		16123.76	
साख का मूल्यह्रास	**3545.45**		2755.16	
	20130.36		18878.92	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**3545.45**	**16584.91**	2755.16	16123.76
प्रतिभूति जमा				
कर प्राधिकरणों एवं अन्यों के पास जमा				
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**106.80**		105.97	
अरक्षित, अशोध्य	**12.85**		29.17	
	119.65		135.14	
घटाएँ: अशोध्य एवं संदिग्ध जमा के लिए प्रावधान	**12.85**	**106.80**	29.17	105.97
ऋण व अग्रिम				
अरक्षित, प्रतिफलित माल				
क्रय के लिए अग्रिम	**99.58**		54.96	
वसूलीयोग्य एवं अन्य दावे	**37.34**		53.16	
पूंजी अग्रिम	**23.81**		23.81	
अरक्षित, अशोध्य				
क्रय के लिए अग्रिम	**11.71**		11.92	
वसूलीयोग्य एवं अन्य दावे	**28.14**		25.85	
	200.58		169.70	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋण व अग्रिम के लिए प्रावधान	**39.85**	**160.73**	37.77	131.93
कुल		**16852.44**		16361.66

अनुबंध परिसंपत्तियों (निवल) में मुकदमेबाजी या मध्यस्थता वाली परियोजनाओं की ₹ 1664 करोड़ की राशि भी सम्मिलित है (पिछले वर्ष की राशि ₹ 1572 करोड़ है)

ऋण व अग्रिम में शामिल है:	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
(क) निदेशकों से प्राप्य	**-**	-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य	**-**	-

नोट [10] – चालू परिसंपत्तियां
माल सूची

माल सूची के मूल्यांकन पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 6 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
कच्चा माल एवं घटक	**2811.03**		3320.56	
पारगमन में सामग्री	**199.83**	**3010.86**	647.83	3968.39
प्रगतिशील कार्य (उप ठेकेदारों वाली मदों सहित)		**3779.72**		4120.78
तैयार माल	**629.11**		823.32	
इंटर डिविजन ट्रान्सफर ट्रांसिट	**63.75**	**692.86**	68.59	891.91
स्टोर एवं स्पेयर पार्ट्स				
उत्पादन	**166.42**		197.63	
ईंधन स्टोर	**2.58**		3.40	
विविध	**51.24**	**220.24**	53.38	254.41
अन्य माल सूची				
फेब्रिकेटर्स/ ठेकोदारों के पास सामग्री	**39.80**		59.55	
खुले औज़ार	**23.02**		37.88	
स्क्रेप (अनुमानित वसूलीयोग्य मूल्य पर)	**147.46**	**210.28**	117.76	215.19
		7913.97		9450.68
घटाएँ: अचल माल सूची के लिए प्रावधान		**719.52**		542.45
कुल		**7194.45**		8908.23
नोट:				
माल सूची का बट्टाकरण		**219.35**		100.80
घटाएँ: इसके उलट		**42.27**		113.87
शुद्ध		**177.08**		(13.07)

नोट [11] – चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – व्यापारिक प्राप्य

वित्तीय परिसंपत्तियां मूल्यह्रास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**4510.63**	7973.65
साख का मूल्यह्रास (दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के भत्तों में शामिल है)	**405.27**	576.29
	4915.90	8549.94
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**880.83**	1441.34
कुल	**4035.07**	7108.60
व्यापार प्राप्य में शामिल है:		
(क) निदेशकों से प्राप्य	**-**	-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य	**-**	-

नोट [12] – चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां–नकद एवं नकद समकक्ष

नकद एवं नकद समकक्ष पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 16 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
बैंकों में शेष				
ईईएफ़सी खाता	**202.69**		82.93	
चालू / नकद साख खाता	**1324.33**	**1527.02**	1285.45	1368.38
अधिकार में चेक, डिमांड ड्राफ्ट		**0.08**		29.90
3 महीने या उससे कम परिपक्वता वाले बैंकों में जमा राशियां		**-**		0.29
अधिकार में नकदी एवं स्टेम्प		**0.07**		0.21
पारगमन में प्रेषण		**0.02**		4.08
कुल		**1527.19**		1402.86

नोट [13] – चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – बैंक शेष

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
3 महीने से अधिक की लेकिन 12 महीने से कम की परिपक्वता वाली फिक्स्ड डिपॉजिट		**5160.01**		5000.03
जारी किए गए बीजी के लिए मार्जिन मनी के नामे फिक्स्ड डिपॉजिट		**2.54**		2.41
बैंकों में बकाया राशि (निर्धारित):				
चार्जिंग स्टेशन परियोजना	**7.88**		10.17	
लावारिस लाभांश खाता	**2.11**		2.79	
गैर–प्रत्यावर्तनीय खाता	**1.69**		0.30	
बोनस अंक पर आंशिक शेयरों की बिक्री से आय	**0.03**	**11.71**	0.03	13.29
कुल		**5174.26**		5015.73
कुल नकद एवं बैंक शेष [12 + 13]		**6701.45**		6418.59

नोट [14] – चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां – ऋण

वित्तीय परिसंपत्तियां मूल्यह्रास के संबंध में लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
पीएसयू (बीपी व सीएल) को ऋण				
साख का मूल्यह्रास	**13.32**		13.32	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**13.32**	**-**	13.32	-
कुल		**-**		-

* भारत पंप एवं कंप्रेशर्स लिमिटेड को दिया गया ऋण (12 करोड़ रुपये) एवं उस पर देय अर्जित ब्याज (1.32 करोड़ रुपये) के लिए पूर्ण प्रावधान किया गया है

शामिल है:		
(क) निदेशकों से प्राप्य	**-**	-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य	**-**	-

नोट [15] – चालू परिसंपत्तियां
वित्तीय परिसंपत्तियां– अन्य

(₹ करोड़ों में)

विवरण		31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति
प्रतिभूति जमा				
ईएमडी एवं अन्य जमा				
अरक्षित, प्रतिफलित माल		**128.57**		135.24
साख का मूल्यह्रास		**12.01**		13.42
		140.58		148.66
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध अग्रिम के लिए प्रावधान जमा		**12.01**		13.42
		128.57		135.24
बैंकों जमा पर अर्जित ब्याज		**77.14**		99.39
कर्मचारियों को अग्रिम	**27.02**		28.18	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध अग्रिम के लिए प्रावधानअग्रिम	**0.08**	**26.94**	0.07	28.11
कुल		**232.65**		262.74
शामिल है:				
(क) निदेशकों से प्राप्य		**-**		-
(ख) अधिकारियों से प्राप्य		**0.01**		0.05

नोट [16] – चालू परिसंपत्तियां
वर्तमान कर परिसंपत्तियां / दायित्व (शुद्ध)

आयकर पर लेखांकन नीति के नोट [2] के बिंदु 12 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अग्रिम कर व टीडीएस	**1654.17**	2528.16
घटाएँ: कराधान के लिए प्रावधान	**1250.57**	2299.09
कुल	**403.60**	229.07

नोट [17] – चालू परिसंपत्तियां
अन्य

ह्रास पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 13 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
अनुबंध परिसंपत्तियां (अंबिल्ड राजस्व सहित)				
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**7494.57**		7670.46	
साख का मूल्यह्रास	**76.46**		54.69	
	7571.03		7725.15	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	**76.46**	**7494.57**	54.69	7670.46
वसूलीयोग्य दावे				
अरक्षित, प्रतिफलित माल				
वसूलीयोग्य इनपुट कर साख	**1031.11**		916.90	
वसूलीयोग्य दावे एवं अन्य	**601.11**		570.94	
अरक्षित, अशोध्य				
वसूलीयोग्य इनपुट कर साख	**8.61**		10.17	
वसूलीयोग्य दावे एवं अन्य	**121.16**		117.49	
	1761.99		1615.50	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध दावों के लिए प्रावधान	**129.77**	**1632.22**	127.66	1487.84
अग्रिम				
अरक्षित, प्रतिफलित माल				
अनुषंगी कंपनी	**-**		-	
आपूर्तिकर्ता/ उप ठेकेदार	**152.23**		224.39	
अरक्षित, अशोध्य				
आपोर्तिकर्ता/ उप ठेकेदार	**6.93**		7.37	
	159.16		231.76	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध अग्रिम के लिए प्रावधान	**6.93**	**152.23**	7.37	224.39
सुरक्षा जमा				
कर प्राधिकरणों एवं अन्यों के पास जमा				
अरक्षित, प्रतिफलित माल	**497.11**		401.26	
अरक्षित, अशोध्य	**79.41**		58.75	
	576.52		460.01	
घटाएँ: दोषयुक्त एवं संदिग्ध जमा के लिए प्रावधान	**79.41**	**497.11**	58.75	401.26
कुल		**9776.14**		9783.95

नोट [18] – इक्विटी
इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य रू में)	राशि	शेयरों की संख्या (अंकित मूल्य रू में)	राशि
अ इक्विटी शेयर पूंजी				
प्राधिकृत	**10000000000 (2)**	**2000.00**	10000000000 (2)	2000.00
जारी, सब्सक्राइब्ड एवं पूर्णतः प्रदत्त	**3482063355 (2)**	**696.41**	3482063355 (2)	696.41
क) बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या का पुनर्मिलान				
वर्ष के आरंभ में शेष राशि	**3482063355**	**696.41**	3482063355	696.41
वर्ष के दौरान आवंटित बोनस शेयर	**-**	**-**	-	-
वर्ष के अंत में शेष राशि	**3482063355**	**696.41**	3482063355	696.41
ख) वर्ष के अंत में 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों का विवरण				
भारत के राष्ट्रपति (प्रमोटर)	**2199650402**	**63.17%**	2199650402	63.17%
भारतीय जीवन बीमा निगम	**350647914**	**10.07%**	350647914	10.07%
प्रति शेयर अंकित मूल्य (₹)		**2.00**		2.00

ग) इक्विटी शेयरों से जुड़े नियम / अधिकार

कंपनी के पास केवल 2 रुपये प्रति शेयर (पिछले वर्ष 2 रुपये प्रति शेयर) के बराबर मूल्य वाली श्रेणी के इक्विटी शेयरों हैं। प्रत्येक इक्विटी शेयर धारक प्रति शेयर एक वोट का पात्र है।

घ) बोनस शेयर जारी करना:

कंपनी ने 03 अक्टूबर, 2017 को 1: 2 के अनुपात में बोनस शेयर आवंटित किया, यानी दो मौजूदा पूरी तरह से भुगतान किए गए इक्विटी शेयरों के लिए एक इक्विटी शेयर। परिणामस्वरूप, भुगतान की गई पूंजी वित्त वर्ष 2016–17 में 489.52 करोड़ रुपये से बढ़कर आरक्षित निधि के पूंजीकरण द्वारा वित्त वर्ष 2017–18 में 734.28 करोड़ रुपये हो गई।

(ङ) शेयर बायबैक

कंपनी ने अपने निदेशक मण्डल के अनुमोदन दिनांक 25 अक्टूबर, 2018 के माध्यम से, ₹ 2 के अंकित मूल्य के अपने 18,93,36,645 पूरी तरह से चुकता इक्विटी शेयरों को वापस खरीदा, जो कंपनी के पात्र इक्विटी शेयरधारकों से वित्तीय वर्ष 2018–19 में ₹ 86 प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर ₹ 1628,29,51,470 की राशि के कुल जारी और चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 5.16% का प्रतिनिधित्व करते हैं। परिणामस्वरूप, भुगतान की गई शेयर पूंजी वित्त वर्ष 2017–18 में 734.28 करोड़ रुपए से कम होकर वित्त वर्ष 2018–19 में 696.41 करोड़ रुपये हो गई।

नोट [18क] – अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
पूंजी कोष	**35.18**	35.18
पूंजी मोचन कोष	**37.87**	37.87
सामान्य कोष	**30476.66**	30476.66
प्रतिधारित आय	**(4867.48)**	(2170.37)
ओसीआई (परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनः मापन)	**(394.98)**	(415.03)
कुल	**25287.25**	27964.31

आरक्षित कोष की प्रकृति एवं उद्देश्य

(क) **पूंजी कोषः** यह मुख्य रूप से बीएचईएल के साथ तत्कालीन सहायक कंपनी (एचपीवीपी) के समामेलन के दौरान भुगतान की गई मुआवजे की लागत से अधिक निवल संपत्ति का प्रतिनिधित्व करता है।

(ख) **पूंजी मोचन आरक्षित निधिः** कंपनी ने अपने सामान्य रिजर्व से इक्विटी शेयरों की खरीद पर कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व को मान्यता दी है। पूंजी मोचन आरक्षित निधि में वापस खरीदे गए इक्विटी शेयरों की नाममात्र राशि के बराबर राशि है। ?

(ग) **सामान्य आरक्षित निधिः** यह भविष्य में (ज्ञात/अज्ञात) दायित्वों को पूरा करने के लिए कंपनी द्वारा रखे गए लाभ के संचय का प्रतिनिधित्व करता है।

(घ) **प्रतिधारित आयः** सामान्य आरक्षित को हस्तांतरण, लाभांश (लाभांश वितरण कर सहित) या शेयरधारकों को भुगतान किए गए अन्य वितरण घटाकर रिटायर्ड कमाई वह लाभ है जो कंपनी ने अब तक अर्जित किया है।

(ङ) **शुद्ध परिभाषित लाभ योजनाओं की पुनः** मापः योजना परिसंपत्तियों एवं वास्तव में हासिल की गई रिटर्न पर ब्याज से आय के बीच अंतर, एवं योजनाओं के भीतर एक्चुरियल अनुमान या अनुभव समायोजन में परिवर्तन के कारण वर्ष में देनदारियों में कोई भी परिवर्तन, "अन्य व्यापक आय" में मान्यता प्राप्त हैं एवं इसके बाद लाभ एवं हानि के विवरण में पुनःवर्गीकृत करने के लिए नहीं है।

नोट [19] – वित्तीय दायित्व – पट्टा दायित्व

पट्टा पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 3 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
गैर– चालू		
पट्टे दायित्वों की दीर्घकालिक परिपक्वता	**53.41**	75.37
चालू		
पट्टे दायित्वों की वर्तमान परिपक्वता	**48.20**	56.67
कुल	**101.61**	132.04
पट्टा पर अधिक विवरण नोट (48) में दिया गया है।		

नोट [20] – गैर चालू दायित्व
वित्तीय दायित्व –व्यापार देय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
व्यापार देय				
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों की कुल बकाया राशि	**157.92**		72.91	
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य लेनदारों को कुल बकाया राशि	**1723.16**	**1881.08**	1003.32	1076.23
कुल		**1881.08**		1076.23

उपर्युक्त का बड़ा हिस्सा प्रतिधारित धन या विवाद/मध्यस्थता से संबंधित है।

नोट [21] – गैर चालू दायित्व
वित्तीय दायित्व– अन्य

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
ठेकेदारों एवं अन्य से जमा	**211.01**	150.99
पूंजी व्यय पर देयताएं	**5.71**	8.03
कुल	**216.72**	159.02

नोट [22] – गैर चालू दायित्व
प्रावधान

कर्मचारी लाभ एवं प्रावधान पर लेखा नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 09 एवं 10 देखें।

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अनुबंधात्मक दायित्व	**2505.89**	2755.25
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान	**1098.20**	1176.11
अन्य प्रावधान	**319.38**	284.87
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व	**2.09**	8.93
कुल	**3925.56**	4225.16

*कर्मचारी लाभ पर अधिक विवरण नोट (49) में दिया गया है।

नोट [23] – गैर चालू दायित्व

अन्य

सरकारी अनुदान पर लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 11 देखें।

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अनुबंध दायित्व (बिलिंग से अधिक राजस्व सहित ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम)	**2806.50**	2921.16
आस्थगित आय– सरकारी अनुदान #	**25.04**	31.49
कुल	**2831.54**	2952.65

#सोलर पीवी प्लांट लगाने एवं माड्यूल विनिर्माण के लिए सरकारी अनुदान प्राप्त हुआ है

नोट [24] – चालू दायित्व

वित्तीय दायित्व – उधार

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
संरक्षित		
ऋण बैंकों से	**201.01**	600.00
शिपमेंट पूर्व पैकिंग क्रेडिट	**299.36**	759.22
क्रेता की साख	**45.71**	141.58
नकद साख (बीएचईएल ईएमएल द्वारा)	**7.29**	6.26
(कच्चे माल, घटकों, प्रगतिशील कार्य, तैयार माल एवं भंडार के दृष्टिबंधक द्वारा संरक्षित)		
उप कुल (क)	**553.37**	1507.06
असंरक्षित		
वाणिज्यिक पत्र	**4287.70**	3432.59
कंपनियों से ऋण (बीएचईएल ईएमएल द्वारा)	**8.21**	8.27
उप कुल (ख)	**4295.91**	3440.86
कुल उधार (क+ख)	**4849.28**	4947.92

(i) कंपनी के पास बैंकों से कुल मिलाकर 6000 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष रुपये 6000 करोड़) की नकद क्रेडिट सीमा है एवं बैंक गारंटी / साख पत्रों के संबंध में कंसोर्टियम बैंकों द्वारा मंजूर 54000 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष रुपये 54000 करोड़) की कंपनी की काउंटर गारंटी / प्रति–गारंटी है। कच्चे माल, पुरज़ों, चालू कार्य, तैयार माल, स्टोर, व्यापार प्राप्य एवं वर्तमान एवं भविष्य दोनों में अन्य मौजूदा परिसंपत्तियों की गिरवीं के माध्यम से इन्हें प्रथम ऋण भार द्वारा सुरक्षित किया जाता है। 31 मार्च, 2021 को बकाया बैंक गारंटी 39343 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 41491 करोड़ रुपये) है। इस आंकड़े में ₹630 करोड़ (पिछले वर्ष ₹971 करोड़) का बीजी प्रतिस्थापन के रूप में जारी किया गया एवं 31 मार्च 2021 को खाली किया जाना है।

(ii) बैंकों से ऋण में सावधि जमा (200 करोड़ रुपये) एवं डब्ल्यूसीडीएल (कार्यशील पूंजी मांग ऋण) के लिए शेष राशि है।

(iii) कंपनी द्वारा विदेशी मुद्रा में पैकिंग क्रेडिट (पीसीएफसी) का लाभ उठाया गया है। 40.50 मिलियन अमरीकी डालर की शेष राशि नवंबर 2021 से मार्च 2022 के महीनों के दौरान भागों में चुकाने योग्य है।

(iv) कंपनी ने क्रेता साख का लाभ उठाया है। 6.18 मिलियन अमरीकी डालर की बकाया राशि अप्रैल 2021 में चुकानी है।

(v) 31 मार्च, 2021 को वाणिज्यिक पत्रों का विवरण इस प्रकार है:

(₹ करोड़ों में)

जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	छूट की दर	अंकित मूल्य	परिशोधित लागत
12 नवंबर, 2020	29 अक्टूबर, 2021	4.05%	575.00	562.04
30 मार्च, 2021	28 जून, 2021	3.41%	1000.00	991.85
31 मार्च, 2021	24 जून, 2021	3.47%	900.00	892.87
26 मार्च, 2021	24 जून, 2021	3.41%	700.00	694.55
22 मार्च, 2021	21 मई, 2021	3.66%	650.00	646.76
8 जनवरी, 2021	9 अप्रैल, 2021	3.40%	500.00	499.63
		कुल	**4325.00**	**4287.70**

(vi) 31 मार्च, 2021 को बकाया दायित्वों के लिए दी गई कॉर्पोरेट गारंटी 1799 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष के 1422 करोड़ रुपये) है।

(vii) वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न उधार में परिवर्तन

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
आरंभिक शेष (नकद साख रहित)	**4941.66**	2437.88
वर्ष के दौरान नकदी प्रवाह	**(99.67)**	2503.78
अंतिम शेष (नकद साख रहित)	**4841.98**	4941.66

वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले पट्टेदार दायित्व में परिवर्तन के लिए नोट 45 का क्र. [ख] देखें

नोट [25] – चालू दायित्व
वित्तीय दायित्व – व्यापार देय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
व्यापार देयरू				
(i) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया राशि		**662.94**		611.12
(ii) सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के अलावा अन्य का कुल बकाया राशि	**5906.66**		8177.47	
(iii) स्वीकृतियां	**113.91**	**6020.57**	40.57	8218.04
कुल		**6683.51**		8829.16

उपर्युक्त का बड़ा हिस्सा प्रतिधारण धन या विवाद/मध्यस्थता से संबंधित है।

नोट [26] – चालू दायित्व
वित्तीय दायित्व– अन्य

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति		31 मार्च 2020 की स्थिति	
दायित्वः				
कर्मचारी देय	**126.88**		289.10	
अन्य देय*	**294.20**		560.18	
पूंजी व्यय	**57.49**	**478.58**	82.73	932.01
ठेकेदारों एवं अन्य से जमा		**447.92**		492.10
अप्रदत्त लाभांश**		**2.11**		2.79
उधार पर अर्जित ब्याज		**0.97**		3.72
कुल		**929.58**		1430.62

(i) *अन्य देय राशि में बोनस शेयर जारी करने से होने वाली आंशिक शेयरों की बिक्री लाभ के रू 0.03 करोड़ शामिल है ।

(ii) ** वर्ष के अंत में निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानातंरित करने हेतु कोई राशि देय और शेष नहीं है ।

नोट [27] – चालू दायित्व
प्रावधान

कर्मचारी लाभ एवं प्रावधानों पर लेखांकन नीति के लिए नोट (2) के बिंदु 09 और 10 को देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अनुबंधात्मक दायित्व	**1486.56**	1563.86
कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान#	**831.06**	1124.73
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व	**19.18**	6.58
अन्य प्रावधान	**831.72**	390.59
कुल	**3168.52**	3085.76

#कर्मचारी लाभ पर अधिक विवरण नोट (49) में दिया गया है।

नोट [28] – चालू दायित्व
अन्य

सरकारी अनुदान पर लेखांकन नीति के लिए नोट (2) का बिंदु 11 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
अनुबंध दायित्व (बिलिंग में ग्राहकों से राजस्व से अधिक प्राप्त अग्रिम)	**4057.85**	3798.08
सांविधिक देय के प्रति देयताएं	**616.50**	453.82
आस्थगित आय – सरकारी अनुदान	**6.45**	6.45
कुल	**4680.80**	4258.35

नोट [29]

परिचालनों से राजस्व

राजस्व मान्यता पर लेखांकन नीति के लिए नोट (2) का बिंदु 7 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 की स्थिति	31 मार्च 2020 की स्थिति
ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व		
बिक्री	**13010.54**	15060.87
बाहरी इरेक्शन व अन्य सेवाओं से आय	**3285.26**	5433.72
[विवरण के लिए देखें नोट 52(ख)]		
कारोबार	**16295.80**	20494.59
अन्य परिचालन आय		
भाड़ा व बीमा	**93.32**	143.43
स्क्रेप बिक्री	**141.97**	142.12
आपूर्तिकर्ताओं से वसूली	**112.88**	219.79
वापस लिखी गईं देयताएं	**211.83**	312.27
बीमा दावे	**163.48**	16.42
निर्यात प्रोत्साहन	**156.88**	14.99
अन्य	**132.53**	119.53
अन्य परिचालन आय	**1012.89**	968.55
परिचालनों से राजस्व	**17308.69**	21463.14
परिचालनों से राजस्व शामिल नहीं है:		
माल एवं सेवा कर	**2392.35**	2837.28

नोट [30]

अन्य आय

राजस्व मान्यता पर लेखांकन नीति के लिए नोट [2] का बिंदु 7 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
ब्याज आय*		
ग्राहकों से	**1.14**	-
बैंकों से	**313.61**	502.22
अन्य	**6.11**	6.97
उप–कुल (क)	**320.86**	509.19
अन्य आय		
म्यूचुअल फंड इकाइयों की बिक्री पर लाभ	**1.42**	6.43
सरकारी अनुदान	**6.45**	6.45
पीपीई व पूँजी स्टोर की बिक्री से लाभ (शुद्ध)	**1.88**	9.30
अन्य	**17.81**	32.93
उप–कुल (ख)	**27.56**	55.11
कुल अन्य आय	**348.42**	564.30
*टीडीएस शामिल है	**20.99**	50.05

नोट [31]

सामग्री खपत, इरेक्शन एवं इंजीनीयरिंग व्यय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
कच्चा माल एवं घटकों की खपक	**8158.56**	11781.64
सिविल, इरेक्शन एवं इंजीनीयरिंग व्यय	**2912.47**	2947.17
स्टोर और पुर्जों की खपत	**288.74**	352.91
कुल	**11359.77**	15081.72

नोट [32]
तैयार माल, प्रगतिशील कार्य एवं स्क्रेप की माल सूची में परिवर्तन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
प्रगतिशील कार्य				
अंतिम शेष	**3779.72**		4120.77	
आरंभिक शेष	**4121.21**	**341.49**	3220.70	(900.07)
तैयार माल				
अंतिम शेष	**629.11**		823.32	
आरंभिक शेष	**823.33**	**194.22**	661.53	(161.79)
स्क्रेप				
अंतिम शेष	**147.46**		117.76	
आरंभिक शेष	**117.76**	**(29.70)**	90.89	(26.87)
इंटर डिविजन ट्रान्सफर ट्रांसिट		**4.85**		46.30
(वृद्धि)/कमी		**510.86**		(1042.43)

नोट [33]
कर्मचारी लाभ व्यय

कर्मचारी लाभ की लेखांकन नीति के लिए नोट (2) के बिंदु 09 देखें

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
वेतन, वेतन, बोनस, प्रावधान और अन्य लाभ	**4699.90**	4628.86
प्रोविडेंट फंड एवं अन्य में योगदान	**373.16**	405.91
कर्मचारी कल्याण व्यय	**195.03**	280.07
उपदान (ग्रेच्युटी) निधि में योगदान	**102.02**	105.45
समूह बीमा	**8.05**	11.59
कुल	**5378.15**	5431.88

नोट [34]

अन्य व्यय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
विद्युत व ईंधन		**319.57**		459.41
अन्य उप ठेकेदारों पर व्यय		**267.60**		334.60
कैरिज आउटवर्ड		**216.71**		287.38
सुरक्षा एजेंसियों को भुगतान		**203.25**		222.79
मरम्मत व अनुरक्षण				
भवन	**26.55**		45.03	
प्लांट व मशीनरी	**29.59**		32.32	
अन्य	**67.50**	**123.64**	88.12	165.47
बीमा		**128.51**		147.02
यात्रा व वाहन		**65.15**		124.51
बैंक प्रभार		**92.61**		104.22
आर एंड डी व्यय		**29.48**		74.97
भाड़ा व्यय		**46.38**		62.34
कोलबोरेशन्स व रॉयल्टी पर व्यय		**34.92**		57.72
दर एवं कर		**25.07**		43.70
कार्यालय व्यय		**31.00**		40.29
कौशल विकास पर व्यय		**15.22**		39.38
विधिक, लेखापरीक्षा एवं प्रमाणन व्यय		**34.62**		35.04
ईडीपी, सॉफ्टवेयर व पट्टा व्यय		**25.57**		29.73
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व		**20.18**		28.80
जल प्रभार		**34.19**		26.94
निर्यात संबंधी व्यय		**11.92**		24.39
गैर आवासीय किराया		**15.88**		20.23
मनोरंजन और शिष्टाचार व्यय		**2.29**		9.89
पर्यावरण सुरक्षा		**5.72**		7.17
सेमिनार, विकास एवं प्रशिक्षण व्यय		**1.16**		6.02
प्रचार एवं जनसम्पर्क व्यय		**1.55**		5.43
विविध व्यय		**47.38**		72.83
कुल		**1799.57**		2430.27

प्रकटीकरण–अन्य व्यय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
(i) निदेशकों का शुल्क	**0.21**	0.23
(ii) विभागीय मरम्मत एवं अनुरक्षण पर व्यय रू		
प्लांट व मशीनरी	**175.27**	205.73
भवन	**29.65**	42.38
अन्य	**32.88**	34.96
(iii) अनुसंधान एवं विकास पर व्यय	**146.01**	221.84
(iv) विदेश यात्राओं पर व्यय		
दौरों की संख्या	**77**	323
व्यय	**1.28**	6.52

(v) बीएचईएल ने अपने स्वयं के योगदान से एयूएससी परियोजना पर संचयी ₹189 करोड़ (पिछले वर्ष ₹170 करोड़ तक) व्यय किए हैं। इसे आर एंड डी व्यय के रूप में शामिल किया गया है।

नोट [35]

प्रावधान

कर्मचारी लाभ, प्रावधान एवं परिसंपत्तियां मूल्यह्रास पर लेखांकन नीति के लिए नोट (2) के बिन्दु 9, 10 व 13 को देखें। (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
अशोध्य ऋण, परिनिर्धारित हर्जाना एवं ऋण, अग्रिम व जमा				
वर्ष के दौरान बनाया गया	**2583.68**		2335.46	
घटाएँ: वर्ष के दौरान निकासी	**1773.13**	**810.55**	2300.75	34.71
अनुबंधात्मक दायित्व				
वर्ष के दौरान बनाया गया	**240.96**		436.35	
घटाएँ: वर्ष के दौरान निकासी	**501.81**	**(260.85)**	573.11	(136.76)
अन्य				
वर्ष के दौरान बनाया गया	**768.16**		291.47	
घटाएँ: वर्ष के दौरान निकासी	**128.75**	**639.41**	179.14	112.33
		1189.11		10.28
संयुक्त उपक्रम में निवेश का मूल्य हास		**-**		(0.27)
बट्टाकृत निवेश		**4.93**		-
बट्टाकृत अशोध्य ऋण		**77.55**		57.60
परिनिर्धारित हर्जाने एवं सविदात्मक प्रभारों का बट्टाकरण		**170.98**		165.20
बट्टाकृत हानियाँ		**24.89**		0.99
कुल		**1467.46**		233.80

सूचना | अतिरिक्त जानकारी | वित्तीय विवरण | निदेशक मंडल रिपोर्ट | कॉर्पोरेट प्रोफाइल | वार्षिक समीक्षा

नोट [36]

वित्तीय लागत

उधार लेने की लागत और प्रावधानों पर लेखांकन नीति लिए नोट 5 [2] के बिंदु 05 और 10 देखें. (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
वाणिज्यिक पत्र पर छूट		**164.06**		204.12
प्रावधान की समाप्ति		**141.74**		195.61
ब्याज लागत:				
बैंक/ वित्तीय संस्थान	**29.34**		46.30	
विदेशी वित्तीय संस्थान	**10.77**		26.32	
पट्टा दायित्व पर	**12.79**		16.03	
अन्य	**14.27**	**67.17**	17.71	106.36
वाणिज्यिक पत्र जारी करने पर अन्य व्यय		**0.97**		2.36
उप कुल		**373.95**		508.45
घटाएँ: उधार लागत का उपयोग		**-**		-
कुल		**373.95**		508.45

नोट [37]

कर व्यय

आयकर पर लेखांकन नीति के नोट [2] के बिंदु 12 देखें (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए	
वर्तमान कर				
वर्तमान वर्ष के लिए	**32.83**		63.44	
पहले के वर्षों के लिए	**(17.01)**	**15.82**	(61.92)	1.52
आस्थगित कर				
वर्तमान वर्ष के लिए	**(909.62)**		(163.11)	
पहले के वर्षों के लिए	**(2.43)**	**(912.05)**	970.87	807.76
कुल		**(896.23)**		809.28

आयकर व्यय और लेखा लाभ (टीसीआई) का आयकर दर से गुणा का पुनर्मिलान

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
कुल व्यापक आय / हानि (टीसीआई) पूर्व कर (क)	**(3569.16)**	(1000.99)
सांविधिक आय कर दर (ख)	**25.168%**	25.168%
कर व्यय ग = (कxख)	**(898.29)**	(251.93)
के कारण अंतरः (घ)		
कर उद्देश्यों के लिए कटौती योग्य व्यय नहीं	**39.35**	72.73
कर दर में परिवर्तन	**-**	974.36
कर व्यय में परिवर्तन – पहले के वर्ष	**(19.44)**	(47.55)
संयुक्त उद्यम लाभ के हिस्से पर कर प्रभाव लाभ /(हानि)	**(11.13)**	(6.51)
उपकुल (घ)	**8.78**	993.03
शुद्ध कर व्यय ङ = (ग+घ)	**(889.51)**	741.10

नोट [38]
वित्तीय लागत

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
आय / (व्यय)		
परिभाषित कर्मचारी लाभ का पुनः मापन	**26.70**	(342.05)
घटाएँः आय कर उक्त मदों से संबंधित *	**6.72**	(68.18)
कुल	**19.98**	(273.87)
* शामिल है		
वर्तमान कर	**-**	-
आस्थगित कर	**6.72**	(68.18)

नोट [39]

प्रति शेयर आय

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
इक्विटी शेयरधारकों के लिए निश्चित लाभ	(2697.11)	(1466.01)
इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	348.21	348.21
रू. 2 प्रति शेयर की मूल एवं डाईल्यूटिड आय	**(7.75)**	(4.21)

अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की वेटेज औसत संख्या द्वारा कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के कारण शुद्ध लाभ को विभाजित करके प्रति इक्विटी शेयर की मूल आय की गणना की जाती है। प्रति शेयर की गई आय की गणना कंपनी के इक्विटी शेयरधारकों के लिए शुद्ध लाभ के हिसाब से की जाती जो प्रति शेयर पर बेसिक आय को प्राप्त करने के लिए मानी जानी वाली इक्विटी शेयरों की औसत संख्या से होती है एवं उन सभी इक्विटी शेयरों की वैटेज औसत संख्या जो सभी कमजोर संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी किए जा सकते थे।

नोट [40]

लाभांश प्रति शेयर

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयरों पर घोषित एवं प्रदत्त लाभांश		
प्रति क्वालीफाइंग इक्विटी शेयर पर रूपए 0.0 (पिछले वर्ष रू 1.20) का अंतिम लाभांश	-	417.85
अंतिम लाभांश पर लाभांश वितरण कर	-	85.89
कुल	-	503.74

नोट [41]
खातों के नोट

समेकित वित्तीय विवरण भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (कंपनी), इसकी सहायक कंपनी और संयुक्त उद्यम संस्थाओं में इसके सरोकार से संबंधित हैं। समेकित वित्तीय विवरण निम्नलिखित आधार पर तैयार किए गए हैं–

लेखांकन का आधार

i) सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण और समेकन में संयुक्त उद्यम के हित मूल कंपनी के समान रिपोर्टिंग तिथि तक रेखांकित किया जाता है ।

ii) समेकित वित्तीय विवरणों को "समेकित वित्तीय विवरणों" पर इंड एएस 110 और "सहयोगी और संयुक्त उपक्रमों में निवेश" पर इंड एएस 28 के अनुसरण में तैयार किया गया है।

समेकन का आधार

1. सहायक कंपनी मूल कंपनी द्वारा नियंत्रित इकाई है। सहायक कंपनी के वित्तीय विवरण "समेकित वित्तीय विवरणों" पर इंड एएस 110 के अनुसार लाइन दर लाइन आधार पर अंतर सामूहिक शेषों व अंतर सामूहिक लेनदेनों के विलोपन के पश्चात परिसम्पत्तियों, दायित्वों, आय और व्यय जैसे एक समान मदों के बही मूल्य को आपस में जोड़कर और अवास्तविक लाभ या हानि का मिश्रण है ।

2. इक्विटी–एकाउंटेड निवेशकों में कंपनी की रूचि संयुक्त उपक्रम में रुचि से मिलकर बनती है। संयुक्त उपक्रम एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें कम्पनी के पास संयुक्त नियंत्रण होता है, जिसके द्वारा कम्पनी के पास उसकी परिसम्पत्तियों पर अधिकार एवं उसकी देयताओं का दायित्व के बजाय व्यवस्था की शुद्ध परिसम्पत्तियों पर अधिकार होता है। संयुक्त उपक्रमों में प्रतिफलों की गणना इक्विटी पद्धति का उपयोग करके की जाती है। उन्हें प्रारम्भिक लागतों पर मान्य किया जाता है जिसमें लेनदेन की लागत सम्मिलित है। प्रारंभिक मान्यताओं के तदुपरांत, उस तिथि को जिस पर उल्लेखनीय हिस्सेदारी या संयुक्त नियंत्रण समाप्त नहीं हो जाता, समेकित वित्तीय में कंपनी के लाभ या हानि का भाग और इक्विटी–अकाउंटेड निवेशों की अन्य व्यापक आय सम्मिलित हैं।

   जब तक कि किसी संयुक्त उद्यम के नुकसान का हिस्सा उस संयुक्त उद्यम में समूह के ब्याज से अधिक हो जाता है, तो समूह अपने आगे के हिस्से के नुकसान को पहचानना बंद कर देता है। अतिरिक्त नुकसान को केवल उस सीमा तक पहचाना जाता है जब तक समूह ने कानूनी या रचनात्मक दायित्वों को पूरा किया हो या संयुक्त उद्यम की ओर से भुगतान किया हो।

3. समेकित वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों का उपयोग करके समान परिस्थितियों में लेनदेन और अन्य घटनाओं के लिए एक समान तैयार किए गए हैं और संभव सीमा तक प्रस्तुत किए गए हैं।

4. कंपनी के शेयरधारक के लिए शुद्ध आय के कारण आने वाले वर्ष के लिए की शुद्ध हानि का अल्पसंख्यक हित समेकित सहायक समूह की आय पर समायोजन किया जाता है।

5. समेकित सहायक कंपनी की शुद्ध देनदारियों के अल्पांश ब्याज को समेकित वित्तीय विवरण में कंपनी शेयरधारक की संपत्ति/ देनदारियों और इक्विटी से अलग चिह्नित और प्रस्तुत किया जाता है।

समेकित वित्तीय विवरणों में निम्नलिखित इकाइयों के परिणाम शामिल हैं–

विवरण	मुख्य व्यापार केंद्र	स्वामित्व का अनुपात	
		2020-21	2019-20
सहायक कम्पनी			
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड (बीएचईएल ईएमएल)	भारत	**51%**	51%
संयुक्त उद्यम कंपनियां			
(लेखांकन में इक्विटी विधि का प्रयोग किया गया)			
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसिज प्राइवेट लिमिटेड	भारत	**50% से कम का एक शेयर**	50% से कम का एक शेयर
एनटीपीसी– बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	भारत	**50%**	50%
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	भारत	**27.97%**	27.97%

क. बीएचईएल ईएमएल के वित्तीय विवरणों को 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षा किए गए वित्तीय विवरण के आधार पर समेकित किया गया है।

ख. बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज लिमिटेड के संबंध में 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए संयुक्त उपक्रम में प्रतिफल लेखा परीक्षा किए गए वित्तीय विवरणों के आधार पर माना गया है।

ग. एनटीपीसी– बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के संबंध में 31.03.2021 को समाप्त वर्ष के लिए संयुक्त उपक्रम में प्रतिफल गैर लेखांकित वित्तीय विवरणों के आधार पर माना गया है।

घ. पावर प्लांट परफोरमेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड के संबंध में वित्तीय विवरण तैयार करने में प्रतिफल मान्य नहीं किया गया है क्योंकि कम्पनी परिसमापन के अधीन है। इक्विटी निवेश की पूर्ण राशि रुपये 2 करोड़ ह्रास के रूप में उपलब्ध करायी गई है।

ङ. दादा धूनीवाले खण्डवा पावर लिमिटेड के संबंध में वित्तीय विवरण तैयार करने में प्रतिफल मान्य नहीं किया गया है क्योंकि एमसीएलटी आदेश दिनांक 02 नवंबर 2020 के द्वारा इसे भंग कर दिया गया है।

नोट [42] – आकस्मिक देयताएं एवं प्रतिबद्धताएं

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
अ. आकस्मिक देयताएं		
(i) कम्पनी के विरुद्ध दावे जो ऋण के रूप में नहीं माने गए:		
(क) विक्रय कर मामले	**894.74**	1147.53
(ख) सेवा कर मामले	**696.04**	793.64
(ग) कोर्ट और मध्यस्थता मामले	**516.18**	690.01
(घ) एक्साइज ड्यूटी मामले	**161.76**	161.76
(ड.) सीमा शुल्क और अन्य	**834.51**	5.80
(च) अन्य मामले (विवादित स्टाफ मामलों सहित)	**40.51**	38.16
(छ) परिनिर्धारित हर्जाना (एलडी) के अंतर्गत दावा	**2901.75**	5231.57
कुल	**6045.49**	8068.47

(i) कंपनी द्वारा विवादित विभिन्न अदालती मामलों, मुकदमो और दावों को देखते हुए, इस स्तर पर संसाधनों के बहिर्वाह से प्राप्त परिणाम पता लगाने योग्य नहीं है. आमतौर पर, अदालत और मध्यस्थता के मामलों के संबंध में आकस्मिक देयता पुरस्कार/अदालत के फैसले पर दिखाई जाती है और आकस्मिक देयता में इसकी रिपोर्टिंग के मामले के आधार पर समीक्षा भी की जाती है.

(ii) कंपनी के लिए यह संभव नहीं है कि वो क) से लेकर च) तक के वास्तविक बहिर्वाह यदि कोई हो तो, संबंधित कार्यवाही के लंबित समाधान के कारण का पता लगाए. तथापि संभावनाएं दूरस्थ और आकस्मिक हैं.

(iii) परिनिर्धारित हर्जाने उन संभावित दावों अथवा राशि को दर्शाते हैं, जो परियोजनाओं के निष्पादन में देरी के कारण ग्राहक द्वारा रोक लिए गए हैं जो विलंब विश्लेषण के आधार पर परियोजना के कमीशन और परीक्षण के बाद निपटाए जाएंगे और यह इंड एएस 37 के अनुसार प्रकटीकरण किया जा रहा है.

(iv) **आकस्मिक देयताओं में संचलन** (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
वर्ष के प्रारम्भ में शेष	**8068.47**	7434.64
घटाएं: प्रारम्भिक शेष में कमी	**3342.01**	1443.71
जोड़ें: वर्ष के दौरान परिवर्धन (शुद्ध)	**1319.03**	2077.54
वर्ष के अंत में शेष	**6045.49**	8068.47

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
ब. प्रतिबद्धताएं		
(क) अनुबंधों की अनुमानित राशि, अग्रिमों का शुद्ध पूंजी खाते पर निष्पादित किया जाना शेष है और इसके लिए प्रदान नहीं किया गया है ।	**229.15**	325.72
– (उपर्युक्त अमूर्त संपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित हैं)	**(8.65)**	(12.30)
(ख) संयुक्त उद्यम संस्थाओं में निवेश जिसके लिए कंपनी को परियोजना के निगमन/ वाणिज्यिक परिचालन/परियोजना की पहली इकाई / पहली ईपीसी अनुबंध के पूरा होने जैसा भी मामला हो उस पर उस तिथि से पांच वर्षों तक उनके निपटान के लिए प्रतिबंध है ।	**50.00**	50.00

(ग) व्यवसाय की प्रकृति को देखते हुए दीर्घकालिक निर्माण अनुबंध होने के कारण सामग्री आदि की खरीद के लिए अन्य प्रतिबद्धताएं हो सकती हैं, जिसे सामान्य व्यावसायिक प्रक्रिया माना गया ।

नोट [43]

वर्तमान वित्तीय देनदारियों में 100.51 करोड़ (पिछले वर्ष रू. 100.51 करोड़) रूपए की राशि सम्मिलित है, जो गांरटी शुल्क के लिए भारत सरकार द्वारा 1990–91 तक सरकार के अनुरोध पर कंपनी द्वारा लिए गए विदेशी मुद्रा ऋणों के संबंध में मांग की गई। कंपनी द्वारा ऋणों (सरकार द्वारा गांरटीकृत) के समय इस तरह के गांरटी शुल्क के भुगतान के लिए कोई शर्त नहीं होने के कारण इसकी छुट का मामला सरकार के साथ उठाया गया है।

नोट [44]

कंपनी ने 1 अप्रैल, 1999 को नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) से 30 वर्षों की अवधि के लिए लीज पर ली गई अमॉर्फस सिलिकॉन सोलर सेल प्लान्ट (एएसएससीपी), गुड़गांव पर अधिकार कर लिया था। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के साथ औपचारिक पट्टा समझौते को अभी तक अंतमि रूप नहीं दिया जा सका है।

नोट [45]

उप ठेकेदारों/फेब्रीकेटर्स के साथ व्यावसायिक प्राप्य, व्यावसायिक देयताओं, ठेकेदारों के अग्रिमों, जमा और स्टॉक/ पड़ी सामग्री के तहत दिखाए गए शेष, पुष्टि, सुलह और परिणामी समायोजन (यदि कोई हों,) के अधीन हैं। कंपनी दीर्घकालिक निर्माण अनुबंधों तथा ग्राहकों द्वारा अनुमोदित बिलिंग अनुसूची के अधीन है और ग्राहकों के बिल अनुबंध के अनुसार लगाए जाते हैं और जहां भी आवश्यक हो प्रावधानों के आधार पर सुलह की जाती है। ग्राहक के साथ अंतिम सामंजस्य परियोजना के पूरा होने पर किया जाता है (ट्रायल ऑपरेशन और पीजी टेस्ट पूरा)। पूर्ण की गई परियोजनाओं का व्यापार प्राप्य 7882 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 8098 करोड़ रुपये) है। पूर्ण किए गए अनुबंधों में से, ग्राहकों के साथ सामंजस्य स्थापित करने वाली परियोजनाओं पर 6299 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष 6676 करोड़ रुपए) की बकाया व्यापार प्राप्तियां हैं।

नोट [46] – सहायक कम्पनी

क. सहायक कम्पनी का नाम	व्यवसाय का मुख्य स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित का अनुपात के अनुसार		गैर नियंत्रण स्वामित्व हित द्वारा धारित स्वामित्व हित का अनुपात के अनुसार	
		31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन्स लिमिटेड	भारत	**51%**	51%	**49%**	49%

बीएचईएल ईएमएल (सहायक कंपनी) रोटेटिंग विद्युत मशीनों का विनिर्माण कार्य कर रहा है। यह केरल के कासरगोड में स्थित है ।

(ख) सहायक कंपनी की सारांशित वित्तीय जानकारी इस प्रकार है। सहायक कंपनी के लिए दर्शायी गई राशियां अंतर कंपनी उन्मूलन से पहले की हैं।

(₹ करोड़ों में)

सारांशित बैलेंस शीट	के अनुसार 31 मार्च 2021 को	के अनुसार 31 मार्च 2020 को
गैर चालू परिसंपत्तियां	**14.30**	12.76
चालू परिसंपत्तियां	**10.34**	8.55
कुल परिसंपत्तियां	**24.64**	21.31
गैर चालू देयताएं	**5.42**	5.69
चालू देयताए	**42.94**	34.13
कुल देयताएं	**48.36**	39.82
परिशुद्ध देयताएं	**(23.72)**	(18.51)
संचित गैर नियंत्रित ब्याज	**(11.62)**	(9.07)

(₹ करोड़ों में)

लाभ एवं हानि का सारांशित विवरण	वर्ष के लिए	
	2020-21	**2019-20**
राजस्व	**0.25**	3.97
वर्ष के लिए लाभ / (हानि)	**(5.28)**	(4.79)
अन्य व्यापक आय	**-**	0.01
कुल व्यापक आय	**(5.28)**	(4.78)
एनसीआई के कारण लाभ / हानि	**(2.59)**	(2.34)

नकदी प्रवाह का सारांशित विवरण	वर्ष के लिए	
	2020-21	**2019-20**
परिचालन गतिविधियों से प्राप्त रोकड़	**(6.44)**	(6.22)
निवेश गतिविधियों से प्राप्त रोकड़	**-**	(0.02)
वित्तीय गतिविधियों से प्राप्त रोकड़	**(0.84)**	(0.02)
नकद और नकद समतुल्य में निवल वृद्धि/(कमी)	**(7.28)**	(6.26)

बीएचईएल द्वारा भारी उद्योग विभाग, भारत सरकार को भेजा गया बीएचईएल ईएमएल में 51% हिस्सेदारी के अंतरण का प्रस्ताव सरकार द्वारा 11 मई 2021 को अनुमोदित किया गया। केरल सरकार के साथ समझौते को निष्पादित करने के लिए उचित कार्रवाई और बीएचईएल ईएमएल में कंपनी की 51% हिस्सेदारी को केवल 1 रुपये प्रतिफल पर और 3 करोड़ रुपये के कार्यशील पूंजी ऋण के ब्याज की छूट पर केरल सरकार को अंतरण के लिए आवश्यक गतिविधियों को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्रवाइयां की जा रही है।

नोट [47] – संयुक्त रूप से नियंत्रित कम्पनियां

इंड एएस वित्तीय विवरण और वित्तीय विवरण में निवेश की धारित राशि के साथ समाधान के आधार पर संयुक्त उद्यम की सारांशित वित्तीय जानकारी निम्नानुसार निर्धारित की गई है:

क) संयुक्त उद्यमों का नाम (इक्विटी प्रणाली के लिए)	व्यवसाय का मुख्य स्थान	स्वामित्व का अनुपात मार्च 31 के अनुसार		धारित राशि मार्च 31 के अनुसार	
		2021	**2020**	**2021**	**2020**
बीएचईएल जीई गैस टरबाइन सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड (बीजीजीटीएस)	भारत	**एक शेयर से 50% कम**	एक शेयर से 50% कम	**2.38**	2.38
एनटीपीसी – बीएचईएल पॉवर परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (एनबीपीपीएल)	भारत	**50.00%**	50.00%	**-**	-
रायचुर पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरपीसीएल)	भारत	**27.97%**	27.97%	**664.04**	664.04

(क) बीजीजीटीएस बीएचईएल और जीई, यूएसए का संयुक्त उद्यम है, जो जीई द्वारा डिजाइन किए गए गैस टरबाइनों की मरम्मत और सर्विसिंग का कार्य कर रहा है।

(ख) बीएचईएल ने एनटीपीसी लिमिटेड के साथ भारत और विदेशों में बिजली संयंत्रों और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए ईपीसी अनुबंध करने के लिए एक संयुक्त उद्यम कंपनी "एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड" का गठन किया। एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के मूल्य में कमी का प्रावधान शुद्ध वित्तीय स्थिति के आधार पर 50.00 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 50.00 करोड़ रुपये तक) तक किया गया है। 08 फरवरी, 2018 को हुई अपनी बैठक में निदेशक मंडल ने एनबीपीपीएल के समापन को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। विद्युत मंत्रालय (एमओपी) ने एनटीपीसी को बीएचईएल की हिस्सेदारी खरीदने पर विचार करने और या तो इसे आंतरिक ईपीसी शाखा के रूप में जारी रखने या वर्तमान कार्य पूरा होने के बाद इसे बंद करने का निर्णय लेने की सलाह दी है। यह सलाह एनबीबीपीएल बोर्ड द्वारा 29.08.2019 को हुई अपनी बैठक में नोट की गई थी।

(ग) रायचुर पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने यरमारस, रायचुर, कर्नाटक में 2x800 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना को स्वयं निर्माण एवं संचालन के आधार पर एदलापुर, रायचुर, कर्नाटक में 1x800 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की स्थापना की। रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड को येरामरुस, रायचूर, कर्नाटक में 2x800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट और एदलापुर, रायचूर, कर्नाटक में 1x800 मेगावाट सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की स्थापना, निर्माण, स्वामित्व और प्रचालन के लिए संस्थापित किया गया है। यरमारस टीपीपी की यूनिट–I और यूनिट–II का सीओडी क्रमशः मार्च 2017 और अप्रैल 2017 में प्राप्त किया गया।

(घ) पावरप्लांट परफॉर्मेंस इम्प्रूवमेंट लिमिटेड में निवेश के मूल्य में 2 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 2 करोड़ रुपये) की क्षति का प्रावधान किया गया है क्योंकि कंपनी परिसमापन के अधीन है और इक्विटी के रूप में भुगतान की गई राशि वसूली योग्य नहीं है।

(ङ) दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमिटेड (डीडीकेपीएल) को एनसीएलटी के 2 नवंबर, 2020 के आदेश के तहत भंग कर दिया गया है। 22.50 करोड़ रुपये के निवेश के बदले 17.57 करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2018–19 में 17.30 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2019–20 में 0.27 करोड़ रुपये) प्राप्त हुए। वर्ष के दौरान शेष

रु. 4.93 करोड़ बट्टे खाते में डाले गए हैं और संबंधित प्रावधान को वापस ले लिया गया है।

ख. संयुक्त उद्यम कंपनियों के समूह की सारांशित वित्तीय जानकारी इस प्रकार है:–

नीचे दी गई तालिका में संयुक्त उद्यम कंपनियों के समूह की वित्तीय जानकारी को सारांश में दर्शाया गया है। यह जानकारी संबंधित संयुक्त उद्यम कंपनियों के वित्तीय विवरणों के अनुसार है न कि इन राशियों के समूह की हिस्सेदारी से संबंधित है।

बीएचईएल – जीई गैस टरबाइन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

(₹ करोड़ों में)

बैलेंस शीट	के अनुसार	
	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
गैर चालू परिसंपित्तयां	**80.84**	62.88
चालू परिसंपित्तयां	**519.55**	462.36
नकद और नकद समतुल्य (बैंक शेष सहित) चालू परिसंपत्ति में शामिल हैं	**274.16**	187.58
गैर चालू देयताएं	**22.19**	18.70
गैर चालू वित्तीय देनदारियों (व्यावसायिक देयताओं को छोड़कर)	**10.59**	13.53
चालू देयताएं	**215.21**	189.13
चालू वित्तीय देनदारियां (व्यावसायिक देनदारियों को छोड़कर)	**16.71**	12.53

लाभ/हानि का विवरण	वर्ष के अंत में	
	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
प्रचालन से राजस्व	**791.76**	685.84
ब्याज पर आय	**10.71**	10.24
मूल्यह्रास और परिशोधन	**9.28**	9.59
ब्याज व्यय	**1.27**	1.46
आयकर व्यय	**29.95**	23.22
वर्ष की लाभ/हानि	**88.29**	58.14
अन्य व्यापक आय	**(0.15)**	0.26
कुल व्यापक आय	**88.44**	57.88

रायचुर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(₹ करोड़ों में)

तुलन पत्र	के अनुसार	
	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
गैर चालू परिसंपत्ति	**11064.18**	11055.73
चालू परिसंपत्ति	**2025.64**	1429.82
नकद और नकद समतुल्य वर्तमान संपत्ति में शामिल हैं	**(66.20)**	(85.80)
गैर चालू देयताएं	**11326.76**	10158.44
गैर चालू वित्तीय देयताएं (व्यावसायिक लेनदेन को छोड़कर)	**11326.76**	10158.44
चालू देयताएं	**4911.16**	4931.77
चालू वित्तीय देयताएं व्यावसायिक भुगतान योग्य को छोड़कर)	**4734.64**	6335.77

लाभ– हानि का विवरण	वर्ष के लिए	
	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
प्रचालन से राजस्व	**2224.22**	256.32
मूल्यह्रास और परिशोधन	**649.00**	648.56
ब्याज से आय	**1055.00**	1486.26
आयकर पर व्यय	**-**	-
वर्ष के लिए लाभ / (हानि)	**(543.44)**	(2084.95)
कुल व्यापक आय	**(543.44)**	(2084.95)

एनटीपीसी–बीएचईएल पॉवर प्रोजेक्ट्स

(₹ करोड़ों में)

तुलन पत्र	के अनुसार	
	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
गैर चालू परिसंपत्ति	**366.87**	363.64
चालू परिसंपत्ति	**254.57**	224.13
नकद और नकद समतुल्य (बैंक ब्लैंस सहित) वर्तमान संपत्ति में शामिल हैं	**9.96**	6.45
गैर चालू देयताएं	**230.89**	252.64
चालू देयताएं	**560.63**	480.69
वर्तमान वित्तीय देयताएं (व्यावसायिक लेनदेन को छोड़कर)	**67.45**	68.04

लाभ हानि का विवरण	वर्ष के अंत में	
	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
प्रचालन से राजस्व	**49.17**	75.65
मूल्यह्रास और परिशोधन	**5.84**	6.73
ब्याज पर व्यय	**2.16**	2.63
आयकर पर व्यय	**(8.39)**	(11.63)
वर्ष की लाभ/(हानि)	**(24.51)**	(51.34)
कुल व्यापक आय	**(24.51)**	(51.57)

नोट [48] – पट्टे के संबंध में प्रकटीकरण – इंड एएस 116

पट्टा प्रतिबद्धताएं – पट्टेदार के रूप में कंपनी

कंपनी के महत्वपूर्ण पट्टे समझौते भूमि, भवन और ईडीपी उपकरणों के संबंध में हैं। कंपनी ने कम्प्यूटर आइटम, प्रिंटर, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरण और पेरिफेरल्स लीज व्यवस्था के लिए एक दर अनुबंध किया है। पट्टे पर ली गई संपत्तियों को पूंजीकृत किया जाता है तथा संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के प्रयोग के अधिकार का संपत्ति के रूप में अलग से प्रकटीकरण किया जाता है। लीज रेंटल को ब्याज, रखरखाव और मूलनिधि मूल्य के बीच आवंटित किया जाता है। ब्याज और रखरखाव शुल्क लाभ और हानि के विवरण पर लगाया जाता है और मूल राशि को लीज दायित्वों के लिए समायोजित किया जाता है।

कंपनी ने निम्नलिखित उपलब्ध व्यावहारिक उपायों को लागू किया है:

(i) 12 महीने से कम की लीज अवधि वाले पट्टों को अल्पकालिक पट्टों से छूट

(ii) पट्टों के लिए कम मूल्य की पट्टा छूट जहां अंतर्निहित परिसंपत्ति कम मूल्य की है (संपत्ति जिसका मूल्य 50000 रुपये से कम है)।

क. पट्टा देयताओं का आयुवार विश्लेषण इस प्रकार है (₹ करोड़ों में)

विवरण	भविष्य का न्यूनतम पट्टा भुगतान		ब्याज		न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य [पीवी]	
	31 मार्च,2021 के अनुसार	31 मार्च,2020 के अनुसार	31 मार्च,2021 के अनुसार	31 मार्च,2020 के अनुसार	31 मार्च,2021 के अनुसार	31 मार्च,2020 के अनुसार
एक वर्ष से अधिक नहीं #	**54.01**	65.04	**8.77**	11.49	**45.24**	53.55
एक वर्ष से अधिक किंतु 5 वर्ष से कम	**60.33**	87.62	**6.92**	12.25	**53.41**	75.37
5 वर्ष से अधिक	**-**	-	**-**	-	**-**	-

उन पट्टों के संबंध में भविष्य के न्यूनतम पट्टा भुगतान की राशि जहां 31 मार्च, 2021 के अंत तक शेष लीज अवधि 12 महीने से कम है, 9.54 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 5.97 करोड़ रुपये) है।

ख. वित्तीय वर्ष 2020–2021 के दौरान लीज देनदारियों में परिवर्तन (₹ करोड़ों में)

विवरण	के अनुसार	
	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
1 अप्रैल की स्थिति के अनुसार लीज देयताएं*	**132.04**	178.41
जोड़ें: अतिरिक्त	**30.03**	20.38
जोड़ें: ब्याज की वृद्धि	**12.79**	16.03
घटाएं : भुगतान/समायोजन	**73.25**	82.78
31 मार्च की स्थिति के अनुसार लीज देयताएं'	**101.61**	132.04

* 31 मार्च, 2021 और 31 मार्च, 2020 को क्रमशः 2.96 करोड़ रुपये (पीवाई 3.12 करोड़ रुपये) और 3.12 करोड़ रुपये (पीवाई 4.41 करोड़ रुपये) का ब्याज शामिल है।

ग. लाभ या हानि में मान्य राशि: (₹ करोड़ों में)

विवरण	वर्ष के अंत में	
	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
अल्पकालिक पट्टों से संबंधित व्यय (कृपया नोट संख्या 34 देखें)	**2.25**	5.95
कम मूल्यों की पट्टा संपत्ति से संबंधित व्यय (कृपया नोट संख्या 34 देखें)	**1.03**	1.21
प्रयोग की गई संपत्ति का मूल्यह्रास शुल्क	**64.26**	66.63
ब्याज पर व्यय (वित्त लागत सहित)	**12.79**	16.03

घ. कंपनी के कई पट्टा अनुबंध हैं जो अभी तक शुरू नहीं हुए हैं। इन गैर–रद्द करने योग्य पट्टा अनुबंधों के लिए भावी पट्टा भुगतान इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	वर्ष के अंत में	
	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
1 वर्ष से अधिक नहीं	**0.07**	0.07
एक वर्ष से अधिक किंतु 5 वर्ष से कम	**0.05**	0.08
5 वर्ष से अधिक	**-**	-

नोट [49] – "कर्मचारी लाभ" पर प्रकटीकरण – इंड् एएस 19

कंपनी की लाभ परिभाषित योजनाओं की प्रकृति में निम्नलिखित योजनाएं हैं:

i) उपदान योजना

ii) सेवानिवृत्ति के पश्चात चिकित्सा संबंधी योजना

iii) भविष्य निधि योजना

iv) सेवानिवृत्ति पर यात्रा का दावा

(i) उपदान (वित्तपोषित योजना)

कंपनी में परिभाषित लाभ उपदान योजना है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने पाँच वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा प्रदान की है वह प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन की दर से उपदान (15/26 X अंतिम आहरित मूल वेतन और महंगाई भत्ता) का पात्र है, किंतु इसकी अधिकतम सीमा 20 लाख रूपए है। उपदान देयता भविष्य के भुगतान के कारण उत्पन्न होती है, जो सेवानिवृत्ति, सेवा में मृत्यु या निकासी की स्थिति में किए जाने की आवश्यकता होती है । देयता का आकलन अनुमानित इकाई क्रेडिट बीमांकिक विधि का उपयोग करके किया गया है।

उपदान योजना पर शुद्ध निर्धारित लाभ (संपत्ति)/देयता में संचलन (₹ करोड़ों में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयता		योजनाबद्ध परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध निर्धारित लाभ (परिसंपत्ति देनदारी)	
	31 मार्च के अनुसार					
	2021	2020	2021	2020	2021	2020
आरंभिक शेष	**2074.13**	2040.40	**1696.77**	1862.77	**377.36**	177.63
वर्ष के लिए लाभ में शामिल:						
वर्तमान सेवा लागत	**101.79**	105.26	**-**	-	**101.79**	105.26
विगत सेवा लागत	**-**	-	**-**	-	**-**	-
ब्याज लागत / (आय)	**139.84**	158.11	**139.61**	157.70	**0.23**	0.41
वर्ष के लाभ में स्वीकृत कुल राशि	**241.63**	263.37	**139.61**	157.70	**102.02**	105.67
(ओसीआई) में शामिल अन्य व्यापक आय						
प्रतिपूर्ति हानि/लाभ:						
बीमांकिक हानि/लाभ से उत्पन्न						
जनसांख्यिकी अनुमान में परिवर्तन	**-**	(0.62)	**-**	-	**-**	(0.62)
वित्तीय अनुमान में परिवर्तन	**-**	151.51	**-**	-	**-**	151.51
अनुभव समायोजन	**(32.61)**	(29.11)	**(21.21)**	(20.70)	**(11.40)**	(8.41)
अन्य व्यापक आय में स्वीकृत कुल राशि	**(32.61)**	121.78	**(21.21)**	(20.70)	**(11.40)**	142.48
अन्य						
नियोक्ता द्वारा योगदान का भुगतान	**-**	-	**154.00**	48.00	**(154.00)**	(48.00)
लाभ का भुगतान	**(271.73)**	(351.42)	**(271.73)**	(351.00)	**-**	(0.42)
अवैतनिक लाभ का भुगतान	**-**	-	**-**	-	**-**	-
अंतिम शेष	**2011.42**	2074.13	**1697.44**	1,696.77	**313.98**	377.36

योजनाबद्ध परिसंपत्तियों का विवरण

विवरण	31 मार्च, 2021 के अनुसार	31 मार्च, 2020 के अनुसार
बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित की गई निधियां	**70.80%**	56.59%
उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड (कोटिड)	**18.23%**	33.88%
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां (कोटिड)	**2.46%**	2.74%
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर (कोटिड)	**0.97%**	0.84%
बैंक शेष	**7.54%**	5.95%
कुल	**100.00%**	100.00%

बीमांकिक अवधारणाएं

रिपोर्टिंग की तिथि में निम्नलिखित प्रमुख बीमांकिक अवधारणाएं थीं:

विवरण	31 मार्च, 2021 के अनुसार	31 मार्च, 2020 के अनुसार
आर्थिक अवधारणाएं:		
छूट दर	**6.75%**	6.75%
वेतन वृद्धि दर	**प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष**	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकी अवधारणाएं:		
सेवानिवृत्ति आयु	**60**	60
मृत्यु दर तालिका	**आईएएलएम का 100% (2012–14)**	आईएएलएम का 100% (2012–14)
निकासी दर % (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	**3%**	3%
31 वर्ष से लेकर 44 वर्ष तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण मूल अवधारणाओं में परिवर्तनों के लिए परिभाषित लाभ देयता की संवेदनशीलता इस प्रकार है:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	उपदान			
	31 मार्च, 2021 को		31 मार्च, 2020 को	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में परिवर्तन (0.50 % संचलन)	**(92.13)**	**100.65**	(85.87)	93.75
वेतन वृद्धि दर में परिवर्तन (0.50 % संचलन)	**51.60**	**(53.83)**	53.77	(54.17)

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता प्रत्यक्ष नहीं है और इसलिए इनके कारण परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

पेंशन के भुगतान में वृद्धि की दर और सेवानिवृत्ति से पहले एवं अनुमानित जीवन में पेंशन की वृद्धि दर के रूप में संवेदनशीलता लागू नहीं होती है।

उपर्युक्त संवेदनशीलता का विश्लेषण एक ऐसी प्रणाली के आधार पर किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मूल अनुमानों में होने वाले पर्याप्त परिवर्तन के परिणामस्वरूप निर्धारित लाभ देयता पर प्रभाव को बढ़ाती है। यह विश्लेषण निर्धारित लाभ देयताओं में वास्तविक परिवर्तन का उदाहरण नहीं हो सकता है क्योंकि कुछ अनुमानों में अलग–अलग परिवर्तन हो सकता है और कुछ अनुमान एक दूसरे से संबद्ध हो सकते हैं।

भविष्य के वर्षों में उपदान योजना का अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	उपदान	
	31 मार्च, 2021 के अनुसार	31 मार्च, 2020 के अनुसार
एक वर्ष से कम	**230.44**	313.31
एक से दो वर्ष के मध्य	**193.53**	207.02
दो से तीन वर्ष के मध्य	**141.35**	178.64
तीन से चार वर्ष के मध्य	**126.36**	130.38
चार से पॉच वर्ष के मध्य	**104.26**	114.73
पॉच से छह वर्ष के मध्य	**91.67**	93.70
छह वर्ष से अधिक	**1123.81**	1036.35
कुल	**2011.42**	2074.13

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए उपदान/ग्रेच्युटी योजनाओं में अपेक्षित योगदान 117.75 करोड़ रुपये है
रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उपदान निर्धारित लाभ योजना देयता की भारित औसत अवधि 14.95 वर्ष (31 मार्च 2020: 14.91 वर्ष) है

जोखिम के खतरे

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित हैं, जो प्रकृति में गतिशील हैं और समय के साथ बदलते रहते हैं। कंपनी विभिन्न जोखिमों जैसे वेतन वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट दर, मृत्यु दर, विकलांगता और निकासी से संबंधित है।

(ii) सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ (वित्तपोषित योजना)

कंपनी के पास पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल बेनिफिट (पीआरएमबी) है जिसके तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके पति /पत्नी को कंपनी अस्पतालों /चिकित्सा अस्पतालों में चिकित्सा सुविधा प्रदान की जाती है, जो कंपनी चिकित्सा नियमों के अधीन है। वे कंपनी द्वारा तय की गई सीमा तक बाह्य रोगी के रूप में भी उपचार का लाभ उठा सकते हैं। बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर वार्षिक देयता को मान्यता दी जाती है।

सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना पर शुद्ध परिभाषित लाभ (परिसंपत्ति) /देयता में संचलन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयता		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध निर्धारित लाभ (परिसंपत्ति) देनदारी	
	31 मार्च के अनुसार					
	2021	2020	2021	2020	2021	2020
आरंभिक शेष	**2285.20**	2080.78	**1933.72**	1935.72	**351.48**	145.06
वर्ष के लाभ में सम्मिलितः						
वर्तमान सेवा लागत	**39.92**	40.15	**-**	-	**39.92**	40.15
विगत सेवा लागत	**(49.95)**	-	**-**	-	**(49.95)**	-
ब्याज लागत /(आय)	**154.25**	161.26	**154.25**	161.26	**-**	-
वर्ष के लाभ में मान्यता प्राप्त कुल राशि	**144.22**	201.41	**154.25**	161.26	**(10.03)**	40.15
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में शामिलः						
पुनर्गणना हानि (लाभ):						
बीमांकिक हानि (लाभ) से उत्पन्नः						
जनसांख्यिकी अनुमान	**-**	(0.91)	**-**	-	**-**	(0.91)
वित्तीय अनुमान	**-**	193.77	**-**	-	**-**	193.77
अनुभव समायोजन	**(9.57)**	(31.85)	**(17.25)**	(5.26)	**7.68**	(26.59)
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि	**(9.57)**	161.01	**(17.25)**	(5.26)	**7.68**	166.27

(₹ करोड़ों में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयता		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		शुद्ध निर्धारित लाभ (परिसंपत्ति) देनदारी	
	31 मार्च के अनुसार					
	2021	2020	2021	2020	2021	2020
अन्य						
नियोक्ता द्वारा किया गया अंशदान	-	-	42.00	-	(42.00)	-
दिए गए लाभ	(164.00)	(158.00)	(164.00)	(158.00)	-	-
अंतिम शेष	2255.85	2285.20	1948.72	1933.72	307.13	351.48

कंपनी की योजनागत संपत्ति का प्रबंधन भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा कंपनी द्वारा प्रबंधित एक न्यास के माध्यम से कंपनी के दायित्वों को पूरा करने के लिए ली गई बीमा पॉलिसी के रूप में किया जाता है।

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि को प्रमुख बीमांकिक अनुमान निम्नानुसार थे:

विवरण	के अनुसार 31 मार्च, 2021	के अनुसार 31 मार्च, 2020
आर्थिक अनुमान:		
छूट दर	6.75%	6.75%
वेतन वृद्धि दर	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकी अवधारणाएं:		
सेवानिवृत्ति आयु	60	60
मृत्यु दर तालिका	आईएएलएम का 100% (2012–14)	आईएएलएम का 100% (2012–14)
निकासी दर % (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	3%	3%
31 वर्ष से लेकर 44 वर्ष तक	2%	2%
44 वर्ष से अधिक	1%	1%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण मूलनिधि अनुमानों में परिवर्तन के लिए निर्धारित लाभ देयता की संवेदनशीलता निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ			
	31 मार्च 2021 को		31 मार्च 2020 को	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर में परिवर्तन (0.50% संचलन)	(100.99)	103.12	(101.67)	104.64
लागत में परिवर्तन (0.50% संचलन)	103.96	(101.57)	105.37	(102.38)

मृत्यु दर और निकासी के कारण संवेदनशीलता प्रत्यक्ष नहीं है और इसलिए इनके कारण परिवर्तन के प्रभाव की गणना नहीं की जाती है।

उपर्युक्त संवेदनशीलता का विश्लेषण एक ऐसी प्रणाली के आधार पर किया गया है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मूल अनुमानों में होने वाले पर्याप्त परिवर्तन के परिणामस्वरूप निर्धारित लाभ देयता पर प्रभाव को बढ़ाती है। यह विश्लेषण निर्धारित लाभ देयताओं में वास्तविक परिवर्तन का उदाहरण नहीं हो सकता है क्योंकि कुछ अनुमानों में अलग–अलग परिवर्तन हो सकता है और कुछ अनुमान एक दूसरे से संबद्ध हो सकते हैं।

भविष्य के वर्षों में सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना का अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ	
	31 मार्च, 2021 के अनुसार	31 मार्च, 2020 के अनुसार
एक वर्ष से कम	**147.94**	155.27
एक से दो वर्ष के मध्य	**149.62**	172.35
दो से तीन वर्ष के मध्य	**153.04**	189.58
तीन से चार वर्ष के मध्य	**158.33**	209.49
चार से पॉच वर्ष के मध्य	**165.65**	232.53
पॉच से छह वर्ष के मध्य	**175.29**	259.27
छह वर्ष से अधिक	**1305.98**	1066.71
कुल	**2255.85**	2285.20

31 मार्च 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना में अपेक्षित अंशदान 38.26 करोड़ रुपये है।

रिपोर्टिंग अवधि के अंत में सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ योजना देयता की भारित औसत अवधि 12.44 वर्ष (31 मार्च 2020: 11.44 वर्ष) है।

जोखिम के खतरे

मूल्यांकन कुछ अनुमानों पर आधारित हैं, जो प्रकृति में गतिशील हैं और समय के साथ बदलते रहते हैं। कंपनी विभिन्न जोखिमों जैसे वेतन वृद्धि, निवेश जोखिम, छूट दर, मृत्यु दर, विकलांगता और निकासी से संबंधित है।

(iii) भविष्य निधि

कंपनी एक विलगित न्यास को पूर्व निर्धारित दरों पर भविष्य निधि में निश्चित योगदान का भुगतान करती है जो अनुमत प्रतिभूतियों में निधि का निवेश करती है कंपनी का दायित्व है कि वह भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट सदस्यों की न्यूनतम दर सुनिश्चित करे। तदनुसार, कंपनी ने बीमांकिक (एक्च्यूटरी) की रिपोर्ट प्राप्त कर ली है जहां भी संभावित ब्याज की कमी के लिए बीमांकिक मूल्यांकन प्रमाणपत्र देयता के अनुसार उत्पन्न होता है वही खातों में प्रदान किया गया है.

1. भविष्य निधि न्यास में ब्याज की कमी का विवरण (₹ करोड़ों में)

विवरण	वर्ष के अंत में	
	2020-21	2019-20
वर्ष के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पीएफ ब्याज देयता में बढ़ोतरी / (कमी)	**15.68**	(23.18)
बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पीएफ ब्याज देयता में कमी के लिए संचित प्रावधान	**14.46**	30.14
अन्य व्यापक आय विवरण से ज्ञात पुनः मापन लाभ / (हानि)	**25.16**	(31.46)
लाभ और हानि के विवरण के माध्यम से ज्ञात ब्याज की कमी / (अधिशेष)	**9.48**	(8.28)

कंपनी के कर्मचारियों को कवर करने के लिए कंपनी के विभिन्न स्थानों पर अलग से प्रबंधित पीएफ न्यास हैं, संपत्ति योजना और दायित्वों का विवरण इस प्रकार है

(₹ करोड़ों में)

विवरण	निर्धारित लाभ देयता		योजनाबद्ध परिसंपत्तियों का उचित मूल्य		अधिशेष / (कमी)	
	तक					
	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020	31 मार्च, 2021	31 मार्च, 2020
बीएचईएल, ईपीएफ न्यास, रानीपुर, हरिद्वार	**1574.05**	1470.95	**1581.86**	1472.38	**7.81**	1.43
बीएचईएल कर्मचारी भविष्यनिधि योजना–तिरुचि	**986.73**	1029.10	**984.73**	1025.27	**(2.00)**	(3.83)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्यनिधि योजना–भोपाल	**1317.70**	1239.54	**1313.87**	1232.47	**(3.83)**	(7.07)
बीएचईएल नई दिल्ली कर्मचारी भविष्यनिधि	**1291.26**	1169.96	**1297.88**	1176.53	**6.62**	6.57
बीएचईएल कर्मचारी भविष्यनिधि योजना –हैदराबाद	**833.30**	835.64	**853.68**	853.11	**20.38**	17.47
बीएचईएल पीपीडी ईपीएफ न्यास, चैन्नई	**786.92**	741.03	**778.29**	726.19	**(8.63)**	(14.84)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्यनिधि योजना, बेंगलूरू	**635.51**	723.36	**644.53**	721.87	**9.02**	(1.49)
बीएचईएल (बीएपी) ईपीएफ न्यास, रानीपेट	**390.16**	416.21	**390.62**	413.30	**0.46**	(2.91)
बीएचईएल कर्मचारी भविष्यनिधि योजना –झांसी	**437.95**	407.02	**447.68**	414.19	**9.73**	7.17
भारत हेवी प्लेट्स एंड वेसल्स लिमिटेड कर्मचारी अंशदायी भविष्यनिधि योजना – विजाग	**141.46**	127.58	**172.71**	158.81	**31.25**	31.23
कुल	**8395.04**	8160.39	**8465.85**	8194.12	**70.81**	33.73

2. **भविष्य निधि पर शुद्ध परिभाषित लाभ (संपत्ति) / देयता में संचलन**

(₹ करोड़ों में)

विवरण	बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास (समेकित)			
	निर्धारित लाभ देयता		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	
	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
आरंभिक शेष	**8160.39**	7641.62	**8194.12**	7734.01
वर्ष के लिए लाभ में शामिल:				
वर्तमान सेवा लागत	**327.61**	327.33	**-**	-
ब्याज लागत /(आय)	**665.66**	636.48	**665.66**	656.50
वर्ष के लिए लाभ में मान्यता प्राप्त कुल राशि#	**993.27**	963.81	**665.66**	656.50
अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में शामिल				
पुनर्भुगतान हानि (लाभ)				
बीमांकिक हानि (लाभ) से उत्पन्न:				
जनसांख्यिकी अनुमान:	**-**	-	**-**	-
वित्तीय अनुमान	**-**	2.30	**-**	-
अनुभव समायोजन	**(17.87)**	30.75	**19.22**	(45.63)
अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त कुल राशि#	**(17.87)**	33.05	**19.22**	(45.63)

(₹ करोड़ों में)

विवरण	बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास (समेकित)			
	निर्धारित लाभ देयता		योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	
	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
अन्य				
नियोक्ता द्वारा किया गया अंशदान	**777.25**	722.01	**327.61**	327.33
कर्मचारी का अंशदान	**0.00**	0.00	**777.25**	722.01
प्रदत्त लाभ	**(1804.50)**	(1497.98)	**(1804.50)**	(1497.98)
समायोजन / ट्रांसफर–इन	**286.50**	297.88	**286.50**	297.88
अंतिम शेष	**8395.04**	8160.39	**8465.86**	8194.12

टिप्पणी: पीएफ न्यास के संबंध में ब्याज की कमी केवल लाभ और हानि और अन्य व्यापक आय विवरण के माध्यम से हिसाब की गई है जैसा कि ऊपर बिंदु (I) के तहत दिखाया गया है.

योजना परिसंपत्तियों का विवरण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
भारत सरकार की प्रतिभूतियों में	**1153.72**	1252.00
राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	**3694.89**	3305.75
कॉर्पोरेट बांड [कोटिड]	**3027.71**	2920.68
स्पेशल जमा [अन कोटिड]	**417.43**	468.86
लिक्विड फंड [अन कोटिड]	**2.11**	18.69
अल्पावधि जमा [अन कोटिड]	**10.89**	48.04
म्यूचुअल फंड और इक्विटी शेयर [कोटिड]	**159.11**	180.11
कुल	**8465.86**	**8194.12**

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि तक प्रमुख बीमांकिक अनुमान इस प्रकार थे: (₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
आर्थिक अनुमान:		
छूट दर	**6.75%**	6.75%
बही शेष पर प्रत्याशित वैधानिक ब्याज दर	**8.50%**	8.50%
फंड पर ब्याज आय में प्रत्याशित कमी	**0.05%**	0.05%
जनसांख्यिकी अनुमान:		
मृत्यु दर तालिका	**आईएएलएम का 100% (2012–14)**	आईएएलएम का 100% (2012–14)
निकासी दर: (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	**3.00%**	3.00%
31 से 44 वर्ष तक	**2.00%**	2.00%
44 वर्ष से अधिक	**1.00%**	1.00%

संवेदनशीलता विश्लेषण

महत्वपूर्ण मूल अनुमानों में परिवर्तन के लिए निर्धारित लाभ देयता की संवेदनशीलता निम्नानुसार है:

विवरण	बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि योजना			
	31 मार्च 2021 को		31 मार्च 2020 को	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
डिस्काउंट रेट में परिवर्तन (0.50% संचलन)	**(1.23)**	**1.28**	(1.35)	1.43

भविष्य के वर्षों में अपेक्षित परिपक्वता विश्लेषण

विवरण	भविष्य निधि	
	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
अगले 12 महीनों के भीतर	**832.06**	836.14
2 से 5 वर्ष के बीच	**2009.34**	1984.26
5 से 10 वर्ष के बीच	**1984.72**	1502.75
10 वर्ष के बाद	**3568.92**	3837.24
कुल	**8395.04**	**8160.39**

iv. सेवानिवृत्ति पर यात्रा का दावा– (निपटान भत्ता – गैर वित्त पोषित योजना)

निपटान भत्ता किसी कर्मचारी द्वारा किए गए उस व्यय की प्रतिपूर्ति है, जो वह कर्मचारी अपनी सेवानिवृत्ति या सेवाकाल में मृत्यु के पश्चात उसका परिवार भारत में अपने इच्छित शहर या स्थान पर बसने के लिए यात्रा करने और अपने सामान को ले जाने के लिए करता है।

निपटान भत्ता देयता में संचलन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	भविष्य निधि	
	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
आरंभिक शेष	**9.56**	8.53
वर्ष के लिए लाभ में शामिल:	**0.63**	0.58
वर्तमान सेवा लागत	**0.65**	0.64
ब्याज लागत / आय	**1.28**	1.22
बीमांकिक हानि (लाभ)	**2.16**	1.86
वर्ष के लिए लाभ में मान्यता प्राप्त कुल राशि	**3.44**	3.08
अन्य		
नियोक्ता द्वारा भुगतान किया गया अंशदान	**-**	-
प्रदत्त लाभ	**(2.70)**	(2.05)
अंतिम शेष	**10.30**	9.56

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग की तिथि तक मुख्य बीमांकिक अनुमान इस प्रकार थे:

विवरण	बीमांकिक अनुमान	
	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
आर्थिक अनुमान:		
छूट दर	**6.75%**	6.75%
वेतन वृद्धि दर	**प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष**	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकी अनुमान:		
सेवानिवृत्ति आयु	**60**	60
मृत्यु दर तालिका	**आईएएलएम का 100% (2012–14)**	आईएएलएम का 100% (2012–14)
निकासी दर: (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्ष तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

ख. दीर्घकालिक छुट्टी देयता (नकदी योग्य छुट्टी –ईएल / अर्ध वेतन अवकाश–एचपीएल) – (गैर वित्त पोषित योजना)

कंपनी अपने कर्मचारियों को प्रति छमाही में 15 दिन (अधिकतम) अर्जित अवकाश और और 10 दिन का अर्ध वैतनिक अवकाश की सुविधा प्रदान करती है। अर्जित अवकाश का नकदीकरण सेवा के दौरान होता है। कंपनी नीतियों व नकदीकरण नियमों के आधार पर सेवानिवृत्ति / अधिवर्षिता आयु पर अर्जित अवकाश और अर्ध वैतनिक अवकाश एक साथ मिलाकर अधिकतम 300 दिनों तक नकदीकरण किया जा सकता है। अवकाश देयताओं को अन्य दीर्घकालिक लाभों के रूप में माना जाता है और अनुमानित यूनिट क्रेडिट एक्चुरियल विधि का उपयोग करके मूल्यांकन किया गया है।

दीर्घ अवधि छुट्टी देयता में संचलन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	दीर्घ अवधि छुट्ती देयता	
	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
आरंभिक शेष	**1392.73**	1492.44
वर्ष के लाभ में शामिल:		
वर्तमान सेवा लागत	**157.75**	155.94
ब्याज लागत (आय)	**93.98**	115.63
बीमांकिक हानि (लाभ) से उत्पन्न	**(130.95)**	(138.64)
वर्ष के लिए लाभ में मान्यता प्राप्त कुल राशि	**120.78**	132.93
प्रदत्त लाभ	**271.43**	232.64
अंतिम शेष	**1242.08**	1392.73

बीमांकिक अनुमान

रिपोर्टिंग तिथि पर प्रमुख बीमांकिक अनुमान निम्नलिखित थे:

विवरण	दीर्घ अवधि छुट्टी देयता	
	31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
आर्थिक अनुमान:		
छूट दर	**6.75%**	6.75%
वेतन वृद्धि दर	**प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष**	प्रथम 4 वर्षों के लिए 6.50% प्रतिवर्ष और उसके बाद 6% प्रतिवर्ष
जनसांख्यिकी अनुमान:		
सेवानिवृत्ति आयु	**60**	60
मृत्यु दर तालिका	**आईएएलएम का 100% (2012–14)**	आईएएलएम का 100% (2012–14)
निकासी दर: (सभी आयु वर्ग)		
30 वर्ष तक	**3%**	3%
31 से 44 वर्ष तक	**2%**	2%
44 वर्ष से अधिक	**1%**	1%

ग. पेंशन फंड

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए पेंशन योजना (परिभाषित योगदान योजना) के संबंध में ₹280 करोड़ का योगदान दिया है

नोट [50] – संबंधित पक्षों से लेनदेन

i.

संयुक्त उपक्रम	अन्य
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड(बीजीजीटीएस)	सेंट्रल गवर्मेंट कंट्रोल संस्थाएं
एनटीनीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्टस प्रोजेक्टस प्रायवेट लिमिटेड(एनबीपीपीएल)	भविष्य निधि न्यास
रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमि. (आरपीसीएल)	ग्रेच्युटी न्यास, पीआरएमबी न्यास, पेंशन न्यास
दादा धुनीवाले खंडवा पावर लिमि.	
पावरप्लांट परफारमेंस इम्प्रूवमेंट लिमि.	

*नवंबर 2020 में भंग किया

अन्य संबंधित पक्षः

क. कार्यकारी निदेशक एवं कम्पनी सचिव (₹ करोड़ों में)

विवरण	अल्पकालिक कर्मचारी लाभ		रोजगार के बाद के लाभ		कुल पारिश्रमिक	
	20-21	19-20	20-21	19-20	20-21	19-20
श्री [डॉ.] नलिन सिंघल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	0.52	0.35	0.08	0.07	0.60	0.42
श्री सुबोध गुप्ता निदेशक (वित्त)	0.49	0.44	0.07	0.09	0.56	0.53
श्री एस. बालकृष्णन[1] निदेशक (आईएस एंड पी)	0.66	0.50	0.05	0.09	0.71	0.59
श्री मनोज कुमार वर्मा[2] निदेशक (पावर)	0.62	0.52	0.06	0.09	0.68	0.61
श्री कमलेश दास निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास)	0.47	0.38	0.07	0.08	0.54	0.46
श्री अनिल कपूर[3] निदेशक (मानव संसाधन)	0.46	0.20	0.07	0.04	0.53	0.24
सुश्री रेणुका गेरा[4] निदेशक (आईएस एंड पी)	0.16	-	0.03	-	0.19	-
श्री राजीव कालड़ा कंपनी सचिव	0.38	0.33	0.06	0.07	0.44	0.40
श्री टीएस चक्रवर्ती[5] प्रबंध निदेशक बीएचईएल–ईएमएल	0.40	-	0.07	-	0.47	-

1. 30 नवंबर, 2020 तक

2. 31 जनवरी 2021 तक

3. 1 फरवरी, 2021 से निदेशक (पावर) का अतिरिक्त प्रभार

4. 1 दिसंबर, 2020 से प्रभावी

5. मई 05, 2020 से प्रभावी

कंपनी भारी उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है और इसकी अधिकांश हिस्सेदारी भारत सरकार के पास है। महत्वपूर्ण लेन–देन अन्य सार्वजनिक उपक्रमों, राज्य के स्वामित्व वाली उपयोगिताओं, रेलवे आदि के साथ होते हैं जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भारत सरकार द्वारा नियंत्रित होते हैं। ऐसी संस्थाओं के साथ लेन–देन सामान्य है, जो आर्म्स लैंथ प्राइज पर आधारित बाजार संचालित दरों पर है।

ख. सरकारी निदेशक/ स्वतंत्र निदेशक

(₹ लाखों में)

सरकारी/ स्वतंत्र निदेशक	बैठक शुल्क	
	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2021	समाप्त वर्ष के लिए 31 मार्च, 2020
श्री शशांक प्रिय सरकारी निदेशक	-	-
श्री अमित वरदान सरकारी निदेशक (02.09.2020 तक)	-	-
श्री अमित मेहता सरकारी निदेशक (02.09.2020 से प्रभावी)	-	-
श्री देश दीपक गोयल स्वतंत्र निदेशक (11.09.2020 तक)	**3.30**	6.30
श्री रंजीत रे स्वतंत्र निदेशक (11.09.2020 तक)	**3.50**	6.90
श्री राजेश शर्मा स्वतंत्र निदेशक	**5.10**	4.50
श्री राज कमल बिंदल स्वतंत्र निदेशक	**4.60**	0.30
श्री मनीष कपूर स्वतंत्र निदेशक	**4.80**	0.30

ग. विलगित न्यास के माध्यम से प्रबंधित सेवा उपरांत लाभ योजना में संव्यवहार

(₹ करोड़ों में)

न्यास का नाम	रोजगार के बाद लाभ योजना	नियोक्ता द्वारा योगदान	
		समाप्त वर्ष के लिए मार्च 31	
		2021	2020
पीआरएमबी न्यास	सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा योजना	41.62	-
ग्रेच्युटी न्यास	ग्रेच्युटी	154.00	48.00
कर्मचारी सेवानिवृत्ति कोष	पेंशन निधि	280.00	92.27
बीएचईएल ईपीएफ न्यास, रानीपुर, हरिद्वार	भविष्य निधि	52.21	50.81
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि–त्रिची	भविष्य निधि	52.97	56.76
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि भोपाल	भविष्य निधि	50.86	63.52
बीएचईएल नई दिल्ली कर्मचारी भविष्य निधि न्यास	भविष्य निधि	39.25	34.18
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि–हैदराबाद	भविष्य निधि	39.36	16.57
बीएचईएल पीपीडी ईपीएफ न्यास, चेन्नई	भविष्य निधि	26.34	25.37
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि–बेंगलुरु	भविष्य निधि	29.16	33.50
बीएचईएल (बीएपी यूनिट) ईपीएफ न्यास, रानीपेट	भविष्य निधि	19.24	19.79
बीएचईएल कर्मचारी भविष्य निधि न्यास झांसी	भविष्य निधि	12.77	21.65
भारत हैवी प्लेट्स एंड वेसल्स लिमिटेड कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि–विजाग	भविष्य निधि	5.45	5.18

iii. संयुक्त उद्यम के साथ समव्यवहारों और शेष राशि का विवरण

(₹ करोड़ों में)

विवरण	समाप्त वर्ष के लिए	
	31 मार्च 2021	31 मार्च 2020
माल और सेवाओं की बिक्री		
बीजीजीटीएस	**215.85**	169.61
आरपीसीएल	**7.80**	17.28
एनबीपीपीएल	**10.86**	2.80
लाभांश आय		
बीजीजीटीएस	**21.42**	16.30
रॉयल्टी आय		
बीजीजीटीएस	**1.46**	1.10
माल और सेवाओं की खरीद		
बीजीजीटीएस	**1.96**	0.86
आरपीसीएल	**-**	-
एनबीपीपीएल	**0.75**	3.05
वर्ष के अंत में बीएचईएल देय राशि		
बीजीजीटीएस	**68.79**	29.45
आरपीसीएल	**552.00**	541.93
एनबीपीपीएल	**195.56**	262.51
वर्ष के अंत में बीएचईएल (अग्रिम के साथ) से देय राशि		
बीजीजीटीएस	**0.15**	0.24
आरपीसीएल	**7.67**	9.30
एनबीपीपीएल	**56.79**	79.16
संदिग्ध ऋण और अग्रिम के लिए प्रावधान		
एनबीपीपीएल	**187.98**	183.90

नोटः निवेश के मूल्य में कमी के प्रावधान के लिए नोट [5क] देखें

नोट [51] – प्रकटीकरण (प्रावधान में संचलन) – इंड एएस – 37

(₹ करोड़ों में)

क. परिनिर्धारित नुकसान	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आरंभिक शेष	**8467.67**	7549.65
जोड़ें: परिवर्निधि	**1546.68**	1706.20
घटाएँ: उपयोग / बट्टे खाते में डालना / भुगतान	**98.36**	3.88
घटाएँ: आहरण / समायोजन	**404.19**	784.30
अंतिम शेष	**9511.80**	8467.67

कंपनी की लेखा नीति के अनुरूप तरल क्षतिपूर्ति प्रदान की जाती है और निपटान या अन्य खातों में समान रूप से निपटाया जाता है। तरल क्षतिपूर्ति से संबंधित आकस्मिक देयता को नोट 42 के पैरा ए (प) (जी) में दिखाया गया है।

(₹ करोड़ों में)

ख. अनुबंधात्मक दायित्व	31 मार्च, 2021 तक	31 मार्च, 2020 तक
आरंभिक शेष	**4319.11**	5295.44
जोड़ेरू लागत उधार	**141.68**	195.61
जोड: परिवर्निधि	**447.20**	567.75
घटाएँ: पीवी समायोजन	**194.95**	119.83
घटाएँ: उपयोग / बट्टे खाते में डालना / भुगतान	**87.56**	63.11
घटाएँ: आहरण / समायोजन	**621.74**	1545.18
जोड़ें / (कम): अनुमान और दरों में परिवर्तन	**(11.29)**	(11.57)
अंतिम शेष	**3992.45**	4319.11

अनुबंध के नियमों और शर्तों के अनुसार वारंटी दायित्वों को पूरा करने के लिए संविदात्मक दायित्व का प्रावधान महत्वपूर्ण लेखांकन नीति संख्या 10 के अनुरूप समय के मूल्य के प्रभाव को देखते हुए बनाया गया है। अनुबंध की वारंटी दायित्वों के पूरा होने तक इसे यथावत रखा गया है। वारंटी दायित्व पर वास्तविक व्यय अनुबंध से अनुबंध तक और संबंधित अनुबंध के नियमों और शर्तों के आधार पर वर्ष–दर–वर्ष भिन्न हो सकते हैं। दोनों लेखा अवधियों में समायोजन में पूर्णतः प्रावधान की गई परियोजनाओं से संबंधित बकाया राशि, बी एंड डी ऋणों के लिए गैर–वर्तमान भत्ते में प्रकट संविदात्मक दायित्व शामिल है।

नोट [52] – प्रकटीकरण – ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व – इंड एएस –115

क. क्षति प्रावधानों में संचलन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	2020-21		2019-20	
	व्यापारिक प्राप्तियाँ	अनुबंध संपत्ति	व्यापारिक प्राप्तियाँ	अनुबंध संपत्ति
आरंभिक शेष	**5448.93**	**805.05**	6401.93	654.73
जोड़ेः परिवर्निधि	**677.99**	**337.37**	463.41	192.17
घटाएँः बट्टे खाते डालना	**49.34**	**-**	57.60	-
घटाएँः रिवर्सल	**1169.17**	**18.10**	1358.81	41.85
अंतिम शेष	**4908.41**	**1124.32**	5448.93	805.05

ख. ग्राहकों के साथ अनुबंध से राजस्व का विभाजन

(₹ करोड़ों में)

विवरण	पावर		उद्योग		कुल
	भारत में	भारत से बाहर	भारत में	भारत से बाहर	
2020–21					
ग्राहकों से राजस्व					
राजस्व मान्यता का समय					
(अ) समय में एक बिंदु पर (उत्पादन/सेवाएं)	**1902.18**	**10.00**	**3780.92**	**21.30**	**5714.40**
(ब) अधिसमय	**7650.09**	**1823.78**	**1107.53**	**-**	**10581.40**
2019–20					
ग्राहकों से राजस्व					
राजस्व मान्यता का समय					
(अ) समय में एक बिंदु पर (उत्पादन/सेवाएं)	1946.05	34.48	3607.92	1.88	5590.33
(ब) अधिसमय	9197.31	3782.6	1922.28	2.07	14904.26

(₹ करोड़ों में)

विवरण	2020-21		2019-20	
	पावर	उद्योग	पावर	उद्योग
ग्राहकों से राजस्व				
बीआईएफपीसीएल (बांगलादेश)	**1653.65**	**-**	3277.17	-
सीपीएसयू	**2824.59**	**1791.55**	3219.25	2324.72
रेलवे	**-**	**1497.65**	-	1434.87
टीएसजीईएनसीओ	**1664.61**	**-**	2065.9	-

ग. अनुबंध शेष (शुद्ध प्रावधान)

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
व्यापारिक प्राप्तियाँ	**7214.81**	11642.10
अनुबंध संपत्ति (अनबिल्ड राजस्व शामिल)	**24079.48**	23794.22
अनुबंध दायित्वों	**6864.35**	6719.24

घ. मान्य अनुबंध राजस्व

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2021 को
अनुबंध देनदारियों के प्रतिकूल मान्य प्राप्त राजस्व (ग्राहक अग्रिमों का समायोजन और वर्ष के दौरान मूल्यांकन समायोजन)	**3591.86**	3140.51
पिछले वर्ष में संतुष्ट निष्पादन दायित्व के प्रतिकूल मान्य प्राप्त राजस्व (अनुबंध राजस्व में परिवर्तन के कारण प्रभाव)	**92.96**	727.34

विद्युत परियोजनाओं की स्थापना एक दीर्घचक्रीय व्यवसाय है, जहां कंपनी द्वारा प्राप्त अनुबंध या तो ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रिक्योरमेंट और कमीशनिंग) या बीटीजी पैकेज (यानी बॉयलर, टर्बाइन और जनरेटर पैकेज) हैं। 3 से 5 वर्ष के बीच अनुबंध की सामान्य निष्पादन अवधि के साथ विद्युत परियोजनाएं लंबी अवधि की परियोजनाएं हैं। बीएचईएल सेवाओं के दायरे में उपकरण की आपूर्ति, निर्माण, कमीशनिंग, प्लांट को ग्रिड से सिंक्रोनाइज़ करना, ट्रायल ऑपरेशन को पूरा करना और गारंटीकृत पैरामीटर प्रदान करना सम्मिलित है।

यद्यपि समग्र दायरे में कई घटक हैं, ऐसी परियोजनाओं को आमतौर पर एक प्रदर्शन दायित्व माना जाता है। नियंत्रण निष्पादन अवधि पर एक साथ स्थानांतरित होता है क्योंकि इकाई समय में असतत बिंदुओं के बजाय समग्र रूप से निष्पादन कार्य करती है और इसलिए प्रगति की माप के आधार पर समय की अवधि में राजस्व को मान्यता दी जाती है (इनपुट लागत विधि)

नोट [53]

वैश्विक स्तर पर कोविड 19 महामारी के प्रसार के परिणामस्वरूप राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन ने आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान एवं मंद गति का कारण बना। इसने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान कंपनी के परिचालनों को प्रभावित किया, जिसमें उत्तरोत्तर सुधार हुआ। इन वित्तीय विवरणों के अनुमोदन की तिथि तक की आंतरिक और बाहरी जानकारी के आधार पर, कंपनी को अपनी परिसंपत्तियों, निवेशों, व्यापार प्राप्तियों, अनुबंध परिसंपत्तियों और इन्वेंट्री की अग्रणीत राशि की वसूली की उम्मीद है। कंपनी भविष्य की आर्थिक स्थितियों की निगरानी करना और अपने वित्तीय विवरणों पर इसके प्रभाव का आकलन करना जारी रखेगी।

नोट [54] – इंड एएस–107 के अनुपालन में प्रकटीकरण [वित्तीय लिखित – लेखा वर्गीकरण और उचित मूल्य माप]

क नकद और नकद तुल्य, बैंक शेष, ऋण, व्यापार प्राप्य, व्यापार देयताएं और अन्य का उचित मूल्य उनकी वहन राशि का अनुमान लगाता है। व्यापारिक प्राप्तियों का मूल्यांकन अपेक्षित क्रेडिट हानि पर विचार करने के बाद किया जाता है। कंपनी मूल्यांकन तकनीक द्वारा वित्तीय लिखितों के उचित मूल्य का निर्धारण और खुलासा करने के लिए निम्नलिखित पदानुक्रम का उपयोग करती है।

उचित मूल्य पदानुक्रम

मूल्यांकन तकनीक में उपयोग किए गए इनपुट के आधार पर वित्तीय लिखितों का उचित मूल्य निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है।

स्तर 1: समान परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में कोटिड मूल्य (असमायोजित)।

स्तर 2: स्तर 1 के भीतर शामिल कोटिड कीमतों के अलावा अन्य इनपुट जो कि परिसंपत्ति या देयता के लिए प्रत्यक्ष (अर्थात, कीमतों के रूप में) या अप्रत्यक्ष रूप से (अर्थात, कीमतों से प्राप्त)।

स्तर 3: संपत्ति या देयता हेतु इनपुट जो अवलोकन योग्य बाजार डेटा पर आधारित नहीं हैं (अप्रचलित इनपुट)

(₹ करोड़ों में)

ख वित्तीय संपत्ति/ दायित्वों वर्गीकरण	आगे ले जाने वाली राशि	
	31 मार्च, 2021 का	31 मार्च, 2021 का
परिशोनिधि लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां		
व्यापारिक प्राप्य	**7214.81**	11642.10
नकद और नकद तुल्य	**1527.19**	1402.86
अन्य बैंक शेष राशि	**5174.26**	5015.73
ऋण	**-**	-
अन्य वित्तीय संपत्ति	**330.04**	345.91
लाभ और हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय संपत्ति		
निवेश (इक्विटी इंस्ट्रूमेंट)	**3.58**	3.09
परिशोनिधि लागत पर वित्तीय देनदारियां		
व्यापारिक देनदारियां	**8564.59**	9905.39
अन्य वित्तीय देनदारियां	**1146.30**	1589.64
वित्त लीज दायित्व	**101.61**	132.04
अल्पावधि उधार	**4849.28**	4947.92

(₹ करोड़ों में)

उचित मूल्य – आवर्ती उचित मूल्य पर मापी गई वित्तीय परिसंपत्तियां और देनदारियां	स्तर 3 पदानुक्रम	
	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
वित्तीय संपत्तियॉं:		
अनकोटिड इक्विटी उपकरणों में निवेश	**3.58**	3.09

ग. उचित मूल्य निर्धारण हेतु प्रयुक्त मूल्यांकन तकनीक

अनकोटिड इक्विटी उपकरण का उचित मूल्य स्तर 3 इनपुट का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है, जिसमें प्रति शेयर शुद्ध संपत्ति मूल्य के आधार पर निवेशकर्ता कंपनी के वित्तीय विवरणों के इनपुट शामिल होते हैं ।

एफवीटीपीएल परिसंपत्तियों के रूप में वर्गीकृत अनकोटिड इक्विटी शेयरों के उचित मूल्य माप का पुनर्मिलान

(₹ करोड़ों में)

31 मार्च, 2020 को	**3.09**
उचित मूल्य में परिवर्तन	0.49
31 मार्च, 2021 को	**3.58**

वित्तीय जोखिम प्रबंधन

उद्देश्य और नीतियां

कंपनी की गतिविधियाँ जो प्राकृतिक व्यापार के क्षेत्र में काम करने वाली किसी भी कंपनी के उत्पन्न विभिन्न वित्तीय जोखिमों को उजागर करने के लिए होती हैं। वित्तीय जोखिम का प्रबंधन हमेशा कंपनी की व्यावसायिक रणनीतियों और नीतियों का एक अभिन्न अंग रहा है। कंपनी अपने विभिन्न हितधारकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं के अनुरूप वित्तीय जोखिमों को दूर करने के लिए समय–समय पर अपनी नीतियों और दिशानिर्देशों की समीक्षा और उन्हें संरेखित करती है। वित्तीय लिखितों के उपयोग से जोखिम को निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:

क. ऋण जोखिम

ख. लिक्विडिटी जोखिम

ग. बाजार ज़ोखिम

यह नोट उपर्युक्त जोखिमों में से प्रत्येक के लिए कंपनी के जोखिम, कंपनी के उद्देश्यों, नीतियों और प्रक्रियाओं को मापने और प्रबंधन और कंपनी की पूंजी के प्रबंधन के बारे में जानकारी प्रस्तुत करता है। इन वित्तीय विवरणों में आगे मात्रात्मक खुलासे शामिल हैं।

जोखिम प्रबंधन ढांचा

बीएचईएल के पास एक बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन चार्टर और नीति है जो कंपनी में जोखिम प्रबंधन के लिए समग्र रूपरेखा प्रदान करता है। चार्टर का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि उपयुक्त जोखिम शमन उपायों को अपनाकर जोखिमों की सही पहचान, आकलन और प्रभावी तरीके से प्रबंधन किया जा रहा है। कंपनी के पास 3–परत जोखिम प्रबंधन ढांचा है। पहले स्तर पर, कंपनी के बोर्ड स्तर जोखिम प्रबंधन समिति (बीएलआरएमसी) को कंपनी के जोखिम शासन संरचना, जोखिम मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे, दिशानिर्देशों, नीतियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने की जिम्मेदारी सौंपी जाती है। दूसरे स्तर पर जोखिम प्रबंधन संचालन समिति (आरएमएससी) जोखिम प्रबंधन ढांचे को अपनाने और लागू करने और कंपनी भर में जोखिम प्रबंधन पहल का नेतृत्व करने के लिए जिम्मेदार है। मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) बीएलआरएमसी और आरएमएससी के संयोजक होने के नाते बोर्ड / बीएलआरएमसी को जोखिम प्रबंधन पर आवधिक रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार है। कंपनी द्वारा होने वाले प्रमुख जोखिमों का विश्लेषण यूनिट स्तर से उनके संबंधित क्षेत्रों के लिए जोखिम शमन योजना तैयार करने और कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए शुरू किया जाता है।

क्रेडिट जोखिम के लिए प्रबंधन

क्रेडिट जोखिम को व्यापार करने के रिस्क रिवार्ड संतुलन का एक अभिन्न अंग माना जाता है। बीएचईएल भारत और विदेशों में सरकारी क्षेत्रों (राज्य उपयोगिताओं, पीएसयू, रेलवे और अन्य सरकारी विभागों आदि) और निजी क्षेत्रों से संबंधित बिजली परियोजनाओं की स्थापना में शामिल है। परियोजनाएं आमतौर पर वित्तीय संस्थानों / बैंकों द्वारा वित्त पोषित होती हैं या भुगतान साख पत्र (एलसी) के माध्यम से कवर किए जाते हैं। परियोजना की अवधि 3 से 5 वर्ष तक होती है और भुगतान आमतौर पर अनुबंध की शर्तों के अनुसार चरणों में किया जाता है, जिसमें अग्रिम, प्रगति भुगतान, मील के पत्थर के भुगतान और इस तरह की परियोजनाओं के पूरा होने पर जारी किए जाने वाले रिटेंशन भी शामिल हैं। चूंकि अधिकांश ग्राहक सरकारी क्षेत्र से संबंधित हैं, इसलिए कुल प्राप्तियों का 81% इस तथ्य के साथ मिलकर बनता है कि कंपनी स्वयं एक सीपीएसई है, क्रेडिट जोखिम अपेक्षाकृत कम है। निजी क्षेत्रों के ग्राहकों के संबंध में, भुगतान की शर्तें मुख्य रूप से एलसी के माध्यम से हैं। कंपनी ने संगठन के भीतर विभिन्न स्तरों पर प्राप्तियों के लिए अच्छी तरह से समीक्षा तंत्र स्थापित किया है, ताकि कंपनी की नीतियों, प्रक्रियाओं और दिशा–निर्देशों के अनुरूप प्राप्ति पर ध्यान दिया जा सके। कंपनी क्षति हानि या लाभ का आकलन करने हेतु अपेक्षित क्रेडिट लॉस मॉडल का उपयोग करती है और उसी का खुलासा अन्यत्र किया जाता है। इसके अलावा, किसी भी घटना को संबोधित करने के लिए पर्याप्त प्रावधान बनाए हुए हैं।

क्रेडिट जोखिम अनावरण

वित्तीय परिसंपत्तियों की वहन राशि अधिकतम ऋण जोखिम का प्रतिनिधित्व करती है। रिपोर्टिंग तिथि पर क्रेडिट जोखिम के लिए अधिकतम जोखिम था:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
वित्तीय परिसंपत्तियां जिनके लिए 12 महीने की अनुमानित क्रेडिट हानि (ईसीएल) का उपयोग करके हानि भत्ता को मापा जाता है		
नकद और नकद तुल्य	**1527.19**	1402.86
अन्य बैंक शेष राशि	**5174.26**	5015.73
अन्य वित्तीय संपत्ति	**330.04**	345.91
वित्तीय परिसंपत्तियां जिनके लिए हानि भत्ता को लाइफ टाइम एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस (ईसीएल) सहित क्षति हानि सहित मूल्यांकन किया जाता है।		
व्यापारिक प्राप्य	**7214.81**	11642.10

क्रेडिट जोखिम सांद्रता– भौगोलिक	कुल राजस्व के प्रतिशत	
	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
भारत में	**92%**	92%
भारत के बाहर	**8%**	8%
	100%	100%

व्यापार प्राप्य, अनुबंध परिसंपत्तियों और अन्य प्राप्य के लिए क्रेडिट जोखिम हेतु कंपनी का प्रतिपक्ष के प्रकार के अनुसार जोखिम इस प्रकार है –

नोट	कुल व्यापार प्राप्तियों का प्रतिशत	
	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
रेलवे और सरकारी विभागों सहित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र	**36%**	34%
राज्य विद्युत बोर्ड	**43%**	47%
निजी और अन्य ग्राहक	**13%**	11%
निर्यात	**8%**	8%
	100%	100%

ii) क्षति हानि

(क) वित्तीय परिसंपत्तियां जिनके लिए 12 महीने की अपेक्षित क्रेडिट हानि का उपयोग करके हानि भत्ता मापा जाता है ।

कंपनी के पास ऐसी संपत्तियां हैं जहां प्रतिपक्षों के पास दायित्वों को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है और जहां डिफ़ॉल्ट का जोखिम बहुत कम है। वर्ष के दौरान ऋण के संबंध में हानि के लिए भत्ता में संचलन इस प्रकार था:

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
1 अप्रैल को शेष राशि	**32.38**	22.34
क्षति हानि स्वीकृत/बट्टे खाते में/ आहरण	**(0.43)**	10.04
31 मार्च को शेष राशि	**31.95**	32.38

(ख) क्षति हानि प्रावधानों का पुनर्मिलान

वर्ष के दौरान व्यापार प्राप्तियॉं और अनुबंध परिसंपत्तियों के संबंध में हानि हेतु भत्ता में इस प्रकार था:

(₹ करोड़ों में)

	31 मार्च, 2021 को	31 मार्च, 2020 को
1 अप्रैल को शेष राशि	**6250.62**	7053.30
क्षति हानि स्वीकृत	**1015.36**	655.58
बट्टे खाते में डाली राशि	**(1233.25)**	(1458.26)
31 मार्च को शेष राशि	**6032.73**	6250.62

कंपनी निवेश नीति के अनुसार डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप और बोर्ड द्वारा अनुमोदन के आधार पर अधिशेष कोष में से निवेश करती है। नकद और नकद समकक्षों और सावधि जमाओं पर क्रेडिट जोखिम बहुत सीमित है क्योंकि कंपनी आमतौर पर "क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों" द्वारा सौंपी गई उच्च क्रेडिट रेटिंग वाले बैंकों और वित्तीय संस्थानों के साथ जमा में निवेश करती है।

ख) संपत्ती जोखिम के लिए प्रबंधन

कंपनी सावधि जमा सहित पर्याप्त नकदी और नकदी समतुल्य बनाए रखने और क्रेडिट सुविधाओं की पर्याप्त मात्रा के माध्यम से और जब और जिस तरह से देय हो, को पूरा करने के लिए निधि की उपलब्धता को बनाए रखकर तरलता जोखिम का प्रबंधन करती है। मजबूत नकदी प्रबंधन प्रणाली और नकदी प्रवाह की नियमित निगरानी प्रबंधन को वर्ष भर में अपनी निधि की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्रोतों की योजना बनाने और बनाए रखने में सक्षम बनाती है। पर्याप्त नकदी और बैंक बैलेंस के अलावा, कंपनी क्रेडिट सुविधाओं का उपयोग करती है। कंपनी आंतरिक संसाधनों से अपने सभी फंड की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है यानी निवेश से मिलने वाले रिटर्न को ऑप्टिमाइज़ करने के लिए बेहतर ट्रेजरी मैनेजमेंट ऑपरेशंस के लिए इस्तेमाल होने वाले शॉर्ट टर्म उधार के जरिए।

संविदात्मक नकदी प्रवाह के आधार पर, गैर–व्युत्पन्न वित्तीय देनदारियों की संविदात्मक परिपक्वताएं निम्नलिखित हैं:

(₹ करोड़ों में)

वित्तीय देनदारियों	31 मार्च, 2021		31 मार्च, 2020	
	1 वर्ष के भीतर	1 वर्ष से अधिक	1 वर्ष के भीतर	1 वर्ष से अधिक
व्यापारिक देय	**6683.51**	**1881.08**	8829.16	1076.23
ठेकेदारों और अन्य लोगों से जमा	**447.92**	**211.01**	492.10	150.99
वित्तीय लीज देयताएँ	**48.20**	**53.41**	56.67	75.37
अन्य देय / देयताएँ				
कर्मचारी बकाया	**126.88**	**-**	289.10	-
अन्य बकाया	**297.29**	**-**	566.69	-
कैपेक्स देय राशि	**57.49**	**5.71**	82.73	8.03
अल्पावधि उधार	**4849.28**	**-**	4947.92	-
कुल	**12510.57**	**2151.21**	**15264.37**	**1310.62**

ग. बाजार जोखिम प्रबंधन

कंपनी अपने परिचालन से उत्पन्न होने वाली कुछ मुद्रा, व्यापारिक वस्तुएं, ब्याज दर जोखिमों के संपर्क में रहती है। विदेशी मुद्रा जोखिमों को कवर करने के लिए कंपनी के पास विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है। कंपनी प्रमुख व्यापारिक वस्तुओं के मूल्य में अस्थिरता के प्रतिकूल को पृथक करने हेतु, आपूर्तिकर्ताओं और ग्राहकों सहित आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों के साथ दावों के माध्यम से मूल्य पास सहित रूपरेखा समझौते नियमित रूप से दर्ज किए जा रहे हैं। परिचालन से उत्पन्न अधिशेष निधियों को केवल पीएसयू बैंकों या बड़े आकार के निजी बैंकों के साथ अल्पावधि जमा में निवेशित रखा जाता है और सार्वजनिक क्षेत्र के म्यूचुअल फंडों की ऋण आधारित योजनाओं में, जिससे जोखिम के किसी भी अवसर को कम किया जा सके।

विदेशी मुद्रा जोखिम एक्सपोजरः– कंपनी का एक्सपोजर रिपोर्टिंग अवधि के अंत में विदेशी मुद्रा जोखिम निम्नानुसार हैं:

(i) 31.03.2021 को प्राप्त किए गए व्युत्पन्न उपकरण कुछ नहीं (पिछले वर्ष के कुछ नहीं) हैं

(ii) विदेशी मुद्रा एक्सपोज़र जो एक व्युत्पन्न लिखित द्वारा रोका नहीं जाता है या भिन्न प्रकार से निम्नानुसार हैं:

वि.मु. ₹ लाख में

(₹ करोड़ों में)

विवरण	31 मार्च 2021 तक		31 मार्च 2020 तक		31 मार्च 2021 को	31 मार्च 2020 को
संपत्ति	यूरो	समतुल्य भा.रू.	यूरो	समतुल्य भा.रू.	अन्य भा.रू.	अन्य भा.रू.
व्यापारिक प्राप्य	**101.84**	**871.66**	148.34	1217.60	**1.35**	6.34
अनुबंध संपत्ति	**239.80**	**2056.26**	252.85	2075.37	**66.87**	70.83
अन्य संपत्ति	**13.68**	**110.08**	15.40	122.58	**144.71**	245.63
उप कुल (अ)	**355.32**	**3038.00**	416.59	3415.55	**212.93**	322.80
उत्तरदायित्व						
ग्राहक से अग्रिम	**41.03**	**281.34**	42.30	294.89	**40.97**	37.56
व्यापारिक भुगतान एवं अन्य	**39.42**	**343.91**	60.20	507.94	**107.92**	209.13
उप कुल (ब)	**80.45**	**625.25**	102.50	802.83	**148.89**	246.69
संपत्ति (कुल उत्तरदायित्व)	**274.87**	**2412.75**	314.09	2612.72	**64.04**	76.11

विवरण	31 मार्च 2021 को		31 मार्च 2020 को	
संपत्ति	यूएसडी	समतुल्य भा.रू.	यूएसडी	समतुल्य भा.रू.
व्यापारिक प्राप्तियाँ	**79.62**	**582.87**	130.45	978.26
अनुबंध संपत्ति	**316.33**	**2315.32**	335.04	2512.53
अन्य संपत्ति	**0.90**	**6.79**	8.20	60.41
उप कुल (अ)	**396.85**	**2904.99**	473.69	3551.20
उत्तरदायित्व				
ग्राहक से अग्रिम	**115.93**	**675.39**	164.40	1037.62
व्यापारिक एवं अन्य प्राप्तियाँ	**144.50**	**1070.18**	196.70	1496.11
अल्पावधि उधार	**46.68**	**345.06**	118.67	900.79
उप कुल (ब)	**307.11**	**2090.63**	479.77	3434.52
संपत्ति (कुल उत्तरदायित्व)	**89.74**	**814.36**	(6.08)	116.68

उपर्युक्त आंकड़े प्रावधानों के शुद्ध हैं, यदि कोई हो

संवेदनशीलता विश्लेषण

वर्ष के अंत में भारतीय रुपया के अमरीकी डालर, यूरो और अन्य के रूप मजबूत /कमजोर होने के लाभ या हानि पर प्रभाव को नीचे दिखाया गया है। विश्लेषण विदेशी मुद्रा विनिमय दर संस्करण पर आधारित है जिसे कंपनी ने समीक्षाधीन अवधि के अंत में यथोचित रूप से संभव माना है। विश्लेषण पिछले वर्ष के आधार पर किया जाता है, यद्यपि यह संभव है कि विदेशी मुद्रा विनिमय दर भिन्न हो, जैसा कि नीचे दिया गया है।

विवरण	31 मार्च 2021 को		31 मार्च 2020 को	
लाभ/हानि पर प्रभाव	सुदृढ़	अदृढ़	सुदृढ़	अदृढ़
1% संचलन				
यूरो	**24.13**	**(24.13)**	26.13	(26.13)
यूएसडी	**8.14**	**(8.14)**	1.17	(1.17)
अन्य	**0.64**	**(0.64)**	0.76	(0.76)

घ. पूंजी प्रबंधन

कंपनी का उद्देश्य, पूंजी का प्रबंधन करते हुये शेयरधारकों के लिए अधिकतम लाभ प्रदान करने, अन्य हितधारकों को लाभ प्रदान करने और पूंजी की लागत को कम करने के लिए एक इष्टतम पूंजी संरचना बनाए रखने के लिए अपनी चिंता को सुरक्षित रखने, संरक्षित करने और बढ़ाने के लिए व्यापार को जारी रखना है। निदेशक मंडल इक्विटी शेयरधारकों के लाभांश के स्तर को भी नियंत्रित करता है। कंपनी आमतौर पर मध्यम एवं दीर्घकालिक अवधि के दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए उद्योग और साथ ही रेटिंग एजेंसियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कई वित्तीय अनुपातों के आधार पर पूंजी की निगरानी करती है कंपनी बाहरी रूप से लगाए गए पूंजी आवश्यकताओं के अधीन नहीं है। कंपनी की पूंजी संरचना को विभिन्न वित्तीय अनुपातों के विरूद्ध प्रबंधित किया जाना उच्चतम क्रेडिट रेटिंग बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

नोट [55] – समेकित परिचालन खंड

संबंधित व्यावसायिक क्षेत्रों द्वारा बुक किए गए आदेशों के आधार पर सेगमेंट की पहचान "पावर" और "उद्योग" के रूप में की जाती है। इंटरनेशनल ऑपरेशन ग्रुप द्वारा बुक किए गए ऑर्डर को यथास्थिति पावर या इंडस्ट्री में ले जाया जाता है।

कार्यकारी निदेशकों की कंपनी की समिति को मुख्य परिचालन निर्णय निर्माता के रूप में पहचाना गया है (सीओडीएम)

(₹ करोड़ों में)

	विवरण	31.3.2021 को समाप्त वर्ष के लिए			31.3.2020 को समाप्त वर्ष के लिए		
		पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
I.	**सेगमेंट राजस्व**						
	परिचालन राजस्व–बाहरी	**11386.05**	**4909.75**	**16295.80**	14960.44	5534.15	20494.59
II.	**सेगमेट परिणाम**						
क	सेगमेंट परिणाम	**(1246.16)**	**(856.62)**	**(2102.78)**	804.30	(210.71)	593.59
ख	आबंटित व्यय (आय का शुद्ध)			**1119.20**			744.21
ग	वित्तीय लागत और आयकर से पूर्व का शुद्ध लाभ (क)–(ख)			**(3221.98)**			(150.62)
घ	वित्तीय लागत(इसमें ब्याज की छूट शामिल)			**373.95**			508.45
ड.	आयकर से पूर्व का शुद्ध लाभ (ग) – (घ)			**(3595.93)**			(659.07)
च	आयकर			**(896.23)**			809.28
छ	आयकर के बाद शुद्ध लाभ (ड.) – (च)			**(2699.70)**			(1468.35)
III	**संपत्ति और दायित्व**						
क	सेगमेंट संपत्ति	**35954.72**	**8441.74**	**44396.46**	41649.31	9442.52	51091.83
ख	सामान्य संपत्ति			**10843.75**			8656.73
ग	कुल संपत्ति			**55240.21**			59748.56
घ	सेगमेंट दायित्व	**19221.65**	**4492.64**	**23714.29**	21370.29	4779.80	26150.09
ड.	सामान्य दायित्व			**5553.91**			4946.82
च	कुल दायित्व			**29268.20**			31096.91
IV	**अन्य जानकारियॉं**						
क	पूंजीगत व्यय	**112.23**	**38.05**		243.40	107.83	
ख	अवमूल्यन और परिशोनिधि	**306.68**	**118.68**		320.44	136.14	
ग	गैर नगद व्यय (अवमूल्यन और परिशाधन के अलावा)	**1302.02**	**499.07**		820.48	74.51	

	भौगोलिक सेगमेंट	भारत में	भारत से बाहर	कुल	भारत में	भारत से बाहर	कुल
1	परिचालन से शुद्ध बिक्री / राजस्व	**14440.72**	**1855.08**	**16295.80**	16673.56	3821.03	20494.59
2.	गैर– चालू संपत्ति (पीपीई और अमूर्त संपत्ति)	**2884.28**	**26.42**	**2910.70**	3089.00	42.12	3131.12
3.	पूंजीगत व्यय	**235.07**	**2.45**	**237.52**	402.62	12.71	415.33

प्रमुख ग्राहक– बीएचईएल के कुल राजस्व का 10% से अधिक एकल ग्राहक से राजस्व का विवरण

विवरण	पावर	उद्योग	कुल	पावर	उद्योग	कुल
बीआईएफपीसीएल (बांग्लादेश)	**1653.65**	**-**	**1653.65**	3277.17	-	3277.17
सीपीएसयू	**2824.59**	**1791.55**	**4616.14**	3007.04	2324.72	5331.76
रेलवे	**-**	**1497.64**	**1497.64**	-	1434.87	1434.87
टीएसजीएनसीओ	**1664.61**	**-**	**1664.61**	2178.63	-	2178.63

नोट [56] – अतिरिक्त जानकारी

(₹ करोड़ों में)

समूह में इकाई का नाम	वित्तीय वर्ष	कुल संपत्ति, अर्थात, कुल संपत्ति(–) कुल देयताएं		लाभ या हानि में हिस्सेदारी		अन्य व्यापक आय में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
		समेकित नेट परिणामों का %	राशि	समेकित लाभ या हानि का % में	राशि	कुल अन्य व्यापक आय % में	राशि	कुल व्यापक आय % में	राशि
बीएचईएल	**2020-21**	**99.39**	**25813.96**	**101.44**	**(2738.56)**	**99.65**	**19.98**	**101.45**	**(2718.58)**
	2019-20	99.51	28651.65	101.43	(1489.28)	100.05	(273.88)	101.21	**(1763.16)**
सहायक कंपनी–									
बीएचईएल इलेक्ट्रिकल मशीन लिमिटेड (बीएचईएल ईएमएल)	**2020-21**	**(0.05)**	**(12.10)**	**0.10**	**(2.69)**	**0.00**	**0.00**	**0.10**	**(2.69)**
	2019-20	(0.03)	(9.44)	0.17	(2.44)	(0.00)	0.01	0.14	**(2.43)**
बीएचईएल ईएमएल में गैर–नियंत्रण में ब्याज	**2020-21**	**(0.04)**	**(11.62)**	**0.10**	**(2.59)**	**0.00**	**0.00**	**0.10**	**(2.59)**
	2019-20	(0.03)	(9.07)	0.16	(2.35)	0.00	0.00	0.13	**(2.35)**
संयुक्त उद्यम (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश) –									
बीएचईएल–जीई गैस टर्बाइन सर्विसेज प्राईवेट लिमिटेड	**2020-21**	**0.70**	**181.76**	**(1.63)**	**44.14**	**0.35**	**0.07**	**(1.65)**	**44.21**
	2019-20	0.55	158.97	(1.75)	25.72	(0.05)	0.13	(1.48)	**25.85**
एनटीपीसी–बीएचईएल पावर प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	**2020-21**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
	2019-20	-	-	-	-	-	-	-	**-**
रायचुर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड	**2020-21**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**
	2019-20	-	-	-	-	-	-	-	**-**
कुल	**2020-21**	**100.00**	**25972.00**	**100.00**	**(2699.70)**	**100.00**	**20.05**	**100.00**	**(2679.65)**
	2019-20	100.00	28651.65	100.00	(1468.35)	100.00	(273.74)	100.00	**(1742.09)**

नोट [57]

12 महीने की अवधि को परिचालन चक्र के रूप में मानते हुये परिसंपत्तियों और देयताओं को चालू और गैर–चालू के बीच वर्गीकृत किया गया है।

नोट [58]

वर्ष के अंत में 7.07% (पिछले वर्ष का 7.07%) पर उधार की भारित औसत लागत को दीर्घकालिक प्रावधानों के वर्तमान मूल्य और अपेक्षित ऋण हानि के लिए मान्य किया गया है।

नोट [59]

पूर्व की अवधि की त्रुटियां जो भौतिक हैं पूर्वव्यापी रूप से प्रस्तुत किए गए पूर्व अवधियों के लिए तुलनात्मक राशि को बहाल करके पूर्वव्यापी तरीके से ठीक की जाती हैं।प्रस्तुत की गई प्रारंभिक अवधि से पहले हुई त्रुटि के लिए, प्रस्तुत की गई प्रारंभिक अवधि के लिए परिसंपत्तियों, देनदारियों और इक्विटी के शुरुआती संतुलन को बहाल किया जाता है।

नोट [60]

करोड़ रुपये के आंकड़ों को दशमलव के दो अंकों तक राउंड ऑफ किया गया है

नोट [61]

जहां आवश्यक समझा गया, पिछले वर्ष के आंकड़ों को फिर से व्यवस्थित / पुनर्व्यवस्थित किया गया।

नोट [62]

निदेशक मंडल ने 11 जून, 2021 को आयोजित बैठक में वित्तीय विवरण 2020–21 जारी करने के लिए अधिकृत किया है।

निदेशक मंडल की ओर से एवं उनके लिए

(राजीव कालड़ा) कंपनी सचिव सद.संख्या 14567	**(सुबोध गुप्ता)** निदेशक (वित्त) डीआईएनः 08113460	**(डॉ. नलिन सिंघल)** अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डीआईएनः 01176857

समान तिथि को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते राज हर गोपाल एवं कंपनी चार्टड एकाउंटेंट एफआरएन – 002074N	**कृते तिवारी एवं एसोसिएट्स** चार्टड एकाउंटेंट एफआरएन – 002870N	**कृते महेश सी सोलंकी एंड कंपनी** चार्टड एकाउंटेंट एफआरएन – 006228C
(सीए गोपाल कृष्ण) भागीदार सद.संख्या 081085	**(सीए संदीप सेंडिल)** भागीदार सद.संख्या 085747	**(सीए प्रियंका जाजू)** भागीदार सद.संख्या 411739

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 11 जून, 2021

हितधारकों के लिए अतिरिक्त जानकारी

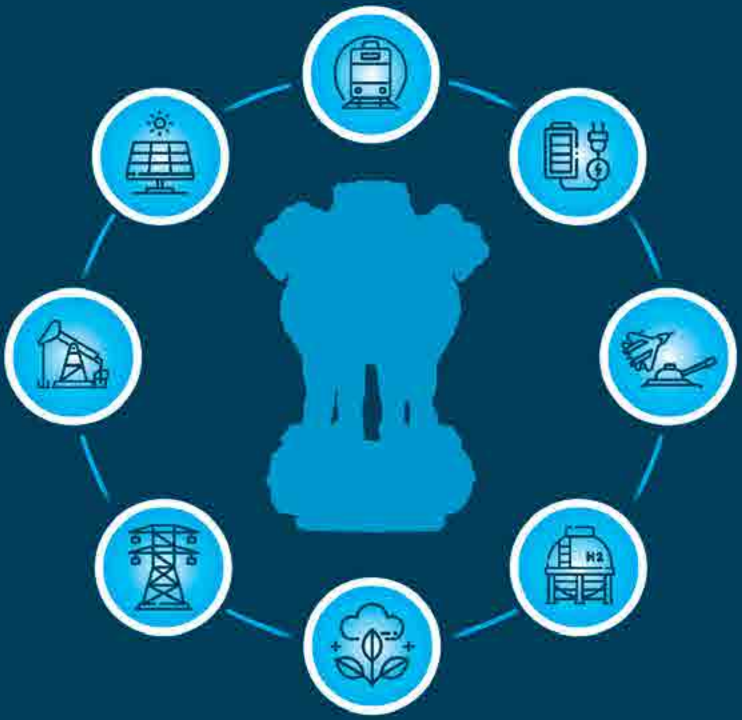

वित्तीय निष्पादन प्रवृति 320

वर्षवार पूंजी व्यय 323

मूल्य वर्धित विवरण 323

उत्पाद सूची 324

शब्दावली एवं संक्षेपाक्षर 331

शब्दावली (वित्तीय पद) 332

वित्तीय निष्पादन प्रवृत्ति

क्रं. सं.	विवरण	इकाई	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
	प्राप्त आदेश	रू. करोड़ में	**13472**	23547	23859	40932	23489
	बकाया आदेश	रू. करोड़ में	**102090**	108443	108680	118000	105200
क.	**वित्तीय परिणाम**	रू. करोड़ में					
I	**आय**	रू. करोड़ में					
	राजस्व	रू. करोड़ में	**16296**	20491	29423	27850	27740
	अन्य परिचालन आय	रू. करोड़ में	**1013**	969	1000	963	859
	परिचालनों से राजस्व (अ)	रू. करोड़ में	**17308**	21459	30423	28813	28599
	अन्य आय (ब)	रू. करोड़ में	**370**	581	678	694	766
	कुल (I= अ+ब)	रू. करोड़ में	**17678**	22040	31101	29507	29365
II	**परिचालन व्यय**	रू. करोड़ में					
	सामग्री खपत, इरेक्शन व इंजीनियरिंग व्यय	रू. करोड़ में	**11360**	15080	19249	15793	16542
	एफजी, डब्ल्यूआईपी व स्क्रेप की मालसूची में परिवर्तन	रू. करोड़ में	**511**	(1042)	(991)	736	994
	कर्मचारी लाभ व्यय	रू. करोड़ में	**5372**	5427	5502	5911	6360
	अन्य व्यय	रू. करोड़ में	**1799**	2429	2760	2522	2844
	विनिमय परिवर्तन (लाभ)/हानि (शुद्ध)	रू. करोड़ में	**(66)**	(435)	(67)	(520)	270
	प्रावधान	रू. करोड़ में	**1467**	233	1837	2438	528
	मूल्यह्रास व परिशोधन व्यय	रू. करोड़ में	**473**	503	475	786	849
	वित्तीय लागत	रू. करोड़ में	**373**	507	287	255	351
	कुल (II)	रू. करोड़ में	**21290**	22702	29053	27922	28737
III	**परिचालन लाभ /(हानि) (अ-II)**	रू. करोड़ में	**(3982)**	(1243)	1370	891	(138)
IV	**कर पूर्व लाभ /(हानि) (I-II)**	रू. करोड़ में	**(3612)**	(662)	2048	1585	628
	कर व्यय (शुद्ध)	रू. करोड़ में	**(894)**	811	839	778	132
V	**कर पश्चात लाभ /(हानि)**	रू. करोड़ में	**(2717)**	(1473)	1209	807	496
	अन्य व्यापक आय	रू. करोड़ में	**20**	(274)	(120)	83	(29)
VI	**कुल व्यापक आय**	रू. करोड़ में	**(2697)**	(1747)	1089	890	467
	लाभांश भुगतान	रू. करोड़ में	**-**	-	696	668	387
	लाभांश वितरण कर	रू. करोड़ में	**-**	-	143	136	79
	ईबीआईडीटी	रू. करोड़ में	**(3239)**	(155)	2335	1840	979
	ईबीआईडीटीए	रू. करोड़ में	**(2765)**	348	2810	2626	1828
	नकदी प्रवाह:	रू. करोड़ में					
	परिचालन गतिविधियों से	रू. करोड़ में	**562**	(2892)	(3856)	991	562
	निवेश गतिविधियों से	रू. करोड़ में	**(43)**	1877	1915	964	(566)
	वित्तीय गतिविधियों से	रू. करोड़ में	**(395)**	1622	(32)	(671)	(470)

वित्तीय निष्पादन प्रवृत्ति

क्रं. सं.	विवरण	इकाई	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
ख.	**वित्तीय स्थिति (परिसंपत्ति, इक्विटी और देयताएं)**						
VII	**परिसंपत्तियां**						
	संपत्ति, प्लांट व उपकरण एवं अमूर्त परिसंपत्तियां	रू. करोड़ में	**2488**	2814	2967	3069	3596
	विकासशील पूंजी डब्ल्यूआईपी एवं अमूर्त परिसंपत्तियां	रू. करोड़ में	**420**	314	235	203	168
	गैर चालू निवेश	रू. करोड़ में	**670**	670	669	691	661
	गैर चालू परिसंपत्तियों के अतिरिक्त	रू. करोड़ में	**365**	321	362	291	282
	व्यापार प्राप्य (शुद्ध)	रू. करोड़ में	**7213**	11641	15796	17303	12779
	अनुबंध संपत्ति (शुद्ध)	रू. करोड़ में	**24079**	23794	22819	18491	19084
	नकद और बैंक शेष	रू. करोड़ में	**6701**	6419	7503	11176	10492
	मालसूची	रू. करोड़ में	**7191**	8905	7797	6025	7372
	आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध)	रू. करोड़ में	**3660**	2756	3497	3605	3841
	अन्य मौजूदा परिसंपत्तियों	रू. करोड़ में	**2913**	2601	2784	2911	2954
	कुल संपत्ति	रू. करोड़ में	**55701**	60236	64431	63764	61230
VIII	**इक्विटी**						
	इक्विटी शेयर पूंजी	रू. करोड़ में	**696**	696	696	734	490
	अन्य इक्विटी	रू. करोड़ में	**25788**	28485	30735	31905	31805
	कुल इक्विटी	रू. करोड़ में	**26484**	29181	31432	32640	32294
IX	**देयताएं**						
	उधारी	रू. करोड़ में	**4834**	4933	2432	-	-
	व्यापार देयताएं	रू. करोड़ में	**8559**	9900	12078	11066	9340
	अनुबंध देयताएं	रू. करोड़ में	**6864**	6718	6839	7573	8245
	अन्य गैर चालू देयताएं	रू. करोड़ में	**295**	266	225	199	199
	गैर चालू प्रावधान	रू. करोड़ में	**3913**	4212	5463	4923	5001
	अन्य चालू देयताएं	रू. करोड़ में	**1589**	1943	3477	3574	1958
	वर्तमान प्रावधान	रू. करोड़ में	**3164**	3082	2486	3790	4192
	कुल देनदारियों	रू. करोड़ में	**29217**	31054	32999	31125	28936
X	**कुल इक्विटी और देयताएं (VIII+IX)**	रू. करोड़ में	**55701**	60236	64431	63764	61230
	इक्विटी शेयर (प्रत्येक का ₹ 2 अंकित मूल्य)	न. करोड़ में	**348**	348	348	367	245
	वर्ष के अंत में बाजार पूंजीकरण	रू. करोड़ में	**16975**	7243	26081	29885	39920
	निवल मूल्य	रू. करोड़ में	**26484**	29181	31432	32640	32294
	निवल मूल्य (ओसीआई को छोड़कर)	रू. करोड़ में	**26879**	29596	31573	32662	32400
	नियोजित पूंजी	रू. करोड़ में	**22405**	26111	27699	28832	28285
XI	**मानव संसाधन**	No.	**32131**	33752	35471	37540	39821
	कार्यपालक	No.	**9742**	10075	10400	10943	11525
	गैर कार्यपालक	No.	**22389**	23677	25071	26597	28296

वित्तीय निष्पादन प्रवृत्ति

क्रं. सं.	विवरण	इकाई	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
XII	**वित्तीय निष्पादन अनुपात**						
1	निवल संपत्ति पर आय	%	**(9.62)**	(4.82)	3.76	2.48	1.54
2	नियोजित पूंजी पर आय	%	**(14.45)**	(0.59)	8.43	6.38	3.46
3	इबीआइटीए मार्जिन	%	**(16.97)**	1.70	9.55	9.43	6.59
4	परिचालन लाभ मार्जिन	%	**(23.01)**	(5.79)	4.50	3.09	(0.48)
5	प्रति कर्मचारी राजस्व	रू. लाख में	**51**	61	83	74	70
6	कर्मचारी लाभ व्यय का प्रति रुपया राजस्व	₹	**3.03**	3.78	5.35	4.71	4.36
XIII	**तुलन पत्र अनुपात**						
1	वर्तमान अनुपात	अनुपात	**1.39**	1.45	1.67	1.92	2.13
2	राजस्व के % रूप में नकद संग्रहण (अग्रिम को छोड़कर)	%	**123**	120	91	85	97
3	चालू वर्ष के शुद्ध बिलिंग का लिक्विडेशन	%	**82**	73	59	56	71
4	प्राप्य व्यापार (दिनों की संख्या)	दिन	**134**	175	165	192	154
5	माल सूची (दिनों की संख्या)	दिन	**161**	159	97	79	97
6	परिसंपत्ति कारोबार	समय	**0.29**	0.34	0.46	0.44	0.45
XIV	**राजकोष में योगदान**	रू. करोड़ में	**2948**	3999	5732	4682	3213
XV	**प्रति शेयर आय**						
1	प्रति शेयर आमदनी	(₹)	**(7.80)**	(4.23)	3.33	2.20	1.35
2	प्रति शेयर निवल मूल्य	(₹)	**76.06**	83.80	90.27	88.90	87.96
3	वर्ष के अंत में प्रति शेयर बाजार मूल्य (बीएसई)	(₹)	**48.75**	20.80	74.90	81.40	163.10
4	बाजार मूल्य का बुक मूल्य से	अनुपात	**0.64**	0.25	0.83	0.92	1.24
XVI	**खंड राजस्व**						
	पावर खंड	रू. करोड़ में	**11386**	14960	23474	22881	22795
	उद्योग खंड	रू. करोड़ में	**4910**	5530	5949	4969	6046
	कुल	रू. करोड़ में	**16296**	20491	29423	27850	28840
	खंड शेयर						
	पावर खंड	%	**70**	73	80	82	79
	उद्योग खंड	%	**30**	27	20	18	21

I पिछले वर्ष के आंकड़ों को जहां आवश्यक समझा गया, पुनर्समूहित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।
II परिचालनों से टर्नओवर व राजस्व में उत्पाद शुल्क व कर सम्मिलित नहीं है।
III लाभांश भुगतान अंतरिम लाभांश एवं वर्ष के लिए प्रस्तावित अंतिम लाभांश है।
IV वित्तीय वर्ष 2018–19 के वर्षान्त इक्विटी शेयर पूंजी जनवरी 2019 में बायबैक के पश्चात है।
V 2017–18 में बोनस शेयर 1:2 के अनुपात में जारी किए गए थे। 2016–17 के लिए प्रति शेयर आय और प्रति शेयर निवल मूल्य को बोनस जारी करने के बाद पुनर्घोषणा की गई है।

टिप्पणी:
1 ईबीआईटी = पीबीटी+वित्त लागत
2 ईबीआईटीए = ईबीआईटी + मूल्यह्रास एवं परिशोधन
3 नियोजित पूंजी = नेट वर्थ–कैपिटल डब्ल्यूआईपी एवं विकास के अंतर्गत अमूर्त संपत्ति – आस्थगित कर
4 नेट वर्थ पर आमदनी = (पीएटी/औसत नेट वर्थ को छोड़कर ओसीआई)x100
5 नियोजित पूंजी पर आमदनी = ईबीआईटी/पूंजी नियोजित x 100
6 एबिटा मार्जिन: = ईबीआईटीए /राजस्व x 100
7 परिचालन लाभ मार्जिन = ऑपरेटिंग प्रॉफिट/ऑपरेशंस से रेवेन्यूx100
8 चालू अनुपात = चालू संपत्ति/चालू देनदारियां
9 नकद संग्रह राजस्व के% के रूप में = अग्रिम/राजस्व को छोड़कर नकद संग्रह
10 व्यापार प्राप्य (दिन की संख्या) = व्यापार प्राप्य x 365 / परिचालन से राजस्व (जीएसटी सहित)
11 इन्वेंटरी (दिन की संख्या) = इन्वेंटरी x 365/राजस्व
12 एसेट टर्नओवर = रेवेन्यू/कुल एसेट्स

वर्षवार पूंजी व्यय

(₹ करोड़ में)

निवेश श्रेणी	2020-21	2019-20	2018-19	2017-18	2016-17
योजनाएं	**129**	137	112	19	210
आधुनिकीकरण और युक्तिकरण, अन्य	**36**	136	61	164	51
ग्राहक परियोजना संबंधित पूंजी निवेश	**23**	63	99	66	33
कुल	**188**	336	272	249	294

मूल्य वर्धित विवरण

(₹ in Crore)

विवरण	2020-21		2019-20	
राजस्व (जीएसटी सहित)	18688		23328	
अन्य राजस्व	1383	**20071**	1549	**24877**
घटाएँ:				
सामग्री की लागत, निर्माण व इंजीनियरिंग व्यय	11871		14038	
विद्युत एवं ईंधन	319		459	
अन्य परिचालन व्यय	2882	**15072**	1769	**16265**
कुल मूल्यवर्धन		**4999**		**8612**
वितरण:				
कर्मचारियों को:				
कर्मचारी लाभ व्यय		**5372**		**5427**
पूंजी प्रदाता को				
वित्तीय लागत	373		507	
लाभांश	-	**373**	418	**925**
सरकार को:				
माल एवं सेवा कर	2392		2837	
आयकर	16		2	
लाभांश वितरण कर	-	**2408**	86	**2925**
व्यवसाय में यथावत:				
मूल्यह्रास और परिशोधन	473		503	
आस्थगित आयकर (संपत्ति) / देयताएं	(910)		809	
अन्य इक्विटी में स्थानांतरण – (हानि) / लाभ	(2717)	**(3154)**	(1977)	**(665)**
कुल		**4999**		**8612**

बीएचईएल के उत्पादों की सूची

थर्मल पावर प्लांट

- जीवाश्म ईंधन के लिए 1000 मेगावाट क्षमता तक के एवं कंबाईंड साईकल एप्लीकेशन 350 मेगावाट क्षमता तक वाले पुनर्योजी (रिजर्वेटिव) फ़ीड चक्र के साथ सहायक प्रणालीयों सहित स्टीम जनरेटर, स्टीम टरबाईन, टर्बो जनरेटर के विनिर्माण व आपूर्ति की क्षमता।
- 1000 मेगावाट तक की क्षमता या इससे अधिक क्षमता के टरबाइन और जनरेटर सेट और स्टीम जनरेटर के साथ फिट होने के लिए हवा और पानी से ठंडा होने वाले कंडेनसर, कंडेनसेट एक्सट्रैक्शन पंप, बॉयलर फीड पंप, डुप्लेक्स हीटर, वाल्व और हीट एक्सचेंजर्स।
- ऊर्जा दक्ष नवीकरण और आधुनिकीकरण (ईई आर एंड एम), पुराने थर्मल पावर प्लांटों(संयंत्रों) के जीवन विस्तार (एलई) का अध्ययन और उनके शेष जीवन का मूल्यांकन (आरएलए)।

परमाणु (न्यूक्लियर) पावर प्लांट

- न्यूक्लियर पावर प्लांट्स के लिए रिएक्टर साइड घटक (कंपोनेंट्स) जैसे – स्टीम जेनरेटर, रिएक्टर हेडर्स, एंड शील्ड्स, स्पेशल पर्पज (विशेष उद्देश्य) हीट एक्सचेंजर्स, प्रेशर वेसल्स, मोटर्स आदि।
- पीएचडबल्यूआर (उच्च दबाव वाले वाटर रिएक्टरों), एफ़बीआर (फास्ट ब्रीडर रिएक्टर) और एएचडबल्यूआर (एडवांस्ड हेवी वाटर रिएक्टर) जिसमें तीन टर्बाइन, टर्बो जनरेटर, एमएसआर (मोइश्चर सेपरेटर रिहिटर्स) अन्य हीट एक्सचेंजर्स और पंप शामिल हैं, जो ईपीसी समाशान भी प्रदान करते हैं।

गैस आधारित पावर प्लांट

- निम्नलिखित विशेषताओं के साथ 26 मेगावाट से 299 मेगावाट (आईएसओ) रेटिंग तक के गैस टर्बाइन और उनके जनरेटर:
  - उद्योग और यूटिलिटी (उपयोगिता) अनुप्रयोगों के लिए गैस टरबाइन आधारित सह–उत्पादन और संयुक्त–चक्र प्रणाली
  - विभिन्न मिश्रित संयोजनों के ईंधन को जलाने की क्षमता के साथ विभिन्न प्रकार के ईंधनों (गैसीय और तरल दोनों) को जलाने की क्षमता।
  - ड्राई लो NOx (डीएलएन) कंबस्तर (दहन) और शोर को कम करने हेतु उत्सर्जन स्तर की आवश्यकता को 15 पीपीएम तक कम करना।

हाइड्रो पावर प्लांट

- काप्लान, फ्रांसिस और पेल्टन टाइप के कस्टम बिल्ट पारंपरिक 300 मेगावॉट तक के हाइड्रो टरबाइनों के मैचिंग जनरेटरों सहित टर्नकी कॉन्ट्रैक्ट
- 250 मेगावाट तक के मोटर–जनरेटर के साथ मैचिंग वाले पंप टर्बाइन।
- 10 मेगावॉट तक के जेनरेटरों के साथ मैचिंग वाले बल्ब टर्बाइन।
- लिफ्ट सिंचाई योजनाओं (150 मेगावाट तक) की मोटरों के साथ मैचिंग वाले उच्च क्षमता के पंप।
- 25 मेगावाट तक की रेटिंग वाले मिनी / माइक्रो और छोटे हाइड्रो पावर प्लांट।
- सभी प्रकार के हाइड्रो पावर प्लांट के लिए माइक्रोप्रोसेसर आधारित डिजिटल गवर्निंग सिस्टम।
- हाइड्रो पावर संयंत्रों का नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और उन्नयन।
- हाइड्रो स्टेशनों के लिए स्फेरिकल (रोटरी) वाल्व, बटर फ्लाई वाल्व और सहायक उपकरण।
- लांट और सिस्टम इंटीग्रेशन (संयंत्र और प्रणाली एकीकरण) ।

सौर ऊर्जा प्रणाली

- सौर पीवी ऊर्जा संयंत्रों के ईपीसी समाधान:
  - ग्रिड इंटरएक्टिव सिस्टम बीईएसएस (बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली) के साथ और बिना बीईएसएस
  - स्टैंडअलोन सिस्टम
  - रूफ टॉप सिस्टम
  - हाइब्रिड सिस्टम
  - कैनाल टॉप सिस्टम
  - फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र
  - रेलवे ट्रैक्शन पावर नेटवर्क के लिए सोलर पीवी सिस्टम
- सौर आधारित वाटर पम्पिंग सिस्टम

डीजी पावर प्लांट

- इमरजेंसी, पीकिंग तथा बेस लोड परिचालन (ऑपरेशंस) के लिए टर्नकी आधार पर 20 मेगावॅाट एवं 11 केवी वोल्टेज तक की यूनिट रेटिंग वाले एचएसडी, एलडीओ, एफओ, एलएसएचएस, नेचुरल गैस आधारित डीजल जनरेटर पावर प्लांट।

अलवणीकरण (डिसेलिनेशन) और जल उपचार संयंत्र

- पावर प्लांट, औद्योगिक अनुप्रयोगों और नगर–निगम अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न उपचार प्रौद्योगिकी वाले पूर्ण जल प्रबंधन समाधान:
  - प्री–ट्रीटमेंट प्लांट
  - अलवणीकरण (डिसेलिनेशन) प्लांट
  - विखनिजीकरण (डिमिनेरीलाइजेशन) प्लांट (डीएम)
  - इलेक्ट्रो डिआयोनाइजेशन प्लांट
  - एफ्ल्युएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी)
  - सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)
  - जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) प्रणाली
  - कूलिंग वाटर ट्रीटमेंट प्लांट
  - टरशियरी ट्रीटमेंट प्लांट
  - मेम्ब्रेन आधारित उपचार प्रणालियाँ जैसे– प्री–ट्रीटमेंट के लिए अल्ट्राफिल्ट्रेशन (यूएफ), रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) और इलेक्ट्रो डिआयोनाइजेशन (ईडीआई) ।
  - पीने के पानी के लिए इलेक्ट्रो–डायलिसिस प्लांट।

प्रणालियाँ और सेवाएं

- विद्युत उत्पादन प्रणालियां
  - टर्नकी विद्युत स्टेशन / ईपीसी संविदा
  - कम्बाइन्ड सायकल (संयुक्त–चक्र) विद्युत संयंत्र
  - को–जनरेशन सिस्टम
  - कैप्टिव पावर प्लांट
  - पावर स्टेशनों का आधुनिकीकरण, नवीनीकरण और उनके शेष जीवन–चक्र का अध्ययन
  - विभिन्न प्रतिष्ठानों के लिए सिमुलेटर सहित सॉफ्टवेयर पैकेज
  - उपर्युक्त सभी प्रणालियों के लिए निर्माण, कमीशनिंग, सहायक सेवाएं, स्पेयर (पुर्जों का) प्रबंधन और परामर्श सेवाएं
- रेलवे ट्रैक विद्युतीकरण

औद्योगिक प्रणालियाँ

- सिविल, स्ट्रक्चरल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल वर्क्स और ऑटोमेशन सिस्टम सहित कोयला हैंडलिंग और ऐश हैंडलिंग प्लांट

- माइन (खदान) विंडर सिस्टम
- कच्चे माल के प्रसंस्करण और कॉम्पैक्टिंग, आयरन निर्माण, प्राइमरी और सेकेंडरी स्टील निर्माण, ढलाई और स्टील फिनिशिंग जैसे मिल्स और लंबे तथा फ्लैट उत्पादों की प्रोसेस लाइन्स के लिए इलेक्ट्रिक्स, ड्राइव कंट्रोल्स और स्वचालन प्रणाली (ऑटोमेशन सिस्टम)
- स्टील और अन्य उद्योगों के लिए सिविल, स्ट्रक्चरल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और ऑटोमेशन सिस्टम सहित रॉ मटेरियल हैंडलिंग सिस्टम
- ऐल्युमिनियम प्लांट के लिए प्रोसेसिंग मिल्स और स्मेल्टर्स के हाई करंट रेक्टिफायर के लिए इलेक्ट्रिक्स और ऑटोमेशन सिस्टम
- स्वचालित भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली (रिट्रीवल सिस्टम) (एएसआरएस)

बॉयलर

- कोयला, लिग्नाइट, तेल, प्राकृतिक गैस या इन ईंधनों के संयोजन से चलने वाले प्रतिष्ठानों के लिए 30 से 800 मेगावाट क्षमता के स्टीम जनरेटर; 1000 मेगावाट प्लांटों तक के बॉयलरों की सुपरक्रिटिकल मापदंडों के साथ निर्माण की क्षमता।
- विविध प्रकार के स्वदेशी / विदेशी (आयातित) कोयले / लिग्नाइट, पेट कोक, आदि के विभिन्न संयोजनों के सममिश्रण/दहन में सक्षम फ्यूल फ्लेक्सिबल बॉयलर।
- न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए स्टीम जनरेटर।
- 40 से 450 टन प्रति घंटा क्षमता वाले फायरिंग कोल, प्राकृतिक गैस, औद्योगिक गैसों, बायोमास, लिग्नाइट, तेल, बगैस या इनके मिश्रणों हेतु निम्नलिखित प्रकार के औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए स्टीम जनरेटर
  - पल्वेराइज्ड कोल / लिग्नाइट फायर्ड बॉयलर
  - स्टॉकर फायर्ड बॉयलर
  - बबलिंग फ्लूडाइज्ड बेड कम्बस्चन (बीएफबीसी) बॉयलर
  - सर्कुलेटिंग फ्लूडाइज्ड बेड कम्बस्चन (बीएफबीसी) बॉयलर
  - हीट रिकवरी स्टीम जनरेटर (एचआरएसजी)
  - कागज उद्योग के लिए 100 से 1000 टन प्रति दिन ड्राई सॉलिड दहन की क्षमता वाले केमिकल रिकवरी बॉयलर
- ग्रेविमिट्रिक फीडर / वॉल्यूमेट्रिक फीडर
- अकौस्टिक स्टीम लीके डिटेक्शन सिस्टम

बॉयलर के सहायक उपकरण

- फैन (पंखे)
  - स्वच्छ वायु अनुप्रयोगों और 200° C तक की धूल भरी गर्म गैसों के लिए, 40 से 1300घन मीटर प्रति सेकंड तक की क्षमता और 225 से 1,500 एमएमडबल्यूसी तक के प्रेशर के लिए सिंगल स्टेज और डबल स्टेज के एक्सियल रिएक्शन फैन्स।
  - शुद्ध हवा और 200°C तक की फ्लू गैस अनुप्रयोगों के लिए 25 से 300 घन मीटर प्रति सेकंड तक की क्षमता और 300 से 700 एमएमडबल्यूसी तक के दबाव के लिए, एक्सियल इंपल्स फैन।
  - स्वच्छ वायु और 400°C तक की धूल भरी गर्म गैसों के अनुप्रयोगों के लिए, 4 से 660 घन मीटर प्रति सेकंड तक की क्षमता और 200 से 3000 एमएमडबल्यूसी तक के दबाव के लिए सिंगल और डबल–सक्शन रेडियल फैन (प्लेट एरोफोइल ब्लेड)।
- एयर प्रिहीटर्स
  - उद्योगों, बॉयलर उपयोगों और सीएफबीसी बॉयलरों के लिए ट्यूबलर एयर प्रिहीटर्स।
  - 1000 मेगावाट तक की यूटिलिटीज क्षमताओं के लिए (विभिन्न प्रकारों के बाइसेक्टर, ट्राई सेक्टर और क्वाड सेक्टर) रोटरी रिजनरेटिव(पुनर्योजी) एयर–प्रीहीटर्स
  - डी–एनओएक्स अनुप्रयोगों के लिए सिलेक्टिव कैटेलिक रिडक्शन (चयनात्मक उत्प्रेरक कमी) (एससीआर) वाले बॉयलरों के लिए एयर प्रीहीटर
- पल्वेराइजर्स
  - कोयले से चलित 10 टन प्रति घंटा से 120 टन प्रति घंटा क्षमता वाले, 1000 मेगावाट तक के थर्मल स्टेशनों के लिए उपयुक्त कम और मध्यम गति (दोनों दबाव(प्रेशर) और चूषण(सक्सन) प्रकार) के बाउल मिल्स।
  - 110 मेगावाट से 500 मेगावाट तक के थर्मल पावर स्टेशनों के उपयोग हेतु अधिक ऐश (राख) की मात्रा वाले लो–ग्रेड कोयले की पल्वेराइजिंग करने वाले के बॉल ट्यूब मिल्स।
  - ब्लास्ट फर्नेस अनुप्रयोगों के लिए 15 टन प्रति घंटा से 120 टन प्रति घंटा क्षमता वाले बाउल मिल्स।
  - पोंड ऐश, स्टील प्लांट ब्लास्ट फर्नेस स्लैग और क्लिंकर को पीसने के लिए बाउल मिल्स।
  - डे सिलो और इसकी संरचना वाले एफजीडी अनुप्रयोगों के लिए चूना पत्थर पीसने के लिए वेट बॉल मिलिंग सिस्टम।
- इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर्स (ईएसपी)
  - कोयला फायर्ड यूटिलिटी, कैप्टिव और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए जिनमें बायो मास फायर्ड बॉयलर, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, सोडा रिकवरी बॉयलर आदि शामिल हैं, के लिए 17 मिलिग्राम प्रति क्यूबिक मीटर (क्षमता 99.97% तक) के न्यूनतम उत्सर्जन आउटलेट वाले इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर्स।
  - औद्योगिक अनुप्रयोगों और यूटिलिटीज के लिए बैग फिल्टर।
  - एससीआर अनुप्रयोगों के लिए मैकेनिकल डस्ट कलेक्टर।
  - अमोनिया फ्ल्यू गैस कंडीशनिंग सिस्टम।
- गिलोटिन गेट्स और डैम्पर्स
  - इलेक्ट्रिक/न्यूमैटिक एक्च्युवेटर वाले गिलोटिन गेट्स। 7 मीटर तक चौड़ाई और 14.5 मीटर डक्ट ऊंचाई तक के सील एयर वाले 100% लीक प्रूफ।
  - इलेक्ट्रिक/न्यूमैटिक एक्च्युवेटर वाले बाई–प्लेन डैंपर्स। सील एयर के साथ 100% लीक प्रूफ, टाइप–1 चौड़ाई 7 मीटर और डक्ट ऊंचाई 14.5 मीटर; टाइप–2 चौड़ाई 12 मीटर और डक्ट ऊंचाई 10.5 मीटर।
  - इलेक्ट्रिक/न्यूमैटिक एक्च्युवेटर वाले ल्यूवर डैंपर्स(ओपन क्लोज / रेगुलेटिंग)। टाइप–1 चौड़ाई 7 मीटर और डक्ट ऊंचाई 14.5 मीटर; टाइप–2 चौड़ाई 12 मीटर और डक्ट ऊंचाई 10.5 मीटर।
  - इलेक्ट्रिक/न्यूमैटिक एक्च्युवेटर वाले कंट्रोल डैंपर्स (रेगुलेटिंग)। टाइप–1 चौड़ाई 7 मीटर और डक्ट ऊंचाई 14.5 मीटर; टाइप–2 चौड़ाई 12 मीटर और डक्ट ऊंचाई 10.5 मीटर।
- फ्यूल गैस डिसल्फराइजेशन (एफ़जीडी) सिस्टम
  - बिजली संयंत्रों और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए गीले चूना पत्थर और समुद्री जल आधारित एफ़जीडी प्रणाली (सिस्टम)
- स्टील की चिमनियाँ
  - हीट रिकवरी स्टीम जनरेटर (एचआरएसजी), औद्योगिक बॉयलरों, सहायक बॉयलरों और अन्य फ्यूल गैस निकास अनुप्रयोगों के लिए स्टील चिमनी।
- सिलेक्टिव कैटेलिटिक रिडक्शन (एससीआर) सिस्टम
  - एनओएक्स (NO_x) उत्सर्जन नियंत्रण के लिए निर्जल अमोनिया / जलीय अमोनिया / यूरिया अभिकर्मक (रीएजेंट) वाले एससीआर

सिस्टम (हनीकॉम्ब और प्लेट टाइप)।

- सिलेक्टिव नॉन–कैटेलिटिक रिडक्शन (एसएनसीआर) सिस्टम
  - यूरिया और अमोनिया हैंडलिंग सिस्टम वाले सिलेक्टिव नॉन–कैटेलिटिक रिडक्शन (एसएनसीआर) सिस्टम।

सूट ब्लोवर्स

- 12.2 मीटर तक की दूरी के लिए लॉन्ग रिट्रैक्टेबल सूट ब्लोवर्स (एलआरएसबी)
- 10 मीटर की दूरी के लिए फर्नेस टेम्प्रेचर प्रोब (एफ़टीपी)
- एयर हीटर के लिए फारवर्ड ब्लोविंग वाले लॉन्ग रिट्रैक्टेबल नॉन रोटेटिंग (एलआरएनआर) सूट ब्लोवर्स
- सीएफबीसी बॉयलर अनुप्रयोगों के लिए ऐश डिस्चार्ज वाल्व
- क्रमबद्ध पीएलसी, नियंत्रण कक्ष और इंटिग्रल स्टार्टर सहित सूट ब्लोवर्स
  - रैक टाइप लॉन्ग रिट्रैक्टेबल सूट ब्लोवर्स (एलआरएसबी)
  - रोटरी सूट ब्लोवर्स
- वाल ब्लोवर्स

वाल्वस

- यूटिलिटी और औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए उच्च और निम्न–दबाव टर्बाइन बायपास वाल्व और हाइड्रोलिक प्रणालियाँ।
- उच्च और मध्यम दबाव वाल्व, गेट्स के कास्ट और फोर्ज्ड स्टील वाल्व, ग्लोब, नॉन–रिटर्न (स्विंग–चेक और पिस्टन लिफ्ट–चेक) टाइप स्टीम वाल्व, 950 मिमी व्यास तक के तेल और गैस ड्यूटीज, अधिकतम दबाव श्रेणी 4500 (791 किलोग्राम/ वर्गसेंटीमीटर) और 650 डिग्री सेल्सियस तापमान।
- 900 मिमी तक के पाइप साइज़ के लिए हॉट रिहीट और कोल्ड रिहीट आइसोलेटिंग डिवाइसें, क्लास 1500 और स्टीम तापमान 650°C तक।
- 372 किग्रा / वर्गसेमी तक के दबाव और 630°C तक के तापमान के लिए उच्च क्षमता स्प्रिंग लोडेड सेफ्टी वाल्व।
- 210 किग्रा / वर्ग सेमी तक के दबाव और 593°C तक के तापमान के लिए स्वचालित विद्युत चलित प्रेशर रिलीफ वाल्व।
- 421 किग्रा / वर्गसेमी तक के दबाव और 537°C तक के तापमान के लिए विद्युत अनुप्रयोगों, प्रक्रियाओं और अन्य उद्योगों के लिए सेफ्टी रिलीफ वाल्व।
- 2700 मिमी अधिकतम व्यास के रिएक्टिव–कम अब्सोर्प्टिव टाइप वेंट साइलेंसर।
- डायरेक्ट वाटर लेवल गेजिज (प्रत्यक्ष जल स्तर गेज)।
- टर्बाइन ड्रेन अनुप्रयोगों के लिए एंगल ड्रेन वाल्व सिंगल और मल्टी स्टेज।
- आरएच और एसएच स्प्रे लाइनों के लिए सीवियर (गंभीर) सर्विस कंट्रोल वाल्व।
- 800 मिमी तक के व्यास, 158 किग्रा / वर्गसेमी के दबाव और 540 डिग्री सेल्सियस तापमान वाले कोल्ड रिहीट नॉन रिटर्न वाल्व और एक्सट्रैक्शन लाइनों के लिए क्विक क्लोज़िंग नॉन रिटर्न वाल्व्स।
- 2800 एनबी तक के जल अनुप्रयोगों के लिए बटरफ्लाई वाल्व।

पाइपिंग सिस्टम (प्रणालियाँ)

- सुपर क्रिटिकल सैटों सहित 1000 मेगावाट क्षमता तक के पावर स्टेशनों के लिए कूलिंग वॉटर पाइपिंग के साथ–साथ पावर साइकिल पाइपिंग, कंसटैंट (स्थिर) लोड हैंगर, वैरिएबल (परिवर्तनीय) लोड हैंगर, कम दबाव (लो प्रेशर) पाइपिंग।
- परमाणु ऊर्जा स्टेशनों, संयुक्त चक्र (कम्बाइन्ड साइकिल) विद्युत संयंत्रों, औद्योगिक बॉयलरों और प्रक्रिया (प्रोसेस) उद्योगों के लिए पाइपिंग सिस्टम।
- रिफाइनरी क्षेत्र के लिए प्री–फैब्रिकेटिड पाइपिंग / डक स्पूल, जो नेशनल एसोसिएशन ऑफ कॉरोजन इंजीनियर्स (एनएसीई) की अपेक्षाओं के अनुपालन के साथ।

सीमलैस स्टील ट्यूब्स

- एएसटीएम / एएसएमई और अन्य अंतर्राष्ट्रीय विशिष्टताओं के अनुरूप कार्बन स्टील और लो–अलोय स्टील की 21 से 133 मिमी के बाहरी व्यास और 2 से 12.5 मिमी की वाल थिकनेस (दीवार की मोटाई) में विभिन्न रेंज वाली हॉट फिनिशड (गर्म–तैयार) और कोल्ड–ड्रावन सीमलेस स्टील ट्यूब।
- कार्बन स्टील और लो कार्बन स्टील्स में एएसएमई और अन्य अंतरराष्ट्रीय विशिष्टताओं के अनुरूप 38.1 से 63.5 मिमी के बाहरी व्यास और 5.6 मिमी से 7.1 मिमी की वाल थिकनेस (दीवार की मोटाई) में विभिन्न रेंज वाली राइफल ट्यूब (रिब्ड)।
- 31.8 से 114.3 मिमी के बाहरी व्यास, 2.4 मिमी से 9.5 मिमी की वाल थिकनेस (दीवार की मोटाई) में और 12.5 मिमी से 21 मिमी तक की फिन ऊंचाई जिसका घनत्व रेंज 40 से 240 फिन तक प्रति मीटर हो, एएसएमई मानकों के अनुरुप कार्बन स्टील और एलोय स्टील से बनी स्पाइरल फिंड ट्यूब

स्टीम टर्बाइन

- थर्मल सैटों के लिए 1000 मेगावाट रेटिंग और परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए 700 मेगावाट रेटिंग तक के स्टीम टर्बाइन

टर्बो जनरेटर

- थर्मल और न्यूक्लियर पावर प्लांट के लिए 1000 मेगावाट तक और कंबाइंड साइकल प्लांट के लिए 195 मेगावाट तक की उच्च रेटिंग के टर्बोजेनर।

औद्योगिक सेट

- स्टीम टर्बाइन आधारित कैप्टिव पावर प्लांट
  - एसटीजी / बॉयलर / बीटीजी / ईपीसीरू यूनिट रेटिंग 200 मेगावाट तक
  - नॉन रिहीट 120 मेगावाट यूनिट रेटिंग तक
  - रिहीट 200 मेगावाट यूनिट रेटिंग तक
  - पंप और अन्य औद्योगिक ड्राइव के लिए सिंगल स्टेज ड्राइव टर्बाइन
  - समुद्री प्रणोदन के लिए समुद्री टर्बाइन 36 मेगावाट तक
- गैस आधारित कैप्टिव पावर प्लांट टर्बाइन जीटीजी / एचआरएसजी / ईपीसीरू एफ़आर–5ई (26 मेगावाट) से एफ़आर–9ई (126 मेगावाट)

कास्टिंग और फोर्जिंग

- क्रीप रेजिस्टेंट एलोय स्टील्स, स्टेनलेस स्टील और मिश्र धातु के अन्य ग्रेडस के भारी कास्टिंग और फोर्जिंग जो सब क्रिटिकल, सुपरक्रिटिकल और अल्ट्रा–सुपर क्रिटिकल प्रौद्योगिकी के लिए आवश्यक घटकों के कड़े अंतरराष्ट्रीय विनिर्देशों को पूरा करते हैं।

कंडेन्सर और हीट एक्सचेंजर्स

- सर्फेस कंडेन्सरः
  - 800 मेगावाट तक के थर्मल पावर प्लांटों के लिए
  - न्यूक्लियर पावर प्लांटों (परमाणु ऊर्जा संयंत्रों) के लिए
  - 12.5 मेगावाट के समुद्री अनुप्रयोग

- औद्योगिक कंडेंसर्स
- रक्षा अनुप्रयोगों के लिए कंडेनसर
- फ़ीड वॉटर हीटर (एचपी हीटर, एलपी हीटर, ड्रेन कूलर, डुप्लेक्स हीटर, डी–सुपर हीटर, आदि)
  - थर्मल: 7 से 500 मेगावाट (सब क्रिटिकल) और 300–800 मेगावाट (सिंगल स्ट्रीम के साथ सुपर क्रिटिकल)
  - परमाणु ऊर्जा संयंत्रों (236 मेगावाट, 500 मेगावाट और 700 मेगावाट परमाणु सेट) के लिए मोइश्चर सेप्रेटर और रीहीटर(एमएसआर) और अन्य फीड वॉटर हीटर।
  - नॉन–बीएचईएल सैटों के लिए रिपलेसमेंट फीड वाटर हिटर्स
- लाइव स्टीम रिहीटर (एलएसआर):
  - 500 मेगावाट फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफ़बीआर) परमाणु सेट
- टर्बो और हाइड्रो जेनरेटर के लिए सहायक हीट एक्सचेंजर्स:
  - एयर कूलर (फ्रेम और ट्यूब प्रकार के)
  - ऑयल कूलर (शेल और ट्यूब प्रकार और प्लग–इन प्रकार के)
  - हाइड्रोजन कूलर (फ्रेम और ट्यूब प्रकार के)
- ट्रांसफॉर्मर के लिए सहायक हीट एक्सचेंजर्स:
  - ऑयल कूलर (शेल और ट्यूब टाइप सिंगल ट्यूब या कंसेंट्रिक डबल ट्यूब टाइप) (फ्रेम और ट्यूब टाइप)
  - सामान्य अनुप्रयोगों के लिए सहायक हीट एक्सचेंजर्स
  - पानी – वाटर कूलर (शेल और ट्यूब प्रकार))
- गलैंड स्टीम कंडेन्सर्स
  - औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए 7 मेगावाट से 150 मेगावाट तक के
  - 500 मेगावाट तक के थर्मल प्लांट
  - 700 मेगावाट तक के परमाणु संयंत्र
- एफ़आर–9ई तक के गैस टर्बाइन के लिए एयर कूल्ड हीट एक्सचेंजर्स और सभी रेटिंग्स के कंप्रेसर एप्लिकेशन/अनुप्रयोग
- 150 मेगावाट तक के कंडेनसर के लिए स्टीम जेट एयर इजेक्टर
- 7 मेगावाट से 800 मेगावॉट तक के डीएरेटर
- कंप्रेसर अनुप्रयोगों के लिए गैस कूलर
- ऑयल कूलर– 150 मेगावाट तक एसटीजी के लिए, एफ़आर 9ई तक के जीटीजी के लिए
- जनरेटर एयर कूलर 150 मेगावाट एसटीजी और जीटीजी 9 एफए तक के
- परमाणु प्राइमरी साइकिल (प्राथमिक चक्र) के लिए डी 2 ओ और मॉडरेटर हीट एक्सचेंजर्स
- रिफाइनरी अनुप्रयोगों के लिए एयर कूल्ड ल्यूब आयल कूलर
- डाउन स्ट्रीम तेल एव गैस अनुप्रयोगों के लिए हीट एक्सचेंजर्स

पम्पस

- 1000मेगावाट क्षमता तक के विभिन्न यूटिलिटी बिजली संयंत्र अनुप्रयोगों के लिए पंप:
  - बॉयलर फीड पंप (मोटर या स्टीम टरबाइन चालित) और बॉयलर फीड बूस्टर पंप।
  - कंडनसैट एक्सट्रैक्सन पम्प ड्रिप पंपों सहित
  - सर्कुलेटिंग वॉटर पंप (जिन्हें कूलिंग वाटर पंप के नाम से भी जाना जाता है)
  - कंक्रीट वोल्यूट कूलिंग वाटर पंप
  - परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के सेकंडरी साइड(माध्यमिक पक्ष) के लिए पंप्स

कंप्रेसर्स

- विभिन्न गैसों (वायु, CO2, N2, H2, NH3, प्राकृतिक गैस, वेट गैस, प्रोपलीन आदि) के लिए और रिफाइनरियों, उर्वरक, पेट्रोकेमिकल्स, तेल और गैस, इस्पात, बिजली और प्राकृतिक गैस परिवहन तथा विद्युत संयंत्रों में एफजीडी अनुप्रयोगों के लिए ऑक्सीकरण ब्लोअर क्षेत्रों में अनुप्रयोगों के लिए मल्टी स्टेज सैंटरीफ्यूगल कंप्रेसर्स, ड्राइवस सहित (स्टीम टर्बाइन, इलेक्ट्रिक मोटर और गैस टर्बाइन) और सहायक प्रणालियाँ 300000 घन मीटर प्रति घंटा की क्षमता वाली।
  - 40 बार तक के प्रेशर के लिए डिजाइन होरिजेंटली स्प्लिट टाइप
  - 350 बार तक के प्रेशर के लिए डिजाइन वर्टिकली स्प्लिट टाइप

सोलर फोटोवोल्टिक्स

- मोनो/मल्टी क्रिस्टालाइन सोलर सेल्स
- मोनो/मल्टी क्रिस्टालाइन पीवी मॉड्यूल (330 डबल्यूपी तक के)
- पावर कंडीशनिंग यूनिट (1.25 मेगावाट तक)
- ट्रैक्शन ग्रिड (0.85 मेगावाट) अनुप्रयोगों के लिए सिंगल फेज पावर कंडीशनिंग यूनिट
- आऊटडोर, ड्राई टाइप 1 एमवीए/25 केवी सिंगल फेज इनवर्टर ट्रांसफार्मर
- पावर ट्रांसफार्मर (15 एमवीए और इससे अधिक)
- पैसिव सोलर ट्रेकिंग सिस्टम
- स्पेस ग्रेड सोलर पैनल्स

स्वचालन और नियंत्रण प्रणाली

- स्वचालन और नियंत्रण प्रणालियों के लिए
  - बॉयलर सुरक्षा सहित स्टीम जनरेटर / बॉयलर कंट्रोल्स
  - स्टीम टर्बाइन कंट्रोल्स
  - बॉयलर फीड पंप (बीएफ़पी) ड्राइव टर्बाइन कंट्रोल
  - स्टेशन कंट्रोल एवं इंस्ट्रूमेंटेशन / डीसीएस
  - ऑफसाइट / ऑफ बेस कंट्रोल्स / बैलेंस ऑफ प्लांट कंट्रोल्स
    - ऐश हैंडिलिंग प्लांट (एएचपी)
    - कोल हैंडिलिंग प्लांट (सीएचपी)
    - ऊर्जा संयंत्रों के जल प्रणालियाँ
    - मिल रिजेक्ट सिस्टम (एमआरएस)
    - कंडनसेट ऑन–लोड ट्यूब क्लिनिंग सिस्टम (सीओएलटीसीएस)
    - गैस बूस्टर कम्प्रेसर (जीबीसी)
    - कंडनसेट पोलिशिंग यूनिट (सीपीयू)
    - हीटिंग, वेंटीलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी)
    - फ्यूल ऑयल अनलोडिंग सिस्टम (एफ़ओयूएस)
  - हाइड्रो पावर प्लांट कंट्रोल सिस्टम
  - गैस टर्बाइन कंट्रोल सिस्टम
  - परमाणु ऊर्जा संयंत्र प्राइमरी साइकिल कंट्रोल सेंटर इंस्ट्रूमेंटेशन पैकेज (सीसीआईपी)
  - न्यूक्लियर पावर प्लांट टर्बाइन और सेकेंडरी साइकिल कंट्रोल सिस्टम
  - सोलर थर्मल ऊर्जा संयंत्र के पावर ब्लॉक
  - इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन
  - सब–स्टेशन ऑटोमेशन (एसएएस)
  - गैर–एफएसटी एचवीडीसी नियंत्रण पैनल
  - रिफाइनरियों इलेक्ट्रिकल कंट्रोल सिस्टम (ईसीएस)
  - पावर प्लांटों के लिए एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस)
  - एमवी / एलवी स्विच गियरों के लिए इलेक्ट्रिकल इंटरफेस सिस्टम

ट्रांसमिशन सिस्टम कंट्रोल

- ईएचवी और यूएचवी सब–स्टेशन / स्विचयार्ड एआईएस और

जीआईएस दोनों प्रकार के जिनकी रेंज 33kV से 765kV तक हैं।

- एचवीडीसी ट्रांसमिशन सिस्टम
- फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम (एफ़एसीटीएस) सोल्यूशन
  - फ़िक्स्ड सिरीज़ कॉमपनसेशन (एफ़एससी)
  - स्टेटिक वीएआर कॉमपनसेशन (एसवीसी)
  - एसटीएटीसीओएम
  - कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर (सीएसआर)
  - फेज शिफ्टिंग ट्रांसफॉरमर (पीएसटी)
- एचवीडीसी और एफ़एसीटीएस के लिए कन्वर्टर वाल्व और कंट्रोल्स

सॉफ़्टवेयर सिस्टम समाधान

- मेरिट ऑर्डर रेटिंग
- थर्मल यूटिलिटीज के लिए निष्पादन विश्लेषण, निदान और अनुकूलन (पीएडीओ)
- परफ़ोर्मेंस कैलक्यूलेशन (निष्पादन गणना), ओप्टिमाइजेशन सिस्टम (अनुकूलन प्रणाली) तथा रियल टाइम परफ़ोर्मेंस डाटा मॉनिटरिंग सिस्टम
- रिमोट मॉनिटरिंग एवं डायग्नोस्टिक सर्विसिस (आरएमडीएस)
- डीसीएस से थर्ड पार्टी सिस्टम में ओपीसी कनेक्टिविटी
- एंटरप्राइज एसेट मैनेजमेंट सिस्टम (ईएएमएस)
- ऑपरेटर ट्रेनिंग सिमुलेटर

स्विचगीयर

मध्यम वोल्टेज वैक्यूम स्विचगियर, इनडोर और आउटडोर अनुप्रयोगों के लिए, वोल्टेज रेटिंग 36 केवी के लिए और गैस इंसुलेटिड स्विचगियर्स 420 केवी तक के।

- इनडोर स्विचगियर
  - थर्मल, परमाणु, पनबिजली और कम्बाईंड साइकिल (संयुक्त चक्र) पावर प्लांट परियोजनाओं के लिए 12 केवी, 50 केए और 4000 एएमपी तक के
  - उद्योगों, सौर ऊर्जा संयंत्र और रिफाइनरियों के लिए 36 केवी, 31.5 केए, 2000 एएमपी तक के
  - वितरण प्रणाली के लिए कॉम्पैक्ट स्विचगियर 12 केवी, 25 केए, 2000 एएमपी के
- आउटडोर वैक्यूम सर्किट ब्रेकर
  - डिस्ट्रीब्यूशन सेगमेंट के लिए 12केवी, 25केए, 125 एएमपी.
  - ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन सेगमेंट के लिए 36केवी, 25केए, 1600 एएमपी.
  - ट्रैक साइड रेलवे अनुप्रयोगों के लिए 25केवी, 20केए, 2000 एएमपी.
  - सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए 36केवी, 31.5केए, 2500एएमपी आउटडोर मेटलक्लैड स्विचगियर
- गैस इंसुलेटिड स्विचगियर्स
  - रिफाइनरी, शहरी क्षेत्र के लिए 36 केवी, 40केए, 2000 एएमपी.
  - ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के लिए 145केवी, 31.5केए, 2500 एएमपी.
  - ट्रांसमिशन सेक्टर (हाइड्रो स्टेशन/ईएचवी एसएस) के लिए 420केवी, 40केए, 3150 एएमपी

ऑन लोड टैप चेंजर्स (ओएलटीसी)

- पावर ट्रांसफार्मर, फर्नेस ट्रांसफार्मर, स्टेशन ट्रांसफार्मर, रेक्टिफायर ट्रांसफार्मर आदि जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए ऑन लोड टैप चेंजर 765 केवी क्लास ट्रांसफार्मर और ऑफ सर्किट टैप स्विच 765 केवी क्लास ट्रांसफार्मर।

एलटी स्विचगियर और बस डक्ट्स

- ऐसे यूटिलिटीज़ जिनके जनरेटर की पावर आउटपुट क्षमता 800 मेगावाट तक है उनके लिए अनुरूप उपकरणों सहित बस डक्ट्स।
- थर्मल पावर प्लांट, हाइड्रो, न्यूक्लियर, सीपीपी और स्टील उद्योग के लिए 415 वोल्ट एलटी स्विचगियर।

ट्रांसफार्मर्स और रिएक्टर्स

- 1200 केवी, वोल्टेज तक के लिए पावर ट्रांसफार्मर
  - जनरेटर ट्रांसफार्मर (600 एमवीए, 420 केवी, 3 पीएच / 400 एमवीए, 765 केवी, 1 पीएच / 500 एमवीए, 420 केवी, 1 पीएच तक के)
  - ऑटो ट्रांसफार्मर (1000 एमवीए, 400 केवी, 3 पीएच / 600 एमवीए, 400 केवी, 1 पीएच / 500 एमवीए, 765 केवी, 1 पीएच / 1000 एमवीए, 1200 केवी, 1 पीएच तक के)
- एचवीडीसी ट्रांसमिशन के लिए कनवर्टर ट्रांसफॉर्मर / स्मूथिंग रिएक्टर (600 एमवीए, ±800 केवी तक के) / (254 एमवीएआर, ±500 केवी तक के)।
- शंट रिएक्टर (150 एमवीएआर, 420 केवी, 3 पीएच / 110 एमवीएआर, 765 केवी, 1पीएच) तक के।
- फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम अनुप्रयोगों के लिए कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर्स (200 एमवीएआर, 420 केवी, 3 पीएच / 200 एमवीएआर, 420 केवी, 1 पीएच / 200 एमवीएआर, 765 केवी, 1 पीएच) तक के।
- ट्रांसमिशन लाइनों के लिए फेज शिफ्टिंग ट्रांसफॉर्मर (500 एमवीए, 400 केवी, 3 पीएच तक के / 500 एमवीए 400 केवी 1 पीएच तक के)
- इन्स्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर्स
  - करंट ट्रांसफॉर्मर्स 400 केवी तक के
  - इलेक्ट्रो–मैग्नेटिक वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर्स 220 केवी तक के
  - कैपेसिटर वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर्स (33केवी से 1200केवी)
  - एचवीडीसी परियोजनाओं के लिए 24 केवी पीआर क्लास करंट ट्रांसफॉर्मर्स
- स्पेशल ट्रांसफॉर्मर्स
  - रेक्टिफायर ट्रांसफॉर्मर (120 केए, 132 केवी तक के)
  - फर्नेस ट्रांसफॉर्मर (33 केवी, 60 एमवीए तक के)
- ईएसपी ट्रांसफॉर्मर 95 केवीपी, 1600 एमए तक के
- स्मूथिंग रिएक्टर्स 3.3 एमएच, 2700 एएमपी. तक के
- ड्राई टाइप रिएक्टर्स 300 एमएच, 120 एएमपी. तक के
- डीसी चोक 0.5 एमएच, 4600 एएमपी. तक के
- ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर 15 एमवीए, 33केवी तक के
- पावर ट्रांसफॉर्मर्स तथा रियक्टर्स के लिए कम्पोजिट मॉनिटरिंग सिस्टम

कैपेसिटर्स

- एच.टी. कैपेसिटर्स
  - पावर फैक्टर करेक्शन के लिए मोटर्स कैपेसिटर्स (3.3 से 11 केवी डेल्टा कनेक्टेड कैपेसिटर्स बैंक)
  - शंट, सीरीज और एसवीसी (स्टेटिक वीएआर कंपनसेशन), हार्मोनिक फिल्टर और एचवीडीसी अनुप्रयोग (3.3केवी से 500 केवी, 1 पीएच / 3 पीएच कैपेसिटर बैंक)
- सीवीटी के लिए कैपेसिटर डिवाइडर
- ट्रांसमिशन लाइन के लिए कपलिंग कैपेसिटर (33केवी से 800 केवी, 4400 पीएफ़ से 13200 पीएफ़)
- जनरेटर और ट्रांसफॉर्मर की सुरक्षा के लिए सर्ज कैपेसिटर (11 केवी से 40 केवी)

- ट्रेक्शन लोकोमोटिव के लिए रूफ कैपेसिटर
  - 1200 केवी तक के सीवीटी के लिए कैपेसिटर डिवाइडर
  - 400 केवी तक के पीएलसीसी के लिए कपलिंग कैपेसिटर
  - फ्यूज–लेस कैपेसिटर

बुशिंग्स

- ट्रांसफॉर्मर अनुप्रयोगों के लिए ऑयल इंप्रेग्नेटिड पेपर (ओआईपी) कंडेनसर बुशिंग्स 52 से 525 केवी
- 25 केवी लोकोमोटिव बुशिंग्स

कंट्रोल गीयर

- उद्योगों / बिजली संयंत्रों में ईएसपी के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर
- डिजिटल स्टेटिक एक्साइटेशन कंट्रोल सिस्टम (2000 ए, 400 वी डीसी के साथ रिडंडंट थाइरिस्टर स्टैक्स और डीसी फील्ड ब्रेकर)
- पीएलसी आधारित डिजिटल कंट्रोल्स सहित लार्ज करंट रेक्टिफायर्स
- ईएचवी ट्रांसमिशन परियोजनाओं के लिए कंट्रोल और प्रोटेक्शन पैनल्स (400 केवी तक के)
- एससीएपी, थाइरिस्टर, आरएपीसीओएन और एसटीएटीसीओएन पैनल्स

इंसुलेटर्स

- पोर्सलेन इंसुलेटर्स
  - एसी / डीसी अनुप्रयोगों के स्वच्छ और प्रदूषित वायुमंडल के लिए, हाई टेंशन पोर्सलेन डिस्क इंसुलेटर, रेंज 70केएन से 420 केएन इलेक्ट्रो–मैकेनिकल स्ट्रेंथ तक, 1200केवी एसी और ±800केवी एचवीडीसी ट्रांसमिशन लाइन और सब–स्टेशनों तक के अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त।
  - ट्रांसफॉर्मर और एसएफ़–6 सर्किट ब्रेकर्स के लिए 765 Iट तक के होलो इंसुलेटर्स।
  - सबस्टेशन अनुप्रयोगों के लिए, बस पोस्ट और आईसोलेटर्स के लिए 400 केवी तक के सॉलिड कोर इंसुलेटर्स
- कम्पोजिट लॉन्ग रॉड इंसुलेटर्स
  - एचवीडीसी अनुप्रयोगों के लिए ±800केवी, 420केएन तक के
  - एचवीएसी अनुप्रयोगों के लिए 765केवी, 210केएन तक के
  - भारतीय रेलवे के लिए ट्रैक्शन इंसुलेटर्स स्टेआर्म, ब्रैकेट और 9 टन इंसुलेटर्स।
- थर्मल पावर प्लांट और ऐश स्लरी अनुप्रयोगों के लिए सेरामिक लाइनिंग (सेरालीन) वीयर रेजिस्टेंट मैटेरियल।
- औद्योगिक और स्पेशल सेरामिक्स
  - बॉयलर ड्रम में वाटर लेवल मॉनिटरिंग के लिए प्रयोग होने वाले ईडबल्यूएलआई–इलेक्ट्रोनिक वाटर लेवल इंडिकेटर (बीएचईएल विजन सिस्टम)
  - क्रिसमस ट्री वाल्व के लिए सिरेमिक और टंगस्टन कार्बाइड फ्लो बीन्स।
  - थर्मल पावर प्लांट में पल्वराइजिंग के लिए ग्राइंडिंग मीडिया

इलेक्ट्रिकल मशीन्स

- सुरक्षित क्षेत्र अनुप्रयोगों के लिए एसी मशीनें
  - स्क्वेरल केज इंडक्शन मोटर – 150 किलोवाट से 22000 किलोवाट
  - स्लिप रिंग इंडक्शन मोटर – 150 किलोवाट से 10000 किलोवाट
  - सिंक्रोनस मोटर – 1000 किलोवाट से 25000 किलोवाट
  - वेरिएबल स्पीड मोटर – 150 किलोवाट से 22000 किलोवाट (स्क्वेरल केज मोटर)
  - वेरिएबल स्पीड मोटर – 1000 किलोवाट से 25000 किलोवाट (सिंक्रोनस मोटर)
- हजार्डस (खतरनाक) क्षेत्र अनुप्रयोगों के लिए एसी मोटर (फ़िक्स्ड स्पीड या वीएफ़डी के साथ)
  - फ्लेम–प्रूफ स्क्वेरल केज इंडक्शन मोटर –(150 किलोवाट से 1500 किलोवाट)
  - नॉन–स्पार्किंग स्क्वेरल केज इंडक्शन मोटर –(150 किलोवाट से 4000 किलोवाट (अनुरोध पर इससे भी उच्चक्षमता)
  - इंक्रीज्ड सेफ्टी स्क्वेरल केज इंडक्शन मोटर – (150 किलोवाट से 4000 किलोवाट (अनुरोध पर इससे भी उच्चक्षमता)
  - प्रेशराइज्ड स्क्वेरल केज इंडक्शन मोटर – (150 किलोवाट से 22000 किलोवाट)
- प्रेशराइज्ड सिंक्रोनस मोटर – (1000 किलोवाट से 25000 किलोवाट)
- औद्योगिक अल्टरनेटर (स्टीम टरबाइन, गैस टरबाइन और डीजल इंजन चालित) (3000 केवीए से 25000 केवीए)
- परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के, प्राइमरी कूलेंट पंपों के लिए वर्टिकल मोटर
- मिनी / माइक्रो हाइड्रो प्लांट के लिए इंडक्शन जनरेटर (300 केवीए से 6000 केवीए)
- 2 पोल एयर कूल्ड स्टीम / गैस टर्बाइन चालित जनरेटर (3 मेगावाट से 160 मेगावाट)
- 4 पोल एयर कूल्ड स्टीम / गैस टर्बाइन चालित जनरेटर (3 मेगावाट से 40 मेगावाट)
- 2 पोल हाइड्रोजन कूल्ड स्टीम / गैस टर्बाइन चालित जनरेटर 36 मेगावाट से 270 मेगावाट तक के
- 5 मेगावॉट तक के स्थायी चुंबक आधारित जनरेटर।
- 270 मेगावाट तक के गैस टरबाइन जनरेटर
- 2 मेगावाट तक के सिंगल बीयरिंग वाले औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए अल्टरनेटर।

रेल परिवहन

परिवहन प्रणाली

- एसी इलेक्ट्रिक इंजन (6000 एचपी, 25 केवी एसी तक के)
- एसी–डीसी ड्यूल वोल्टेज इलेक्ट्रिक इंजन
- एसीईएमयू कोच
- मेट्रो कोच
- निम्नलिखित के लिए ट्रैक्शन प्रोपल्शन सिस्टमः
  - 9000 एचपी आईजीबीटी आधारित एसी लोकोमोटिव
  - 6000 एचपी आईजीबीटी आधारित एसी लोकोमोटिव
  - 6000–एचपी लोकोमोटिव के लिए आईजीबीटी आधारित कम्पोजिट प्रोपल्शन सिस्टम
  - 3–फेज आईजीबीटी आधारित एसी इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट्स (ईएमयूएस)
  - वातानुकूलित एसीईएमयू
  - डीसी ड्राइव के लिए इलेक्ट्रिक एसीईएमयू
  - 1600 एचपी आईजीबीटी आधारित डीईएमयू
  - 3फेज आईजीबीटी आधारित एमईएमयू
  - 1600 एचपी मल्टी–जनसेट लोकोमोटिव
- डबल्यूएजी–7 लोकोमोटिव के डीसी प्रोपल्सन सिस्टम (प्रणोदन प्रणाली) के लिए रीजनरेशन सिस्टम
- डीजल इलेक्ट्रिक टावर कार
- डीजल–इलेक्ट्रिक शंटिंग लोकोमोटिव (1400 एचपी तक)
- बैटरी पावर्ड लोकोमोटिव
- ओएचई रिकॉर्डिंग–कम–टेस्ट कार

- बैटरी पावर्ड रोड व्हिकल्स
- डायनामिक ट्रैक स्टेबलाइजर्स
- रेल–कम–रोड व्हिकल

परिवहन उपस्कर

- ट्रैक्शन कन्वर्टर और सहायक कनवर्टर
- वाहन नियंत्रण इलेक्ट्रॉनिक्स
- होटल लोड कनवर्टर
- ट्रैक्शन कन्वर्टर और होटल लोड कनवर्टर सहित कम्पोजिट कनवर्टर
- ट्रैक्शन ट्रांसफार्मर
  - पारंपरिक इंजनों के लिए 5400 केवीए तक के
  - 3 फेज ड्राइव लोकोमोटिव के लिए 7775 केवीए तक के
  - परंपरागत एसी ईएमयू/एमईएमयूएस 1050 केवीए तक के
  - 3 फेज ईएमयू के लिए 1578 केवीए तक के
- लोकोमोटिव और ईएमयू के लिए 3 फेज एसी ट्रैक्शन मोटर्स (1200 किलोवाट तक)
- लोकोमोटिव और ईएमयू के लिए डीसी ट्रैक्शन मोटर्स (630 किलोवाट तक)
- लोकोमोटिव और ईएमयू के लिए एसी ट्रैक्शन अल्टर्नेटर (3860 किलोवाट तक)
- डीसी ट्रैक्शन जेनरेटर 2000 किलोवाट तक
- डायनेमिक(गतिशील) ब्रेकिंग सिस्टम के लिए डीसी ब्लोअर मोटर्स (50 किलोवाट तक)
- सहायक आवश्यकताओं के लिए मोटर जनरेटर सैट (25 किलोवाट तक)
- लोकोमोटिव और ईएमयू के लिए ट्रैक्शन गियर्स और पीनियंस
- वैगन (28 एक्शल(धुरी), 296 टन तक के)

डिफेंस और एयरोस्पेस

- नौसेना के जहाजों के लिए सुपर रैपिड गन माउंट (एसआरजीएम) 76/62 गन (बंदूक)
- नौसेना के जहाजों के लिए एकीकृत प्लेटफार्म प्रबंधन प्रणाली (आईपीएमएस)
- इंटीग्रेटेड ब्रिज सिस्टम (आईबीएस)
- स्टेटिक मैन मोटर जनरेटर (एसएमएमजी)
- कंट्रोल्स के साथ रोटरी मैन मोटर जनरेटर (आरएमएमजी)
- वाहनों, प्लेटफॉर्म, रडार, हथियारों, मिसाइलों के लिए ट्रेनिंग (प्रशिक्षण) सिम्युलेटर और सभी रक्षा और अर्ध–सैन्य बलों के लिए कंप्यूटर आधारित प्रशिक्षण (सीबीटी)
- टी –72 टैंक के लिए टरेट (बुर्ज) कास्टिंग
- जहाजों के लिए कास्टिंग और फोर्जिंग
- विभिन्न विमान प्लेटफार्मों के लिए कॉम्पैक्ट हीट एक्सचेंजर्स
- स्थायी चुंबक आवृत्ति(परमानेंट मैगनेट फ्रिक्वेंसी) कन्वर्टर्स ड्राइव यूनिट के साथ
- रिजर्व प्रोपल्शन मोटर ड्राइव यूनिट के साथ
- कॉम्पैक्ट ब्रशलेस अल्टरनेटर
- लॉन्च (प्रक्षेपण) वाहनों और उपग्रहों के लिए ईंधन टैंक और अन्य घटक।
- प्रक्षेपण (लॉन्च) वाहनों और उपग्रहों के लिए स्पेस (अंतरिक्ष) ग्रेड बैटरी
- स्पेस ग्रेड सोलर पैनल्स

एनर्जी स्टोरेज सिस्टम और ई–मोबिलिटी

- इलेक्ट्रिक बस
- मोटर वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पावरट्रेन
- इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर
- पॉवर कंडीशनिंग यूनिट (पीसीयू) और एससीएडीए (स्काडा) सहित बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम

ऑयल फील्ड उपकरण

- ऑयल रिग्स – 9,000 मीटर की गहराई तक ड्रिलिंग के लिए ऑन–शॉर ड्रिलिंग रिग एसी–वीएफडी और एसी–एससीआर तकनीक के साथ, 6,100 मीटर की गहराई तक कार्य करने के लिए वर्क–ओवर रिग, 3,000 मीटर की गहराई तक ड्रिलिंग के लिए मोबाइल रिग्स। मैचिंग वाले ड्रॉ–वर्क्स और होस्टिंग उपकरणों सहितः
  - मास्ट और सब–स्ट्रक्चर
  - रोटेटिंग उपकरणः ड्रा वर्क्स, रोटरी, स्विवेल्स, ट्रेवलिंग ब्लॉक
  - इंडेपेंडेंट (स्वतंत्र) रोटरी ड्राइव यूनिट
  - मड स्टोरेज और हैंडलिंग सिस्टम, मड एजिटेटर
  - ट्रिप्लेक्स मड पंप
  - एयर यूटिलिटी सिस्टम (यूटिलिटी हाउस), जल प्रणाली और ईंधन प्रणाली
  - डेड लाइन एंकर
  - वैक्यूम डिगैसर, मड गैस सेपरेटर्स
  - बीएचईएल और गैर–बीएचईएल निर्मित ऑयल रिग्स का नवीनीकरण और उन्नयन
  - 3–फेज ऑयल रिग मोटर 1150 एचपी तक
  - डीसी ऑयल रिग मोटर 1000 एचपी तक (ड्रा वर्क्स, मड पंप, ड्रिलिंग)
  - ऑयल रिग अल्टर्नेटर्स 1750 केवीए तक के
  - ई760, ई1400, ई2000 और ई3000 रिग के लिए एसी / डीसी पावर कंट्रोल रूम
  - लागू सीपीसीबी मानदंडों के अनुसार 1430 केवीए रेटिंग तक एसी ध्वनिक पावर पैक
  - डीजी सेट्स के लिए 1430 केवीए तक का एसी पावर पैक
    - एसी कंट्रोल मॉड्यूल
    - डीसी कंट्रोल मॉड्यूल
  - ड्रिलर कंसोल 3 मड पंपों तक, आईआरडी और ड्रा–वर्क कंट्रोल और मॉनिटरिंग, लोड रेटिंग (0–1800 ए, 0–1000 वी)
  - मोबाइल लाइटनिंग टावर, रिग लाइटनिंग टावर
  - एसी रिग्स के लिए एसी–वीएफ़डी कंट्रोल्स
  - एसी एससीआर रिग्स में पावर फैक्टर सुधार के लिए स्टेटकॉम (एसटीएटीसीओएम)
  - 1000 पीएसआई तक के वेल हेड एवं क्रिसमस ट्री, मड लाइन ससपेंशन, चौक एवं किल मैनीफोल्ड, सीबीएम, वेलहैडस, डीएसपीएम एच–मैनीफोल्ड असेंबली, मड वाल्व

फैब्रिकेटिड उपस्कर और मैकेनिकल पैकेज

- क्रायोजेनिक एयर सेप्रेशन यूनिट (वायु पृथक्करण इकाइयाँ)
- क्रायोजेनिक स्टोरेज टैंक, माउंडेड स्टोरेज सिस्टम और स्टोरेज स्फेयर्स
- प्रेशर वेसल, कॉलम, रिएक्टर / सेपरेटर, हीट एक्सचेंजर्स
- फायर्ड हीटर
- पर्ज गैस रिकवरी यूनिट

शब्दावली और संक्षिप्तीकरण

एसीएस	ऑक्सलरी कंट्रोल सिस्टम
एपीजीईएनको	आंध्र प्रदेश पावर जनरेशन कार्पोरेशन
एआरएआई	ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया
एयूएससी	एडवांस्ड अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल
बीपीसीएल	भारत पेट्रोलियम कोर्पोरेशन लिमिटेड
बीआरबीसीएल	भारतीय रेलवे बिजली कंपनी लिमिटेड
बीएसई	मुम्बई स्टॉक एक्सचेंज
बीटीजी	बॉयलर टर्बाइन जेनरेटर
सी एंड आई	कंट्रोल एण्ड इंस्ट्रुमेंटेशन
सीईए	केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण
सीपीपी	कैप्टिव पावर प्लांट
सीएफबीसी	सर्कुलेटिंग फल्युडाइज्ड बैड कम्बस्टन
सीएलडब्ल्यू	चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स
सीएमआईई	सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन ईकोनामी
सीपीएसई	केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम
सीएसआईआर	वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद
सीएसपीजीसीएल	छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी
सीएसआर	कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व
सीव्हीसी	केंद्रीय सर्तकता आयोग
डीईएमयू	डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट
डीईटीसी	डीजल इलेक्ट्रिक टावर कार
डीएचआई	भारी उद्योग विभाग
डीएलडब्ल्यू	डीजल लोकोमोटिव
डीएमडब्ल्यू	डीजल लोको आधुनिकीकरण कार्यशाला
डीपीई	लोक उद्यम विभाग
डीएसआईआर	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग
ईडी	कार्यपालक निदेशक
ईएचवी	एक्सट्रा हाई वोल्टेज
ईएमयू	इलेक्ट्रिक मल्टिपल यूनिट
ईपीसी	इंजीनियरिंग, क्रय तथा निर्माण
ईएसपी	इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर
ईवी	इलेक्ट्रिक वाहन
एफएसीटीएस	फ्लेक्सिसबल अल्टरनेंटिंग करटं ट्रांसमिशन सिस्टम
एफजीडी	फलू गैस डिसल्फुराइजेशन
जीआईएस	गैस इंसुलेटिड सबस्टेशन
जीटीजी	गैस टरबाईन जनरेटर
जीटीओ	गेट टर्म ऑफ थायरिस्टर
जीएसईसीएल	गुजरात राज्य विद्युत निगम लिमिटेड
जीएसटी	माल और सेवा कर
एचईपी	हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्लांट
एचपी टर्बाइन	हाई प्रेशर टर्बाइन
एचआरएसजी	हीट रिकवरी स्टीम जनरेटर
एचवीडीसी	हाई वोल्टेज डायरेक्ट करेंट
आईसीएआई	इंस्टिट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया
आईसीएफ	इंटेग्रल कोच फैक्ट्री
आईजीबीटी	इंसुलेटेड–गेट बाइपोलर ट्रांसिस्टर
आईजीसीएआर	इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केन्द्र
आईआईटी	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
आईओसीएल	इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड
आईपीएमएस	इंटिग्रटिड प्लेटफार्म मेनेजमेंट सिस्टम
आईपीआर	बौद्धिक सम्पदा अधिकार
आईआर	इंडियन रेलवे
आईएसएमएस	सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली
आईएसओ	मानकीकरण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन
इसरो	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
केबीयूएनएल	कान्ति विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
केपीसीएल	कर्नाटका पावर कार्म्पोशन लिमिटेड
एलसीए	लाईट कॉम्बेट एयरक्राफ्ट
एलआईएस	लिफ्ट इरिगेशन स्कीम
एलपी टरबाईन	निम्न दाब टरबाईन
एलएसटीके	एकमुश्त टर्नकी
एम एवं ए	मर्जर एवं अधिग्रहण
एचईआईएल	मेघा इंजीनियरिंग व इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
एमईएमयू	मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट
एमएचआई व पीई	भारी उद्योग व सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम मंत्रालय
एमओयू	समझौता ज्ञापन
एमयू	विनिर्माण इकाइयाँ
एमएसएमई	सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम
एमएसआर	मेल्टन साल्ट रियक्टर
एनआईटी	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान
एनपीसीआईएल	न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
एनपीसीआईएल	नबीनगर पावर जनरेटिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
एनएसई	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज
ओईएम	मूल उपकरण विनिर्माता
ओएनजीसी	ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड
पीसीयू	पावर कंडीशनिंग यूनिट
पीसीपी	पावर साइकिल पाइपिंग
पीजीसीआईएल	पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड
पीएलएम	उत्पाद जीवन चक्र प्रबंधन
पीपीजीसीएल	प्रयागराज विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
पीएसई	सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
आर एंड डी	अनुसंधान एवं विकास
आर एंड एम	नवीकरण एवं आधुनिकीकरण
आरडीएसओ	अनुसंधान अभिकल्प व मानक संगठन
आरपीसीएल	रायचूर पावर कंपनी लिमिटेड
एससीएडीए	पर्यवेक्षी नियंत्रण और डाटा अधिग्रहण
एससीसीएल	सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड
एससीओपीई	स्टेंडिंग कॉनफ्रेंस आफ पब्लिक एंटरप्राईजेज
एसआरआर	सेलेक्टिव केटालिस्ट रिडक्शन
एसडी	सस्टेनबल डेवलपमेंट
सेबी	भारतीय प्रतिभूती एवं विनिमय बोर्ड
एसजी	स्टीम जनरेटर
एसओपी	मानक संचालन प्रक्रिया
एसपीवी	सोलर फोटो वाल्टाइक
एसआरजीएम	सुपर रैपिड गन माउंट
एसटीजी	स्टीम टर्बाइन जेनरेटर
एसटीपीपी	सुपर थर्मल पावर प्लांट
टेनजेनको	तमिलनाडु जनरेशन व डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन
टीसीएमएस	ट्रेन कंट्रोल एंड मेनेजमेट सिस्टम
टीईटीवी	टोटली एनक्लोस्ड ट्यब वेंटिलेटिड
टीईएफसी	टोटली एनक्लोस्ड फेन कूल्ड
टीजी	टरबाईन व जनरेटर
टीपीएस	ताप विद्युत संयंत्र
यूबी	यूटिलिटी बॉयलर
यूएचवी	अल्ट्रा हाई वोल्टेज
यूएचवी	अल्ट्रा हाई वोल्टेज
यूपीआरवीयूएनएल	उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम
व्हीसी	विडियो कॉन्फ्रेंसिंग
व्हीसीयू	व्हीकल कंट्रोल यूनिट
व्हीएफडी	व्हीकल फ्रीक्वंसी ड्राईव
डब्ल्यूजी	ब्राड गेज, एसी ट्रेक्शन, गुड्स ड्यूटी
डबल्यूबीपीडीसीएल	पश्चिम बंगाल विद्युत विकास निगम लिमिटेड

शब्दावली (वित्तीय पारिभाषिक पद)

लेखांकन नीतियांः लेखांकन नीतियां विशिष्ट लेखांकन सिद्धांत एवं इनके अनुप्रयोग की विधियां है जिन्हें कंपनी द्वारा वित्तीय विवरण तैयार करने व प्रस्तुत करने हेतु अपनाया गया है।

उपचय (अक्रुअल): वित्तीय विवरण व्यापारिक (मरसेंटाइल) प्रणाली पर तैयारी किया गया है। संव्यवहार व अन्य धटनाओ के प्रभावों को उनके होने पर मान्यता दी जाती है व लेखांकन अभिलेखों में इनकी गणना की जाती है एवं संबंधित समयावधि के वित्तीय विवरण में इनका उल्लेख किया जाता है।

परिशोधनः एक अमूर्त परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल पर मूल्यह्रास योग्य राशि सुव्यवस्थित रूप से आंबंटित करना परिशोधन है।

तुलन पत्रः तुलन पत्र एक इकाई की वितितीय स्थिति का विवरण है जो किसी समय विशेष पर परिसंपत्तियों, दायित्वों एवं स्वामी की इक्विटी को दर्शाता है।

बोनस शेयरः बोनस शेयर एक शेयरधारक के स्वामित्व वाले शेयरों के आधार पर, निर्बंध आरक्षित शेयरों में वर्तमान शेयरधारक को बिना किसी अतिरिक्त लागत के प्रदत्त अतिरिक्त शेयर है।

बही मूल्यः वह राशि जो लेखा बही अथवा वित्तीय विवरण में किसी मद के लिए दर्शाई गई है।

शेयरों की पुनः खरीदः पुनः खरीद शेयरों की पुनर्क्रय के रूप में भी जाना जाता है जब एक कंपनी खुले बाजार मे अपने शेयरों की उपलब्धता कम करने हेतु उसके स्वयं के बकाया शेयर क्रय करती है।

नियोजित पूंजी की गणना पूंजी डब्ल्यूआईपी पूंजी, विकासशील अमूर्त संपत्तियों एवं आस्थगित कर संपत्तियों को इकाई का निवल मूल्य घटाकर की जाती है।

आरक्षित पूंजीः किसी इकाई की आरक्षित पूंजी वह है जो लाभांश के रूप मे वितरित की जाने हेतु उपलब्ध हो।

पूंजी मोचन आरक्षित निधिः कंपनी ने अपनी सामान्य आरक्षित निधि से इक्विटी शेयरों के क्रय पर पूंजी मोचन आरक्षित निधि को मान्यता दी है। पूंजी मोचन आरक्षित निधि की राशि पुनः क्रय किए गए इक्विटी शेयरों की राशि के तुल्य है।

नकदी व नकदी समतुल्यः नकद में नकद एवं मानित (डीम्ड) जमा राशियां सम्मिलित है। नकद समकक्ष अल्पकालिक, अत्यधिक तरल निवेश हैं जो सरलता से ज्ञात नकद राशि में परिवर्तनीय हैं और जो मूल्य में परिवर्तन के एक तुच्छ जोखिम के अधीन हैं।

अनुबंधित परिसंपत्तियांः अनुबंधित परिसंपत्तियां (अस्थिगित देनदार व अगण्य राजस्व) उन राशियों का प्रतिनिधित्व करता है जो ग्राहक के साथ अनुबंध शर्तों/तय कार्यक्रम पर सहमति के अनुसार अभी भुगतान हेतु देय नहीं है। यह अनुबंधतः संबंधित गतिविधियों/तय शुदा चरणों के पूरा होने पर देय होगा।

अनुबंध देयताः इकाई का दायित्व एक ग्राहक के लिए वस्तुओं या सेवाओं को स्थानांतरित करना है जिसके लिए ग्राहक से इकाई को प्रतिफल (या राशि बकाया है) प्राप्त हो चुका है।

आकस्मिक देयताएं है:

(क) भूतपूर्व घटनाओं से उत्पन्न होने वाले संभावित दायित्व और जिनके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के होने या न होने से होगी, जो इकाई के पूर्ण नियंत्रण में नहीं हैं; अथवा

(ख) पूर्व धटनाओं से उत्पन्न वर्तमान देयता जिसे मान्यता नहीं दी गई क्योंकिः

- (i) यह संभाव्य नहीं है कि दायित्वों के निपटान हेतु आर्थिक लाभ प्राप्त करने वाले स्त्रोतों का बहिर्वाह आवश्यक होगा। अथवा
- (ii) देयताओं की राशि पर्याप्त विश्वसनीयता के साथ आकलित कर पाना संभव नहीं है।

समेकित वित्तीय विवरण (सीएफएस): समेकित वित्तीय विवरण किसी समूह के वित्तीय विवरण होते हैं जिनमें किसी मूल कंपनी व उसकी सहायिकाओं के लिए परिसंपत्तियां, देयताएं, इक्विटी, तरलता, आय, व्यय एवं नकद प्रवाह को एक आर्थिक इकाई के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

ऋण जोखिमः जोखिम एक पार्टी का वित्तीय लिखित में अन्य पार्टी को देयताएं का निर्वहन में विफल होने के कारण होने वाली वित्तीय हानि है

चालू अनुपातः चालू अनुपात एक तरलता अनुपात है जो एक वर्ष के भीतर की देयताएं एवं अल्पकालीन दायित्वों के भुगतान की योग्यता का आंकलन करता है। इसकी गणना वर्तमान परिसंपत्तियों को वर्तमान दायित्वों से विभाजित करके की जाती है।

वर्तमान परिसंपत्तियांः एक संपत्ति को वर्तमान परिसंपत्ति में वर्गीकृत किया जाता है जबः

क) संपत्ति को उसके सामान्य परिचालन चक्र में वासविक माना जा सके, या विक्रय या उपभोग का प्रयोजन हो सके

ख) प्राथमिक तौर पर इसे व्यापारिक उपयोग हेतु रखा हो

ग) सूचित समयकाल से 12 माह के भीतर इसे वास्तविक माने जाने की अपेक्षा की जाती है, अथवा

घ) परिसंपत्ति नकद या नकद समतुल्य है जब तक कि परिसंपत्ति को परिवर्तित किए जाने से प्रतिबंधित नहीं किया जाता है या रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीनों के लिए देयता का निपटान करने के लिए उपयोग किया जाता है।

वर्तमान देयताएंः किसी देयता को वर्तमान देयता में वर्गीकृत किया जाता है जबः

क) यह आपेक्षित हो कि देयता को उसके सामान्य परिचालन चक्र में ही निपटाया जाए।

ख) प्राथमिक तौर पर इसे व्यापारिक उपयोग हेतु रखा गया हो

ग) सूचित समयकाल से 12 माह के भीतर इसे वास्तविक माने जाने की अपेक्षा की जाती है, अथवा

घ) इसे सूचित समयकाल से कम से कम 12 माह तक देयताओं के भुगतान को टालने का बिना शर्त अधिकार नहीं होगा।

वर्तमान कर व्ययः वर्तमान कर किसी अवधि के लिए कर योग्य लाभ (हानि) के संदर्भ में देय (वसूली योग्य) आयकर की राशि है

अस्थगित कर्जः अस्थिगित कर्ज वे कर्ज हैं जो अनुबंध शर्तों के अनुसार चिन्हित उपलब्धियों जैसे ट्रायल ऑपरेशन,पीजी टेस्ट इत्यादि पर देय बन जाऐंगे।

अस्थगित कर: अस्थगित कर की गणना तुलन पत्र की तिथि को अधिनियमित या पर्याप्त रूप से अधिनियमित कर कानूनों व दरों का उपयोग कर की जाती है।

आस्थगित कर परिसंपत्तिः आस्थगित कर परिसंपत्ति कटौती योग्य अस्थाई अंतर, आगे अग्रेषित अप्रयुक्त कर हानि एवं आगे अग्रेषित अप्रयुक्त कर जमाओं के संदर्भ में भविष्य की अवधि में वसूलीयोग्य आयकर की राशियां हैं।

आस्थगित कर देयताः आस्थगित कर देयता करयोग्य अस्थाई अंतर के संदर्भ में देय आयकर की राशियं है।

पारिभाषित लाभ योजनाएंः परिभाषित लाभ योजनाएँ परिभाषित अंशदान योजनाओं के अतिरिक्त रोजगारोपरांत लाभ योजनाएं है। परिभाषित अंशदान योजनाएँ ऐसी रोजगारोपरांत लाभ योजनाएं हैं। परिभाषित योगदान योजनाएं रोजगार के बाद की लाभ योजनाएं हैं, जिसके तहत एक इकाई एक अलग इकाई (एक फंड) में निश्चित योगदान का भुगतान करती है और इस पर आगे कोई योगदान देने के लिए कोई कानूनी या रचनात्मक दायित्व नहीं, होगा यदि फंड वर्तमान और पूर्व की अवधि की कर्मचारी सेवा के लिए सभी कर्मचारी लाभों से संबंधित भुगतान करने के लिए पर्याप्त संपत्ति नहीं रखता है ।

प्रति शेयर लाभांशः इसकी गणना वर्ष के लिए कुल लाभांश (लाभांश वितरण कर को हटा कर) को कुल बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर जाती है।

मूल्यह्रासः मूल्यह्रास एक परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल पर मूल्यह्रास योग्य राशि के व्यवस्थित आबंटन है।

लाभांश वितरण करः यह कंपनी द्वारा लाभांश के रूप में किसी भी राशि के घोषित, वितरित अथवा भुगतान किए जाने पर कपनी द्वारा भुगतान किया गया अतिरिक्त आयकर है।

ईबीआईडीटीए से अर्थ है ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन के पूर्व अर्जित आय। परिचालन ईबीआईडीटीए का निर्धारण अन्य आय को ईबीआईडीटीए से घटा कर किया जाता है।

प्रति शेयर आय (ईपीएस): यह वर्ष के दौरान प्रति शेयर आय को दर्शाता है, जिसकी गणना कर अदायगी बाद लाभ को कुल बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर की जाती है।

इक्विटी पद्धतिः लेखांकन की इक्विटी पद्धति का उपयोग किसी कंपनी के संयुक्त उद्यम में विनिवेश आकार के अनुपात में संयुक्त उद्यम से अर्जित कुल आय के निर्धारण हेतु किया जाता है। इक्विटी पद्धति लेखांकन की एक पद्धति जिसमें निवेश को पहले लागत पर मान्यता दी जाती है और उसके बाद निवेशक की कुल परिसंपत्तियों के शेयर में अधिग्रहण के बाद परिवर्तन हेतु समायोजित किया जाता हे।

अपेक्षित ऋृण हानिः अनुबंध के अनुसार किसी इकाई को देय सभी अनुबंधित नकद प्रवाह और एक इकाई द्वारा प्रभावी मूल ब्याज दर पर प्राप्त, छूट लेने पर अपेक्षित नकदी प्रवाह का अंतर है।

उचित मूल्यः उचित मूल्य वह मूल्य है जो किसी परिसंपत्ति को बेचने पर प्राप्त किया जाएगा या माप तिथि पर बाजार प्रतिभागियों के बीच एक क्रबद्ध लेनदेन में देयता को स्थानांतरित करने के लिए भुगतान किया जाएगा।

वित्तीय परिसंपत्तिः एक संपत्ति जो, क) नकद हो, ख) इक्विटी लिखित या अन्य इकाई, स) किसी अन्य इकाई से नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति प्राप्त करने या किसी अन्य इकाई के साथ वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देयता का आदान–प्रदान करने का संविदात्मक अधिकार, द) एक अनुबंध जो किसी इकाई के स्वयं के इक्विटी लिखित में तय होगा या हो सके।

वित्तीय देयताः कोई भी देयता जो, क) किसी अन्य इकाई से नकद या अन्य वित्तीय संपत्ति प्रदान करने या किसी अन्य इकाई के साथ वित्तीय परिसंपत्तियों या वित्तीय देयता का आदान–प्रदान करने का संविदात्मक दायित्व, ख) एक अनुबंध जो किसी इकाई के स्वयं के इक्विटी लिखितों में तय होगा या हो सके।

वित्तीय लिखतः कोई भी अनुबंध जो किसी इकाई की वित्तीय परिसंपत्ति एवं अन्य इकाई की वित्तीय दायित्व अथवा इक्विटी लिखित का मुल्य बढाएं।

वित्तीय गतिविधियांः ऐसी गतिविधियां जिनके कारण किसी इकाई के अंशदत्त इक्विटी और ऋणों के आकार व संयोजन में परिवर्तन होते हैं।

सामान्य आरक्षित निधिः सामान्य आरक्षित निधि किसी कंपनी की संचित आय हैं जो भविष्य की आवश्यकताओं (ज्ञात या अज्ञात) की पूर्ति हेतु अलग से रख दी जाती है।

कार्यशील संस्थाः इसका अर्थ उस इकाई से है जिसका निकट भविष्य मे परिचालन बंद करने का कोई प्रयोजन न हो।

धारक/नियंत्रक कंपनीः "धारक/नियंत्रक कंपनी", एक या अन्य अधिक कंपनियों के संबंध में "धारक/नियंत्रक कंपनी" का अर्थ ऐसी कंपनी से है जिसकी ये कंपनियां सहायिका हैं।

इंपेयरमेंट लॉसः इंपेयरमेंट लॉस वह राशि है जो किसी संपत्ति अथवा नकदी निर्माता इकाई से उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक है। किसी संपत्ति अथवा नकदी निर्माता इकाई की वसूली योग्य राशि निपटाने की लागत कम करके उचित मूल्य और इसकी उपयोगी मूल्य में से जो अधिक हो वह राशि है।

भारतीय लेखांकन मानक (संक्षेप में एंड एएस) कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा यथा अधिसूचित वितितीय विवरण तैयार करने के लिए प्रयुक्त लेखांकन मानक हैं।

अमूर्त संपत्तिः अमूर्त संपत्ति अभिज्ञेय गैर–मौद्रिक अभौतिक वस्तु है।

दिनों की संख्या में इंवेंट्रीः यह इंवेन्ट्री को राजस्व से विभाजित कर इसका गुणा वर्ष में दिनों की संख्या से करके ज्ञात किया जाता है।

निवेश गतिविधियाँः निवेश गतिविधियाँ दीर्घकालिक संपत्तियों तथा नकद समकक्षों में न आने वाले निवेशों का अधिग्रहण और निपटान है।

संयुक्त उद्यमः संयुक्त उद्यम एक संयुक्त व्यवस्था है जिसके तहत व्यवस्था के संयुक्त नियंत्रण वाले संगठको के पास व्यवस्था की निवल संपत्ति के अधिकार हैं।

लिक्विडिटी जोखिमः वह जोखिम है जो एक इकाई जब और जैसे अपेक्षित वित्तीय देयताओं से जुड़े दायित्वों के निवर्हन में अनुभव कर सकती है।

बाजार जोखिमः बाजार मूल्य में परिवर्तन के कारण किसी वित्तीय विलेख के उचित दाम और भावी नकद प्रवाह में होने वाले उतार–चढाव का जोखिम। बाजार जोखिम तीन प्रकार के होते है। मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम, और अन्य कीमत जोखिम।

निवल लाभ/(हानि) मार्जिन (%): यह परिचालनों से प्राप्त राजस्व के प्रतिशत के रूप में उद्भूत लाभ को दर्शाता है जिसकी गणना कर पश्चात लाभ को राजस्व परिचालनों से विभाजित करके की जाती है

शुद्ध वसूली योग्य मूल्यः शुद्ध वसूली योग्य मूल्य व्यापार के सामान्य दौर में अनुमानित विक्रय मूल्य को अनुमानित पूर्णता की लागत व विक्रय के लिए आवश्यक अनुमानित लागत से घटा कर ज्ञात किया जाता है।

निवल मूल्यः किसी इकाई की निवल परिसंपत्तियों के बही मूल्य का इसकी देयताओं से अधिकता निवल मूल्य है। यह शेयर धारकों की निधि के रूप में भी जाना जाता है।

प्रति शेयर निवल मूल्यः प्रति शेयर निवल मूल्य की गणना निवल मूल्य को बकाया इक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर किया जाता है।

अनियंत्रित हितः किसी मूल कंपनी का एक सहायक कंपनी में इक्विटी स्वामित्व का वह शेयर है जो उस पर एट्रीब्यूट नहीं होता है, मूल कंपनी का नियंत्रण हित (50% से अधिक लेकिन 100% से कम) है और वह सहायक कपंनी के वित्तीय परिणामों को अपने साथ समेकित करता है।

गैर चालू संपत्तियांः गैर चालू संपत्ति एक ऐसी संपत्ति है जो तुलन पत्र की तिथि से एक वर्ष के भीतर अप्रतिबंधित नकदी में परिवर्तित नहीं होने वाली है।

गैर चालू देयताएंः गैर चालू देयताएं वे दायित्व है जो एक वर्ष के भीतर निपटान हेतु देय नहीं है।

अन्य व्यापक आय (ओसीआई)ः अन्य व्यापक आय में वे आय और व्यय (पुनःवर्गीकृत समायोजन को मिलाकर) सम्मिलित हैं जो अन्य एंड एएस के द्वारा लाभ या हानि के रूप में मान्य न करने हेतु आवश्यक हैं अथवा अनुमत की गई हैं।

परिचालन गतिविधियांः परिचालन गतिविधियां किसी इकाई की प्रमुख राजस्व उत्पादक गतिविधियां एवं अन्य गतिविधियां हैं जो निवेश अथवा वित्तीय गतिविधियां नहीं है।

परिचालन लाभ सीमा(%)ः लाभप्रदता निष्पादन अनुपात का उपयोग कंपनी के द्वारा उसके परिचालनों से उत्पन्न लाभ का प्रतिशत की गणना हेतु किया जाता है। इसे करपूर्व लाभ, कर व अन्य आय को परिचालनों से प्राप्त राजस्व को विभाजित कर परिकलित किया जाता है।

परिसंपत्ति, संयंत्र एंव उपस्कर (पीपीई)ः परिसंपत्ति, संयंत्र एंव उपस्कर (पीपीई) वे मूर्त मदें हैः

क) उत्पादन, माल अथवा सेवा की आपूर्ति, अन्य को किराए पर देने, अथवा प्रशासनिक उद्देश्यों के उपयोग हेतु रखी हो, और

ख) जिसे एक से अधिक अवधि के दौरान उपयोग किए जाने की अपेक्षा हो

परिचालनों से राजस्वः एक इकाई की सामान्य गतिविधियों के दौरान उत्पन्न होने वाली अवधि में आर्थिक लाभ का सकल प्रवाह इक्विटी में जो वृद्धि करते है, इक्विटी प्रतिभागियों से अंशदान से संबंधित वृद्धि के अलावा।

शुद्ध मूल्य पर प्रतिफल(%)ः शुद्ध मूल्य पर प्रतिफल किसी कंपनी की लाभप्रदता आंकलन का एक मापक है, जिसकी गणना शुद्ध लाभ को औसत शुद्ध मूल्य (ओसीआई को हटाकर) से विभाजित करके की जाती है।

परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकारः वह परिसंपत्ति यो पट्टा अवधि के लिए निर्धारित किसी परिसंपत्ति के उपयोग हेतु, किसी पट्टेदार के अधिकार को दर्शाती है।

सहायक कंपनीः सहायक कंपनी एक ऐसी कंपनी है जिसका स्वामित्व व नियंत्रण किसी अन्य कंपनी के द्वारा किया जाता है, जोकि मूल कंपनी या धारक कंपनी कहलाती है।

कुल व्यापार प्राप्यः प्राप्य राशियां किसी इकाई का प्रतिफल हेतु बिना शर्त का अधिकार है। प्रतिफल का अधिकार बिना शर्त के तभी है जब उस प्रतिफल के पूर्व समय की आवश्यकता हो।

सजगता कथन (कॉशनरि स्टेटमैंट)

वार्षिक रिपोर्ट में दिए गए कंपनी के उद्देश्य, अपेक्षा या अनुमानों का वर्णन करने वाले विवरण, लागू कानूनों और विनियमों के अर्थ की सीमा में हैं। वास्तविक परिणाम आर्थिक विकास, सरकारी नीतियों और अन्य आकस्मिक कारकों के आधार पर व्यक्त किए गए या निहित परिणामों से भिन्न हो सकते हैं।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

सीआईएनः L74899DL1964GOI004281)

पंजीकृत कार्यालयः बीएचईएल, हाउस, सिरी फोर्ट, नई दिल्ली –110049

फोनः 011–66337000, **फैक्सः** 011–66337428

वेबसाईटः www.bhel.com, ईमेलः shareholderquery@bhel.in

सूचना

एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि भारत हेवी इलेट्रिकल्स लिमिटेड के सदस्यों की 57वीं वार्षिक सामान्य बैठक बृहस्पतिवार 23 सितम्बर, 2021 को भारतीय समयानुसार प्रातः 10 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग /अन्य ऑडियो विजूयल (वीसी) माध्यमों से निम्नलिखित कार्यनिष्पादन/विषयों पर चर्चा हेतु आयोजित की जाएगी;

सामान्य कार्य/विषय

1. 31 मार्च 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लेखापरीक्षा किए हुये एकल एवं समेकित विवरणों के साथ निदेशक रिपोर्ट व उस पर लेखापरीक्षा की रिपोर्ट को प्राप्त, विचार एवं स्वीकृत करना।

2. श्री सुबोध गुप्ता (डीआईएनः 08113460) के स्थान पर एक निदेशक नियुक्त करना जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रहें है और पात्र होने पर स्वयं की पुनः नियुक्ति हेतु प्रस्ताव दे रहें है।

3. श्री शशांक प्रिय (डीआईएनः 08538400) के स्थान पर एक निदेशक नियुक्त करना जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त हो रहें है और पात्र होने पर स्वयं की पुनः नियुक्ति हेतु प्रस्ताव दे रहें है।

4. वर्ष 2021–22 के लिए लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक तय करने हेतु निदेशक मण्डल को प्राधिकृत करना।

विशेष कार्य/विषय

5. सामान्य संकल्प के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना एवं उचित समझे जाने पर संशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करनाः

   संकल्प किया जाता है कि कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक) नियम 2014 (किसी भी संवैधानिक सुधारों अथवा इसके पुनः प्रवर्तन सहित वर्तमान में लागू) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के प्रावधानों तथा अन्य लागू प्रावधानों के अनुपालन में, निदेशक मण्डल द्वारा नियुक्त लेखापरीक्षकों को 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्तीय वर्ष में कंपनी के व्ययों की लेखापरीक्षा करने हेतु दिया जाने वाला पारिश्रमिक, जैसाकि इस बैठक की सूचना के साथ संलग्न विवरण में निर्धारित किया गया है, कंपनी के शेयरधारकों द्वारा मंजूर किया गया है।

   यह भी संकल्प किया जाता है कि कंपनी के निदेशक मंडल को एतद द्वारा इस तरह के सभी कार्यों को करने एवं ऐसे सभी उपाय अपनाने हेतु प्राधिकृत किया जाता है, जो इस संकल्प को प्रभाव में लाने हेतु आवश्यक, उचित या प्रभावी हो सकते हैं।

   सामान्य संकल्प के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना एवं उचित समझे जाने पर संशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करना

   यह संकल्प किया जाता है कि सुश्री रेणुका गेरा (डीआईएनः 08970501) जिन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 (1) के साथ पठित कंपनी के संगम अनुच्छेद के धारा 67 (iv) के अनुसार दिनांक 01.12.2020 से इस वर्ष की सामान्य बैठक होने तक अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 (1) के अनुसरण में स्वयं निदेशक की लिखित सूचना प्राप्त हुई है, को एतद द्वारा द्वितीय कार्यकाल हेतु कंपनी का स्वतंत्र निदेशक पुनः नियुक्त किया जाता है, जो चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होंगी।

7. सामान्य संकल्प के रूप में निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना एवं उचित समझे जाने पर संशोधन सहित अथवा रहित उसे पारित करनाः

   यह संकल्प किया जाता है कि श्री जीतेंद्र सिंह (डीआईएनः 09207792) जिन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 149 व 161 (1) के साथ पठित कंपनी के संगम अनुच्छेद की धारा 67 (iv) के अनुसार दिनांक 18.06.2021 से इस वर्ष की सामान्य बैठक होने तक अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था और जिनके संबंध में कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 (1) के अनुसरण में स्वयं निदेशक की लिखित सूचना प्राप्त हुई है, को एतद द्वारा कंपनी का स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया जाता है।

निदेशक मण्डल के आदेश से

राजीव कालड़ा

कंपनी सचिव

स्थानः नई दिल्ली

दिनांकः जुलाई 30, 2021

टिप्पणियां:

1. वर्तमान कोविड–19 महामारी को देखते हुए, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने दिनांक 08.04.2020, 13.04.2020 और 05.05.2020 के परिपत्रों के साथ पठित परिपत्र दिनांक 13.01.2021 (समग्र रूप से 'एमसीए परिपत्र' के रूप में संदर्भित) के द्वारा सार्वजनिक स्थान पर सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो विजूअल (वीसी) माध्यमों से वार्षिक सामान्य बैठक का आयोजन करने की अनुमति दी है। एमसीए परिपत्रों के, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सूचीयन बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 (सेबी सूचीयन विनियम), के प्रावधानों के अनुरूप कंपनी की वार्षिक सामान्य बैठक वीसी के माध्यम से आयोजित की जा रही है। वार्षिक सामान्य बैठक का आयोजन स्थल कंपनी का पंजीकृत कार्यालय माना जाएगा।

2. उपर्युक्त एमसीए परिपत्रों और दिनांक 12.05.2020 के साथ पठित 15.01.2021 के सेबी परिपत्र अनुपालन में, वार्षिक रिपोर्ट 2020–21 के साथ एजीएम की सूचना केवल उन्हीं सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से भेजी जा रही है, जिनके ईमेल पते कंपनी / डिपॉजिट्रिज के साथ पंजीकृत हैं। सदस्य ध्यान दें कि सूचना और वार्षिक रिपोर्ट 2020–21 कंपनी (www.bhel.com), बीएसई लिमिटेड (www.bseindia.com), नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (www.nseindia.com) की वेबसाइटों और ई–वोटिंग एजेंसी, नेशनल सिक्योरिटी डिपाजिटरी लिमिटेड की वेबसाईट https://www.evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध होगी।

3. कंपनी से इलेक्ट्रॉनिक रूप से सभी संचार (नोटिस, वार्षिक रिपोर्ट और ई–वोटिंग निर्देश के साथ यूजर आईडी और पासवर्ड) प्राप्त करने के लिए कृपया नोटिस के साथ संलग्न निर्देशों के बिंदु को देखें।

4. कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार, सदस्य वार्षिक सामान्य बैठक में उपस्थित होने और मतदान करने के लिए सदस्य, अपनी ओर से उपस्थित होने और उसके स्थान पर मतदान करने के लिए प्रतिनिधि नियुक्त करने का पात्र होता है और प्रतिनिधि को कंपनी का सदस्य होने की आवश्यकता नहीं है। चूंकि यह वार्षिक सामान्य बैठक एमसीए परिपत्रों के अनुपालन में वीसी के माध्यम से आयोजित की जा रही है इसलिए सदस्यों की भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। तदनुसार, वार्षिक सामान्य बैठक के लिए सदस्यों को प्रतिनिधि की नियुक्ति की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी और इसलिए प्रतिनिधि फॉर्म और उपस्थिति सूची इस सूचना के साथ सलग्न नहीं हैं।

5. चूंकि यह वार्षिक सामान्य बैठक वीसी के माध्यम से आयोजित की जाएगी, इसलिए बैठक स्थल का मानचित्र भी इसके साथ सलग्न नहीं हैं।

6. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 103 के अनुसार वीसी के माध्यम से सदस्यों की उपस्थिति वार्षिक सामान्य बैठक की गणपूर्ति (कोरम) के प्रयोजन हेतु मान्य की जाएगी।

7. कॉर्पोरेट/ संस्थागत सदस्यों (अर्थात व्यक्तियों, अविभाजित हिन्दू परिवार, एनआरआई, आदि के अतिरिक्त) को अधिकृत प्रतिनिधि (यों) के विधिवत सत्यापित नमूना हस्ताक्षरों सहित बोर्ड के संकल्प/अथॉरिटी लेटर आदि की स्कैन की हुई प्रमाणित सत्य प्रति (पीडीएफ फाइल) स्क्रूटिनीज़र को sachin@companylawworld.com पर भेजना और evoting@nsdl.co.in कॉपी करना आवश्यक है।

8. संस्थागत निवेशकों की श्रेणी के कंपनी के सदस्यों को वार्षिक सामान्य बैठक में उपस्थित होने और मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

9. उपर्युक्त वर्णित विशेष कार्यों के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102 (1) के अनुपालन में प्रासंगिक व्याख्यात्मक विवरण, भी इसके साथ संलग्न है।

10. श्री सुबोध गुप्ता एवं श्री शशांक प्रिय, निदेशक चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त एवं पात्र होने पर स्वयं को पुनः नियुक्ति हेतु प्रस्ताव देंगे। किन्तु, श्री सुबोध गुप्ता की नियुक्ति की शर्तों के अनुसार, उनका कार्यकाल 17.04.2023 (उनकी नियुक्ति की तिथि से पांच वर्ष) को समाप्त हो जाएगा, जबकि श्री शशांक प्रिय का कार्यकाल अंशकालिक अधिकारी (नामित) निदेशक होने के नाते है भारत सरकार द्वारा उनका नामांकन वापस लेने तक रहेगा। पुनः नियुक्ति के लिए प्रस्तावित प्रत्येक निदेशक का संक्षिप्त जीवन वृत सूचना के अनुलग्नक में दिया गया है।

11. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 125 के साथ पठित धारा 124 के अनुपालन में 7 वर्षों की अवधि तक अदत्त/अदावाकृत लाभांश राशि को केन्द्र सरकार द्वारा गठित निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में अंतरित करना अपेक्षित है। तदनुसार, वित्तीय वर्ष 2013–14 के लिए अंतिम लाभांश एवं वित्तीय वर्ष 2014–15 के अंतरिम लाभांश, जो अदावाकृत रहता है, को उक्त खाते में क्रमशः दिनांक 19.10.2021 तथा 15.03.2022 को अंतरित किया जाना प्रस्तावित है।

    जिन सदस्यों ने दिनांक 31.03.2014 को समाप्त वित्तीय वर्ष अथवा उसके बाद के किसी वित्तीय वर्ष (वर्षों) के लिए अभी तक अपने अंतिम लाभांश का दावा/ नकदीकरण नहीं किया है, वे निर्दिष्ट 7 वर्ष की अवधि की समाप्ति से पूर्व उसके भुगतान प्राप्त करने हेतु कंपनी से संपर्क कर सकते हैं।

12. सेबी लिस्टिंग विनियमों के अनुपालन में, सभी सूचीबद्ध कंपनियां लाभांश भुगतान के लिए आरबीआई द्वारा अनुमोदित भुगतान सुविधा जैसे कि ईसीएस / एनईसीएस / डायरेक्ट क्रेडिट आदि किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मोड का उपयोग करेंगी। सदस्यों को सलाह दी जाती है कि वे अपना नेशनल इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस/इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस (एनईसीएस/ईसीएस) अधिकार पत्र हेतु विधिवत भरा हुआ व हस्ताक्षरित फार्म (वार्षिक रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया) जमा करें ताकि कंपनी द्वारा एनईसीएस/ईसीएस के माध्यम से धनराशि खातों में जामा की सा सके।

13. सदस्यों से अनुरोध है कि वे पता और एनईसीएस/ईसीएस विवरण सहित अन्य संबंधित पत्राचार में किसी भी परिवर्तन को तत्काल सूचित करें और स्थायी खाता संख्या (पैन) प्रस्तुत करें: –

i. अपने इलेक्ट्रानिक शेयर खातों के संबंध में अपने डिपोसिट्री भागीदारों (डीपी) को, और

ii. अपने वास्तविक शेयर के सदर्भ, यदि कोई हो तो, उसके लाभांश वारंट की त्वरित और सुरक्षित प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए अपनी फोलियो संख्या, बैंक का नाम और खाता संख्या का उल्लेख करते हुए कंपनी के पंजीकृत कार्यालय या रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट मैसेर्स अलंकित असाइनमाइंट्स लिमिटेड (4E/2 अलंकित हाउस झंडेवालान एक्टेंशन, नई दिल्ली–110055) को भेजें

14. सदस्य कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 72 के अनुरूप ऐसे किसी व्यक्ति को मनोनीत करते हुए नामांकन की सुविधा का लाभ ले सकते हैं जिन्हें, उनकी मृत्यु की दशा में, कंपनी में उनके शेयर निहित होंगे।

15. कंपनी अधिनियम, 2013 के धारा 142 (1) के साथ पठित धारा 139 (5) के अनुसरण में भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा किसी सरकारी कंपनी के लेखा परीक्षक नियुक्त किए जाते है और उनका पारिश्रमिक वार्षिक आम बैठक में कंपनी द्वारा नियत किया जाता है। शेयरधारक मण्डल को 2021–22 के लेखापरीक्षकों का उपयुक्त पारिश्रमिक जो मण्डल द्वारा उचित समझा जाए, नियत करने के लिए निदेशक मंडल को प्राधिकृत कर सकते है।

16. वार्षिक सामान्य बैठक के दौरान सदस्यों द्वारा निरीक्षण के लिए निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों एवं इनकी शेयर धारिता का रजिस्टर अधिनियम की धारा 170 के अंतर्गत, अनुबंधों या व्यवस्थाओं, जिसमें निदेशक रुचि रखते हैं का रजिस्टर अधिनियम की धारा 189 के अंतर्गत बनाया गया है, और सूचना मे संदर्भित प्रासंगिक दस्तावेज इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपलब्ध होंगे।

17. नोटिस में उल्लिखित सभी दस्तावेज इस नोटिस के जारी होने की दिनांक से वार्षिक सामान्य बैठक की दिनांक तक सदस्यों द्वारा निःशुल्क निरीक्षण हेतु इलेक्ट्रॉनिक रूप में उपलब्ध होंगे।इन दस्तावेजों का निरीक्षण करने के इच्छुक सदस्य shareholderquery@bhel.in पर ईमेल भेज सकते हैं।

18. कंपनी (प्रबंधन एवं प्रशासन) नियम, 2014 की धारा 20 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 108 तथा सूचीयन विनियम के उपबंध 44 के अनुसरण में कंपनी अपने सदस्यों को वार्षिक सामान्य बैठक में पारित किए जाने वाले प्रस्तावित संकल्पों के लिए अपने मताधिकर का प्रयोग इलक्ट्रानिक विधि से करने की सुविधा मैसेर्स के.फिन टेक्नोलोजीस प्राईवेट लिमिटेड के माध्यम से उपलब्ध करवा रही है।जिन सदस्यों के नाम सोमवार, 16 सितंबर, 2021 (अंतिम तिथि) को सदस्यों के रजिस्टर/लाभार्थी स्वामियों की सूची में है, वे ई–वोटिंग/एजीएम में मतदान करने हेतु पात्र होंगे और ऐसे व्यक्ति जो अंतिम तिथि को सदस्य नहीं है वे इस सूचना को केवल जानकारी के उद्देश्य से लें। ई–वोटिंग का समयावधि वृहस्पतिवार, 20 सितम्बर, 2021 प्रातः 09.00 से आरंभ होगी और रविवार 22 सितम्बर, 2021 सायं 05.00 बजे समाप्त होगी। ई–वोटिंग मॉड्यूल 27 सितंबर, 2020 को सायं 05.00 बजे बंद हो जाएगी। शेयरधारक द्वारा किसी संकल्प पर एक बार मतदान किए जाने के उपरांत, बाद में शेयरधारक को इसमें परिवर्तन की अनुमति नहीं होगी। शेयरधारकों को मतदान का अधिकार अंतिम तिथि 16 सितंबर, 2021 कि स्थिति के अनुरूप में कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी में उनके अंश के समानुपात में होगा।

19. ऐसे सदस्य जिन्होंने अपना मत ई रिमोट से एजीएम के पहले किया हो और वे बैठक में उपस्थित हो तो उनको पुनः मतदान करने का अधिकार नहीं होगा

20. इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली के माध्यम से मतदान करने की सुविधा वार्षिक सामान्य बैठक में उपलब्ध कराई जाएगी और सुविधा वार्षिक सामान्य बैठक में भाग लेने वाले सदस्य जिन्होंने ई–वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाला है, वे तात्क्षणिक मतदान के माध्यम से बैठक में मतदान कर सकेंगे।

21. कंपनी ने मेसर्स अग्रवाल एस एंड एसोसिएट कंपनी के सचिव श्री सचिन अग्रवाल जो की एक पेशेवर कंपनी सचिव हैं, को दूरस्थ ई–वोटिंग और तात्क्षणिक मतदान में निष्पक्ष तथा पारदर्शिता मतदान प्रक्रिया की जांच करने हेतु संवीक्षक के रूप में नियुक्त किया है। संवीक्षक वार्षिक सामान्य बैठक में मतदान के समापन के तुरंत बाद, बैठक के दौरान मतदान और दूरस्थ ई–वोटिंग के माध्यम से डाले गए मत को समेकित करके पक्ष या विपक्ष, यदि कोई हो तो, में डाले गए कुल मतों पर संवीक्षक रिपोर्ट बनाएगा और अध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा। बैठक के समापन के अड़तालीस घंटों के भीतर अध्यक्ष या उनके द्वार नामित किसी व्यक्ति द्वारा संवीक्षक रिपोर्ट सहित परिणाम घोषित किया जाएगा और यह परिणाम अध्यक्ष अथवा उसके द्वारा लिखित रूप से प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा परिणाम घोषित किए जाने के तुरंत बाद कंपनी की वेबसाइट (www.bhel.com) और ई–वोटिंग एजेंसी की वेबसाइट (https://www.evoting.nsdl.com) पर उपलब्ध करया जाएगा। परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद स्टॉक एक्सचेंजों को भी तत्काल अग्रेषित कर दिए जाएंगे।

22. वीसी के माध्यम से वार्षिक सामान्य बैठक में शामिल होने, दूरस्थ ई–वोटिंग एवं बैठक में मतदान की प्रक्रिया के साथ इससे संबंधित शिकायतों की सुनवाई के लिए संपर्क विवरण सूचना के साथ संलग्न निर्देशों में उपलब्ध कराये गए हैं।

निदेशक मण्डल के आदेश से

राजीव कालड़ा
कंपनी सचिव

स्थानः नई दिल्ली

दिनांकः जुलाई 30, 2021

सूचना का अनुलग्नक

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102(1) के अनुपालन में व्याख्यात्मक विवरण

निम्नलिखित मद क्रमांक 5 से 7 में संलग्न सूचना दिनांक जुलाई 30, 2021 में उल्लिखित मुख्य कार्यों से संबंधित व्याख्यात्मक विवरणों के वास्तविक तथ्यों को दर्शाया गया है:

मद संख्या 5

कंपनी (लेखा परीक्षा एवं लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के अनुसार निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित एवं उसके बाद सदस्यों द्वारा पुष्टि किया जाने वाला पारिश्रमिक दिया जाना आवश्यक है।

लेखा परीक्षा समिति की अनुशंसा के आधार पर निदेशक मंडल की 30 जुलाई, 2021 को आयोजित बैठक में लागत लेखापालों/फर्मों के नामों की नियुक्ति के लिए अनुशंसा की गई है जिनका कुल पारिश्रमिक 15.01 लाख रूपये है। विवरण नीचे दिया गया है:

(रू लाख में)

क्र. सं.	लागत लेखा परीक्षक का नाम	इकाई	वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए पारिश्रमिक
1	मेसर्स शोम और बनर्जी, दिल्ली (लीड कॉस्ट ऑडिटर)	समेकन लेखा परीक्षा रिपोर्ट	0.96
		झांसी	0.77
		एचईआरपी वाराणसी	0.38
		भोपाल	1.91
2	मेसर्स आर.जे. गोयल एंड कंपनी, दिल्ली	हीप हरिद्वार	1.91
		सीएफएफपी हरिद्वार	0.38
3	मेसर्स केआरजे एंड एसोसिएट्स, हैदराबाद	हैदराबाद	1.91
4	मेसर्स एम कृष्णास्वामी एंड एसोसिएट्स, चेन्नई	त्रिची	2.54
		बीएपी रानीपेट	1.27
5	मेसर्स जे.एच एंड एसोसिएट्स, बेंगलुरु	एसबीडी बैंगलोर	0.50
		ईडीएन बैंगलोर	0.64
6	मैसर्स के.बी. सक्सेना एंड एसोसिएट्स, लखनऊ	आईवीपी गोइंदवाल	0.38
		एफएसआईपी जगदीशपुर	0.58
		सीएफपी रुद्रपुर	0.38
7	मेसर्स उप्पलपति एंड एसोसिएट्स, विशाखापत्तनम	एचपीवीपी विशाखापत्तनम	0.50
		कुल	**15.01**

उपर्युक्त शुल्क लागू करों एवं अन्य व्ययों जो अतिरिक्त रूप से देय है, को छोड़कर है।

तदनुसार सदस्यों से अनुरोध है की 31 मार्च 2022 को वर्षांत वित्त वर्ष के लिए लागत लेखा परीक्षकों को भुगतान किए जाने वाले पारिश्रमिक की पुष्टि करें।

कंपनी का कोई भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदार किसी अन्य प्रकार से मद क्रमांक 5 में पारित संकल्प से वित्तीय या अन्यथा से संबध अथवा हितबद्ध नहीं हैं और न ही इसमे उनकी कोई रूचि है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन किए जाने हेतु संकल्प की अनुशंसा की।

मद संख्या 6

सुश्री रेणुका गेरा (DIN: 08970501), आयु 57 वर्ष, को बीएचईएल के निदेशक मण्डल में 1 दिसंबर 2020 को निदेशक (इंडस्ट्रियल सिस्टम एंड प्रोडक्ट्स) के रूप में नियुक्त किया गया।

वे दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में स्नातक हैं।

इससे पूर्व, वे कार्यपालक निदेशक के रूप में बीएचईएल के उद्योग क्षेत्र का नेतृत्व कर रही थीं।

सुश्री गेरा ने 1984 में बीएचईएल के ट्रांसमिशन बिजनेस ग्रुप में अभियंता प्रशिक्षु के रूप में अपने कैरियर का आरंभ किया था। उन्हें हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट ट्रांसमिशन (एचवीडीसी), रिन्यूएबल एनर्जी और वाटर मैनेजमेंट सिस्टम सहित व्यावसायिक विकास तथा विविधीकरण प्रयासों के माध्यम से उद्योग क्षेत्र को ऊर्जा भंडारण प्रणाली इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन, परिवहन, रक्षा, ट्रांसमिशन सिस्टम के विभिन्न कार्यक्षेत्रों का 36 वर्षों का सैद्धांतिक कार्यानुभव प्राप्त है।

सुश्री गेरा के पास बीएचईएल की भोपाल विनिर्माण इकाई में 5 वर्ष तक अपनी सेवा प्रदान करने सहित विपणन, व्यवसाय विकास, इंजीनियरिंग, अनुबंध एवं परियोजना प्रबंधन, मानव संसाधन, प्रशासन, योजना, वित्त और विधि के क्षेत्रों में नेतृत्व करने के साथ ही कंपनी के सभी आयामों में विभिन्न गतिविधियों का अनुभव है। अपने करियर के दौरान, उनकी देश भर की एचवीडीसी परियोजनाओं में विस्तृत भागीदारी रही थी और वे भारत में सबसे बड़ी एचवीडीसी मल्टी–टर्मिनल परियोजनाओं में से एक की परियोजना प्रबंधक थीं।

उल्लेखनीय है कि वे बीएचईएल की पहली महिला कर्मचारी हैं जो निदेशक पद पर नियुक्त हुई हैं। सुश्री गेरा को पूर्व में बीएचईएल द्वारा सार्वजनिक उद्यम विभाग के तत्वावधान में आयोजित बिजनेस मैनेजमेंट के एक अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन कार्यक्रम हेतु नामित किया गया था

सुश्री रेणुका गेरा "सौर ऊर्जा प्रयुक्त इलेक्ट्रिक बसों के वायरलेस चार्जिंग के अवसरों के अध्ययन" के लिए संचालन समिति की अध्यक्ष हैं। यह समिति विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के एक स्वायत्त निकाय– टीआईएफ़एसी द्वारा गठित की गई है।

वे रिसर्च काउंसिल सीएसआईआर– एनईआरआई (नेशनल एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट) की सदस्य हैं एवं "द कमेटी फॉर इंटरनेशनल काउंसिल ऑन लार्ज इलेक्ट्रिक सिस्टम्स (सीआईजीआरई), इंडिया" की गवर्निंग काउंसिल की उपाध्यक्ष भी हैं।

सुश्री रेणुका गेरा की नियुक्ति वेतनमान रु 1,80,000 – 3,40,000 प्रति माह पर भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों और शर्तों पर 31.08.2023 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो पर की गई है।

सुश्री रेणुका गेरा का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है और उनका कंपनी के अन्य निदेशकों / प्रबंधक / प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों से कोई संबंध नहीं है।

सुश्री रेणुका गेरा ने वित्त वर्ष 2020–21 में अपने कार्यकाल के दौरान आयोजित दो बोर्ड बैठकों में भाग लिया है।

कंपनी के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 67 (iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 के आधार पर, सुश्री रेणुका गेरा आगामी वार्षिक आम बैठक तक पद पर रहेंगे हैं और नियुक्ति के लिए पात्र हैं।कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 के अनुसार, कंपनी के निदेशक पद हेतु सुश्री रेणुका गेरा की नियुक्ति का प्रस्ताव करते हुए, कंपनी को लिखित रूप से सूचना मिली है।

सुश्री रेणुका गेरा को छोड़कर, नियुक्त होने के नाते, कंपनी का कोई भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदार वित्तीय या अन्यथा किसी भी प्रकार से, मद क्रमांक 6 में पारित संकल्प से संबद्ध या हितबध नहीं है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन किए जाने हेतु संकल्प की अनुशंसा की।

मद संख्या 7

श्री जीतेन्द्र सिंह (DIN: 09207792), आयु 50 वर्ष, को बीएचईएल के निदेशक मण्डल में 18 जून 2021 को अंशकालिक आधिकारिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

श्री सिंह भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स सेवा (आईआरएसईई) संवर्ग के अधिकारी हैं उन्होंने वीएनआईटी, नागपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (बीई) तथा आईआईएम कोलकाता से पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) फॉर एग्जीक्यूटिव्स किया है

वे वर्तमान में भारी उद्योग विभाग, भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार में संयुक्त सचिव के पद पर पदस्थ हैं भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार में पदस्थापना से पूर्व, वे रेलवे बोर्ड में कार्यकारी निदेशक कॉर्पोरेट कोर्डिनेशन के रूप में पदस्थ थे

श्री सिंह इससे पहले नीति आयोग में शहरी विकास निदेशक पद पर तथा पूर्वनामी योजना आयोग में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) तथा अधोसंरचना निर्माण क्षेत्रों में काम कर चुके हैं रेल मंत्रालय में निदेशक (योजना) के रूप में उनकी जिम्मेदारियों में रेलवे की दीर्घकालिक योजना और आधुनिकीकरण, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) का विकास तथा भारी माल ढुलाई का संचालन शामिल था अपने प्रारंभिक करियर में उन्होंने विभिन्न रेलवे इकाइयों में विद्युत कर्षण (ट्रैक्शन), लोकोमोटिव अनुरक्षण और परिचालन क्षेत्रों में काम किया है

श्री जीतेंद्र सिंह एंड्रयू यूल एंड कंपनी लिमिटेड, एचएमटी लिमिटेड, एचएमटी मशीन टूल्स लिमिटेड, एचएमटी (आई) लिमिटेड और हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के बोर्ड में अंशकालिक आधिकारिक निदेशक का पद धारण करते हैं। बीएचईएल के निदेशक मण्डल में भारत सरकार के नामित होने के नाते, श्री जीतेंद्र सिंह बीएचईएल से कोई पारिश्रमिक प्राप्त नहीं करते हैं।

श्री जीतेंद्र सिंह का कंपनी में कोई शेयर नहीं है और उनका कंपनी के अन्य निदेशकों / प्रबंधक / प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों से कोई संबंध नहीं है।

चूंकि श्री जीतेंद्र सिंह को 18.06.2021 को निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, इसलिए वे वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान किसी भी बोर्ड बैठक में शामिल नहीं हुए

कंपनी के संगम अनुच्छेद के अनुच्छेद 67 (iv) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 161 के आधार पर, श्री जीतेंद्र सिंह आगामी वार्षिक आम बैठक तक इस पद पर बने रहेंगे हैं और नियुक्ति के लिए पात्र होगें। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 160 के अनुसार, कंपनी के निदेशक पद हेतु श्री जीतेंद्र सिंह की अभ्यर्थता का प्रस्ताव करते हुए, कंपनी को लिखित रूप से सूचना मिली है।

श्री जीतेंद्र सिंह को छोड़कर, नियुक्त होने के नाते, कंपनी का कोई भी निदेशक या प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदार वित्तीय या अन्यथा किसी भी प्रकार से, मद क्रमांक 7 में पारित संकल्प से संबंधित या इच्छुक नहीं है।

निदेशक मंडल ने शेयरधारकों द्वारा अनुमोदन किए जाने हेतु संकल्प की अनुशंसा की।

निदेशक मण्डल के आदेश से

राजीव कालड़ा

कंपनी सचिव

स्थानः नई दिल्ली

दिनांकः जुलाई 30, 2021

पुनः नियुक्ति हेतु निदेशकों का विवरण

सुबोध गुप्ता

श्री सुबोध गुप्ता, (DIN: 08113460), आयु 57 वर्ष, को बीएचईएल के निदेशक मण्डल में 18 अप्रैल, 2018 को निदेशक (वित्त) के रूप में नियुक्त किया गया था।

श्री गुप्ता (आईसीएआई) इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया के मानद सदस्य हैं एवं दिल्ली विश्वविद्यालय से वाणिज्य (ऑनर्स) में स्नातक हैं। निदेशक मंडल में नियुक्ति के पूर्व वे महाप्रबंधक (कार्पोरेट वित्त) थे और वित्तीय आयोजना एवं स्ट्रेटजी, कोषालय प्रबंधन, टैक्सेशन का कार्य देख रहे थे। इसके साथ ही वे कंपनी के व्यावसायिक परिक्षेत्र 'उद्योग क्षेत्र' के अधीन विभिन्न रणनीतिक व्यावसायिक इकाइयों में वित्त विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य कर रहे थे।

एक कुशल वित्तीय व्यवसायी, श्री गुप्ता को बीएचईएल के वित्तीय संचालन में 35 से अधिक वर्षों का विविध अनुभव हैं। उन्होंने 1985 में बीएचईएल में प्रशिक्षु (वित्त) के रूप में अपना करियर शुरू किया और अपने करियर के उन्नयन के दौरान, चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों को निभाने के लिए स्वयं को वित्तीय प्रबंधन के सभी पहलुओं में विशेषज्ञ बनाया।

श्री गुप्ता के कुशल नेतृत्व में, बीएचईएल को लागत प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए प्रथम आईसीडब्ल्यूएआई राष्ट्रीय पुरस्कार 2005 और व्यवसायिक उत्कृष्टता के लिए प्रथम प्रतिष्ठित सीआईआई–एक्ज़िम बैंक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यूरोपियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट के एक प्रमाणित टीक्यूएम मूल्यांकनकर्ता के रूप में, उन्होंने व्यावसायिक प्रक्रियाओं में सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और कई आंतरिक और बाहरी टीक्यूएम आकलन किए हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा "पीएसयू मैन्युफैक्चरिंग–लार्ज" श्रेणी के तहत कॉर्पोरेट प्रबंधन प्राणियों में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें "सीएमए अचीवर्स अवार्ड" – सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट 2016 से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ वित्त व्यवसायी के लिए "टॉप रैंकर्स एक्सीलेंस अवार्ड 2020" से भी सम्मानित किया गया।

श्री सुबोध गुप्ता ने वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने, बैलेंस शीट में संपत्ति की गुणवत्ता में वृद्धि, कुशल ट्रेजरी प्रबंधन और वित्तीय जोखिमों को कम करने के मामले में वित्तीय रणनीति में नए दृष्टिकोणों को अपनाने में उत्प्रेरक भूमिका निभाई है। वे रणनीतिक योजना को बढ़ावा दे रहें हैं, बजटीय अनुशासन को सशक्त कर रहें हैं और महत्वपूर्ण बडी चुनौतियों का समाधान करने और परिचालन दक्षता में सुधार के लिए माध्यम के रूप में के प्रणालियों और प्रक्रियाओं को संरेखित कर रहें हैं। उन्होंने संगठन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी लागत कटौती प्रभावपूर्ण उपायों को अपनाया है। विभिन्न घटकों की लागत प्रक्षेप पथ पर कड़ी निगरानी रखी है, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय निष्पादन, लाभप्रदता और लिक्विडिटी में अत्यधिक सुधार हुआ है। उन्होंने आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एवं जोखिम प्रबंधन की सशक्त संरचना बनाने के लिए सर्वोत्तम वित्तीय पद्धतियों को अपनाने की संस्कृति को आत्मसात किया तथा प्रभावी आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्माण के लिए विभिन्न प्रयासों का नेतृत्व किया है

वैश्विक महामारी के प्रसार के कारण लंबे समय तक नकदी की कमी के बावजूद, उन्होंने विभिन्न मदों की लागत पर कड़ी निगरानी बनाए रखी है और समग्र प्राप्त राशि के प्रबंधन पर विशेष बल देकर परिचालन नकद, अधिशेष उत्पन्न करने तथा पिछले दशक की व्यापार प्राप्तियों के स्तर को न्यूनतम महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विवेकपूर्ण वित्तीय नीतियों को अपनाने की उनकी पहल, लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए नकदी संरक्षण का पालन और सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन ने महामारी के प्रसार के कारण होने वाले व्यवधानों के बीच मंद परिचालन की विद्यमान चुनौतियों का सामना कर परिचालन घाटे को कम करने में सहायता की

वे वित्तीय प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण के माध्यम से प्रणालीगत सुधारों के प्रबल समर्थक हैं और विभिन्न डिजिटलीकृत प्रणालियों के विकास और एकीकरण को संचालित किया है जिससे दक्षता के उच्च स्तर तथा वित्तीय नियंत्रण एवं पारदर्शिता के संवर्धित स्तर प्राप्त होते हैं

उनके वित्तीय नेतृत्व में, बीएचईएल को लगभग चार दशकों के बाद, वित्तीय विवरणों में वित्तीय जानकारी के अनुपालन, व्यापकता और गुणवत्ता की मान्यता स्वरूप "इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड कंस्ट्रक्शन सेक्टर" श्रेणी में वित्तीय रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई अवार्ड से सम्मानित किया गया है

श्री सुबोध गुप्ता रायचूर पावर कार्पोरेशन लिमिटेड के निदेशक मंडल में अंशकालिक नामित निदेशक के पद पर हैं। उन्हें "स्कोप" कार्यकारी बोर्ड 2021–23 में 01.04.2021 से सदस्य के रूप में भी चुना गया है। इसके अतिरिक्त, वे 22.06.2021 से "वित्तीय प्रबंधन पर स्कोप समिति" के अध्यक्ष और 'स्कोप नीति सलाहकार समूह' और "डिजिटल परिवर्तन पर स्कोप समिति" के सदस्य के रूप में भी कार्य कर रहे हैं।

श्री सुबोध गुप्ता की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों और शर्तों पर वेतनमान रु 1,80,000–3,40,000 प्रति माह पर 17.04.2023 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, की गई है

श्री सुबोध गुप्ता का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है और उनका कंपनी के अन्य निदेशकों / प्रबंधक / प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के साथ कोई संबंध नहीं है।

श्री सुबोध गुप्ता ने वित्त वर्ष 2020–21 में आयोजित निदेशक मण्डल की सभी बैठकों (आठ) में भाग लिया है

श्री शशांक प्रिय

श्री शशांक प्रिय (DIN: 08538400), आयु 55 वर्ष, को बीएचईएल के निदेशक मण्डल में 4 अक्टूबर 2019 को अंशकालिक शासकीय निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

श्री शशांक प्रिय भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क और जीएसटी) 1988 बैच के सिविल अधिकारी हैं। वे वर्तमान में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव व वित्त सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं।

इनके पास अप्रत्यक्ष कर और विश्व व्यापार संगठन से संबंधित विषयों में कार्य करने का 32 से अधिक वर्षों का अनुभव है। इन्होंने जीएसटी से संबंधित विषयों पर विभिन्न पदों जैसे संयुक्त सचिव, जीएसटी परिषद; अपर महानिदेशक (जीएसटी) और आयुक्त, जीएसटी में काम किया है।

इनके पास विश्व व्यापार संगठन के विषयों पर काम करने का एक दशक का अनुभव है। इन्होंने विश्व व्यापार संगठन के अध्ययन केंद्र भारतीय विदेश व्यापार संस्थान में प्रोफेसर के रूप में पांच वर्ष तक काम किया और विश्व

व्यापार संगठन और व्यापार सहयोग से संबंधित विषयों में व्यापक स्तर पर कार्य किया है। उन्होंने वाणिज्य विभाग के व्यापार नीति प्रभाग में उप सचिव / निदेशक के रूप में 5 वर्षों तक काम किया। उन्होंने विश्व व्यापार संगठन समिति की कई बैठकों तथा कैनकुन, जिनेवा और हांगकांग में विश्व व्यापार संगठन मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में वार्ताओं में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

उन्होंने सीमा व केंद्रीय उत्पाद शुल्क के विभिन्न अंगो जैसे केंद्रीय उत्पाद प्रभाग, एंटी–स्मगलिंग, अप्रेजिंग, सतर्कता और निर्यात संवर्धन में भी काम किया है।

उन्होंने कई प्रतिष्ठित संस्थानों के लिए एक बाह्य संकाय के रूप में भूमिका निभाई है और भारत और विदेशों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों के समक्ष जीएसटी और विश्व व्यापार संगठन के विषयों पर कई प्रस्तुतियां दी हैं। वे 2011 और 2012 में विश्व व्यापार संगठन, जिनेवा के सहयोग से विश्व व्यापार संगठन अध्ययन केंद्र द्वारा एशिया प्रशांत देशों के लिए आयोजित दीर्घकालिक विश्व व्यापार संगठन क्षेत्रीय व्यापार नीति पाठ्यक्रम के अकादमिक समन्वयक थे।

उन्होंने विश्व व्यापार संगठन के मुद्दों पर समाचार पत्रों/पत्रिकाओं में लेखों के रूप में योगदान दिया है और दो पुस्तकें लिखी हैं, जिसका नाम है 'भारत के प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की व्यापार नीतियों की समीक्षा' और 'भारत में सीमा निकासी प्रक्रियाओं के लिए व्यापार सुविधा अंतराल विश्लेषण' उन्होंने UN ESCAP, बैंकॉक के लिए 'सीमापार कागज रहित व्यापार' विषय पर एक लेख भी लिखा।

श्री शशांक प्रिय एमएमटीसी लिमिटेड, इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन, इन्वेस्ट इंडिया, स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्जीबिशन सेंटर लिमिटेड, एचएमटी लिमिटेड के निदेशक मण्डल में अंशकालिक आधिकारिक निदेशक का पदभार भी संभाल रहे हैं। वे एमएमटीसी लिमिटेड और इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन की ऑडिट कमेटी के सदस्य हैं तथा स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की ऑडिट कमेटी और स्टेकहोल्डर्स रिलेशनशिप कमेटी के अध्यक्ष हैं।

बीएचईएल के निदेशक मण्डल में भारत सरकार के नामिती होने के नाते, श्री शशांक प्रिय बीएचईएल से कोई पारिश्रमिक प्राप्त नहीं करते हैं।

श्री शशांक प्रिय का बीएचईएल में कोई शेयर नहीं है और उनका कंपनी के अन्य निदेशकों / प्रबंधक / प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों के साथ कोई संबंध नहीं है।

श्री शशांक प्रिय ने वित्त वर्ष 2020–21 में आयोजित निदेशक मण्डल की सभी बैठकों (आठ) में भाग लिया है

निदेशक मण्डल के आदेश से

राजीव कालड़ा

कंपनी सचिव

स्थानः नई दिल्ली

दिनांकः जुलाई 30, 2021

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा वार्षिक सामान्य बैठक से जुड़ने, रिमोट ई–वोटिंग और वार्षिक सामान्य बैठक में वोटिंग करने की प्रक्रियाः

कंपनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियम 2014 यथासंशोधित, सपठित कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 108 एवं सेबी लिस्टिंग विनियमों के नियम 44 के प्रावधानों, तथा ई–वोटिंग सुविधा प्रदान कराने वाली सूचीबद्ध संस्थाओं के संबंध में सेबी परिपत्र संख्याः सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी/सीआईआर/पी/2020/242 दिनांक 9 दिसंबर, 2020, के अनुपालन में, कंपनी अपने सदस्यों को वार्षिक सामान्य बैठक में (एजीएम) पारित किए जाने वाले संकल्पों पर उनके मताधिकार का प्रयोग इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों (ई–वोटिंग) के माध्यम से करने की सुविधा प्रदान कर रही है। यह सुविधा एनएसडीएल की ई–वोटिंग सुविधा के माध्यम से प्रदान कर रही है।

रिमोट ई–वोटिंग की अवधि इस प्रकार होगीः–

दूरस्थ ई–वोटिंग का प्रारम्भ	सोमवार, 20 सितंबर, 2021, प्रातः 9 बजे से
ई–वोटिंग का समापन	बुधवार, 22 सितंबर, 2021 को शाम 5 बजे तक

ऐसे सदस्य जो अंतिम तिथि अर्थात गुरुवार, 16 सितंबर, 2021 को भौतिक रूप में या अभौतिक रूप में शेयर धारण करते हैं वे उक्त अवधि के दौरान इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डाल सकते हैं। इस अवधि के बाद एनएसडीएल द्वारा मतदान के लिए ई–वोटिंग मॉड्यूल निष्क्रिय कर दिया जाएगा। सदस्यों के पास रिमोट ई–वोटिंग सुविधा का उपयोग करके किसी भी संकल्प पर अपना वोट डालने का विकल्प या तो 20 सितंबर, 2021 से शुरू होने वाली और 22 सितंबर, 2021 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान या एजीएम के दौरान ई–वोटिंग करने का होता है। जिन सदस्यों ने एजीएम से पहले रिमोट ई–वोटिंग द्वारा अपना वोट डाला है, वे वीसी के माध्यम से एजीएम में भाग ले सकते हैं लेकिन उन्हीं प्रस्ताव (वों) पर अपना वोट दोबारा डालने के पात्र नहीं होंगे।

कंपनी के निदेशक मंडल ने मेसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स के पेशेवर कंपनी सचिव श्री सचिन अग्रवाल को रिमोट ई–वोटिंग तथा आम सभा के दौरान इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रक्रिया की निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से जांच करने के लिए संवीक्षक (स्क्रूटिनीजर) का काम सौंपा है। इस नियुक्ति को स्वेच्छा से स्वीकार करते हुए उन्होंने आवश्यकतानुसार उपलब्ध होने की हामी भरी है।

किसी सदस्य / लाभार्थी को वोटिंग अधिकार अंतिम तिथि को कंपनी की पेड–अप इक्विटी शेयर पूंजी में उसके शेयर के अनुपात के अनुसार होगा।

संवीक्षक, बैठक में ई–वोटिंग के समापन के बाद, बैठक में डाले गए वोटों एवं दूरस्थ ई–वोटिंग के माध्यम से डाले गए वोटों की जांच करेगा और इन्हें समेकित कर एक संवीक्षक रिपोर्ट बनाकर अध्यक्ष महोदय को प्रस्तुत करेगा। ई–वोटिंग का परिणाम बैठक के समापन के दो कार्य दिवसों के भीतर घोषित किया जाएगा और इसी के साथ, समेकित संवीक्षक रिपोर्ट, कंपनी की वेबसाइट (www.bhel.com) और ई–वोटिंग एजेंसी की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर पर डाल दी जाएगी। परिणाम उसी समय स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया जाएगा।

अपेक्षित संख्या में वोटों की प्राप्ति पर, नोटिस में प्रस्तावित प्रस्तावों को बैठक की तिथि पर, अर्थात् 23 सितंबर, 2021 को पारित माना जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से वोटिंग और आभासी (वर्चुअल) बैठकों में भाग लेने की प्रक्रिया

क. रिमोट ई–वोटिंग और एजीएम में वोटिंग के लिए प्रक्रिया नीचे समझाई गई हैः

चरण –1: एनएसडीएल ई–वोटिंग सिस्टम में प्रवेश एवं एनएसडीएल ई–वोटिंग सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से वोट डालना

क.1) डीमैट मोड में प्रतिभूतियां धारण करने वाले शेयरधारक व्यक्ति के लिए लॉगिन विधि

सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली ई–वोटिंग सुविधा संबंधी सेबी के 9 दिसंबर, 2020 के परिपत्र के अनुसार और मतदान प्रक्रिया की दक्षता बढ़ाने के हिस्से के रूप में, डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को धारण करने वाले सभी व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए ई–वोटिंग प्रक्रिया को इस प्रकार सक्षम किया गया है कि वे डिपोजिटरी/डिपॉजिटरी की वेबसाइट/डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के पास खोले गए उनके डीमैट खाते के माध्यम से वोट कर सकें। शेयरधारकों को सलाह दी जाती है कि वे ई–वोटिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए अपने डीमैट खातों में अपना मोबाइल नंबर और ईमेल–आईडी अपडेट करें।

शेयरधारकों का प्रकार	लॉगिन विधि
एनएसडीएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	**I. एनएसडीएल आईडीएएस (IDeAS) सुविधाः** • **यदि आप पहले से ही एनएसडीएल आईडीईएएस सुविधा में पंजीकृत हैंः** 1. कृपया एनएसडीएल की ई–सेवा वेबसाइट देखें। पर्सनल कंप्यूटर या मोबाइल फोन के वेब ब्राउजर में निम्नलिखित यूआरएल टाइप करके खोलेंः https://eservices.nsdl.com/ 2. ई–सेवाओं का होमपेज दिखाई देने के बाद, "आइडीएएस" अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध "लॉगिन" के अंतर्गत "बेनिफिशियल ओनर" आइकन पर क्लिक करें। 3. एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपना यूजर आईडी और पासवर्ड डालना होगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, आप ई–वोटिंग सेवाओं को देख पाएंगे। 4. ई–वोटिंग सेवाओं के तहत "एक्सेस टू ई–वोटिंग" पर क्लिक करें और आप ई–वोटिंग पेज देख पाएंगे। 5. कंपनी के नाम या ई–वोटिंग सेवा प्रदाता – एनएसडीएल के सामने उपलब्ध विकल्पों पर क्लिक करें। तब आपको रिमोट ई–वोटिंग अवधि के दौरान या मीटिंग के दौरान मतदान करने के लिए एनएसडीएल ई–वोटिंग वेबसाइट पर री डाइरेक्ट किया जाएगा।

	• **यदि आप आईडीईएएस ई–सेवाओं में पंजीकृत नहीं हैं:** 1. पंजीकरण करने का विकल्प https://eservices.nsdl.com पर उपलब्ध है 2. 'IDeAS में ऑनलाइन पंजीकरण करें' चुनें या https://eservices.nsdl.com/SecureWeb/IdeasDirectReg.jsp पर क्लिक करें। 3. सफलतापूर्वक पंजीकरण होने पर, कृपया उपर्युक्त बिंदु 1 – 5 में दिए गए निर्देशों का पालन करें। **II. एनएसडीएल की ई–वोटिंग वेबसाइट:** 1. एनएसडीएल की ई–वोटिंग वेबसाइट पर जाएं। पर्सनल कंप्यूटर या मोबाइल फोन के वेब ब्राउजर में निम्नलिखित यूआरएल टाइप करके खोलें: https://www.evoting.nsdl.com/ 2. ई–वोटिंग सिस्टम का होमपेज दिखाई देने के बाद, "शेयरधारक/सदस्य" अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध "लॉगिन" आइकन पर क्लिक करें। 3. एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपना यूजर आईडी (यानी एनएसडीएल के पास 16 अंकों का डीमैट खाता नंबर), पासवर्ड / ओटीपी और स्क्रीन पर दिखाए गए सत्यापन कोड को दर्ज करना होगा। 4. सफल प्रमाणीकरण के बाद, आपको एनएसडीएल डिपॉजिटरी साइट पर भेज दिया जाएगा, जहां आप ई–वोटिंग पेज देख सकते हैं। कंपनी के नाम या ई–वोटिंग सेवा प्रदाता – एनएसडीएल के सामने उपलब्ध विकल्पों पर क्लिक करें और रिमोट ई–वोटिंग अवधि के दौरान या मीटिंग के दौरान मतदान करने के लिए आपको एनएसडीएल की ई–वोटिंग वेबसाइट पर पुनः निर्देशित किया जाएगा। III. शेयरधारक / सदस्य निर्बाध मतदान अनुभव के लिए नीचे उल्लिखित क्यूआर कोड को स्कैन करके एनएसडीएल मोबाइल ऐप "एनएसडीएल स्पीड–ई" सुविधा भी डाउनलोड कर सकते हैं। **NSDL Mobile App is available on** App Store Google Play

सीडीएसएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	1. मौजूदा उपयोगकर्ता जिन्होंने ईज़ी/ईज़ीएस्ट का विकल्प चुना है, वे अपनी यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। ई–वोटिंग पेज तक पहुंचने का विकल्प बिना किसी और प्रमाणीकरण के उपलब्ध कराया जाएगा। उपयोगकर्ताओं के लिए Easi/Easiest में लॉगिन करने के लिए https://web.cdslindia.com/myeasi/home/login या www.cdslindia.com है और 'New System Myeasi' पर क्लिक करें। 2. ईज़ी/ईज़ीएस्ट के सफल लॉगिन के बाद, आप ई वोटिंग मेनू भी देख पाएंगे। मेनू में ई–वोटिंग सेवा प्रदाता (ईएसपी) यानी एनएसडीएल पोर्टल के लिंक होंगे। अपना वोट डालने के लिए एनएसडीएल पर क्लिक करें। 3. यदि आप Easi/Easiest में पंजीकृत नहीं हैं, तो पंजीकरण करने का विकल्प https://web.cdslindia.com/myeasi/Registration/EasiRegistration पर उपलब्ध है। 4. वैकल्पिक रूप से, आप www.cdslindia.com होम पेज में एक लिंक से डीमैट खाता संख्या और पैन नंबर प्रदान करके सीधे ई–वोटिंग पेज तक पहुंच सकते हैं। सिस्टम डीमैट खाते में पंजीकृत मोबाइल और ईमेल पर ओटीपी भेजकर उपयोगकर्ता को प्रमाणित करेगा। सफल प्रमाणीकरण के बाद, उपयोगकर्ता को संबंधित ईएसपी यानी एनएसडीएल के लिए लिंक प्रदान किए जाएंगे जहां ई–वोटिंग चल रही है।
शेयरधारक (डीमैट मोड में प्रतिभूतियां रखने वाले) का उनके डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के माध्यम से लॉगिन	1. आप ई–वोटिंग सुविधा के लिए एनएसडीएल/सीडीएसएल के साथ पंजीकृत अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के माध्यम से अपने डीमैट खाते के लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करके भी लॉग इन कर सकते हैं। 2. लॉग इन करने के बाद आपको ई–वोटिंग का विकल्प दिखाई देगा। एक बार जब आप ई–वोटिंग विकल्प पर क्लिक करते हैं, तो सफल प्रमाणीकरण के बाद आपको एनएसडीएल/सीडीएसएल डिपॉजिटरी साइट पर भेज दिया जाएगा, जहां आप ई–वोटिंग सुविधा देख सकते हैं। 3. कंपनी के नाम या ई–वोटिंग सेवा प्रदाता–एनएसडीएल के सामने उपलब्ध विकल्पों पर क्लिक करें और रिमोट ई–वोटिंग अवधि के दौरान या मीटिंग के दौरान मतदान करने के लिए आपको एनएसडीएल की ई–वोटिंग वेबसाइट पर रीडायरेक्ट कर दिया जाएगा।

महत्वपूर्ण टिप्पणी: जो सदस्य यूजर आईडी / पासवर्ड याद करने में असमर्थ हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे उपर्युक्त वेबसाइट पर उपलब्ध फॉरगॉट यूजर आईडी एंड पासवर्ड विकल्प का उपयोग करें।

डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों की डिपॉजिटरी यानी एनएसडीएल और सीडीएसएल के माध्यम से लॉगिन से संबंधित किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान हेतु हेल्पडेस्क

लॉगिन प्रकार	हेल्पडेस्क विवरण
एनएसडीएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	लॉगिन करने में किसी भी तकनीकी समस्या का सामना करने वाले सदस्य NSDL हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं वे evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेजकर या टोल फ्री नंबरः 1800–1020–990 और 1800–22–4430 पर कॉल करके समस्या का हल पा सकते हैं।
सीडीएसएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक	लॉगिन करने में किसी भी तकनीकी समस्या का सामना करने वाले सदस्य NSDL हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं वे helpdesk.evoting@cdslindia.com पर अनुरोध भेजकर या टोल फ्री नंबरः 022– 23058738 और 022–23058542/43 पर कॉल करके समस्या का हल पा सकते हैं।

क. 2) व्यक्तिगत शेयरधारकों के अलावा, डीमैट मोड में प्रतिभूतियों के धारक तथा भौतिक मोड में प्रतिभूतियों के धारक शेयरधारकों के लिए लॉगिन विधि

1. एनएसडीएल की ई–वोटिंग वेबसाइट पर जाएं। पर्सनल कंप्यूटर पर या मोबाइल के वेब ब्राउज़र पर निम्नलिखित URL टाइप करके खोलें: https://www.evoting.nsdl.com ।
2. ई–वोटिंग सिस्टम का होम पेज दिखाई देने के बाद, शेयरधारक/सदस्य अनुभाग के अंतर्गत उपलब्ध लॉगिन आइकन पर क्लिक करें।
3. एक नई स्क्रीन खुलेगी। आपको अपना यूजर आईडी, अपना पासवर्ड/ओटीपी और स्क्रीन पर दिखाई देने वाला एक सत्यापन कोड दर्ज करना होगा।
4. वैकल्पिक रूप से, यदि आप एनएसडीएल ई–सेवाओं यानी आईडीईएएस में पंजीकृत हैं, तो आप अपने मौजूदा आईडीईएएस लॉगिन से https://eservices.nsdl.com/ पर लॉगिन कर सकते हैं। एक बार जब आप अपने लॉगिन क्रेडेंशियल का उपयोग करने के बाद एनएसडीएल ई–सेवाओं में लॉग इन करते हैं, तो ई–वोटिंग पर क्लिक करें और आप चरण 2 पर आगे बढ़ सकते हैं यानी एनएसडीएल ई–वोटिंग सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डालें।
5. आपका यूजर आईडी विवरण नीचे दिया गया है:

शेयर धारिता का स्वरूप अर्थात डीमैट (एनएसडीएल या सीडीएसएल) या भौतिक	**आपकी यूजर आईडी है:**
क. एनएसडीएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत सदस्यों के लिए	8–कैरेक्टर डीपी आईडी के बाद 8– डिजिट क्लाइंट आईडी उदाहरण के लिए यदि आपकी डीपी आईडी IN300*** है और क्लाइंट आईडी 12****** है तो आपकी यूजर आईडी IN300***12****** होगी
ख. सीडीएसएल में डीमैट मोड में प्रतिभूति रखने वाले व्यक्तिगत सदस्यों के लिए	16. अंक वाली लाभार्थी आईडी उदाहरण के लिए यदि आपकी लाभार्थी आईडी 12************** है तो आपकी उपयोगकर्ता आईडी 12************* होगी।
ग. भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्यों के लिए	ईवन नंबर के बाद कंपनी के साथ पंजीकृत फोलियो नंबर उदाहरण के लिए यदि फोलियो नंबर 001*** है और EVEN 116681 है तो यूजर आईडी 116681001*** होगी।

6. व्यक्तिगत शेयरधारकों के अतिरिक्त अन्य शेयरधारकों के लिए पासवर्ड विवरण नीचे दिया गया है:

   अ. यदि आप पहले से ही ई–वोटिंग के लिए पंजीकृत हैं, तो आप अपने मौजूदा पासवर्ड का उपयोग से लॉग इन करके अपना वोट डाल सकते हैं।

   आ. यदि आप पहली बार एनएसडीएल ई–वोटिंग सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं, तो आपको "आरंभिक पासवर्ड" याद/प्राप्त करना होगा जो आपको सूचित किया गया था। एक बार जब आप अपना "आरंभिक पासवर्ड" याद/प्राप्त कर लेते हैं, तो आपको "आरंभिक पासवर्ड" दर्ज करना होगा और सिस्टम आपको अपना पासवर्ड बदलने के लिए संकेत देगा।

   इ. अपना आरंभिक पासवर्ड कैसे याद/प्राप्त करें?

   i. यदि आपकी ईमेल आईडी आपके डीमैट खाते में या कंपनी के साथ पंजीकृत है, तो आपका "प्रारंभिक पासवर्ड" आपको आपकी ईमेल आईडी पर सूचित किया जाता है। एनएसडीएल से आपको भेजे गए ईमेल को आपके मेलबॉक्स से ट्रेस करें। इस ईमेल खोलें और अटैचमेंट में एक .pdf फ़ाइल होगी, उसे खोलें। .pdf फ़ाइल खोलने का पासवर्ड एनएसडीएल खाते में आपकी 8 अंकों की क्लाइंट आईडी, सीडीएसएल खाते में क्लाइंट आईडी के अंतिम 8 अंक अथवा भौतिक रूप में धारित शेयरों का फोलियो नंबर है। .pdf फाइल में आपकी "यूजर आईडी" और आपका "आरंभिक पासवर्ड" दिया गया है।

   ii. यदि आपकी ईमेल आईडी पंजीकृत नहीं है, तो कृपया नीचे दिए गए "शेयरधारकों के लिए सामान्य दिशानिर्देश" के चरणों का पालन करें।

7. यदि आप "आरंभिक पासवड" याद/पुनः प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या प्राप्त नहीं किया है या अपना पासवर्ड भूल गए हैं:

   अ. "फॉरगॉट यूजर डिटेल्स/पासवर्ड" पर क्लिक करें। (यदि आप एनएसडीएल या सीडीएसएल में डीमैट खाते में शेयर रखते हैं) विकल्प www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध है।

   आ. "फिजिकल यूजर रीसेट पासवर्ड" पर क्लिक करें (यदि आप भौतिक रूप में शेयर धारण कर रहे हैं) विकल्प www.evoting.nsdl.com पर उपलब्ध है।

   इ. यदि आप अभी भी उपर्युक्त दोनों विकल्पों द्वारा पासवर्ड प्राप्त करने में असमर्थ हैं, तो आप अपना डीमैट खाता संख्या/फोलियो नंबर,

अपना पैन, अपना नाम और अपना पंजीकृत पता आदि का उल्लेख करते हुए evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेज सकते हैं।

ई. सदस्य एनएसडीएल की ई–वोटिंग प्रणाली पर वोट डालने के लिए ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) आधारित लॉग–इन का भी उपयोग कर सकते हैं।

8. अपना पासवर्ड दर्ज करने के बाद, "नियमों और शर्तों से सहमत" के चेक बॉक्स पर चयन करके टिक करें।

9. अब, आपको "लॉगिन" बटन पर क्लिक करना होगा।

10. "लॉगिन" बटन पर क्लिक करने के बाद ई–वोटिंग का होम पेज खुल जाएगा।

चरण 2: एनएसडीएल ई–वोटिंग सिस्टम पर इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डालना

1. चरण 1 में सफलतापूर्वक लॉगिन करने के बाद, आप उन सभी कंपनियों को 'EVEN' देख पाएंगे जिनमें आपके शेयर हैं और जिनका मतदान चक्र सक्रिय स्थिति में है।

2. रिमोट ई–वोटिंग अवधि के दौरान अपना वोट डालने और आम बैठक के दौरान अपना वोट डालने के लिए कंपनी के "ईवन 116681" का चयन करें। वर्चुअल मीटिंग में शामिल होने के लिए, आपको "ज्वाइन जनरल मीटिंग" के तहत दिए गए 'VC/OAVM' लिंक पर क्लिक करना होगा।

3. जैसे ही वोटिंग पेज खुलेगा, आप ई–वोटिंग के लिए तैयार हैं।

4. सहमति या असहमति में से उचित विकल्प का चयन करके अपना वोट दें, उन शेयरों की संख्या को सत्यापित/संशोधित करें जिनके लिए आप अपना वोट देना चाहते हैं और "सबमिट" पर क्लिक करें और संकेत मिलने पर "कनफम" पर भी क्लिक करें।

5. "कनफर्म" होने पर, "वोट कास्ट सक्सेसफुली" संदेश प्रदर्शित होगा और आपको डिपॉजिटरी से पंजीकृत अपने मोबाइल नंबर पर एक एसएमएस के माध्यम से एक पुष्टिकरण प्राप्त होगा।

6. आप कन्फर्मेशन पेज पर प्रिंट विकल्प पर क्लिक करके अपने द्वारा डाले गए वोटों का प्रिंटआउट भी ले सकते हैं।

7. एक बार जब आप संकल्प पर अपने वोट की पुष्टि कर देते हैं, तो आपको अपना वोट संशोधित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ख. सदस्यों को वीसी के माध्यम से सामान्य बैठक में भाग लेने तथा सामान्य बैठक के दिन वोटिंग करने संबंधी निर्देश:

1. सदस्यों को वीसी के माध्यम से एनएसडीएल ई–वोटिंग सिस्टम द्वारा एजीएम में भाग लेने की सुविधा प्रदान की जाएगी। सदस्य "एनएसडीएल ई–वोटिंग सिस्टम में प्रवेश" हेतु ऊपर बताए गए चरणों का पालन करके इसे एक्सेस कर सकते हैं। सफल लॉगिन के बाद, सदस्यों को कंपनी के नाम के सामने "ज्वाइन जनरल मीटिंग" मेन्यू के तहत रखे गए "वीसी/ओएवीएम लिंक" पर क्लिक करना चाहिए। वीसी/ओएवीएम के लिए लिंक शेयरधारक/सदस्य लॉगिन में उपलब्ध होगा जहां कंपनी का ईवन प्रदर्शित किया जाएगा।

2. जिन सदस्यों के पास ई–वोटिंग के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड नहीं है या वे यूजर आईडी और पासवर्ड भूल गए हैं, वे नोटिस में उल्लिखित रिमोट ई–वोटिंग निर्देशों का पालन करके इसे पुनः प्राप्त कर सकते हैं।

3. सदस्यों को बेहतर अनुभव के लिए लैपटॉप के माध्यम से बैठक में शामिल होने का परामर्श दिया जाता है। इसके अलावा, सदस्यों को बैठक के दौरान किसी भी गड़बड़ी से बचने के लिए कैमरे की अनुमति देने और अच्छी गति के साथ इंटरनेट का उपयोग करने की आवश्यकता होगी।

4. कृपया ध्यान दें कि मोबाइल उपकरणों या टैबलेट से या मोबाइल हॉटस्पॉट के माध्यम से लैपटॉप के माध्यम से जुड़ने वाले प्रतिभागियों को अपने संबंधित नेटवर्क में उतार–चढ़ाव के कारण ऑडियो/वीडियो व्यवधान का अनुभव हो सकता है। इसलिए किसी भी प्रकार की पूर्वोक्त गड़बड़ियों को कम करने के लिए स्थिर वाई–फाई या लैन कनेक्शन का उपयोग करने की अनुशंसा की जाती है।

5. ऐसे सदस्य जिन्हें एजीएम से पहले या उसके दौरान सहायता की आवश्यकता है, वे एनएसडीएल से evoting@nsdl.co.in / 1800–102–0990 और 1800–22–4430 पर संपर्क कर सकते हैं या एनएसडीएल की श्रीमती सोनी सिंह से`वदपे/देकस.बव पर संपर्क कर सकते हैं।

6. ऐसे सदस्य जो एजीएम के दौरान अपने विचार व्यक्त करना चाहते हैं या प्रश्न पूछना चाहते हैं, वे 17 सितंबर, 2021 (सुबह 9:00 बजे भा.स.अ.) से 18 सितंबर, 2021 (5:00 बजे भा.स.अ.) तक अपने नाम, डीपी आईडी और क्लाइंट आईडी / फोलियो नंबर, पैन, मोबाइल नंबर और संभावित प्रश्न (यदि कोई हो) का उल्लेख करते हुए अपने पंजीकृत ई–मेल पते से अनुरोध shareholderquery@ bhel.in भेजकर खुद को एक स्पीकर के रूप में पंजीकृत कर सकते हैं। वे सदस्य जिन्होंने स्वयं को स्पीकर के रूप में पंजीकृत किया है, उन्हें ही एजीएम के दौरान अपने विचार व्यक्त करने/प्रश्न पूछने की अनुमति होगी। कंपनी एजीएम के सुचारू संचालन के लिए पर्याप्त समय की उपलब्धता के अधीन प्रश्नों की संख्या और वक्ताओं की संख्या को सीमित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है।

7. सदस्य अपने नाम, डीमैट खाता संख्या/फोलियो नंबर, ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर और अपेक्षित विचारों/प्रश्नों का उल्लेख करते हुए अग्रिम रूप से shareholderquery@bhel.in पर मेल भेजकर लिखित में प्रश्न पूछ सकते हैं। इसका कंपनी द्वारा उपयुक्त उत्तर दिया जाएगा।

8. बैठक में शामिल होने की सुविधा एजीएम के निर्धारित समय से 15 मिनट पहले खोली जाएगी और एजीएम की पूरी कार्यवाही के दौरान खुली रखी जाएगी।

9. एजीएम के दिन ई–वोटिंग की प्रक्रिया वही है जो रिमोट ई–वोटिंग के लिए ऊपर दिए गए निर्देशों के अनुसार है।

10. केवल वे सदस्य/शेयरधारक, जो वीसी सुविधा के माध्यम से एजीएम में उपस्थित होंगे और रिमोट ई–वोटिंग के माध्यम से संकल्पों पर अपना वोट नहीं डाला है और अन्यथा ऐसा करने से प्रतिबंधित नहीं हैं, ई–वोटिंग के माध्यम से मतदान करने के पात्र होंगे।

11. रिमोट ई–वोटिंग के माध्यम से मतदान करने वाले सदस्य एजीएम में भाग लेने के पात्र होंगे। परंतु वे एजीएम में मतदान करने पात्र नहीं होंगे।

ग. शेयरधारकों के लिए सामान्य दिशानिर्देश

1. कॉर्पोरेट/संस्थागत सदस्यों (अर्थात व्यक्तियों, एचयूएफ, एनआरआई, आदि के अलावा) को अपने विधिवत अधिकृत प्रतिनिधि के सत्यापित नमूना हस्ताक्षर (हस्ताक्षरों) सहित बोर्ड संकल्प/प्राधिकरण पत्र आदि की स्कैन की गई प्रमाणित मूल प्रति (पीडीएफ प्रारूप) संवीक्षक को sachin@companylawworld.com पर एवं evoting@nsdl.co.in पर कॉपी भेजना आवश्यक है।

2. प्रबल अनुशंसा की जाती है कि अपना पासवर्ड किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा न करें और अपने पासवर्ड को गोपनीय रखने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतें। सही पासवर्ड डालने के पांच असफल प्रयासों पर ई–वोटिंग वेबसाइट पर लॉगिन अक्षम हो जाएगा। ऐसी स्थिति में, आपको "उपयोगकर्ता विवरण/पासवर्ड भूल गए" के माध्यम से जाना होगा? या "भौतिक उपयोगकर्ता रीसेट पासवर्ड" पासवर्ड रीसेट करने के लिए www.evoting.nsd.com पर विकल्प उपलब्ध है।

3. नोटिस भेजने के बाद भौतिक रूप में शेयर रखने वाला कोई भी व्यक्ति और गैर–व्यक्तिगत शेयरधारक, जो कंपनी के शेयरों का अधिग्रहण करता है एवं कंपनी का सदस्य बन जाता है तथा अंतिम तिथि को शेयर रखता है, वह evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेजकर लॉगिन आईडी व पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। परंतु यदि वह रिमोट ई–वोटिंग के लिए एनएसडीएल के साथ पहले से पंजीकृत है तो वह वोट डालने के लिए अपनी मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर सकता है। नोटिस भेजने के बाद डीमैट मोड में शेयर रखने वाला कोई भी व्यक्ति और गैर–व्यक्तिगत शेयरधारक, जो कंपनी के शेयरों का अधिग्रहण करता है एवं कंपनी का सदस्य बन जाता है तथा अंतिम तिथि को शेयर रखता है, वह उपर्युक्त वर्णित डीमैट मोड में प्रतिभूतियां धारण करने वाले शेयरधारक व्यक्ति के लिए लॉगिन विधि में दिए निर्देशों का पालन कर सकता है।

4. किसी भी शंका के समाधान हेतु, आप www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड अनुभाग पर उपलब्ध शेयरधारकों के लिए अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) और शेयरधारकों के लिए ई–वोटिंग उपयोगकर्ता पुस्तिका देख सकते हैं या टोल फ्री नंबरः 1800–1020–990 और 1800–22–4430 पर कॉल कर सकते हैं अथवा सुश्री सोनी सिंह को evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेजें।

5. जिन सदस्यों की ईमेल आईडी डिपॉजिटरी/कंपनी में पंजीकृत नहीं हैं, वे ई–वोटिंग के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त करने हेतु www.evoting.nsdl.com पर अनुरोध भेज सकते हैं:

   i. यदि शेयर भौतिक रूप में धारित हैं तो कृपया फोलियो नंबर, शेयरधारक का नाम, शेयर प्रमाणपत्र की स्कैन की गई प्रति (आगे और पीछे), पैन (पैन कार्ड की सेल्फ–अटेस्टेड स्कैन कॉपी), आधार (आधार कार्ड की प्रति की स्व–सत्यापित स्कैन की गई) प्रदान करें।)।

   ii. यदि शेयर डीमैट मोड में हैं, तो कृपया डीपीआईडी–सीएलआईडी (16 अंकों का डीपीआईडी + सीएलआईडी या 16 अंकों का लाभार्थी आईडी), नाम, क्लाइंट मास्टर या समेकित खाता विवरण की प्रति, पैन (पैन कार्ड की स्व–सत्यापित स्कैन प्रति), आधार (आधार कार्ड की प्रति की स्व–सत्यापित स्कैन की गई)

   iii. यदि आप डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारक हैं, तो आपसे अनुरोध किया जाता है कि आप (बिंदु संख्या ए.1) में बताई गई लॉगिन विधि, अर्थात डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों के लिए लॉगिन विधि को देखें।

   iv. सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली ई–वोटिंग सुविधा संबंधी सेबी के 9 दिसंबर, 2020 के परिपत्र के अनुसार, डीमैट मोड में प्रतिभूतियों को रखने वाले व्यक्तिगत शेयरधारकों को डिपॉजिटरी और डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ बनाए गए डीमैट खाते के माध्यम से वोट करने की अनुमति है। ई–वोटिंग सुविधा का उपयोग करने के लिए शेयरधारकों को अपने डीमैट खाते में अपना मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सही अपडेट करना आवश्यक है।

6. कंपनी में अपना ईमेल पता स्थायी रूप से पंजीकृत/अपडेट करने के लिए और भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक रूप से सभी संचार (नोटिस, वार्षिक रिपोर्ट और ई–वोटिंग निर्देश, यूजर आईडी और पासवर्ड के साथ) प्राप्त करने के लिए, कृपया नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन करें:

   क. भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्य प्रथम शेयरधारक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित अनुरोध पत्र, की स्कैन की गई प्रति के साथ shareholderquery@bhel.in पद को अथवा कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड को rta@alankit.com पर–मेल अनुरोध भेज सकते हैं, जिससे आरटीए उनका ई–मेल पता पंजीकृत कर सकेगा। अनुरोध पत्र में ईमेल, मोबाइल नंबर, पैन की स्व–सत्यापित प्रति एवं शेयर प्रमाणपत्र की एक प्रति होनि चाहिए।

   ख. डीमैटीरियलाइज्ड मोड में शेयर रखने वाले सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपने संबंधित डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट के साथ अपने ईमेल पते को रजिस्टर/अपडेट करें।

   ग. इस संबंध में किसी अन्य प्रश्न के उत्तर हेतु सदस्यों से अनुरोध है कि वे rta@alankit.com पर मेल लिखें या 011–42541234 पर कॉल करें।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
(सीआईएन : एल74899डीएल1964जीओआई004281)
पंजीकृत कार्यालयः बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली : 110049
फोनः 011–66337000, फ़ैक्सः 011–66337428
वेबसाइटः www.bhel.com ई–मेलः shareholderquery@bhel.in

प्रिय शेयरधारक (को)

संदर्भ : राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवाओं (एनईसीएस)/इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवाओं (ईसीएस) के माध्यम से लाभांश का भुगतान

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के अनुसरण में सभी सूचीबद्ध कंपनियाँ को लाभांश के भुगतान के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा स्वीकृत किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मोड जैसे ईसीएस/एनईसीएस/डाएरेक्ट क्रेडिट आदि के भुगतान की पद्धति को अपनाना हैं।

यदि आपने पहले से हमारे रजिस्ट्रार यानि मैसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड या अपने डिपोजिटरी प्रतिभागी (डीमैट होल्डिंग के मामले में), एनईसीएस/ईसीएस/बैंक खाता विवरण प्रेषित नहीं किए हैं, तो आपसे हमारा अनुरोध है कि नीचे दिए गए फॉर्मेट में उक्त विवरण उपलब्ध कराएं, ताकि कंपनी द्वारा घोषित होने वाले लाभांश का त्वरित, सुरक्षित एवं सही भुगतान किया जा सके।

कृपया सुनिश्चित करें कि रजिस्ट्रारों/ डिपोजिटरी प्रतिभागी को आपके द्वारा प्रस्तुत किए गए विवरण सही हों, क्योंकि उनमें कोई त्रुटि होने पर लाभांश की राशि गलत खाते में जमा हो जाएगी।

कृपया आपकी बेहतर सेवा करने में हमें सहयोग करें।

भवदीय

(राजीव कालड़ा)
कंपनी सचिव

विशेष टिप्पणीः यदि आपके पास डीमैट रूप में शेयर हैं तो अपने डिपोजिटरी प्रतिभागी को आपके बैंक खाता विवरणों/एनईसीएस/ईसीएस/सीधे क्रेडिट अधिदेश पर ध्यान देने का परामर्श दें।

....

एनईसीएस/ईसीएस अधिदेश/बैंक खाता विवरणों के लिए फॉर्म

मैं/हम...एतद द्वारा बीएचईएल/अपने डिपोजिटरी प्रतिभागी कोः

☐ मेरे/हमारे लाभांश वारंट पर निम्न विवरण छापने

☐ एनईसीएस/ईसीएस द्वारा बैंक खाते में मेरे लाभांश राशि जमा करने हेतु प्राधिकृत करता हूं/करते हैं

(जो लागू न हो कृपया उसे काट दें)

मेरा/हमारा फोलियो सं............................ अथवा डीपी आईडी सं. ....ग्राहक सं................................ हैं।

बैंक खाते का विवरणः

क.	बैंक का नाम	....
ख.	शाखा का नाम (केवल अधिदेश के लिए पता)	....
ग.	एमआईसीआर चैक में दिए गए बैंक और शाखा के 9 अंको की कोड संख्या	....
घ.	आईएफ़एससी कोड	....
ङ.	खाते का प्रकार (बचत/चालू)	....
च.	बैंक बुक में दिए गए अनुसार खाता सं.	....
छ.	शेयरधारक का एसटीडी कोड एवं फोन न.	....

यदि एनईसीएस/ईसीएस कार्यान्वित न हो सकी अथवा बैंक एनईसीएस/ईसीएस को किसी कारण से समाप्त कर देता है, तो मैं/हम कंपनी को जिम्मेदार नहीं ठहराऊंगा/ठहराएंगे।

भेजें:

मेसर्स अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड
इकाईः बीएचईएल
4ई/2, अलंकित हाउस, झंडेवालान एक्सटेंशन,
नई दिल्ली–110055

____
शेयरधारक के हस्ताक्षर

कृपया (1) 9 अंको की कोड सं. की यथार्थता के सत्यापन हेतु आपके उक्त खाते से संबन्धित आपके बैंक द्वारा जारी चैक या खाली रद्द किए गए चैक की प्रति और (2) अपने पैन कार्ड की एक प्रति इस फॉर्म के साथ संलग्न करें।

बैंकर, लेखा परीक्षक और शेयर अंतरण एजेंट

बैंकर्स	लेखा परीक्षक
ऐक्सिस बैंक	राज हर गोपाल एंड कंपनी, नई दिल्ली
बैंक ऑफ बड़ौदा	तिवारी एंड एसोसिएट्स, नई दिल्ली
केनरा बैंक	महेश सी सोलंकी एंड कंपनी, भोपाल
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	पोनराज एंड कंपनी, त्रिची
सिटी बैंक एन ए	राव एंड एम्मार, बैंगलोर
डच बैंक एजी	राव एंड कुमार, हैदराबाद
एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट बैंक ऑफ इंडिया	गोपालैयार एंड सुब्रमण्यम, चेन्नई
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड	
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड	**लागत लेखा परीक्षक**
आईडीबीआई बैंक	शोम एंड बनर्जी, दिल्ली
इंडियन बैंक	आर जे गोयल एंड कंपनी, दिल्ली
इंडियन ओवरसीज बैंक	केआरजे एंड एसोसिएट्स, हैदराबाद
इंडसइंड बैंक	एम. कृष्णास्वामी एंड एसोसिएट्स, चेन्नई
कोटक महिंद्रा बैंक	जे एच एंड एसोसिएट्स, बेंगलुरु
पंजाब नेशनल बैंक	के बी सक्सेना एंड एसोसिएट्स, लखनऊ
आरबीएल बैंक लिमिटेड	उप्पलपति एंड एसोसिएट्स, विशाखापत्तनम
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक	
भारतीय स्टेट बैंक	
फेडरल बैंक लिमिटेड	
हांगकांग एंड शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	**शेयर ट्रांसफर एजेंट**
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	अलंकित असाइनमेंट्स लिमिटेड अलंकित हाउस, 4ई/2, झंडेवालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली– 110055 दूरभाष: 91–11–4254 1234 फैक्स: 91–11–4254 1201
यैस बैंक लिमिटेड	

पंजीकृत कार्यालय
बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049 (भारत)
सीआईएन: L74899DL1964GOI004281
फोन: 011–66337000, फैक्स: 011–66337428
वेबसाईट: www.bhel.com ई–मेल shareholderquery@bhel.in

रक्षा और एयरोस्पेस में महत्वपूर्ण उपलब्धियां!

बीएचईएल तीन दशकों से अधिक समय से रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए रणनीतिक उपकरणों और सेवाओं का एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता बना हुआ है।

राष्ट्र के अंतरिक्ष कार्यक्रम में महत्त्वपूर्ण योगदान करते हुए, बीएचईएल 1992 से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के लंबे समय से चले आ रहे भागीदारों में से एक है। बीएचईएल को इसरो के सभी अंतरिक्ष कार्यक्रमों के साथ जुड़े होने पर बहुत गर्व है। इनसैट, जीसैट, आईआरएनएसएस श्रृंखला और रिसैट श्रृंखला सहित राष्ट्रीय महत्व के मिशनों को बीएचईएल निर्मित अंतरिक्ष ग्रेड सौर पैनलों और लिथियम–आयन बैटरी द्वारा संचालित किया गया है। बीएचईएल इसरो को टाइटेनियम मिश्र धातु आधारित अंतरिक्ष यान प्रणोदक टैंक घटकों की आपूर्ति भी करता रहा है।

2020–21 में नई उपलब्धि प्राप्त करते हुए, देश के महत्वपूर्ण मिशन चंद्रयान 3 के प्रति प्रतिबद्धता को और सशक्त किया गया। वर्ष के दौरान, बीएचईएल ने इस मिशन के लिए इसरो को 100वीं स्पेस ग्रेड की बैटरी की आपूर्ति करने का अनूठा गौरव हासिल किया और रिकॉर्ड समय में चंद्रयान 3 के लिए सेंट्रल रिंग्स का निर्माण भी पूरा किया।

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालयः बीएचईएल हाउस, सीरी फोर्ट, नई दिल्ली–110049 भारत

सी आई एनः L74899DL1964GOI004281

www.bhel.com

हमें इन पर फॉलो करें

BHELOfficial BHEL_India BHEL_India bhel.india company/bhel